प्रतियोगिता दर्पण

मई 2024 मूल्य ₹ 125.00

हिन्दी मासिक

शिक्षित युवा वर्ग के स्वर्णिम भविष्य के लिये

For e-magazine:
http://emagazine.pdgroup.in

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भूटान का सर्वोच्च नागरिक सम्मान

हल प्रश्न-पत्र

- छत्तीसगढ़ पीएससी राज्य सेवा प्रा., 23
- उ.प्र. पीएससी आर.ओ./ए.आर.ओ., 24
- हरियाणा सिविल सेवा प्रा., 24

- 18वीं लोक सभा चुनावों का विस्तृत कार्यक्रम घोषित
- चार वर्ष पूर्व पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू
- लक्षद्वीप में भारतीय नौसेना का नया अड्डा-आईएनएस जटायु
- एमआईआरवी तकनीक युक्त अग्नि-V का परीक्षण
- यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ भारत का स्वतंत्र व्यापार समझौता
- 2023-24 में देश में जीडीपी वृद्धि 7·6 प्रतिशत: एनएसओ के दूसरे अग्रिम अनुमान
- 2023-24 में देश में प्रमुख कृषिगत एवं बागवानी उत्पादन
- भारत हथियारों का सबसे बड़ा आयातक: अमरीका सबसे बड़ा निर्यातक देश
- रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पाँचवीं बार इस पद पर निर्वाचित
- स्वीडन नाटो का 32वाँ सदस्य बना
- वर्ल्ड हैप्पीनेस इंडेक्स रिपोर्ट (2024) : 143 देशों में भारत का 126वाँ स्थान
- ऑस्कर पुरस्कार (2024) : ओपेनहाइमर को सर्वाधिक 7 पुरस्कार
- रॉयल चैलेंजर्स बंगलौर महिलाओं के दूसरे प्रीमियर लीग की विजेता

मॉडल हल

- सिविल सेवा (प्रा.) परीक्षा
- म.प्र. पीएससी राज्य सेवा (प्रा.) परीक्षा

DRISHTI JUDICIARY

An initiative by Drishti IAS

ज्यूडिशियरी फाउंडेशन कोर्स

प्रिलिम्स + मेन्स | हिंदी माध्यम

ऑफलाइन बैच
मुखर्जी नगर शाखा

लाइव ऑनलाइन
दृष्टि लर्निंग ऐप द्वारा

750+ कक्षाएँ
22 महीने का कोर्स

अध्ययन सामग्री
प्रिंटेड नोट्स

असीमित बार देखने की सुविधा
कोर्स की वैधता तक

ऑनलाइन टेस्ट सीरीज़
प्रिलिम्स + मेन्स

शीघ्र शुरुआत करें

सीमित सीटें • अलग इंफ्रास्ट्रक्चर • निशुल्क ऑनलाइन टेस्ट सीरीज़
नये बैच के लिये विशेष छूट • हाइब्रिड मोड
• व्यक्तिगत गाइडेंस •

एडमिशन आरंभ

अभी डाउनलोड करें
Drishti Learning App

सीट बुक करने
के लिये स्कैन करें

drishtijudiciary.com
DrishtiJudiciary

दृष्टि The Vision

8010 208 000

707, मुखर्जी नगर, नई दिल्ली - 110009

Code No. 865
₹ 380.00

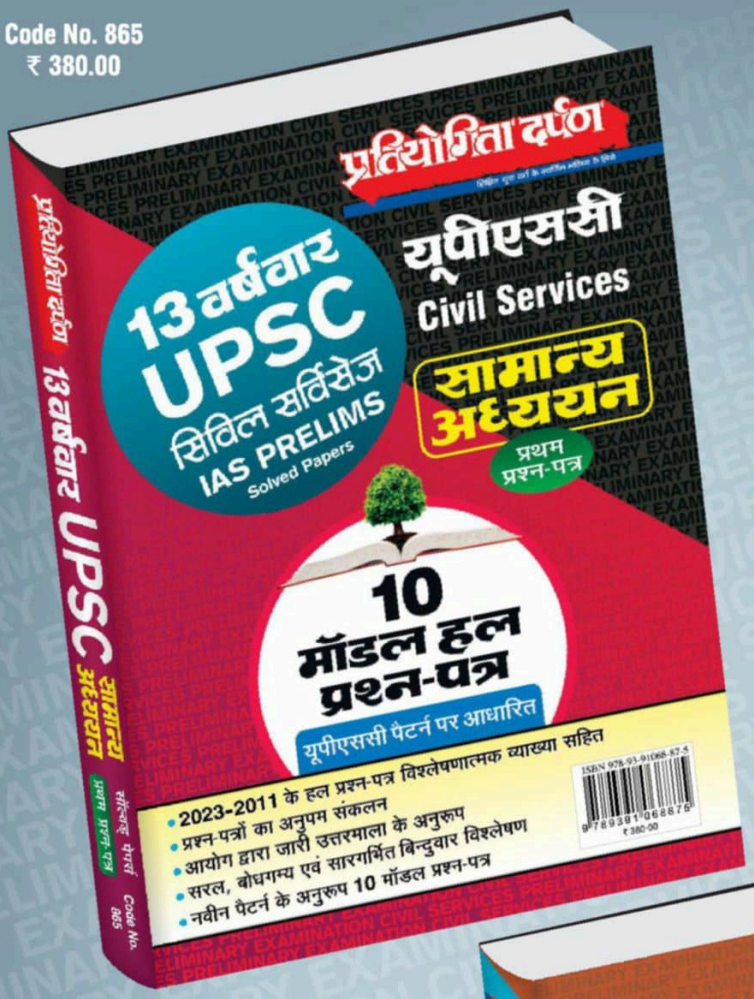

प्रतियोगिता दर्पण

New Arrivals

13 YEARWISE Solved Papers

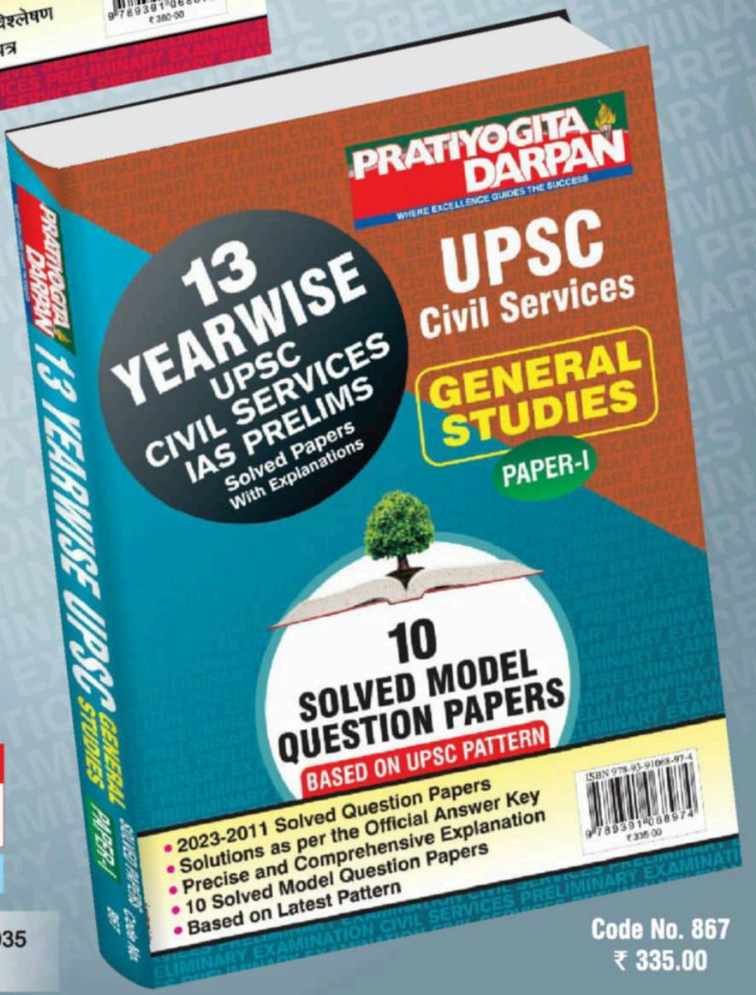

SOLVED MODEL 10 QUESTION PAPERS

Scan the QR Code with your mobile and buy
QRPD012D
Download FREE QR Scanner app from the app store

Available on :
pdgroup.in amazon Flipkart

sales@pdgroup.in | www.pdgroup.in

• आगरा 2531101 • नई दिल्ली 23251844, 43259035
• पटना 2303340 • हल्द्वानी मो. 07060421008

Code No. 867
₹ 335.00

संस्थापक सम्पादक
स्व. श्री महेन्द्र जैन

सम्पादक
राहुल जैन

प्रधान सलाहकार
डॉ. रवि कान्त

रजिस्टर्ड ऑफिस
2/11 ए, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा—282 002

सम्पादकीय ऑफिस
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी,
आगरा-मथुरा बाईपास, आगरा—282 005
फोन—2531101, 2530966
ई-मेल : सम्पादकीय : publisher@pdgroup.in
कस्टमर केयर : care@pdgroup.in

दिल्ली ऑफिस
4845, अंसारी रोड, दरियागंज,
नई दिल्ली—110 002
फोन—011-23251844, 43259035

पटना ऑफिस
पारस भवन (प्रथम तल), खजांची रोड,
पटना—800 004
मो.—09334137572

हल्द्वानी ऑफिस
8-310/1, ए.के. हाउस हीरानगर, हल्द्वानी,
जिला—नैनीताल—263 139
(उत्तराखण्ड) मो.—07060421008

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

के पाठकों से...

प्रिय पाठको !

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय पत्रिका **'प्रतियोगिता दर्पण'** का **मई 2024 अंक** आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं सन्तोष की अनुभूति हो रही है. पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है. प्रकाशन से सम्बन्धित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक परीक्षोपयोगी बन पाया है.

विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए उपयोगी बनाने की दृष्टि से इस अंक में अनेक महत्वपूर्ण विषयों पर सारगर्भित एवं विश्लेषणात्मक लेख दिए गए हैं. इनमें से कुछ लेख इस प्रकार हैं—श्वेत क्रांति 2·0 के भावी निहितार्थ, भारत में पर्यटन और हरित पहलें, मताधिकार का राजनीतिक और नीतिगत परिणामों पर प्रभाव, परिवार नियोजन : जलवायु परिवर्तन से बचने की रणनीति, बहुपक्षीय आयामों के साथ बढ़ता भारत-यूएई द्विपक्षीय सम्बन्ध.

पत्रिका के सर्वाधिक महत्वपूर्ण भाग में विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं के चयनित हल प्रश्न-पत्र आवश्यक व्याख्या एवं संकेतों के साथ दिए गए हैं. इनमें से कुछ प्रश्न-पत्र इस प्रकार हैं—

हल प्रश्न-पत्र—1. उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा, 2024 (11.2.2024) का हल प्रश्न-पत्र : **सामान्य अध्ययन (प्रथम प्रश्न-पत्र)**

2. हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा 11.2.2024 का हल प्रश्न-पत्र : **सामान्य अध्ययन (प्रथम प्रश्न-पत्र)**

3. छत्तीसगढ़ पी.एस.सी. राज्य सेवा (प्रा.) परीक्षा 11.2.2024 का हल प्रश्न-पत्र

हम आपको स्मरण कराना चाहते हैं कि **"कठिन परिश्रम एवं उचित और सामयिक मार्गदर्शन सफलता प्राप्त करने का मूलमंत्र है." प्रतियोगिता दर्पण** आपका सही एवं सामयिक मार्गदर्शन करने में बेजोड़ है. आप प्रयास कीजिए, आपकी सुनिश्चित सफलता के लिए प्रतियोगिता दर्पण आपके साथ है.

नियमित रूप से एवं समझदारी के साथ प्रतियोगिता दर्पण पढ़िए. यह आपको अभीष्ट सफलता दिलाने एवं आपके उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करने में पूर्णतः सक्षम है.

आपकी चतुर्दिक सफलता एवं स्वर्णिम भविष्य की हार्दिक शुभकामनाओं सहित

राहुल जैन
(सम्पादक)

All rights reserved. No part of this Magazine may be reproduced, stored in a retrieval system or transmitted in any form by any means, Electronic, Mechanical, Photocopying, Recording or otherwise, without the prior written permission of the publisher. While every effort has been made to ensure accuracy of the information published in this edition, neither publisher nor any of its employees accept any responsibility for any error or omission. Articles that cannot be used are returned to the authors if accompanied by a self addressed and sufficiently stamped envelope. But no responsibility is taken for any loss or delay in returning the material. Pratiyogita Darpan assumes no responsibility for statements and opinions advanced by the authors nor for any claims made in the advertisements published in the Magazine.

46 वर्ष | दशम् अंक | मई 2024

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

547 वाँ सफलतम अंक

इस अंक में...

7 सम्पादकीय

9 राष्ट्रीय घटनाक्रम

16 अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

23 आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

29 नवीनतम सामान्य ज्ञान

35 खेलकूद

39 रोजगार समाचार

40 विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

42 दिव्य दर्पण

46 **कॅरियर लेख :** अगले स्तर तक पहुँचने के लिए पार करें पहली बाधा–प्रारम्भिक परीक्षा 2024

अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं

50 **अक्षय कुमार** 67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित

51 **प्रणव कुमार** 68वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (73वाँ स्थान)

53 **यश कुमार शर्मा** सिविल सेवा परीक्षा, 2022 में चयनित (196वाँ स्थान)

55 स्मरणीय तथ्य

विश्व परिदृश्य

57 जलवायु परिवर्तन संकट और भारत की रणनीति

59 म्यांमार की राजनीतिक स्थिरता तथा भारत

फोकस

61 (1) भारत में लोकतांत्रिक सुदृढ़ीकरण : कितना सफल?

64 (2) लोक सभा निर्वाचन : प्रक्रिया एवं तथ्य

68 (3) जल संकट का सरल समाधान : समन्वय, सहयोग और जागरूकता

विविधा

71 ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल

74 वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

लेख

80 **आर्थिक लेख**—श्वेत क्रांति 2·0 के भावी निहितार्थ

83 **पर्यटन लेख**—भारत में पर्यटन और भावी हरित पहलें

85 **भारतीय राजनीति लेख**—मताधिकार का राजनीतिक और नीतिगत परिणामों पर प्रभाव

87 **जलवायु परिवर्तन और जनसंख्या प्रबंधन लेख**—परिवार नियोजन : जलवायु परिवर्तन से बचने की रणनीति

90 **अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध लेख**—बहुपक्षीय आयामों के साथ बढ़ता भारत-यूएई द्विपक्षीय सम्बन्ध

93 सार संग्रह

हल प्रश्न-पत्र

97 उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी परीक्षा, 2024 (11.2.2024) का हल प्रश्न-पत्र : सामान्य अध्ययन-I

115 हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा (11.2.2024) का हल प्रश्न-पत्र : सामान्य अध्ययन-I

131 छत्तीसगढ़ पीएससी राज्य सेवा (प्रा.) परीक्षा, 2023 (11.2.2024) का हल प्रश्न-पत्र : सामान्य अध्ययन-I

मॉडल हल प्रश्न

143 आगामी संघ लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

155 मध्य प्रदेश पीएससी राज्य सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा, 2024 हेतु विशेष हल प्रश्न : सामान्य अध्ययन-I

वस्तुनिष्ठ सामान्य ज्ञान

163 उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

164 समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

168 आर्थिक घटनाचक्र : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

ज्ञानार्जन के नवीन क्षितिज

172 क्या आप जानते हैं ?

173 अपना ज्ञान बढ़ाइए

श्रेष्ठतर प्रतिभागी

174 **प्रथम पुरस्कृत निबन्ध**—''मनोवृत्ति ही महानता का निर्धारक तत्व''

176 **निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-536 का परिणाम**

177 **प्रथम पुरस्कृत समीक्षा**—''हमास युद्ध मध्य-पूर्व को युद्ध की विभीषिका में झोंक रहा है''

प्रतियोगिता दर्पण में प्रकाशित किसी भी सामग्री अथवा चित्र के लिए सम्पादक की सहमति होना आवश्यक नहीं है. –सम्पादक

सम्पादकीय

जब एक इंसान की सम्पूर्ण योग्यता कुछ इस भाँति फलित होने लग जाए कि वह इंसान अपनी योग्यताओं से अधिकतम लोगों को लाभान्वित कर सके और वह स्वयं अपनी योग्यताओं के प्रति भी निर्लोभी हो सके तभी वह इंसान सच्चा सफल इंसान कहलाता है. यानि दो शर्तें हुईं एक तो यह कि हमारी योग्यताएं बहुत ज्यादा लोगों तक लाभ पहुँचाने वाली हों और दूसरी बात हम अपनी योग्यताओं के प्रति भी निर्लोभी हो जाएं यानी उनको प्रभावित न कर रहे हों तभी हम सफल होते हैं भला ऐसा कैसे जरा शब्द पर ध्यान दें, 'सफल' फल सहित हो जाना. एक वृक्ष फल सहित कब होता है जब वह वृक्ष अपनी उत्कृष्ट परिणति तक पहुँच जाता है. अपने सम्पूर्ण विकास को उपलब्ध होता है. तभी एक बीज विकसित पूर्ण विकसित अवस्था में फल देने वाला वृक्ष बन पाता है और जब वह वृक्ष फल देता है, तब उसके फल से उसको स्वयं को लाभ नहीं बल्कि अन्यों को लाभ पहुँचाता है. बहुतों को लाभ पहुँचाता है. किसी के लिए वह फल क्षुधापूर्ति का साधन होता है. किसी के लिए वह फल पुष्टि का साधन होता है, पोषण का साधन होता है. किसी के लिए वह फल औषधि का साधन होता है, तो किसी के लिए वही फल और अनेकों वृक्षों को जन्म देने वाले बीजों का स्थान बन जाता है और वह अपने बीजों के माध्यम से अनेक अन्य वृक्षों को पैदा करने की क्षमता रखता हुआ इस पृथ्वी पर अनेक फलों को पैदा करने वाला बन जाता है. साथ ही स्थिर अवस्था में वह फल वाला वृक्ष अपने फलों को स्वयं नहीं खाता दूसरों को देता है. अपने फलों को निष्पक्ष भाव से, निर्लोभ भाव से, आनन्द भाव से अपने से जुदा हो जाने देता है. सन्त कबीर का वचन है–

''बिरछा कबहूँ न फल भखै,
नदी न अन्चवे नीर।
परमारथ के कारने,
साधु धरा शरीर ॥''

असाधारण महत्व की बात है वह अपनी योग्यताओं का भी अपने लिए कोई ऐसा स्वार्थ उपयोग नहीं करता कि जिससे वह फल दुनिया के काम न आ सके स्वयं के काम आए. वह अपने फल को दूसरों को खाने देता है, ले जाने देता है, बल्कि स्वयं ही अपने से अलग कर देता है. क्यों, क्योंकि वह जानता है कि जो पक चुका है उसको अब खुद के प्रति खुद के साथ जोड़े रखने की आवश्यकता नहीं है. पके हुए फलों को वृक्ष स्वयं ही अलग कर देता है. ठीक ऐसे ही सफल व्यक्ति अपनी योग्यताओं को फैलने देता है, जो यह जिस प्रकार से उपयोग में लेना चाहे लेने देता है. वह अपनी योग्यताओं के प्रति भी निर्लोभी, निर्मोह बनने की क्षमता रखता है और यह क्षमता ही उसे सफल बनाती है. हम अपनी जिन्दगी में उस स्तर तक सफल हो पाएं या नहीं हो पाएं जैसे एक वृक्ष फलीभूत होने पर होता है. हम हो सकते हैं बशर्ते हमारी पहली योग्यताओं का चरम विकास हो उत्कृष्ट परिणति तक हमारी योग्यताएं पहुँचें और दूसरी बात हम अपनी योग्यताओं को अधिकतम लोगों तक पहुँचाते हुए अपनी योग्यताओं के प्रति भी अहंकार मुक्त हो जाएं. मैं पने से मुक्त हो जाएं, यह मेरी है, इस भाव से भी मुक्त हो जाएं. ये मेरी क्षमता है, ये मेरी उपलब्धि है, यह मेरी योजना है, यह मेरी वजह से हुआ, इस भाव को भी जब कोई व्यक्ति तिरोहित कर चुका होता है. इस भाव से भी जब कोई व्यक्ति मुक्त हो चुका होता है तभी वह व्यक्ति सही अर्थों में सफल होता है. वरना जब तक उसके भीतर में ये मेरी योग्यता, मेरी भावना से ऐसा हुआ, मेरी योजना से ऐसा हुआ, मेरी इच्छा से ऐसा हुआ, मेरी क्षमताओं की वजह से ये उपलब्धियाँ प्राप्त हुईं. जब तक ये मेरापन का मोड़ बना रहता है, तब तक वह व्यक्ति पुनः पतन का मार्ग पकड़ेगा ही. पकड़ेगा जिन पदार्थों की उपलब्धियों की वजह से वह अपने आपको आज सफल घोषित कर रहा है. कल उन पदार्थों के अभावों का दुःख उसे भोगना पड़ेगा. कल उन योजनाओं के फेल हो जाने का दुःख उसको भोगना पड़ेगा कल उसके आगे कोई और बढ़ चुका होगा और तब सम्भव है कि वह ईर्ष्या और द्वेष से भरकर उस आगे बढ़ने वाले व्यक्ति का विनाश करने के लिए कुछ षड्यंत्र करे और इस प्रकार वह अपनी योग्यताओं को गलत राह में प्रवृत्त कर दें वह कब होगा, जबकि वह अपनी योग्यताओं के प्रति निर्लोभी और निरअहंकारी न बन पाया हो ध्यान दीजिए अकसर लोग एक बार सफल होते हैं, लेकिन जिन्दगी में फिर से असफल हो जाते हैं. एक बार किसी समय में नाम कमाते हैं. फिर नीचे गिर जाते हैं. कुछ उपलब्धियाँ हासिल करते हैं, लेकिन फिर उन्हें गँवा बैठते हैं. चाहे दुनिया जाने न जाने वह स्वयं जानते हैं कि उनके साथ ऐसा क्यों हुआ इसीलिए हुआ, क्योंकि वह अपने मैं पने को छोड़ नहीं पाए थे तो अच्छा सफल व्यक्ति वह होगा, जोकि अपने मैं पने से मुक्त हो पाए और मैं पने से मुक्त होने के साथ-साथ वह अपनी योग्यताओं को इस भाँति सबके लिए समर्पित कर सके, लोकार्पित कर सके कि लोक के बाकी सारे जन उसकी योग्यताओं से आनन्द प्राप्त कर सकें, सहयोग प्राप्त कर सकें. प्रेरणाएं प्राप्त कर सकें और अपने जीवन के विकास में सबका सहयोगी बन सके.

परमार्थ हेतु जीवन बिताने वाले व्यक्ति लौकिक जगत् में भी होते हैं. उनका जीवन, उनकी सोच भी प्रकृति में मौजूद तत्वों–वृक्ष, नदी, वन, पर्वत आदि की तरह होती है. इन्हीं में से एक वर्ग है. गुरु अर्थात् शिक्षक जो जीवनपर्यन्त अपना ज्ञान बाँटता रहता है. कठिन परिश्रम से विद्यार्थियों को तैयार करता है एक अच्छा नागरिक बनने के लिए, एक सफल चिकित्सक, एक योग्य वकील, एक सृजनकारी वैज्ञानिक और इस सबसे ऊपर एक शिक्षक जो अपने गुरु से प्राप्त ज्ञान को आगे बढ़ाता है. एक योग्य शिक्षक अपने शिष्यों (विद्यार्थियों) से यही अपेक्षा रखता है कि वे वृत्ति का जो भी क्षेत्र चुनें उसमें असाधारण रूप से सफलता हासिल करें. वृक्ष-नदी-वन की भाँति शिक्षक भी अपने लिए कुछ भी नहीं माँगता.

एक अच्छी शिक्षा-दीक्षा का सार तत्व यही है कि हम अपने भीतर का अहंकार और दम्भ भाव त्यागकर परमार्थ की सोचें जो हमारे पास है उसे सम्पूर्ण समाज के कल्याणार्थ लगाएं.

ऐसे सफल लोगों को जैन दर्शन की परिभाषा में सिद्ध कहा जाता है, क्योंकि जब कोई जीव सिद्ध होता है, तब सिद्ध होने से पूर्व वह अपने समस्त कर्मों से मुक्त होता हुआ अपने पुण्यों के अंतिम छोर तक को भी जगत् को समर्पित कर चुका होता है और सिद्ध होने के साथ ही वह जीव अपनी योग्यताओं को इस भाँति पूरे लोक को समर्पित कर देता है कि एक अव्यवहार राशि का जीव व्यवहार राशि में आ करके सिद्ध पथ की यात्रा की तरफ गतिमान हो पाता है. यानि सिद्ध वही होता है, जो पूर्ण निर्लोभी और निरंकारी होता है और साथ ही सिद्ध होते-होते वह जगत् का भी कल्याण करता स्वमेव कल्याण होता है और उसके द्वारा जगत् का कल्याण होता है और वह स्वयं मुक्त हो जाता है.

●●●

आगामी प्रतियोगिता परीक्षाएं

2024

21 अप्रैल—राष्ट्रीय रक्षा अकादमी एवं नौसेना अकादमी परीक्षा (I), 2024
21 अप्रैल—सम्मिलित रक्षा सेवा परीक्षा (I), 2024
22 अप्रैल—भारतीय सेना अग्निवीर सामान्य प्रवेश परीक्षा, 2024-25
मई—उत्तराखण्ड एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रवेश परीक्षा, 2024 (कक्षा-6 में प्रवेश हेतु)
9–13 मई—दिल्ली पुलिस सब-इंस्पेक्टर एवं केन्द्रीय सशस्त्र बल परीक्षा, 2024
15–31 मई—कॉमन यूनिवर्सिटी एन्ट्रेन्स टेस्ट (अण्डर-ग्रेजुएट) परीक्षा, 2024
जून—उत्तराखण्ड संयुक्त प्रवेश परीक्षा पॉलिटेक्निक्स, 2024
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 15 अप्रैल, 2024)
जून—उत्तर प्रदेश बी.एड. (द्विवर्षीय) प्रवेश परीक्षा, 2024
2 जून—छत्तीसगढ़ प्री.बी.एड. एवं प्री.डी.एल.एड. परीक्षा, 2024
9 जून—राजस्थान प्री टीचर एजुकेशन टेस्ट (पीटीईटी) 2024
16 जून—संघ लोक सेवा आयोग सिविल सर्विसेज प्रारम्भिक परीक्षा, 2024
22 जून—राजस्थान एस.एस.सी. पर्यवेक्षक (महिला) (आंगनबाड़ी कार्यकर्ता) सीधी भर्ती परीक्षा, 2024
23 जून—मध्य प्रदेश पीएससी राज्य सेवा प्रारम्भिक परीक्षा, 2024
23 जून—छत्तीसगढ़ प्री पॉलिटेक्निक टेस्ट, 2024
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 7 अप्रैल, 2024)
23 जून—छत्तीसगढ़ शिक्षक पात्रता परीक्षा, 2024
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 8 अप्रैल, 2024)
जुलाई—उत्तर प्रदेश पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा, 2024
जुलाई—उत्तराखण्ड पीसीएस प्रारम्भिक परीक्षा, 2024
जुलाई—उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग सहायक अध्यापक (एलटी) भर्ती परीक्षा, 2024
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 12 अप्रैल, 2024)
7 जुलाई—केन्द्रीय शिक्षक पात्रता परीक्षा, जुलाई 2024
(ऑनलाइन अन्तिम तिथि : 2 अप्रैल, 2024)
13 जुलाई—राजस्थान एस.एस.सी. पर्यवेक्षक (महिला) सीधी भर्ती परीक्षा, 2024
13 जुलाई—राजस्थान एस.एस.सी. छात्रावास अधीक्षक ग्रेड-II (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग) सीधी भर्ती परीक्षा, 2024
1-2 अगस्त—राजस्थान एस.एस.सी. छात्रावास अधीक्षक (अल्पसंख्यक मामलात विभाग) सीधी भर्ती परीक्षा, 2024
11 अगस्त—राजस्थान एस.एस.सी. लिपिक ग्रेड-II / कनिष्ठ सहायक संयुक्त सीधी भर्ती परीक्षा, 2024
7 सितम्बर—राजस्थान एस.एस.सी. पर्यवेक्षक (महिला अधिकारिता) सीधी भर्ती परीक्षा, 2024
21–24 सितम्बर—राजस्थान एस.एस.सी. पशु परिचर (Animal Attendent) सीधी भर्ती परीक्षा, 2023

निबन्ध प्रतियोगिता

विषय—''धैर्य बुद्धिमत्ता का मित्र''
अन्तिम तिथि—28 मई, 2024.
शब्द संख्या—लगभग 2000 शब्द.

1. निबन्ध कागज के एक ओर ही टंकित अथवा स्वहस्तलिखित होना चाहिए.
2. निबन्ध के साथ प्रतियोगी अपना पासपोर्ट आकार का छायाचित्र भेजें. प्रथम तीन निबन्धों पर क्रमशः ₹ 2000, ₹ 1500 व ₹ 1000 चेक के माध्यम से व प्रमाण-पत्र पुरस्कार के रूप में दिए जाएंगे. अन्य 5 अनुशंसित निबन्धों को आकर्षक प्रमाण-पत्र व उपकार प्रकाशन की ₹ 300 मूल्य तक की वांछित पुस्तक पुरस्कारस्वरूप दी जाएगी.
3. प्रत्येक प्रविष्टि पर अपना नाम English के Capital Letter में लिखें जिस नाम से आपका बैंक खाता हो, बैंक का नाम, खाता नम्बर व बैंक का IFSC कोड नं. भी अवश्य लिखें.

वार्षिक सदस्यता शुल्क

प्रतियोगिता दर्पण

	हिन्दी	अंग्रेजी
एक प्रति मूल्य	125.00	125.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	1130·00	1125·00
रजिस्टर्ड डाक से	1350.00	1345·00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	2105·00	2100·00
रजिस्टर्ड डाक से	2545·00	2540·00

	सामान्य ज्ञान दर्पण	सक्सेस मिरर
एक प्रति मूल्य	₹ 45.00	25.00
वार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	₹ 405.00	225.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 620.00	440.00
द्विवार्षिक मूल्य :		
साधारण डाक से	₹ 755.00	420.00
रजिस्टर्ड डाक से	₹ 1185.00	850.00

वार्षिक सामूहिक सदस्यता शुल्क

प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) Pratiyogita Darpan (English)	₹ 2520/-
सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी) प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) Pratiyogita Darpan (English)	₹ 2950/-
सामान्य ज्ञान दर्पण (हिन्दी) प्रतियोगिता दर्पण (हिन्दी) सक्सेस मिरर (हिन्दी) Pratiyogita Darpan (English)	₹ 3200/-

QR कोड को स्कैन करें

अथवा ऑनलाइन पेमेंट के लिए हमारी वेबसाइट www.pdgroup.in पर विजिट करें

- कृपया अपना सदस्यता-शुल्क मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट द्वारा ही प्रेषित करें. चेक स्वीकार नहीं होंगे. आप हमारी Website: www.pdgroup.in द्वारा भी सदस्यता शुल्क अदा कर सकते हैं.
- अपने स्पष्ट पते के साथ यह भी सूचित करें कि आप किस माह से किस माह तक के लिए ग्राहक बन रहे हैं.
- पुराने ग्राहक कृपया अपनी ग्राहक संख्या का उल्लेख अवश्य करें.
- मनीऑर्डर अथवा बैंक ड्राफ्ट '**प्रतियोगिता दर्पण**' के नाम से आगरा में देय ही स्वीकार किए जाएंगे.

प्रतियोगिता दर्पण
1, स्टेट बैंक कॉलोनी, खन्दारी, आगरा-मथुरा बाईपास **आगरा**—282 005
फोन : 2531101, 2530966
Website : www.pdgroup.in
E-mail : care@pdgroup.in

राष्ट्रीय घटनाक्रम

- 18वीं लोक सभा के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता देशभर में लागू
- रिश्वत लेकर सदन में बात कहने/वोट डालने के मामलों में सांसदों/विधायकों को मिलने वाली छूट के सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय ने 25 वर्ष पुराना अपना ही फैसला पलटा
- सुधा मूर्ति के मनोनयन के पश्चात् राज्य सभा की मनोनयन कोटे वाली सभी 12 सीटें अब भरी गईं
- सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संविधान पीठ
- द. अफ्रीका से लाए गए चीतों में से एक मादा चीते ने 5 शावकों को जन्म दिया : कूनो में शावकों की संख्या अब 26
- लक्षद्वीप में भारतीय नौसेना का नया नौसैनिक अड्डा आईएनएस जटायु
- नदी के जल प्रवाह के नीचे सुरंग में चलने वाली पहली मेट्रो
- 4 वर्ष पूर्व संसद में पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू हुआ
- 2023-24 के लिए 30 पुरुष क्रिकेटर बीसीसीआई द्वारा अनुबंधित
- 4 वर्षों में देश में तेंदुओं की संख्या में 7·95 प्रतिशत वृद्धि : 2022 की गणना रिपोर्ट
- डीआरडीओ द्वारा एमआईआरवी तकनीक युक्त अग्नि-V मिसाइल का पहला परीक्षण
- हरियाणा में जननायक जनता पार्टी से गठबंधन तोड़कर भाजपा ने अकेले ही सरकार बनाई : श्री नायब सिंह सैनी नए मुख्यमंत्री
- विवादित आबकारी नीति में मनी लॉन्ड्रिंग में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी गिरफ्तार
- ऑपरेशन संकल्प के तहत् भारतीय नौसेना के आईएनएस कोलकाता ने वाणिज्यिक पोत एम.वी. रूएन को समुद्री लुटेरों से मुक्त कराया
- लोक सभा व सभी राज्य विधान सभाओं के चुनाव तथा स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ ही दो चरणों में कराने की कोविन्द समिति की सिफारिश
- उपग्रह/स्पेस क्राफ्ट प्रक्षेपणों हेतु पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण क्षमता के लिए पुष्पक का परीक्षण
- 18वीं लोक सभा के लिए मतदाताओं के आँकड़े

18वीं लोक सभा के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के साथ ही आदर्श आचार संहिता देशभर में लागू

देश की 17वीं लोक सभा का 5 वर्षीय कार्यकाल 16 जून, 2024 को समाप्त होना है. इससे पूर्व ही 18वीं लोक सभा के लिए विस्तृत चुनाव कार्यक्रम की घोषणा निर्वाचन आयोग ने 16 मार्च, 2024 को कर दी. लोक सभा की सभी 543 सीटों के लिए यह चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून, 2024 तक 7 चरणों में कराया जाएगा. राज्यों—आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा, अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम की विधान सभाओं के लिए भी चुनाव लोक सभा के इन चुनावों के साथ ही सम्पन्न होंगे. इनके अतिरिक्त 13 राज्यों

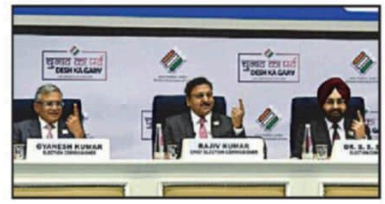

चुनाव कार्यक्रम की घोषणा करते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार (मध्य में) (दोनों ओर हैं दोनों चुनाव आयुक्त)

में विधान सभाओं की 26 रिक्त सीटों के लिए उपचुनाव भी इनके साथ ही कराए जाएंगे. अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम विधान सभाओं के अतिरिक्त शेष सभी निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना 4 जून को कराई जाएगी. अरुणाचल प्रदेश व सिक्किम विधान सभाओं की मतगणना 2 जून को होगी. चुनाव कार्यक्रम की घोषणा मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार ने दोनों नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों ज्ञानेश कुमार व सुखवीर सिंह संधू के साथ 16 मार्च, 2024 को नई दिल्ली में की. इसके साथ ही आदर्श

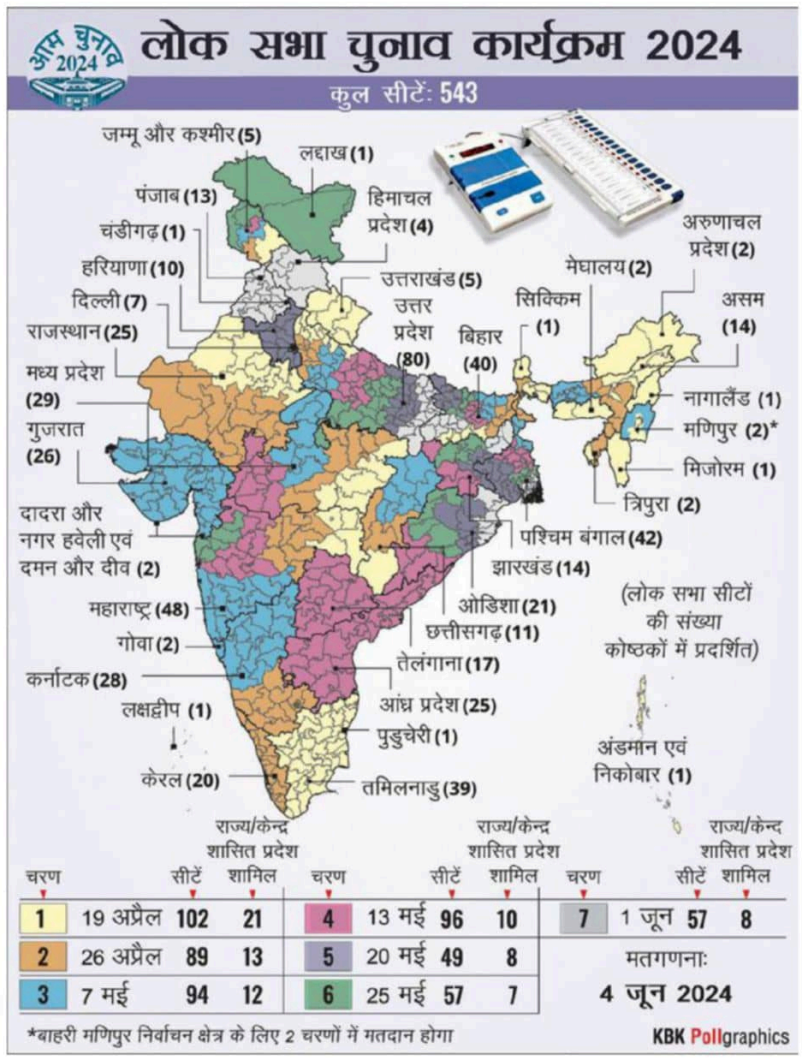

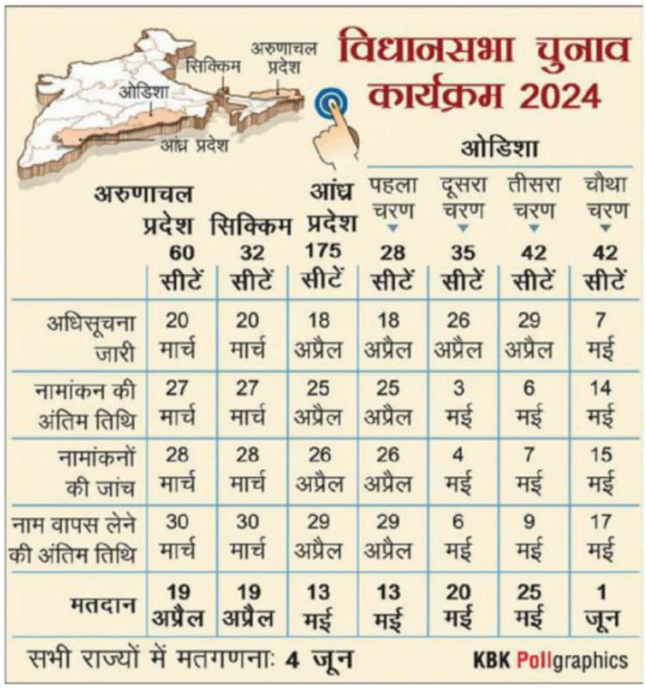

आचार संहिता (Model Code of Conduct) पूरे देश में लागू हो गई है.

घोषित चुनाव कार्यक्रम के तहत् पहले चरण में 19 अप्रैल, 2024 को 21 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की 102 लोक सभा सीटों के लिए, दूसरे चरण में 26 अप्रैल को 13 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की 89 सीटें के लिए, तीसरे चरण में 7 मई को 12 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की 94 सीटों के लिए, चौथे चरण में 13 मई को 10 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की 96 सीटों के लिए, 5वें चरण में 20 मई को 8 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की 49 सीटों के लिए, 6वें चरण में 25 मई को 7 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की 57 सीटों के लिए तथा 7वें अन्तिम चरण में 1 जून, 2024 को 8 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों की 57 लोक सभा सीटों के लिए मतदान होगा.

- घोषित चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 22 राज्यों/केन्द्रशासित क्षेत्रों में मतदान एक ही चरण में सम्पन्न कराया जाएगा. इनमें आन्ध्र प्रदेश, अरुणाचल प्रदेश, गोवा, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, केरल, मेघालय, मिजोरम, नगालैण्ड, पंजाब, सिक्किम, तमिलनाडु, उत्तराखण्ड, तेलंगाना, चड़ीगढ, दादरा एवं नगर हवेली तथा दमन व दीव, लद्दाख, लक्षद्वीप, अण्डमान निकोबार तथा दिल्ली व पुदुचेरी शामिल हैं.
- उत्तर प्रदेश, बिहार व प. बंगाल में सभी 7 चरणों में मतदान होगा.
- जम्मू-कश्मीर में 5 सीटों के लिए अलग-अलग तिथियों में होगा. इस प्रकार 5 चरणों में मतदान होगा.
- छत्तीसगढ़ की 11 सीटों के लिए 3 चरणों में 19, 26 अप्रैल व 7 मई को, झारखण्ड की 14 सीटों के लिए 4 चरणों में 13, 20, 25 मई व 1 जून को, मध्य प्रदेश की 29 सीटों के लिए 4 चरणों में 19, 26 अप्रैल तथा 7 व 13 मई को तथा राजस्थान की 25 सीटों के लिए दो चरणों में 19 व 26 अप्रैल को मतदान सम्पन्न होगा. हरियाणा की सभी 10 सीटों के लिए 25 मई को उत्तराखण्ड की सभी 5 सीटों के लिए 19 अप्रैल को तथा दिल्ली की सभी 7 सीटों के लिए 25 मई को मतदान होगा. मणिपुर की एक सीट के लिए दो तिथियों में मतदान कराया जाएगा.
- सभी निर्वाचन क्षेत्रों में मतगणना 4 जून को प्रारम्भ होगी. चुनाव की प्रक्रिया 6 जून, 2024 तक पूरी हो जाएगी. (सिक्किम व अरुणाचल प्रदेश में विधान सभा सीटों पर मतगणना 2 जून को ही होगी).
- **लोक सभा की 543 चुनावी सीटों में से 84 सीटें अनुसूचित जाति के लिए तथा 47 सीटें अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित हैं. सीटों के आरक्षण का यह प्रावधान मूलत: 10 वर्षों के लिए किया गया था जिसे विभिन्न संविधान संशोधनों द्वारा 10-10 वर्ष के लिए बढ़ाया जाता रहा है. पिछली बार 2020 के 104वें संविधान संशोधन अधिनियम के द्वारा यह आरक्षण 2030 तक के लिए बढ़ाया गया था. लोक सभा में एंग्लो इंडियंस के लिए 2 सदस्यों के मनोनयन के प्रावधान को 104वें संविधान संशोधन ने आगे नहीं बढ़ाया था.**

सुधा मूर्ति के मनोनयन के पश्चात् राज्य सभा की मनोनयन कोटे वाली सभी 12 सीटें अब भरी गईं

इन्फोसिस फाउंडेशन की अध्यक्ष तथा इन्फोसिस के सह संस्थापक एन.आर. नारायण-मूर्ति की पत्नी सुधा मूर्ति को राष्ट्रपति ने 8 मार्च, 2024 को राज्य सभा के लिए मनोनीत किया है. इस सदस्यता के लिए राज्य सभा के सभापति श्री जगदीप धनखड़ ने 14 मार्च को शपथ

सुधा मूर्ति

रिश्वत लेकर सदन में बात कहने/वोट डालने के मामलों में सांसदों/विधायकों को मिलने वाली छूट के सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय ने 25 वर्ष पुराना अपना ही फैसला पलटा

*दूरगामी महत्व के एक फैसले के तहत् सर्वोच्च न्यायालय ने 1998 में पीवी नरसिंह राव मामले (झारखण्ड मुक्ति मोर्चा रिश्वत कांड) में दिए गए एक फैसले को 4 मार्च, 2024 को पलटते हुए यह फैसला सुनाया कि रिश्वत लेकर सदन में वोट डालने या भाषण देने के मामलों में आपराधिक मुकद्मे से छूट नहीं है. इस सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय के 5 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने **1998 में झारखण्ड मुक्ति मोर्चा रिश्वत केस यानी नरसिंह राव मामले में 3-2 के बहुमत से फैसला दिया था कि अगर कोई सांसद या विधायक रिश्वत लेकर सदन में वोट डालता है या भाषण देता है तो उसे संसदीय विशेषाधिकार प्राप्त होगा और उस पर आपराधिक केस नहीं चलेगा.***

5 सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा 25 वर्ष पूर्व सुनाए गए फैसले को पलटते हुए सर्वोच्च न्यायालय की 7 सदस्यीय संविधान पीठ ने ऐसे सांसदों एवं विधायकों को रिश्वत लेकर वोट डालने या भाषण देने के मामलों में संविधान के अनुच्छेद 105 व 194 के तहत् विशेषाधिकार कवच न मिलने की बात 4 मार्च, 2024 के अपने फैसले में कही है. मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी. वाई चन्द्रचूड़, न्यायमूर्ति एएस बोपन्ना, न्यायमूर्ति एमएस सुब्रेश, न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा, न्यायमूर्ति जेबी पार्डीवाला, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति मनोज मिश्र की 7 सदस्यीय पीठ के 4 मार्च के सर्वसम्मत फैसले में कहा गया. कि रिश्वत लेने का अपराध तो उसी पल हो जाता है जब सांसद-विधायक रिश्वत लेता है या लेने के लिए तैयार हो जाता है, उसके बाद वह वोट देता है या नहीं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता.

सर्वोच्च न्यायालय की सात सदस्यीय संविधान पीठ

संविधान के अनुच्छेद 105(2) में कहा गया है कि कोई भी सांसद, संसद या उसकी किसी समिति में कही गई किसी भी बात या दिए गए वोट के सम्बन्ध में किसी भी अदालत में कार्यवाही के लिए उत्तरदायी नहीं होगा. वहीं, राज्य विधान सभाओं के सदस्यों को यही छूट देने वाला एक प्रावधान संविधान के अनुच्छेद 194(2) में निहित है. सर्वोच्च न्यायालय के 7 न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने 4 मार्च, 2024 के अपने फैसले में पीठ ने कहा, संविधान के ये प्रावधान ऐसे वातावरण को बनाए रखने के लिए हैं, जो स्वतंत्र विचार-विमर्श की सुविधा देता है. सदस्य को भाषण या वोट देने के लिए रिश्वत दी जाती है, तो इन अनुच्छेदों का उद्देश्य ही समाप्त हो जाता है.

इस आशय के तर्क के साथ सर्वोच्च न्यायालय की 7 सदस्यीय संविधान पीठ ने 5 सदस्यीय संविधान पीठ के 17 अप्रैल, 1998 के 3-2 के बहुमत से सुनाए गए फैसले को 4 मार्च, 2024 को पलट दिया.

सर्वोच्च न्यायालय में यह मामला 2012 में उस समय उठा जब झारखण्ड मुक्ति मोर्चा के नेता शिबू सोरेन की बहू सीता सोरेन ने राज्य सभा चुनाव में रिश्वतखोरी के आरोप में इनके विरुद्ध मुकदमा चलाए जाने की सर्वोच्च न्यायालय में चुनौती दी थी. सीता सोरेन की याचिका को सर्वोच्च न्यायालय के दो न्यायाधीशों की पीठ ने 23 दिसम्बर, 2014 को बड़ी पीठ को सन्दर्भित किया. 5 न्यायाधीशों की पीठ ने इस मुद्दे को तथा सर्वोच्च न्यायालय ने 17 अप्रैल, 1998 को पुनर्विचार के लिए 20 सितम्बर, 2023 को 7 न्यायाधीशों की पीठ को भेजा. मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी.वाई. चन्द्रचूड़ की अध्यक्षता वाली 7 न्यायाधीशों की पीठ ने 5 अक्टूबर, 2023 को इस मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखा जो 4 मार्च, 2024 को सुनाया गया.

दिलाई. पेशे से इंजीनियर, समाज सेवी व लेखिका 73 वर्षीय सुधा मूर्ति के दामाद ऋषि सुनक वर्तमान में ब्रिटेन के प्रधानमंत्री हैं. श्रीमती सुधा मूर्ति को 2006 में पद्म श्री से तथा 2023 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था. राज्य सभा सदस्य के रूप में उनके मनोनयन से राज्य सभा की मनोनयन कोटे वाली सभी 12 सीटें अब भरी जा चुकी हैं. इस सदन के सभी 12 मनोनीत सदस्यों के नाम निम्नलिखित हैं–

क्रमांक	सदस्य	राज्य सभा की सदस्यता की अवधि
1.	महेश जेठमलानी	2 जून, 2021 – 13 जुलाई, 2024
2.	सोनल मान सिंह	14 जुलाई, 2018 – 13 जुलाई, 2024
3.	राम शकल	14 जुलाई, 2018 – 13 जुलाई, 2024
4.	राकेश सिन्हा	14 जुलाई, 2018 – 13 जुलाई, 2024
5.	गुलाम अली खटाना	14 सितम्बर, 2022 – 13 सितम्बर, 2028
6.	रंजन गोगोई	19 मार्च, 2020 – 18 मार्च, 2026
7.	वीरेन्द्र हेगड़े	7 जुलाई, 2022 – 6 जुलाई, 2028
8.	पीटी उषा	7 जुलाई, 2022 – 6 जुलाई, 2028
9.	इलैया राजा	7 जुलाई, 2022 – 6 जुलाई, 2028
10.	वी. विजयेन्द्र प्रसाद	7 जुलाई, 2022 – 6 जुलाई, 2028
11.	सतनाम सिंह संधू	31 जनवरी, 2024 – 30 जनवरी, 2030
12.	सुधा मूर्ति	14 मार्च, 2024 – 13 मार्च, 2030

द. अफ्रीका से लाए गए चीतों में से एक मादा चीते ने 5 शावकों को जन्म दिया : कूनो में शावकों की संख्या अब 26

मध्य प्रदेश में श्योपुर स्थित कूनो राष्ट्रीय उद्यान में द. अफ्रीका से लाई गई मादा चीता गामिनी ने 5 शावकों को 10 मार्च, 2024 को जन्म दिया है. इसके साथ ही भारत में जन्म लेने वाले शावकों की संख्या अब 16 हो गई है. जिनमें से 13 ही अब जीवित हैं. यह चौथी बार है जब नामीबिया व द. अफ्रीका से लाए गए चीतों में से किन्हीं मादा चीते के शावकों को जन्म दिया है. द. अफ्रीका से लाए गए चीतों में से किसी मादा चीते (गामिनी) ने पहली बार ही शावकों को 10 मार्च को जन्म दिया है.

पिछले वर्ष मार्च 2023 में चीता ज्वाला (नामीबियाई नाम सियाया) ने 4 शावकों को जन्म दिया था जिनमें से केवल एक ही जीवित बचा था. ज्वाला ने इस वर्ष जनवरी 2024 में अन्य 4 शावकों को जन्म दिया, जिसके बाद चीता आशा ने तीन शावकों को जन्म दिया.

इन शावकों सहित देश में चीतों की कुल संख्या अब 26 हो गई है. (मार्च 2024 के अंत की स्थिति) ज्ञातव्य है कि सितम्बर 2022 में 8 चीते नामीबिया से और फरवरी 2023 में 12 चीते दक्षिण अफ्रीका से कूनो राष्ट्रीय उद्यान लाए गए थे. गामिनी दक्षिण अफ्रीका से आई थी.

लक्षद्वीप में भारतीय नौसेना का नया नौसैनिक अड्डा आईएनएस जटायु

हिन्द महासागर में भारत की नौसैनिक पहुँच एवं संचालन क्षमता में वृद्धि के उद्देश्य से नौसेना का एक नया अड्डा (Naval Base) लक्षद्वीप में स्थापित किया गया है जिसे आईएनएस जटायु नाम दिया गया है. लक्षद्वीप के मिनिकॉय (Minicoy) द्वीप पर स्थापित इस नेवल बेस को नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरि कुमार की उपस्थिति में 6 मार्च, 2024 को नौसेना को सौंपा गया. एडमिरल हरि कुमार ने ही नौसेना में इसे औपचारिक रूप से शामिल किया. नौसेना की दक्षिणी कमान के अधीन रखे गए आईएनएस जटायु की कमान कमांडेंट व्रत बघेल को सौंपी गई है.

आईएनएस जटायु लक्षद्वीप में भारतीय नौसेना का दूसरा नौसैनिक अड्डा है. इससे पूर्व कवरत्ती (Kavaratti) में नौसैनिक अड्डा आईएनएस द्वीप रक्षक पहले से वहाँ कार्यरत् है. मिनिकॉय द्वीप, जहाँ आईएनएस जटायु की स्थापना की गई, लक्षद्वीप का सबसे दक्षिण में स्थित द्वीप है. मालदीव द्वीप समूह के ठीक उत्तर में स्थित होने के कारण सामरिक दृष्टि से यह अत्यधिक महत्वपूर्ण है यहाँ नौसैनिक अड्डे की स्थापना से इस क्षेत्र में नौसेना की गतिविधियों में वृद्धि होगी तथा पश्चिमी अरब सागर में समुद्री डकैती व समुद्री लुटेरों पर लगाम लगाने के साथ ही इस नौसैनिक अड्डे से चीन एवं मालदीव की गतिविधियों पर भी नजर रखी जा सकेगी. मालदीव पर चीन के बढ़ते हुए प्रभाव तथा वहाँ चीनी गतिविधियों के परिप्रेक्ष्य में नौसेना का यह नया केन्द्र काफी उपयोगी सिद्ध होगा.

नदी के जल प्रवाह के नीचे सुरंग में चलने वाली पहली मेट्रो

देश में लगभग 20 शहरों में विभिन्न रूट मार्गों पर मैट्रो रेलगाड़ियाँ अब प्रचालित हैं. इनमें पहली मैट्रो रेलगाड़ी कोलकाता में 24 अक्टूबर, 1984 को शुरू हुई थी. इनमें अब कोलकाता मेट्रो ही देश में ऐसी पहली मेट्रो हो गई है जो एक खण्ड में नदी के नीचे सुरंग में होकर प्रचालित है. कोलकाता में एस्प्लेनेड (Esplanade) व हावड़ा के बीच यात्रा की दूरी कम करने के लिए हुगली नदी के नीचे सुरंग बनाई गई है. नदी के तल से 13 मीटर नीचे

बनाई गई 5·55 मीटर व्यास की 2 सुरंगे अप व डाउन रेल के लिए एक-दूसरे के समांतर बनाई गई हैं. हुगली नदी के नीचे जल प्रवाह वाले क्षेत्र में सुरंग की लम्बाई 520 मीटर है जिसे पार करने में मेट्रो ट्रेन को एक मिनट से भी कम समय लगेगा. जमीन से 33 मीटर व नदी की तलहटी से 13 मीटर नीचे उस सुरंग को जर्मनी से आयातित विशेष अर्थ प्रेशर बैलेंसिंग मशीन (EPBM) की मदद से बनाया गया है. देश में नदी के नीचे सुरंग मार्ग से मेट्रो ट्रेन के इस रूट का उद्घाटन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 6 मार्च को किया.

4 वर्ष पूर्व संसद में पारित नागरिकता संशोधन अधिनियम लागू हुआ

दिसम्बर 2019 में संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित एवं राष्ट्रपति द्वारा अनुमोदित नागरिकता संशोधन अधिनियम (Citizenship Amendment Act–CAA) को केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने 11 मार्च, 2024 को अधिसूचित कर दिया है. जिसके साथ ही यह कानून अब प्रभावी हो गया है. इस संशोधन अधिनियम के जरिए नागरिकता अधिनियम 1955 में संशोधन किया गया है. इससे 31 दिसम्बर, 2014 तक पाकिस्तान, अफगानिस्तान व बांग्लादेश से दस्तावेजों के बिना ही भारत आए प्रताड़ित गैर मुस्लिम, अल्पसंख्यक शरणार्थियों को भारत की नागरिकता प्रदान करने को मार्ग प्रशस्त हो गया है. संयुक्त संसदीय समिति की जनवरी 2019 की रिपोर्ट के ऐसे शरणार्थियों की संख्या 31,313 बताई गई थी जिनमें सबसे ज्यादा 25,447 हिन्दू, 5,807 सिख, 55 ईसाई तथा बौद्ध और पारसी धर्म के 2-2 लोग शामिल हैं. इनके पुनर्वास व इन्हें नागरिकता प्रदान करने की कानूनी बाधाएं दूर हो गई हैं. सीएए को अधिसूचित किए जाने के बाद उनकी नागरिकता के लिए आवेदन की प्रक्रिया सरकार द्वारा शुरू कर दी गई है. कुछ राज्यों की ओर से सहयोग मिलने में दिक्कत की आशंका को देखते हुए पूरी प्रक्रिया को आनलाइन बनाया गया है. इसके लिए बनाए गए पोर्टल पर पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश से आने वाले पात्र अल्पसंख्यक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं. आवेदन की जाँच कर गृह मंत्रालय उन्हें नागरिकता का सर्टिफिकेट जारी करेगा. आवेदन के लिए सम्बन्धित देश से आने का कोई प्रमाण-पत्र देने की जरूरत नहीं होगी. आवेदक को सिर्फ यह साबित करना होगा कि वह 31 दिसम्बर, 2014 से पहले भारत आ गया था. इसके लिए नियम तय किए गए हैं.

नागरिकता संशोधन अधिनियम में पाकिस्तान, अफगानिस्तान व बांग्लादेश से भारत आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों के लिए नागरिकता नियम को आसान बनाया गया है. संशोधन अधिनियम लाने का उद्देश्य धार्मिक उत्पीड़न के कारण इन पड़ोसी देशों से भारत में शरण लेने वालों की रक्षा करना है.

2023-24 के लिए 30 पुरुष क्रिकेटर बीसीसीआई द्वारा अनुबंधित

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने भारत की पुरुषों की सीनियर टीम के लिए 2023-24 के सालाना अनुबन्ध की घोषणा 28 फरवरी, 2024 को की. पुरुषों की सीनियर टीम के लिए 30 खिलाड़ियों को 4 श्रेणियों (ए+, ए, बी व सी) में अनुबन्धित किया गया है.

रोहित शर्मा

विराट कोहली

जसप्रीत बुमराह

रवींद्र जडेजा

- पुरुष खिलाड़ियों में ए+ श्रेणी में 4 खिलाड़ियों (रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह व रविन्द्र जडेजा) को अनुबन्धित किया गया है, जबकि ए श्रेणी में 6, बी श्रेणी में 5 तथा सी श्रेणी में 15 क्रिकेटरों को इस वर्ष रखा गया है. यह अनुबन्ध 1 अक्टूबर, 2023 से 30 सितम्बर, 2024 तक के लिए है. 2023-24 के लिए अनुबन्ध पाने वाले क्रिकेटरों की पूरी सूची निम्नलिखित है—

इनके अतिरिक्त बीसीसीआई के अनुसार जो खिलाड़ी निर्दिष्ट अवधि के भीतर न्यूनतम 3 टेस्ट या 8 वनडे या 10 टी-20 खेलने के मानदण्डों को पूरा करते हैं, उन्हें स्वचालित रूप से आनुपातिक आधार पर ग्रेड सी में शामिल किया जाएगा.

- ए+ श्रेणी में अनुबन्धित क्रिकेटरों को ₹ 7-7 करोड़, ए श्रेणी में ₹ 5-5 करोड़, बी श्रेणी में ₹ 3-3 करोड़ तथा सी श्रेणी में अनुबन्धित क्रिकेटरों को ₹ 1-1 करोड़ की सालाना राशि प्रदान की जाती है. इसके अतिरिक्त मैच फीस खिलाड़ियों को अलग से मिलती है.

ग्रेड ए+ (4) (₹ 7-7 करोड़)	ग्रेड ए (6) (₹ 5-5 करोड़)	ग्रेड बी (5) (₹ 3-3 करोड़)	ग्रेड सी (15) (₹ 1-1 करोड़)
रोहित शर्मा, विराट कोहली, जसप्रीत बुमराह और रवीन्द्र जडेजा (पिछले वर्ष 2022-23 के लिए भी ए+ ग्रेड में यही 4 क्रिकेटर अनुबंधित हैं).	आर अश्विन, मो. शमी, मो. सिराज, केएल राहुल, शुभमन गिल और हार्दिक पंडया	सूर्य कुमार यादव, ऋषभ पंत, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल और यशस्वी जयसवाल	रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, ऋतुराज गायकवाड़, शार्दुल ठाकुर, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, जितेश शर्मा, वाशिंगटन सुंदर, मुकेश कुमार, संजू सैमसन, अर्शदीप सिंह, केएस भरत, प्रसीद कृष्ण, आवेश खान और रजत पाटीदार

4 वर्षों में देश में तेंदुओं की संख्या में 7·95 प्रतिशत वृद्धि : 2022 की गणना रिपोर्ट

देश में तेंदुओं (Leopards–Panthera Pardus Fusca) की गणना 4-4 वर्ष के अंतराल पर होती है. ऐसी ताजा (पाँचवीं) गणना रिपोर्ट केन्द्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री श्री भूपेंदर यादव द्वारा 29 फरवरी, 2024 को जारी की गई. राज्यों के वन विभागों के सहयोग से ***नेशनल टाइगर कंजर्वेशन अथॉरिटी एवं वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया*** *के सहयोग से सम्पन्न इस गणना के आँकड़े* ***'स्टेटस ऑफ लियोपॉर्ड्स इन इंडिया, 2022'*** *में प्रस्तुत किए गए हैं. रिपोर्ट के अनुसार–*

- *देश में तेंदुओं की संख्या 2022 में 13874 (न्यूनतम व अधिकतम संख्या 12,616-15,182), जो 2018 में 12,852 (12,172-13,535) आकलित थी. उससे पूर्व 2014 में यह संख्या 7,910 थी. इस प्रकार 2018 की तुलना में 2022 में देश में तेंदुओं की संख्या में 7·95 प्रतिशत की वृद्धि हुई है.*
- *क्षेत्र की दृष्टि से तेंदुओं की सर्वाधिक संख्या (8,820) मध्य भारत व पूर्वी घाट (Central India and Eastern Ghats) में है, जबकि पश्चिमी घाट (Western Ghats) में यह 3,596, शिवालिक पहाड़ियों व गंगा के मैदान (Shivalik Hills and Gangetic Plain) में यह 1,109 तथा उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र व ब्रह्मपुत्र के बाढ़ वाले मैदानी क्षेत्र (North Eastern Hills and Brahmputra Flood Plain) में यह 349 दर्ज की गई है.*

इससे पूर्व 2018 में मध्य भारत व पूर्वी घाट में तेंदुओं की संख्या 8,071 थी, जबकि पश्चिमी घाट में यह 3,387 शिवालिक पहाड़ियों व गंगा के मैदान में यह 1,253 तथा उत्तर पूर्वी पवर्तीय क्षेत्र व ब्रह्मपुत्र के बाढ़ वाले मैदानी क्षेत्र में यह संख्या 141 थी.

इस प्रकार शिवालिक पहाड़ियों व गंगा के मैदानी क्षेत्र में 2018-2022 की अवधि में तेंदुओं की संख्या में 12·5 प्रतिशत की गिरावट जहाँ आई है, वहीं उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र व ब्रह्मपुत्र के बाढ़ वाले मैदानी क्षेत्रों में सर्वाधिक 247·5 प्रतिशत की वृद्धि 4 वर्ष की इस अवधि में हुई है.

- *राज्यों में 2022 में तेंदुओं की सर्वाधिक संख्या 3,907 मध्य प्रदेश में है (2018 में वहाँ पर संख्या 3,421 थी). दूसरे स्थान पर 1,985 तेंदुआ महाराष्ट्र में तथा तीसरे स्थान पर 1,879 तेंदुए कर्नाटक में पाए गए हैं. 2018 में महाराष्ट्र व कर्नाटक में यह संख्या क्रमशः 1,690 व 1,783 थी. इस मामले में चौथा स्थान तमिलनाडु का है जहाँ 2022 में तेंदुओं की संख्या 1,070 आकलित की गई है. तमिलनाडु में 2018 में यह संख्या 868 थी.*
- *उत्तर भारत के राज्यों में 2022 में, मध्य प्रदेश में 3,907 तेंदुओं के पश्चात् छत्तीसगढ़ में यह 722 (2018 में 852), राजस्थान में 721 (2018 में 476), उत्तराखण्ड में तेंदुओं की संख्या 652 (2018 में 839), उत्तर प्रदेश में यह 371 (2018 में 316), बिहार में 86 (2018 में 98) तथा झारखण्ड में यह 51 (2018 में 46) है.*
- *2018 की तुलना में 2022 में जिन राज्यों में तेंदुओं की संख्या में गिरावट दर्ज की गई, उनमें बिहार, उत्तराखण्ड, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, ओड़िशा, गोवा व केरल शामिल हैं.*

विभिन्न क्षेत्रों एवं राज्यों में तेंदुओं की संख्या

क्षेत्र/राज्य	2018	2022	2018 की तुलना में 2022 में वृद्धि (प्रतिशत)
शिवालिक पहाड़ियों व गंगा का मैदानी क्षेत्र (Shivalik Hills and Gangetic Plains)	**1,253**	**1,109**	**– 12·5**
बिहार	98	86	
उत्तराखण्ड	839	652	
उत्तर प्रदेश	316	371	
मध्य भारत व पूर्वी घाट (Central India and Eastern Ghats)	**8,071**	**8,820**	**9·28**
आन्ध्र प्रदेश	492	569	
तेलंगाना	334	297	
छत्तीसगढ़	852	722	
झारखण्ड	46	51	
मध्य प्रदेश	3,421	3,907	
महाराष्ट्र	1,690	1,985	
ओडिशा	760	568	
राजस्थान	476	721	
पश्चिमी घाट (Western Ghats)	**3,387**	**3,596**	**6·17**
गोवा	86	77	
कर्नाटक	1,783	1,879	
केरल	650	570	
तमिलनाडु	868	1,070	
उत्तर पूर्वी पर्वतीय क्षेत्र व ब्रह्मपुत्र के बाढ़ वाले मैदानी क्षेत्र (North-Eastern Hills and Brahmaputra Flood Plains)	**141**	**349**	**247·52**
अरुणाचल प्रदेश	11	42	
असम	47	74	
उत्तरी बंगाल	83	233	
सम्पूर्ण भारत	**12,852**	**1,3874**	**7·95**

डीआरडीओ द्वारा एमआईआरवी तकनीक युक्त अग्नि-V मिसाइल का पहला परीक्षण

देश के रक्षा वैज्ञानिकों ने एक और बड़ी उपलब्धि 11 मार्च, 2024 को उस समय अपने नाम की जब रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (DRDO) ने एमआईआरवी (MIRV–Multiple Independently Targetable Re-Entry Vehicle) टेक्नोलॉजी युक्त अग्नि-V मिसाइल का पहला परीक्षण सफलतापूर्वक सम्पन्न किया. 'मिशन दिव्यास्त्र' नाम से यह परीक्षण ओडिशा के डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम द्वीप से किया गया. लगभग पूरा चीन व आधा यूरोप 5,000 किमी की दूरी तक सटीक हमला करने में सक्षम 1·5 टन वजनी इस मिसाइल के दायरे में आ सकते हैं. स्वदेश निर्मित अग्नि-V मिसाइल के पहले भी कई परीक्षण डीआरडीओ द्वारा किए जा चुके हैं, किन्तु एमआईआरवी तकनीक युक्त मिसाइल का यह पहला ही परीक्षण है.

MIRV यानी मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टार्गेटेबल री-एंट्री व्हीकल टेक्नोलॉजी एक ऐसी तकनीक है, जिसमें एक साथ कई न्यूक्लियर वेपन को अलग-अलग जगहों के लिए टारगेट किया जा सकता है.

यह तकनीक युक्त इंटरकॉटिनेंटल बैलिस्टिक मिसाइलें अभी केवल 5 देशों—अमरीका, रूस, चीन, ब्रिटेन व फ्रांस के पास ही उपलब्ध हैं. डीआरडीओ द्वारा भारत डायनेमिक्स के साथ सांझा परियोजना के तहत् इसे विकसित किया गया है. इस मिसाइल की एक खासियत यह भी बताई गई है कि इसे सड़क मार्ग से कहीं भी ले जाया जा सकता है. इससे पहले की अग्नि मिसाइलों में यह सुविधा नहीं थी. एमआईआरवी तकनीक युक्त अग्नि-V मिसाइल भारत की सर्वाधिक दूरी तक सटीक एक साथ कई लक्ष्यों पर मार करने में सक्षम परमाणु क्षमता सम्पन्न मिसाइल है. इससे भारत की सामरिक क्षमता में भारी वृद्धि होगी.

हरियाणा में जननायक जनता पार्टी से गठबंधन तोड़कर भाजपा ने अकेले ही सरकार बनाई : श्री नायब सिंह सैनी नए मुख्यमंत्री

लोक सभा चुनावों से ठीक पूर्व हरियाणा में दुष्यंत चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी (JJP) के साथ गठबंधन तोड़कर भारतीय जनता पार्टी ने अकेले ही अपने बहुमत के बल पर नई सरकार का गठन 12 मार्च, 2024 को किया है. नई सरकार में मनोहर लाल खट्टर के स्थान पर पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी को मुख्यमंत्री बनाया गया है.

नायब सेनी को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाते राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय

ओबीसी समुदाय के नेता श्री सेनी फिलहाल कुरुक्षेत्र से सांसद हैं. पार्टी हाईकमान के निर्देश पर मनोहर लाल ने अपनी सरकार का त्यागपत्र 12 मार्च. को ही राज्यपाल श्री बडारू दत्तात्रेय को सौंप दिया था जिसके पश्चात् भाजपा विधायक दल के नए नेता नायब सिंह सेनी ने 5 मंत्रियों के साथ मुख्यमंत्री पद की शपथ उसी दिन ग्रहण की. नई सरकार में जननायक जनता पार्टी को शामिल नहीं किया गया है. भाजपा-जेजेपी की 4 वर्ष पुरानी गठबंधन सरकार में जेजेपी के श्री दुष्यंत चौटाला उपमुख्यमंत्री थे.

नए मुख्यमंत्री श्री सैनी ने विधान सभा में 13 मार्च को बहुमत सिद्ध कर लिया है. हरियाणा की 90 सदस्यीय विधान सभा में 41 विधायक भाजपा के हैं तथा 7 निर्दलीय विधायकों में से 6 का समर्थन भाजपा को प्राप्त है. विधान सभा में जेजेपी के सदस्यों की संख्या 10 तथा कांग्रेस के सदस्यों की संख्या 30 है.

उल्लेखनीय है अक्टूबर 2014 से मार्च 2024 तक हरियाणा के मुख्यमंत्री रहे श्री मनोहर लाल खट्टर को अब करनाल से लोक सभा के लिए उम्मीदवार भाजपा ने बनाया है.

विवादित आबकारी नीति में मनी लॉन्ड्रिंग में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी गिरफ्तार

दिल्ली में नवम्बर 2021 में लागू की गई विवादित आबकारी नीति में करोड़ों रुपए के कथित घोटाले के मामले में दिल्ली सरकार के तत्कालीन आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया व कुछ अन्य प्रभावशाली व्यक्तियों की गिरफ्तारी के पश्चात् मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल भी 21 मार्च, 2024 को प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा गिरफ्तार किए गए हैं. आबकारी नीति में कथित घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग की जाँच के लिए प्रवर्तन निदेशालय की एक टीम ने 21 मार्च को लगभग 2 घण्टे तक उनसे पूछताछ उनके निवास पर ही की जिसके पश्चात् उन्हें गिरफ्तार

अरविंद केजरीवाल

हरियाणा के मुख्यमंत्री

भगवत दयाल शर्मा (कांग्रेस) 1 नवंबर 1966 से 24 मार्च 1967	**हुकम सिंह** (जनता दल) 17 जुलाई 1990 से 22 मार्च 1991
राव बीरेंद्र सिंह (वीएचपी) 24 मार्च 1967 से 20 नवंबर 1967	**ओम प्रकाश चौटाला** (एसजेपी) 22 मार्च 1991 से 6 अप्रैल 1991
राष्ट्रपति शासन 20 नवंबर 1967 से 21 मई 1968	**राष्ट्रपति शासन** 6 अप्रैल, 1991 से 23 जुलाई 1991
बंसी लाल (कांग्रेस) 21 मई 1968 से 1 दिसंबर 1975	**भजन लाल** (कांग्रेस) 23 जुलाई 1991 से 11 मई 1996
बनारसी दास गुप्ता (कांग्रेस) 1 दिसंबर 1975 से 30 अप्रैल 1977	**बंसी लाल** (एचवीपी) 11 मई 1996 से 24 जुलाई 1999
राष्ट्रपति शासन 30 अप्रैल 1977 से 21 जून 1977	**ओम प्रकाश चौटाला** (आईएनएलडी) 24 जुलाई 1999 से 5 मार्च 2005
चौधरी देवी लाल (जनता पार्टी) 21 जून 1977 से 28 जून 1979	**भूपिंदर सिंह हुड्डा** (कांग्रेस) 5 मार्च 2005 से 26 अक्टूबर 2014
भजन लाल (कांग्रेस) 28 जून 1979 से 5 जून 1986	**मनोहर लाल खट्टर** (बीजेपी) 26 अक्टूबर 2014 से 12 मार्च 2024
बंसी लाल (कांग्रेस) 5 जून 1986 से 20 जून 1987	**नायब सिंह सैनी** (बीजेपी) 12 मार्च 2024 को मुख्यमंत्री पद की शपथ ली
चौधरी देवी लाल (जनता दल) 20 जून 1987 से 2 दिसंबर 1989	
ओम प्रकाश चौटाला (जनता दल) 2 दिसंबर 1989 से 22 मई 1990	
बनारसी दास गुप्ता (जनता दल) 22 मई, 1990 से 12 जुलाई 1990	
ओम प्रकाश चौटाला (जनता दल) 12 जुलाई 1990 से 17 जुलाई 1990	

KBK Infographics

कर लिया गया. **अरविंद केजरीवाल देश में ऐसे पहले मुख्यमंत्री हैं जिन्हें पद पर रहते हुए गिरफ्तार किया गया है. उनकी गिरफ्तारी से डेढ़ माह पूर्व झारखण्ड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को भूमि खरीद घोटाले में मनी लॉड्रिंग मामले में प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था, किन्तु गिरफ्तारी से पूर्व ही उन्होंने मुख्यमंत्री पद से अपना त्यागपत्र राज्यपाल को सौंप दिया था.**

आबकारी नीति में कथित घोटाले के मामले में मनी लॉड्रिंग केस प्रवर्तन निदेशालय द्वारा अगस्त 2022 में दर्ज किया गया था तथा सबसे पहले 26 फरवरी, 2023 को आबकारी मंत्री मनीष सिसोदिया को 4 अक्टूबर को, राज्य सभा के आप सांसद संजय सिंह को तथा हाल ही में मार्च 2024 में तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री केसीआर की पुत्री के. कविता को ईडी ने गिरफ्तार किया था. मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को इस मामले में पूछताछ के लिए 2 नवम्बर, 2023 को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा समन भेजा गया था जिसके पश्चात् एक के बाद एक नौ समन उन्हें भेजे गए. इन सभी की उपेक्षा के पश्चात् ईडी की टीम 21 मार्च को उनके निवास पर पहुँची तथा लम्बी पूछताछ के बाद अन्ततः उन्हें गिरफ्तार किया. यह पंक्तियाँ लिखे जाने तक श्री केजरीवाल को अदालत से जमानत इस मामले में नहीं मिली थी.

ऑपरेशन संकल्प के तहत् भारतीय नौसेना के आईएनएस कोलकाता ने वाणिज्यिक पोत एमवी रुएन को समुद्री लुटेरों से मुक्त कराया

भारतीय नौसेना ने समुद्री लुटेरों के कब्जे से एक जहाज को मुक्त करा कर इसके चालक दल के 17 सदस्यों की सुरक्षित रिहाई एवं 35 सोमालियाई समुद्री लुटेरों को पकड़ने में सफलता मार्च 2024 में प्राप्त की. माल्टा ध्वज वाले एमवी रुएन (MV Ruen) नाम के इस पोत का अपहरण सोमालिया के समुद्री डाकुओं द्वारा 14 दिसम्बर, 2023 को किया गया था, तब से ही यह जहाज समुद्री लुटेरों का जहाज बना हुआ था तथा इसका इस्तेमाल समुद्र में लूटपाट करने तथा वाणिज्यिक पोतों को बंधक बनाने के लिए किया जा रहा था. भारतीय नौसेना के अरब सागर में तैनात आईएनएस कोलकाता ने विशिष्ट सूचना के आधार पर 15 मार्च से इस पोत पर नजर रखनी शुरू की तथा डेक पर कई सशस्त्र लुटेरों को अपने ड्रोन की सहायता से देखा. भारतीय तट से लगभग 1400 समुद्री मील (Nautical miles) (2600 किमी) दूरी पर ऑपरेशन संकल्प के तहत् कार्यवाही करते हुए आईएनएस कोलकाता ने इस पोत को अन्तर्राष्ट्रीय कानूनों के तहत् रुकने का निर्देश दिया, तो इन लुटेरों ने न केवल ड्रोन को मार गिराया, बल्कि आईएनएस कोलकाता पर भी गोलाबारी की. इस पर एमवी रुएन के स्टेयरिंग सिस्टम व नेवीगेशनल सहायता को आईएनएस कोलकाता ने अक्षम बना दिया. इसके पश्चात् सी-17 विमान द्वारा मार्कोस (MARCOS—Marine Commando) पोत पर उतार कर सभी लुटेरों पर काबू कर लिया तथा चालक दल के सभी 17 सदस्यों को सुरक्षित बचा लिया. चालक दल के इन 17 सदस्यों में से 9 म्यांमार के, 7 बुल्गारिया के व 1 अंगोला का है. पकड़े गए सभी 35 समुद्री लुटेरों को बाद में 22 मार्च को मुम्बई पुलिस को सौंप दिया. समुद्री डकैती-रोधी अधिनियम 2022 के तहत् कार्यवाही इनके विरुद्ध की जाएगी.

लोक सभा व सभी राज्य विधान सभाओं के चुनाव तथा स्थानीय निकायों के चुनाव एक साथ ही दो चरणों में कराने की कोविंद समिति की सिफारिश

भारत में लोक सभा, राज्य विधान सभाओं तथा स्थानीय निकायों के चुनाव आमतौर पर अलग-अलग समय पर होते हैं. इससे वर्ष भर किसी-न-किसी राज्य में चुनाव का माहौल बना रहता है. इस स्थिति में सुधार के लिए पूरे देश में सभी चुनाव एक ही समय कराने की सरकार की योजना है. इसके विभिन्न पहलुओं एवं सम्भावनाओं पर विचार के लिए पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में 8 सदस्यीय उच्चस्तरीय समिति का गठन सरकार ने 2 सितम्बर, 2023 को किया था. एक देश एक चुनाव को लेकर गठित इस उच्चस्तरीय समिति ने देश में लोक सभा, विधान सभा नगरीय निकाय और पंचायत चुनावों को एक साथ ही कराने की सिफारिश की हैं. ***राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को 14 मार्च, 2024 को प्रस्तुत 18626 पृष्ठों की अपनी रिपोर्ट में अपनी सिफारिशों में चुनाव दो चरणों में पूरा करने का सुझाव समिति ने दिया है. पहले चरण में लोक सभा और विधान सभा के चुनाव एक साथ कराने का प्रस्ताव है, जबकि दूसरे चरण में लोक सभा और विधान सभा चुनावों के 100 दिनों के भीतर ही नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव कराने का प्रस्ताव दिया गया है.***

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को रिपोर्ट सौंपते समिति के अध्यक्ष पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद

त्रिशंकु सदन, अविश्वास प्रस्ताव या फिर ऐसी स्थिति में नए सदन के गठन के लिए नए सिरे से चुनाव कराने की सिफारिश तो समिति ने की है, लेकिन ऐसी स्थिति में नई लोक सभा का कार्यकाल बची अवधि के लिए ही होगा. यानी चुनाव के बाद गठित सरकार यदि 1 वर्ष के बाद किसी कारण से गिर जाए और दूसरा कोई दल सरकार बनाने की स्थिति में नहीं है, तो नए सिरे से चुनाव हो सकते हैं, लेकिन इस दौरान नए सदन का गठन बाकी बचे 4 वर्षों के लिए ही होगा. मौजूदा व्यवस्था में बीच में चुनाव की नौबत आने के बाद सदन का कार्यकाल फिर 5 वर्षों का हो जाता है. *इस कारण ही आजादी के बाद लोक सभा और विधान सभाओं के एक साथ शुरू हुए चुनाव आज अलग-अलग वर्षों में हो रहे हैं. इन सुझावों को लागू करने के लिए समिति ने संविधान के अनुच्छेद-83 (संसद की अवधि) और अनुच्छेद-172 (राज्य विधान सभा की अवधि) में जरूरी संशोधनों की सिफारिश भी की है.*

पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता वाली इस उच्चस्तरीय कमेटी में अध्यक्ष के अतिरिक्त वैसे तो 7 सदस्य थे, लेकिन कांग्रेस नेता अधीर रंजन चौधरी के इस्तीफे के बाद समिति में अध्यक्ष के अतिरिक्त 6 सदस्य रह गए थे. इनमें गृह मंत्री अमित शाह, राज्य सभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद, 15वें वित्त आयोग के पूर्व अध्यक्ष एन.के. सिंह, लोक सभा के पूर्व महासचिव डॉ. सुभाष सी. कश्यप, वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे व पूर्व मुख्य सतर्कता आयुक्त संजय कोठारी शामिल थे. कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को विशेष आमंत्रित सदस्य के रूप में समिति में शामिल किया गया था.

उपग्रह/स्पेस क्राफ्ट प्रक्षेपणों हेतु पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण क्षमता के लिए पुष्पक का परीक्षण

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) ने पुनः प्रयोज्य प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी

मानव रहित पुष्पक यान की रनवे पर सफल लैंडिंग

शेष पृष्ठ 34 पर

अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम

- राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की मॉरिशस यात्रा
- नए चुनावों के पश्चात् शहबाज शरीफ पाकिस्तान में नई गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री
- आसिफ अली जरदारी पाकिस्तान के नए राष्ट्रपति निर्वाचित
- नेपाल में प्रधानमंत्री प्रचंड ने नेपाली कांग्रेस को सत्तारूढ़ गठबंधन से बाहर किया : ओली के नेतृत्व वाली कम्यूनिस्ट पार्टी अब सत्ता में
- रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 6 वर्ष के एक और कार्यकाल हेतु इस पद पर पुनर्निर्वाचित
- हथियारों की खरीद में भारत का विश्व में पहला स्थान : अमरीका हथियारों का सबसे बड़ा विक्रेता स्वीडिश संस्था की रिपोर्ट
- स्वीडन नाटो का 32वाँ सदस्य बना
- भूटान के प्रधानमंत्री त्शेरिंग टोबगे की भारत यात्रा
- प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भूटान यात्रा
- वर्ल्ड हैप्पिनेस इंडेक्स (2024) में भारत का 143 देशों में 126वाँ स्थान

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू की मॉरिशस यात्रा

मॉरिशस सरकार के निमंत्रण पर राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने मॉरिशस की 3 दिन की

मॉरिशस के प्रधानमंत्री प्रविंद जगन्नाथ के साथ राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू

राजकीय यात्रा 11-13 मार्च, 2024 को की. 12 मार्च को मॉरिशस के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी के लिए वहाँ की सरकार ने उन्हें आमंत्रित किया था. इस के लिए 11 मार्च को मॉरिशस पहुँचने पर पोर्ट लुइस हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी मेजबान प्रधानमंत्री प्रविंद कुमार जगन्नाथ (Pravind Kumar Jugnauth) ने स्वयं ही पूरे राजकीय सम्मान एवं गार्ड ऑफ ऑनर के साथ की. उसी शाम मेजबान प्रधानमंत्री जगन्नाथ के साथ पारस्परिक महत्व के विभिन्न मुद्दों पर वार्ता राष्ट्रपति मुर्मू की हुई. मॉरिशस में रह रहे भारतवंशियों की 7वीं पीढ़ी को उनके पूर्वजों की भूमि से जोड़ने के प्रयास के तहत् भारत की विदेशी नागरिकता (Overseas Citizenship of India–OCI) प्रदान करने के एक प्रावधान

मॉरिशस विश्वविद्यालय में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को डॉक्टरेट की मानद उपाधि

को मंजूरी उन्होंने प्रदान की. भारत समर्थित 14 परियोजनाओं का मेजबान प्रधानमंत्री के साथ संयुक्त रूप से उद्घाटन उन्होंने किया. दोनों देशों के बीच महत्वपूर्ण द्विवर्षीय समझौतों का आदान-प्रदान भी इस अवसर पर हुआ. उसी दिन मेजबान राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन से उनकी मुलाकात हुई जिन्हें उपहारस्वरूप रूपे कार्ड श्रीमती मुर्मू ने भेंट किया, जिसे हाल ही में मॉरिशस में लॉन्च किया गया था.

12 मार्च को मॉरिशस के (56वें) राष्ट्रीय दिवस में मुख्य अतिथि के रूप में वह शामिल हुईं. भारतीय नौसेना की एक टीम, जिसमें नौसेना के 2 प्रशिक्षण स्क्वाड्रन पोत आईएनएस तीर व सीजीएस सारथी शामिल थे, भी इस समारोह में शामिल रहे. श्रीमती द्रौपदी मुर्मू मॉरिशस के राष्ट्रीय दिवस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल रहने वाली वर्ष 2000 के पश्चात् भारत की छठी राष्ट्रपति हैं.

12 मार्च को ही ऐतिहासिक दांडी मार्च की वर्षगाँठ के दिन महात्मा गांधी संस्थान में राष्ट्रपिता को श्रद्धांजलि भारतीय राष्ट्रपति ने अर्पित की. उसी दिन मॉरिशस विश्वविद्यालय ने डॉक्टर ऑफ सिविल लॉ की मानद उपाधि से उन्हें सम्मानित किया. पोर्ट लुइस में प्रवास के दौरान मॉरिशस नेशनल असेम्बली के अध्यक्ष, वहाँ के उच्चतम न्यायालय के प्रधान न्यायाधीश व देश के कई और महत्वपूर्ण नेताओं ने भी राष्ट्रपति से भेंट की.

13 मार्च को स्वदेश वापसी से पूर्व मॉरिशस के प्रमुख ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों का अवलोकन राष्ट्रपति श्रीमती मुर्मू ने किया. अप्रवासी घाट जहाँ भारतीय श्रमिक सबसे पहले वहाँ पहुँचे थे के अतिरिक्त पवित्र गंगा तालाब आदि इनमें शामिल हैं. पवित्र गंगा तालाब परिसर के धार्मिक एवं सांस्कृतिक पर्यटन केन्द्र के रूप में पुनर्विकास करने में मॉरिशस सरकार की भारत सरकार की ओर से मदद की घोषणा भी उन्होंने की. भारतीय मूल के लोगों को एक सम्बोधन का एक कार्यक्रम भी पोर्ट लुइस में राष्ट्रपति मुर्मू के कार्यक्रमों में शामिल था.

नए चुनावों के पश्चात् शहबाज शरीफ पाकिस्तान में नई गठबंधन सरकार में प्रधानमंत्री

पाकिस्तान में 16वीं नेशनल असेम्बली के लिए 8 फरवरी, 2024 को सम्पन्न चुनाव

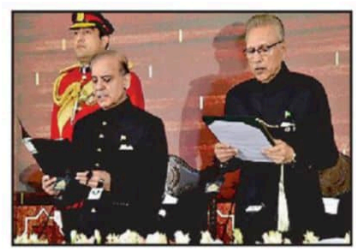

शहबाज शरीफ : पाकिस्तान के नए प्रधानमंत्री

में किसी भी पार्टी को स्पष्ट बहुमत न मिलने के पश्चात् पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली **पाकिस्तान मुस्लिम लीग-एन**

(PML-N) तथा बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व वाली **पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी** (PPP) ने गठबंधन सरकार का गठन वहाँ मार्च 2024 में किया है, जिसमें नवाज शरीफ के छोटे भाई शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री बनाया गया है. पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अतिरिक्त अन्य विभिन्न छोटे दलों—मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान (MQM-P), पाकिस्तान मुस्लिम लीग-क्यू (PML-Q) आदि का समर्थन शहबाज शरीफ के नेतृत्व वाली नवगठित सरकार को प्राप्त है. तत्कालीन राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने 4 मार्च, 2024 को राष्ट्रपति भवन 'एवान-ए-सद्र' में एक समारोह में प्रधानमंत्री पद की शपथ उन्हें दिलाई. **72 वर्षीय शहबाज शरीफ दूसरी बार पाकिस्तान के प्रधानमंत्री बने हैं. इससे पूर्व इमरान खान को अविश्वास प्रस्ताव द्वारा प्रधानमंत्री पद से हटाए जाने के पश्चात् अप्रैल 2022 से अगस्त 2023 तक गठबंधन सरकार का नेतृत्व उन्होंने किया था.**

नवगठित सरकार के लिए पीएमएल(एन) व पीपीपी गठबंधन में तय की गई शर्तों के अनुरूप पीएमएल (एन) के शहबाज शरीफ को प्रधानमंत्री जहाँ बनाया गया है, **पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी** (PPP) के बिलावल भुट्टो के पिता आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति बाद में 9 मार्च को चुना गया है.

पाकिस्तान में नेशनल असेंबली के लिए 8 फरवरी, 2024 को सम्पन्न चुनाव में इमरान खान के नेतृत्व वाली पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI) के चुनाव लड़ने पर अदालत ने रोक लगा दी थी जिसके चलते पीटीआई के उम्मीदवारों ने निर्दलीय उम्मीदवारों के रूप में ही चुनाव लड़ा था. चुनाव में विजयी रहे ऐसे निर्दलीय उम्मीदवार, जोकि वास्तव में पीटीआई समर्थित थे, की संख्या ही यद्यपि पीएमएल (एन) व पीपीपी के उम्मीदवारों से ज्यादा थी, तथापि पीएमएल (एन) व पीपीपी ने गठबंधन कर नई सरकार का गठन वहाँ किया है. 8 फरवरी के चुनाव में 336 सदस्यीय नेशनल असेम्बली की चुनाव से भरी जाने वाली 266 सीटों में सर्वाधिक 93 सीटें इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई द्वारा खड़े किए गए निर्दलीय उम्मीदवारों ने जीती थीं तथा पीएमएल (एन) की सीटों की संख्या 75 तथा पीपीपी की सीटों की संख्या 54 ही रही थी. ऐसे में अन्य पीएमएल (एन) व पीपीपी ने ही गठबंधन कर सरकार के गठन के लिए आवश्यक बहुमत प्राप्त कर लिया था. बाद में महिलाओं व अल्पसंख्यकों के लिए आरक्षित कोटे की सीटों के आवंटन के पश्चात् नवाज शरीफ के नेतृत्व वाली पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) के सांसदों की संख्या पीटीआई समर्थित निर्दलीय उम्मीदवारों से भी अधिक हो गई है. आरक्षित सीटों के विभिन्न दलों को आवंटन के पश्चात् पाकिस्तान की 336 सदस्यीय नेशनल असेम्बली में विभिन्न दलों की स्थिति अब निम्नलिखित अनुसार है—

दल	सीटें			
	सामान्य	आरक्षित		योग
		महिला	अल्पसंख्यक	
पीटीआई समर्थित निर्दलीय	93	0	0	93
पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन)	75	19	4	98
पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी	54	12	2	68
मुत्ताहिदा कौमी मूवमेंट-पाकिस्तान	17	4	1	22
जमाइत-उलेमा-ए-इस्लाम (एफ)	4	1	0	5
इस्तेहकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी	3	1	0	4
पीएमएल (क्यू)	3	1	0	4
बलूचिस्तान नेशनल पार्टी (मेंगल)	2	0	0	2
बलूचिस्तान अवामी पार्टी	1	0	0	1
अन्य	5	0	0	5
निर्दलीय	8	0	0	8
रिक्त	1	22	3	26
योग	**266**	**60**	**10**	**336**

* भारत की तरह पाकिस्तान की संसद में भी दो सदन हैं. इनमें निचला सदन नेशनल असेम्बली व उच्च सदन सीनेट है. 336 सदस्यीय निचले सदन की 266 सीटें ही चुनाव द्वारा भरी जाती हैं शेष 70 सीटों में से 60 सीटें महिलाओं के लिए 10 गैर-मुस्लिमों के लिए आरक्षित हैं. यह सीटें विभिन्न राजनीतिक दलों को चुनाव में इनके निष्पादन के आधार पर आवंटित की जाती हैं. 104 सदस्यीय उच्च सदन (सीनेट) में भी 17 सीटें महिलाओं के लिए व इतनी ही सीटें (17) टेक्नोक्रेट्स व उलेमा के लिए आरक्षित हैं. नेशनल असेम्बली के सदस्यों का कार्यकाल 5 वर्ष व सीनेट के सदस्यों का कार्यकाल 6 वर्ष होता है.

आसिफ अली जरदारी पाकिस्तान के नए राष्ट्रपति निर्वाचित

पाकिस्तानी संसद में प्रधानमंत्री पद के इस चुनाव के बाद ही राष्ट्रपति पद के लिए

इस्लामाबाद स्थित राष्ट्रपति भवन 'एवान-ए-सद्र' में आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाते मुख्य न्यायाधीश काजी फैज ईसा

चुनाव भी वहाँ 9 मार्च, 2024 को सम्पन्न हुए. गठबंधन सरकार के लिए पाकिस्तान मुस्लिम लीग (एन) तथा बिलावल भुट्टो के नेतृत्व वाली पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (PPP) के बीच सम्पन्न समझौते के तहत् ही पीपीपी के सह अध्यक्ष व बिलावल भुट्टो के पिता आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति वहाँ चुना गया है. पीएमएल (एन) व पीपीपी समर्थित जरदारी ने राष्ट्रपति पद के लिए 9 मार्च को सम्पन्न चुनाव में इमरान खान के नेतृत्व वाली पीटीआई द्वारा समर्थित सुन्नी इत्तिहाद कांउसिल (SIC) के उम्मीदवार महमूद खाने अचकजई को भारी बहुमत से पराजित किया. सर्वोच्च न्यायाधीश काजी फैज ईसा ने राष्ट्रपति भवन एवान-ए-सद्र में अगले ही दिन 10 मार्च को 68 वर्षीय आसिफ अली जरदारी को राष्ट्रपति पद की शपथ दिलाई. 2 बार प्रधानमंत्री रह चुकी बेनजीर भुट्टो के पति आसिफ अली जरदारी दूसरी बार पाकिस्तान के राष्ट्रपति बने हैं. इससे पूर्व 2008 से 2013 के दौरान वह राष्ट्रपति रह चुके हैं. दूसरी बार राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् अपनी पुत्री असीफा भुट्टो जरदारी को ही प्रथम महिला का दर्जा उन्होंने प्रदान किया है.

पाकिस्तान में राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव में संसद के दोनों सदनों नेशनल असेम्बली व सीनेट के अतिरिक्त चारों प्रांतों की असेंबलियों के सदस्य मतदान करते हैं. 9 मार्च के राष्ट्रपति के चुनाव में संसद के 374 पड़े वैध मतों में से 255 जरदारी को तथा 119 मत एसआईसी के महमूद खान अचकजई को प्राप्त हुए. पंजाब विधान सभा में 346 पड़े वैध मतों में जरदारी को 246 व अचकजई का 100 मत जहाँ मिले वहीं बलूचिस्तान के सभी 47 मत जरदारी के पक्ष में गए. सिंध प्रांत के 160 मतों में से 151 मत जरदारी के पक्ष में गए, जबकि अचकजई को 9 मत मिले. चौथी खैबर पख्तूनवा विधान

सभा में अचकजई का पलड़ा भारी रहा. यहाँ के 108 पड़े वैध मतों में से 91 मत अचकजई के पक्ष में गए, जबकि जरदारी को 17 मत ही प्राप्त हुए.

राष्ट्रपति पद पर डॉ. आरिफ अल्वी का स्थान 68 वर्षीय आसिफ अली जरदारी ने लिया है. डॉ. अल्वी का इस पद पर 5 वर्षीय कार्यकाल 1 सितम्बर, 2023 में ही पूरा हो चुका था, किन्तु आम चुनाव न होने के कारण वह 5 महीने से ज्यादा समय तक इस पद पर बने रहे. वह लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए भी चुनाव लड़ने के लिए पात्र थे.

नेपाल में प्रधानमंत्री प्रचंड ने नेपाली कांग्रेस को सत्तारूढ़ गठबंधन से बाहर किया : ओली के नेतृत्व वाली कम्यूनिस्ट पार्टी अब सत्ता में

एक महत्वपूर्ण राजनीतिक फेरबदल के तहत् नेपाल में सत्तारूढ़ गठबंधन में परिवर्तन मार्च 2024 में हुआ है तथा प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल **प्रचंड के नेतृत्व वाली नेपाली कम्यूनिस्ट पार्टी (माओवादी केन्द्र)** के मतभेदों के चलते शेर बहादुर देउबा के नेतृत्व वाली नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन तोड़कर के.पी. शर्मा ओली के नेतृत्व वाली कम्यूनिस्ट पार्टी (एकीकृत मार्क्सवादी लेनिनवादी) (CPN–UML) के साथ गठबंधन कर लिया है.

इससे 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 88 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस अब विपक्ष में आ गई है तथा वामपंथी दलों का गठबंधन ही एक बार पुनः वहाँ सत्तारूढ़ हो गया है. दोनों वामपंथी दलों **प्रचंड के नेतृत्व वाली सीपीएन (माओवादी केन्द्र)** तथा **ओली के नेतृत्व वाले सीपीएन (यूएमएल)** के गठबंधन वाली नई सरकार में राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (RSP) व जनता समाजवादी पार्टी (Peoples Socialist Party–PSP) भी शामिल हैं. **इस प्रकार मालदीव की तरह नेपाल में भी चीन के प्रभाव वाली सरकार अब सत्ता में है. नेपाली कांग्रेस के नेता शेर बहादुर देउबा भारत समर्थक माने जाते हैं जबकि सत्ता में शामिल हुए के.पी. शर्मा ओली को चीन समर्थक माना जाता है.** पुष्प कमल दहल व शेर बहादुर देउबा 15 माह पुराने सत्तारूढ़ गठबंधन के टूटने तथा के.पी. शर्मा ओली की सत्ता में वापसी के पीछे चीन की भूमिका की बात मीडिया रिपोर्टों में कही गई है.

पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' प्रधानमंत्री

नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन तोड़ते हुए प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल ने 4 मार्च को अपने मंत्रिमण्डल के सभी मंत्रियों को निष्कासित करते हुए पहले 3 नए मंत्रियों को मंत्रिमण्डल में शामिल किया. इनमें एक अपनी सीपीएन (एम) का, एक सीपीएन (यूएमएल) का तथा एक मंत्री आरएसपी का था. मंत्रिमण्डल का विस्तार बाद में 6 व 10 मार्च को उन्होंने किया. गठबंधन के चारों दलों से एक-एक उप-प्रधानमंत्री अपनी सरकार में उन्होंने बनाया है.

ज्ञातव्य है कि 275 सदस्यीय नेपाली संसद (प्रतिनिधि सभा) में नए सत्तारूढ़ गठबंधन में 161 सदस्य हैं, जिनमें सीपीएन के 30 सदस्यों के अतिरिक्त सीपीएन (यूएमएल) के 77, आरएसपी के 21 तथा पीएसपी के 12 सदस्य शामिल हैं, जबकि 87 सदस्यों के साथ नेपाली कांग्रेस, जो अब विपक्ष में है प्रतिनिधि सभा में सबसे बड़ी पार्टी है.

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 6 वर्ष के एक और कार्यकाल हेतु इस पद पर पुनर्निर्वाचित

रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन (Vladimir Putin) 6 वर्ष के एक और कार्यकाल हेतु इस पद पर मार्च 2024 में भारी बहुमत से निर्वाचित हुए हैं. इस पद के लिए 15-17 मार्च को 3 दिन तक सम्पन्न मतदान में 88·48 प्रतिशत मत पुतिन को प्राप्त हुए, जबकि निकटतम प्रतिद्वन्द्वी कम्यूनिस्ट पार्टी के निकोलाय खारितोनोव (Nikolay Kharitonov) को 4·37 प्रतिशत मत प्राप्त हुए. मुकाबले में 2 अन्य प्रत्याशी लियोनिद स्लट्स्की (Leonid Slutsky) व व्लादिस्लाव डावनकोव (Vladislav Davankov) थे. इस प्रकार इस चुनाव में बड़े मुकाबले का सामना निवर्तमान राष्ट्रपति को नहीं करना पडा. अमरीका के चुनाव पर प्रतिक्रिया में कहा कि रूस में स्वतंत्र एवं निष्पक्ष चुनाव नहीं हुए. इसलिए यह परिणाम अप्रत्याशित नहीं है. कुल 11·42 करोड़ मतदाताओं में से मतदान करने वालों का प्रतिशत 77·49 प्रतिशत रहा.

व्लादिमीर पुतिन : पाँचवीं बार रूस के राष्ट्रपति निर्वाचित

71 वर्षीय व्लादिमीर पुतिन 5वीं बार रूस के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं. राष्ट्रपति के रूप में पुनर्निर्वाचन से वह अब 2030 तक इस पद पर रहेंगे. इसके साथ ही जोसेफ स्टॉलिन को पीछे छोड़ते हुए रूस के 200 वर्षों के इतिहास में सबसे ज्यादा समय तक सत्ता में रहने वाले नेता वह हो जाएंगे. राष्ट्रपति अथवा प्रधानमंत्री के रूप में 1999 से ही वह सत्ता में बने हुए हैं. खराब स्वास्थ्य के चलते बोरिस येल्तसिन के राष्ट्रपति पद से 31 दिसम्बर, 1999 को त्यागपत्र के पश्चात् कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में कार्यभार उन्होंने सँभाला था तथा मार्च 2000 में पहली बार व 2004 में दूसरी बार राष्ट्रपति वह चुने गए. तत्कालिक संवैधानिक प्रावधान के अनुसार लगातार 2 बार के पश्चात् वह राष्ट्रपति नहीं रह सकते थे. ऐसे में 2008 में अपने सहयोगी दिमित्री मेदवेदेव (Dmitry Medvedev) को राष्ट्रपति बनवा कर उनकी सरकार में प्रधानमंत्री वह रहे. मेदवेदेव सरकार में एक संविधान संशोधन कर राष्ट्रपति का कार्यकाल 4 वर्ष से बढ़ाकर 6 वर्ष कर दिया जिसके पश्चात् पुतिन 2012 में तीसरी बार तथा 2018 में चौथी बार राष्ट्रपति निर्वाचित हुए. इस बीच जुलाई 2020 में लाए गए एक अन्य विवादास्पद संविधान संशोधन ने 2024 में भी इनके चुनाव लड़ने के लिए मार्ग प्रशस्त कर दिया था.

हथियारों की खरीद में भारत का विश्व में पहला स्थान : अमरीका हथियारों का सबसे बड़ा विक्रेता स्वीडिश संस्था की रिपोर्ट

विश्व में हथियारों के बड़े क्रेताओं एवं विक्रेताओं के सम्बन्ध में रिपोर्ट स्वीडन स्थित थिक टेंक स्टॉकहोम इंटरनेशनल पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट (SIPRI) द्वारा प्रति वर्ष जारी की जाती है. संस्था की Trends in International Arms Transfers, 2023 शीर्षक से मार्च 2024 में जारी वार्षिक रिपोर्ट में बताया गया है कि 2014-18 की तुलना में 2019-23 की 5 वर्षों की अवधि में भारत के हथियारों के आयात में 4·7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है तथा इस अवधि में भारत विश्व में हथियारों का सबसे बड़ा आयातक बना रहा है. रिपोर्ट के अनुसार भारत के पड़ोसी देशों में चीन के शस्त्र आयातों में इस अवधि में 44 प्रतिशत की गिरावट जहाँ आई है, पाकिस्तान के हथियारों के आयात में 43 प्रतिशत की वृद्धि इस अवधि में दर्ज की गई है.

- संस्था की पिछली सालाना रिपोर्टों की तर्ज पर वर्ष 2024 की रिपोर्ट में भी विश्व में हथियारों के सभी प्रमुख निर्यातक राष्ट्रों (व उनसे हथियार खरीदने वाले प्रमुख देशों) तथा हथियारों के सभी प्रमुख आयातक राष्ट्रों (व उन्हें हथियारों की आपूर्ति करने वाले प्रमुख राष्ट्रों) के नामों का उल्लेख किया गया है. इनमें अग्रणी देशों के नाम व सम्बन्धित जानकारी दिए गए बॉक्स में दी गई है.

2019-23 के दौरान हथियारों के बड़े निर्यातक राष्ट्र व उनके प्रमुख क्रेता

क्र.	राष्ट्र	हथियारों के कुल वैश्विक निर्यात में अंश (प्रतिशत)		2014-18 की तुलना में 2019-23 में प्रतिशत परिवर्तन	निर्यातक राष्ट्र के हथियारों के 3 प्रमुख क्रेता निर्यातक के कुल निर्यात में आयातक राष्ट्र का अंश (प्रतिशत में, 2019-23)		
		2019-23	2014-18		I	II	III
1.	अमरीका	42	34	17	सऊदी अरब (15)	जापान (9·5)	कतर (8·2)
2.	फ्रांस	11	7·2	47	भारत (29)	कतर (17)	मिस्र (6·4)
3.	रूस	11	21	– 53	भारत (34)	चीन (21)	मिस्र (7·5)
4.	चीन	5·8	5·9	– 5·3	पाकिस्तान (61)	बांग्लादेश (11)	थाइलैण्ड (6·0)
5.	जर्मनी	5·6	6·3	– 14	मिस्र (20)	यूक्रेन (12)	इजरायल (12)
6.	इटली	4·3	2·2	86	कतर (27)	मिस्र (21)	कुवैत (13)
7.	यू.के.	3·7	4·1	– 14	कतर (23)	अमरीका (20)	यूक्रेन (8·5)
8.	स्पेन	2·7	2·7	– 3·3	सऊदी अरब (21)	आस्ट्रेलिया (20)	तुर्किये (18)
9.	इजरायल	2·4	3·1	– 25	भारत (37)	फिलीपींस (12)	अमरीका (8·7)
10.	द. कोरिया	2·0	1·7	12	पोलैण्ड (27)	फिलीपींस (19)	भारत (15)

2019-23 के दौरान हथियारों के प्रमुख आयातक राष्ट्र व उनके प्रमुख आपूर्तिकर्ता

क्र.	आयातक राष्ट्र	हथियारों के कुल वैश्विक आयात में अंश (प्रतिशत)		2014-18 की तुलना में 2019-23 में प्रतिशत परिवर्तन	3 प्रमुख आपूर्तिकर्ता देश (2019-23) (आयातक राष्ट्र के हथियारों के कुल आयात में आपूर्तिकर्ता देश का अंश, प्रतिशत में)		
		2019-23	2014-18		I	II	III
1.	भारत	9·8	9·1	4·7	रूस (36)	फ्रांस (33)	अमरीका (13)
2.	सऊदी अरब	8·4	1·1	– 28	अमरीका (75)	फ्रांस (7·6)	स्पेन (7·0)
3.	कतर	7·6	1·5	396	अमरीका (45)	फ्रांस (25)	इटली (15)
4.	यूक्रेन	4·9	0·1	6,633	अमरीका (39)	जर्मनी (14)	पोलैण्ड (13)
5.	पाकिस्तान	4·3	2·9	43	चीन (82)	स्वीडन (4·0)	तुर्किये (3·8)
6.	जापान	4·1	1·5	155	अमरीका (97)	यूके (1·8)	जर्मनी (0·4)
7.	मिस्र	4·0	5·3	– 26	जर्मनी (27)	इटली (22)	रूस (20)
8.	आस्ट्रेलिया	3·7	4·6	– 21	अमरीका (80)	स्पेन (15)	स्विट्जरलैण्ड (2·3)
9.	द. कोरिया	3·1	2·8	6·5	अमरीका (72)	जर्मनी (15)	फ्रांस (9·3)
10.	चीन	2·9	4·9	– 44	रूस (77)	फ्रांस (13	यूक्रेन (8·2)
11.	अमरीका	2·8	1·6	67	यूके (25)	नीदरलैण्ड्स (12)	फ्रांस (10)

रिपोर्ट में बताया गया है कि 2019-23 के 5 वर्षों की अवधि में विश्व में हथियारों के 5 बड़े आयातक देश क्रमशः, भारत, सऊदी अरब, कतर, यूक्रेन व पाकिस्तान रहे हैं, जबकि चीन का इस मामले में 10वाँ स्थान इस अवधि में रहा है. संस्था की इस रिपोर्ट के अनुसार 5 वर्षों की इस अवधि में हथियारों के 5 बड़े निर्यातक देश क्रमशः अमरीका, फ्रांस, रूस, चीन व जर्मनी हैं.

संस्था (SIPRI) की वर्ष 2024 की सन्दर्भित रिपोर्ट के अनुसार

- 2019-23 के दौरान विश्व में हथियारों के सबसे बड़े दो आयातक देश क्रमशः भारत व सऊदी अरब रहे. सन्दर्भित अवधि में हथियारों के कुल वैश्विक आयात का 9·8 प्रतिशत आयात भारत ने तथा 8·4 प्रतिशत सऊदी अरब ने किया. इस मामले में तीसरा, चौथा व पाँचवाँ स्थान क्रमशः कतर, यूक्रेन व पाकिस्तान का रहा.
- 2019-23 के दौरान भारत को हथियारों की आपूर्ति करने वाले पहले 3 देश क्रमशः रूस, फ्रांस व अमरीका रहे. सन्दर्भित अवधि में भारत के हथियारों की कुल खरीद में 36 प्रतिशत आपूर्ति रूस द्वारा, 33 प्रतिशत की फ्रांस द्वारा तथा 13 प्रतिशत भाग की आपूर्ति अमरीका द्वारा की गई.
- रिपोर्ट के अनुसार 2019-23 के दौरान चीन विश्व में हथियारों का दसवाँ बड़ा आयातक राष्ट्र रहा. सन्दर्भित अवधि में हथियारों के कुल वैश्विक आयात में 2·9 प्रतिशत भाग का आयात चीन द्वारा किया गया तथा इस अवधि में उसे हथियारों की आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख देश क्रमशः रूस (77 प्रतिशत), फ्रांस (13 प्रतिशत) व यूक्रेन (8·2 प्रतिशत) रहे.
- पाकिस्तान का उपर्युक्त अवधि में हथियारों की खरीद में विश्व में पाँचवाँ स्थान रहा. इस अवधि में हथियारों के कुल वैश्विक आयात के 4·3 प्रतिशत भाग का आयात पाकिस्तान ने किया तथा उसे हथियारों की आपूर्ति करने वाले पहले 3 देश क्रमशः चीन (82 प्रतिशत), स्वीडन (4·0 प्रतिशत) व तुर्किये (3·8 प्रतिशत) रहे.
- अमरीका, जो 2019-23 की अवधि में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक राष्ट्र रहा, उसने इस अवधि में हथियारों का आयात भी किया. हथियारों के कुल वैश्विक आयात का 2·8 प्रतिशत उसने आयात किया तथा इस मामले में विश्व में 11वाँ स्थान अमरीका का रहा. रिपोर्ट के अनुसार अमरीका के हथियारों के कुल आयात में 25 प्रतिशत भाग की

स्वीडन नाटो का 32वाँ सदस्य बना

स्वीडन भी द्वितीय विश्व युद्ध के बाद विगत 75 वर्षों से बनी अपनी गुट निरपेक्षता को त्याग कर अब अमरीका के नेतृत्व वाले सैन्य संगठन ***नाटो*** *(NATO–North Atlantic Treaty Organisation–उत्तरी एटलांटिक संधि संगठन) का सदस्य हो गया है. स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन (Ulf Kristersson) व अमरीका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन (Antony Blinken) ने 7 मार्च, 2024 को वाशिंगटन में आयोजित एक समारोह में स्वीडन की सदस्यता सम्बन्धी दस्तावेज को विदेश विभाग में जमा करा दिया. स्वीडन इस सैन्य संगठन का 32वाँ सदस्य है. इससे पूर्व फिनलैण्ड इस संगठन का 31वाँ सदस्य अप्रैल 2023 में बना था. स्वीडन के इस संगठन में शामिल होने के अवसर को एक ऐतिहासिक अवसर बताते हुए अमरीकी विदेश मंत्री ने कहा कि इससे हम और ज्यादा मजबूत हुए हैं. स्वीडन के प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने नाटो में अपने देश के प्रवेश को 'स्वतंत्रता की जीत' बताते हुए कहा है कि स्वीडन ने नाटो में शामिल होने के लिए एक स्वतंत्र, लोकतांत्रिक, संप्रभु व एकजुट विकल्प चुना है. नाटो के महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने इसे एक ऐतिहासिक दिन बताते हुए कहा है कि स्वीडन अब नाटो की मेज पर नाटो की नीतियों एवं निर्णयों को आकार देने में समान भागीदारी के साथ अपना उचित स्थान लेगा.*

वर्ष 2022 में यूक्रेन पर रूस की सैन्य कार्यवाही के बाद फिनलैण्ड व स्वीडन दोनों ने ही सुरक्षात्मक रवैया अपनाते हुए नाटो में शामिल होने के लिए आवेदन मई 2022 में किया था. (नाटो के एक प्रावधान (वाशिंगटन संधि के अनुच्छेद 5) के अनुसार, किसी भी नाटो देश पर हमले को नाटो के सभी देशों पर हमले के रूप में देखा जाता है तथा सभी नाटो देश मिलकर ही ऐसे हमले का जवाब देते हैं) फिनलैण्ड व स्वीडन को नाटो का सदस्य बनाने के लिए तुर्किये व हंगरी को छोड़कर नाटो के अन्य सभी सदस्यों ने सहमति जुलाई 2022 में ही दे दी थी, किन्तु तुर्किये व हंगरी की आपत्तियाँ इनकी सदस्यता के मार्ग में रोड़ा बनी हुई थी. अमरीका व अन्य देशों को प्रयासों के चलते फिनलैण्ड के मामले में तुर्किये व हंगरी दोनों ने अपनी आपत्तियाँ पिछले वर्ष ही हटा ली थीं, जिससे फिनलैण्ड अप्रैल 2023 में ही नाटो का सदस्य बन गया था. स्वीडन की सहायता के लिए भी हंगरी की संसद ने 27 फरवरी, 2024 को सहमति प्रदान कर दी, जिससे इसकी सदस्यता के मार्ग की बाधा भी दूर हो गई जिससे 7 मार्च, 2024 को स्वीडन को औपचारिक रूप से नाटो का सदस्य बना लिया गया. (नाटो में किसी देश को सदस्य के रूप में तभी शामिल किया जा सकता है जब इसके किसी भी सदस्य को इसके लिए आपत्ति न हो). स्वीडन को शामिल किए जाने के पश्चात् नाटो की सदस्य संख्या अब 32 हो गई है.

नाटो क्या है ?

'नाटो' यूरोप व उत्तरी अमरीका देशों का एक राजनीतिक एवं सैन्य गठबंधन है. अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस व कनाडा आदि देश इसके प्रारम्भिक सदस्यों में शामिल हैं. नाटो की स्थापना 4 अप्रैल, 1949 को हुई थी तथा इसका मुख्यालय बेल्जियम में, ब्रूसेल्स में है. इस संगठन की सबसे बड़ी जिम्मेदारी सदस्य देशों की स्वतंत्रता व स्वायत्तता की रक्षा करना है. इस संगठन के किसी भी देश पर यदि कोई हमला करता है, तो इसकी रक्षा के लिए नाटो के सभी देश मिलकर उसका बचाव करेंगे तथा आवश्यकता पड़ने पर सभी मिलकर विरोधी देश पर हमला करेंगे. नाटो की स्थापना मूलतः तत्कालीन सोवियत संघ से यूरोप की सुरक्षा के लिए हुई थी. 1949 में स्थापना के समय नाटो के सदस्य देशों की संख्या 12 थी, जो धीरे-धीरे बढ़ते-बढ़ते अब 32 हो गई है. स्वीडन इसका 32वाँ सदस्य मार्च 2024 में बना है. इससे पूर्व फिनलैण्ड अप्रैल 2023 नॉर्थ मेसीडोनिया 2020 में इसका क्रमशः 31वाँ व 30वाँ सदस्य बना था. नाटो के 32 देशों के सदस्य बनने का तिथिवार विवरण निम्नलिखित हैं–

4 अप्रैल, 1949 को स्थापना के समय नाटो के 12 सदस्य–बेल्जियम, कनाडा, डेनमार्क, फ्रांस, आइसलैण्ड, इटली, लक्जेमबर्ग, नीदरलैण्ड्स, नॉर्वे, पुर्तगाल, ब्रिटेन व अमरीका.

18 फरवरी, 1952 को शामिल हुए 2 राष्ट्र–ग्रीस, तुर्किये.

9 मई, 1955 को शामिल हुआ–जर्मनी.

30 मई, 1982 को शामिल हुआ–स्पेन.

12 मार्च, 1999 को शामिल हुए 3 सदस्य राष्ट्र–चैक गणराज्य, हंगरी व पोलैण्ड.

29 मार्च, 2004 को शामिल हुए 7 सदस्य राष्ट्र–बुल्गारिया, एस्टोनिया, लाटविया, लिथुवानिया, रूमानिया, स्लोवाकिया व स्लोवेनिया.

1 अप्रैल, 2009 को शामिल हुए 2 सदस्य राष्ट्र–अल्बानिया व क्रोएशिया.

25 जून, 2017 को शामिल हुआ–बाल्कन राज्य मोंटेनेग्रो (Montenegro).

27 मार्च, 2020 को नॉर्थ मेसीडोनिया नाटो का 30वाँ सदस्य बना.

4 अप्रैल, 2023 को फिनलैण्ड नाटो का 31वाँ तथा 7 मार्च, 2024 को स्वीडन नाटो का 32वाँ सदस्य बना.

आपूर्ति ब्रिटेन ने की, जबकि नीदरलैण्ड्स (12 प्रतिशत) व फ्रांस (10 प्रतिशत) का इस मामले में क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहा.

- 2019-23 के 5 वर्षों की अवधि में विश्व में हथियारों के कुल निर्यात में सर्वाधिक 42 प्रतिशत योगदान अमरीका का रहा, जबकि 11-11 प्रतिशत योगदान के साथ फ्रांस व रूस इस मामले में क्रमशः दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे.
- रिपोर्ट के अनुसार 2019-23 के दौरान अमरीका ने अपने हथियार निर्यात का सर्वाधिक 15 प्रतिशत भाग सऊदी अरब को, दूसरे स्थान पर 9·5 प्रतिशत निर्यात जापान को तथा तीसरे स्थान पर 8·2 प्रतिशत निर्यात कतर को किया.
- 2019-23 के दौरान हथियारों का दूसरा बड़ा निर्यातक देश फ्रांस रहा. सन्दर्भित अवधि में फ्रांसीसी हथियारों का सबसे बड़ा क्रेता भारत रहा. फ्रांस ने अपने हथियारों के निर्यात के 29 प्रतिशत भाग की आपूर्ति भारत को की, जबकि 17 प्रतिशत व 6·4 प्रतिशत भाग के क्रेता क्रमशः कतर व मिस्र रहे.
- सन्दर्भित अवधि (2019-23) में रूस ने अपने हथियारों के कुल निर्यात के सर्वाधिक 34 प्रतिशत भाग का निर्यात भारत को किया, जबकि चीन को 21 प्रतिशत व मिस्र को 7·5 प्रतिशत भाग का उसने निर्यात किया.
- 2019-23 के दौरान चीनी हथियारों का सबसे बड़ा क्रेता पाकिस्तान रहा. चीन ने अपने हथियारों के कुल निर्यात के 61 प्रतिशत भाग का निर्यात पाकिस्तान को किया, जबकि बांग्लादेश को 11 प्रतिशत व थाइलैण्ड को 6·0 प्रतिशत भाग का निर्यात उसने किया. इस प्रकार चीनी हथियारों के 3 बड़े क्रेता क्रमशः पाकिस्तान, बांग्लादेश व थाइलैण्ड रहे.
- रिपोर्ट के अनुसार हथियारों के वैश्विक बाजार में अमरीका का ही प्रभुत्व अब बना हुआ है. इसमें बताया गया है कि 2014-18 की तुलना में 2019-23 में अमरीकी निर्यात में 17 प्रतिशत की वृद्धि जहाँ हुई. वहीं रूस निर्यात में 53 प्रतिशत की गिरावट इस अवधि में दर्ज की गई. इससे पूर्व 2013-17 की तुलना में 2018-22 में अमरीकी शस्त्र निर्यातों में 14 प्रतिशत

की वृद्धि हुई थी, जबकि रूस के निर्यात 31 प्रतिशत घण्टे थे. इसी तरह 2012-16 की तुलना में 2017-21 में 14 प्रतिशत की वृद्धि अमरीकी शस्त्र निर्यातों में हुई थी, जबकि रूस के हथियारों के निर्यात इस अवधि में 26 प्रतिशत घटे थे.

भूटान के प्रधानमंत्री त्शेरिंग टोबगे की भारत यात्रा

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के निमंत्रण पर भूटान के प्रधानमंत्री त्शेरिंग टोबगे (Tshering

नई दिल्ली में 14 मार्च को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ भूटान के प्रधानमंत्री त्शेरिंग टोबगे

Tobgay) ने अपनी पत्नी ताशी दोमा (Tashi Doma) के साथ 14-18 मार्च, 2024 को भारत की आधिकारिक यात्रा की. उनकी कैबिनेट के वरिष्ठ मंत्री व उच्च अधिकारियों का दल इस यात्रा पर उनके साथ आए शिष्टमण्डल में शामिल था. जनवरी 2024 में प्रधानमंत्री के रूप में कार्यभार सँभालने के पश्चात् उनकी यह पहली ही विदेश यात्रा थी. इस यात्रा के लिए नई दिल्ली पहुँचने पर हवाई अड्डे पर उनकी अगवानी केन्द्रीय राज्य मंत्री श्री अश्विनी चौबे ने की. भारतीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के साथ वार्ता से पूर्व भारतीय विदेश मंत्री ने मेहमान प्रधानमंत्री से भेंट की. उसी दिन भारतीय प्रधानमंत्री श्री मोदी के साथ द्विपक्षीय सम्बन्धों पर उनकी वार्ता उनके आवास पर हुई. आधारिक संरचना विकास, कनेक्टिविटी ऊर्जा, जल विद्युत् क्षेत्र में सहयोग आदि. द्विपक्षीय साझेदारी से सम्बन्धित विभिन्न मुद्दे वार्ता में शामिल थे. इन सभी मामलों में भारत के एक विश्वसनीय मित्र एवं साझीदार होने की पुष्टि मेहमान प्रधानमंत्री टोबगे ने इस अवसर पर की. इसके साथ ही भारतीय प्रधानमंत्री को भूटान की यात्रा हेतु निमंत्रण भी उन्होंने दिया जिसे श्री मोदी ने स्वीकार किया.

अगले दिन 15 मार्च को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मेहमान प्रधानमंत्री से भेंट की. उनका स्वागत करते हुए राष्ट्रपति ने इस तथ्य की सराहना की कि पद की शपथ लेने के पश्चात् अपनी पहली विदेश यात्रा के लिए भारत को ही उन्होंने चुना. इस बात पर भी बल राष्ट्रपति ने दिया कि भारत भूटान के साथ ऊर्जा सहयोग, विकास साझेदारी, लोगों के बीच सम्बन्ध, व्यापार एवं निवेश जैसे क्षेत्रों में अपनी बहुआयामी साझेदारी को बहुत महत्व देता है.

वार्ताओं के पश्चात् जारी साझा घोषणा पत्र में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने असम सीमा के निकट **'गैलेफू माइंडफुलनैस सिटी'** निर्माण की भूटान नरेश की महत्वाकांक्षी योजना की प्रशंसा की. जल विद्युत् क्षेत्र में द्विपक्षीय सहयोग बढ़ाने पर सहमति दोनों पक्षों में रही. भारत के सहयोग से निर्माणाधीन पुनात शंगछू-II (Punatshang Chhu-II) परियोजना की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए वर्ष 2024 में ही इसके चालू होने की आशा दोनों पक्षों ने व्यक्त की. भूटान नरेश की पहल पर वहाँ के युवाओं के विकास के लिए शुरू किए जा रहे **ग्यालसुंग** (Gyalsung) कार्यक्रम के वित्तीयन हेतु भारत की ओर से ₹ 1500 करोड़ की सहायता हेतु किए गए समझौते का दोनों पक्षों ने स्वागत किया. कोविड-19 महामारी के बावजूद भूटान की **12वीं पंचवर्षीय योजना की सफलता के लिए भूटान की जनता की सराहना करते हुए दिसम्बर 2023 में सबसे कम विकसित देशों (Least Developed Countries–LDCs) के समूह से भूटान के बाहर निकलने के लिए उन्हें बधाई प्रधानमंत्री श्री मोदी ने दी.** 13वीं पंचवर्षीय योजना के लिए भूटान की सहायता के लिए प्रतिबद्धता भी भारतीय प्रधानमंत्री ने व्यक्त की.

विदेश मंत्री, प्रधानमंत्री व राष्ट्रपति से वार्ताओं के पश्चात् स्वदेश वापसी से पूर्व भूटान के प्रधानमंत्री 17 मार्च को मुम्बई पहुँचे जहाँ भारतीय उद्यमियों से मिलने के पश्चात् उनकी स्वदेश वापसी 18 मार्च को हुई.

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की भूटान यात्रा

भूटान के प्रधानमंत्री त्शेरिंग टोबगे (Tshering Tobgay) की 14-18 मार्च, 2024

भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक के साथ वार्ता करते हुए प्रधानमंत्री

की भारत यात्रा के एक सप्ताह के भीतर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दो दिन की भूटान की राजकीय यात्रा 22-23 मार्च, 2024 को की. इस यात्रा के लिए उनका मूल कार्यक्रम 21-22 मार्च का था, किन्तु उस ओर मौसम की स्थिति ठीक न होने पर यह यात्रा 22-23 मार्च को की गई.

दो दिन की यात्रा के लिए 22 मार्च को भूटान पहुँचे श्री मोदी की पारो (Paro) हवाई अड्डे पर राजकीय सम्मान के साथ अगवानी स्वयं मेजबान प्रधानमंत्री त्शेरिंग टोबगे ने की. पारो से राजधानी थिम्पू तक 45 किमी के पूरे मार्ग में भूटान के लोगों ने भारतीय

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भूटान के सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करते भूटान नरेश जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक

प्रधानमंत्री का अभिवादन किया. थिम्पू में मेजबान प्रधानमंत्री के साथ द्विपक्षीय वार्ता में द्विपक्षीय सम्बन्धों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा दोनों नेताओं ने की तथा नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि, युवाओं के आदान प्रदान, पर्यावरण और वानिकी तथा पर्यटन आदि क्षेत्रों में सहयोग में वृद्धि पर सहमति व्यक्त की. विभिन्न परियोजनाओं के लिए अगले 5 वर्षों में ₹ 10,000 करोड़ की सहायता प्रदान करने की घोषणा प्रधानमंत्री ने इस अवसर पर की. बैठक से पूर्व सात विभिन्न समझौतों/समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर सम्पन्न हुए. इनमें भूटान को पेट्रोलियम उत्पादों की निर्बाध आपूर्ति कायम रखने सम्बन्धी समझौता भी है. एक समझौता दोनों देशों के खाद्य उत्पादों के नियमन सम्बन्धी प्रमाण पत्रों को मंजूरी देने सम्बन्धी हैं. एक समझौता ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में सहयोग स्थापित करने को लेकर है. दोनों देशों के बीच अंतरिक्ष क्षेत्र में सहयोग करने को लेकर भी एक समझौता हुआ है.

थिम्पू में भूटान नरेश महामहिम जिग्मे खेसर नामग्याल वांगचुक (Jigme Khesar Namgyel Wangchuck) के साथ मुलाकात में पारो से थिम्पू तक की यात्रा के दौरान लोगों द्वारा विशिष्ट सार्वजनिक अभिनंदन के लिए महामहिम के प्रति आभार श्री मोदी ने व्यक्त किया. भारत एवं भूटान मैत्रीपूर्ण घनिष्ठ सम्बन्धों को आकार देने में ड्रुक ग्यालपोज (Druk Gyalpos) द्वारा निरंतर प्रदान किए गए मार्गदर्शक विजन की सराहना दोनों पक्षों ने की. दोनों नेताओं ने यह स्मरण करते हुए कि **भूटान के लिए भारत** (Bharat for Bhutan) तथा **भारत के लिए भूटान** (Bhutan for Bharat) एक स्थायी वास्तविकता है, इस महत्वपूर्ण साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा आपसी वार्ता में की.

थिम्पू में एक समारोह में भूटान के सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ द ड्रुक ग्यालपो (Order of the Druk Gyalpo) से श्री मोदी को भूटान नरेश ने सम्मानित किया. भूटान के इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान से सम्मानित किए जाने वाले वह पहले गैर भूटानी हैं. श्री मोदी से पूर्व केवल चार हस्तियों को ही भूटान का यह सम्मान प्रदान किया

गया था. प्रधानमंत्री श्री मोदी को देश के इस सर्वोच्च सम्मान से सम्मानित करने की घोषणा भूटान नरेश ने दिसम्बर 2021 में भूटान के 114वें राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर की थी.

23 मार्च को स्वदेश वापसी से पूर्व प्रधानमंत्री श्री मोदी ने थिम्पू में भारत की मदद से निर्मित अत्याधुनिक अस्पताल **ग्याल त्सुएन जेत्सुन पेमा वांगचुक मदर एण्ड चाइल्ड हॉस्पिटल** (Gyaltsuen Jetsun Pema Wang-chuck Mother and Child Hospital) का उद्घाटन मेजवान प्रधानमंत्री त्शेरिंग टोबगे के साथ मिलकर किया. इस अस्पताल का पहला चरण 2019 से चालू है. दूसरे चरण का निर्माण ₹ 119 करोड़ की लागत से 2019 में शुरू किया गया था. स्वदेश वापसी से पूर्व भूटान की 13वीं पंचवर्षीय योजना पर चर्चा भी श्री मोदी ने की.

दो दिन की भूटान यात्रा के पश्चात् थिम्पू से शानदार विदाई श्री मोदी को दी गई.

वर्ल्ड हैप्पिनेस इंडेक्स (2024) में भारत का 143 देशों में 126वाँ स्थान

किसी भी देश में खुशहाली (Happiness) केवल जीडीपी में वृद्धि या आय में वृद्धि से ही नहीं आती. जीडीपी के साथ-साथ अन्य अनेक मानक यथा–खुशी का अहसास, जीवन प्रत्याशा, उदारता व भ्रष्टाचार की अनुपस्थिति आदि भी खुशहाली के लिए आवश्यक हैं. ऐसे ही कुछ मानकों के आधार पर विभिन्न देशों में खुशहाली (Happiness) की स्थिति के आकलन के लिए **हैप्पिनेस इंडेक्स** की गणना **संयुक्त राष्ट्र सतत् विकास समाधान नेटवर्क** (यूनाइटेड नेशंस सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क) द्वारा की जाती है, जिन्हें **वर्ल्ड हैप्पिनेस रिपोर्ट** शीर्षक से प्रति वर्ष जारी किया जाता है.

किसी भी देश के लिए यूनाइटेड नेशंस सस्टेनेबल डेवलपमेंट सॉल्यूशंस नेटवर्क के हैप्पिनेस इंडेक्स का मान 0–10 के बीच हो सकता है. किसी देश के लिए हैप्पिनेस इंडेक्स का मान अधिक होना अधिक खुशहाली की स्थिति यह बताता है. सूचकांक का मान कम होना कम खुशहाली को दर्शाता है. इस सूचकांक की गणना 6 मानकों के आधार पर होती है. इसमें (i) प्रति व्यक्ति जीडीपी (Per Capita GDP) (ii) सामाजिक समर्थन (Social Support) (iii) स्वस्थ जीवन प्रत्याशा (Healthy Life Expectancy) (iv) उदारता (Generosity) (v) जीवन विकल्प बनाने की स्वतंत्रता (Freedom to make Life Choices) तथा (vi) भ्रष्टाचार पर धारणा (Perception on Corruption) शामिल है.

वर्ष 2024 की ऐसी रिपोर्ट 20 मार्च, 2024 को वर्ल्ड हैप्पिनेस डे के अवसर पर विश्व भर में जारी हुई. जो इस तर्ज की बारहवीं वार्षिक रिपोर्ट थी. 143 देशों के लिए हैप्पिनेस सूचकांक की गणना इस रिपोर्ट में की गई है. जिनमें भारत का 126वाँ स्थान है इससे पूर्व वर्ष 2022 की रिपोर्टों में भारत का 146 देशों में स्थान 136वाँ था. इस सूचकांक पर आधारित आकलन के अनुसार भारत में खुशहाली की स्थिति काफी चिन्ताजनक लगातार बनी हुई है. मार्च 2024 में जारी ताजा रिपोर्ट में भारत के लिए यह इंडेक्स 4·054 आकलित करते हुए 143 देशों में 126वाँ स्थान उसे दिया गया है. इस प्रकार भारत को इस मामले में सबसे नीचे के 18 देशों में स्थान दिया गया है. इससे पूर्व वर्ष 2021, 2022 व 2023 की रिपोर्ट्स में भारत की सबसे निचले 11 देशों में स्थान दिया गया था.

- 2024 की रिपोर्ट में भारत को 143 देशों में 126वाँ स्थान दिया गया है. इस प्रकार इस रिपोर्ट के अनुसार भारत में खुशहाली की स्थिति चिन्ताजनक ही बनी हुई है.
- इस मामले में भारत के पड़ोसी देशों में चीन, नेपाल, पाकिस्तान तथा यहाँ तक कि म्यांमार की स्थिति भी भारत से बेहतर इस रिपोर्ट में बताई गई है. हैप्पि. नेस इंडेक्स की 2024 की रिपोर्ट में चीन को 60वाँ, नेपाल को 93वाँ, पाकिस्तान को 108वाँ व म्यांमार को 118वाँ स्थान इसमें दिया गया है, जबकि भारत का स्थान 126वाँ हैं.
- 2024 की वर्ल्ड हैप्पिनेस रिपोर्ट में सर्वोच्च हैप्पिनेस सूचकांक (7·741) फिनलैण्ड के लिए आकलित है. **इस प्रकार फिनलैण्ड को सर्वाधिक खुशहाल देश (Happiest Country) इस रिपोर्ट में बताया गया है. यह लगातार सातवाँ वर्ष है,** जब खुशहाली के मामले में (फिनलैण्ड शीर्ष पर है). उसके पश्चात् क्रमशः डेनमार्क (7·583), आइसलैण्ड (7·525), स्वीडन (7·344), इजराइल (7·341) व नीदर-लैण्ड्स (7·319) व नॉर्वे (7·302) के स्थान हैं. सर्वाधिक खुशहाल 10 देशों में इनके बाद क्रमशः लक्जेमबर्ग, स्विट्जरलैण्ड व आस्ट्रेलिया के स्थान हैं.
- खुशहाली के मामले में अन्य प्रमुख देशों में न्यूजीलैण्ड का 11वाँ, यूके का 20वाँ, यूएई का 22वाँ, अमरीका का 23वाँ, फ्रांस का 27वाँ, सऊदी अरब का 28वाँ व जापान का 51वाँ स्थान इस रिपोर्ट में बताया गया है.
- खुशहाली की सबसे खराब स्थिति अफगानिस्तान की ही इस वर्ष की रिपोर्ट में भी बताई गई है. सबसे नीचे 143वें स्थान पर रहे अफगानिस्तान के लिए हैप्पिनेस इंडेक्स 1·721 ही आकलित किया गया है, जिससे 143 देशों की सूची में उसका स्थान सबसे नीचे (143वाँ) है. इससे ऊपर 142वें स्थान पर लेबनान व 141वें स्थान पर लिसोथो हैं. भारत इस सूची में नीचे से 18वें, 126वें स्थान पर है.

हैप्पिनैस रैंकिंग (2024)

शीर्ष 10 राष्ट्र

हैप्पिनेस इण्डेक्स (अधिकतम मान 10)		
1	फिनलैण्ड	7·741
2	डेनमार्क	7·583
3	आइसलैण्ड	7·525
4	स्वीडन	7·344
5	इजराइल	7·341
6	नीदरलैण्ड्स	7·319
7	नॉर्वे	7·302
8	लक्जेमबर्ग	7·122
9	स्विट्जरलैण्ड्स	7·060
10	आस्ट्रेलिया	7·057

सबसे नीचे के 10 राष्ट्र

134	जाम्बिया	3·502
135	एस्वातिनि	3·502
136	मलावी	3·421
137	बोत्सवाना	3·383
138	जिम्बाब्वे	3·341
139	कांगो (किंशासा)	3·295
140	सिएरा लियॉन	3·245
141	लिसोथो	3·186
142	लेबनान	2·707
143	अफगानिस्तान	1·721

भारत व पड़ोसी देशों की स्थिति

60	चीन	5·973
93	नेपाल	5·158
108	पाकिस्तान	4·657
118	म्यांमार	4·354
126	भारत	4·054
128	श्रीलंका	3·898
129	बांग्लादेश	3·886
143	अफगानिस्तान	1·721

अन्य प्रमुख राष्ट्र

11	न्यूजीलैण्ड	7·029
20	यूनाइटेड किंगडम	6·749
22	यूएई	6·733
23	अमरीका	6·725
24	जर्मनी	6·719
27	फ्रांस	6·609
28	सऊदी अरब	6·594
51	जापान	6·060
72	रूस	5·785

आर्थिक वाणिज्यिक परिदृश्य

- तीसरी तिमाही में निष्पादन सभी पूर्वानुमानों से बेहतर रहने से 2023-24 में जीडीपी वृद्धि अब 7·6 प्रतिशत अनुमानित : दूसरे अग्रिम अनुमान
- 2022-23 की राष्ट्रीय आय सम्बन्धी पहले संशोधित आकलन
- 2023-24 में देश में प्रमुख कृषिगत उत्पादन : कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान
- यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (एफ्टा) के साथ भारत का स्वतंत्र व्यापार समझौता
- 2022-23 में बागवानी उपजों के फाइनल अनुमान तथा 2023-24 में उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान
- कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य में ₹ 285 प्रति क्विंटल की वृद्धि
- 2024-25 की पहली तिमाही हेतु लघु बचतों पर ब्याज दरें अपरिवर्तित
- छत्तीसगढ़ में महतारी वंदना योजना का शुभारम्भ
- ₹ 8,470 करोड़ मूल्य के ₹ 2000 के करेंसी नोट अभी भी चलन में शेष : आरबीआई रिपोर्ट

तीसरी तिमाही में निष्पादन सभी पूर्वानुमानों से बेहतर रहने से 2023-24 में जीडीपी वृद्धि अब 7·6 प्रतिशत अनुमानित : दूसरे अग्रिम अनुमान

वित्तीय वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही Q_3 (अक्टूबर-दिसम्बर 2023) में अर्थव्यवस्था का निष्पादन सभी पूर्वानुमानों से बेहतर रहा है. राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (NSO) द्वारा 29 फरवरी, 2024 को जारी अनंतिम आकलन में इस तिमाही में 8·4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है, जो विश्व बैंक, मुद्रा कोष, भारतीय रिजर्व बैंक व अन्य विभिन्न वित्तीय एजेंसियों के पूर्वानुमानों से अधिक होने के साथ-साथ विगत 6 तिमाहियों में प्राप्त की गई सर्वोच्च वृद्धि दर है. **कृषि क्षेत्र में शिथिलता के बावजूद, निर्माण, विनिर्माणी व खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट निष्पादन के चलते 8·4 प्रतिशत की उच्च वृद्धि दर 2023-24 की तीसरी तिमाही में प्राप्त की गई है.** एनएसओ के संशोधित आँकड़ों के अनुसार इस वित्तीय वर्ष की पहली दो तिमाहियों Q_1 व Q_2 में वृद्धि क्रमशः 8·2 प्रतिशत व 8·1 प्रतिशत रही थी. (इससे पूर्व इन दोनों तिमाहियों में विकास दर क्रमशः 7·8 प्रतिशत व 7·6 प्रतिशत एनएसओ द्वारा बताई गई थी). तीसरी तिमाही में 8·4 प्रतिशत की वृद्धि प्राप्त किए जाने से 2023-24 की पहली 3 तिमाहियों में औसत विकास दर 8·2 प्रतिशत अब आकलित है. **इससे पूरे वित्तीय वर्ष 2023-24 में विकास दर अब 7·6 प्रतिशत रहने का एनएसओ का ताजा पूर्वानुमान है.** यह सभी अन्तर्राष्ट्रीय एजेंसियों के साथ-साथ आरबीआई के पूर्वानुमान से भी अधिक है. इससे पूर्व पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 में आर्थिक वृद्धि दर (जीडीपी वृद्धि दर) 7 प्रतिशत (अनंतिम) रही थी.

2022-23 व 2023-24 में पहली तीन तिमाहियों में स्थिर मूल्यों पर जीडीपी में वृद्धि

तिमाही	जीडीपी में प्रतिशत वृद्धि	
	2022-23	2023-24
Q_1	12·8	8·2
Q_2	5·5	8·1
Q_3	4·3	8·4

- **एनएसओ द्वारा 5 जनवरी, 2024 को जारी पहले अग्रिम आकलन में 2023-24 में जीडीपी में वृद्धि 7·3 प्रतिशत अनुमानित की गई थी, जो अब दूसरे अग्रिम आकलन में 7·6 प्रतिशत अनुमानित हैं.**

जीडीपी, जीवीए, राष्ट्रीय आय व प्रति व्यक्ति आय सम्बन्धी नए अनुमान

- **स्थिर मूल्यों पर जीडीपी**—एनएसओ के 5 जनवरी, 2024 के पहले अग्रिम अनुमानों

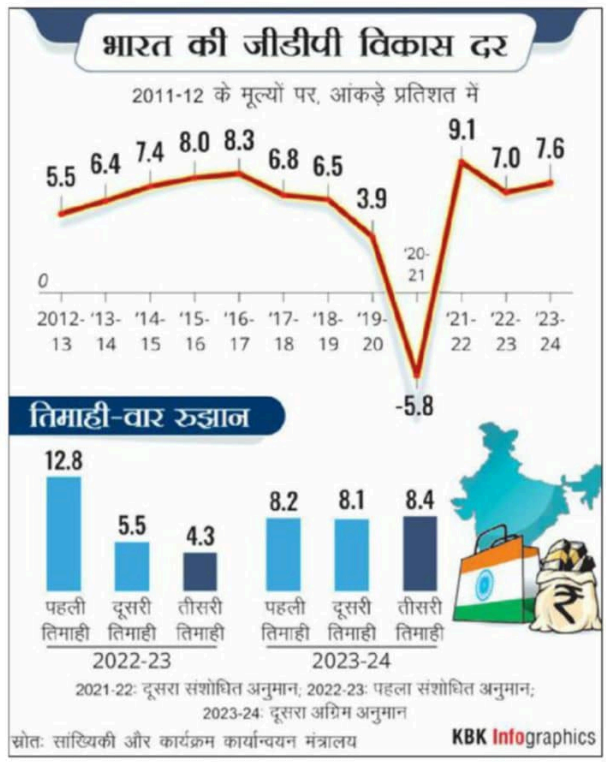

2022-23 व 2023-24 की राष्ट्रीय आय सम्बन्धी प्रमुख आँकड़े एक दृष्टि में

	2022-23 (29 फरवरी, 2024 के पहले संशोधित अनुमान)	2022-23 (29 फरवरी, 2024 के दूसरे अग्रिम अनुमान)
मूल कीमतों पर मूल्य सम्वर्द्धन (GVA) :		
2011-12 के स्थिर मूल्यों पर	157·82	158·28
		(6·9)
सकल घरेलू उत्पाद (GDP) :		
2011-12 के स्थिर मूल्यों पर	160·71	172·90
	(7·0)	(7·6)
प्रचलित मूल्यों पर	269·50	293·90
	(14·2)	(9·1)
राष्ट्रीय आय :		
2011-12 के स्थिर मूल्यों पर	137·47	148·06
	(6·8)	(7·7)
प्रचलित मूल्यों पर	234·39	255·61
	(13·5)	(9·1)
प्रति व्यक्ति आय (रुपए)		
2011-12 के स्थिर मूल्यों पर	99,404	1,06,134
	(5·7)	(6·8)
प्रचलित मूल्यों पर	1,69,496	1,83,236
	(12·3)	(8·1)

नोट : कोष्ठक में दिए गए आँकड़े पूर्व वर्ष की तुलना में प्रतिशत वृद्धि को दर्शाते हैं.

में 2023-24 में स्थिर मूल्यों पर (2011-12 के मूल्यों पर) सकल घरेलू उत्पाद (GDP) ₹ 171·70 लाख करोड़ अनुमानित किया गया था, जो अब 29 फरवरी, 2024 के दूसरे अग्रिम अनुमानों में ₹ 172·90 लाख करोड़ अनुमानित हैं. इससे 2023-24 में जीडीपी में वृद्धि का पूर्वानुमान 7·3 प्रतिशत से बढ़कर 7·6 प्रतिशत अब हो गया है.

अर्थव्यवस्था के विभिन्न उत्पादक क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि

(2011-12 के स्थिर मूल्यों के आधार पर) (प्रतिशत)

		2022-23 (29 फरवरी, 2024 के पहले संशोधित अनुमान)	2023-24 (29 फरवरी, 2024 के दूसरे अग्रिम अनुमान)
1.	कृषि, वानिकी एवं मत्स्यिकी (Agriculture, Forestry and Fishing)	4·7	0·7
2.	खनन व उत्खनन (Mining and Quarrying)	1·9	8·1
3.	विनिर्माणी (Manufacturing)	– 2·2	8·5
4.	विद्युत्, गैस, जलापूर्ति व अन्य उपयोगी सेवाएं (Electricity, Gas, Water Supply and other Utility Services)	9·4	7·5
5.	निर्माण (Construction)	9·4	10·7
6.	व्यापार, होटल, परिवहन, संचार एवं प्रसारण से सम्बन्धित सेवाएं (Trade, Hotels, Transport, Communication and Services related to Broadcasting)	12·0	6·5
7.	वित्तीय, रीयल एस्टेट एवं व्यावसायिक सेवाएं (Financial, Real Estate & Professional Services)	9·1	8·2
8.	सार्वजनिक प्रशासन, रक्षा व अन्य सेवाएं (Public Administration, Defence and other Services)	8·9	7·7
	मूल्य कीमतों पर जीवीए (GVA at Basic Prices)	**6·7**	**6·9**
	स्थिर मूल्यों पर जीडीपी वृद्धि	**7·0**	**7·6**

- **प्रचलित मूल्यों पर जीडीपी** (GDP at Current Prices) पहले अग्रिम अनुमानों में ₹ 296·58 लाख करोड़ अनुमानित था, जो अब दूसरे अग्रिम अनुमानों में ₹ 293·90 लाख करोड़ अनुमानित है. यह 2023-24 में प्रचलित मूल्यों पर जीडीपी में 9·1 प्रतिशत वृद्धि दर्शाता है.
- **स्थिर मूल्यों पर जीवीए—**5 जनवरी, 2024 के पहले अग्रिम अनुमानों में 2023-24 में स्थिर मूल्यों पर सकल मूल्यवर्धन (GVA) ₹ 157·82 लाख करोड़ अनुमानित था, जो अब 29 फरवरी, 2024 के दूसरे अग्रिम अनुमानों में ₹ 158·28 लाख करोड़ अनुमानित है. इसके बावजूद 2023-24 में जीवीए में वृद्धि का पूर्वानुमान 6·9 प्रतिशत ही बरकार है.
- **राष्ट्रीय आय—**5 जनवरी, 2024 के पहले अग्रिम अनुमानों में स्थिर मूल्यों पर 2023-24 में राष्ट्रीय आय (Net National Income–NNI) ₹ 145·85 लाख करोड़ अनुमानित थी, जो दूसरे अग्रिम अनुमानों में अब ₹ 148·06 लाख करोड़ अनुमानित है. इससे 2023-24 में राष्ट्रीय आय में 7·7 प्रतिशत वृद्धि का दूसरा अग्रिम अनुमान है.
- **प्रति व्यक्ति आय—**5 जनवरी, 2024 के पहले अग्रिम अनुमानों में 2023-24 में प्रति व्यक्ति आय स्थिर मूल्यों पर ₹ 1,04,550 तथा प्रचलित मूल्यों पर ₹ 1,85,854 आकलित थी, जो अब दूसरे अग्रिम अनुमानों में स्थिर मूल्यों पर ₹ 1,06,134 तथा प्रचलित मूल्यों पर ₹ 1,83,236 अनुमानित है.

2022-23 की राष्ट्रीय आय सम्बन्धी पहले संशोधित आकलन

वित्तीय वर्ष 2023-24 की राष्ट्रीय आय सम्बन्धी पहले अग्रिम अनुमान राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय (NSO) द्वारा 6 जनवरी, 2024 को जारी किए गए थे, जबकि दूसरे अग्रिम अनुमान अब 29 फरवरी, 2024 को जारी किए गए हैं. **इसी प्रकार वित्तीय वर्ष 2022-23 की राष्ट्रीय आय सम्बन्धी पहले अग्रिम अनुमान सीएसओ ने 6 जनवरी, 2023 को, दूसरे अग्रिम अनुमान 28 फरवरी, 2023 को तथा अनंतिम अनुमान 31 मई, 2023 को जारी किए थे, वर्ष 2022-23 के लिए राष्ट्रीय आय सम्बन्धी पहले संशोधित आकलन, एनएसओ द्वारा अब 29 फरवरी, 2024 को जारी किए गए हैं.**

- 29 फरवरी, 2024 के संशोधित आकलन के अनुसार 2011-12 के स्थिर मूल्यों पर 2022-23 व 2021-22 में देश

की जीडीपी ₹ 160·71 लाख करोड़ व ₹ 150·22 लाख करोड़ रही है, जिससे 2022-23 में जीडीपी में वृद्धि 7·0 प्रतिशत रही है, संशोधित आकलन में 2021-22 में जीडीपी में वृद्धि अब 9·7 प्रतिशत आकलित है.

- 29 फरवरी, 2024 के संशोधित आकलन में 2022-23 में प्रचलित मूल्यों पर जीडीपी अब ₹ 269·50 लाख करोड़ व 2021-22 में यह ₹ 235·97 लाख करोड़ आकलित की गई है. इससे प्रचलित मूल्यों पर 2022-23 में जीडीपी में वृद्धि 14·2 प्रतिशत रही है. जबकि 2021-22 में यह वृद्धि 18·9 प्रतिशत अब आकलित है.
- 29 फरवरी, 2024 के संशोधित आकलन में स्थिर मूल्यों पर 2022-23 में जीवीए में वृद्धि 6·7 प्रतिशत आकलित है. 2020-21 में जीवीए में वृद्धि अब 18·9 प्रतिशत आकलित की गई है.
- संशोधित आकलन में 2022-23 में प्रचलित मूल्यों पर राष्ट्रीय आय ₹ 234·39 लाख करोड़ व 2021-22 में ₹ 206·53 लाख करोड़ आकलित है.
- 29 फरवरी, 2024 के संशोधित आकलन में प्रचलित मूल्यों पर प्रति व्यक्ति आय 2021-22 में ₹ 1,50,906 तथा 2022-23 में यह ₹ 1,69,496 आकलित की गई है.

एनएसओ के 29 फरवरी, 2024 के आँकड़ों में विगत 3 वर्षों में देश के कुल जीवीए में तीनों उत्पादक क्षेत्रों का योगदान निम्नलिखित अनुसार बताया गया है—

2023-24 में देश में प्रमुख कृषिगत उत्पादन : कृषि मंत्रालय के दूसरे अग्रिम अनुमान

फसल वर्ष 2023-24 के दौरान देश में प्रमुख कृषिगत उपजों के खरीफ व रबी मौसम के दौरान उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 29 फरवरी, 2024 को जारी किए गए हैं. वर्ष 2022-23 से जायद उत्पादन को रबी मौसम के उत्पादन से अलग कर दिए जाने के कारण फरवरी 2024 में जारी दूसरे अग्रिम अनुमानों में केवल खरीफ व रबी मौसम के उत्पादन के अग्रिम अनुमान शामिल हैं. यह अनुमान निम्नलिखित हैं—

खाद्यान्न

- दूसरे अग्रिम अनुमानों में 2023-24 में खरीफ खाद्यान्नों का उत्पादन 1,541·87 लाख टन तथा रबी खाद्यान्नों का उत्पादन 1,551·61 लाख टन अनुमानित है. खाद्यान्नों में खरीफ चावल का उत्पादन 1,114·58 लाख टन तथा रबी चावल का उत्पादन 123·57 लाख टन अनुमानित है. इस प्रकार चावल का कुल उत्पादन 1,238·15 लाख टन दूसरे अग्रिम अनुमानों में अनुमानित किया गया है (जायद उत्पादन अतिरिक्त).
- दूसरे अग्रिम अनुमानों में 2023-24 में देश में गेहूँ का कुल उत्पादन 1,120·19 लाख टन अनुमानित है. पूर्व वर्ष 2022-23 में यह उत्पादन 1,105·54 लाख टन था.
- 2023-24 में खरीफ मक्का (Maize) का उत्पादन 227·20 लाख टन तथा रबी मक्का का 97·50 लाख टन अनुमानित है. 2022-23 के लिए तीसरे अग्रिम अनुमानों के 2022-23 में खरीफ व रबी मक्का उत्पादन क्रमश 234·9 लाख टन का 99·1 लाख टन रहे थे.
- दूसरे अग्रिम अनुमानों में 2023-24 में खरीफ श्री अन्न उत्पादन 128·91 लाख टन व रबी श्री अन्न उत्पादन 24·88 लाख टन अनुमानित है. पूर्व वर्ष 2022-23 में यह उत्पादन क्रमशः 137·5 लाख टन व 24·8 लाख टन थे.
- ज्वार (खरीफ) व ज्वार (रबी) का उत्पादन क्रमशः 15·46 लाख टन व 24·88 लाख टन होने का अनुमान है, जो पूर्व वर्ष 2022-23 में क्रमशः 14·9 लाख टन व 24·8 लाख टन थे.
- पोषक/मोटे अनाज (खरीफ) का उत्पादन 356·11 लाख टन तथा पोषक/मोटे अनाज (रबी) का उत्पादन 144·61 लाख टन होने का अनुमान दूसरे अग्रिम अनुमानों में है.

पूर्व वर्ष 2022-23 में पोषक/मोटे अनाजों का खरीफ रबी के तहत् कुल उत्पादन क्रमशः 372·4 लाख टन व 140·7 लाख टन रहा था.

दालें

- तूर का कुल उत्पादन 2022-23 में 33·12 लाख टन रहा था, जो अब 2023-24 में दूसरे अग्रिम अनुमानों में 33·39 लाख टन अनुमानित है.
- चना (Gram) का उत्पादन 2023-24 में 121·61 लाख टन अनुमानित है, जो पूर्व वर्ष 2022-23 में प्राप्त किए गए 135·4 लाख टन उत्पादन से कम है.
- मसूर का उत्पादन 2023-24 में 16·36 लाख टन अनुमानित है. पूर्व वर्ष 2022-23 में प्राप्त किए गए 15·59 लाख टन से यह 0·77 लाख टन अधिक है.
- उड़द का उत्पादन 2023-24 में 20·55 लाख टन दूसरे अग्रिम अनुमानों में अनुमानित है.

तिलहन

तिलहनों में रेपसीड एवं सरसों का उत्पादन 126·96 लाख टन, सोयाबीन का 125·62 लाख टन मूँगफली का 86·54 लाख टन, अरंडी के बीज (Castor Seed) का 18·79 लाख टन, तिल (Sesamum) का 4·29 लाख टन, सूरजमुखी (Sunflower) का 1·67 लाख टन, अलसी के बीज (Linseed) का 1·35 लाख टन, कुसुम्ब (Safflower) का 0·47 लाख टन तथा नाइजर सीड (Niger Seed) का 0·29 लाख टन 2023-24 में अनुमानित है. इस प्रकार फरवरी 2024 के दूसरे अग्रिम

अर्थव्यवस्था के तीनों उत्पादक क्षेत्रों का जीवीए में योगदान

(प्रचलित मूल्यों पर) (प्रतिशत)

	2020-21*	2021-22	2022-23@
प्राथमिक क्षेत्र	22·1	21·0	20·2
द्वितीयक क्षेत्र	25·6	26·8	25·6
तृतीयक क्षेत्र	52·3	52·2	54·2
योग	**100·00**	**100·00**	**100·0**
प्रचलित मूल्यों पर कुल जीवीए (लाख करोड़ रुपए)	**182·1**	**216·4**	**246·6**

तीनों उत्पादक क्षेत्रों में जीवीए में वृद्धि

(2011-12 के स्थिर मूल्यों पर) (प्रतिशत)

	2020-21*	2021-22	2022-23@
प्राथमिक क्षेत्र	2·3	4·8	4·4
द्वितीयक क्षेत्र	0·2	12·7	2·1
तृतीयक क्षेत्र	– 8·4	9·2	10·0
कुल जीवीए में प्रतिशत वृद्धि	**– 4·1**	**9·4**	**6·7**
स्थिर मूल्यों पर कुल जीवीए (लाख करोड़ रुपए)	**126·9**	**138·8**	**148·0**

* तीसरे संशोधित एवं फाइनल आकलन

@ पहले संशोधित आकलन

अनुमानों में खरीफ तिलहनों (Oil Seeds) का कुल उत्पादन 228·42 लाख टन व रबी तिलहनों का उत्पादन 137·56 लाख टन अनुमानित है.

वाणिज्यिक फसलें

2023-24 में कपास का उत्पादन 323·11 लाख गाँठें (170 किग्रा की प्रत्येक गाँठ) तथा जूट की 92·17 लाख गाँठें एवं मेस्ता की 4·15 लाख गाँठें (180 किग्रा की प्रत्येक गाँठ) तथा गन्ने का उत्पादन 4,464·30 लाख टन होने का अनुमान है.

2023-24 में कृषिगत उपजों के उत्पादन के अनुमान

(29 फरवरी, 2024 के दूसरे अग्रिम अनुमान) (लाख टन)

(जायद उत्पादन के आँकड़े इनमें शामिल नहीं हैं. वह आँकड़े उपलब्ध होने के पश्चात् 2023-24 में कृषिगत उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान मई/जून 2024 में जारी किए जाएंगे).

अनाज

- **खरीफ खाद्यान्न** : 1,541·87 लाख टन
- **रबी खाद्यान्न** : 1,551·61 लाख टन
- **खरीफ चावल** : 1,114·58 लाख टन
- **रबी चावल** : 123·57 लाख टन
- **गेहूँ** : 1,120·19 लाख टन
- **खरीफ मक्का** : 227·20 लाख टन
- **रबी मक्का** : 97·50 लाख टन
- **खरीफ श्री अन्न** : 128·91 लाख टन
- **रबी श्री अन्न** : 24·88 लाख टन
- **खरीफ पौष्टिक/मोटे अनाज** : 356·11 लाख टन
- **रबी पौष्टिक/मोटे अनाज** : 144·61 लाख टन
- **ज्वार** : 40·34 लाख टन
- **बाजरा** : 95·31 लाख टन

दालें

- **तूर** : 33·39 लाख टन
- **चना** : 121·61 लाख टन
- **उड़द** : 20·55 लाख टन
- **मसूर** : 16·36 लाख टन
- **मूँग** : 15·06 लाख टन
- **रागी** : 13·86 लाख टन
- **छोटे मंडवे** (Small Millets) : 4·29 लाख टन

तिलहन (Oilseeds)

- **सोयाबीन** : 125·62 लाख टन
- **रेपसीड एवं सरसों** : 126·96 लाख टन
- **मूँगफली** : 86·54 लाख टन
- **अरण्डी के बीज** (Castor Seed) : 18·79 लाख टन
- **तिल** (Sesamum) : 4·29 लाख टन
- **सूरजमुखी** (Sunflower) : 1·67 लाख टन
- **अलसी के बीज** (Linseed) : 1·35 लाख टन
- **कुसुम्ब** (Safflower) : 0·47 लाख टन
- **नाइजर सीड** : 0·29 लाख टन
- **कुल खरीफ तिलहन** : 228·42 लाख टन
- **रबी तिलहन** : 137·56 लाख टन

वाणिज्यिक फसलें

- **गन्ना** : 4,464·30 लाख टन
- **कपास** : 323·11 लाख गाँठें (170 किग्रा की प्रत्येक गाँठें)
- **जूट एवं मेस्टा** : 92·17 लाख गाँठें + 4·15 लाख गाँठें (180 किग्रा की प्रत्येक गाँठ)
- **गुआरसीड** (Guarseed) : 18·44 लाख टन
- **तम्बाकू** : 7·46 लाख टन
- **भांग** : 4·411 लाख टन

2022-23 में बागवानी उपजों के फाइनल अनुमान तथा 2023-24 में उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान

देश में बागवानी (Horticulture) उपजों के क्षेत्र और उत्पादन के वर्ष 2022-23 के अंतिम अनुमान तथा वर्ष 2023-24 के पहले अग्रिम अनुमान कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा 7 मार्च, 2024 को जारी किए हैं. उत्पादन क्षेत्र (मिलियन हेक्टेयर) व उत्पादन की मात्रा (मिलियन टन) के यह आँकड़े आगे दर्शाए गए हैं—

2022-23 के लिए प्रमुख बागवानी उपजों के अंतिम (फाइनल) अनुमान

- अंतिम (फाइनल) अनुमान में 2022-23 देश में बागवानी उत्पादन लगभग

यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (एफ्टा) के साथ भारत का स्वतंत्र व्यापार समझौता

16 वर्ष तक बातचीत के विभिन्न दौरों के पश्चात् भारत ने 4 यूरोपीय देशों के समूह यूरोपियन फ्री ट्रेड एसोसिएशन (EFTA) के साथ एक स्वतंत्र व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर 10 मार्च, 2024 को किए हैं. ***यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ*** *(ईएफटीए) के सदस्य देशों में नॉर्वे, आइसलैण्ड, लिचटेंस्टीन व स्विट्जरलैण्ड शामिल हैं. भारत की ओर से वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल व इन चारों देशों के समकक्ष मंत्रियों द्वारा नई दिल्ली में 10 मार्च को हस्ताक्षर इस. समझौते को* ***व्यापार एवं आर्थिक भागीदारी समझौता*** *(Trade and Economic Partnership Agreement–TEPA) नाम दिया गया है. दोनों पक्षों के बीच इस समझौते के लिए बातचीत 2008 में शुरू हुई थी तथा 16 वर्षों के पश्चात् इसके लिए सहमति दोनों पक्षों में हुई है. बौद्धिक सम्पदा अधिकार, माल एवं सेवा व्यापार, निवेश व सरकारी खरीद सहित कुल 14 अध्याय वाले इस समझौते से निवेश के साथ-साथ वस्तुओं एवं सेवाओं के दोतरफा व्यापार को बढ़ावा मिलेगा. पहली बार इस स्वतंत्र व्यापार समझौते में लक्ष्य आधारित निवेश के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की गई है. इसके तहत् अगले 15 वर्षों में ईएफटीए अनिवार्य रूप से 100 अरब डॉलर का निपवेश भारत में करेगा जिससे 10 लाख प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे. लक्षित 100 अरब डॉलर के निवेश में से 50 अरब डॉलर का निवेश पहले 10 वर्षों में व शेष 50 अरब डॉलर का निवेश अगले 5 वर्षों में किया जाएगा. यह निवेश मुख्यतः ग्रीन एनर्जी, कैमिकल्स, फार्मा, मशीनरी व फूड प्रोसेसिंग आदि क्षेत्रों में सम्भावित है. इससे इन क्षेत्रों में भारत के आयात भी कम होंगे तथा साथ ही भारतीय उत्पादों की गुणवत्ता के प्रोन्नयन में भी मदद मिलेगी. ईएफटीए के साथ भारत के कुल व्यापार में 90 प्रतिशत से भी अधिक हिस्सेदारी स्विट्जरलैण्ड की है. इस समझौते के चलते इन चारों देशों के बाजार में भारत की पहुँच आसान होगी, बल्कि यूरोप के बाजार में भी पहुँच भारतीय निर्यातकों के लिए आसान हो जाएगी. भारत भी इन देशों के उत्पादों के लिए अपने आयात शुल्क को कम करेगा स्विट्जरलैण्ड से आयात किए जाने वाली चॉकलेट्स पर 30 प्रतिशत तथा घड़ियों पर 23 प्रतिशत का शुल्क है. इन शुल्कों को अगले 7 वर्षों में चरणबद्ध तरीके से समाप्त किया जाएगा. कृषि, डेयरी, सोया व कोयला सेक्टर को इस समझौते से बाहर ही रखा गया है. पीएलआई से जुड़े सेक्टर्स के लिए भी भारतीय बाजार को नहीं खोला गया है.*

ईएफटीए के साथ व्यापार समझौते के अवसर पर वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री श्री पीयूष गोयल के साथ 'एफ्टा' देशों के प्रतिनिधि

ईएफटीए के साथ सम्पन्न टेपा (TEPA– Trade and Economic Partnership Agreement) को लागू होने में अभी लगभग 1 वर्ष का समय लग सकता है, क्योंकि ईएफटीए के चारों देशों को अपनी संसद से इसका अनुमोदन कराना होगा. ईएफटीए के चारों देश यूरोपीय संघ से बाहर के यूरोपीय देश हैं.

कुल बागवानी	2021-22	2022-23 (अंतिम अनुमान)	2023-2024 (पहला अग्रिम अनुमान)
क्षेत्र (मिलियन हेक्टेयर में)	28·04	28·44	28·77
उत्पादन (मिलियन टन में)	347·18	355·48	355·25

355·48 मिलियन टन अनुमानित है, जो 2021-22 की तुलना में लगभग 8·30 मिलियन टन (2·39 प्रतिशत) की वृद्धि दर्शाता है. 2021-22 की तुलना में 2022-23 (अंतिम अनुमान) बुआई क्षेत्र में 1·41 प्रतिशत या 0·40 मिलियन हेक्टेयर क्षेत्र में वृद्धि दर्ज की गई है.

- फलों का उत्पादन 2022-23 (अंतिम अनुमान) में 110·21 मिलियन टन अनुमानित है. 2022-23 में उत्पादन में वृद्धि का मुख्य कारण सेब, केला, अंगूर, आम और तरबूज के उत्पादन में बढ़ोतरी है.
- सब्जियों का उत्पादन 2021-22 में 209·14 मिलियन टन से बढ़कर 2022-23 में 212·55 मिलियन टन (अंतिम अनुमान) हो गया है. इसका मुख्य कारण मिर्च (हरी), प्याज, मूली, साबूदाने और टमाटर को छोड़कर शेष सभी सब्जियों में दर्ज की गई वृद्धि है.
- प्याज का उत्पादन 2021-22 में 316·87 लाख टन उत्पादन की तुलना में 2022-23 में घटकर 302·08 लाख टन होने का अनुमान है.
- आलू के 2021-22 में 561·76 लाख टन उत्पादन की तुलना में 2022-23 में उत्पादन लगभग 601·42 लाख टन होने का अनुमान है.
- टमाटर का 2022-23 में उत्पादन लगभग 204·25 लाख टन अनुमानित है, जबकि 2021-22 में यह उत्पादन 206·94 लाख टन था.

2023-24 में उत्पादन के पहले अग्रिम अनुमान

- देश में 2023-24 में बागवानी उत्पादन लगभग 355·25 मिलियन टन होने का (प्रथम अग्रिम अनुमान) अनुमान है. 2022-23 की तुलना में 2023-24 में बुआई क्षेत्र में वृद्धि 1·15 प्रतिशत अनुमानित है.
- मुख्य रूप से केला, नारंगी और आम के उत्पादन में वृद्धि के कारण फलों का उत्पादन 2022-23 में 110·21 मिलियन टन से बढ़कर 2023-24 में 112·08 मिलियन टन तक पहुँचने की आशा पहले अग्रिम अनुमानों में व्यक्त की गई है.
- सब्जियों का उत्पादन 2022-23 में 212·55 मिलियन टन से घटकर 2023-24 में लगभग 209·39 मिलियन टन होने का अनुमान किया गया है.
- टमाटर का उत्पादन 2022-23 के 204·25 लाख टन उत्पादन की तुलना में 2023-24 में लगभग 208·19 लाख टन होने की उम्मीद है, जो 1·93 प्रतिशत लाख टन की वृद्धि दर्शाता है.
- 2023-24 में प्याज का उत्पादन (पहला अग्रिम अनुमान) 2022-23 के 302·08 लाख टन के उत्पादन की तुलना में लगभग 254·73 लाख टन ही रहने की सम्भावना है. इसका कारण महाराष्ट्र में 34·31 लाख टन, कर्नाटक में 9·95 लाख टन, आंध्र प्रदेश में 3·54 लाख टन और राजस्थान में 3·12 लाख टन उत्पादन में गिरावट आना है.

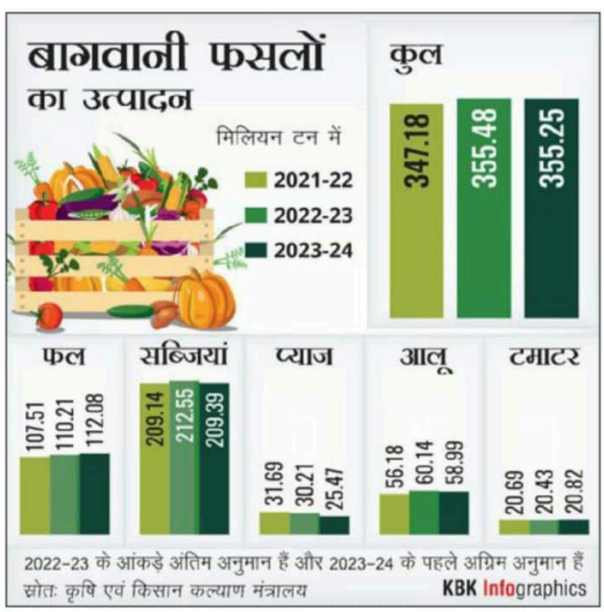

- 2023-24 में आलू का उत्पादन भी पूर्व वर्ष की तुलना में घटने का पहला अग्रिम अनुमान है. यह उत्पादन 2023-24 में लगभग 589·94 लाख टन होने की सम्भावना है, जबकि पूर्व वर्ष 2022-23 में यह 601·42 लाख टन था. उत्पादन में गिरावट का मुख्य कारण पश्चिम बंगाल में पिछले वर्ष की तुलना में आई कमी है.

कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य में ₹ 285 प्रति क्विंटल की वृद्धि

कच्चे जूट (टीडीएन-3) के लिए नए न्यूनतम समर्थन मूल्य (MSP) की घोषणा सरकार द्वारा 7 मार्च, 2024 को की गई. कृषिगत लागत एवं मूल्य आयोग (CACP) की संस्तुति के आधार पर 2024-25 के लिए यह मूल्य ₹ 5,335 प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है, जो 2023-24 के लिए लागू मूल्य पर ₹ 285 प्रति क्विंटल की वृद्धि दर्शाता है. 2023-24 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य ₹ 5,050 प्रति क्विंटल लागू है. **नया न्यूनतम समर्थन मूल्य कच्चे जूट के उत्पादन की अखिल भारतीय भारित औसत लागत (All India Weighted Average Cost of Production) पर किसानों के लिए 64·8 प्रतिशत लाभ सुनिश्चित करेगा, जो सरकार द्वारा 2018-19 के बजट में घोषित उत्पादन की अखिल भारतीय भारित औसत लागत के कम-से-कम 1·5 गुना के स्तर पर एमएसपी निर्धारित करने के लिए सिद्धान्त के अनुरूप है.**

नया न्यूनतम समर्थन मूल्य का निर्णय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमण्डलीय समिति (CCEA) की 7 मार्च, 2024 की बैठक में किया गया. समिति की विज्ञप्ति में बताया गया है कि कच्चे जूट का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2014-15 में ₹ 2,400 प्रति क्विंटल था, जो अब 2024-25 के लिए ₹ 5,335 प्रति क्विंटल है. इस प्रकार विगत 10 वर्षों में 122 प्रतिशत की वृद्धि इसमें की गई है. विज्ञप्ति में यह भी बताया गया है कि **2023-24 में सरकार ने ₹ 524·32 लाख करोड़ की लागत से 6·24 लाख गाँठ कच्चे जूट की रिकॉर्ड मात्रा में खरीद की है जिससे 1,065 लाख किसान लाभान्वित हुए हैं.**

2024-25 की पहली तिमाही हेतु लघु बचतों पर ब्याज दरें अपरिवर्तित

मुख्यतः डाक घरों के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों का निर्धारण सरकार द्वारा प्रति तिमाही

आधार पर किया जाता है. **इन योजनाओं में डाक घरों के माध्यम से संचालित सावधि जमा योजनाओं के अतिरिक्त मासिक आय योजना, राष्ट्रीय बचत-पत्र (NSCs), पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड (PPF), किसान विकास-पत्र (KVP), सुकन्या समृद्धि योजना, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना व रिकरिंग डिपॉजिट स्कीम आदि शामिल हैं.** पिछली बार 2023-24 की अन्तिम तिमाही (जनवरी-मार्च 2024) के लिए 3 वर्षीय सावधि जमा पर ब्याज दर में 0·1 प्रतिशत बिन्दु की तथा सुकन्या समृद्धि योजना पर ब्याज दर में 0·2 प्रतिशत बिन्दु की ही वृद्धि सरकार ने की थी तथा शेष सभी बचत योजनाओं पर ब्याज को अपरिवर्तित ही रखा था.

नए वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही अप्रैल-जून 2024 के लिए लघु बचतों पर ब्याज दरों की घोषणा सरकार द्वारा मार्च 2024 में की गई. इस तिमाही के लिए ब्याज दरों में कोई परिवर्तन सरकार द्वारा नहीं किया गया है तथा इन सभी योजनाओं पर ब्याज दरें वहीं बरकरार हैं जो 2023-24 की अंतिम तिमाही Q_4 (जनवरी-मार्च 2024) में लागू थी. इस प्रकार 1 अप्रैल, 2024 से 30 जून, 2024 की तिमाही के लिए डाकघर बचत खातों पर वार्षिक ब्याज 4·0 प्रतिशत बरकरार है तथा पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (PPF) पर यह पूर्ववत् 7·1 प्रतिशत, सुकन्या समृद्धि योजना (SSS) पर 8·2 प्रतिशत, राष्ट्रीय बचत-पत्र (NSCs) पर 7·7 प्रतिशत ही पूर्ववत् बरकरार है. किसान विकास-पत्र पर ब्याज दर पहले की तरह 7·5 प्रतिशत ही रहेगी तथा इनकी परिपक्वता की अवधि 115 माह ही रहेगी.

छत्तीसगढ़ में महतारी वंदना योजना का शुभारम्भ

अपने एक चुनावी वायदे को पूरा करते हुए छत्तीसगढ़ की मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय के नेतृत्व वाली सरकार ने महतारी वंदना योजना राज्य में मार्च 2024 से लागू की है. राज्य स्तर पर महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देकर उनकी स्थिति में सुधार के लिए शुरू की गई इस योजना के तहत् राज्य की सभी पात्र विवाहित महिलाओं, जिनकी आयु 1 जनवरी, 2024 को 21 वर्ष से अधिक है, ₹ 1,000 प्रतिमाह की आर्थिक सहायता प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (DBT) द्वारा प्रदान की जाएगी. विधवा, तलाकशुदा व परित्यक्त महिलाएं भी इस योजना के तहत् लाभ के लिए पात्र हैं. 31 जनवरी, 2024 को राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में स्वीकृत इस योजना का शुभारम्भ प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 10 मार्च, 2024 को वर्चुअल तरीके से किया. इसके साथ ही पात्र महिलाओं को योजना की पहली किश्त उन्होंने जारी की. इसके तहत् 70 लाख से अधिक महिलाओं के बैंक खातों में यह राशि अंतरित हो गई. इनमें 82·55 प्रतिशत महिलाएं ग्रामीण क्षेत्रों व 17·45 प्रतिशत शहरी क्षेत्रों की हैं. कुल मिलाकर ₹ 655·57 करोड़ का वितरण इस पहली किश्त द्वारा किया गया.

इन सभी योजनाओं के तहत् देय ब्याज की नई दरें निम्नलिखित तालिका में दशाई गई हैं. तुलना के लिए पिछली तिमाहियों की ब्याज दरें भी प्रदर्शित हैं.

₹ 8,470 करोड़ मूल्य के ₹ 2000 के करेंसी नोट अभी भी चलन में शेष : आरबीआई रिपोर्ट

₹ 2000 मूल्य के करेंसी नोटों का वैध मुद्रा (Legal Tender) का दर्जा बरकरार रखते हुए उन्हें वापस लेने की घोषणा भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा 19 मई, 2023 को की गई थी. **उस समय ₹ 3·56 लाख करोड़ के ऐसे नोट चलन में थे. वापस लेने की आरबीआई की घोषणा के बावजूद, आरबीआई की विज्ञप्ति के अनुसार ₹ 8,470 करोड़ के ऐसे नोट 29 फरवरी, 2024 तक चलन में शेष थे.** इस प्रकार चलन में रहे ₹ 2000 के सभी करेंसी नोटों में से 97·62 प्रतिशत नोट ही 29 फरवरी, 2024 तक आरबीआई को वापस किए गए थे. इन नोटों को वापस लेने की घोषणा के साथ ही लोगों को 30 सितम्बर, 2023 तक बैंकों से इन्हें बदलने या जमा करने को आरबीआई ने कहा था. इस समय-सीमा को बाद में बढ़ाकर आरबीआई ने कर दिया था. यह समय-सीमा निकलने के बाद भी आरबीआई ने देश भर के अपने 19 कार्यालयों में ₹ 2000 के नोट को जमा या बदलने की सुविधा जारी रखी है. इसके अलावा लोग किसी भी डाकघर से आरबीआई के किसी भी कार्यालय में इंडिया पोस्ट के जरिए इन नोटों को भेज सकते हैं.

चलन से वापस लिए जाने के बावजूद ₹ 2000 मूल्य के करेंसी नोटों का वैध मुद्रा का दर्जा समाप्त नहीं किया गया है.

●●●

लघु बचतों पर ब्याज दरें

(प्रतिशत)

	2023-24				2024-25
	Q_1	Q_2	Q_3	Q_4	Q_1
	1 अप्रैल, 2023 से 30 जून, 2023 तक	1 जुलाई, 2023 से 30 सितम्बर, 2023 तक	1 अक्टूबर, 2023 से 31 दिसम्बर, 2023 तक	1 जनवरी, 2024 से 31 मार्च, 2024 तक	1 अप्रैल, 2024 से 30 जून, 2024 तक
बचत खाते	4·0	4·0	4·0	4·0	4·0
एक वर्षीय सावधि जमा	6·8	6·9	6·9	6·9	6·9
2 वर्षीय सावधि जमा	6·9	7·0	7·0	7·0	7·0
3 वर्षीय सावधि जमा	7·0	7·0	7·0	7·1	7·1
5 वर्षीय सावधि जमा	7·5	7·5	7·5	7·5	7·5
5 वर्षीय रिकरिंग जमा	6·2	6·5	6·7	6·7	6·7
(5 वर्षीय) वरिष्ठ नागरिक बचत योजना (SCSS)	8·2	8·2	8·2	8·2	8·2
5 वर्षीय मासिक आय योजना	7·4	7·4	7·4	7·4	7·4
पब्लिक प्रॉविडेंट फण्ड (PPF)	7·1	7·1	7·1	7·1	7·1
सुकन्या समृद्धि योजना (SSS)	8·0	8·0	8·0	8·2	8·2
राष्ट्रीय बचत-पत्र (NSC)	7·7	7·7	7·7	7·7	7·7
किसान विकास-पत्र (KVP)	7·5 (किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 115 माह)	7·5 (किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 115 माह)	7·5 (किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 115 माह)	7·5 (किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 115 माह)	7·5 (किसान विकास-पत्र की परिपक्वता अवधि 115 माह)

शब्द संक्षेप
(Abbreviation)

आईबीसीए—(इंटरनेशनल बिग कैट एलायंस)
IBCA—International Big Cat Alliance
व्याख्या—बाघों व बड़ी बिल्ली परिवार की अन्य प्रजातियों के संरक्षण में रुचि रखने वाले देशों के एलायंस की स्थापना प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर की गई है. केन्द्रीय मंत्रिमण्डल की 29 फरवरी, 2024 को नई दिल्ली में सम्पन्न बैठक में इस एलायंस की स्थापना को मंजूरी प्रदान की गई है. इसका मुख्यालय भारत में होगा. आईबीसीए का उद्देश्य बड़ी बिल्ली परिवार की प्रजातियों के संरक्षण के लिए विभिन्न देशों में सहयोग स्थापित करना है.

सात बिग कैट्स में बाघ (Tiger), शेर (Lion), तेंदुआ (Leopard), हिम तेंदुआ (Snow leopard), प्यूमा (Puma), जगुवार (Jaguar) व चीता (Cheetah) शामिल हैं.

नियुक्तियाँ
(Appointments)

किशोर मकवाना राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के नए अध्यक्ष

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने भाजपा नेता श्री किशोर मकवाना को राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग (National Commission for Scheduled Caste NCSC) का अध्यक्ष मार्च 2024 में नियुक्त किया है. पिछले वर्ष भाजपा नेता विजय सांपला के इस पद से त्यागपत्र के पश्चात् यह पद रिक्त था तथा अरुण हलदार ने कार्यवाहक अध्यक्ष के रूप में यह कार्यभार संभाला हुआ था. भारतीय जनता पार्टी की गुजरात इकाई के प्रवक्ता रहे श्री किशोर मकवाना ने अपना यह कार्यभार 11 मार्च, 2024 को संभाला है.

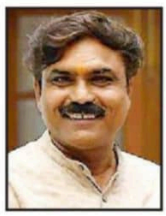
किशोर मकवाना

विनय कुमार रूस में भारत के नए राजदूत

वरिष्ठ राजनयिक विनय कुमार अब रूस में भारत के नए राजदूत होंगे. भारतीय विदेश सेवा के 1992 बैच के **श्री विनय कुमार**, जो वर्तमान में म्यांमार में भारत के राजदूत हैं, की इस पद पर नियुक्ति की अधिसूचना विदेश मंत्रालय द्वारा 19 मार्च, 2024 को जारी की गई. इस नियुक्ति से पूर्व 2018-20 के दौरान वह अफगानिस्तान में भारतीय राजदूत रह चुके हैं. विनय कुमार, ताशकंद, बिश्केक व ओटावा आदि में भारत के मिशनों में कार्यरत् रह चुके हैं.

राहुल सिंह सीबीएसई के नए अध्यक्ष

भारतीय प्रशासनिक सेवा के राहुल सिंह को केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (CBSE) का चेयरमैन मार्च 2024 में नियुक्त किया गया है. इस पद पर निधि छिब्बर, जिन्हें अब नीति आयोग में सलाहकार के पद पर नियुक्त किया गया है, का स्थान प्रशासनिक सेवा के 1996 बैच के श्री राहुल सिंह ने लिया है.

शेफाली बी. शरण पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) की प्रधान महानिदेशक

भारतीय सूचना सेवा (IIS) की 1990 बैच की अधिकारी शेफाली बी. शरण (Sheyphali B. Sharan) को पत्र सूचना ब्यूरो (Press Information Bureau—PIB) का प्रधान महानिदेशक नियुक्त किया गया है. इस पद पर मनीष देसाई, जो 31 मार्च, 2024 को सेवानिवृत्त हुए हैं, का स्थान शेफाली शरण ने लिया है. इस पद पर रहते हुए वह सरकार की प्रवक्ता होंगी.

नवनीत सहगल प्रसार भारती बोर्ड के नए अध्यक्ष

भारतीय प्रशासनिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी नवनीत सहगल को सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अधीन प्रसार भारती बोर्ड का चेयरमैन राष्ट्रपति ने मार्च 2024 में नियुक्त किया है. यह पद फरवरी 2020 में ए. सूर्यप्रकाश की सेवानिवृत्ति के बाद से ही रिक्त था. श्री सहगल का इस पद पर कार्यकाल 3 वर्ष का (अधिकतम 70 वर्ष की आयु तक) होगा.

सेंट्रल बैंक के प्रबन्ध निदेशक एम. वी. राव भारतीय बैंक संघ (IBA) के नए अध्यक्ष

सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के प्रबन्ध निदेशक सह सीईओ एम.वी. राव भारतीय बैंक संघ (IBA) के अध्यक्ष मार्च 2024 में चुने गए हैं. आईबीए की प्रबंध समिति की नई दिल्ली में 21 मार्च को सम्पन्न बैठक में उनका यह चुनाव किया गया. भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा, इंडियन बैंक के एमडी एस.एल. जैन तथा सिटी यूनियन बैंक के एमडी एन. कामाकोडी संघ के उपाध्यक्ष इस बैठक में चुने गए.

एम.वी. राव

बैंक ऑफ बहरीन एण्ड कुवैत के कंट्री हैड माधव नायर को आईबीए का मानद सचिव इस बैठक में चुना गया.

भारतीय बैंक संघ (IBA) देश में कार्यरत् सभी सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्र के बैंकों, विदेशी बैंकों, सहकारी बैंकों व क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक संगठन है.

ज्ञानेश कुमार व सुखवीर सिंह संधू चुनाव आयोग में दो नए चुनाव आयुक्त

लोक सभा चुनावों की घोषणा से पूर्व ही चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्तों के दो रिक्त पदों को भर दिया गया है. प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता वाली चयन समिति की संस्तुति पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के 1988 बैच के केरल कैडर के सेवानिवृत्त अधिकारी ज्ञानेश कुमार तथा 1988 बैच के ही उत्तराखण्ड कैडर के सेवानिवृत्त अधिकारी सुखवीर सिंह संधू को चुनाव आयुक्त के रूप में राष्ट्रपति ने 14 मार्च, 2024 को नियुक्ति प्रदान की है. नवनियुक्त चुनाव आयुक्तों को पद और गोपनीयता की शपथ, मुख्य चुनाव आयुक्त श्री राजीव कुमार ने 15 मार्च को ग्रहण कराई.

सुखवीर सिंह संधू

ज्ञानेश कुमार

तीन सदस्यीय चुनाव आयोग के एक सदस्य अनूपचंद्र पाण्डे 14 फरवरी, 2024 को सेवानिवृत्त हो गए थे, जबकि एक अन्य सदस्य अरुण गोयल ने व्यक्तिगत कारणों से 8 मार्च को त्यागपत्र दे दिया था, जिससे चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्तों के दोनों पद रिक्त हो गए थे.

पुरस्कार/सम्मान
(Awards/Honours)

चैक गणराज्य की क्रिस्टीना पिश्कोवा को विश्व सुंदरी (2023) का ताज

वर्ष 2023 की विश्व सुंदरी (Miss World) प्रतियोगिता का फाइनल दौर मुम्बई में जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में 9 मार्च, 2024 को आयोजित हुआ. विश्व सुंदरी प्रतियोगिता का यह (71वाँ) आयोजन था. इस प्रतियोगिता का ताज चैक गणराज्य की क्रिस्टीना पिश्कोवा (Krystyna Pyszkova) ने जीता. पूर्व वर्ष 2022 की विश्व सुंदरी पोलैंड की कैरोलिना बिलावस्का ने उन्हें विश्व सुंदरी का ताज पहनाया. 112 देशों की सुंदरियाँ इस वर्ष की प्रतियोगिता में शामिल थीं. पहली रनरअप लेबनान की यास्मिना जयटून (Yasmina Zaytoun) रहीं. भारत की प्रतिभागी सिनी शेट्टी शीर्ष चार में भी जगह नहीं बना पाईं.

क्रिस्टीना पिश्कोवा : विश्व सुंदरी 2023

- 28 वर्षों के अंतराल के पश्चात् इस वर्ष (71वीं) विश्व सुंदरी प्रतियोगिता की मेजबानी भारत ने की. इससे पहले 1996 में बेंगलुरू में इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था.
- इस वर्ष इस प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में पूर्व क्रिकेटर हरभजन सिंह, अभिनेत्री कृति सैनन, पूजा हेगड़े, मानुषी छिल्लर, बेनेट कोलमन एण्ड कम्पनी लिमिटेड के मैनेजिंग डायरेक्टर विनीत जैन, अमृता फडणवीस आदि शामिल थे.
- **भारत की केवल 6 सुंदरियाँ ही विश्व सुन्दरी (Miss World) का खिताब जीतने में कामयाब रही हैं. ऐसी पहली उपलब्धि रीता फारिया ने 1966 में प्राप्त की थी. बाद में 1994 में ऐश्वर्या राय, 1997 में डायना हैडेन, 1999 में युक्ता मुखी, 2000 में प्रियंका चोपड़ा तथा 2017 में मानुषी छिल्लर ने यह खिताब जीता था.**

संगीत नाटक एकेडमी पुरस्कार (2022 व 2023)

संगीत, नृत्य, नाटक, लोक व जनजातीय कलाओं तथा संबद्ध रंगमंच कला के क्षेत्र के 46 प्रतिष्ठित कलाकारों को वर्ष 2022 के लिए तथा इतने ही कलाकारों को 2023 के लिए संगीत नाटक एकेडमी पुरस्कार राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने 6 मार्च, 2024 को नई दिल्ली में एक समारोह में प्रदान किए. दोनों ही वर्षों के लिए 12-12 पुरस्कार संगीत के क्षेत्र में

संगीत (12)	
कलापिनी कोमकली	हिन्दुस्तानी संगीत (गायन)
विनोद कुमार द्विवेदी	हिन्दुस्तानी संगीत (गायन)
हरविंदर कुमार शर्मा	हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (सितार)
मोइनुद्दीन खान	हिन्दुस्तानी वाद्य संगीत (सारंगी)
बॉम्बे जयश्री रामनाथ	कर्नाटक गायन
शंकर शास्त्री	कर्नाटक गायन
नेवेली आर. नारायणम	कर्नाटक वाद्य संगीत (मृदंगम)
एच. के. वेंकटरमन	कर्नाटक वाद्य संगीत (वायलिन)
एस. शेखर	रचनात्मक एवं प्रयोगात्मक संगीत
निलादरी कुमार	रचनात्मक एवं प्रयोगात्मक संगीत
एल वी गंगाधर शास्त्री	संगीत की अन्य विधाएँ
संगीता गुसांई	संगीत की अन्य विधाएँ (ओडिसी संगीत)
नृत्य (12)	
उर्मिला सत्यनारायणन	भरतनाट्यम्
जगदीश सुंदरलाल गंगानी	कथक
मार्गी विजय कुमारन	कथकली
मद्दाली उषा गायत्री	कुचिपुड़ी
लतासना देवी	मणिपुरी
स्नेहप्रवा समंतरे	ओडिशी
भाबेन बोरबयान	सत्रिय
पल्लवी कृष्णन	मोहिनीअट्टम
परीक्षित महतो	छऊ
निरूपमा एवं राजेन्द्र	रचनात्मक एवं प्रयोगात्मक नृत्य
कालीनाथ मिश्र	नृत्य के लिए संगीत
पेरिनी प्रकाश	नृत्य की अन्य विधाएँ पेरिनिअट्टम
रंगमंच (9)	
आसिफ अली हैदरखान	नाट्य लेखन
पाली भूपेंदर सिंह	नाट्य लेखन
सुरिंदर शर्मा	निर्देशन
जहूर आलम	निर्देशन
अनिल कुमार रस्तोगी	अभिनय
राजीव वर्मा	अभिनय
अनूप जोशी	सम्बद्ध रंगमंचीय कलाएँ (प्रकाश)
संदीप दत्ता	सम्बद्ध रंगमंचीय कलाएँ (प्रकाश)
पियल भट्टाचार्य	रंगमंच की अन्य प्रमुख परम्पराएँ (संस्कृत रंगमंच)
पारम्परिक/लोक/जनजातीय संगीत/नृत्य/रंगमंच एवं पुतुल कला (11)	
कांता काशीनाथ गौडे	लोक संगीत, गोवा
स्वपन मुखोपाध्याय	लोक संगीत, प. बंगाल
राकेश भट्ट	लोक रंगमंच/संगीत, उत्तराखण्ड
कृष्ण लाल सहगल	लोक संगीत, हिमाचल प्रदेश
भरत शर्मा व्यास	लोक संगीत, बिहार
हेलेन गिरी	लोक एवं परम्परागत संगीत, मेघालय
पी.के. कुन्हीरामन	परम्परागत संगीत-चेंदा, केरल
अब्दुल गफ्फार दास कनिहामी	लोक संगीत, जम्मू-कश्मीर
जयंतीभाई मगनभाई शर्मा	औजार निर्माण, गुजरात
के. पजनीवेल	मार्शल आर्ट्स, पुदुचेरी
गुरप्रीत सिंह खालसा	मार्शल आर्ट्स, पंजाब
प्रदर्शन कलाओं में समग्र योगदान/छात्रवृत्ति (2)	
गोपालन नायर वेणु (वेणु जी)	प्रदर्शन कलाओं में समग्र योगदान
जगदीश त्रिवेदी	प्रदर्शन कलाओं में छात्रवृत्ति

12-12 पुरस्कार नृत्य के क्षेत्र में, 9-9 पुरस्कार रंगमंच (Theatre) के क्षेत्र में तथा 11-11 पुरस्कार परम्परागत/लोक/जनजातीय संगीत/नृत्य/रंगमंच एवं पुतुल कला के क्षेत्र में प्रदान किए गए तथा 2-2 पुरस्कार प्रदर्शन कलाओं में समग्र योगदान के लिए दिए गए. (संयुक्त पुरस्कार होने के कारण पुरस्कृत कलाकारों की कुल संख्या 94 रही) इन पुरस्कारों के तहत् ताम्र पत्र व अंगवस्त्रम के अतिरिक्त एक-एक लाख रुपए की राशि पुरस्कृत कलाकारों को प्रदान की गई. वर्ष 2023 के लिए संगीत नाटक एकेडमी पुरस्कार से पुरस्कृत कलाकारों के नाम नीचे दिए गए हैं.

संगीत नाटक एकेडमी फेलोशिप (एकेडमी रत्न)

संगीत नाटक एकेडमी पुरस्कारों के वितरण के साथ ही निम्नलिखित 6 अन्य प्रख्यात कलाकारों के लिए संगीत नाटक एकेडमी फेलोशिप भी राष्ट्रपति ने इस समारोह में प्रदान की (एक फेलोशिप संयुक्त होने के कारण पुरस्कृत कलाकारों की संख्या 7 रही).

1. विनायक खेडेकर, गोवा, भारतीय संगीत.
2. आर. विश्वेश्वरन, कर्नाटक, भारतीय संगीत.
3. सुनयना हजारीलाल, महाराष्ट्र, इंडियाना डांस.
4. राजा और राधा रेड्डी, दिल्ली, भारतीय नृत्य (संयुक्त फेलोशिप).
5. दुलाल रॉय, असम, भारतीय रंगमंच.
6. डी. पी. सिन्हा, उत्तर प्रदेश, भारतीय रंगमंच.

फेलोशिप संगीत नाटक एकेडमी का दुर्लभ सम्मान है, जो किसी समय कुल मिलाकर अधिकतम 40 कलाकारों को ही दिया जा सकता है. फेलोशिप के तहत् ₹ 3-3 लाख की राशि पुरस्कृत कलाकारों को दी जाती है.

युवा कलाकारों के लिए संगीत नाटक एकेडमी का उस्ताद बिस्मिल्लाह खान युवा पुरस्कार (2022 व 2023)

संगीत, नृत्य एवं रंगमंच आदि क्षेत्रों में उत्कृष्ट युवा कलाकारों के लिए वर्ष 2022 व 2023 के उस्ताद बिस्मिल्ला खान पुरस्कारों की घोषणा भी संगीत नाटक एकेडमी ने 27 फरवरी, 2024 को की. दोनों वर्षों के लिए सम्मिलित रूप से कुल 80 कलाकारों के लिए यह पुरस्कार घोषित किए गए हैं. पुरस्कारों का वितरण संगीत, नाटक एकेडमी के अध्यक्ष द्वारा अलग से एक समारोह में किया जाएगा.

इस पुरस्कार के तहत् ताम्रपत्र व अंगवस्त्रम् के साथ ₹ 25 हजार की राशि पुरस्कृत कलाकारों को प्रदान की जाती है.

इकोनॉमिक टाइम्स कॉर्पोरेट एक्सीलेंस अवॉर्ड्स 2023

इकोनॉमिक टाइम्स के उद्योग व्यापार जगत् के वर्ष 2023 के प्रतिष्ठित कॉर्पोरेट एक्सीलेंस पुरस्कारों का वितरण मार्च 2024 में किया गया. विदेश मंत्री एस. जयशंकर को बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर का सम्मान इन पुरस्कारों के तहत् दिया गया.

टाइटन के प्रबन्ध निदेशक (MD) सी. के. वेंकटरमन को बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर तथा डिएगियो इण्डिया (Diageo India) की सीईओ व एम. डी. हिना नागराजन को बिजनेस वुमन ऑफ द ईयर का पुरस्कार दिया गया. लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार एल एण्ड टी के मानद चेयरमैन ए. एम. नाइक को इन पुरस्कारों के तहत् दिया गया. वर्ष 2023 के लिए दिए गए इन पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है—

बिजनेस रिफॉर्मर ऑफ द ईयर—एस. जयशंकर (माननीय विदेश मंत्री).

बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर—सी. के. वेंकटरमन (एम डी, टाइटन).

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर—रमेश जुनेजा (चेयरमैन, मैनकाइंड फार्मा) व राजीव जुनेजा (वाइस चेयरमैन एवं एम.डी. मैनकाइंड फार्मा).

बिजनेस वुमन ऑफ द ईयर—हिना नागराजन (डिएगिओ इंडिया की सीईओ व एम.डी.)

कम्पनी ऑफ द ईयर—भारतीय स्टेट बैंक

एमर्जिंग कम्पनी ऑफ द ईयर—अडानी ग्रीन एनर्जी.

कॉंशियस कॉर्पोरेट ऑफ द ईयर—एचडीएफसी बैंक

ग्लोबल इंडियन फॉर द ईयर—लीना नायर, (सीईओ, चैनल)

उद्योग व्यापार जगत् के अंर्स्ट एण्ड यंग के पुरस्कार (2023)

उद्योग व्यापार जगत् में उत्कृष्ट उपलब्धियों के लिए अंर्स्ट एण्ड यंग (E & Y) के वर्ष 2023 के पुरस्कारों का वितरण फरवरी 2024 में मुम्बई में एक समारोह में किया गया. चोलामंडलम फाइनेंस के चेयरमैन वेल्लायन सुवैया (Vellayan Subbiah) को **एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर** का पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत् दिया गया, जबकि टीवीएस मोटर कम्पनी के मानद चेयरमैन वेणु श्रीनिवासन को **लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार** तथा टाटा संस के चेयरमैन नटराजन चन्द्रशेखरन को **आउटस्टैंडिंग लीडरशिप के लिए स्पेशल ज्यूरी अवार्ड** दिया गया.

वेणु श्रीनिवासन

वेल्लायन सुवैया

नटराजन चन्द्रशेखरन

विभिन्न श्रेणियों में यह पुरस्कारों की सूची निम्नलिखित है—

एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर—वेल्लायन सुबैया (चेयरमैन, चोलामंडलम)

लाइफटाइम एचीवमेंट पुरस्कार—वेणु श्रीनिवासन (मानद चेयरमैन, टीवीएस मोटर कम्पनी)

आउटस्टैंडिंग लीडरशिप के लिए ज्यूरी का विशेष पुरस्कार—नटराजन चन्द्रशेखरन (चेयरमैन, टाटा संस)

विभिन्न अन्य श्रेणियों में यह पुरस्कार निम्नलिखित को दिए गए—

स्टार्टअप—ललित केशरे (Groww)

मैन्यूफैक्चरिंग—संजय गुप्ता (एपीएल अपोलो ट्यूब्स)

कंज्यूमर्स प्रोडक्ट्स एण्ड रिटेल सर्विसेज—रफीक ए मलिक (मेट्रो ब्रांड्स), **सर्विसेज—**आनंद देशपांडे (पर्सिस्टेंट सिस्टम्स)

बिजनेस ट्रांसफॉर्मेशन—दीपिंदर गोयल (जोमैटो)

उपर्युक्त पुरस्कार विजेताओं में से श्री वेल्लायन सुबैया 4-7 जून, 2024 को मोंटे कार्लो (Monte Karlo) में **वर्ल्ड एण्टरप्रिन्योर ऑफ द ईयर** पुरस्कार वितरण समारोह में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे.

अमर उजाला शब्द सम्मान (2023)

वर्ष 2023 के अमर उजाला शब्द सम्मानों का वितरण नई दिल्ली में एक समारोह में 13 मार्च, 2024 को किया गया.

हिन्दी के प्रसिद्ध दैनिक अमर उजाला ने हिन्दी साहित्य एवं साहित्यकारों को प्रोत्साहित करने के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए इन पुरस्कारों की शुरूआत 2018 से की थी इन्हें **शब्द सम्मान** नाम दिया गया है.

इनमें दो सर्वोच्च आकाश दीप सम्मानों में से एक हिन्दी व एक किसी अन्य भारतीय भाषा में सतत् एवं विशिष्ट रचनात्मक योगदान के लिए हैं, जिनके तहत् ₹ 5-5 लाख की पुरस्कार राशि दी जाती है.

हिन्दी में विशिष्ट रचनात्मक योगदान के लिए सर्वोच्च शब्द सम्मान-आकाशदीप सम्मान इस वर्ष प्रख्यात कवि एवं कथाकार विनोद कुमार शुक्ल तथा हिन्दीतर भाषाओं में यह मलयालम साहित्यकार एवं फिल्मकार एम. टी. वासुदेवन नायर को दिया गया है.

वर्ष 2023 के शब्द सम्मानों की पूरी सूची निम्नलिखित है—

हिन्दी एवं हिन्दीतर भाषा में सतत् एवं विशिष्ट रचनात्मक योगदान के लिए आकाशदीप सम्मान (₹ 5-5 लाख).

हिन्दी के लिए—विनोद कुमार शुक्ल.

हिन्दीतर भाषाओं के लिए—एम.टी. वासुदेवन नायर (मलयालम).

अन्य पुरस्कार
(प्रशस्ति-पत्र के साथ ₹ 1-1 लाख)

वर्ष की श्रेष्ठ कृतियों के लिए छाप सम्मान.

कथा वर्ग—मनोज रूपड़ा (कहानी संग्रह 'दहन' के लिए

कविता वर्ग—कुमार अम्बुज (कविता संग्रह 'उप शीर्षक' के लिए)

कथेतर वर्ग—दलपत सिंह राज पुरोहित (उनकी कृति सुन्दर के स्वप्न के लिए)

किसी लेखक की पहली श्रेष्ठ रचना के लिए थाप सम्मान—चिन्मयी त्रिपाठी (अपनी कही के लिए).

अनुवाद के लिए भाषा बंधु सम्मान—मालिनी गौतम ('गुजराती दलित कविता' के हिन्दी में अनुवाद के लिए)

बाफ्टा पुरस्कारों की तरह ऑस्कर पुरस्कारों में भी फिल्म ओपेनहाइमर की धूम : सर्वाधिक 7 पुरस्कार मिले

वर्ष 2023 में प्रदर्शित फिल्मों के लिए अमरीका की एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर आर्ट्स एण्ड साइंसेज (AMPAS) के 96वें **एकेडमी अवार्ड्स** (प्रचलित नाम ऑस्कर पुरस्कार) का वितरण लॉस एंजेल्स (कैलीफोर्निया) स्थित डॉल्वी थिएटर में 10 मार्च, 2024 को किया गया. **कुल मिलाकर 23 श्रेणियों में ऑस्कर पुरस्कार इस वर्ष दिए गए.**

क्रिस्टोफर नोलन : सर्वश्रेष्ठ निर्देशक, एम्मा स्टोन : सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री एवं किलियन मर्फी : सर्वेश्रेष्ठ अभिनेता

ब्रिटिश एकेडमी के बाफ्टा पुरस्कारों की तरह अमरीकी एकेडमी के ऑस्कर पुरस्कारों में भी क्रिस्टोफर नोलन (Christopher Nolan) द्वारा निर्देशित फिल्म ओपेनहाइमर (Oppenheimer) की ही धूम रही. **सर्वश्रेष्ठ फिल्म सर्वश्रेष्ठ अभिनेता** व **सर्वश्रेष्ठ निर्देशक** सहित सर्वाधिक 7 पुरस्कार ऑस्कर पुरस्कारों के तहत् भी ओपेनहाइमर को ही प्राप्त हुए. इस फिल्म को सर्वाधिक 13 श्रेणियों में पुरस्कार हेतु नामांकित किया गया था. (फरवरी 2024 में घोषित बाफ्टा पुरस्कारों में भी 7 पुरस्कार ओपेनहाइमर को मिले थे).

वर्ष 2024 के ऑस्कर पुरस्कारों में दूसरे स्थान पर 4 पुरस्कार योरगोस लैंथिमोस द्वारा निर्देशित फिल्म पूअर थिंग्स (Poor Things) को प्राप्त हुए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के अतिरिक्त कास्ट्यूम, मेकअप व प्रोडक्शन डिजाइन के पुरस्कार इनमें शामिल हैं.

सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार क्रिस्टोफर नोलन द्वारा निर्देशित फिल्म 'ओपेनहाइमर को दिया गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ निर्देशक का पुरस्कार इसी फिल्म के निर्देशन के लिए क्रिस्टोफर नोलन को दिया गया. फिल्म ओपेनहाइमर में ही भूमिका के लिए आयरिश अभिनेता किलियन मर्फी (Cillian Murphy) को सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का तथा फिल्म पूअर थिंग्स में बेल्ला बैक्स्टर की भूमिका के लिए अमरीकी अभिनेत्री एम्मा स्टोन (Emma Stone) को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार इन पुरस्कारों के तहत् दिया गया.

पुरस्कारों की पूरी सूची निम्नलिखित है—

सर्वश्रेष्ठ फिल्म—ओपेनहाइमर (निर्देशक—क्रिस्टोफर नोलन)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री—एम्मा स्टोन (पूअर थिंग्स)

सर्वश्रेष्ठ अभिनेता—किलियन मर्फी (ओपेनहाइमर)

सर्वश्रेष्ठ निर्देशक—क्रिस्टोफर नोलन (ओपेनहाइमर)

सर्वश्रेष्ठ ओरिजनल सॉन्ग—ह्वाट वाज आई मेड फॉर (बार्बी)

सर्वश्रेष्ठ सपोर्टिंग अभिनेता—रॉबर्ट डाउनी जूनियर (ओपेनहाइमर)

सर्वश्रेष्ठ सपोर्टिंग अभिनेत्री—दा' वाइन जॉय रैंडोल्फ (द होल्डओवर्स)

सर्वश्रेष्ठ ओरिजनल स्कोर—लुडविग गोरानसन (ओपेनहाइमर)

सर्वश्रेष्ठ साउंड—द जोन ऑफ इंटरेस्ट

सर्वश्रेष्ठ लाइव एक्शन शॉर्ट फिल्म—द वंडरफुल स्टोरी ऑफ हेनरी शुगर

सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी—ओपेनहाइमर

सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म—20 डेज इन मारियुपोल

सर्वश्रेष्ठ डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म—द लास्ट रिपेयर शॉप

सर्वश्रेष्ठ फिल्म एडिटिंग—ओपेनहाइमर

सर्वश्रेष्ठ विजुअल इफेक्ट—गॉडजिला माइनस वन

सर्वश्रेष्ठ इंटरनेशनल फीचर फिल्म—द जोन ऑफ इंटरेस्ट

सर्वश्रेष्ठ कॉस्ट्यूम डिजाइन—पूअर थिंग्स

सर्वश्रेष्ठ प्रोडक्शन डिजाइन—पूअर थिंग्स

सर्वश्रेष्ठ मेकअप एण्ड हेयरस्टाइलिंग—पूअर थिंग्स

सर्वश्रेष्ठ एडेप्टेड स्क्रीनप्ले—अमेरिकन फिक्शन

सर्वश्रेष्ठ ओरिजनल स्क्रीनप्ले—एनाटॉमी ऑफ ए फॉल

सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड फीचर फिल्म—द बॉय एण्ड द हेरॉन

सर्वश्रेष्ठ एनिमेटेड शॉर्ट फिल्म—वार इज ओवर! इंस्पायर्ड बाई द म्यूजिक ऑफ जॉन एण्ड योको

वास्तुकला के क्षेत्र का प्रिट्जकर पुरस्कार (2024)

वास्तुकला (Architecture) के क्षेत्र का वर्ष 2024 का प्रतिष्ठित **प्रिट्जकर** पुरस्कार (Pritzker Prize) जापान के **आर्कीटेक्ट** एवं सामाजिक कार्यकर्ता रिकेन यामामोटो (Riken Yamamoto) को प्रदान करने की घोषणा मार्च 2024 में की गई है. वास्तुकला के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के तुल्य माने जाने वाले इस पुरस्कार से सम्मानित किए जाने वाले वह जापान के नौवें आर्कीटेक्ट हैं. इसके तहत् पदक के साथ एक लाख डॉलर की राशि प्रदान की जाती है.

छह वर्ष पूर्व 2018 में यह पुरस्कार भारत के वास्तुकार बालकृष्ण दोषी को दिया गया था, जो इस पुरस्कार से सम्मानित पहले व एकमात्र भारतीय वास्तुकार हैं.

वैज्ञानिक अनुसंधान हेतु जीडी बिड़ला पुरस्कार (2023)

के.के. बिड़ला फाउण्डेशन का वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र का (31वाँ) जीडी बिड़ला पुरस्कार प्रयागराज स्थित हरिश्चन्द्र अनुसंधान संस्थान में भौतिकी विभाग में कार्यरत् प्रो. अदिति सेन डे को फरवरी 2024 में प्रदान किया गया है. विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए यह पुरस्कार 50 वर्ष से कम उम्र के वैज्ञानिकों को ही दिया जाता है. पुरस्कार के तहत् ₹ 5 लाख की राशि प्रदान की जाती है.

गणित के क्षेत्र का वर्ष 2024 का एबेल पुरस्कार

गणित के क्षेत्र का वर्ष 2024 का प्रतिष्ठित एबेल पुरस्कार (Abel Prize) फ्रांसीसी गणितज्ञ प्रो. मिशेल तालाग्रांड (Michel Talagrand) को प्रदान करने की घोषणा नॉर्वेइन एकेडमी ऑफ साइंस एण्ड लैटर्स (Norwegian Academy of Science and Letters) ने 20 मार्च,

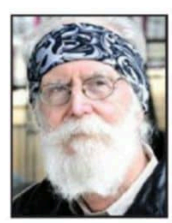

प्रो. मिशेल तालाग्रांड

2024 को की है. गणित के क्षेत्र में नोबेल पुरस्कार के तुल्य यह पुरस्कार उन्हें प्रोबेबलिटी थ्योरी एवं फंक्शनल एनेलिसिस में योगदान के लिए दिया गया है. नॉर्वे की सरकार द्वारा वित्त पोषित एबेल पुरस्कार उन्हें 21 मई, 2024 को ओस्लो (Oslo) में नॉर्वे के सम्राट् महामहिम हेराल्ड (King Herald) के हाथों दिया जाएगा.

इस पुरस्कार के तहत् 75 लाख एनओके (NOK–नॉर्वे का क्रोन) (7016 लाख अमरीकी डॉलर) की राशि प्रदान की जाती है.

निधन (Death)

जफर आगा

जाने-माने पत्रकार व कांग्रेस के समाचार-पत्र नेशनल हेराल्ड के पूर्व प्रधान सम्पादक जफर आगा का 70 वर्ष की आयु में दिल्ली के एक अस्पताल में 22 मार्च, 2024 को निधन हो गया. 1979 में 'लिंक' पत्रिका के साथ एक पत्रकार के रूप में कॅरियर की शुरूआत उन्होंने की थी. बाद में पैट्रियट, बिजनेस एण्ड पॉलिटिकल आब्जर्वर व इंडिया टुडे आदि से जुड़ने के पश्चात् नेशनल हेराल्ड के प्रधान सम्पादक वह रहे थे.

एल. रामदास

भारतीय नौसेना के पूर्व प्रमुख एडमिरल (सेवानिवृत्त) एल. रामदास का 90 वर्ष की आयु में हैदराबाद में एक सैन्य अस्पताल में 15 मार्च, 2024 को निधन हो गया. एडमिरल रामदास दिसम्बर 1990–सितम्बर 1993 के दौरान भारतीय नौसेना के प्रमुख रहे थे.

पुस्तकें (Books)

स्मोक एवं एशेज (Smoke and Ashes)—अमिताभ घोष

ह्वाई भारत मैटर्स (Why Bharat Matters)—एस. जयशंकर

द एनीमी (The Enemy)—सारा एडम्स

द लास्ट टेल ऑफ द फ्लॉवर ब्राइड (The Last Tale of the Flower Bride)—रोशनी चोकशी

ऑल द डेंजरस थिंग्स (All the Dangerous Things)—स्टेसी विलिंघम.

वर्ष/दिवस/सप्ताह (Year/Days/Week)

मार्च 2024

3 मार्च—विश्व वन्यजीव दिवस

(संयुक्त राष्ट्र महासभा ने प्रतिवर्ष 3 मार्च को विश्व वन्यजीव दिवस के रूप में मनाने का फैसला 20 दिसम्बर, 2013 को अपने 68वें सत्र में किया था.)

4 मार्च—राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस (National Safety Day).

8 मार्च—अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

12 मार्च—मॉरिशस दिवस (मॉरिशस का स्वतंत्रता दिवस व गणतंत्र दिवस)

13 मार्च—धूम्रपान निषेध (मार्च का दूसरा बुधवार) दिवस (No Smoking Day)

14 मार्च—पाई (π) दिवस

15 मार्च—विश्व उपभोक्ता अधिकार दिवस

16 मार्च—राष्ट्रीय टीकाकरण दिवस

18 मार्च—आयुध कारखाना दिवस (ऑर्डनेन्स फैक्ट्री दिवस)

20 मार्च—अन्तर्राष्ट्रीय प्रसन्नता दिवस (संयुक्त राष्ट्र महासभा द्वारा 28 जून, 2012 को स्वीकृत प्रस्ताव के आधार पर 20 मार्च को इण्टरनेशनल डे ऑफ हैप्पिनेन्स के रूप में प्रतिवर्ष मनाया जाता है.)

20 मार्च—विश्व गौरैया दिवस

21 मार्च—विश्व वानिकी दिवस

[प्रतिवर्ष 21 मार्च को विश्व वानिकी दिवस (International Day of Forests) के रूप में मनाने का प्रस्ताव संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 28 नवम्बर, 2012 को पारित किया था.]

22 मार्च—बिहार दिवस

(1912 में 22 मार्च को बंगाल प्रेसीडेंसी के विभाजन के परिणामस्वरूप बिहार एक पृथक् राज्य के रूप में अस्तित्व में आया था.)

22 मार्च—विश्व जल दिवस

23 मार्च—भगत सिंह, सुखदेव व राजगुरु का बलिदान दिवस.

23 मार्च—पाकिस्तान का राष्ट्रीय दिवस

(23 मार्च, 1940 को ऑल इण्डिया मुस्लिम लीग के लाहौर सम्मेलन में लाहौर प्रस्ताव पारित किया गया था, जिसने बाद में पाकिस्तान के गठन के लिए आधार प्रदान किया. **स्वतंत्र पाकिस्तान का पहला संविधान भी बाद में 1956 में 23 मार्च को ही अंगीकृत किया गया था.**)

23 मार्च—विश्व मौसम विज्ञान दिवस (World Meteorological Day)

24 मार्च—विश्व क्षय रोग दिवस

26 मार्च—बांग्लादेश का स्वतंत्रता दिवस व राष्ट्रीय दिवस.

(बांग्लादेश की पाकिस्तान से मुक्ति यद्यपि 16 दिसम्बर, 1971 को हुई थी, इसके राष्ट्रपिता शेख मुजीब उर रहमान ने देश की स्वतंत्रता की घोषणा 26 मार्च, 1971 को ही कर दी थी. **इस उपलक्ष्य में 26 मार्च को ही देश के स्वतंत्रता दिवस व राष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाता है.**)

27 मार्च—विश्व रंगमंच दिवस

30 मार्च—राजस्थान स्थापना दिवस

(तत्कालीन राजपूताना रियासतों के विलय के फलस्वरूप राजस्थान राज्य की स्थापना 30 मार्च, 1949 को हुई थी.)

सम्मेलन (Conferences)

विश्व व्यापार संगठन का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन

विश्व व्यापार संगठन (WTO) का 13वाँ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (MC-13) 26 फरवरी–2 मार्च, 2024 को संयुक्त अरब अमीरात (UAE) में आबू धाबी में सम्पन्न हुआ. ई-कॉमर्स, मत्स्यिकी सब्सिडी, खाद्य सुरक्षा, सेवाओं के व्यापार एवं विनिवेश आदि मुद्दों पर गतिरोधों पर चर्चा इस सम्मेलन के विभिन्न सत्रों में की गई. बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली के कामकाज की समीक्षा सदस्य देशों के व्यापार मंत्रियों के इस सम्मेलन में की गई.

ऑपरेशन/अभियान (Operation/Expedition)

ऑपरेशन इन्द्रावती

हैती (Haiti) में लम्बे समय से चल रहे राजनीतिक एवं मानवीय संकट से रिकॉर्ड भूख एवं कुपोषण की स्थिति बनी हुई है जिससे शक्तिशाली हथियार बंद गिरोहों ने लूटपाट की स्थिति वहाँ बनाई हुई है. हथियार बंद गिरोहों व सेना पुलिस के बीच खुलेआम चल रही गोलियों के बीच आम आदमी फँसे हुए हैं तथा खाने के संकट की स्थिति है. अमरीका सहित कई देशों ने अपने दूतावास वहाँ खाली करना शुरू कर दिया है. हैती में भारत का दूतावास नहीं है. ***वहाँ फँसे भारतीयों को निकालने के लिए ऑपरेशन इन्द्रावती सरकार द्वारा मार्च 2024 में शुरू किया गया है.*** *इस ऑपरेशन के तहत् हैती में फँसे भारतीयों को पड़ोसी देश डोमिनिकन रिपब्लिक (Dominican Republic) ले जाया रहा है.*

महोत्सव (Festivals)

ताज महोत्सव (2024)

शिल्प, कला एवं संस्कृति के आगरा के प्रसिद्ध ताज महोत्सव का आयोजन आगरा में ताजमहल के निकट शिल्पग्राम में 17–27 फरवरी, 2024 को हुआ. देश के

विभिन्न भागों के शिल्पियों एवं कलाकारों ने अपनी कलाओं का प्रदर्शन इस महोत्सव में किया.

विविध
(Miscellaneous)

तीनों सेनाओं का संयुक्त अभ्यास भारत शक्ति

भारतीय सेना के तीनों अंगों का संयुक्त अभ्यास **भारत शक्ति** राजस्थान के पोखरन में 12 मार्च, 2024 को सम्पन्न किया गया. सेना के तीनों अंगों ने स्वदेशी रक्षा उपकरणों की क्षमता का भी प्रदर्शन इस युद्धक अभ्यास में किया. इस युद्धाभ्यास के दौरान एक तेजस लड़ाकू विमान प्रदर्शन करते हुए दुर्घटना का शिकार भी हुआ.

भारत शक्ति युद्धाभ्यास का अवलोकन प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने भी 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधियों के साथ किया.

समुद्र लक्ष्मण 2024 : भारत व मलेशिया के बीच नौसैनिक युद्धाभ्यास

भारत व मलेशिया के बीच द्विपक्षीय नौसैनिक युद्धाभ्यास समुद्र लक्ष्मण का तीसरा संस्करण विशाखापट्टनम के तट पर 28 फरवरी–2 मार्च, 2024 को सम्पन्न हुआ. भारतीय नौसेना का आईएनएस किल्टन तथा मलेशिया की ओर से रॉयल मलेशियाई पोत के.डी. लकीर इस संयुक्त अभ्यास में शामिल था. समुद्री मामलों में भारत व मलेशियाई नौसैना के बीच सम्बन्धों को सशक्त बनाने तथा पारस्परिक सहयोग में वृद्धि के उद्देश्य से दोनों देशों के बीच इस संयुक्त अभ्यास की शुरूआत की गई थी.

चन्द्रयान-3 के लैंडिंग स्थल के लिए शिवशक्ति स्थल नाम को अन्तर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ की मंजूरी

भारत के चन्द्रयान-3 के विक्रम लैंडर ने 23 अगस्त, 2023 को चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर जिस स्थल पर सॉफ्ट लैंडिंग की थी, उस स्थल को शिवशक्ति स्थल प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने 3 दिन बाद नाम दिया था. इसके साथ ही 23 अगस्त को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में उन्होंने घोषित किया था.

*लैंडिंग स्थल को **शिवशक्ति** पॉइंट के रूप में मान्यता अन्तर्राष्ट्रीय खगोलीय संघ (International Astronaumical Union—IAU) ने 19 मार्च, 2024 को प्रदान कर दी है.*

सी डिफेंडर्स 2024 : भारत व अमरीका के तटरक्षक बलों का संयुक्त अभ्यास

भारत व अमरीका के तटरक्षक बलों का संयुक्त अभ्यास **सी डिफेंडर्स** (Sea Defenders) 2024 अंडमान निकोबार द्वीप समूह में पोर्ट ब्लेयर के निकट 9-10 मार्च, 2024 को सम्पन्न हुआ. दो दिन के इस संयुक्त अभ्यास के लिए यूनाइटेड स्टेट्स कोस्ट गार्ड (USCG) का बर्थोल्फ (Burtholf) शामिल रहा. समुद्री डकैती, नशीली दवाओं के निषेध, समुद्री बचाव अभियान व समुद्री खोज आदि पर केन्द्रित अभ्यास दो दिन के इस संयुक्त अभ्यास में शामिल थे.

भारत-सेशेल्स संयुक्त सैन्य अभ्यास : लामितिये 2024

भारत व सेशेल्स के द्विवार्षिक संयुक्त सैन्य प्रशिक्षण अभ्यास का 10वाँ संस्करण लामितिये (Lamitiye) 2024 सेशेल्स स्थित सेशेल्स रक्षा अकादमी में 18–27 मार्च, 2024 को सम्पन्न हुआ. क्रियोल भाषा में लामितिये का अर्थ है—मित्रता. दोनों देशों के बीच यह द्विवार्षिक अभ्यास सेशेल्स में ही आयोजित होता रहा है. इसका पिछला 9वाँ संस्करण मार्च 2022 में सेशेल्स में ही सम्पन्न हुआ था.

रक्षा मंत्रालय की एक विज्ञप्ति के अनुसार यह संयुक्त अभ्यास भारतीय सेना व सेशेल्स रक्षा बलों (SDF) के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाने तथा दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय सम्बन्धों को आगे बढ़ाने में सहायक होगा.

●●●

शेष पृष्ठ 15 का

(Reusable Launch Vehicle Technology) के क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि 22 मार्च, 2024 को उस समय प्राप्त की जब कर्नाटक के चित्रदुर्ग स्थित वैमानिकी परीक्षण रेंज (Aeronautical Test Range–ATR) से किया गया **आरएलवी-एलईएक्स-02** परीक्षण पूर्णतः सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ. यह इस शृंखला का दूसरा परीक्षण था. ऐसा **पहला आरएलवी एलईएक्स-01** परीक्षण पिछले वर्ष किया गया था.

22 मार्च, 2024 के **आरएलवी-एलईएक्स-02** परीक्षण के तहत् वायुसेना का एक चिनूक (Chinook) हेलीकॉप्टर पंखों वाले **पुष्पक** नाम के एक यान को लेकर ऊपर गया तथा 4·5 किमी की ऊँचाई पर इसे छोड़ दिया. **रनवे से 4 किमी दूरी पर 4·5 किमी की ऊँचाई पर छोड़ा गया. मानव रहित पुष्पक स्वायत्त तरीके से कॉस-रेंज सुधार करते हुए रनवे पर पहुँचा तथा सटीक तरीके से रनवे पर उतर गया.** पिछले वर्ष किए गए आरएलवी-एलईएक्स-01 परीक्षण वाहन की बॉडी, विंग्स पूरे फ्लाइट सिस्टम का पुनः इस्तेमाल पुष्पक परीक्षण में किया गया है.

इस तरह की पुनः प्रयोज्य क्षमता अभी तक अमरीका, रूस व चीन के पास ही उपलब्ध थी तथा भारत यह क्षमता हासिल करने वाला चौथा देश हो गया है.

आमतौर पर उपग्रह/स्पेसक्राफ्ट के तहत् उपग्रह/स्पेसक्राफ्ट को एक रॉकेट के जरिए अंतरिक्ष से पहुँचाया जाता है. वांछनीय ऊँचाई तक पहुँचने के पश्चात् उपग्रह/स्पेसक्राफ्ट रॉकेट में अलग होकर अपने मिशन की ओर बढ़ते हैं तथा उन्हें लेकर गए रॉकेट पृथ्वी पर वापस आकर समुद्र में गिरकर नष्ट हो जाते हैं तथा इनका पुनः इस्तेमाल नहीं होता. इसरो द्वारा अपने ताजा परीक्षण के तहत् 'रियूजेबल लॉन्च' व्हीकल का परीक्षण किया गया है. इस तकनीक के उपयोग से अंतरिक्ष में उपग्रह प्रक्षेपण व अन्य अंतरिक्ष अभियान की लागत कम हो जाएगी.

इसरो ने 22 मार्च, 2024 के रियूज़ेबल लॉन्च व्हीकल (RLV) मिशन की कामयाबी में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केन्द्र (VSSC), तरल प्रणोदन प्रणाली केन्द्र (Liquid Propulsion System Centre—LPSC) व इसरो की जड़त्व प्रणाली इकाई (ISRO Inertia Systems Unit—IISU) की विशेष भूमिका रही. इनके अतिरिक्त भारतीय वायुसेना, एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट इस्टेब्लिशमेंट तथा एरियल डिलीवरी रिसर्च एण्ड डेवलपमेंट सेंटर का भी सहयोग इस मिशन में रहा.

18वीं लोक सभा के लिए मतदाताओं के आँकड़े

विश्व के इस सबसे बड़े लोकतंत्र में लोक सभा के नए चुनावों के लिए मतदाताओं की संख्या 96·88 करोड़ है, जिसमें 49·72 करोड़ पुरुष व 47·15 करोड़ महिला मतदाता शामिल हैं. ट्रांसजैंडर मतदाताओं की संख्या 48·44 हजार है. 1·82 करोड़ युवा मतदाता पहली बार ही अपने मताधिकार का प्रयोग इस चुनाव में कर सकेंगे.

लोक सभा के इस चुनाव में पहली बार 85 वर्ष से अधिक उम्र के बुजुर्ग मतदाताओं तथा 40 प्रतिशत से अधिक दिव्यांगता वाले मतदाताओं को घर से ही मतदान करने की सुविधा प्रदान की जाएगी (देश के कुछ हिस्सों में प्रयोगात्मक तौर पर विधान सभा चुनावों में यह व्यवस्था पहले भी सफल रही है.) देश में 85 वर्ष से अधिक उम्र के मतदाताओं की संख्या 82 लाख है, जबकि 2·18 लाख मतदाता 100 वर्ष से अधिक उम्र के हैं.

●●●

एथलेटिक्स

पुरुषों की 10 हजार मीटर दौड़ में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

एशियाई खेलों में कांस्य पदक विजेता एथलीट गुलवीर सिंह ने कैलीफॉर्निया में सैन जुआ में 17 मार्च, 2024 को एक एथलेटिक

गुलवीर सिंह : नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड

मीट में पुरुषों की 10,000 मीटर दौड़ 27 मिनट 41·81 सेकण्ड में पूरी करके इस स्पर्धा में नया राष्ट्रीय रिकॉर्ड स्थापित किया. 25 वर्षीय गुलवीर सिंह ने 16 वर्ष पूर्व सुरेन्द्र सिंह द्वारा 2008 में स्थापित 28 मिनट 2·89 सेकण्ड का रिकॉर्ड भंग किया.

राष्ट्रीय रिकॉर्ड के बावजूद गुलवीर पेरिस ओलम्पिक खेलों के लिए अर्हता प्राप्त नहीं कर सके.

विश्व इनडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप (2024) : पदक तालिका में अमरीका का शीर्ष स्थान

19वीं विश्व इनडोर एथलेटिक्स चैम्पियनशिप यूनाइटेड किंगडम में ग्लासगो में 1–3 मार्च, 2024 को सम्पन्न हुई. इसमें सर्वाधिक 6 स्वर्ण, 9 रजत व 5 कांस्य सहित कुल 20 पदक जीतकर अमरीका ने पदक तालिका में शीर्ष स्थान प्राप्त किया. 3 स्वर्ण व 1 कांस्य सहित 4 पदकों के साथ बेल्जियम ने दूसरा तथा 2 स्वर्ण व 2 रजत सहित 4 पदकों के साथ न्यूजीलैण्ड का तीसरा स्थान रहा.

भारत सहित कुल 128 देशों के एथलीट्स इस आयोजन में शामिल थे. भारत के केवल दो एथलीट ही इस आयोजन में शामिल थे. इनमें जेस्विन एल्ड्रिन लम्बी कूद में 13वें स्थान पर रहे, जबकि प्रवीण चित्राबेल का तिहरी कूद में 11वाँ स्थान रहा.

बैडमिन्टन

सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी का फ्रेंच ओपन बैडमिंटन में दूसरी बार युगल खिताब

विश्व में बैडमिंटन में पुरुषों की नम्बर एक जोड़ी सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की जोड़ी ने पेरिस में 5–10 मार्च, 2024 को सम्पन्न लेवल 750 के फ्रांसीसी ओपन बैडमिंटन का पुरुषों का युगल खिताब दूसरी बार अपने नाम किया. इससे पूर्व 2022 में भी इस भारतीय जोड़ी ने यह खिताब जीतने में सफलता प्राप्त की थी.

सात्विक साईराज रेंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन में अपने इस दूसरे खिताब के लिए फाइनल मुकाबले

ट्रॉफी के साथ सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी

में चीनी ताइपै के ली जेई हुई व यंग पो सुआन को 21–11, 21–17 से हराया.

इस टूर्नामेन्ट का पुरुषों का एकल खिताब चीन के शी यूकी (Shi Yuqi) ने तथा महिलाओं का एकल खिताब द. कोरिया की आन से-यंग (An Se-Young) ने जीता. महिलाओं का युगल व मिश्रित युगल भी चीनी खिलाड़ियों के नाम रहे.

ऑल इंगलैण्ड ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप (2024)

ऑल इंगलैण्ड ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट (2024) का 114वाँ संस्करण बर्मिंघम में 12–17 मार्च, 2024 को सम्पन्न हुआ. बीडब्ल्यूएफ के सुपर 1000 लेवल के इस टूर्नामेंट में पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः जोनाटन क्रिस्टी (Jonatan Christie) व कैरोलिना मारिन (Carolina Marin) ने जीते.

इंडोनेशिया के जोनाटन क्रिस्टी ने फाइनल मुकाबले में अपने ही देश के एंथनी सिनिसुका गिटिंग को हराकर पुरुषों का एकल खिताब जहाँ जीता वहीं महिलाओं के एकल खिताब के लिए जापान की अकाने यामागुची (Akane Yamaguchi) को फाइनल में स्पेन की कैरोलिना मारिन (Carolina Marin) ने हराया. पुरुषों का युगल खिताब फजर अल्फियान व मुहम्मद रियान की इंडोनेशिया की जोड़ी ने फाइनल में मलेशियाई खिलाड़ियों की जोड़ी को हराकर जहाँ जीता वहीं महिलाओं का युगल द. कोरिया की खिलाड़ियों की जोड़ी ने तथा मिश्रित युगल चीनी खिलाड़ियों की जोड़ी ने जीता.

सभी वैयक्तिक खिताबों के विजेताओं व उपविजेताओं के नाम तालिका में प्रदर्शित हैं–

ऑल इंगलैण्ड बैडमिंटन चैम्पियनशिप (2024) 12–17 मार्च, 2024 बर्मिंघम (इंगलैण्ड) विजेता एवं उपविजेता

पुरुष एकल	विजेता	जोनाटन क्रिस्टी (इंडोनेशिया)
	उपविजेता	एंथनी सिनिसुका गिटिंग (इंडोनेशिया)
महिला एकल	विजेता	कैरोलिना मारिन (स्पेन)
	उपविजेता	अकाने यामागुची (जापान)
पुरुष युगल	विजेता	फजर अल्फियान व मुहम्मद रियान (दोनों इंडोनेशिया)
	उपविजेता	आरोन चिया व सोह बूइ यिक (दोनों मलेशिया)
महिला युगल	विजेता	बाइक हान्ना व ली सोन्ही (दोनों द. कोरिया)
	उपविजेता	नामी मत्सूयामा व चिहारू शिदा (दोनों जापान)
मिश्रित युगल	विजेता	झेंग सिवेई व हुआंग याक्योंग (दोनों चीन)
	उपविजेता	युता वातानाबे व अरिसा हिगाशिनों (दोनों जापान)

बिलियर्ड्स

पंकज आडवाणी बिलियर्ड्स के हॉल ऑफ फेम में शामिल

भारत के अग्रणी क्यू खिलाड़ी पंकज आडवाणी के नाम एक और बड़ी उपलब्धि 19 मार्च, 2024 को उस समय दर्ज हो गई, जब चीन में शांगराओ सिटी (Shangrao City) में विश्व बिलियर्ड्स म्यूजियम में उन्हें बिलियर्ड्स हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया. नवम्बर 2023 में 26वाँ आईबीएमएफ (International Billiards and Snooker Federation) खिताब जीतने वाले पंकज आडवाणी को 2004 में अर्जुन पुरस्कार व 2006 में देश के सर्वोच्च खेल पुरस्कार मेजर ध्यान चंद खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित किया जा चुका है. इनके अतिरिक्त 2009 में पद्मश्री तथा 2018 में पद्म-भूषण से उन्हें सम्मानित किया गया था.

पंकज आडवाणी

क्रिकेट

इंगलैण्ड के विरुद्ध टेस्ट शृंखला भारत ने 4–1 से जीती

पाँच टेस्ट मैचों की शृंखला के लिए बेन स्टोक्स के नेतृत्व वाली इंगलैण्ड की क्रिकेट टीम ने भारत का दौरा जनवरी–मार्च 2024 में किया. इस शृंखला के हैदराबाद में खेले गए केवल पहले मैंच में ही पराजय का सामना भारतीय टीम ने किया. बाद में विशाखापट्टनम, राजकोट, रांची व धर्मशाला में खेले गए चारों टेस्ट जीत कर भारत ने यह शृंखला तथा **एंथोनी डि मेलो ट्रॉफी** 4–1 से जीतने में सफलता प्राप्त की.

शृंखला में दो दोहरे शतक सहित सर्वाधिक 26 छक्के लगाने वाले यशस्वी जयसवाल को प्लेयर ऑफ द सीरिज घोषित किया गया. इस शृंखला में भारतीय टीम का नेतृत्व रोहित शर्मा ने किया.

क्रिकेट के तीनों प्रारूपों में भारतीय टीम की शीर्ष रैंक

इंगलैण्ड के विरुद्ध टेस्ट शृंखला में विजय के पश्चात् आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में भारत की रैंक पहली हो गई थी. इसके साथ ही क्रिकेट के तीनों प्रारूपों–टेस्ट, ओडीआई व टी-20 आई में भारत की शीर्ष रैंक हो गई थी. (ओडीआई व टी-20 आई रैंकिंग में भारतीय टीम पहले ही शीर्ष पर थी)

टेस्ट दर्जा हासिल करने के सातवें वर्ष आयरलैण्ड की पहली टेस्ट विजय

आयरलैण्ड को अन्तर्राष्ट्रीय क्रिकेट परिषद् (ICC) की पूर्ण सदस्यता 22 जून, 2017 को अफगानिस्तान के साथ ही प्राप्त हुई थी. इसके साथ ही टेस्ट क्रिकेट खेलने की पात्रता इसे हासिल हो गई थी. टेस्ट दर्जा हासिल करने के सातवें वर्ष अपना पहला टेस्ट मैच अफगानिस्तान को ही आबू धाबी में 1 मार्च, 2024 को 6 विकेट से हराकर आयरलैण्ड ने जीता. यह आयरलैण्ड का आठवाँ टेस्ट मैच था.

उल्लेखनीय है कि आयरलैण्ड ने अपनी पहली टेस्ट विजय अपने आठवें टेस्ट मैच में प्राप्त की, जिम्बाब्वे ने अपनी पहली टेस्ट विजय अपने 11वें टेस्ट मैंच में, द. अफ्रीका ने 12वें टेस्ट में, भारत ने 25वें टेस्ट मैंच में तथा न्यूजीलैण्ड ने अपनी पहली टेस्ट विजय अपने 45वें टेस्ट मैंच में प्राप्त की थी. टेस्ट मैंच खेलने वाले विभिन्न देशों की इस सम्बन्ध में स्थिति निम्नलिखित है–

देश	पहला टेस्ट अपने किस टेस्ट मैच में जीता
आस्ट्रेलिया	पहले
इंगलैण्ड	दूसरे
पाकिस्तान	दूसरे
अफगानिस्तान	दूसरे
वेस्टइंडीज	छठे
आयरलैण्ड	आठवें
जिम्बाब्वे	11वें
द. अफ्रीका	12वें
श्रीलंका	14वें
भारत	25वें
बांग्लादेश	35वें
न्यूजीलैण्ड	45वें

उल्लेखनीय है कि भारत ने अपना पहला टेस्ट मैच 1932 में इंगलैण्ड के विरुद्ध लॉर्ड्स के मैदान पर खेला था तथा पहली टेस्ट विजय उसे 20 वर्ष बाद फरवरी 1952 में इंगलैण्ड के ही विरुद्ध प्राप्त हुई थी.

बांग्लादेश–श्रीलंका शृंखलाएं (2023-24)

मेजबान टीम के विरुद्ध 2 टेस्ट मैंचों तथा 3-3 ओडीआई व टी-20 मैंचों की शृंखलाएं खेलने के लिए श्रीलंका की क्रिकेट टीम ने बांग्लादेश का दौरा मार्च-अप्रैल 2024 में किया. इनमें पहले खेली गई टी-20 शृंखला जहाँ श्रीलंका ने 2–1 से जीती. वहीं ओडीआई शृंखला में बांग्लादेश 2–1 से विजयी रही.

दो टेस्ट मैंचों की शृंखला का 22–26 मार्च को सिलहट में खेला गया पहला मैच श्रीलंका ने 328 रन से जीता था जबकि दूसरा मैच यह पंक्तियाँ लिखे जाने तक अभी शेष था.

मुम्बई टीम 42वीं बार रणजी ट्रॉफी की विजेता

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) के घरेलू क्रिकेट के प्रथम श्रेणी क्रिकेट का (89वाँ) रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट (2023-24) 5 जनवरी–14 मार्च 2024 को विभिन्न शहरों में

रणजी ट्रॉफी के साथ मुम्बई टीम

खेला गया. 38 टीमें इस वर्ष प्रथम श्रेणी क्रिकेट के इस टूर्नामेंट में शामिल थीं. फाइनल में पहुँचने वाली दो टीमें मुम्बई एवं विदर्भ थी. मुम्बई के वानखेड़े स्टेडियम में 10–14 मार्च को खेले गए फाइनल में विदर्भ टीम को 169 रन से हराकर मुम्बई ने 42वीं बार यह ट्रॉफी जीतने में सफलता प्राप्त की. मुम्बई टीम ने मुशीर खान को फाइनल मैच में **प्लेयर ऑफ द मैच** घोषित किया गया, जबकि **प्लेयर ऑफ द सीरिज** का पुरस्कार मुम्बई के ही तनुष कोटियान को मिला.

- इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक 902 रन आन्ध्र प्रदेश टीम के रिकी भुई ने बनाए, जबकि सर्वाधिक 53 विकेट तमिलनाडु के आर.साई. किशोर ने लिए.
- इस टूर्नामेंट में मुम्बई टीम के कप्तान अजिंक्य रहाणे थे. मुम्बई टीम ने इससे पूर्व रणजी ट्रॉफी 8 वर्ष पूर्व 2016 में जीती थी.
- **रणजी ट्रॉफी विजेता टीम के लिए पुरस्कार राशि को बीसीसीआई ने बढ़ाकर ₹ 5 करोड़ इस वर्ष से किया है. विजेता मुम्बई टीम को ₹ 5 करोड़ का अतिरिक्त पुरस्कार मुम्बई क्रिकेट संघ (MCA) द्वारा प्रदान किया गया. इस प्रकार ₹ 10 करोड़ की राशि पुरस्कार में मुम्बई टीम को प्राप्त हुई.**

शतरंज

नितिन नारंग अखिल भारतीय शतरंज महासंघ के नए अध्यक्ष

हरियाणा शतरंज संघ के उपाध्यक्ष नितिन नारंग को अखिल भारतीय शतरंज महासंघ (AICF) का अध्यक्ष मार्च 2024 में चुना गया है. वह एआईसीएफ के अब तक के सबसे युवा अध्यक्ष हैं. इस पद पर उनका यह निर्विरोध ही 10 मार्च को नई दिल्ली में हुआ. इस पद पर उन्होंने कानपुर के संजय कपूर का स्थान लिया है.

रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर महिलाओं के दूसरे प्रीमियर लीग की विजेता

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) महिलाओं के दूसरे प्रीमियर लीग (Women's Premier League—WPL) टूर्नामेण्ट का आयोजन 23 फरवरी–17 मार्च, 2024 में हुआ. इसका खिताब दिल्ली कैपिटल्स को फाइनल में 8 विकेट से हराकर स्मृति मंधाना के नेतृत्व वाली रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (RCB) ने जीता. पुरुषों के आईपीएल की तर्ज पर खेले गए महिला क्रिकेटरों के इस लीग में टीमों की संख्या पिछली बार की तरह इस बार भी पाँच ही थी. पाँचों टीमों व उनके कप्तानों के नाम निम्नलिखित हैं—

ट्रॉफी के साथ रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर टीम

टीम	कप्तान फ्रेंचाइजी
रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर	स्मृति मंधाना (भारत)
यूपी वारियर्स	एलीसा हीली (आस्ट्रेलिया)
मुम्बई इंडियंस	हरमनप्रीत कौर (भारत)
गुजरात जायंट्स	बेथ मूनी (आस्ट्रेलिया)
दिल्ली कैपिटल्स	मेग लैनिंग (आस्ट्रेलिया)

इन टीमों के बीच कुल 22 मैच 23 फरवरी–17 मार्च, 2024 को एम. चेन्नास्वामी स्टेडियम बेंगलूरू व अरुण जेटली स्टेडियम नई दिल्ली पर खेले गए. प्ले ऑफ दौर के पश्चात् फाइनल में पहुँची दो टीमें—रॉयल चैलेंजर्स व दिल्ली कैपिटल्स थी. 17 मार्च को अरुण जेटली स्टेडियम पर खेले गए फाइनल में दिल्ली कैपिटल्स को 8 विकेट से हराकर रॉयल चैलेंजर्स ने दूसरे डब्ल्यूपीएल टूर्नामेंट का खिताब अपने नाम किया. इस खिताबी विजय के लिए ट्रॉफी के साथ ₹ 6 करोड़ पुरस्कार में इसे मिले. उपविजेता दिल्ली कैपिटल्स को ₹ 3 करोड़ प्राप्त हुए.

- *आरसीबी की आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी सोफी मोलीनेक्स (Sophie Molineux) को फाइनल मैच में प्लेयर ऑफ द मैच घोषित किया गया.*
- *प्लेयर ऑफ द सीरिज का पुरस्कार यूपी वारियर्स की दीप्ति शर्मा को मिला.*
- *टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन (347) बनाने के लिए ऑरेंज कैप आरसीबी की एलिस पैरी को मिली.*
- *सर्वाधिक (13) विकेट लेने के लिए पर्पल कैप आरसीबी की श्रेयंका पाटिल को मिली.*

ऑरेंज कैप (सर्वाधिक रन)

बल्लेबाज	रन
ऐलिस पैरी (आरसीबी)	347
मेग लैनिंग (दिल्ली कैपिटल्स)	331
शेफाली वर्मा (दिल्ली कैपिटल्स)	309

पर्पल कैप (सर्वाधिक विकेट)

गेंदबाज	विकेट
श्रेयंका पाटिल (आरसीबी)	13
आशा शोभना (आरसीबी)	12
सोफी मोलीनेक्स (आरसीबी)	12

डब्ल्यूपीएल के दूसरे संस्करण (2024) के प्रमुख रिकॉर्ड व पुरस्कार राशियाँ

- ***विजेता***—*रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर (ट्रॉफी के साथ ₹ 6 करोड़).*
- ***उपविजेता***—*दिल्ली कैपिटल्स (₹ 3 करोड़).*
- ***टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी*** *(Player of the Series)*—*दीप्ति शर्मा (यूपी वारियर्स) (₹ 5 लाख).*
- ***पर्पल कैप (सर्वाधिक विकेट)***—*श्रेयंका पाटिल (आरसीबी) 13 विकेट (₹ 5 लाख).*
- ***ऑरेंज कैप (सर्वाधिक रन)***—*एलिस पैरी (आरसीबी) 347 रन (₹ 5 लाख).*
- ***फेयर प्ले अवार्ड***—*आरसीबी.*
- ***कैच ऑफ द सीजन***—*एस. सजाना (मुम्बई इंडियंस) (₹ 5 लाख).*
- ***सफारी पॉवरफुल स्ट्राइकर ऑफ सीजन***—*जोर्जिया वारेहम (आरसीबी) (₹ 5 लाख).*
- ***एमर्जिंग प्लेयर ऑफ द सीजन***—*श्रेयंका पाटिल (आरसीबी) (₹ 5 लाख).*
- ***किसी टीम की सर्वोच्च पारी***—*199/5 गुजरात जायंट्स की आरसीबी के विरुद्ध पारी (₹ 5 लाख).*
- ***न्यूनतम पारी***—*113 रन ऑल आउट मुम्बई इंडियंस की आरसीबी के विरुद्ध पारी.*
- ***व्यक्तिगत सर्वोच्च पारी***—*हरमनप्रीत कौर (मुम्बई इंडियंस) 95 रन.*
- ***शतकीय पारियाँ***—*शून्य.*
- ***सीरीज में सर्वाधिक छक्के***—*20 छक्के शेफाली वर्मा (दिल्ली कैपिटल्स) द्वारा.*
- ***टूर्नामेंट में हैट्रिक्स***—*एक, दीप्ति शर्मा (यूपी वारियर्स विरुद्ध दिल्ली कैपिटल्स).*

फुटबाल

पुरुषों की सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप : संतोष ट्रॉफी (2023-24)

ऑल इंडिया फुटबाल फेडरेशन (AIFF) के तत्वाधान में पुरुषों की सीनियर राष्ट्रीय फुटबाल चैम्पियनशिप की (77वीं) संतोष ट्रॉफी के लिए 38 टीमों के बीच मैच 8 अक्टूबर, 2023–9 मार्च, 2024 के दौरान 8 विभिन्न शहरों में खेले गए (फाइनल राउंड के सभी मैच अरुणाचल प्रदेश में यूपिया में खेले गए) फाइनल में पहुँचने वाली दो टीमें सर्विसेज व गोवा की थी. 9 मार्च, 2024 को अरुणाचल प्रदेश में यूपिया (Yupia) में गोल्डन जुबली स्टेडियम में खेले गए फाइनल में गोवा टीम को हराकर सेना (Services) की टीम ने यह खिताब जीतने में सफलता प्राप्त की. सेना ने सातवीं बार राष्ट्रीय चैम्पियनशिप की यह ट्रॉफी अपने नाम की है.

टूर्नामेंट में सर्वाधिक (11) गोल करने के लिए मणिपुर के फीजम सनथोई मीतेई को पुरस्कार दिया गया, जबकि सर्वश्रेष्ठ गोलकीपर का पुरस्कार सेना के सयद बिन अब्दुल कादिर को मिला. फेयरप्ले अवार्ड झारखण्ड को मिला.

टेबल टेनिस

इंडियन वेल्स ओपन (बीएनपी परिबास ओपन) 2024

पुरुष व महिला दोनों ही खिलाड़ियों के लिए इंडियन वैल्स टूर्नामेंट (बीएनपी परिबास टूर्नामेंट) कैलीफोर्निया में इंडिया वेल्स में 6–17 मार्च, 2024 को सम्पन्न हुआ. पुरुषों के लिए जहाँ यह 50वाँ संस्करण था, महिलाओं के लिए यह 35वाँ संस्करण था. दोनों ही वर्गों में लेवल 1000 का दर्जा इसे प्राप्त था. इसमें पुरुष व महिला वर्ग के एकल खिताब क्रमशः कार्लोस अल्कराज (Carlos Alcaraz) व इगा स्वियाटेक (Iga Swiatek) ने जीते.

स्पेन के कार्लोस अल्कराज ने फाइनल मुकाबले में रूस के डेनिल मेदवेदेव को हराकर पुरुषों का एकल खिताब जहाँ जीता वहीं महिलाओं के एकल खिताब पोलैण्ड की इगा स्वियाटेक ने ग्रीस की मारिया सक्कारी को फाइनल में पराजित किया.

पुरुषों के युगल, महिलाओं के युगल तथा मिश्रित युगल खिताबों के विजेताओं

व उपविजेताओं के नाम तालिका में दर्शाए गए हैं–

इंडियन वेल्स ओपन (बीएनपी परिबास ओपन) 2024, 6–17 मार्च, 2024 इंडियन वेल्स (कैलीफोर्निया) विजेता एवं उपविजेता

पुरुष एकल	विजेता	कार्लोस अल्कराज (स्पेन)
	उपविजेता	डेनिल मेदवेदेव (रूस)
महिला एकल	विजेता	इगा स्वियाटेक (पोलैण्ड)
	उपविजेता	मारिया सक्कारी (ग्रीस)
पुरुष युगल	विजेता	वेस्लेकुलहॉफ (नीदरलैण्ड) व निकोला मैक्टिक (क्रोएशिया)
	उपविजेता	मार्सेल ग्रेनोलर्स (स्पेन) व होरासियो जेबालॉस (अर्जेन्टीना)
महिला युगल	विजेता	हसीह सुवेई (चीनी ताइपे) व एलिस मर्टेन्स (बेल्जियम)
	उपविजेता	स्टॉर्म हंटर (आस्ट्रेलिया) व कैलेरिना सिनियाकोवा (चैक गणराज्य)
मिश्रित युगल	विजेता	स्टॉर्म हंटर व मैथ्यू एब्देन (दोनों आस्ट्रेलिया)
	उपविजेता	कैरोलिन–गार्सिया व एडुवर्दे रोजर वैसेलिन (दोनों फ्रांस)

पेरिस ओलम्पिक के साथ तिथियों के टकराव के कारण इस वर्ष होपमैन कप रद्द

पेरिस ओलंपिक के साथ तिथियों के टकराव के कारण इस वर्ष जुलाई माह में फ्रांस में होने वाले होपमैन कप टेनिस टूर्नामेंट को रद्द कर दिया गया है. इस मिश्रित टीम टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन जुलाई के अन्त में फ्रांस में नीस (Nice) शहर में किया जाना था. इस वर्ष के होपमैन कप के आयोजन रद्द करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय टेनिस महासंघ (ITF) ने कहा कि पेरिस ओलंपिक में टेनिस की प्रतियोगिताएं 27 जुलाई से 4 अगस्त तक चलेंगी और ऐसे में होपमैन कप का आयोजन संभव नहीं था.

टेनिस

मेक्सिको ओपन टेनिस (2024)

एटीपी के पुरुषों के मेक्सिको ओपन टेनिस (2024) का 31वाँ संस्करण **अकापुल्को** (मेक्सिको) में 26 फरवरी–2 मार्च, 2024 को सम्पन्न हुआ. इसका एकल खिताब आस्ट्रेलिया के एलेक्स डि मिनॉर ने फाइनल मुकाबले में नॉर्वे के कैस्पर रूड को हराकर लगातार दूसरे वर्ष अपने नाम किया. वर्ष 2012 के बाद यह पहला अवसर है जब किसी खिलाड़ी ने लगातार दूसरे वर्ष यह खिताब जीतने में सफलता प्राप्त की.

हॉकी

महिलाओं की सीनियर राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (2024)

हॉकी इंडिया के तत्वावधान में महिलाओं की सीनियर राष्ट्रीय हॉकी चैम्पियनशिप का आयोजन पुणे में 13–23 मार्च, 2024 को हुआ. टूर्नामेंट में फाइनल में स्थान बनाने वाली दो टीमें हरियाणा व महाराष्ट्र थी. निर्धारित समय तक 1-1 से बराबर रहने के पश्चात् शूट आउट दौर में महाराष्ट्र को 3–0 से हराकर हरियाणा ने इसका खिताब जीता.

यह हरियाणा का तीसरा राष्ट्रीय खिताब है. इससे पूर्व 2013 व 2020 में हरियाणा की महिला टीम राष्ट्रीय चैम्पियन रही थी.

फॉर्मूला-1 रेस

मार्च 2024 में तीन फॉर्मूला-1 रेसों (बहरीन ग्रा. प्रि., सऊदी अरब ग्रा. प्रि. व आस्ट्रेलियन ग्रांड प्रिक्स) का आयोजन

वर्ष 2024 की पहली तीन फॉर्मूला-1 रेसों का आयोजन मार्च माह में हुआ. इनमें बहरीन ग्रांड प्रिक्स, सऊदी अरेबियन तथा आस्ट्रेलियाई ग्रांड प्रिक्स शामिल थी. 2 व 9 मार्च, 2024 को बहरीन व जेद्दाह में आयोजित क्रमशः बहरीन ग्रांड प्रिक्स तथा सऊदी अरेबियन ग्रांड प्रिक्स में रेडबुल टीम के एम. वर्स्टापेन (M. Verstappen) विजेता रहे तथा इन दोनों रेसों में रेडबुल के ही एस. पेरेज का दूसरा स्थान रहा.

24 मार्च को मेलबर्न में आस्ट्रेलियन ग्रांड प्रिक्स में फरारी टीम के सी. सेंज जूनियर (C. Sainz Jr.) व सी. लेकलेर्क क्रमशः विजेता व उपविजेता रहे.

विविध

देवेन्द्र झाझरिया भारतीय पैरालम्पिक समिति के नए अध्यक्ष

पैरालम्पिक खेलों में दो बार स्वर्ण पदक जीतने वाले पैराएथलीट देवेन्द्र झाझरिया भारतीय पैरालम्पिक समिति (PCI) के नए अध्यक्ष मार्च 2024 में चुने गए हैं. 2004 में एथेंस तथा 2016 में रियो-डि जेनरो पैरालम्पिक खेलों में जेवेलिन थ्रो (एफ-46 दिव्यांग श्रेणी) में स्वर्ण पदक जीतने वाले पैराएथलीट देवेन्द्र झाझरिया को इस पद हेतु चुनाव नई दिल्ली में निर्विरोध ही हुआ. 2021 में टोकियो पैरालम्पिक में भी झाझरिया ने रजत पदक जीतने में सफलता प्राप्त की थी. पद्म भूषण से सम्मानित झाझरिया ने इस पद पर एक अन्य पैरा एथलीट दीपा मलिक का स्थान लिया है.

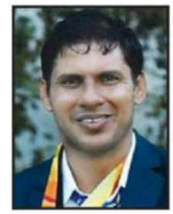

देवेन्द्र झाझरिया

मुक्केबाज एम.सी. मैरीकॉम पेरिस ओलम्पिक में भारतीय दल की प्रमुख; शरत कमल ध्वज वाहक

33वें ग्रीष्मकालीन ओलम्पिक खेलों का आयोजन पेरिस में 26 जुलाई–11 अगस्त, 2024 के दौरान होना है. इन खेलों में भारत के खिलाड़ियों के दल की प्रमुख (Chef de mission) प्रसिद्ध मुक्केबाज एम.सी. मैरीकॉम होंगी, जबकि उप प्रमुख (Deputy Chef de mission) शीतकालीन ओलम्पिक एथलीट शिवा केशवन को बनाया गया है. इन नियुक्तियों की घोषणा भारतीय ओलम्पिक संघ (IOA) द्वारा 21 मार्च, 2024 को की गई. इसके साथ ही टेबल टेनिस में राष्ट्रमण्डल चैम्पियन व खेल रत्न पुरस्कार से सम्मानित शरत कमल उद्घाटन समारोह में भारतीय दल के ध्वज वाहक होंगे.

एम.सी. मैरीकॉम : पेरिस ओलम्पिक में भारतीय दल की प्रमुख

रोजगार समाचार

मध्य प्रदेश राज्य पात्रता परीक्षा-2024 (Madhya Pradesh State Eligibility Test-2024)

मध्य प्रदेश में विश्वविद्यालय एवं महाविद्यालयों में हिन्दी, अंग्रेजी, कॉमर्स, इकोनॉमिक, हिस्ट्री, होम साइंस, रसायन विज्ञान, भौतिक विज्ञान, गणितीय विज्ञान आदि सहित 20 विभिन्न विषयों के सहायक प्रोफेसर के पदों पर नियुक्ति की पात्रता के लिए **मध्य प्रदेश स्टेट एलिजिबिलिटी टेस्ट** का आयोजन मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा किया जाएगा. परीक्षा में शामिल होने के इच्छुक अभ्यर्थियों के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 20 अप्रैल, 2024 है. केवल वही अभ्यर्थी आवेदन के पात्र हैं, जो विभागीय प्रवेश नियम में दी गई शर्तें पूरी करते हों.

सेट (SET) की परीक्षा में दो प्रश्न-पत्र ऑफलाइन पद्धति से होंगे. सभी प्रश्न-पत्रों में केवल बहुविकल्पीय वस्तुनिष्ठ प्रश्न होंगे.

प्रश्न-पत्र	अंक	प्रश्नों की संख्या	समयावधि
I	100	50	3 घण्टे (बिना किसी मध्यावकाश)
II	200	100	

100 अंकों के प्रश्न-पत्र-I में शिक्षण एवं शोध अभिवृत्ति के 50 प्रश्न होंगे, प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित होंगे.

200 अंकों के प्रश्न-पत्र-II में अभ्यर्थी द्वारा चयन किए गए विषय के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम पर आधारित 100 प्रश्न पूछे जाएंगे, जिसमें प्रत्येक प्रश्न के लिए 2 अंक हैं.

इस परीक्षा के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी व आवेदन हेतु विभागीय नियम मध्य प्रदेश लोक सेवा आयोग की वेबसाइट www.mponline.gov.in अथवा mppsc.mp.gov.in देखें.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित यूजीसी–नेट/जे.आर.एफ./सेट की पुस्तकों का अध्ययन लाभकारी होगा.

उत्तराखण्ड में वन विकास विभाग में स्केलर के 200 रिक्त पद

उत्तराखण्ड में वन विकास विभाग में समूह 'ग' के अन्तर्गत स्केलर के कुल 200 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. (रिक्तियों की संख्या घटाई-बढ़ाई जा सकती है). ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 8 अप्रैल, 2024 है.

शैक्षणिक योग्यता–इंटरमीडिएट या समकक्ष परीक्षा (विज्ञान एवं गणित विषयों के साथ).

आयु सीमा–(1 जुलाई, 2024 को)–18–28 वर्ष. विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है.

इन भर्तियों के लिए आयोजित की जाने वाली 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ किस्म के प्रश्नों वाली ऑफलाइन प्रतियोगिता परीक्षा में सामान्य विज्ञान व गणित के 50-50 प्रश्न शामिल होंगे. इन भर्तियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की वेबसाइट www.sssc.uk.gov.in देखें.

आवेदन के इच्छुक अभ्यर्थी इस वेबसाइट पर ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित उत्तराखण्ड समूह 'ग' सीधी भर्ती परीक्षा का अध्ययन लाभकारी होगा.

Suggested Books Code–2039, 2652

उत्तराखण्ड में गढ़वाल एवं कुमायूँ मण्डल में सहायक अध्यापक (एल. टी.) के रिक्त पद

उत्तराखण्ड में माध्यमिक शिक्षा विभाग के अन्तर्गत गढ़वाल एवं कुमायूँ मण्डलों में सहायक अध्यापक (एल. टी.) के क्रमशः 786 व 758 रिक्त पदों अर्थात् कुल 1544 रिक्त पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक एवं पात्र उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आमंत्रित किए गए हैं. (रिक्तियों की संख्या घटाई-बढ़ाई जा सकती है). ऑनलाइन आवेदन की अन्तिम तिथि 12 अप्रैल, 2024 है. अभ्यर्थी का राज्य में स्थित किसी सेवायोजन कार्यालय में पंजीकरण होना/राज्य का मूल निवासी होना आवश्यक है.

शैक्षणिक योग्यता–सम्बन्धित विषयों के साथ स्नातक तथा एलटी डिप्लोमा/बीएड की उपाधि अथवा चार वर्षीय इंटीग्रेटेड कोर्स B.A.Ed/B. Sc. Ed (स्नातक स्तर पर वांछित विषयों की जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें).

आयु सीमा–(1 जुलाई, 2024 को)–21–42 वर्ष विभिन्न मामलों में आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है.

इन भर्तियों के लिए आयोजित की जाने वाली 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ किस्म के प्रश्नों वाली प्रतियोगिता परीक्षा के भाग एक में शैक्षिक अभिवृत्ति, तर्कशक्ति परीक्षण एवं सामान्य ज्ञान के 50 अंकों के तथा भाग दो में सम्बन्धित विषयों के 50 अंकों के प्रश्न होंगे. इन भर्तियों के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी हेतु उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा चयन आयोग की वेबसाइट www.sssc.uk.gov.in देखें

आवेदन के इच्छुक अभ्यर्थी इस वेबसाइट पर ही ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित उत्तराखण्ड समूह ग सीधी भर्ती परीक्षा का अध्ययन लाभकारी होगा.

Suggested Books Code—2653, 2707, 2706, 2705, 2704, 2703

द ओरिएंटल इंश्योरेंस कम्पनी में प्रशासनिक अधिकारियों की भर्ती

सार्वजनिक क्षेत्र की द ओरिएंटल इंश्योरेंस कम्पनी में प्रशासनिक अधिकारियों (स्केल-I) के कुल मिलाकर 100 रिक्त पदों पर भर्ती के लिए इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थियों से 12 अप्रैल, 2024 तक ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं. उपलब्ध रिक्तियों में एकाउंट्स (20), एक्चुएरियल (05), इंजीनियरिंग (15), इंजीनियरिंग (आईटी) (20), मेडिकल ऑफीसर (20) व लीगल (20) रिक्तियाँ शामिल हैं. इन पदों के लिए न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता सम्बन्धित ग्रुप की व्यावसायिक आवश्यकता के अनुरूप है. इनकी जानकारी हेतु विस्तृत विज्ञापन देखें. उपलब्ध रिक्तियों में से कुछ रिक्तियाँ विभिन्न वर्गों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित हैं.

आयु सीमा–(31 दिसम्बर, 2023 आधार सीमा)–21–30 वर्ष. विभिन्न मामलों के लिए आयु सीमा में नियमानुसार छूट उपलब्ध है.

शेष पृष्ठ 82 पर

भारत का 'एस्ट्रोसैट' अंतरिक्ष यान ने 600 गामा-किरण विस्फोटों को खोजा—दुर्लभ उपलब्धि

वर्ष 2015 में प्रक्षेपित इसरो का 'एस्ट्रोसैट' अंतरिक्ष यान की कार्य-अवधि 5 वर्ष के लिए

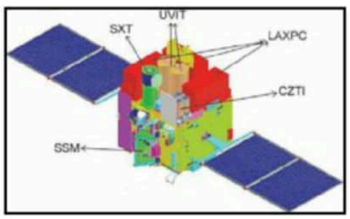

एस्ट्रोसैट

निर्धारित थी, लेकिन यह अन्वेषण कार्य में वैज्ञानिकों के लिए अब भी अच्छी स्थिति (क्रियाशील) में है. यह उपग्रह भारत की पहली बहु-तरंगदैर्घ्य अंतरिक्ष वेधशाला है, जो पराबैंगनी लेकर एक्स-रे तक के विभिन्न तरंग-दैर्घ्य में सम्पूर्ण अंतरिक्ष का एक साथ अवलोकन करने के लिए उपकरणों से लैस है. इससे इन उच्च-ऊर्जा से जुड़ी चरम स्थितियों का पता लगाने के लिए खगोलविदों को महत्वपूर्ण डेटा मिल सकता है. दक्ष दूरबीन इतनी संवेदनशील है कि सीजेडटीआई ने जो काम 8 वर्ष में किया है, वह 1 वर्ष में ही इतना काम कर लेगी.

डेटा को देखना आश्चर्यजनक है और अरबों वर्ष पहले हुए इन विस्फोटों को सबसे पहले देखने का अवसर मिला है. इन जीआरबी का पता लगाने और एस्ट्रोसैट पर मौजूद विभिन्न उपकरणों से मिले विज्ञान सम्बन्धी परिणाम 400 से अधिक शोध लेखों में प्रकाशित किए गए हैं.

एस्ट्रोसैट अंतरिक्ष दूरबीन ने 600 से अधिक गामा किरण विस्फोटों (जीआरबी) का पता लगाकर एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है. इनमें से प्रत्येक विस्फोट किसी विशाल तारे की मृत्यु या न्यूट्रॉन तारों के विलय का प्रतीक है.

सीजेडटीआई के प्रमुख अन्वेषक दीपांकर भट्टाचार्य ने कहा कि 600वें जीआरबी का पता लगाना प्रक्षेपण के 8 वर्ष बाद और निर्धारित जीवनकाल के बाद भी 'कैडमियम जिंक टेलुराइड इमेजर' (सीजेडटीआई) के निरन्तर जारी असीमित प्रदर्शन का एक बड़ा उदाहरण है.

लघु महाविस्फोट (मिनी बिग-बैंग) कहे जाने वाले जीआरबी ब्रह्मांड में सबसे ऊर्जावान विस्फोट है, जो सूर्य द्वारा अपने पूरे जीवनकाल में उत्सर्जित की जाने वाली ऊर्जा से अधिक ऊर्जा मात्र कुछ सेकण्ड में उत्सर्जित करते हैं. जीआरबी एक सेकण्ड के एक अंश से लेकर कई मिनट तक रहता है.

गुरुत्वाकर्षण तरंगें ब्रह्माण्ड के रहस्य से पर्दा उठाएगी—भारत में वेधशाला 2030 तक

लिगो (LIGO–Laser Interferometer Gravitational Wave Observatory), भौतिकी का एक विशाल प्रयोग है, जिसका उद्देश्य गुरुत्वाकर्षण तरंगों का पता लगाना है. भारत में यह वेधशाला महाराष्ट्र के हिंगोली में बन रही है. इसके लिए भारत सरकार ने ₹ 2600 करोड़ की मंजूरी दी है. यह वेधशाला गुरुत्वाकर्षण तरंगों को पकड़ेगी, उनका विश्लेषण करेगी तथा ब्रह्माण्ड के अनसुलझे रहस्यों को उजागर करेगी.

इसके लिए 174 एकड़ जमीन भी दी गई है. इसके लिए अमरीका लगभग 6 करोड़ डॉलर का इन्फ्रास्ट्रक्चर उपलब्ध कराएगा. इसमें इंटरफेरोमीटर के निर्माण के लिए जरूरी हार्डवेयर के साथ-साथ इसके डिजाइन और इंस्टॉलेशन के लिए तकनीकी डेटा और ट्रेनिंग भी शामिल है.

गुरुत्वाकर्षण तरंगों को कोई बाधा रोक नहीं सकती है. वे पृथ्वी अथवा सूर्य के बीच से होकर सीधी आर-पार निकल जाती हैं.

लेजर इंटरफेरोमीटर ग्रेविटेशनल वेव ऑब्जर्वेटरी दुनिया की उत्कृष्ट वेधशालाओं में से एक होगी. 4 किमी लम्बा यह बेहद संवेदनशील इंटरफेरोमीटर है, जो गुरुत्वीय तरंगों के अध्ययन के लिए 'एंटीना' के रूप में काम करता है. एलआईजीओ-इंडिया अमरीका की 2 वेधशालाओं के साथ मिलकर काम करेगा. इनमें से एक वाशिंगटन के हनफोर्ड और दूसरी लुइसियाना के लिविंगस्टन में है. हिंगोली की यह परियोजना दुनिया की गुरुत्वाकर्षण-तरंग वेधशालाओं के नेटवर्क का हिस्सा होगी. इस वैश्विक नेटवर्क में इटली का Virgo और जापान का KAGRA भी शामिल है.

आइंसटाइन के सिद्धान्त के बाद 14 सितम्बर, 2015 में पहली बार अमरीका की लीगो वेधशाला में गुरुत्वीय तरंगों को पकड़ा गया. ये तरंगें 130 करोड़ वर्ष पहले 2 ब्लैकहोलों के विलय से निकली थीं.

शक्तिशाली गुरुत्वीय तरंगें तब बनती हैं, जब ग्रहों की चाल बहुत तेज होती है. उदाहरण के तौर पर जब सुपरनोवा के चलते तारे में विस्फोट होता है या फिर जब 2 बड़े तारे एक-दूसरे की परिक्रमा करते हैं या जब 2 ब्लैक होल एक-दूसरे की परिक्रमा करते हैं और विलीन हो जाते हैं, तब गुरुत्वाकर्षण तरंगें बन सकती हैं.

गुरुत्वीय तरंगें ब्रह्माण्ड की सबसे प्रलयकारी घटनाओं, ब्लैक होल के टकराने, न्यूट्रॉन सितारों के विलय, तारों के विस्फोट और संभवतः ब्रह्माण्ड के जन्म के कारण पैदा होती हैं. LIGO उन सभी गुरुत्वीय तरंगों का पता लगा सकता है. इन तरंगों से हासिल जानकारियों के विश्लेषण से शोधकर्ताओं और खगोलविदों को उन पहलुओं की जानकारी मिल सकती है, जिनकी जानकारी अब तक नहीं है.

LIGO-India प्रोजेक्ट ब्रह्माण्ड की खोज के लिए नए रास्ते खोलेगा. यह वैज्ञानिक परियोजना LIGO प्रयोगशाला (कैल्टेक और MIT द्वारा संचालित) और भारत में 3 संस्थानों के आपसी सहयोग से पूरा होनी है. ये तीन संस्थान इंदौर का राजा रमन्ना सेंटर फॉर एडवांस्ड टेक्नोलॉजी (RRCAT), अहमदाबाद का इंस्टीट्यूट फॉर प्लाज्मा रिसर्च (IPR) और पुणे का इंटर-यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर एस्ट्रोनॉमी एण्ड एस्ट्रोफिजिक्स (IUCAA) है.

एआई करेगा मरने-जीने की सटीक भविष्यवाणी

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) की मदद से चिकित्सा जगत् की जटिलताओं को सुलझाया जा रहा है. एक शोध से स्पष्ट हुआ है कि एआई अब रोगियों के जीवित रहने की संभावनाएं भी बताएगा.

न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी के ग्रासमैन स्कूल ऑफ मेडिसिन की टीम ने ऐसा एआई सॉफ्टवेयर विकसित करने में सफलता अर्जित की है, जो रोगी की मृत्यु का आकलन कर सकता है. इस सॉफ्टवेयर का नाम 'न्यूट्रॉन' रखा गया है.

शोधकर्ताओं ने 2011 और 2020 के बीच न्यूयॉर्क के अस्पतालों में इलाज करवाने वाले 3·87 लाख पुरुष और महिला रोगियों के हेल्थ रिकॉर्ड, डॉक्टर की पर्ची और जानकारी के नोट्स का प्रयोग किया.

सॉफ्टवेयर न्यूट्रॉन की भविष्यवाणी डॉक्टर्स और गैर-एआई कम्प्यूटर मॉडल की अपेक्षा सटीक साबित हुई है. यह शोध *जर्नल नेचर* में प्रकाशित हुआ है. अध्ययन के दौरान शोधकर्ताओं ने पाया कि न्यूट्रॉन ने अस्पताल

में मरने वाले 95 प्रतिशत रोगियों की सही पहचान की.

इसमें 85 प्रतिशत ऐसे मरीज के बारे में बताया, जिन्हें 30 दिन में फिर भर्ती किए जाने की संभावना थी और ऐसा हुआ भी. वहीं एआई न्यूट्रॉन ने 79 प्रतिशत रोगियों के अस्पताल में भर्ती की अवधि का सही अनुमान लगाया.

अध्ययन में शामिल कम्प्यूटर वैज्ञानिक एरिक ऑरमन के अनुसार, इन परिणामों से पता चलता है कि बड़े भाषा मॉडल स्मार्ट अस्पतालों के विकास को न केवल एक संभावना बनाते हैं, बल्कि एक वास्तविकता के तौर पर भी विकसित करते हैं. उनके अनुसार, न्यूट्रॉन इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य रिकॉर्ड से सीधे ली गई जानकारी को पढ़ता है, इसके पूर्वानुमान मॉडल आसानी से बनाए जा सकते हैं और स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के माध्यम से जल्दी से लागू किए जा सकते हैं.

लेसर तकनीक, ज्वालामुखी फटने की सूचना देगी

सम्पूर्ण विश्व में काफी संख्या में लोग सक्रिय ज्वालामुखी के 100 किमी के दायरे में

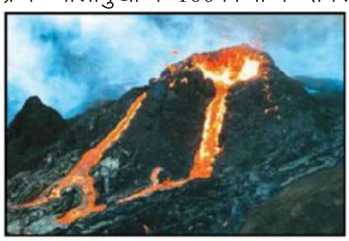

ला पाल्मा ज्वालामुखी

रहते हैं. यदि ज्वालामुखी के फटने से पहले उसकी जानकारी मिल जाए, तो अनेक जाने बचाई जा सकती हैं. एक नए शोध के अनुसार, लेसर तकनीक से ज्वालामुखी का अध्ययन यह निष्कर्ष निकालने में सहायक हो सकता है कि वह कब फटने वाला है. यह शोध यूनिवर्सिटी ऑफ क्वीन्सलैंड और यूनिवर्सिटी ऑफ एडीलेड के शोधकर्ताओं ने किया है.

अध्ययन में शोधकर्ताओं ने वर्ष 2021 में स्पेन के ला पाल्मा ज्वालामुखी के उत्सर्जन पर ध्यान केंद्रित किया. यहाँ पर विनाशकारी उत्सर्जन से कैनरी द्वीपों में भारी नुकसान हुआ था. अध्ययन में पता लगाया कि किस अवस्था में किस तरह के रासायनिक बदलाव आते हैं और उनसे किस तरह के प्रभाव देखने को मिलते हैं.

उनके अनुसार, ज्वालामुखी से उत्सर्जित मैग्मा की रासायनिक संरचनाओं का अध्ययन कर पाया गया कि यह तकनीक प्रस्फुटन का पूर्वानुमान लगाने में मददगार हो सकती है. साइंस एडवांस में प्रकाशित अध्ययन अहम है, क्योंकि मैग्मा का रसायन ही उनका बहाव, उनकी विस्फोटकता और हानिकारक क्षमता आदि को प्रभावित करता है. शोधकर्ताओं के अनुसार, जिस तरह से आँखों की सर्जरी में पराबैंगनी लेजर का उपयोग किया जाता है, उसी का उपयोग कर लावा में मौजूद बड़े क्रिस्टल को तोड़ा जा सकता है. इन टुकड़ों का मास स्पैक्ट्रोमेट्री के जरिए अध्ययन से ज्वालामुखी मिश्रण का रासायनिक शोध संभव हो पाता है.

भारत का पहला मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम

गगनयान मिशन इसरो का पहला मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम है. इस वर्ष के अंत

में इसके प्रक्षेपण का लक्ष्य रखा गया है. इस मिशन के अंतर्गत अंतरिक्ष यात्रियों को सुरक्षित पृथ्वी पर वापस लाया जाएगा.

भारत अंतरिक्ष में इंसानों को भेजने वाला दुनिया का चौथा देश होगा. इससे पहले अमरीका, चीन तथा सोवियत यूनियन ऐसा कर चुके हैं. रूस के यूरी गागरिन 12 अप्रैल, 1961 को 108 मिनट तक अंतरिक्ष में रहे थे. अमरीका के एनल शेफर्ड 1961 में ही 15 मिनट तक स्पेस में रह चुके हैं. 2003 में चीन के यांग लिवेड 21 घण्टे स्पेस में रहे. गगनयान मिशन के लिए बड़ी संख्या के पायलटों ने आवेदन दिया था.

इसरो के अनुसार यह मिशन 3 दिनों का होगा. गगनयान में बैठकर ही ये अंतरिक्ष यात्री पृथ्वी के चारों ओर 400 किमी की ऊँचाई पर चक्कर लगाएंगे. क्रू मॉड्यूल डबल दीवार वाला आधुनिक केबिन है, जिसमें कई प्रकार के नेविगेशन सिस्टम, हेल्थ सिस्टम, फूड स्टोरेज, टॉयलेट इत्यादि होंगे. इस पूरे मिशन पर ₹ 10 हजार करोड़ खर्च होंगे.

परीक्षण में सफल हुआ टीका—अब मलेरिया होगा समाप्त

मलेरिया से मुक्ति के लिए मलेरिया उन्मूलन कार्यक्रम दशकों तक चला और पूरे देश में डीडीटी के खूब छिड़काव किए गए, लेकिन सारे प्रयास विफल सिद्ध हुए. अब वैज्ञानिकों ने इसका निदान ढूँढ़ लिया है.

अब मलेरिया से बचाव के लिए देश का पहला टीका तैयार हो गया है. टीके को सेन्ट्रल

मलेरिया विषाणु का वाहक मच्छर एनोफिलीज

ड्रग्स लैबोरेटरी (सीडीएल) ने अपनी मंजूरी दे दी है. **'आर-21'** नामक यह टीका शीघ्र ही बाजार में आ जाएगा.

मलेरिया के बचाव में इस टीके को क्रांतिकारी उपाय माना जा रहा है. सीडीएल के सूत्रों ने बताया कि कसौली लैब में हुए परीक्षणों के दौरान टीके के 6 बैच को मंजूर कर ग्रीन टिक दे दिया गया है. सीडीएल की वेबसाइट पर टीके के बैच पास होने की पुष्टि की गई है.

मलेरिया से बचाव के लिए अब लोगों को टीका का एक डोज लगाया जा सकेगा. इससे पूर्व हुए परीक्षण में यह टीका मच्छर जनित बीमारियों के खिलाफ 70 प्रतिशत से अधिक कारगर माना गया है. अभी यह जानकारी नहीं दी गई है कि यह टीका कितने दिन तक मलेरिया से बचाव उपलब्ध कराएगा. अभी इसकी कीमत का भी खुलासा नहीं हुआ है. वैसे, टीका विकसित होने का सबसे बड़ा लाभ मलेरिया से होने वाली मौतों में कमी आने के रूप में होगा, क्योंकि टीका मलेरिया की गम्भीरता को कम कर देगा.

क्लीनिकल ट्रायल में पास हुआ था टीका—*आर-21 टीका क्लीनिकल ट्रायल में पास हो चुका है. देश के अलग-अलग स्थानों में हुए क्लीनिकल ट्रायल के दौरान इसकी सटीकता बेहतर पाई गई है. 3 क्लीनिकल ट्रायल में सफल होने के बाद टीके के उत्पादन की मंजूरी दी गई थी.*

ऊपर उठ रहा है हिमालय—बड़े भूकम्प के खतरे बढ़ रहे हैं

प्रोसिडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित शोध के अनुसार इंडियन प्लेट अपने से भारी यूरेशियन प्लेट से टकरा रही है, जिससे न केवल हिमालय ऊपर की ओर उठ रहा है, बल्कि वह पूरा क्षेत्र भूकम्प की दृष्टि से अत्यन्त संवेदनशील बन गया है.

शेष पृष्ठ 45 पर

दिव्य दर्पण

संघ एवं राज्य सिविल सेवा मुख्य परीक्षा हेतु अत्यन्त महत्वपूर्ण

"Procrastination Makes Easy Things Hard and Hard Things Harder"

अर्थात्—विलंबन आसान चीजों को कठिन और कठिन चीजों को और भी कठिनतम बना देता है.

सिविल सेवा हेतु प्रश्नोत्तर प्रसंग

उपर्युक्त प्रसंग प्रायः हमारे आलसपन, किसी कार्य को कल पर टालने की प्रवृत्ति और किसी कार्य को अत्यंत कम शेष बचे समय में ही अफरा-तफरी वाली आदत से करने को दर्शाता है, जिसका परिणाम अधिकांशतः निराशाजनक ही रहता है. सिविल सेवा अभ्यर्थियों के लिए यह प्रसंग जहाँ एक ओर ऐसी प्रवृत्ति के लिए आगाह और दूसरी तरफ इस प्रवृत्ति के परिणाम के कारण इसे परिवर्तित करने की प्रेरणा भी देता है. प्रायः ऐसा देखा गया है कि आप एक अच्छे विद्यार्थी और योग्यता रखने के बावजूद लम्बे समय तक सिविल सेवा या अन्य परीक्षाओं में अंतिम परिणाम प्राप्त करने से वंचित रहते हैं और जब इस असफलता का आकलन किया जाता है, तो अन्य कारकों के साथ उसमें एक महत्वपूर्ण कारक यह भी सम्मिलित रहता है, कि आप अपनी तैयारी को अक्सर 'कल' पर डालते रहते हैं. इसमें आश्चर्य वाली खास बात यह है कि हममें से अधिकांश अपनी असफलता के कारकों में इस कारक को या तो मानते ही नहीं या फिर इसके बारे में कोई सुधार नहीं करना चाहते हैं. परिणामतः यह कारक आगे भी हमारी तैयारी के दौरान निरंतर चलता रहता है और बार-बार ऐसा कारण जिसे हम अपनी असफलता में कोई बड़ा कारण मानते ही नहीं, निरंतर हमारी असफलता का बड़ा कारण बना रहता है.

अतः हमें अपनी तैयारी के दौरान इस बात से अवश्य संकल्पबद्ध रहना चाहिए कि एक साथ अधिकतम करने से बेहतर रोजाना थोड़ा-थोड़ा ही सही, लेकिन इसे हम निरंतर अपनी तैयारी योजना में सम्मिलित करेंगे; निश्चित ही ऐसा संकल्प एक समय बाद आपको आत्मविश्वास, तैयारी के प्रति संतुष्टि और अंततः सकारात्मक परिणाम वाला बदलाव लाकर देगा.

कला एवं संस्कृति

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—हाल ही में माजुली मुखौटा, माजुली पांडुलिपि चित्रकारी के चर्चा में रहने के कारणों को बताते हुए इसकी प्रमुख विशेषताओं, और संरक्षण के महत्व का विस्तार से उल्लेख करें ?

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के अधीन उद्योग संवर्द्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा असम के माजुली मुखौटा, माजुली पांडुलिपि चित्रकारी और आंध्र प्रदेश के नरसारपुर के पारम्परिक क्रोशिया लेस शिल्प को भौगोलिक संकेतक रजिस्ट्री (जीआईआर) में पंजीकृत किया है.

उत्तर—असम के माजुली मुखौटा और माजुली पांडुलिपि चित्रकारी, भौगोलिक संकेतक यानि जीआई टैग के रूप में सम्मिलित किए जाने के कारण चर्चा में रही. इन्हें जीआई टैग का दर्जा प्रदान करना इनके सांस्कृतिक महत्व के संवर्द्धन और संरक्षण के उद्देश्य से प्रेरित है. ताकि इन पारम्परिक शिल्पों के पुनर्जीवन और इनकी विरासत का संरक्षण किया जा सके.

माजुली मुखौटा और माजुली पांडुलिपि की प्रमुख विशेषताएँ

माजुली मुखौटा

यह हाथ द्वारा निर्मित पारम्परिक तकनीकों पर आधारित होते हैं. असम के माजुली नदी द्वीप के आस-पास के क्षेत्रों में इस विशेष मुखौटा कला के केन्द्र और विकास होने से इसका नाम 'माजुली मुखौटा' पड़ा. उल्लेखनीय है कि यह द्वीप असम की नव-वैष्णव संस्कृति का केन्द्र होने के लिए प्रसिद्ध है और यहाँ अनेक सत्र या मठ (धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक सुधार केन्द्र) हैं. ये प्राचीन सत्र 'अहोम साम्राज्य' की कला, लोक संस्कृति और विरासत की परम्परा का प्रतिनिधित्व करते हैं.

गौरतलब है, कि 15वीं-16वीं शताब्दी के वैष्णव संत, श्रीमंत शंकरदेव ने माजुली में नव-वैष्णव दर्शन के प्रचार-प्रसार के लिए पौराणिक पात्रों की विभिन्न अभिव्यक्तियों को प्रदर्शित करने के लिए भाओना (धार्मिक संदेशों के साथ मनोरंजन का एक पारम्परिक रूप) के नाट्य प्रदर्शन में मुख के उपयोग की शुरुआत की. इन मुखौटों का उपयोग इसी नव-वैष्णव परम्परा के तहत् भक्ति संदेशों के साथ नाटकीय मंचों में पात्रों को चित्रित करने के लिए किया जाता है. ये मुखौटा प्रायः दो प्रकार के होते हैं, लौकिक (सांसारिक विषय) और अलौकिक (परलौकिक विषय) परलौकिक विषयों वाले मुखौटा में 100 फन वाले कालिया नाग और चार चेहरों वाले ब्रह्म सबसे प्रचलित हैं.

माजुली मुखौटा के प्रमुख प्रकारों में मुर मुख (केवल चेहरा मुखौटा), बोर मुखौटा (चेहरा सहित शरीर का अन्य भाग भी ढका), लुटुकाई (इन मुखौटों के सिर शरीर से बंधे नहीं होते हैं). मुखौटों में प्रमुखतः देवी-देवताओं, राक्षसों, पशु-पक्षियों आदि को चित्रित किया जाता है. बनावटी सामग्री के रूप में इसमें लकड़ी, मिट्टी, पतली बाँस की छड़ी, गोबर, कपड़ा, प्राकृतिक रंग आदि का प्रयोग किया जाता है. माजुली के सत्रों/मठों में बिहिमपुर सत्र, समागुरी सत्र, नतुन समागुरी सत्र और अलेंगी नरसिम्हा सत्र प्रमुख रूप से इन कार्यों में सक्रिय हैं.

माजुली पांडुलिपि चित्रकला

माजुली पांडुलिपि चित्रकला में प्रायः हिन्दू पौराणिक महाकाव्यों जैसे—रामायण, महाभारत और भागवत पुराण की कहानियों को चित्रित किया जाता है. इस पांडुलिपि चित्रकला की शुरुआत का श्रेय भी श्रीमंत शंकरदेव (वैष्णव परम्परावादी) को ही दिया जाता है.

गौरतलब है कि इस पांडुलिपि चित्रकला शैली में प्रमुखता तीन शैलियाँ गर्गायन, कैथल और बामुनिया लोकप्रिय हैं. माजुली पांडुलिपि चित्रकला, चित्रकला की पाल शैली से प्रेरित है. पाल शैली लघु चित्रों से सम्बन्धित है, जो पूर्वी भारत के पाल साम्राज्य में 8वीं-12वीं शताब्दी में विकसित हुई थी. यह बौद्ध कला की शैली को संदर्भित करती है. इसे ताड़ के पत्तों और कपड़े की पट्टियों पर एक किताब के रूप में चित्रित करके सहेजा जाता था. इस कला को असम में अहोम राजाओं द्वारा संरक्षण दिया गया था.

संरक्षण का महत्व

भौगोलिक संकेतक अर्थात् जीआई टैग के रूप में इन सांस्कृतिक महत्व के उत्पादों को मान्यता प्राप्त होने से इनकी विरासत संरक्षण और पुनर्रुद्धार में सहायता मिलेगी. बौद्धिक सम्पदा अधिकारों के रूप में कानूनी मान्यता प्राप्त होने से इनके निर्यात को बढ़ावा मिलेगा. दूसरा यह इस विशेष भौगोलिक क्षेत्र में उत्पादित वस्तुओं के उत्पादकों की आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा देगा. यह उत्पादों के लिए

राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर माँग को प्रेरित करता है. उपभोक्ताओं को उत्पाद की प्रामाणिकता के साथ इसके उपयोग के लिए प्रेरित करता है.

जीआई टैग

किसी विशिष्ट भौगोलिक क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले किसी कृषि, प्राकृतिक अथवा विनिर्मित उत्पाद को प्रदान किया जाता है. उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय स्तर पर जीआई टैग का विनियमन 'वस्तुओं का भौगोलिक सूचक' (पंजीकरण एवं संरक्षण) अधिनियम, 1999 व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर विश्व व्यापार संगठन के बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार सम्बन्धी पहलुओं (ट्रिप्स) पर समझौते के तहत् किया जाता है.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न–निम्नलिखित में से किसे हाल ही में 'भौगोलिक संकेतक' (जीआई) का दर्जा दिया गया है/हैं ?

1. माजुली मुखौटा–असम
2. क्रोशिया लेस शिल्प–आंध्र प्रदेश
3. माजुली पांडुलिपि चित्रकला–असम

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए–

(A) केवल 2 और 3
(B) केवल 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

उत्तर–(D)

सामाजिक एवं राजनीतिक

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न–देश में स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकारियों और वरिष्ठ या उच्च पदों पर आसीन सरकारी अधिकारियों द्वारा अपने पद को छोड़कर राजनीतिक पार्टियों में शामिल होने के औचित्य और इसके संवैधानिक प्रावधानों का उल्लेख कीजिए.

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में 17वीं लोकसभा चुनावों की तारीखों की घोषणा और राजनीतिक पार्टियों द्वारा अपने उम्मीदवारों की घोषणा में ऐसे कुछ नाम आए हैं, जो न्यायाधीश, नौकरशाह जैसे पदों से इस्तीफा देकर इन राजनीतिक पार्टियों में सम्मिलित हुए हैं. हाल ही में यह मुद्दा अधिक चर्चित इसलिए भी हुआ, क्योंकि कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश और पश्चिम बंगाल में एक वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी अपने पद से इस्तीफा देकर राजनीतिक दलों में शामिल हो गए.

उत्तर–देश के संवैधानिक प्राधिकारियों और नौकरशाहों द्वारा अपने पदों से इस्तीफा देकर राजनीतिक दलों में शामिल होना, चुनाव लड़ना व आगे राजनीति को ही अपना कार्य क्षेत्र अपनाना कोई नया चलन नहीं है. अनेक ऐसे उदाहरण रहे हैं जब न्यायालयों के न्यायाधीश या नौकरशाहों ने राजनीतिक रूप से भी उत्कृष्ट कार्यों को किया है.

सवाल उठता है, कि क्या न्यायाधीशों या नौकरशाहों द्वारा ऐसा करना सही है, या गलत.

प्राधिकारियों या नौकरशाह के अपने पद पर रहने और पद छोड़ने के बाद किसी समान या दूसरे प्रोफेशन अपनाने के सम्बन्ध में कुछ संवैधानिक प्रावधान हैं, हालाँकि यह राजनीतिक पार्टियों को ज्वाइन करने, चुनाव लड़ने या अन्य सम्बन्धित पदों पर नामांकित होने से प्रतिबंध नहीं लगाते हैं.

संवैधानिक प्रतिबंध

- भारत का लोक लेखा परीक्षक (सीएजी) और लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष/सदस्य पद छोड़ने के बाद केन्द्र या राज्य सरकारों में कोई अन्य रोजगार का पद धारण नहीं कर सकते हैं.
- सर्वोच्च न्यायालय का कोई न्यायाधीश पद छोड़ने के बाद भारत में किसी भी अदालत या प्राधिकरण के समक्ष वकील के रूप में पुनः उपस्थित नहीं हो सकता है.
- ऐसे ही उच्च न्यायालय का न्यायाधीश, सर्वोच्च न्यायालय या उच्च न्यायालयों के समक्ष उपस्थिति को छोड़कर अन्य अधीनस्थ न्यायालयों में वकील के रूप में उपस्थित नहीं हो सकता है.

राजनीतिक पदों पर प्रतिबंध

स्वतंत्र निकायों के प्राधिकारियों और नौकरशाहों पर सेवानिवृत्ति या पदों से इस्तीफा देने के बाद किसी राजनीतिक पार्टी को ज्वाइन करने, किसी पद को धारण करने या चुनाव लड़ने आदि पर कोई प्रतिबंध नहीं है. अतः सीमाओं के इस अभाव से हितों के टकराव और नौकरशाहों या प्राधिकारियों की अपने पद पर रहते हुए निष्पक्षतापूर्वक सेवा निर्वाहन पर कुछ चिंताओं को उजागर करता है.

राजनीतिक पदों पर प्रतिबंध न होने से उत्पन्न चिंताएँ

- राजनीतिक महत्वाकांक्षा का संकट.
- निष्पक्षतापूर्वक सेवा और तटस्थता पर चिंताएँ.
- राजनीतिक प्रतिबंधों की अनुपस्थिति शासन और नैतिकता के बीच अन्तर को प्रकट करती है.

'कूलिंग ऑफ अवधि'

राजनीतिक प्रतिबंधों के अभाव में उत्पन्न चिंताओं के समाधान के लिए वर्ष 2012 में चुनाव आयोग ने शीर्ष नौकरशाहों की सेवानिवृत्ति के बाद राजनीतिक पार्टियों में सम्मिलित होने से पूर्व एक 'कूलिंग ऑफ अवधि' की सिफारिश की थी. यह अवधि सेवानिवृत्ति के बाद एक निर्धारित समय सीमा तक उन्हें राजनीतिक पार्टियों में सम्मिलित होने से दूर रखने का प्रावधान करती थी. हालाँकि सरकार ने चुनाव आयोग की इस सिफारिश को इस आधार पर अमान्य कर दिया कि यह लोकतांत्रिक और संवैधानिक आधार पर उचित नहीं है.

निष्कर्ष

प्राधिकारियों और नौकरशाहों पर संवैधानिक प्रतिबंध व राजनीतिक प्रोफेशन अपनाने पर किसी सीमा का अभाव कुछ नैतिक चिंताएँ अवश्य उत्पन्न करती हैं, लेकिन समर्थकों का तर्क है, कि राजनीतिक पदों को अपनाने की छूट उन्हें राजनीति में स्वतंत्र रूप से भाग लेने और आम नागरिकों के समान उनके अधिकारों को भी मान्यता देते हैं. दूसरा सेवानिवृत्ति के बाद संवैधानिक प्रतिबंध नौकरशाहों के व्यावसायिक गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाते हैं, उनकी राजनीतिक भागीदारी पर प्रतिबंध से इसका कोई सम्बन्ध नहीं है. अंततः कहा जा सकता है कि प्रशासनिक पद का निर्वाहन हो या उन्हीं नौकरशाहों द्वारा किसी राजनीतिक पद को उन्हें अपने कर्तव्य निर्वाहन में पद की शुचिता और कर्त्तव्य नैतिकता का स्वप्रेरणा से अनुपालन जहाँ एक ओर ऐसे विवादित प्रश्नों पर विराम लगाएंगे वहीं दूसरी ओर जनता के बीच इनकी पद के प्रति ईमानदारी और सेवा भाव को भी प्रदर्शित करेगी.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न–'कूलिंग ऑफ अवधि' के सम्बन्ध में कौनसा/से कथन सही नहीं है/हैं ?

1. वर्ष 2012 में चुनाव आयोग ने राजनीतिक पार्टियों के कार्यकर्ताओं की सेवा अवधि निश्चित करने के लिए इसे लागू किया.
2. सरकार ने अटॉर्नी जनरल की राय पर इसे वर्ष 2030 से लागू करने की अनुमति प्रदान की है.

कूट :

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2
(D) न तो 1, न ही 2

उत्तर–(C)

अन्तर्राष्ट्रीय

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न–हाल ही में चर्चा में रहा अफ्रीका क्लब क्या है और इसके गठन के पीछे प्रमुख उद्देश्यों का वर्णन कीजिए ?

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में 37वें अफ्रीकी संघ शिखर सम्मेलन में सदस्य देशों ने अफ्रीका क्लब बनाने की पहल की.

उत्तर—अफ्रीका क्लब, अफ्रीकी बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों का एक गठबंधन, हाल ही में 37वें अफ्रीकी संघ शिखर सम्मेलन में गठित किया गया था. इस पहल का उद्देश्य वैश्विक वित्तीय प्रणाली में अफ्रीका के प्रभाव को बढ़ाना और उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अफ्रीकी देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है.

अफ्रीका क्लब अफ्रीका के वित्तीय परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण विकास है. इसमें अफ्रीकी स्वामित्व वाले और नियंत्रित बहुपक्षीय वित्तीय संस्थान शामिल हैं, जो सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) और अफ्रीकी संघ के एजेंडा 2063 के साथ अपने कार्यों को संरेखित करने के लिए प्रतिबद्ध है. अफ्रीकी क्लब का प्राथमिक उद्देश्य वैश्विक वित्तीय प्रणाली में अफ्रीका के प्रभाव को बढ़ाना है और महाद्वीप पर आर्थिक विकास को बढ़ावा देना.

अफ्रीका क्लब का एक प्रमुख उद्देश्य नवीन वित्तीय उपकरण पेश करना है, जो अफ्रीका की आर्थिक वृद्धि का समर्थन कर सके. ये उपकरण अफ्रीकी देशों के सामने आने वाली अनूठी चुनौतियों का समाधान करने और सतत् विकास को सुविधाजनक बनाने में मदद कर सकते हैं. ऋण प्रबंधन चर्चाओं के लिए एक मंच प्रदान करके, अफ्रीका क्लब का लक्ष्य वित्तीय स्थिरता को बढ़ाना और जिम्मेदार उधार लेने और उधार देने की प्रथाओं को बढ़ावा देना है.

इसके अलावा, अफ्रीका क्लब अफ्रीकी देशों और बहुपक्षीय वित्तीय संस्थानों के बीच सहयोग को मजबूत करना चाहता है. एक साथ काम करके, वे आम चुनौतियों का समाधान कर सकते हैं और अफ्रीकी देशों की विशिष्ट जरूरतों को पूरा करने के लिए अपने सामूहिक संसाधनों का लाभ उठा सकते हैं. इस सहयोगात्मक दृष्टिकोण से अफ्रीका के विकास के लिए अधिक प्रभावी और लक्षित समाधान प्राप्त हो सकते हैं.

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—अफ्रीका क्लब के सम्बन्ध में कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

1. 37वें आसियान शिखर सम्मेलन में इसके गठन की घोषणा की गई है.
2. इस पहल का उद्देश्य वैश्विक वित्तीय प्रणाली में आसियान संघ के प्रभाव को बढ़ाना और उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए एशियाई देशों के बीच सहयोग को बढ़ावा देना है.

कूट :
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) 1 और 2 (D) न तो 1 न ही 2
उत्तर—(D)

अर्थव्यवस्था

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—भारत सरकार ने महत्वपूर्ण खनिजों तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण खनिजों की पहचान, मौजूदा खनन कानूनों में संशोधन और इन खनिजों के निष्कर्षण और प्रसंस्करण में निजी क्षेत्र की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के प्रयास किए हैं. इस सम्बन्ध में इन उपायों के पीछे के कारणों और विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण खनिजों के महत्व का विश्लेषण कीजिए ?

चर्चा में क्यों ?

भारत सरकार ने हाल ही में महत्वपूर्ण खनिजों के निष्कर्षण और प्रसंस्करण में निजी क्षेत्र की भागीदारी को सुविधाजनक बनाने के लिए खनन कानूनों में संशोधन किया है. ये उपाय डीकार्बोनाइजेशन के वैश्विक प्रयासों और इन आवश्यक संसाधनों की बढ़ती माँग के अनुरूप हैं.

उत्तर—भारत सरकार ने विघटन क्षमता, प्रतिस्थापनशीलता, क्रॉस-कटिंग उपयोग, आयात निर्भरता और रीसाइक्लिंग दरों जैसे मानदण्डों के आधार पर 30 महत्वपूर्ण खनिजों की एक सूची की पहचान की है. ये खनिज भौगोलिक रूप से बिहार, गुजरात, झारखण्ड, ओडिशा, तमिलनाडु, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और जम्मू और कश्मीर सहित अन्य राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में केन्द्रित हैं.

मौजूदा खनन कानूनों में संशोधन

- नवम्बर 2023 में भारत सरकार ने महत्वपूर्ण खनिजों वाले 20 ब्लॉकों की नीलामी में निजी क्षेत्र की भागीदारी को सक्षम करने के लिए मौजूदा खनन कानूनों में संशोधन किया.
- यह कदम भारत के खनिज क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण बदलाव का प्रतीक है, जिससे निजी उद्यमों के लिए इन महत्वपूर्ण संसाधनों के निष्कर्षण और प्रसंस्करण में योगदान करने के अवसर खुले रहे हैं.

महत्वपूर्ण खनिजों का महत्व

- **डीकार्बोनाइजेशन और स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ**—महत्वपूर्ण खनिज सौर पीवी संयंत्र, पवन फार्म और इलेक्ट्रिक वाहनों जैसी स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं. अंतर्राष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी (IEA) का अनुमान है कि स्वच्छ ऊर्जा प्रौद्योगिकियाँ पेरिस समझौते के लक्ष्यों को पूरा करने के लिए ताँबा, दुर्लभ पृथ्वी, निकल, कोबाल्ट और लिथियम जैसे खनिजों की महत्वपूर्ण माँग को बढ़ाएंगी.
- **परिवहन क्षेत्र**—इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की ओर बदलाव लिथियम, कोबाल्ट और निकल जैसे महत्वपूर्ण खनिजों पर निर्भर करता है, जो ईवी बैटरी के निर्माण में आवश्यक घटक हैं. जैसे-जैसे दुनिया भर के देश बिजली के विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं, इन खनिजों की माँग बढ़ने की उम्मीद है.
- **उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स**—स्मार्टफोन, लैपटॉप और टैबलेट जैसे उपभोक्ता इलेक्ट्रॉनिक्स के उत्पादन में महत्वपूर्ण खनिज महत्वपूर्ण हैं. इन उपकरणों के घटकों में दुर्लभ पृथ्वी तत्वों और अन्य महत्वपूर्ण खनिजों का उपयोग किया जाता है, जिससे लघुकरण और बेहतर प्रदर्शन संभव होता है.
- **निर्माण उद्योग**—महत्वपूर्ण खनिज निर्माण उद्योग में उच्च शक्ति वाले मिश्र धातु, सीमेंट और अन्य निर्माण सामग्री के उत्पादन में योगदान करते हैं. ये खनिज निर्माण सामग्री की स्थायित्व और दक्षता को बढ़ाते हैं, जिससे बुनियादी ढाँचा परियोजनाओं की स्थिरता सुनिश्चित होती है.
- **रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा**—उन्नत हथियार, संचार प्रणाली और अन्य सैन्य प्रौद्योगिकियों के उत्पादन के लिए रक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण खनिज अपरिहार्य हैं. राष्ट्रीय सुरक्षा और तकनीकी श्रेष्ठता बनाए रखने के लिए इन खनिजों की स्थिर और सुरक्षित आपूर्ति सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है.
- **उर्वरक और कृषि**—फॉस्फोरस और पोटैशियम जैसे कुछ महत्वपूर्ण खनिज कृषि में उपयोग किए जाने वाले उर्वरकों में आवश्यक घटक हैं. वे फसल की पैदावार बढ़ाने और वैश्विक खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं.

महत्वपूर्ण खनिजों की सुरक्षा में भारत के लक्ष्य और चुनौतियाँ

- भारत ने डीकार्बोनाइजेशन के लिए महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किए हैं और 2070 तक नेट-शून्य बनने का लक्ष्य रखा है. नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों, इलेक्ट्रिक वाहनों और टिकाऊ प्रथाओं में परिवर्तन जलवायु परिवर्तन को कम करने के लिए

भारत की प्रतिबद्धता को उजागर करता है.

हालाँकि, ऐसी चुनौतियाँ हैं जिनका समाधान करने की आवश्यकता है :

- आयात पर भारी निर्भरता.
- अन्वेषण के लिए रणनीतिक समझौते.
- घरेलू प्रसंस्करण क्षमता का अभाव
- अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग में भागीदारी

सि. से. प्रा. परीक्षा

प्रश्न—आठ प्रमुख उद्योगों के सूचकांक में निम्नलिखित में से किसे सम्मिलित किया गया है ?

1. कोयला उत्पादन
2. बिजली उत्पादन
3. उर्वरक उत्पादन
4. इस्पात उत्पादन

कूट :

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 3 और 4
(C) केवल 1 और 3
(D) उपर्युक्त सभी

उत्तर—(D)

नैतिकता और अभिरुचि

सि. से. मु. परीक्षा

प्रश्न—राष्ट्रों के बीच संवाद और कूटनीति में नैतिक विचारों को शामिल करना क्यों महत्वपूर्ण है ?

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में विभिन्न देशों के बीच संघर्ष और नकारात्मक कूटनीति ने अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में नैतिकता के महत्व को उजागर किया है.

उत्तर—अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में नैतिकता राष्ट्रों के बीच संघर्ष और तनाव को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है. यह अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर शांति, न्याय और सहयोग को बढ़ावा देने में नैतिक विचारों की प्रासंगिकता पर जोर देता है. द्विपक्षीय सम्बन्धों में बढ़ते तनाव को नियंत्रित करने और आर्थिक हितों को प्राथमिकता देने की प्रवृत्ति को सम्बोधित करने के प्रयास किए जा रहे हैं.

- जब शक्तिशाली राष्ट्र नकारात्मक कूटनीति, आर्थिक प्रलोभन या रणनीतिक स्थिति का फायदा उठाकर कमजोर राष्ट्रों के संसाधनों, संप्रभुता और आर्थिक रणनीतियों में हस्तक्षेप करते हैं, तो इससे देशों के बीच तनाव पैदा होता है.
- उदाहरण के लिए, अफगानिस्तान को लेकर अमरीका और रूस के बीच आपसी तनाव और हांगकांग में चीन के खिलाफ और वियतनाम में अमरीका के खिलाफ आंदोलन इसके उदाहरण हैं.
- एक विशिष्ट परियोजना जिसने अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में तनाव पैदा किया है वह चीन की 'वन बेल्ट वन रोड' पहल है.
- यह परियोजना चीन के आर्थिक हितों में निहित है और इसमें विभिन्न देश अपने रणनीतिक या आर्थिक लाभ के लिए शामिल हो रहे हैं. हालाँकि, भारत सहित कुछ प्रमुख देशों ने इसका विरोध किया है, जिससे उनके सम्बन्धों में तनाव पैदा हो गया है.
- अन्तर्राष्ट्रीय तनाव को दूर करने के लिए नैतिक समाधान आवश्यक हैं. राष्ट्रों के बीच तनाव पैदा करने वाली परिस्थितियों, अवसरों या आकांक्षाओं में नैतिक मूल्यों का पालन करना संघर्ष समाधान में योगदान दे सकता है.
- राष्ट्रों के बीच संवाद और कूटनीति में नैतिक विचारों को शामिल किया जाना चाहिए, जिससे अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय में विश्वास और सम्मान को बढ़ावा मिले. विदेशी नीतियों में मानवाधिकार मानकों का पालन भी नैतिक अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है.
- इसके अलावा, सतत् विकास और पर्यावरण सहयोग प्राकृतिक संसाधनों, जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय गिरावट से सम्बन्धित संभावित संघर्षों को कम कर सकता है. पेरिस समझौता, जिसका उद्देश्य जलवायु परिवर्तन से निपटना है, नैतिक विचारों से प्रेरित अन्तर्राष्ट्रीय सहयोग का एक उदाहरण है.
- इसके अलावा, राष्ट्रीय संकट या प्राकृतिक आपदाओं के समय अन्य कमजोर देशों की मदद करने की प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने से नैतिक समर्थन को बढ़ावा मिल सकता है और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों को मजबूत किया जा सकता है. इसके अलावा, अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और आर्थिक सहयोग में निष्पक्ष व्यवहार, पारदर्शिता और निष्पक्ष श्रम प्रथाओं जैसे नैतिक ढाँचे को अपनाने से राष्ट्रों के बीच आर्थिक सम्बन्धों को बढ़ावा देने में योगदान मिल सकता है.
- निष्कर्षता राष्ट्रों के बीच शांति, न्याय और सहयोग को बढ़ावा देने और रचनात्मक तरीके से तनाव और संघर्षों को सम्बोधित करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्धों में नैतिक विचारों को शामिल करना महत्वपूर्ण है. ●●●

शेष पृष्ठ 41 का

इंडियन टेक्टोनिक प्लेट पूर्व से पश्चिम तक फैला है, जिसमें हमारा पूर्वोत्तर का क्षेत्र,

ऊपर उठता हिमालय

हिन्दकुश, अफगानिस्तान, पाकिस्तान आदि के कुछ भाग आते हैं.

हिमालय का फैलाव काफी दूर तक है, इसलिए यहाँ हल्की सी भी उथल-पुथल हमें बड़ी चोट दे सकती है. इसकी प्रकृति को देखते हुए ही यहाँ 8 रियक्टर या इससे भी अधिक तीव्रता के भूकम्प की आशंका जाहिर की जा चुकी है. अगर ऐसा होता है, तो नेपाल या सीमावर्ती इलाकों के अलावा दिल्ली या उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में भी तबाही मच सकती है. अगस्त 1988 में बिहार में आए भूकम्प में 2 तरह की लहरें पैदा हुई थीं—एक 'पी' और दूसरी 'एस'. दोनों में समयांतर होती हैं. 'पी वेब' अपनी प्रकृति के कारण नुकसान नहीं पहुँचाती, लेकिन 'एस' तुलनात्मक रूप से ज्यादा हानि करती है. जैसे ही दो टेक्टोनिक प्लेट्स आपस में टकराती हैं, तो पहले 'पी' लहर पैदा होती है. मान लीजिए, यदि भूकम्प का केन्द्र नेपाल है, तो 'पी वेब' को दिल्ली तक पहुँचने में कुछ सेकण्ड का समय लगेगा. इसके बाद ही 'एस वेब' पैदा होगी, जो समान देरी से दिल्ली पहुँचेगी. अगर हमने 'पी वेब' को केन्द्र पर ही नाप लिया और इसकी जानकारी तुरन्त दिल्ली से साझा कर दी, तो 'एस वेब' की मारकता से बचने के लिए हमारे पास 30 से 50 सेकण्ड तक का समय होगा. इसमें मेट्रो, परमाणु केन्द्र, आपात चिकित्सा जैसी अनिवार्य केन्द्रों व सेवाओं के लिए बचाव-उपाय किए जा सकते हैं.

यहाँ यह भी जानना चाहिए कि एक बड़े भूकम्प के बाद कुछ हल्के कम्पन आते ही हैं. इसे 'ऑफ्टर-शॉक' कहते हैं. दरअसल, जमीन के अन्दर जब कोई टुकड़ा टूटता है या अपना स्थान बदलता है, तो उसके 'सेटल' होने, यानी किसी नए स्थान पर जमने तक धरती कई बार हल्की-हल्की कांपती है. मगर आम धारणा यही है कि एक बड़ा भूकम्प आने के कुछ समय बाद फिर से उसी तीव्रता का कम्पन आ सकता है. वैज्ञानिक इस मान्यता को खारिज करते हैं. ●●●

अगले स्तर तक पहुँचने के लिए पार करें पहली बाधा–प्रीलिम्स 2024

—अतुल कपूर

आगामी लोक सभा आम चुनावों के कारण, प्रारम्भिक परीक्षा 26 मई से 16 जून, 2024 तक के लिए स्थगित कर दी गई है. आपको भाग्यशाली महसूस करना चाहिए कि आपको तैयारी करने और अपने कौशल को निखारने के लिए 20 दिन और अतिरिक्त मिल गए हैं, जो आपको प्रीलिम्स 2024 को क्रैक करने में मदद कर सकते हैं.

लगभग 3 महीने का समय आपके हाथ में है और आप तैयारी के एक महत्वपूर्ण चरण में प्रवेश कर रहे हैं. समय का उचित उपयोग आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने में मदद कर सकता है. इस बीच, कुछ प्रतिकूल गतिविधियों में लिप्तता आपके उस प्रयास को बर्बाद कर सकती है, जो आपने प्रीलिम्स 2024 की तैयारी में किया है.

आपने रणनीति बनाने का ध्यान रखा है; यह प्रभावी कार्यान्वयन का समय है. रणनीति के पहलू जमीन पर कार्य-योजना के रूप में दिखाई देने चाहिए, जो आपको आपके लक्ष्य की ओर ले जाएंगे.

यह आम बात है कि कई उम्मीदवार अपनी रणनीति को वास्तविकता में बदलने के उत्साह और उत्साह में प्रारम्भिक परीक्षा स्तर पर उनके सामने आने वाली चुनौती का मुकाबला करने के लिए आवश्यक कदम उठाने में विफल रह जाते हैं.

प्रीलिम्स 2024 : कठिन लक्ष्य को प्राप्त करने योग्य बनाएं

कुछ उम्मीदवारों के लिए सिविल सेवा (प्रारम्भिक) परीक्षा 2024 पहला प्रयास है, कुछ के लिए अगला प्रयास और कुछ के लिए यह सिविल सेवा में लक्ष्य बनाने और कॅरियर बनाने का आखिरी मौका हो सकता है.

कुछ के लिए, यह एक योजनाबद्ध प्रयास है और कुछ के लिए यह जानने का एक अनुभव है कि इसके लिए क्या आवश्यक है ? कुछ के लिए यह प्राप्य है, जबकि कई लोग सोचते हैं कि यह कठिन है. कुछ के लिए, यह एक मिशन है और कई के लिए यह सिर्फ भाग्य के साथ एक परीक्षण है.

सफलता की कहानियाँ देखो; जब दूसरों के लिए अवसर मौजूद है, तो आपको भी बड़ी सफलता मिल सकती है; आपको बस कड़ी मेहनत, दृढ़ता और स्वयं पर विश्वास की आवश्यकता है.

वास्तविकता की जाँच करने के लिए, आपको प्रारम्भिक परीक्षा के महत्व को स्वीकार करना होगा और इस चरण में सफलता आपकी यात्रा को जारी रखने के लिए कितनी महत्वपूर्ण है.

विकास की आवश्यकता महसूस करें; एक ईमानदार मूल्यांकन करें

नए उम्मीदवारों के लिए, 'सिविल सेवा' में करियर लगभग एक ठोस प्रस्ताव है और वे सोचते हैं कि अपना भविष्य विकसित करने के लिए, यह एक ऐसा कार्य है, जो मेरी पहुँच में है. हालाँकि, यूपीएससी के रचनात्मक और नवीन दृष्टिकोण के लिए आपको कल्पनाशील रूप से सोचने की आवश्यकता है.

इसीलिए शुरूआत में यह सुझाव दिया जाता है कि अपनी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देकर गतिविधियों की योजना बनाने और उसके अनुसार अपनी ताकत और कमजोरियों को ध्यान में रखते हुए रणनीति बनाने के लिए आत्म-मूल्यांकन करना आवश्यक है.

यदि आपने शुरूआत में ही यह अभ्यास किया होगा, तो आप यह पहचान पाएंगे कि जो लोग बड़ी सफलता हासिल करते हैं, वे उन लोगों से अलग कैसे होते हैं, जो अपने सपनों को साकार करने में विफल रहते हैं.

जिस क्षण आप इसमें थोड़ा गहराई से उतरते हैं, यह उतना ही स्पष्ट हो जाता है कि यह उतना सरल नहीं है जितना आप समझते हैं और ऐसे उम्मीदवार जटिलताओं को समझने में सक्षम नहीं हैं और लगभग हार मान लेते हैं.

आप जैसे-जैसे आगे बढ़ते हैं और आवश्यकताओं के करीब पहुँचते हैं, कई गैर-गम्भीर उम्मीदवार अटके हुए महसूस करते हैं और उनके लिए सिविल सेवा परीक्षा में सफलता सिर्फ एक मृगतृष्णा बनकर रह जाती है.

आदर्श रूप से, अब तक, आपने अध्ययन-योजना पूरी कर ली होगी और गंभीरता से तैयारी के साथ नियमित अंतराल पर संशोधन करते रहना चाहिए. स्पष्ट रहे कि केवल अभ्यास ही आपको इस परीक्षा में आने वाली चुनौतियों का मुकाबला करने में मदद करता है.

कैसा दृष्टिकोण रखें ?

आपके पास निपटने के लिए बहुत सारे विविध विषय हैं जिनके लिए बहुत प्रयास और गहनता की आवश्यकता होती है और यह इतना आसान नहीं है. यही कारण है कि उम्मीदवार प्रीलिम्स से लगभग 1 वर्ष पहले तैयारी शुरू कर देते हैं.

मैं आपको फिर से याद दिलाना चाहता हूँ कि यह सब प्रीलिम्स सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 1 और 2 के दौरान इन 2 घण्टों को संभालने और स्थिति पर पकड़ खोए बिना परीक्षा में अंत तक बने रहने के बारे में है. यह तनाव में टूट जाने के बजाय प्रयास को जीवंत बनाए रहने के बारे में है, क्योंकि प्रीलिम्स केवल एक स्क्रीनिंग परीक्षा मात्र है.

आपने पर्याप्त तैयारी कर ली है; अब, आपका संचित ज्ञान, आस-पास की चीजों के बारे में आपकी जागरूकता, आपका सामान्य ज्ञान और कुछ परीक्षा-कौशल यह सुनिश्चित करेंगे कि आप कट-ऑफ पर आरामदायक मार्जिन के साथ इसे पास करने के लिए तैयार हैं.

क्या कारण है कि अधिकांश उम्मीदवारों को लगता है कि वह नियंत्रण में हैं, लेकिन वास्तविक स्थिति निश्चित रूप से इतनी सहज नहीं होगी. कारण यह है कि जब वे परीक्षा के दिन के निकट पहुँचते हैं; वे कुछ मोर्चों पर समझौता कर लेते हैं या तैयारी की गति धीमी हो जाती है. शायद यह तैयारी के स्तर का गलत आकलन के कारण है अथवा यह चिंता या परीक्षा-दबाव के कारण है, जो उनकी तैयारी को प्रभावित करता है.

जब आपसे अपेक्षा की जाती है कि आप अपने प्रयास को सार्थक बनाने के लिए अपना सब कुछ झोंक दें, तो आप चीजों को उलझा देते हैं और यह आपके परिणाम में स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित होता है.

सीखने, समझने और इसकी गहन व्याख्या के लिए, सीधा उत्तर यह है कि आप बुनियादी बातों से तैयारी करें और फिर अध्ययन-योजना के साथ आगे बढ़ें जिसमें मानक पाठ्यपुस्तकें, प्रामाणिक जानकारी और संसाधन शामिल हैं, जो आपको नवीनतम जानकारी को अपडेट करने में मदद करते हैं.

इस परीक्षा के सम्बन्ध में उपयोग की जाने वाले कीवर्ड 'बेसिक्स' और 'करंट अफेयर्स' पर ध्यान दें और जान लें कि हर गम्भीर उम्मीदवार इन दोनों के इर्द-गिर्द प्रयास करने की कोशिश कर रहा है. ये दोनों जो प्रभाव डालते हैं, उसे सीखना और तैयारी में लगने वाले प्रयासों से अधिकतम लाभ उठाना आसान है. पिछले वर्षों के प्रश्न-पत्र यह स्पष्ट करते हैं कि ये आपकी सफलता की नींव हैं और इनके बिना आप तैयारी के हिस्से के रूप में जो कुछ भी करते हैं वह प्रभावी ढंग से काम नहीं करेगा.

इसलिए, अपने द्वारा बनाए गए शेड्यूल पर कार्य जारी रखें और प्रत्येक घटक को अपनी दैनिक-योजना के अनुसार निर्धारित

समय दें. अपनी दिनचर्या पर कायम रहें और ऐसी किसी भी चीज को नजरअंदाज न करें, जो आपके अंतिम परिणाम को प्रभावित करने की क्षमता रखती हो.

हर दिन प्रगति करें, चाहे वह कितनी ही छोटी क्यों न हो, निरन्तरता बनाए रखें और अपने पहले लक्ष्य—प्रारम्भिक परीक्षा की ओर बढ़ते रहें.

क्या आप यूपीएससी की मंशा समझ पा रहे हैं ?

सिविल सेवा परीक्षा की अधिसूचना जारी होने के बाद परीक्षा का पहला चरण प्रारम्भिक परीक्षा केंद्र में आ जाती है. जैसाकि हम देखते हैं, पहली बाधा पार करना एक बड़ी चुनौती बन गई है और आपको इस पर उचित ध्यान देने की आवश्यकता है.

यूपीएससी प्रीलिम्स को सरल और सीधा रख रहा है, लेकिन फिर भी, कट-ऑफ हर गुजरते वर्ष एक बड़ी चुनौती पेश कर रहा है.

यूपीएससी का इरादा स्पष्ट है— परीक्षा-योजना के इस पहले स्तर के साथ, यूपीएससी ने संकेत दिया है कि उपयुक्त योग्यता वाले उम्मीदवार आगे बढ़ने में सक्षम होंगे.

उसके लिए सम्पूर्ण परीक्षा-योजना को समझना आवश्यक है. प्रतिस्पर्धा कड़ी होती जा रही है और चारों ओर यह जानने की उत्सुकता है कि क्या काम करता है और क्या रणनीति अपनाने की जरूरत है, ताकि प्रारम्भिक परीक्षा का पहले प्रयास में ही सफलतापूर्वक सामना किया जा सके.

हमने अभी 'बुनियादी की ओर वापसी' दृष्टिकोण पर चर्चा की है और उभरती जरूरतों की पहचान करके कोई भी सफलता के करीब पहुँच सकता है; लेकिन कुछ भी निश्चित नहीं है. यह सब असाधारण तैयारी और ढेर सारे अभ्यास के बारे में है.

कुशलतापूर्वक तैयारी करें, आशावादी रहें

तैयारी यात्रा के दौरान, आशावादी दृष्टिकोण बनाए रखें और अपने लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता दिखाते रहें. निरन्तर प्रयासों और दृढ़ता से आप अपने ज्ञान और जागरूकता में सुधार कर सकते हैं. जब आप विषय-विशिष्ट सबल-पक्षों पर काम करते हैं, तो साथ ही आपको कुछ परीक्षा-तकनीकें भी सीखने की आवश्यकता है.

यह एक ऐसी परीक्षा है जहाँ आपको मानसिक दृढ़ता पर काम करने की जरूरत है.

आपके अध्ययन को निरन्तर अद्यतन करने और नई चीजों को शामिल करने की आवश्यकता है. इसके लिए आपको अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलना होगा.

सच तो यह है कि हम हर चीज नहीं सीख सकते, यह व्यावहारिक रूप से असंभव है. लेकिन नई चीजों को शामिल करने के लिए खुला रहना और जो कुछ भी आपने सीखा है उसका उपयोग करने का कौशल फायदेमंद होगा.

अधिकांश उम्मीदवार परीक्षा की अप्रत्याशित प्रकृति से डरते हैं, लेकिन क्या यह इतना बड़ा खतरा है ?

आप इसे अप्रत्याशितता कहते हैं, लेकिन यह प्रारम्भिक परीक्षा का आकर्षण है

समान-योग्यता वाले उम्मीदवारों का चयन करने और अनुशंसा करने के लिए लगातार मूल और नवीन विचारों, समाधानों और दृष्टिकोणों को उत्पन्न करते हुए, यूपीएससी इस परीक्षा को वर्ष-दर-वर्ष सफलतापूर्वक आयोजित कर रहा है.

यदि मैं प्रारम्भिक परीक्षा सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 1 के बारे में बात करता हूँ, तो उम्मीदवार कोचिंग संस्थानों द्वारा तैयार किए गए मॉक-टेस्ट से तैयारी करते हैं और जब वे परीक्षा हॉल में वास्तविक परीक्षा का सामना करते हैं, तो प्रश्नों का बिल्कुल अलग स्तर होता है, जो उन्हें परेशान कर देता है.

ईमानदारी से कहूँ, तो यूपीएससी परीक्षकों की अपेक्षाएं आमतौर पर उम्मीदवारों की सोच की तुलना में बहुत अधिक होती हैं. पाठ्यक्रम को प्रभावी ढंग से कवर करने का प्रयास करना, नियमित मॉक-टेस्ट के साथ जो यूपीएससी द्वारा लाए गए रुझान का पालन करते हैं, अपनी तैयारियों का मूल्यांकन करना भी पर्याप्त साबित नहीं हो रहा है.

फिर भी, ऐसे कई प्रश्न हैं, जो सीधे हैं और उचित रूप से अच्छी तैयारी वाला एक सामान्य उम्मीदवार इसे सँभाल सकता है. यदि हम सामान्य अवलोकन पर जाएं, तो परीक्षा हॉल में प्रश्न-पत्र का प्रयास करते समय, प्रभावी तैयारी के साथ अधिकांश उम्मीदवार लगभग 30 के आसपास प्रश्नों का उत्तर आसानी से देने में सक्षम होते हैं.

यदि मैं हाल के वर्षों में कट-ऑफ पर विचार करूँ, तो आप न्यूनतम 100+ का लक्ष्य रखने के बारे में सोच सकते हैं. हालाँकि, मेरी राय में, आपको सुरक्षित रहने के लिए 120+ का लक्ष्य रखना चाहिए, न जाने कब, किसी वर्ष विशेष में कट-ऑफ बढ़ जाए.

उस सेट-अप में, शेष 70 प्रश्नों में से अगले 28-30 प्रश्नों को सही चिह्नित करना चुनौती है.

अभ्यास करते समय अभ्यर्थी भी इस चुनौती को स्वीकार करते हैं और परिस्थिति के अनुरूप ढल जाते हैं.

अब, शेष प्रश्न का सही उत्तर देना आपके ज्ञान और जानकारी को संसाधित करने और सही उत्तर निकालने की आपकी क्षमता पर निर्भर करता है. ऐसी कई तकनीकें उपलब्ध हैं जिनसे उम्मीदवार तैयारी के दौरान सीखते हैं तथा कौशल विकसित करते हैं और इस विशाल प्रतियोगिता का सामना करने के लिए खुद को तैयार करते हैं.

एक और पहलू यह है कि आपको 'नकारात्मक अंकन' को ध्यान में रखना होगा और ऐसे में सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 1 का प्रयास करते समय अति महत्वाकांक्षी होना अच्छा विचार नहीं होगा.

प्रारम्भिक परीक्षा के लिए वस्तुनिष्ठ प्रकार (एमसीक्यू) प्रश्नों को प्रभावी ढंग से हल करने की रणनीति

आपको एक ऐसी रणनीति बनाने की जरूरत है जो आपको प्रारम्भिक परीक्षा का साहसपूर्वक सामना करने के लिए मार्गदर्शन करे और अंततः सकारात्मक परिणाम दे.

प्रारम्भिक परीक्षा के दौरान आपके प्रासंगिक ज्ञान, उसके अनुप्रयोग, आपकी सतर्कता और कुछ सामान्य ज्ञान के अलावा कुछ भी आपकी मदद नहीं करेगा. एक बार जब आप पर्याप्त ज्ञान प्राप्त कर लेते हैं, तो अभ्यास आपको व्यावहारिक बनाता है और बदले में समय को अच्छी तरह से प्रबंधित करने में मदद करता है.

इसे स्पष्ट रूप से पहचानने की आवश्यकता है, क्योंकि अधिकांश प्रश्न पेचीदा और टेढ़े-मेढ़े होते हैं, आपको प्रश्न को समझने की आवश्यकता होती है जिसके लिए प्रश्न पत्र को सावधानीपूर्वक पढ़ने की आवश्यकता होती है. यह सुनिश्चित करने के लिए कि आपने प्रश्न समझ लिया है, इसे दोबारा पढ़ें. विकल्पों को पढ़ने से पहले सम्बन्धित तथ्यों को याद करना और यह देखना हमेशा समझदारी है कि क्या इससे सही उत्तर देने में कोई मदद मिलती है ?

इसके अलावा, जब आप तैयारी पर ध्यान केंद्रित कर रहे हों, तो आपको शानदार प्रदर्शन के लिए अपने संचित ज्ञान और परीक्षा तकनीकों के बीच सम्बन्ध को पहचानना चाहिए.

प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी करते समय, बेहतर स्कोर करने के टिप्स के साथ प्रभावी तैयारी के साथ, आप 'नेगेटिव मार्किंग' के बारे में ज्यादा चिंता किए बिना उच्च प्रयास की आशा कर सकते हैं.

जब आप कोई प्रश्न उठाते हैं, तो आप पाएंगे कि दिए गए विकल्प एक-दूसरे से बहुत मिलते-जुलते हैं, जिससे प्रश्न कठिन लगते हैं. परीक्षक आमतौर पर आपकी तैयारी को परखने के लिए ऐसे प्रश्न रखते हैं और उनका उद्देश्य सिर्फ याद करना नहीं, बल्कि आपकी स्पष्ट समझ को परखना होता है.

अब, आपके पास अपनी तैयारी का मूल्यांकन करने के कई नए तरीके हैं, जहाँ कुछ सूचनाओं को संश्लेषित करके, प्रश्न तैयार किए जा रहे हैं और आपके पास प्रश्नों में डाली गई सभी सम्बन्धित जानकारी के ज्ञान के अलावा कोई अन्य संभावना नहीं बचती है. आप कह सकते हैं कि क्षितिज का विस्तार हो रहा है और तद्नुसार, आपकी तैयारी शैली अपेक्षाओं के अनुरूप होनी चाहिए.

प्रश्नों को सही ढंग से समझने के लिए सभी विकल्पों को पढ़ना भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि कई बार यह देखा गया है कि उम्मीदवार अपना विकल्प चुनने से पहले पूरा प्रश्न नहीं पढ़ते हैं, ऐसा समय की कमी के कारण हो सकता है और ऐसा करने पर गलतियाँ हो जाती हैं.

यह सरासर लापरवाही है फिर भी कुछ उम्मीदवार भाग्य/किस्मत को दोष देते हैं, जबकि ऐसे कृत्यों के लिए वे स्वयं जिम्मेदार होते हैं. समय की कमी के कारण दबाव बढ़ने पर भी आपको स्मार्ट काम की आवश्यकता है. गति के लिए शुद्धता का त्याग करना कोई सही सौदा नहीं है.

आप जो कुछ भी देखते हैं, वह सार्थक लगता है—कुछ एक सुराग लें

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 1 के विभिन्न घटकों की बात करें, तो हाल के वर्षों में, राजनीति/संविधान से सम्बन्धित प्रश्नों में वृद्धि देखी गई है. भूगोल, पर्यावरण और पारिस्थितिकी से सम्बन्धित बड़ी संख्या में प्रश्न सीधे और स्पष्ट होते हैं, बशर्ते आपकी समसामयिक घटनाओं पर पकड़ हो और अवधारणाएं स्पष्ट हों.

इतिहास और भारत के स्वतंत्रता संग्राम से प्रश्न प्रचुर मात्रा में हैं; अर्थव्यवस्था अनुभाग बहुत महत्वपूर्ण है, क्योंकि अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर देश में बहुत सारी कार्रवाई हो रही है और आपको समसामयिक विकास से अपडेट रहना हितकर होगा.

इस बार चुनाव के कारण शायद नई सरकारी पहलों/नीतियों से सम्बन्धित प्रश्न उतने प्रमुखता से न हों, लेकिन विकास की मानसिकता और बढ़ती अर्थव्यवस्था के पहलुओं को प्रतिबिंबित करने वाले प्रश्न बहुतायत में हो सकते हैं. इस तरह के अवलोकन आधारित प्रश्न उन लोगों के लिए आसान होंगे, जो समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और समसामयिक मुद्दों के शौकीन पाठक हैं. ऐसे अभ्यर्थियों को ये समझने में आसानी होगी.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र 1 क्या दर्शाता है ?

यूपीएससी परीक्षकों का प्रयास एक संतुलित प्रश्न-पत्र प्रस्तुत करना और कुछ सामान्य विषयों के आधार पर इसे सरल रखना है, जो उम्मीदवार आमतौर पर तैयार करते हैं. इसे कैसे प्रस्तुत किया जाता है ? यह एक सुन्दरता है, क्योंकि प्रत्येक प्रश्न उन सभी विषय-वस्तुओं को प्रतिबिंबित करता है, जो पहले ऐसे प्रथम दृष्ट्या सरल, लेकिन मरोड़े गए प्रश्नों में दिखते हैं.

यह सब ज्ञान, जागरूकता और समझ के बारे में है और प्रश्न किसी विशेष पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों के पक्ष में नहीं होने चाहिए और यहाँ तक कि अंग्रेजी माध्यम के उम्मीदवारों के अलावा अन्य उम्मीदवारों को भी यह प्रबंधनीय लगें.

प्रीलिम्स के प्रत्येक संस्करण में, यह दो दृष्टिकोणों के विलय का एक उत्कृष्ट उदाहरण है—पारम्परिक और गतिशील; विशिष्टता का एक मजबूत बिन्दु बनाने के लिए प्रत्येक से सर्वश्रेष्ठ का लाभ उठाना.

यूपीएससी की ओर से यह संतुलन बनाने और ऐसा प्रश्न पत्र बनाने का कार्य है जिसका कठिनाई स्तर सभी उम्मीदवारों के लिए समान हो. कठिनाई सुनिश्चित करके, यूपीएससी का इरादा उम्मीदवारों के ज्ञान, अवलोकन, सामान्य जागरूकता और मानसिक सतर्कता की गहराई की जाँच करना है.

इसलिए, चाहे नए प्रकार के प्रश्नों को प्रस्तुत करना हो या जानकारी माँगने के पैटर्न को बदलना हो, यूपीएससी की रचनात्मकता और नवीनता का स्पर्श गैर-गम्भीर/औसत उम्मीदवारों को कवर की तलाश में रखने के लिए एक चतुर रणनीति के अलावा और कुछ नहीं है.

चूँकि अधिकांश प्रश्न वैचारिक या अनुप्रयोग आधारित होते हैं, इसलिए उम्मीदवारों को एकीकृत दृष्टिकोण अपनाने की अवधारणा को मजबूत करने की आवश्यकता है. अब, गम्भीर उम्मीदवार मुख्य परीक्षा उन्मुख तैयारी की आवश्यकता को समझते हैं, क्योंकि प्रीलिम्स और मेन्स दोनों में कुछ घटक समान हैं और यहाँ तक कि किताबें और अध्ययन-सामग्री भी समान हैं.

हाँ, इन स्तरों पर प्रत्येक के लिए केवल दृष्टिकोण अलग है.

चूँकि मुख्य परीक्षा के लिए विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और रणनीतिक सोच की आवश्यकता होती है, इसलिए एकीकृत दृष्टिकोण उम्मीदवारों के लिए उपयोगी साबित होता है.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र II—यह आपका ध्यान आकर्षित करने की माँग करता है

यदि आप पिछले वर्ष के सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र II (एप्टीट्यूड टेस्ट) को याद करते हैं, तो यह असाधारण था और उम्मीदवारों ने इसे असाधारण रूप से कठिन बताया था. यदि सामान्य उम्मीदवार इस बारे में बात कर रहे हैं, तो वास्तव में तकनीकी पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को भी इस प्रश्न-पत्र स्तर के बारे में बात करते देखा गया है.

एक क्वालीफाइंग पेपर जहाँ आपको केवल 1/3 अंक यानी 200 में से 67 अंक चाहिए; अभी भी अभ्यर्थियों में ऐसा डर दिख रहा है. कई अन्य योग्य और अच्छी तरह से तैयार उम्मीदवार केवल लापरवाही और इस महत्वपूर्ण पेपर से अनभिज्ञ होने के कारण यहाँ ठोकर खा रहे हैं.

एप्टीट्यूड टेस्ट इस तरह से डिजाइन किए गए हैं, जो यह मापने का प्रयास करते हैं कि उम्मीदवार के पास सेवाओं के लिए आवश्यक विशिष्ट योग्यताएं और बौद्धिक क्षमताएं हैं या नहीं. सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र II पूरी तरह से एप्टीट्यूड के बारे में है जिसका उद्देश्य उम्मीदवार की बुद्धिमत्ता, योग्यता या क्षमता का परीक्षण करना है. यह उम्मीदवार का मात्रात्मक मूल्यांकन करने के लिए डिजाइन किया गया एक उपकरण है.

ये महत्वपूर्ण और विश्वसनीय हैं, क्योंकि हर कोई अपनी समझ के अनुरूप समान परीक्षा स्थितियों में प्रश्न-पत्रों का उत्तर देता है जिसके परिणामस्वरूप निष्पक्ष मूल्यांकन होता है.

ऐसे में, अभ्यर्थियों से पूरा पेपर हल करने की उम्मीद नहीं की जाती है. सभी प्रश्नों को हल करना अनिवार्य नहीं है और यदि आप ऐसे विचार रखते है, तो हो सकता है कि दूसरों की भी इसी तरह की सोच हो.

एप्टीट्यूड टेस्ट में 100% प्रश्न हल करने वाले सुरक्षित नहीं हैं. जितना अधिक जोखिम आप लेते हैं, उतनी ही अधिक सम्भावनाएं आप अपनी सफलता की सम्भावनाओं को बर्बाद कर रहे हैं.

यूपीएससी के रुख को ध्यान में रखते हुए तैयारी करना आपके हाथ में है. इस पर वह ध्यान दें जिसका आपसे यह परीक्षा अपेक्षा रखती है. कुछ भाषाई/गणितीय/तर्क कौशल सीखने और बहुत अभ्यास करने के लिए आवश्यक कुछ समय आवंटित करें.

साथ ही, पिछले वर्षों के प्रश्नों का प्रयास करना एक अच्छा विचार है और इससे आपको अपेक्षित प्रश्नों के स्तर के बारे में संकेत मिलेगा.

अपने सबल-पक्षों पर कार्य करें और एक ऐसी रणनीति बनाने का प्रयास करें, जो आपको कट-ऑफ पार करने में मदद करे.

कैसे सम्पर्क बैठाएं ?

मैं कहूँगा कि जो उम्मीदवार अपने संचित ज्ञान और परीक्षा तकनीकों के बीच सम्बन्ध को समझेंगे, वे शानदार प्रदर्शन करने में सक्षम होंगे.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र I ऐसा है जहाँ सामान्य ज्ञान और तर्कसंगत दृष्टिकोण सबसे अच्छा उपकरण रहा है और सही उत्तर देने के

लिए अपनी बुद्धि और क्षमता का उपयोग करना आपका उद्धारकर्ता होगा. परीक्षा-तकनीकों को लागू करना और गलत उत्तरों को खत्म करने की प्रक्रिया, जहाँ जो भी कार्य करे, सबसे अच्छी रणनीति होगी.

हर वर्ष, यूपीएससी वास्तव में उल्लेखनीय कार्य करता रहा है और यह सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र यूपीएससी द्वारा सिविल सेवा परीक्षा के स्तर के मानकों के अनुरूप ही होते हैं.

सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र II एक शुद्ध दिमाग का खेल है और सामान्य अध्ययन प्रश्न-पत्र I की तरह, जागरूकता और सतर्कता यहाँ भी आवश्यक शर्तें हैं. इस एप्टीट्यूड टेस्ट को सँभालने में दिमाग की उपस्थिति और समझ कौशल बहुत मददगार होंगे.

स्पष्ट रहे कि अयोग्य अभ्यर्थी पहले चरण में ही लड़खड़ा जाएंगे और लम्बी दूरी वाले उम्मीदवार; वैचारिक या रणनीतिक सोच के साथ बेहतर प्रदर्शन करेंगे तथा सकारात्मक परिणाम की उम्मीद रखेंगे.

इसकी क्या आवश्यकता है ?

सिविल सेवा परीक्षा को पहले ही प्रयास में उत्तीर्ण करने के लिए, आपको परीक्षा के प्रत्येक चरण में सम्पूर्ण परीक्षा-योजना और सम्बन्धित आवश्यकताओं को समझने की आवश्यकता है और केवल एक केंद्रित कड़ी मेहनत ही आपको सफल होने में मदद करेगी.

आपको निर्धारित मानदंडों को स्वीकार करना होगा और इसका प्रभावी ढंग से सामना करने के लिए, आपको सीखने के लिए अपना दिमाग खोलना होगा और उस स्तर को प्राप्त करना होगा, जो परीक्षा मानदंड से मेल खाता हो.

ज्ञान प्राप्त करना ही पर्याप्त नहीं है, आपको पाठ्यक्रम में सूचीबद्ध प्रत्येक विषय के पारम्परिक और समसामयिक पहलुओं पर पकड़ होनी चाहिए.

जैसाकि देखा गया है, समाचार-पत्र पढ़ने के सम्बन्ध में उम्मीदवारों के बीच व्यापक रूप से यह धारणा है कि नवीनतम से अवगत रहना ही खेल का नाम है. इसमें कोई शक नहीं, यह है भी; लेकिन, वे यदाकदा, तथ्य को समझने में गलती करते हैं और बुनियादी बातों को नजरअंदाज कर केवल नवीनतम जानकारी एकत्र करते रहते हैं.

वैचारिक स्पष्टता, अनुप्रयोग और विषयों के बीच अंतर-सम्बन्ध विषय को समझने और साहसपूर्वक परीक्षा का सामना करने में मदद करता है.

मॉक-टेस्ट के परिणाम आपको उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद करते हैं जिनमें सुधार की आवश्यकता है

आपको पाठ्यक्रम पूरा करना होगा और दोहराना होगा; रिवीजन का मतलब है पुनरीक्षण जिसके साथ आप 'यूपीएससी' आश्चर्य का सामना करने के लिए तैयार रहें.

आपका प्रयास जितना सम्भव हो उतना पाठ्यक्रम कवर करने का होना चाहिए और इसे जोखिम पर न छोड़ें, क्योंकि चयनात्मक होने के कारण आप यह जानने में असफल हो सकते हैं कि यूपीएससी क्या खोज रहा है ?

प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी करते समय, अपने आपको ध्यान भटकाने वाली चीजों से दूर रखें. यह समय आपकी तैयारियों के मूल्यांकन का है; जो कमियाँ नजर आ रही हैं उन्हें दूर करने का प्रयास करें.

यदि आपके पास पुनरीक्षण के लिए प्रमुख क्षेत्र बचे हैं, तो आप सीखने की प्रक्रिया को उलटने पर विचार कर सकते हैं, ताकि आप खामियों को दूर कर सकें. मॉक-टेस्ट को हल करने का प्रयास करें और परिणामों का गम्भीरता से विश्लेषण करें.

परीक्षा परिणाम पर एक नजर डालने से उन क्षेत्रों की पहचान हो जाएगी, जो आपकी ताकत हैं. यह उन टॉपिक्स को उजागर करेगा कि आप कहाँ बार-बार गलतियाँ कर रहे हैं, जिन क्षेत्रों में अच्छी तैयारी नहीं है और जिन विषयों पर आप अटका हुआ महसूस करते हैं. क्या ऐसे कुछ विषय या टॉपिक्स हैं, जो आपको गलत रास्ते पर फँसा रहे हैं ?

एक बार जब आप 4-5 मॉक-टेस्ट का प्रयास करते हैं, तो आपको स्पष्टता मिलनी शुरू हो जाती है और इस जाँच के आधार पर, आप अपने ज्ञान को अद्यतन करने और आत्मविश्वास हासिल करने के लिए प्रासंगिक किताबें, अध्ययन-सामग्री उठा सकते हैं या इंटरनेट पर खोज सकते हैं जिससे तैयारी में आ रही बाधाओं को दूर किया जा सके.

प्रीलिम्स 2024 में शामिल होने का अंतिम निर्णय तभी लें, जब आप पूरी तरह से तैयार महसूस करें

आपने पूरा सिलेबस कवर कर लिया होगा, उसे 2-3 बार रिवाइज कर लिया होगा; मॉक-टेस्ट में लगातार प्रदर्शन का मूल्यांकन करने और यह सुनिश्चित करने के बाद कि आपने इसमें महारत हासिल कर ली है और एक हिट-रेट तक पहुँच गए हैं, जो सुनिश्चित करता है कि आपके अंतिम अंक कट-ऑफ से काफी ऊपर हैं, प्रीलिम्स 2024 में उपस्थित होने के लिए अपना अंतिम निर्णय लेने में यह सभी आपकी सहायता करेंगे.

जैसाकि देखा गया है, मार्गदर्शन चाहने वाले कई उम्मीदवार कोचिंग संस्थानों में शामिल होते हैं. निश्चित रूप से, कई जगह फाउंडेशन कोर्स प्रीलिम्स के आसपास समाप्त होता है और कई उम्मीदवार तर्कसंगत निर्णय लेने की स्थिति में नहीं होते हैं. कोचिंग संस्थान की ओर से उन्हें आश्वासन दिया जाता है कि आपने अभी-अभी कोर्स पूरा किया है और ज्ञान का स्तर ऐसा है कि प्रीलिम्स में आवेदन करने के बारे में सोच बना सकते हैं.

हालाँकि, फाउंडेशन कोर्स को पूरा करना एक बात है और परीक्षा में शामिल होने के लिए तैयार होना, कुछ ऐसा है जिसे आपको ही तय करने की आवश्यकता है. तर्क करने के लिए, सबसे पहले, वह घटक जिसे संस्थान द्वारा अंतिम में लिया गया है; क्या आपने इसे पूरी तरह से संशोधित किया है ? क्या आपने इस विशेष क्षेत्र के लिए अपनी तैयारियों का मूल्यांकन किया है ? क्या यूपीएससी ने पिछले कई वर्षों से जो गतिशील दृष्टिकोण बनाए रखा है, उसका मुकाबला करने के लिए क्या आपके सूचना स्तर को अपडेट करने की कोई आवश्यकता है ?

जब मॉक-टेस्ट की बात आती है, तो आपने अनुभागीय परीक्षणों का प्रयास किया होगा, लेकिन पूर्ण परीक्षणों के बारे में क्या, जो वास्तविक अर्थों में आपकी तैयारियों का परीक्षण करते हैं ?

इसलिए हाथ में मौजूद समय का सर्वोत्तम उपयोग करें और मई के अंत में प्रीलिम्स 2024 में उपस्थित होने के लिए अंतिम निर्णय लें और यदि आप आश्वस्त महसूस करते हैं, तो ही केवल कहें—हाँ!

प्रीलिम्स के लिए अग्रसर तो हो रहे हैं, पर समझ लें कि यह नाजुक स्थिति है. लेकिन आप अगर लम्बे समय से तैयारी में संलग्न हैं, तो विचार करें कि आपने एक लम्बा सफर तय किया है और आत्म-सुधार के प्रति आपकी प्रतिबद्धता निश्चित रूप से आपको सकारात्मक परिणाम प्राप्त करने में मदद करेगी.

इसलिए इन आने वाले दिनों का उपयोग सोच-समझकर करें, खुद को प्रेरित रखें और सोचें कि यह आपकी पहुँच में है तथा आप इसे आराम से क्रैक कर सकते हैं. आपकी सकारात्मक मानसिकता आपको अगले स्तर -मुख्य परीक्षा तक ले जा सकती है. मुस्कुराते हुए अपनी यात्रा पर आगे बढ़ते रहें.

सिविल सेवा परीक्षा 2023 के अंतिम परिणाम नजदीक हैं

साक्षात्कार सत्र का अंतिम चरण अप्रैल के मध्य में समाप्त होने के साथ, हम जल्द ही अंतिम परिणाम देखेंगे. हमारे सामने यूपीएससी की उम्मीदों पर खरा उतरने वाले उम्मीदवारों को उचित पुरस्कार दिया जाएगा और वह अंतिम मेरिट-लिस्ट में अपना नाम पाने में सफल रहेंगे.

साक्षात्कार 2023 में शामिल होने वाले सभी लोगों को मेरी अग्रिम शुभकामनाएं.

उच्च सफलता आपकी ही हो! ●●●

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "कार्य के प्रति समर्पण, गहन अध्ययन और उसका सूक्ष्म विश्लेषण तथा निरन्तर लेखन-अभ्यास"

—अक्षय कुमार

67वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्री अक्षय कुमार ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—बिहार लोक सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री अक्षय—बहुत-बहुत धन्यवाद, सर!

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

श्री अक्षय—मैंने वहाँ मौजूद अधिक विविधता और चुनौतियों के कारण शीर्ष प्राथमिकताओं के रूप में बीएएस एवं बीपीएस को चुना था. हालाँकि, मुझे बाल कल्याण सेवाएं मिलीं. मैं इससे खुश हूँ.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

श्री अक्षय—वैकल्पिक विषय–समाजशास्त्र.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री अक्षय—यह विषय बहुत ही स्पष्ट एवं रोचक है.

प्र. द.—चूँकि वैकल्पिक विषय क्वालीफाईंग हो चला है, BPSC का यह कदम उम्मीदवारों की पसंद को कैसे प्रभावित करेगा ?

श्री अक्षय—उम्मीदवार उन विषयों को चुनेंगे जहाँ अध्ययन-सामग्री आसानी से उपलब्ध हो.

प्र. द.—आपने बीपीएससी के नए पैटर्न को कैसे समझा; इसका उम्मीदवारों की तैयारी के तरीके पर क्या प्रभाव पड़ेगा ?

श्री अक्षय—ईमानदार उम्मीदवारों को प्रारम्भिक परीक्षा अधिक आसानी से पास करने में मदद करेगा.

प्र. द.—67वीं BPSC प्रीलिम्स का प्रश्न-पत्र लीक हो गया था, इसका आपकी तैयारी के गेम-प्लान पर क्या प्रभाव पड़ा ?

श्री अक्षय—प्रीलिम्स रद्द होने के 15 दिन बाद मेरे पिता जी का निधन हो गया. मेरे लिए यह कठिन समय था, लेकिन चीजों को एक साथ रखने और फिर से तैयारी करने का समय मिल सका.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री अक्षय—यह मेरा चौथा प्रयास था.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री अक्षय—मुझे विश्वास था कि मैं सफल हो जाऊँगा. मुझे अच्छी रैंक मिली और मैं संतुष्ट हूँ. सबसे पहले मैंने यह खबर अपनी माँ से शेयर की और वह रोने लगीं.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ?

श्री अक्षय—उन सभी ने कड़ी मेहनत की है और वे इस सम्मान के हकदार हैं.

प्र. द.—आखिर किस समय आपने 'सिविल सर्विसेज' में कॅरियर बनाने का मन बनाया ?

श्री अक्षय—कोविड काल में, लेकिन इन घटनाओं के बाद मैं ईमानदार हो गया.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री अक्षय—मैंने तय किया था कि अगर मैं 2-3 वर्ष में सफल नहीं हुआ, तो मैं कानून में भविष्य तलाशूँगा.

प्र. द.—समय प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

श्री अक्षय—मैंने प्रारम्भिक और मुख्य परीक्षा दोनों के लिए कई मॉक-टेस्ट दिए. इससे मुझे अन्य चीजें प्रबंधित करने और रिवीजन करने में बहुत मदद मिली.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है. शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री अक्षय—मेरे पिताजी ने शुरू में मेरा समर्थन किया और मुझे तैयारी के लिए प्रेरित किया, लेकिन दुर्भाग्य से वह मेरी सफलता नहीं देख सके.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री अक्षय—मैं बुनियादी किताबों, मानक पाठ्य-पुस्तकों और मॉक-टेस्ट पर निर्भर था. मैंने काफी रिवीजन और अभ्यास किया.

प्र. द.—शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

श्री अक्षय—मैंने पूरे सिलेबस का ध्यान रखा और लगन से तैयारी की. मैंने उत्तर-लेखन का बहुत अभ्यास किया और मुख्य परीक्षा का सामना करने के लिए आश्वस्त था.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ?

श्री अक्षय—अपनी तैयारी के हिस्से के रूप में, मैंने 2-3 मॉक-इंटरव्यू दिए और मैं आश्वस्त था.

प्र. द.—सिविल सेवा–केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री अक्षय—हाँ, एक विकल्प के रूप में मैं एलएलबी कर रहा था.

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं में लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

शेष पृष्ठ 54 पर

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "दृढ़ आत्मविश्वास, कार्य के प्रति समर्पण तथा लक्ष्य-केन्द्रित एकाग्रचित्त अध्ययन."

—प्रणव कुमार

68वीं बिहार सिविल सेवा परीक्षा में चयनित (73वाँ स्थान)

बिहार लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर श्री प्रणव कुमार ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूल रूप में प्रस्तुत है.

प्र. द.—68वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री प्रणव—आपका बहुत-बहुत धन्यवाद.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से सन्तुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री प्रणव—जी, इससे पूर्व भी मेरा चयन 67वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा के माध्यम से अनुमंडल पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी के पद पर हो चुका था. इससे बेहतर परिणाम के प्रति आशावान था. सफलता के इस समाचार पर मैं भावुक था.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है और इसका कोई विशेष कारण ?

श्री प्रणव—पहली प्राथमिकता पुलिस उपाधीक्षक, दूसरी अवर निबंधक, तीसरी बिहार शिक्षा सेवा, चौथी सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी. 68वीं बीपीएससी में मैंने ADMO (सहायक आपदा प्रबंधन पदाधिकारी) का पद प्राप्त किया है. इस प्राथमिकता का विशेष कारण यह है कि मैं प्रशासन में उच्च पदों पर पहुँचकर अपने समाज, अपने राज्य और अपने राष्ट्र की सेवा कर सकता हूँ.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय क्या थे ?

श्री प्रणव—वैकल्पिक विषय–इतिहास.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री प्रणव—यह मेरा चतुर्थ प्रयास था. चारों प्रयास में मैंने इंटरव्यू दिया था.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या किसी टॉपर से आप प्रभावित हुए ?

श्री प्रणव—जब भी मैं किसी टॉपर को देखता था या उनका इंटरव्यू पढ़ता था, तो मेरे मन में यही ख्याल आता था कि मैं कब टॉपर बनूँगा. मैं अपने बड़े भैया से प्रभावित था. मैंने उनसे प्रेरणा ली और जहाँ तक सम्भव हो सका उनके द्वारा दिए गए मार्गदर्शन को माना.

प्र. द.—ऋणात्मक अंकन (नेगेटिव मार्किंग) के लिए क्या सावधानी बरती ?

श्री प्रणव—ज्यादा-से-ज्यादा रिविजन और टेस्ट सीरिज देनी चाहिए. मैंने एक कोचिंग सेन्टर द्वारा संचालित टेस्ट सीरिज का सहारा लिया.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है कैसे तैयारी करें ? कौनसा वैकल्पिक विषय लें ? क्या, कहाँ से और कितना पढ़ें ? इस तरह के अनेक प्रश्नों से मस्तिष्क घिरा रहता है—शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री प्रणव—जैसाकि मैंने पूर्व में बताया कि मैंने अपने भैया से सलाह ली एवं सर्वप्रथम एनसीआरटी की पुस्तकों को आधार बनाया. पूर्व वर्षों के प्रश्नों का तल्लीनता से अध्ययन किया एवं इसी आधार पर रणनीति बनाई.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री प्रणव—मैंने अपने पिछले प्रयासों से सीखा कि निरन्तर प्रयासरत रहने की आवश्यकता है एवं पूर्व की गलतियों से शिक्षा लेकर और उनमें सुधार करने से अवश्य सफलता मिलती है.

प्र. द.—वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है ?

श्री प्रणव—1. रुचि, 2. मार्गदर्शन. वैकल्पिक विषय का चुनाव करते समय ये दो मुख्य आधार होने चाहिए.

प्र. द.—आपके वैकल्पिक विषय के चुनाव का आधार क्या रहा ?

श्री प्रणव—चूँकि 68वीं संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा से वैकल्पिक विषय के अंक क्वालीफाइंग प्रवृति के होने के कारण मैंने स्नातक विषय को ही वैकल्पिक विषय के रूप में चुना.

प्र. द.—मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना में क्या विशेष परिवर्तन किया ?

श्री प्रणव—बदलते प्रश्नों की प्रवृति के अनुसार अपने उत्तर में समसामयिकी, आर्थिक सर्वेक्षण, बजट, केस स्टडी, मानचित्र एवं डायग्राम का समावेशन किया. इस कड़ी में मैंने प्रतियोगिता दर्पण की सहायता ली.

प्र. द.—आपने निबन्ध के लिए किस प्रकार तैयारी की ? आपने इस प्रयास में निबन्ध लिखने के लिए कौनसा विषय चुना और क्यों ?

श्री प्रणव—परीक्षा की तैयारी के दौरान सामान्य अध्ययन विषय की समझ हो जाने के उपरांत संघ लोक सेवा आयोग के टॉपर्स की मूल्यांकित कॉपियों का गहनता से विश्लेषण किया. बिहार लोक सेवा आयोग की मुख्य परीक्षा में तीन खण्डों के तहत कुल तीन निबन्ध लिखने होते हैं. इसके लिए मैंने खुद के नोट्स बनाए थे, जिनमें विषयानुसार कविता, महत्वपूर्ण कूट तथा महापुरुषों के विचार का संग्रहण किया था.

प्र. द.—समय-प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में क्या कोई कठिनाई हुई ?

श्री प्रणव—प्रारम्भ में परेशानी हुई थी, परन्तु निरन्तर अभ्यास से समय-प्रबंधन में कोई कठिनाई नहीं हुई.

प्र. द.—साक्षात्कार हेतु किस प्रकार की तैयारी की ? आपका साक्षात्कार किस बोर्ड में हुआ और आपका साक्षात्कार का अनुभव कैसा रहा ? आपसे साक्षात्कार में किस तरह के प्रश्न पूछे गए ?

श्री प्रणव—प्रायः प्रारम्भिक एवं मुख्य परीक्षा की तैयारी के दौरान ही लगभग साक्षात्कार की तैयारी हो जाती है. मेरा साक्षात्कार दीप्ति मैम के बोर्ड में था. मेरा अनुभव शानदार रहा. साक्षात्कार में समसामयिकी मुद्दों, भारत एवं बिहार के इतिहास एवं हॉबी से प्रश्न पूछे गए थे.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व—*मेरे बड़े भैया, मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम*
सबल पक्ष—*धैर्य, निरन्तरता, आत्मविश्वास*
दुर्बल पक्ष—*भावुकता*
रुचियाँ—*साइकिलिंग, उपन्यास पढ़ना*

प्र. द.—सिविल सेवा-केवल यही एकमात्र लक्ष्य था या किसी और कॅरियर विकल्प के लिए साथ-साथ तैयारी कर रहे थे ?

श्री प्रणव—प्रारम्भ में मेरा यही एक मात्र लक्ष्य था, परन्तु इस परीक्षा में सफलता की दर कम होने के कारण मैंने टीचिंग को कॅरियर विकल्प के रूप में रखा था.

प्र. द.—आज के बदलते आर्थिक परिदृश्य में निजी क्षेत्र में सेवाओं के लुभावने अवसर उपलब्ध होने के बावजूद आप सिविल सेवाओं में, बढ़ती प्रतिस्पर्धा के बाद भी, गम्भीरता से तैयारी में लगे रहे. आखिर किस चीज ने आपका जोश बरकरार रखा ?

श्री प्रणव—नीति एवं योजनाओं को सही से लागू कर समाज के सबसे निचले तबके तक विकास को पहुँचाने हेतु सिविल सेवा एक बेहतर अवसर प्रदान करता है. अतः, मैंने निजी क्षेत्र की अपेक्षा सिविल सेवा को कॅरियर के रूप में चुना.

प्र. द.—किस शैक्षिक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए ? आपके अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में कितना समय लगना चाहिए ?

श्री प्रणव—स्नातक स्तर पर सिविल सेवा परीक्षा की तैयारी के बारे में सोचना शुरू करना चाहिए. मेरे अनुसार इस परीक्षा की पूर्ण तैयारी में 1 से 2 वर्षों का समय पर्याप्त होता है.

प्र. द.—आपको लगता है कि इस परीक्षा में मानविकी विषयों की अपेक्षा विज्ञान विषयों के साथ अच्छे अंक प्राप्त करने की सम्भावनाएं ज्यादा हैं.

श्री प्रणव—जी नहीं, मैं इस बात से सहमत नहीं हूँ, मैंने खुद मानविकी विषय को रख कर यह परीक्षा उतीर्ण की है. मेरा मानना है कि सही मार्गदर्शन एवं रणनीति से किसी भी विषय से सफलता अर्जित की जा सकती है.

प्र. द.—आपके अनुसार इस परीक्षा में हिन्दी माध्यम से तैयारी करने एवं सफलता प्राप्त करने के बारे में क्या विचार हैं ?

श्री प्रणव—माध्यम एक साधन के रूप में कार्य करता है. मेरी सारी पढ़ाई हिन्दी माध्यम में हुई है. अतः, मैं इस माध्यम में सहज था एवं अपने उत्तर को अभिव्यक्त करने में सक्षम था.

प्र. द.—आपको किस तरह और कब सिविल सेवाओं की गरिमा एवं महत्व का अनुभव हुआ ?

श्री प्रणव—मेरे बड़े भैया स्वयं एक सिविल सेवक थे. उनके द्वारा किए गए कार्यों से एवं उनकी गरिमा एवं महत्व को देखते हुए मुझे सिविल सेवा की गरिमा का अनुभव हुआ.

प्र. द.—वह क्षण कब आया जब आपने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया ?

श्री प्रणव—इंटरमीडिएट की तैयारी के दौरान मैंने सिविल सेवाओं में कॅरियर की सम्भावनाओं को तलाशने का फैसला लिया.

व्यक्ति परिचय

नाम—प्रणव कुमार
पिता का नाम—श्री खेलन ठाकुर
माता का नाम—श्रीमती अनीता देवी
शैक्षिक योग्यता—
10th 2010 : BSEB, 68%
12th 2012 : BSEB, 66%
पूर्व चयन :
67वीं बीपीएससी संयुक्त सिविल सेवा परीक्षा में अनुमंडल पिछड़ा एवं अति पिछड़ा वर्ग कल्याण पदाधिकारी.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री प्रणव—बिहार लोक सेवा आयोग में प्रयासों की संख्या निर्धारित नहीं है, परन्तु मैंने तैयारी हेतु 5 वर्षों का समय निर्धारित किया था.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय आपका अपना था या फिर यह आपके माता-पिता का.

श्री प्रणव—यह मेरा स्वयं का निर्णय था. माता-पिता, बहन-जीजा जी एवं बड़े भाई ने मेरी तैयारी के दौरान मुझे प्रोत्साहित किया.

प्र. द.—क्या अभ्यर्थी के शैक्षिक, आर्थिक और जनांकिकीय स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है ? यदि हाँ, तो कैसे ?

श्री प्रणव—जी, मेरा मानना है कि अभ्यर्थी की शैक्षिक स्थिति का प्रभाव तैयारी पर पड़ता है, परन्तु आर्थिक स्थिति वर्तमान समय में बड़ी बाधा नहीं है. इस डिजिटल युग में तैयारी सम्बन्धी सामग्री एवं मार्गदर्शन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर मुफ्त में उपलब्ध है.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री प्रणव—मेरी सफलता का मूलमंत्र धैर्य, सतत् प्रयास, ईश्वर के प्रति आस्था और आत्मविश्वास है.

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे.

श्री प्रणव—मैं अपनी सफलता का श्रेय दादा-दादी, माता-पिता, बड़े भैया को देना चाहता हूँ, उनके आशीर्वाद एवं दृढ़ विश्वास के कारण ही में सफल हो सका हूँ.

प्र. द.—इस परीक्षा की तैयारी हेतु एक मानक प्रतियोगिता पत्रिका में क्या विशेष सामग्री एवं संकलन की अपेक्षा रखते हैं ?

श्री प्रणव—विभिन्न विषयों के आलेख, सभी राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम का समावेशन एवं तैयारी सम्बन्धी रणनीति का संकलन आवश्यक है.

प्र. द.—भारत में सबसे ज्यादा पढ़ी जाने वाली प्रतियोगिता पत्रिका प्रतियोगिता दर्पण को इन मानकों के कितना करीब पाया ?

श्री प्रणव—प्रतियोगिता दर्पण एक विश्वसनीय मासिक प्रतियोगिता पत्रिका है इसके सम्पादकीय लेख, राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय घटनाक्रम तथा अनुप्रेरक युवा प्रतिभाएं अभ्यर्थियों के बीच प्रसिद्ध हैं. यह मासिक प्रतियोगिता पत्रिका, सिविल सेवा परीक्षा की बदलती प्रवृत्ति के अनुसार सारगर्भित है.

प्र. द.—क्या आपने सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज का उपयोग किया, जो पिछले कई वर्षों से उम्मीदवारों के बीच बहुत पसंद की जा रही हैं ?

श्री प्रणव—जी, मैंने प्रतियोगिता दर्पण अतिरिक्तांक सीरीज के अन्तर्गत अर्थव्यवस्था खण्ड को अपनी तैयारी के दौरान शामिल किया एवं इससे लाभ पाया. सामान्य अध्ययन के अतिरिक्तांकों की सीरीज अभ्यर्थियों के बीच प्रसिद्ध है.

प्र. द.—क्या आपने प्रतियोगिता दर्पण —समसामयिकी वार्षिकी का उपयोग किया ?

श्री प्रणव—जी, मैंने इसका उपयोग किया, जिससे मुझे तैयारी में काफी लाभ मिला.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे.

श्री प्रणव—निरन्तर लगन , अपने आराध्य के प्रति आस्था के माध्यम से आप निश्चित सफल होंगे. मेरी तरफ से सभी अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं.

प्र. द.—आपके उज्जवल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं. ●●●

मेरी सफलता का मूलमंत्र है, "स्पष्ट उद्देश्य, लक्ष्य-केन्द्रित प्रयास तथा धैर्य के साथ कठिन परिश्रम."

—यश कुमार शर्मा

सिविल सेवा परीक्षा-2022 में चयनित (196वाँ स्थान)

संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सिविल सेवा परीक्षा 2022 में चयनित होकर श्री यश कुमार शर्मा ने एक गौरवपूर्ण उपलब्धि अर्जित की है, जिसके लिए वह प्रशंसा एवं हमारी हार्दिक बधाई के पात्र हैं. प्रतियोगिता दर्पण के साथ उनकी महत्वपूर्ण भेंटवार्ता यहाँ मूलरूप में प्रस्तुत है.

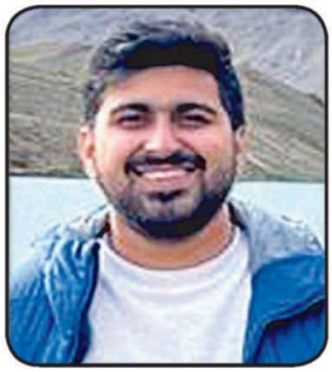

प्र. द.—सिविल सेवा परीक्षा में शानदार सफलता पर प्रतियोगिता दर्पण परिवार की ओर से हार्दिक बधाई.

श्री यश—बहुत-बहुत धन्यवाद सर.

प्र. द.—यह आपका कौनसा प्रयास था ?

श्री यश—यह मेरा तीसरा प्रयास था.

प्र. द.—आप अपने पिछले प्रयासों को किस प्रकार देखते हैं ?

श्री यश—पहले प्रयास में मैं प्रीलिम्स क्लियर नहीं कर सका. दूसरे प्रयास में मैं इंटरव्यू स्टेज तक पहुँच गया, लेकिन फाइनल लिस्ट में जगह नहीं मिल पाई.

प्र. द.—इस प्रयास में ऐसा क्या रहा, जो आप उच्च रैंक प्राप्त कर सके ?

श्री यश—इस बार मैं अपने मेन्स और इंटरव्यू के बाद आश्वस्त था कि मैं सूची में अपना नाम पा सकूँगा. इसका कारण यह था कि मेरे पास अपने पिछले वर्ष के प्रदर्शन का बेंचमार्क था और इस वर्ष अपने प्रदर्शन में सुधार करने का लक्ष्य पूरा कर पाया.

प्र. द.—आपका वैकल्पिक विषय क्या था ?

श्री यश—मेरा वैकल्पिक विषय समाज-शास्त्र है.

प्रथम प्रयास में गणित मेरा वैकल्पिक विषय था. मैंने गणित के साथ कोई मुख्य परीक्षा नहीं दी, लेकिन मैंने लगभग डेढ़ वर्ष तक इसका अध्ययन किया. फिर अपनी दूसरी प्रारम्भिक परीक्षा से ठीक पहले, मैंने समाजशास्त्र की ओर रुख किया. गणित का स्तर बहुत विशाल है. मेरी रुचि गणित में थी, हालाँकि समाजशास्त्र विषय भी मेरे रुचि का ही विषय था.

प्र. द.—इन सेवाओं में आपने क्या प्राथमिकता दी है ?

श्री यश—आई.ए.एस. मेरी पहली पसंद रही है.

प्र. द.—क्या आप इस प्रयास में अपनी तैयारी एवं परीक्षा में निष्पादन से संतुष्ट थे और उच्च सफलता के प्रति आशावान थे ? सफलता के इस समाचार पर आपकी क्या प्रतिक्रिया रही ?

श्री यश—आशा तो थी और जब मुझे अपने परिणाम के बारे में पता चला, तो मैं खुश हो गया. लेकिन मेरी प्राथमिकताएं प्रशासनिक सेवाएं हैं, इसलिए तैयारी अभी भी जारी है. मैंने राहत की सांस ली, क्योंकि 4 वर्ष की कड़ी मेहनत के बाद मैं इस परीक्षा में सफल हो सका.

हाँ, अगले कुछ ही क्षणों में मैंने यह तय कर लिया कि अगली बार मुझे क्या लेना है ? इसलिए, अगले ही दिन से, मैं अपनी स्टडी टेबल पर वापस आ गया और प्रीलिम्स की तैयारी कर रहा था, जो केवल 5 दिन दूर था.

प्र. द.—अपना परिणाम जानने से पहले आप टॉपर्स के बारे में क्या सोचते थे ? क्या इनमें से किसी टॉपर से आप प्रभावित हुए ?

श्री यश—मैंने टॉपर्स के कुछ नोट्स लिए थे और विशेष रूप से परीक्षा सम्बन्धी कार्यों के लिए उनसे सलाह ली थी.

अगर मुझे एक ऐसे टॉपर का नाम लेना है जिससे मैंने कुछ प्रेरणा ली है और केवल मैं ही नहीं, वह सभी उम्मीदवारों के बीच बहुत आम नाम है—वह अनुदीप दुरीशेट्टी सर (यूपीएससी 2017 टॉपर) हैं.

प्र. द.—इस परीक्षा में बैठने का निर्णय लेने के बाद आपका पहला कदम सबसे कठिन होता है शुरू में तैयारी के लिए आपको सही सलाह कहाँ से मिली ?

श्री यश—बुनियादी मार्गदर्शन, जो कोचिंग संस्थान प्रदान करते हैं, इसके अलावा मेरे पास कुछ अधिक मार्गदर्शन नहीं था.

कॉलेज के मेरे कुछ दोस्त तैयारी कर रहे थे, उनसे भी कुछ मदद मिली. मैंने यूट्यूब पर बहुत सारे वीडियो देखे, कौनसी किताबें पढ़नी चाहिए ? जैसे बुनियादी किताबें, गुणवत्ता के लिए और आधुनिक इतिहास के लिए. सभी बुनियादी एनसीईआरटी पुस्तकें मैंने कॉलेज में पढ़ना शुरू कर दी थीं.

प्र. द.—क्या तैयारी के शुरू में आपने अपने लिए इस परीक्षा का सामना करने के लिए कोई समय-सीमा या प्रयासों की संख्या सम्बन्धी सोच बनाई थी ?

श्री यश—मुझे इस परीक्षा में सफल होने का विश्वास था, लेकिन किसी को भी सिविल सेवा परीक्षा में सफल होने का तब तक यकीन नहीं होता जब तक वे इसमें सफल नहीं हो जाते.

मैंने यूपीएससी सिविल सेवा की तैयारी के लिए 2 वर्ष देने का वादा किया था.

प्र. द.—समय प्रबंधन को लेकर इस परीक्षा की तैयारी में या फिर परीक्षा भवन में कोई कठिनाई हुई ?

श्री यश—जब मेरी तैयारी प्रारम्भिक चरण में थी, तब समय प्रबंधन एक मुद्दा था, लेकिन बाद में रिवीजन के साथ, मुझे कभी भी समय प्रबंधन से सम्बन्धित समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ा.

मेरी लिखने की गति अच्छी है; इसलिए अपने पेपर लिखते समय, मुझे अपने पेपर पूरे करने में कभी कोई समस्या नहीं हुई.

तैयारी के दौरान, पूरे समय तैयारी कर रहा था; इसलिए, मैं आसानी से समय का प्रबंधन करने में सक्षम था.

प्र. द.—प्रारम्भिक परीक्षा की तैयारी हेतु क्या रणनीति रही ?

श्री यश—यदि आपने अच्छी पढ़ाई की है, यदि आपने अच्छी रणनीति बनाई है, तो प्रीलिम्स में आपकी सफलता की सम्भावना काफी बढ़ जाएगी. आपको इस तैयारी की प्राथमिकता अपने दूसरे विकल्प के रूप में रखना चाहिए, यह बहुत अप्रत्याशित है, मैं सहमत नहीं हूँ.

मैंने प्रीलिम्स 2023 क्लियर किया और मेन्स भी दिया. तो इस प्रीलिम्स को भी 5 दिन के अन्दर क्लियर कर लिया.

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व—*मेरी माँ*

सबल पक्ष—*मैं शांत स्वभाव रखता हूँ और आत्मविश्वासी हूँ*

दुर्बल पक्ष—*मैं बहुत अधिक सोता हूँ, थोडा बहुत आलसी.*

रुचियाँ—*क्रिकेट खेलना और देखना, फुटबाल भी खेलता हूँ, यात्रा करना पसंद है.*

प्र. द.—शुरू से ही मुख्य परीक्षा की तैयारी की योजना क्या रही ?

श्री यश—मुझे लगता है कि चीजों को सरल रखना मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण चीजों में से एक है.

आपको अपना प्राथमिक स्रोत वो नोट्स रखना चाहिए, जो आपने तैयार किए हैं. नोट बनाना बहुत जरूरी है, खासकर तब जब आपने कोई कोचिंग इंस्टीट्यूट ज्वाइन किया हो. आपको ईमानदारी से कक्षाओं का पालन करना होगा, नोट्स बनाना होगा और यही आपकी तैयारी की रीढ़ होनी चाहिए.

दूसरी बात यह है कि सभी बुनियादी सामग्री पढ़ें.

एक अच्छी टेस्ट सीरीज का प्रयास करना. आपको प्रीलिम्स के लिए 70-80 टेस्ट देने चाहिए. लेकिन हाँ, लगभग 20-30 मॉक-टेस्ट, यह एक अच्छी संख्या है.

समाचार-पत्र पढ़ना. यह बहुत जरूरी है. नियमित रूप से समाचार-पत्र पढ़ने के लिए 45 मिनट से एक घण्टा देना चाहिए और अन्त में मुझे एक चीज मिली वह है पिछले वर्ष के प्रश्नों का अभ्यास करना. यह अभ्यास वास्तव में बहुत महत्वपूर्ण है. मैं उपर्युक्त मार्ग पर चला.

प्र. द.—साक्षात्कार का अनुभव किस प्रकार का रहा ?

श्री यश—मेरा साक्षात्कार श्री चौबे सर के बोर्ड में था. इंटरव्यू शुरू करते हुए उन्होंने मुझसे बिजली, बिजली कटौती, बिजली की कमी क्यों है ? आदि के बारे में पूछा. इस वर्ष मेरा इंटरव्यू पूरी तरह से मेन्स सिलेबस पर आधारित था. मुझसे नवीकरणीय ऊर्जा, मोटे अनाज (Millets), इससे किसानों को कैसे लाभ होगा ? आदि के बारे में पूछा गया. मेरे साक्षात्कार के दौरान अर्थव्यवस्था के कुछ पहलुओं के बारे में भी पूछा गया. कुछ प्रश्न मेरी रूचियाँ जैसे—क्रिकेट के बारे में थे.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री यश—अपने उद्देश्य के बारे में स्पष्टता और धैर्य.

व्यक्ति परिचय

नाम—यश कुमार शर्मा
पिता का नाम—श्री लोकेश शर्मा
माता का नाम—श्रीमती दीपा शर्मा
जन्मतिथि—21 फरवरी, 1998
शैक्षिक योग्यता—
10th CBSE : Saint Anselms Senior Secondary School, Alwar-10CGPA
12th CBSE : Abhinav Public School, Delhi, 95%
Graduation (B. Tech.) : Netaji Subhas Institute of Technology, 77%

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री यश—इस सफलता का श्रेय मेरे परिवार, मेरे माता-पिता और मेरे भाई को जाता है तथा मेरे कुछ दोस्त भी इसके हकदार हैं, क्योंकि हर एक दोस्त ने कहीं-न-कहीं मेरा साथ दिया है.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री यश—अपनी तैयारी को सरल रखना बहुत महत्वपूर्ण है. टॉपर्स जो भी कहें उससे पूर्णतः प्रभावित नहीं होना चाहिए; हर टॉपर की अलग रणनीति होती है.

यह जाँचने के लिए उत्सुक रहें कि उम्मीदवार कैसे तैयारी करते हैं ? सीखते हैं और अभ्यास करते हैं. वे कितनी बार रिवीजन करते हैं ? नोट्स बनाते हैं और पिछले वर्षों के प्रश्नों को हल करते हैं.

प्राथमिकताएं तय करते रहें और धैर्य रख आगे बढ़ते रहें.

सबसे महत्वपूर्ण बात-एक अच्छा उद्देश्य रखें कि आप सेवाओं में क्यों प्रवेश कर रहे हैं ?

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं. ●●●

शेष पृष्ठ 50 का

व्यक्तिगत विशेषताएं

पसंदीदा व्यक्तित्व—*मेरे पिताजी*

सबल पक्ष—*तैयारी में निरन्तरता बनाए रखना, स्थिरता*

दुर्बल पक्ष—*कभी-कभी, मैं कम प्रयास करता हूँ.*

रुचियाँ—*क्रिकेट खेलना और देखना, हिन्दी संगीत सुनना, फिल्में और वेब-सीरीज देखना.*

श्री अक्षय—लोगों की सेवा करने और समाज में अक्सर कमजोर लोगों को न्याय दिलाने की प्रेरणा ने मेरा जोश बरकरार रखा.

प्र. द.—आपकी राय में सिविल सेवा की तैयारी किस शैक्षिक स्तर से शुरू करनी चाहिए और बीपीएससी परीक्षा की तैयारी के लिए कितना न्यूनतम समय रखना चाहिए ?

श्री अक्षय—सम्भवतः व्यक्ति को अपना ग्रेजुएशन ईमानदारी से करना चाहिए, उसके बाद ही सिविल सेवा की तैयारी शुरू करनी चाहिए.

व्यक्ति परिचय

नाम—अक्षय कुमार
पिता का नाम—स्व. श्री प्रभु दयाल
माता का नाम—श्रीमती प्रियका देवी
शैक्षिक योग्यता—
10th 2010-11 : Bihar Board, K R High School, Bethiah, 77%
12th 2011-13 : Bihar Board, K R SSS, Bethiah, 74%
BA 2013-16 : Delhi University, Psychology, 62%

प्र. द.—क्या आपने तैयारी के दौरान प्रतियोगिता दर्पण का उपयोग किया ?

श्री अक्षय—प्रतियोगिता दर्पण ने करंट अफेयर्स भाग के लिए मेरी प्रारम्भिक परीक्षा में काफी मदद की.

प्र. द.—आपकी सफलता का मूलमंत्र क्या है ?

श्री अक्षय—मेरे पिताजी की प्रेरणा

प्र. द.—अपनी सफलता का श्रेय किनको देना चाहेंगे ?

श्री अक्षय—मेरे माता-पिता और मेरा छोटा भाई.

प्र. द.—कोई सुझाव या सन्देश अभ्यर्थियों को देना चाहेंगे ?

श्री अक्षय—सुसंगत और आशावादी बने रहें. अपनी तैयारी की यात्रा का आनंद लें; आशातीत परिणाम अवश्य आएंगे.

प्र. द.—आपके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं. ●●●

स्मरणीय तथ्य

राष्ट्रीय

1. किस भारतीय टेनिस खिलाड़ियों की जोड़ी ने फ्रेंच ओपन 2024 का खिताब 10 मार्च को जीत कर अपने नाम कर लिया ?
—सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी
☞ सात्विक-चिराग की जोड़ी ने वर्ष 2024 का पहला टाइटल जीता, उन्होंने फ्रेंच ओपन के फाइनल मैच में चीनी ताइपे के ली झे-ह्यूई और यांग पो-हुआन को मात दी. इस जोड़ी ने यह अपना दूसरा फ्रेंच ओपन खिताब जीता है. इससे पहले इस भारतीय जोड़ी ने 2022 में यह टूर्नामेंट जीता था.
2. भारत के रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने किस इंटरकॉन्टिनल मिसाइल का फ्लाइट टेस्ट परीक्षण मार्च 2024 को किया है ?
—अग्नि-5
☞ यह मिसाइल 5,000 किमी से अधिक दूरी तक परमाणु हथियारों से मार कर सकती है. मल्टीपल इंडिपेंडेंटली टारगेटेड री-एंट्री व्हीकल (MIRV) तकनीक से लैस यह मिसाइल एक साथ एक से अधिक लक्ष्यों को भेदने में सक्षम है. यह परीक्षण मिशन दिव्यास्त्र के तहत् किया गया है.
3. भारत सरकार ने 2019 में संसद से पारित किस विवादित नागरिकता से सम्बन्धित कानून को मार्च 2024 में लागू किया है ?
—सिटिजन अमेन्डमेंट एक्ट (CAA)
☞ नागरिकता संशोधन अधिनियम (CAA) लागू होने से पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान से आए गैर-मुस्लिम शरणार्थियों को अब आसानी से भारत की नागरिकता मिल जाएगी.
4. हरियाणा में मनोहर लाल खट्टर के स्थान पर कौन नया मुख्यमंत्री 12 मार्च, 2024 को बना है ? **—नायब सिंह सैनी**
☞ 12 मार्च, 2024 को तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर द्वारा मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद भारतीय जनता पार्टी ने नायब सिंह सैनी को हरियाणा का नया मुख्यमंत्री बनाया है. हरियाणा में बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष नायब सिंह सैनी कुरुक्षेत्र से बीजेपी के सांसद भी हैं.
5. जैसलमेर की पोखरण फील्ड फायरिंग रेंज में तीनों सेनाओं के स्वदेशी हथियारों की ताकत का प्रदर्शन 12 मार्च, 2024 को किस नाम से किया गया ?
—भारत शक्ति
☞ इस अभ्यास में भारतीय सेना के कई हथियारों के साथ साथ टी-90 (आईएम) टैंक, धनुष और सारंग गन सिस्टम, आकाश अस्त्र प्रणाली, लॉजिस्टिक्स ड्रोन, रोबोटिक म्यूल्स, एडवांस्ड लाइट हेलीकॉप्टर (एएलएच) को शामिल किया गया. भारतीय सेना ने उन्नत जमीनी युद्ध और हवाई निगरानी क्षमताओं का प्रदर्शन भी किया.
6. महाराष्ट्र के अहमदनगर शहर का नाम बदलकर क्या रखने का निर्णय राज्य सरकार ने 13 मार्च, 2024 को लिया है ? ***—अहिल्या नगर***
☞ अहमदनगर रानी अहिल्या देवी होल्कर का जन्म स्थान है तथा यह घोषणा उनकी 298वीं जयंती पर महाराष्ट्र सरकार ने की है. अहमदनगर की स्थापना प्रथम निजामशाही सुल्तान अहमद निजामशाह ने 15वीं शताब्दी में की थी.
7. भारतीय नौसेना में 13 मार्च, 2024 को तटवर्ती समुद्री जल में पनडुब्बी-रोधी ऑपरेशन के लिए किन 2 जहाजों को सम्मिलित किया गया है ?
—आईएनएस अग्रय, आईएनएस अक्षय
☞ एंटी-सबमेरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (ASW SWC) आईएनएस अग्रय व आईएनएस अक्षय का निर्माण गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एण्ड इंजीनियर्स लिमिटेड (GRSE) द्वारा किया गया है.
8. एक राष्ट्र एक चुनाव पर किसकी अध्यक्षता में गठित समिति ने 14 मार्च, 2024 को राष्ट्रपति को रिपोर्ट सौंपी ? ***—रामनाथ कोविंद (पूर्व राष्ट्रपति)***
☞ 18,000 से अधिक पन्नों की इस रिपोर्ट में समिति ने देश में एकसाथ लोकसभा, विधानसभा चुनावों के लिए संविधान में संशोधन की सिफारिश की है.
9. 3 मार्च, 2024 को दी गई जानकारी के अनुसार त्रिपुरा के आदिवासी समुदायों द्वारा पहने जाने वाले हाथ से बुने हुए किस कपड़े को भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग दिया गया है ? ***—रिसा (Risa)***
☞ त्रिपुरा ग्रामीण आजीविका मिशन (टीआरएलएम) द्वारा प्रवर्तित गोमती जिले के किल्ला महिला क्लस्टर के सभी कारीगरों द्वारा रिसा कपड़े को जीआई टैग दिलाने के लिए प्रयास किए थे.
10. मेकरलैब्स एडुकेट कम्पनी के सहयोग से विकसित भारत की पहली आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) टीचर किस नाम से केरल के तिरुवनंतपुरम के एक स्कूल के टीसीटी हायर सेकेंडरी स्कूल में मार्च 2024 में लाँच की गई ? ***—आइरिस (Iris)***
☞ आईरिस का नॉलेज बेस चैटजीपीटी जैसे प्रोग्रामिंग से बनाया गया है. यह 3 प्रमुख भाषाओं में बातचीत कर सकती है और यह विद्यार्थियों के कठिन से कठिन सवालों के जवाब भी दे सकती है. आईरिस भारत सरकार की योजना एटीएल (अटल टिंकरिंग लैब) का हिस्सा है.
11. पद्मश्री से सम्मानित किस महिला लेखिका और समाज सेविका को राज्यसभा में सदस्य के रूप में राष्ट्रपति ने मार्च 2024 में मनोनीत किया ?
—सुधा मूर्ति
☞ सुधा मूर्ति टाटा इंजीनियरिंग एण्ड लोकोमोटिव कम्पनी लिमिटेड (टेल्को) के साथ काम करने वाली पहली महिला इंजीनियर रही हैं. उनकी बेटी अक्षता की शादी ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक से हुई है. सुधा मूर्ति इन्फोसिस के संस्थापक एनआर नारायण मूर्ति की पत्नी हैं.
12. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 6 मार्च, 2024 को भारत की पहली अंडर वाटर मेट्रो टनल का प्रारम्भ कहाँ किया ? ***—कोलकाता***
☞ कोलकाता मेट्रो के लिए ये सुरंग हुगली नदी के नीचे नदी के तल से 13 मीटर और जमीनी स्तर से 33 मीटर नीचे है. हावड़ा मैदान से एस्प्लेनेड तक की इस सुरंग को पार करने में लगभग 45 सेकंड का समय लगता है.
13. भारत के निर्वाचन आयोग में किन दो नये निर्वाचन आयुक्तों की नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा मार्च 2024 में की गई है ?
—सुखबीर सिंह संधू और ज्ञानेश कुमार
☞ पूर्व प्रशासनिक अधिकारी (IAS) ज्ञानेश कुमार और सुखबीर संधू ने चुनाव आयोग में चुनाव आयुक्त का पद 15 मार्च को ग्रहण किया है. पूर्व चुनाव आयुक्त अनूप चंद्र पांडेय की सेवानिवृत्ति और अरुण गोयल के बीते दिनों हुए इस्तीफे की वजह से चुनाव आयोग में 2 चुनाव आयुक्तों के पद खाली थे.
14. किस पूर्व प्रशासनिक अधिकारी (आईएएस) को भारत सरकार ने प्रसार भारती का चेयरमैन 15 मार्च, 2024 को नियुक्त किया है ?
—नवनीत कुमार सहगल
☞ फरीदकोट में जन्मे उत्तर प्रदेश कैडर के प्रशासनिक अधिकारी नवनीत कुमार सहगल का कार्यकाल 3 वर्ष का होगा. नवनीत कुमार सहगल ने ए. सूर्य प्रकाश का स्थान लिया है, जिनका कार्यकाल फरवरी 2020 में समाप्त हो गया था. प्रसार भारती, प्रसार भारती अधिनियम के तहत् स्थापित एक वैधानिक स्वायत्त निकाय है और 23.11.1997 को अस्तित्व में आया है. यह देश का लोक सेवा प्रसारक है.

15. किस क्रिकेट टीम ने भारत के घरेलू क्रिकेट की प्रतिष्ठित रणजी ट्रॉफी 2023-2024, मार्च 2024 में रिकॉर्ड 42वीं बार जीती ? ***—मुम्बई***

☞ मुम्बई में वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए फाइनल मैच में अजिंक्य रहाणे की कप्तानी में मुंबई ने विदर्भ को 169 रन से हराकर 42वीं बार रणजी ट्रॉफी का खिताब अपने नाम किया. प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवार्ड मुम्बई टीम के तनुष कोटियान को मिला.

अन्तर्राष्ट्रीय

1. महिला न्यायाधीशों के विश्व में योगदान को मान्यता देने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय महिला न्यायाधीश दिवस किस दिन आयोजित किया जाता है ? ***—10 मार्च***

☞ संयुक्त राष्ट्र जनरल असेंबली ने 26 अप्रैल, 2021 को सर्वसम्मति से अपनाए गए एक प्रस्ताव द्वारा 10 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला न्यायाधीश दिवस मनाने की घोषणा की थी. विश्व स्तर पर पहली बार यह दिन 10 मार्च, 2022 को मनाया गया.

2. 9 मार्च, 2024 को मुंबई में आयोजित मिस वर्ल्ड 2024 प्रतियोगिता में चैक रिपब्लिक की किस सुन्दरी को विजेता घोषित किया गया ? ***—क्रिस्टीना पिस्कोवा (Krystyna Pyszkova)***

☞ भारत में 28 वर्ष बाद आयोजित इस प्रतियोगिता में मिस लेबनान यास्मीना जायटॉन (Yasmina Zaytoun) रनर अप रहीं. भारत का प्रतिनिधित्व फेमिना मिस इंडिया वर्ल्ड 2022 सिनी शेट ने किया, लेकिन यह विजेताओं में स्थान नहीं बना पायीं.

3. उत्तरी यूरोप के स्केन्डिनेविएन प्रायद्वीप में स्थित किस नॉर्डिक देश को 7 मार्च, 2024 को नॉर्थ अटलांटिक ट्रीटी ऑर्गनाइजेशन (NATO) में 32वें राष्ट्र के रूप में सम्मिलित किया गया ? ***—स्वीडन***

☞ स्वीडन के झंडे को नाटो के ब्रुसेल्स, बेल्जियम में स्थित मुख्यालय में 11 मार्च, 2024 को समारोहपूर्वक अन्य देशों के झंडों के साथ फहराया गया.

4. 5 मार्च, 2024 को किस देश में गर्भपात कराने को संवैधानिक अधिकार बना दिया है तथा संविधान में ये अधिकार जोड़ने वाला यह दुनिया का पहला देश बन गया है ? ***—फ्रांस***

☞ फ्रांसीसी संसद ने एक विधेयक पारित कर महिलाओं को गर्भपात (Abortion) कराने का संवैधानिक अधिकार प्रदान किया है. वहाँ गर्भपात 1974 से एक कानूनी अधिकार है.

5. विश्व की किस पहली यात्री विमानन कम्पनी ने पहली आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस (AI) एयर होस्टेस को समा 2·0 नाम से मार्च 2024 में प्रस्तुत किया ? ***—कतर एयरवेज***

☞ कतर एअरवेज ने केबिन क्रू समा 2·0 जिसका अरेबिक भाषा में अर्थ आकाश होता है, का निर्माण आर्टिफिसियल इंटेलिजेंस (AI) डिजिटल ह्यूमेन टेक्नोलॉजी कम्पनी यूनीक (UneeQ) के साथ मिलकर किया है.

6. अन्तर्राष्ट्रीय युवा विश्व सम्मेलन ('वर्ल्ड फेस्टिवल ऑफ यूथ') 29 फरवरी से 7 मार्च, 2024 तक कहाँ आयोजित किया गया जिसमें भारतीय युवाओं ने भी भाग लिया ? ***—सिरियूस, रूस (Sirius, Russia)***

☞ विश्व युवा सम्मेलन का आयोजन वर्ल्ड फेडरेशन ऑफ डेमोक्रेटिक यूथ और इंटरनेशनल यूनियन ऑफ स्टूडेंट्स ने किया था, जिसमें 190 देशों के सभी क्षेत्रों के लगभग 20000 युवकों ने भाग लिया.

7. रूस, ईरान और चीन का संयुक्त नौसैनिक युद्ध अभ्यास किस नाम से अमन की खाड़ी और अरब सागर में मार्च 2024 में सम्पन्न हुआ ? ***—मेरीटाइम सिक्योरिटी बेल्ट 2024***

☞ समुद्री आर्थिक सुरक्षा से सम्बन्धित इस युद्धाभ्यास में भारत, पाकिस्तान, कजाखस्तान, अजरबैजान, ओमान और साउथ अफ्रीका के प्रतिनिधियों ने पर्यवेक्षक के रूप में भाग लिया.

8. भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने अपनी 11-13 मार्च, 2024 की विदेश यात्रा के दौरान किस राष्ट्र के राष्ट्रीय दिवस समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया ? ***—मॉरीशस***

☞ राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने 12 मार्च को चैंप डे मार्स (Champ De Mars) में मॉरीशस की स्वतंत्रता की 56वीं वर्षगांठ और गणराज्य बनने की 32वीं वर्षगाँठ के समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लिया. विभिन्न मार्चिंग टुकड़ियों में भारतीय नौसेना का गौरवपूर्ण मार्चिंग दस्ता भी शामिल था.

9. आइसलैण्ड के किस प्रायद्वीप में 16 मार्च, 2024 को ज्वालामुखी विस्फोट के बाद दक्षिणी आइसलैण्ड में आपात-स्थिति की घोषणा कर दी गई है ? ***—रेजेंस प्रायद्वीप (Reykjanes Peninsula)***

☞ पिछले दिसम्बर से यह चौथा मौका है जब इस प्रायद्वीप पर ज्वालामुखी विस्फोट हुआ है. इसके चलते ब्लू लैगून और नजदीक के शहर ग्रिन्डाविक को खाली करा लिया गया है.

10. लॉस एंजिलिस के डॉल्बी थिएटर में 10 मार्च, 2024 को 96वें ऑस्कर अवॉर्ड सेरेमनी में किस फिल्म ने बेस्ट फिल्म समेत कुल 7 अवॉर्ड प्राप्त किए ? ***—ओपेनहाइमर (Oppenheimer)***

☞ क्रिस्टोफर नोलन द्वारा निर्देशित फिल्म 'ओपेनहाइमर' ने 7 अवॉर्ड जिसमें बेस्ट डायरेक्टर, बेस्ट एक्टर-किलियन मर्फी और बेस्ट सपोर्टिंग एक्टर-रॉबर्ट डाउनी जूनियर के अवार्ड भी सम्मिलित हैं.

11. लंदन स्थित सेंट्रल बैंकिंग ने केंद्रीय बैंकिंग पुरस्कार 2024 के तहत किस बैंक को जोखिम प्रबंधक पुरस्कार के लिए मार्च 2024 में चुना है ? ***—रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI)***

☞ भारतीय रिजर्व बैंक ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि संगठन में एक नया उद्यम-व्यापी जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) ढाँचा तैयार करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक को इस जोखिम प्रबंधक पुरस्कार के लिए चुना गया है.

12. अमरीका और थाईलैण्ड द्वारा प्रायोजित संयुक्त सैन्य ट्रेनिंग अभ्यास 27 फरवरी से 8 मार्च, 2024 को किस नाम से थाइलैण्ड में सम्पन्न हुआ ? ***—कोबरा गोल्ड 24(CG24)***

☞ प्रतिवर्ष किए जाने वाले इस 43वें अभ्यास में 9,000 से अधिक सैनिकों ने भाग लिया. थाइलैंड, अमरीका, जापान, मलेशिया, सिंगापुर, साउथ कोरिया और इंडोनेशिया ने सम्पूर्ण भागीदारी की तथा अन्य राष्ट्रों सहित कुल 30 देशों ने भाग लिया.

13. रूस में मार्च 2024 में सम्पन्न राष्ट्रपति निर्वाचन में पुनः किस नेता को 17 मार्च को राष्ट्रपति निर्वाचित किया गया है ? ***—व्लादिमीर पुतिन***

☞ व्लादिमीर पुतिन आगामी 6 वर्ष के लिए राष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं. पुतिन 2000-2008 में तथा 2012 से लगातार रूस के राष्ट्रपति बने हुए हैं. इससे पूर्व वह 1999-2000 और 2008-2012 में रूस के प्रधानमंत्री भी रहे हैं.

14. भारत और सेशल्स का संयुक्त सैन्य अभ्यास 18 से 27 मार्च, 2024 तक किस नाम से सम्पन्न हुआ ? ***—लमितिये (LAMITIYE)***

☞ क्रियोल भाषा में 'लमितिये' का अर्थ है 'मित्रता'. यह एक द्विवार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम है और वर्ष 2001 से इसका आयोजन सेशेल्स में किया जा रहा है. भारतीय गोरखा राइफल्स और सेशेल्स रक्षा बल (एसडीएफ) प्रत्येक से 45 कर्मियों ने सैन्य अभ्यास में भाग लिया.

15. भारत और अमरीका के बीच 18 से 31 मार्च, 2024 तक त्रि-सेवा सैन्य अभ्यास पूर्वी समुद्र तट पर किस नाम से हुआ ? ***—टाइगर ट्रम्फ-24 (Tiger Triumph-24)***

☞ भारत और अमरीका के बीच सम्पन्न इस द्विपक्षीय त्रि-सेवा मानवीय सहायता एवं आपदा राहत (एचएडीआर) सैन्य अभ्यास में भारतीय नौसेना के हेलीकॉप्टर और लैंडिंग क्राफ्ट के साथ जहाज, भारतीय थलसेना के जवान और वाहन तथा भारतीय वायुसेना के विमान और हेलीकॉप्टर के साथ-साथ रैपिड एक्शन मेडिकल टीम (आरएएमटी) ने भाग लिया. ●●●

विश्व परिदृश्य

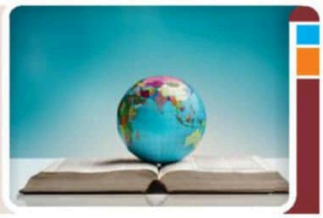

✍ डॉ. अरुणोदय बाजपेयी

जलवायु परिवर्तन संकट और भारत की रणनीति

अब इस बात पर कोई सन्देह नहीं रह गया है कि जलवायु परिवर्तन संकट वर्तमान संमय की सबसे बड़ी वैश्विक चुनौती है. 1990 के दशक से ही अन्तर्राष्ट्रीय समुदाय जलवायु परिवर्तन की चुनौती का सामना करने के लिए निरन्तर प्रयास कर रहा है. जहाँ तक जलवायु परिवर्तन की चुनौती व उसके प्रभावों का सम्बन्ध है. इस का आकलन इण्टरगवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (Intergovernmental Panel on Climate Change—IPCC) की 6 रिपोर्टों द्वारा स्पष्ट हो चुका है. वर्ष 2022 में प्रकाशित इसकी छठी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि यदि 2050 तक विश्व समुदाय द्वारा जीरो कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य को नहीं प्राप्त किया गया तो जलवायु परिवर्तन के विनाशकारी प्रभाव अपरिवर्तनीय होंगे. उल्लेखनीय है कि 1992 में यू.एन. महासभा द्वारा पारित जलवायु परिवर्तन अभिसमय (UNFCCC—United Nations Framework Convention on Climate Change) में पूर्व औद्योगिक काल यानी 1850 की तुलना में विश्व तापमान को 2 डिग्री सेल्सियस से कम रखने का लक्ष्य रखा गया था तथा इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए नियमित प्रति वर्ष कॉप वार्ताओं के आयोजन की व्यवस्था की गई थी. इसी व्यवस्था के अन्तर्गत कॉप के सम्मेलन प्रति वर्ष आयोजित किए जाते हैं. वर्ष 2015 में आयोजित पेरिस कॉप सम्मेलन में विश्व तापमान के लक्ष्य को 1·5 डिग्री तक ही सीमित करने का लक्ष्य रखा गया था. इसके लिए प्रत्येक देश से अपने स्तर पर अपने लक्ष्यों को घोषित करने के लिए कहा गया था. सभी देशों ने अपने राष्ट्रीय लक्ष्यों की रूपरेखा प्रस्तुत कर दी है. इसी सम्मेलन में इन उपायों के प्रभाव की समीक्षा करने के लिए 5 वर्ष बाद ग्लोबल स्टॉकटेक (Global Stocktake) रिपोर्ट तैयार करने की व्यवस्था की गई थी. पहली स्टॉकटेक रिपोर्ट 2023 में तैयार की गई है. यह भी उल्लेखनीय है कि अब तक 1850 के मुकाबले विश्व का औसत तापमान 1·1 डिग्री सेल्सियस बढ़ चुका है. उक्त परिप्रेक्ष्य में कॉप-28 सम्मेलन का आयोजन 2023 में दुबई में किया गया था.

कॉप-28 (COP—Conference of Parties-28)

कॉप-28 जलवायु परिवर्तन शिखर सम्मेलन का आयोजन 30 नवम्बर, 2023 से 13 दिसम्बर, 2023 तक संयुक्त अरब अमीरात के शहर दुबई में आयोजित किया गया था. इस सम्मेलन के दौरान ही विश्व जलवायु परिवर्तन कार्रवाई समिट का भी आयोजन किया गया था. इसमें जलवायु परिवर्तन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2030 तक की कार्यवाही योजना पर विचार किया गया था. इसके पहले इस प्रकार की कार्रवाई समिट का आयोजन पहली बार 2019 में यू.एन. द्वारा न्यूयॉर्क में किया गया था. इन दोनों ही शिखर सम्मेलनों में भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भाग लिया था. उल्लेखनीय है कि ये शिखर सम्मेलन नियमित आधार पर प्रति वर्ष होने वाले कॉप सम्मेलनों से अलग है.

दुबई में आयोजित कॉप-28 में कुल मिलाकर जलवायु फंड में 85 बिलियन डॉलर के नए योगदान की प्रतिबद्धता जारी की गई तथा जलवायु संकट से निपटने के लिए 11 घोषणाओं को अन्तिम रूप दिया गया. कॉप-28 की उपलब्धियों के मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं–

1. लॉस व डैमेज फंड का क्रियान्वयन–इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि यह है कि कॉप-27 में गत वर्ष घोषित लॉस व डैमेज फंड (Loss and Damage Fund) को क्रियान्वित करने का निर्णय लिया गया. इस फंड में प्रति वर्ष 100 बिलियन डॉलर की राशि विकसित देशों द्वारा दी जाती है जिसका प्रयोग गरीब देशों में जलवायु परिवर्तन संकट के प्रभावों से निपटने के लिए किया जाएगा. अब तक इस फंड में केवल 762 बिलियन डॉलर की धनराशि देने की प्रतिबद्धता विकसित देशों द्वारा की गई है. इस फंड के क्रियान्वयन की घोषणा आम सहमति से सम्मेलन की शुरूआत में ही कर दी गई थी.

2. नवीनीकृत इनर्जी व इनर्जी की प्रभावशीलता के नए लक्ष्य–कॉप-28 की दूसरी सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धि है कि इसमें इस बिन्दु पर देशों की सहमति बन गई है कि 2030 तक नवीनीकृत इनर्जी की तीन गुना बढ़ाया जाएगा तथा तथा इनर्जी की प्रभावशीलता (Energy Efficiency) में इसी अवधि में दोगुना वृद्धि की जाएगी.

3. जीवाश्म ईंधन में कटौती–इस सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन में जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2030 तक फॉसिल फ्यूल अथवा जीवाश्म ईंधन स्रोतों जैसे—कोयला, तेल तथा प्राकृतिक गैस आदि के प्रयोग को बन्द करने का मुद्दा प्रमुख रूप से चर्चा में रहा. जहाँ तक तेल व गैस का सम्बन्ध है, तो इस सम्मेलन के अध्यक्ष संयुक्त अरब अमीरात तथा अन्य अरब देशों की अर्थव्यवस्था में तेल को प्रमुख स्थान है. अतः कॉप-28 में जीवाश्म ईंधन को 2023 तक समाप्त करने पर आम सहमति नहीं बन पाई. हाँ इतना अवश्य है कि इस बार कोयले के साथ पहली बार तेल व गैस को भी सम्मेलन के एजेण्डे में शामिल किया गया, जो प्रस्ताव पारित हुआ उसमें कहा गया है कि सभी देश 2030 तक जीवाश्म ईंधन को कम करने (Transition Away from Fossil Fuels) का प्रयास करेंगे.

इस सम्बन्ध में यह भी उल्लेखनीय है कि द्वीपीय देशों की पहल पर कॉप-28 के दौरान जीवाश्म ईंधन अप्रसार संधि (Fossil Fuel Non-Proliferation Treaty) को हस्ताक्षर के लिए तैयार किया गया है. इस संधि का उद्देश्य 2030 तक जीवाश्म ईंधन के प्रयोग को बन्द करना है. आश्चर्यजनक रूप से तेल उत्पादक देश कोलम्बिया ने भी इस संधि पर हस्ताक्षर किए हैं. उल्लेखनीय है कि जलवायु परिवर्तन संकट की वजह से निरन्तर बढ़ रहे समुद्र जल स्तर से द्वीपीय देश सर्वाधिक चिन्तित है.

4. कोयले के प्रयोग में कटौती–कोयले के प्रयोग के सम्बन्ध में पारित एक अन्य प्रस्ताव में इसके प्रयोग को 2030 तक बिल्कुल समाप्त (Phase Out) करने की बजाए इसे कम करने (Phase down) करने की बात कही गई. जहाँ तक कोयले के प्रयोग को समाप्त करने की बात है तो भारत, चीन तथा इण्डोनेशिया इसके प्रयोग को पूरी तरह से समाप्त करने के पक्ष में नहीं थे, क्योंकि ये देश अभी भी अपनी बिजली आवश्यकताओं के लिए कोयला आधारित ताप बिजली पर अत्यधिक निर्भर हैं. अतः यह प्रस्ताव भारत जैसे देशों के लिए सन्तोषजनक माना जा सकता है.

इस सम्मेलन में पावरिंग पास्ट कोल एलायन्स (Powering Past Coal Alliance) ने 2030 तक कोयले को ईंधन के रूप में प्रयोग पर रोक लगाने के अपने प्रतिबन्ध को दोहराया. इस एलायन्स में कॉप-28 में विस्तार करने का अवसर मिला. इस एलायन्स में वर्तमान में यूरोप व नॉर्थ अमरीका के देशों व विश्व कई औद्योगिक समूहों तथा संगठनों सहित 176 सदस्य शामिल हैं. पावरिंग पास्ट कोल एलायन्स की स्थापना 2017 में कॉप-23 के दौरान कनाडा व ब्रिटेन के प्रयासों से हुई

थी. यह संगठन 2030 तक कोयले के प्रयोग पर पाबन्दी का पक्षधर है.

5. कॉप-28 सम्मेलन में पेरिस सम्मेलन के बाद जलवायु प्रयासों के प्रयासों की समीक्षा के लिए निर्गत ग्लोबल स्टॉकटेक (Global Stocktake) रिपोर्ट को स्वीकार किया गया. यह रिपोर्ट यू.एन. के क्लामेट चेन्ज एक्सन सेन्टर द्वारा तैयार की गई है. वस्तुतः 2015 के पेरिस सम्मेलन में यह व्यवस्था की गई थी प्रत्येक 5 वर्ष के अन्तराल पर वैश्विक स्तर पर देशों द्वारा किए गए जलवायु परिवर्तन के प्रयासों की समीक्षा की जाएगी. इसी समीक्षा के लिए यह रिपार्ट तैयार की गई है. अब अगले 5 वर्षों में दूसरी रिपार्ट तैयार की जाएगी, लेकिन जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों के सापेक्ष वर्तमान रिपोर्ट के निष्कर्ष चिन्ताजनक है. वर्तमान रिपोर्ट के अनुसार जलवायु परिवर्तन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में 2019 के मुकाबले 43 प्रतिशत कटौती आवश्यक थी, लेकिन अभी तक के प्रयासों से 2030 तक यह कटौती मात्र 5 प्रतिशत तक ही हो पाएगी.

6. खाद्य व कृषि घोषणा–पहली बार जलवायु परविर्तन वार्ताओं में कार्बन उत्सर्जन में खाद्य व कृषि व्यवस्था के योगदान को शामिल किया गया है. एक अनुमान के अनुसार कुल कार्बन उत्सर्जन में खाद्य व कृषि क्रियाओं का योगदान एक-तिहाई है. 130 देशों ने इस घोषणा पर हस्ताक्षर कर इस उत्सर्जन में कमी लाने की प्रतिबद्धता जाहिर की. इसका तात्पर्य यह है कि देश ऐसी कृषि क्रियाओं को अपनाने का प्रयास करेंगे, जो कार्बन उत्सर्जन में कटौती करने में सहायक हो.

7. जलवायु परिवर्तन व स्वास्थ्य घोषणा– पहली बार जलवायु परिवर्तन वार्ताओं में जन स्वास्थ्य पर जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों को शामिल किया गया. इन प्रभावों में प्रदूषित वायु से होने वाली श्वास सम्बन्धी बीमारियों तथा तापमान बढ़ने से नई बीमारियों की आशंका प्रमुख है. घोषणा में कहा गया है कि प्रत्येक व्यक्ति को स्वास्थ्य लाभ पहुँचाने के लिए कार्बन उत्सर्जन में कमी करने की आवश्यकता है. इसके साथ ही इसमें शुद्ध वायु तथा पौष्टिक आहार की उपलब्धता पर बल दिया गया.

8. मीथेन उत्सर्जन की कमी पर घोषणा– उल्लेखनीय है कि मीथेन गैस भी ग्रीन हाउस गैसों में शामिल है. मीथेन गैस का उत्सर्जन कृषि व पशु क्रियाओं तथा तेल कम्पनियों की तेल उत्पादन क्रियाओं द्वारा होता है. तेल उत्पादन से होने वाले मीथेन उत्पादन को भी पहली बार जलवायु परिवर्तन वार्ताओं में शामिल किया गया. कॉप-28 के दौरान विश्व की 50 तेल उत्पादक कम्पनियों ने एक घोषणा पर हस्ताक्षर कर यह प्रतिबद्धता जाहिर की है कि वे 2030 तक मीथेन के उत्सर्जन को समाप्त कर देंगे तथा 2050 तक कार्बन उत्सर्जन को शून्य कर देंगे. उल्लेखनीय है कि इस घोषणा पर हस्ताक्षर करने वाली कम्पनियाँ विश्व के 40 प्रतिशत तेल का उत्पादन करती है. इनमें सऊदी अरब की अरामको कम्पनी भी शामिल है, जो विश्व में तेल उत्पादन की सबसे बड़ी कम्पनी है.

कॉप-28 की उक्त उपलब्धियों से स्पष्ट है कि यद्यपि 1·5 डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वैश्विक प्रयास अभी भी पर्याप्त नहीं है, लेकिन विश्व समुदाय में जलवायु परिवर्तन के उपायों को गति देने के लिए गम्भीरता बढ़ती जा रही है. लॉस व डैमेज फंड के क्रियान्वयन से जहाँ गरीब देशों को जलवायु परिवर्तन के नकारात्मक प्रभावों से निपटने में मदद मिलेगी वहीं जीवाश्म ईंधन को करने का प्रस्ताव कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने में सहायक होगा. इसके साथ ही क्लीन इनर्जी को 2030 तक तीन गुना बढ़ाने तथा ईंधन की प्रभावोत्पादकता को दोगुना करने के प्रस्ताव भी जलवायु परिवर्तन के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहायक सिद्ध होंगे. इसके साथ ही इस सम्मेलन से यह भी स्पष्ट होता है कि इन उपायों को लेकर सभी देशों में मतैक्य का अभाव है, जोकि बने रहेंगे, क्योंकि इन देशों के हितों व विकास की स्थितियों में अन्तर है. कॉप-28 में जीवाश्म ईंधन की कटौती के प्रश्न पर ये मतभेद खुलकर सामने आए थे. इन मतभेदों के बावजूद यह स्पष्ट है कि जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के उपाय अब एक वैश्विक आन्दोलन का रूप लेते जा रहे हैं.

जलवायु परिवर्तन संकट व भारत

जलवायु संकट से निपटने के वैश्विक प्रयासों में भारत अग्रणी भूमिका निभा रहा है. भारत की जलवायु परिवर्तन नीति व प्रयासों के मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं–

1. भारत एक विकासशील देश है तथा जलवायु परिवर्तन वार्ताओं में वह ग्लोबल साउथ अन्य अन्य विकासशील देशों का प्रतिनिधित्व करता है. उसके लिए भारत यू.एन. महासभा द्वारा पारित जलवायु परिवर्तन अभिसमय (UNFCCC—United Nations Framework Convention on Climate Change) में उल्लेखित साझा, लेकिन विभेदीकृत जिम्मेदारी (Common but Differentiated Responsibility) के सिद्धान्त पर जोर दे रहा है. इस सिद्धान्त का व्यावहारिक अर्थ यह है कि वर्तमान जलवायु परिवर्तन के संकट के लिए विकसित देश अधिक उत्तरदायी है अतः उन्हें विकासशील देशों की तुलना अधिक जिम्मेदारी उठाते हुए उन्हें गरीब देशों को वित्तीय संसाधन तथा आधुनिक तकनीकी उपलब्ध करानी चाहिए, ताकि गरीब देश भी जलवायु परिवर्तन के संकट का सामना कर सके. इसी नीति को आधार बनाते हुए भारत ने 2021 के ग्लासगो सम्मेलन में जलवायु न्याय (Climate Justice) का विचार प्रस्तुत किया था. भारत की जलवायु परिवर्तन नीति का यह आधारभूत तत्व है.

2. उक्त नीति के अन्तर्गत भारत ने घरेलू तथा वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए महत्वपूर्ण प्रयास किए हैं.

घरेलू प्रयासों के अन्तर्गत 2008 में भारत ने जलवायु परिवर्तन के लिए राष्ट्रीय कार्यवाही योजना की घोषणा की थी, जिसमें इसके लिए आठ मिशनों को शामिल किया गया है. इसके अन्तर्गत ग्रीन इण्डिया मिशन, सोलर मिशन आदि कार्यक्रम शामिल हैं. भारत ने स्वच्छ इनर्जी को प्रोत्साहन देने तथा कार्बन उत्सर्जन को कम करने के लिए 2022 में सम्पन्न कॉप-27 में निम्न उत्सर्जन विकास की दीर्घकालीन योजना (Long Term Low Carbon Development Strategy) प्रस्तुत की थी, जिसके मुख्य बिन्दु निम्नवत् हैं–

(अ) भारत की ऊर्जा सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए प्राकृतिक संसाधनों का विवेक सम्मत उपाय किया जाएगा तथा स्वच्छ ऊर्जा की ओर संचरण समेकित आधार पर तथा न्यायसंगत तरीके से किया जाएगा.

(ब) भारत द्वारा 2032 तक ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन में बढ़ोतरी की जाएगी. इसके लिए भारत ने एक अलग से ग्रीन हाइड्रोजन मिशन भी संचालित किया है. भारत द्वारा 2032 तक परमाणु ऊर्जा में तीन गुना वृद्धि की जाएगी.

(स) भारत 2025 तक पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनाल के मिश्रण का लक्ष्य प्राप्त करेगा. इससे कार्बन उत्सर्जन कम होगा. इसी के साथ भारत इलेक्ट्रिक वाहनों के प्रयोग व उत्पादन को भी प्रोत्साहित करेगा.

(द) जलवायु परिवर्तन की आवश्यकता के अनुसार भारत स्वच्छ इनर्जी पर आधारित नगरीय क्षेत्रों का विकास करेगा. स्मार्ट सिटी योजना में इस तथ्य को समाहित किया गया है.

(य) आत्मनिर्भर भारत कार्यक्रम के आलोक में भारत अपने उद्योगों के विकास भी जलवायु परिवर्तन सरोकारों का ध्यान रखेगा.

3. भारत ने वैश्विक स्तर पर भी जलवायु परिवर्तन के संकट से निपटने के लिए कई महत्वपूर्ण पहलें की हैं–

(अ) 2015 में भारत तथा फ्रांस ने मिलकर इंटरनेशनल सोलर एलायन्स की स्थापना की थी, जिसमें आज 110 देश जुड़ चुके हैं. इसका उद्देश्य विश्व स्तर पर सोलर इनर्जी के उत्पादन को बढ़ावा देना है.

(ब) 2019 में भारत ने कोलीसन फॉर डिजास्टर रिसिलिन्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर (Coalition for Disaster Resilient Infrastructure) कार्यक्रम की शुरूआत की थी. इसका उद्देश्य देशों में जलवायु परिवर्तन व प्राकृतिक आपदा के आलोक में ढाँचागत सुविधाओं का विकास करना है.

(स) 2019 में ही भारत ने स्वीडन के साथ मिलकर बड़े उद्यागों में ग्रीन इनर्जी के

उपयोग को बढ़ावा देने के लिए लीडरशिप ग्रुप फॉर इण्डस्ट्री ट्रान्जीसन (Leadership Group for Industry Transition—Lead IT) नामक पहल की थी. इसमें उद्योगों को ग्रीन इनर्जी विधियाँ अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा तथा उन्हें सहायता प्रदान की जाएगी.

(द) इसी तरह भारत ने दिल्ली में सम्पन्न जी-20 सम्मेलन के दौरान ग्लोबल बायो फ्यूल एलाएन्स (Global Bio-fuel Alliance) के गठन की घोषणा की थी. इसके द्वारा विश्व में बायो फ्यूल के उत्पादन को बढ़ा दिया जाएगा, ताकि इसके प्रयोग से कार्बन उत्सर्जन में कमी की जा सके.

(य) भारत ने पर्यावरण संरक्षण में आम व्यक्ति को जोड़ने के लिए लाइफस्टाइल फॉर एनवारन्मेण्ट (LiFE) नामक पहल भी की है. इसका अधिकांश देशों द्वारा स्वागत किया गया है.

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि भारत जलवायु परिवर्तन उपायों में घरेलू व वैश्विक स्तर पर अग्रणी भूमिका निभा रहा है तथा जलवायु न्याय की धारणा के आधार पर ग्लोबल साउथ के देशों के वैध हितों का भी प्रतिनिधित्व कर रहा है.

म्यांमार की राजनीतिक स्थिरता तथा भारत

वैसे तो म्यांमार अपने स्वतंत्र जीवनकाल में अधिकांश समय सैनिक शासन के अधीन रहा है, लेकिन राजनीतिक अस्थिरता तथा सैनिक शासन के वर्तमान चरण की शुरूआत 1 फरवरी, 2021 से होती है जब वहाँ की सेना ने नवम्बर 2020 में हुए चुनावों को निरस्त करते हुए वहाँ सैनिक शासन की घोषणा कर दी थी. इन चुनावों में आंग सान सू की के नेतृत्व वाले नेशनल लीग फॉर डेमोक्रेसी दल को जीत हासिल हुई थी. सैनिक शासन की घोषणा के बाद आंग सान सू की सहित अन्य राजनीतिक नेताओं को हिरासत में ले लिया गया था तथा लोकतंत्र समर्थक आन्दोलन को कुचलने का प्रयास किया गया. एक अनुमान के अनुसार अब तक वहाँ लोकतंत्र समर्थकों तथा सेना के बीच चल रहे इस गृह युद्ध में अब तक 50000 लोग मारे गए हैं. इस संघर्ष के कारण अब तक 23 लाख लोग विस्थापित हो चुके हैं, लेकिन यूक्रेन व गाजा युद्ध के चलते म्यांमार की मानवीय त्रासदी पर संयुक्त राष्ट्र व अन्य वैश्विक संस्थाओं ने ध्यान नहीं दिया है. म्यांमार आसियान का भी सदस्य है. आसियान देशों ने वहाँ राजनीतिक समस्या के समाधान के प्रयास किए थे, लेकिन म्यांमार के शासक किसी भी कीमत पर सत्ता छोड़ने के लिए तैयार नहीं है. अतः राजनीतिक समाधान हेतु आसियान के प्रयास भी सफल नहीं हो सके हैं.

इस गृह युद्ध का एक मुख्य पहलू यह है कि इस बार लोकतंत्र समर्थक और म्यांमार के जातीय सैनिक गुट एक साथ आ गए हैं. म्यांमार की सबसे महत्वपूर्ण राजनीतिक विशेषता यह है कि यह देश अनेक जातीय समुदायों में विभाजित है तथा इनमें से कई जातीय समुदाय अपनी स्वायत्तता के लिए केन्द्रीय शासन के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष में संलग्न रहे हैं. इसी क्रम में तीन सशस्त्र समूहों—म्यांमार नेशनल डेमोक्रेटिक आर्मी, अराकान आर्मी, तथा ताआंग नेशनल लिबरेशन आर्मी ने 27 अक्टूबर, 2023 को एक संयुक्त सशस्त्र गठबन्धन की स्थापना की है, जिसे थ्री ब्रदरहुड एलाएन्स अथवा इसकी स्थापना की तिथि के आधार पर '1027 ऑपरेशन' के नाम से भी जाना जाता है. थ्री ब्रदरहुड एलाएन्स ने अक्टूबर 2023 के बाद म्यांमार की सेना के समक्ष गम्भीर चुनौती खड़ी कर दी है. दिसम्बर 2023 तक इस गठबन्धन ने सैनिक संघर्ष के बाद म्यांमार के 35 महत्वपूर्ण शहरों पर अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया है. शान तथा रखीने प्रान्तों में म्यांमार की सेना के सैकड़ों सैनिकों ने गठबन्धन की सेनाओं के सामने आत्मसमर्पण कर दिया है. अब तक म्यांमार की सेना के लगभग 600 सैनिकों ने अपनी सुरक्षा हेतु भारत में शरण ली है तथा बाद में भारत द्वारा उन्हें सुरक्षित म्यांमार वापस भेज दिया गया है, लेकिन इसके साथ ही म्यांमार के गृह युद्ध के परिणामस्वरूप बड़ी संख्या में भारत की सीमा के निकट रहने वाले म्यांमार के नागरिक भारत के सीमावर्ती राज्यों मणिपुर तथा मिजोरम राज्यों में प्रवेश कर गए हैं. म्यांमार के उक्त नागरिक ऐसे जाति समूहों से हैं, जो भारत के इन राज्यों में भी पाए जाते हैं. अतः म्यांमार के उक्त गृह युद्ध के कारण भारत में भी चिन्ता उत्पन्न हो गई है, क्योंकि भारत भी इससे प्रभावित हो रहा है.

म्यांमार में भारत के महत्वपूर्ण हित

म्यांमार की भौगोलिक स्थिति भारत के लिए सामरिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है. म्यांमार में भारत के निम्नलिखित महत्वपूर्ण हित निहित हैं—

(अ) **सुरक्षा हित**—म्यांमार भारत का पड़ोसी देश है. म्यांमार की भारत की 1643 किमी सीमा भारत के चार राज्यों से लगती है. ये राज्य हैं—अरुणाचल प्रदेश, नगालैण्ड, मणिपुर तथा मिजोरम. इनमें से 520 किमी सीमा अरुणाचल प्रदेश के साथ तथा 510 किमी सीमा मिजोरम के साथ है. उक्त थल सीमा पहाड़ी तथा दुर्गम स्थानों से गुजरती है

म्यांमार-भारत सम्बन्ध एक पृष्ठभूमि

भारत व म्यांमार के बीच प्राचीनकाल से ही ऐतिहासिक व सांस्कृतिक सम्बन्ध रहे हैं. बौद्ध धर्म जो म्यांमार का बहुसंख्यक धर्म है, भारत में उत्पन्न हुआ है. आज बौद्ध धर्म भारत व म्यांमार दोनों की साझा सांस्कृतिक विरासत है. ब्रिटिशकाल में म्यांमार अथवा बर्मा भारत का अंग रहा है. सन् 1885 में तीसरे बर्मा-ब्रिटिश युद्ध में पराजय के बाद बर्मा अथवा म्यांमार को भारतीय ब्रिटिश साम्राज्य में मिला लिया गया था. 1935 में म्यांमार भारत से अलग हो गया था तथा 1948 में उसे आजादी प्राप्त हुई.

आजादी के बाद म्यांमार में लोकतंत्र नहीं पनप पाया. 1962 से 2015 तक वहाँ लगातार सैनिक शासन रहा है. अगस्त 1988 में लोकतंत्र की स्थापना के लिए आंग सान सू की के नेतृत्व में लोकतांत्रिक आन्दोलन चलाया गया था, लेकिन वह भी अधिक सफल नहीं हो पाया. यह आन्दोलन चूँकि 8 अगस्त, 1988 को आरम्भ किया गया था, अतः इसे 8888 आन्दोलन भी कहते हैं. 2011 के बाद सैनिक शासन ने सीमित अर्थों में लोकतंत्र की ओर कदम बढ़ाने का प्रयास किया था तथा 2015 के बाद चुने हुए जनप्रतिनिधियों को सत्ता प्राप्त हुई, लेकिन फरवरी 2021 में पुनः वहाँ सेना ने चुने हुए प्रतिनिधियों को सत्ता देने से मना कर दिया तथा सैनिक शासन की स्थापना कर दी.

लोकतांत्रिक आन्दोलन का समर्थन करने के कारण 1990 के दशक में भारत तथा म्यांमार के सम्बन्ध तनावपूर्ण रहे हैं, लेकिन सम्बन्धों में सुधार के बाद दोनों के बीच उच्चस्तरीय यात्राओं का आदान-प्रदान जारी है. 12वें आसियान शिखर सम्मेलन के अवसर पर भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नवम्बर 2014 में म्यांमार की यात्रा की. म्यांमार की ओर से 2004 व 2010 में वहाँ के शीर्ष सैनिक शासक थान श्वे ने भारत की यात्रा की तथा 2011 व 2012 में म्यांमार के राष्ट्रपति यू थीन सीन ने भारत की लाभदायक यात्राएं की. अगस्त 2016 म्यांमार के तात्कालीन राष्ट्रपति हितिन क्याव ने भारत की राजकीय यात्रा की थी तथा दोनों पक्षों के बीच सहयोग के नए क्षेत्रों को चिह्नित किया गया था. इनमें दोनों देशों के बीच आपराधिक मामलों में सहयोग का समझौता, कालादान हाईवे का निर्माण, आनन्द मन्दिर का जीर्णोद्धार, सित्तवे बन्दरगाह का निर्माण तथा अन्य विकास कार्यक्रम शामिल हैं. दिसम्बर 2016 में भारत के सहयोग से बने म्यांमार के सित्तवे एयरपोर्ट का संचालन आरम्भ हो गया है. इस बन्दरगाह का महत्व यह है कि भारत को अपने उत्तरी-पूर्वी राज्यों तक पहुँच का एक नया मार्ग उपलब्ध हो गया है.

तथा इसका समुचित प्रबन्धन करना कठिन कार्य है. म्यांमार तथा भारत दोनों के उत्तर में चीन स्थित है. अतः भारत व म्यांमार की सीमा की स्थिति सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है.

भारत और म्यांमार के उत्तर-पूर्व में उग्रवादी व अलगाववादी समूह सक्रिय है. जब भी भारत उनके विरुद्ध कार्यवाही करता है, तो वे म्यांमार के क्षेत्र में प्रवेश कर जाते हैं. असम, नगालैण्ड व मिजोरम के उग्रवादी समूह म्यांमार में सुरक्षित शरण पाते रहे हैं. उदाहरण के लिए, असम के अलगाववादी समूह उल्फा का एक समूह अब भी म्यांमार के उत्तर में अपना ठिकाना बनाए हुए है. इसमें संवेदनशील तत्व यह है कि ये भारत के उग्रवादी जनजातीय गुट उन्हीं जनजातीय समुदायों से सम्बन्ध रखते हैं, जो म्यांमार में भी निवास करते हैं. यदा-कदा इन समूहों को चीन का भी समर्थन प्राप्त होता रहा है, क्योंकि उत्तर में म्यांमार की सीमाएं चीन से लगती हैं. सुरक्षा हितों का दूसरा पहलू यह है कि म्यांमार में राजनीतिक अस्थिरता अथवा गृह युद्ध के कारण वहाँ से बड़ी संख्या में शरणार्थी भारत में प्रवेश कर जाते हैं. उदाहरण के लिए, म्यांमार में 2017 की अस्थिरता के बाद लगभग 40000 रोहिंग्या समुदाय के लोग भारत में प्रवेश कर गए हैं तथा भारत इनको वापस भेजने के लिए प्रयासरत् है. इसी प्रकार वर्तमान गृह युद्ध के दौरान भी जनजातीय शरणार्थी भारत के सीमावर्ती राज्यों जैसे मिजोरम में प्रवेश कर गए हैं. इससे स्पष्ट है कि म्यांमार में राजनीतिक अस्थिरता तथा गृह युद्ध भारत की सुरक्षा की दृष्टि से उचित नहीं है.

(ब) म्यांमार में चीन का बढ़ता प्रभाव–1990 के दशक में भारत ने जब म्यांमार के सैनिक शासन के विरुद्ध लोकतांत्रिक आन्दोलन का समर्थन किया, तो चीन को म्यांमार में सामरिक पैर जमाने का अवसर मिल गया. चीन ने म्यांमार के सैनिक शासकों के साथ मिलकर वहाँ चीन-म्यांमार आर्थिक गलियारे का निर्माण शुरू किया है, जो थल मार्ग से चीन को म्यांमार हिन्द महासागर स्थित बन्दरगाह क्याउकपियु से जोड़ता है. इससे चीन को म्यांमार के रास्ते हिन्द महासागर में पहुँच प्राप्त हो गई है. यह गलियारा चीन की बी.आर. आई. परियोजना का हिस्सा है. म्यांमार में चीन के बढ़ते प्रभाव का एक प्रमुख कारण चीन द्वारा म्यांमार की सैनिक सरकार को वैश्विक अलगाव के बीच राजनीतिक समर्थन प्रदान करना तथा उसके लिए हथियारों की आपूर्ति करना है.

(स) सम्पर्कता की आवश्यकता–म्यांमार थल के रास्ते भारत के लिए दक्षिण-पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार है. भारत म्यांमार के रास्ते दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के साथ थल सम्पर्कता का विकास कर सकता है. यह सम्पर्कता भारत की एक्ट ईस्ट नीति के अन्तर्गत एक प्राथमिकता है. इसके अलावा भारत के उत्तरी-पूर्वी क्षेत्रों को जोड़ने के लिए भी म्यांमार एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है. इन सम्पर्क मार्गों के विकास के लिए भारत ने कई सम्पर्कता योजनाओं की शुरूआत की है. वर्ष 2002 में भारत ने त्रिपक्षीय भारत-म्यांमार-थाइलैंड हाईवे की शुरूआत की थी यह हाईवे भारत के मणिपुर राज्य के मोरेह शहर को म्यांमार होते हुए थाइलैंड के माई सोट शहर से जोड़ता है. इसी तरह भारत ने 2008 में कालादान बहुमार्गीय यातायात प्रोजेक्ट की शुरूआत की थी, जो भारत के कलकत्ता बन्दरगाह से म्यांमार के सित्तवे बन्दरगाह तथा कालादान नदी से होते हुए भारत के मिजोरम राज्य को जोड़ता है. यह सम्पर्कता परियोजना सामरिक दृष्टि से भारत के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह भारत की मुख्य भूमि को उसके उत्तर-पूर्वी राज्यों से जोड़ने का एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करता है. म्यांमार के वर्तमान गृह युद्ध के दौरान उस परियोजना के मार्ग में पड़ने वाले तथा कालादान नदी के किनारे स्थित पलेटवा शहर पर अराकान आर्मी ने कब्जा कर लिया है. अराकान आर्मी म्यांमार के रखीने प्रान्त में प्रभावी है तथा यह आर्मी चीन के प्रभाव में है. समीक्षकों का मानना है कि इस घटना से भारत की कालादान सम्पर्कता परियोजना में बाधा आ सकती है. इस प्रकार म्यांमार की राजनीतिक अस्थिरता भारत की सम्पर्कता परियोजनाओं के क्रियान्वयन में एक बड़ी बाधा है.

म्यांमार के प्रति भारत की नीति–बदलाव व विकल्प

भारत ने सदैव अपने पड़ोसी देशों के साथ शांति, विकास तथा लोकतंत्र को मजबूत बनाने की नीति अपनाई है. इसी नीति के अन्तर्गत भारत ने 1990 के दशक में म्यांमार में चले लोकतांत्रिक आन्दोलन का खुलकर समर्थन किया, लेकिन यह लोकतांत्रिक आन्दोलन सफल नहीं हो पाया तथा इसके परिणामस्वरूप भारत तथा म्यांमार के सैनिक शासकों के बीच सम्बन्ध भी खराब हो गए. यही वह अवसर था जब चीन ने सैनिक शासन को राजनीतिक, कूटनीतिक तथा सैनिक समर्थन प्रदान किया तथा म्यांमार में अपना सामरिक प्रभाव बढ़ा लिया. इस नई चुनौती का सामना करने के लिए 2010 के दशक में अपनी म्यांमार नीति में परिवर्तन कर उसे अधिक व्यावहारिक रूप देने का प्रयास किया. भारत ने सैनिक शासन के साथ अपने सम्बन्धों को सुधारने के साथ ही म्यांमार के प्रति एक संतुलित नीति का संचालन किया. यद्यपि भारत अब भी म्यांमार में लोकतंत्र का समर्थक है, लेकिन वह सैनिक शासकों के साथ भी अपने हितों की रक्षा के लिए सम्बन्धों को बनाए रखने का पक्षधर है. वर्तमान में भारत इसी नीति पर चल रहा है. इसी का परिणाम है जब 2021 में म्यांमार में पुनः सैनिक शासन की स्थापना हुई, तो भारत ने उसकी आलोचना करने के स्थान पर अपनी सधी हुई प्रतिक्रिया व्यक्त की.

फिर भी म्यांमार के वर्तमान गृह युद्ध के आलोक में भारत ने म्यांमार से अवैध घुसपैठ को रोकने तथा अपने सीमावर्ती राज्यों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए फरवरी 2024 में दो महत्वपूर्ण नीतिगत उपायों की घोषणा की है. पहला भारत ने यह निर्णय लिया है कि पाकिस्तान व बांग्लादेश की सीमाओं की तरह ही भारत व म्यांमार की पूरी सीमा पर बाड़ लगाई जाएगी. दूसरा, भारत ने म्यांमार के साथ लागू मुक्त आवागमन व्यवस्था (Free Movement Regime—FMR) को समाप्त करने की घोषणा की है. इस व्यवस्था के अन्तर्गत सीमा से 16 किमी की दूरी पर रहने वाले दोनों देशों के निवासी एक-दूसरे देश में बिना किसी वीजा के दो सप्ताह के लिए आ-जा सकते थे. यह व्यवस्था 1968 में लागू की गई थी. इसका उद्देश्य सीमा के दोनों तरफ निवास कर रहे समान जातीय समूहों के बीच सामाजिक सम्बन्धों को सुविधाजनक बनाना था.

भारत का मानना है कि मई 2023 में मणिपुर राज्य में मेइती तथा कुकी जनजातीय समुदायों के बीच जो हिंसक संघर्ष हुआ था, उसमें म्यांमार से आने वाले जनजातीय समूहों की भी भूमिका थी. अतः मणिपुर की वर्तमान सरकार उक्त उपायों कर समर्थन कर रही है, लेकिन इसके विपरीत मिजोरम की राज्य सरकार तथा अन्य जनजाति पार्टियाँ उक्त दोनों उपायों का विरोध कर रही हैं. फिर भी भारत सरकार ने म्यांमार से होने वाली अवैध घुसपैठ को रोकने की नीति अपनाई है.

निष्कर्ष–म्यांमार की भौगोलिक स्थिति भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है. म्यांमार आसियान का सदस्य होने के साथ ही भारत के नेतृत्व में गठित बिम्सटेक का भी सदस्य है. म्यांमार में भारत के सुरक्षा व अन्य सामरिक हित निहित है. भारत म्यांमार में शांति व स्थिरता का पक्षधर है तथा वहाँ की वर्तमान समस्या का राजनीतिक समाधान भी चाहता है. जब तक इस प्रकार का समाधान नहीं मिल जाता है. भारत म्यांमार की सैनिक सरकार के साथ कूटनीतिक व राजनीतिक सम्बन्धों को बनाए रखने का समर्थक है ताकि वहाँ भारत के हितों की रक्षा की जा सके. म्यांमार में चीन के सामरिक प्रभाव को संतुलित करने के लिए भी भारत को म्यांमार के साथ सकारात्मक नीति अपनाने की आवश्यकता है. म्यांमार के प्रति भारत की वर्तमान नीति भारत के हितों की सुरक्षा की दृष्टि से उपयुक्त मानी जा सकती है.

●●●

फोकस 1

भारत में लोकतांत्रिक सुदृढ़ीकरण : कितना सफल ?

✍ डॉ. श्याम सुन्दर सिंह चौहान

वैश्विक स्तर पर भारत की गणना सबसे बड़े लोकतन्त्र के रूप में की जाती है. 15 अगस्त, 1947 को ग्रेट ब्रिटेन की गुलामी से आजादी प्राप्त करने के बाद भारत ने संसदात्मक शासन प्रणाली को अपनाया, जो मुख्य रूप से ग्रेट ब्रिटेन में प्रचलित वेस्टमिन्स्टर संसदीय प्रणाली पर आधारित थी. ''वेस्टमिन्स्टर प्रणाली शासन की एक ऐसी प्रणाली है, जो यूनाइटेड किंगडम में अपनायी गई है तथा यह यू. के. पार्लियामेन्ट की लोकेशन 'वेस्टमिन्स्टर पैलेस' के नाम से जानी जाती है.'' इस प्रणाली को अपनाए जाने का एक प्रमुख कारण अंग्रेजों के शासन के दौरान भारत में पहले से प्रचलित 'भारत सरकार अधिनियम, 1935' का लागू होना था, लेकिन इसके बावजूद संविधान सभा में भारतीय संविधान को बनाने के लिए चले लम्बे विचार-विमर्श के बाद जो संविधान अन्ततः बना. उसमें विश्व के विभिन्न देशों में प्रचलित सर्वोत्तम प्रावधानों को भारत के सामाजिक-राजनीतिक-आर्थिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य में अपना लिया गया. (तालिका-1).

इस प्रकार से जो संविधान बना वह तात्कालिक परिस्थितियों में सर्वोत्तम था. देशकाल एवं परिस्थितियों के अनुसार उसमें समय पर अनेक संशोधन भी किए गए. व्यवस्थागत अनेक कमजोरियों के बावजूद भारतीय लोकतंत्र की सबसे बड़ी सफलता यह कही जा सकती है कि 1952 से लेकर 2019 तक लोक सभा के 17 बार के निर्वाचनों तथा राज्य विधान सभाओं के इससे अधिक बार के निर्वाचनों से केन्द्र एवं राज्यों में सत्ता का हस्तान्तरण बिना किसी खूनखराबे के शान्तिपूर्ण तरीके से होता रहा है. विगत 72 वर्षों में तख्तापलट करके शासन पर कब्जा करने का एक बार भी प्रयास नहीं किया गया. 1975 में इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के निर्वाचन को अवैध ठहरा दिए जाने से उपजी परिस्थितियों के बीच स्वयं को सत्ता में बनाए रखने के लिए इंदिरा गांधी द्वारा 25 जून, 1975 को सारे देश में आपातकाल लगाकर मौलिक अधिकारों का निलम्बन करके विपक्षी नेताओं को जेल में डाल दिए जाने जैसी घटनाओं के बावजूद सत्ता परिवर्तन शान्तिपूर्ण तरीके से मतपत्रों के द्वारा लोकतांत्रिक तरीके से ही हुआ.

तालिका-1 : विश्व के विभिन्न संविधानों/प्रावधानों का भारतीय संविधान में समावेश

देश/स्रोत	*भारतीय संविधान में अंगीकृत किए गए प्रावधान*
भारत सरकार अधिनियम, 1935	*संघीय ढाँचा, आपातकाल की घोषणा, राष्ट्रपति/राज्यपालों द्वारा अध्यादेश जारी करने की शक्ति, राज्यपाल का पद, संघीय न्यायपालिका की शक्तियाँ, केन्द्र एवं राज्य स्तर पर शासन प्रणाली.*
यूनाइटेड किंगडम	*संसदात्मक शासन प्रणाली, द्विसदनात्मक संसद, प्रधानमंत्री मन्त्रिपरिषद्, एकल नागरिकता, महालेखा नियन्त्रक का पद, सर्वोच्च न्यायालय तथा उच्च न्यायालयों द्वारा रिट जारी करने की शक्तियाँ, विधि का शासन.*
सं. रा. अमरीका	*लिखित संविधान, मौलिक अधिकार, सर्वोच्च न्यायालय, कार्यपालिका प्रमुख के रूप में राष्ट्रपति, राष्ट्रपति के विरुद्ध महाभियोग, सर्वोच्च न्यायालय एवं उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों को पदच्युत किया जाना, राज्य सभा के सभापति के रूप में उपराष्ट्रपति, न्यायिक पुनरावलोकन, न्यायपालिका की स्वतन्त्रता.*
आस्ट्रेलिया	*समवर्ती सूची, सहयोगात्मक संघवाद, केन्द्र-राज्य सम्बन्ध, संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक.*
सोवियत संघ	*मौलिक कर्तव्य.*
जर्मनी	*आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों का निलम्बन, मतपत्र आधारित निर्वाचन.*
कनाडा	*संघीय प्रणाली, अवशिष्ट शक्तियाँ केन्द्र सरकार के पास रहना, राज्यपालों की नियुक्ति, सर्वोच्च न्यायालय की परामर्शदात्री शक्तियाँ.*
दक्षिण अफ्रीका	*संविधान में संशोधन की प्रक्रिया, राज्य सभा के सदस्यों का निर्वाचन.*
आयरलैण्ड	*राज्य के नीति-निदेशक तत्वों की अवधारणा, राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा में कुछ सदस्यों को नामित किया जाना, राष्ट्रपति का निर्वाचन.*

वास्तविक विद्यमान लोकतंत्र से निराशा

विगत 72 वर्षों के अनुभव के साथ भारतीय लोकतन्त्र उत्तरोत्तर सुदृढ़ हुआ है. केन्द्र स्तर पर, राज्य स्तर पर तथा स्थानीय स्तर पर (पंचायती राज संस्थाएं तथा स्थानीय नगर निकाय) समाज के सबसे निचले स्तर पर बैठे व्यक्ति की भागीदारी की सुनिश्चितता ने लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूती प्रदान की है, लेकिन विगत चार दशकों में भारत में जातिवाद, साम्प्रदायिकता, क्षेत्रवाद, भाषावाद, राजनीति का अपराधीकरण, अपराधियों का राजनीतिकरण, चुनावों में बड़े पैमाने पर काले-धन का प्रयोग, त्रिशंकु विधान सभा/लोक सभा में निर्वाचित प्रतिनिधियों की खरीद-फरोख्त, एकदलीय अधिनायकवाद, जैसे कारकों के उभार से कहीं-न-कहीं लोकतांत्रिक शासन प्रणाली में गुणात्मक दृष्टि से ह्रास भी आया है. देश एवं विदेश के प्रतिष्ठित टीकाकारों का मानना है कि वैश्विक स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों का ह्रास हुआ है. विश्व के प्रतिष्ठित लोकतंत्र विद्वानों में से एक लैरी डायमण्ड का मानना है कि आज हम 'लोकतन्त्रात्मक अपगमन' (Democracy Recession) के दौर से गुजर रहे हैं और गतिहीनता/या प्रतिगमन की यह प्रकृत्ति विश्व की अति प्रतिष्ठित पत्रिका 'दी इकनॉमिस्ट' की सहयोगी 'दी इकनॉमिस्ट इन्टेलीजेन्स यूनिट' द्वारा 2006 से विकसित/प्रकाशित वार्षिक लोकतन्त्र सूचकांकों में परिलक्षित हो रही है. यह ह्रास विश्व के सबसे पुराने लोकतन्त्रों—पश्चिमी यूरोप के देशों, सं. रा. अमरीका में भी दिखाई दे रहा है.

लोकतांत्रिक अपगमन की प्रमुख अभिव्यंजनाओं में निम्नलिखित तत्व सम्मिलित हैं—

- निर्वाचन एवं राजनीति में लोकप्रिय सहभागिता में गिरावट.
- सरकारों के परिचालन में कमजोरियाँ.
- सरकारी संस्थाओं के प्रति बढ़ता अविश्वास.
- मुख्य धारा के प्रतिनिधि राजनीतिक दलों की घटती अपील.
- अनिर्वाचित व्यक्तियों, गैर-जवाबदेह संस्थाओं एवं विशेषज्ञ निकायों का बढ़ता प्रभाव.
- राजनीतिक अभिजात्यवर्ग तथा मतदाताओं के बीच बढ़ता अन्तराल.
- मीडिया की स्वतन्त्रता में ह्रास.
- विचार अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता सहित सिविल स्वतंत्रताओं में क्षरण.
- धनबल, बाहुबल के द्वारा चुनावों को प्रभावित करने की बढ़ती ताकत.

- सोशल मीडिया के दुरुपयोग से चुनावों को प्रभावित करना.
- निर्वाचित जनप्रतिनिधियों का सदन की कार्यवाही में हिस्सा न लेना.
- राजनीतिक भ्रष्टाचार.

लोकतंत्र सूचकांक, 2023 (Democracy Index 2023)

विश्व की विख्यात पत्रिका दी इकनॉमिस्ट की सहयोगी दी इकनॉमिक्स इन्टेलीजेन्स यूनिट ने निम्नलिखित पाँच संवर्गों के आधार पर लोकतन्त्र सूचकांक विकसित किया है–

1. निर्वाचन प्रक्रिया एवं बहुलवाद (Electoral Process and Pluralism)
2. नागरिक स्वतंत्रताएं (Civil Liberties)
3. शासन एवं प्रशासन (Functioning of Government)
4. राजनीतिक सहभागिता (Political Participation)
5. राजनीतिक संस्कृति (Political Culture)

उपर्युक्त पाँच संवर्गों के भीतर अनेक व्यक्तिगत सूचकों के आधार पर अध्ययन में शामिल प्रत्येक देश को चार प्रकार की शासन प्रणालियों में वर्गीकृत किया गया.

1. **पूर्ण लोकतंत्र** (Full Democracy)– ऐसे देश जहाँ सम्पूर्ण शासन प्रणाली लोकतांत्रिक आदर्शों एवं सिद्धान्तों के अन्तर्गत संचालित होती है. लोकतंत्र सूचकांक 2023 में 10 में से 8·00 से अधिक स्कोर वाले देशों को पूर्ण लोकतंत्र की संज्ञा दी गई है. ऐसे देशों की संख्या 24 है.
2. **दोषपूर्ण लोकतंत्र (Flowed Democracy)**—ऐसे देश जहाँ शासन प्रणाली का आधार तो लोकतांत्रिक सिद्धान्त हैं, लेकिन इनका पालन आदर्श रूप में नहीं किया जाता. 2023 में ऐसे देशों की संख्या 2018 में 55 से घटकर 50 रह गई है.
3. **संकर शासन प्रणाली (Hybrid Regime)**—ऐसे देश जहाँ लोकतांत्रिक सिद्धान्तों को आंशिक रूप में ही अपनाया गया है. ऐसे देशों की संख्या 2023 में 34 है.
4. **अधिकारवादी शासन (Authoritarian Regime)**—ऐसे देश जहाँ की शासन प्रणाली में किसी भी स्तर पर लोकतांत्रिक सिद्धान्तों को नहीं अपनाया जाता. ऐसे देशों की संख्या 59 है.

दी इकनॉमिस्ट इन्टेलीजेन्स यूनिट द्वारा प्रकाशित लोकतन्त्र सूचकांक, 2018 में विश्व के 167 देशों को इन चारों शासन प्रणालियों के अनुसार तालिका-2 में वर्गीकृत किया गया है. इस सर्वेक्षण के अनुसार विश्व की लगभग आधी जनसंख्या (45·3%) (74 देश) किसी-न-किसी प्रकार की लोकतांत्रिक शासन प्रणाली वाले देशों में रहती है. पूर्ण लोकतांत्रिक शासन प्रणाली वाले देशों की संख्या मात्र 24 है. इसमें मुख्य रूप से स्कैन्डीनेवियाई प्रायद्वीप के देश–नॉर्वे, स्वीडन, डेनमार्क, फिनलैण्ड तथा आइसलैण्ड, आयरलैण्ड, स्पेन, ग्रीस, स्विट्जरलैण्ड, नीदरलैण्ड्स, लग्जेमबर्ग, जर्मनी, यूके, आस्ट्रिया आदि सभी यूरोपीय देश तथा न्यूजीलैण्ड, आस्ट्रेलिया, कनाडा, मॉरिशस, उरुग्वे, जापान, द. कोरिया आदि गैर-यूरोपीय देश आते हैं.

50 देश सैद्धान्तिक तौर पर लोकतांत्रिक शासन प्रणाली वाले देश हैं, क्योंकि इनमें जनता द्वारा निर्वाचित सरकारें हैं, लेकिन इन देशों में किसी-न-किसी स्तर पर लोकतांत्रिक मूल्यों/सिद्धान्तों का पालन नहीं किया जाता. इस वर्ग में स्वयं को लोकतन्त्र का सबसे बड़ा ठेकेदार समझने वाला देश सं. रा. अमरीका, विश्व का सबसे बड़ा लोकतन्त्र भारत, फ्रान्स, इटली, पुर्तगाल, इज़रायल, द. अफ्रीका, अर्जेन्टीना, ब्राजील, मलेशिया, श्रीलंका आदि देश शामिल हैं.

34 देशों को संकर शासन प्रणाली वाले देशों के वर्ग में रखा गया है. इसमें जाम्बिया, तंजानिया, बांग्लादेश, नेपाल, भूटान, थाइलैण्ड, पाकिस्तान आदि देश आते हैं.

59 देशों की शासन प्रणाली अधिकारवादी मानी गई है. अर्थात् जहाँ के शासन-तन्त्र में व्यक्तियों के नागरिक अधिकार शासनाध्यक्ष की कृपा पर निर्भर है. सब कुछ राज्य के अधीन है. ऐसे देश या तो राजतंत्रात्मक शासन व्यवस्था के अन्तर्गत हैं, जैसे सऊदी अरब, कुवैत, जार्डन आदि या जहाँ एकदलीय शासन व्यवस्था है, जैसेकि चीन, क्यूबा आदि. विभिन्न देशों का तुलनात्मक स्वरूप तालिका-3 में प्रस्तुत है. लोकतन्त्र सूचकांक 2023 में 9·81 स्कोर के साथ नॉर्वे पहले स्थान पर है. इस देश की निर्वाचन प्रणाली, राजनीतिक सहभागिता, राजनीतिक संस्कृति आदर्श रूप में है. दूसरे स्थान पर न्यूजीलैण्ड है. तीसरे स्थान पर आइसलैण्ड, चौथे स्थान पर स्वीडन, पाँचवें स्थान पर फिनलैण्ड, छठे पर डेनमार्क, सातवें स्थान पर आयरलैण्ड, आठवें पर स्विटजरलैण्ड, नौवें स्थान पर नीदरलैण्ड्स तथा दसवें स्थान पर ताइवान है. आधुनिक-काल में लोकतांत्रिक संस्थाओं के विकास में उल्लेखनीय भूमिका निभाने वाले देश यूनाइटेड किंगडम का 14वाँ तथा सं. रा. अमरीका का 25वाँ स्थान है.

विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र भारत का इस सूची में 41वाँ स्थान है. भारत की निर्वाचन प्रणाली तथा बहुलवाद का 9·17 का स्कोर उसे पूर्ण लोकतंत्र वाले देशों के स्तर पर ले जाता है, लेकिन, राजनीतिक संस्कृति में व्याप्त भाई-भतीजावाद, भ्रष्टाचार, बहुमत सिद्ध करने के लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों की सौदेबाजी, समग्र रूप से उसे दोषपूर्ण लोकतंत्र वाले संवर्ग में धकेल देता है.

एशिया के मात्र दो देश-आस्ट्रेलिया तथा न्यूजीलैण्ड ही पूर्ण लोकतन्त्रात्मक शासन प्रणाली वाले हैं. लोकतन्त्र सूचकांक स्कोर की दृष्टि से एशिया (5·67), उत्तरी अमरीका (8·56), प. यूरोप (8·35) तथा लैटिन अमरीका (6·24) से नीचे है. लोकतन्त्र सूचकांक के स्कोर के मामले में 9·26 स्कोर के साथ जहाँ न्यूजीलैण्ड चौथे स्थान पर (एशिया में पहले स्थान पर) है, वहीं 1·08 स्कोर के साथ उत्तरी कोरिया 167वें स्थान पर है (सबसे निचला).

तालिका-2 : लोकतन्त्र सूचकांक, 2023 (शासन पद्धतियों के अनुसार)

क्र.	संवर्ग	देशों की संख्या	सूचकांक, 2023 में सम्मिलित देशों से प्रतिशत	कुल वैश्विक जनसंख्या से प्रतिशत
1.	पूर्ण लोकतांत्रिक शासन प्रणाली वाले देश (Full Democracy)	24	14·4	7·8
2.	दोषपूर्ण लोकतांत्रिक शासन प्रणाली वाले देश (Flawed Democracy)	50	29·9	37·5
3.	संकर शासन प्रणाली वाले देश (Hybrid Regimes)	34	20·4	15·2
4.	अधिकारवादी शासन प्रणाली वाले देश (Authoritarian Regimes)	59	35·3	39·4

भारत की लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली

जहाँ तक भारत की लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली का प्रश्न है, तो भारत यह गर्व कर सकता है कि यहाँ केवल मतपत्र

तालिका-3 : लोकतंत्र सूचकांक 2023

देश	लोकतंत्र सूचकांक, 2023 का स्कोर							लोकतांत्रिक प्रणाली का स्तर
	रैंक	समग्र	निर्वाचन प्रक्रिया एवं बहुलवाद	शासन प्रशासन	राजनीतिक सहभागिता	राजनीतिक संस्कृति	नागरिक स्वतंत्रताएं	
नॉर्वे	1	9·81	10·00	9·64	10·00	10·00	9·41	पूर्ण लोकतंत्र
आइसलैण्ड	3	9·45	10·00	9·29	8·89	9·38	9·71	पूर्ण लोकतंत्र
स्वीडन	4	9·39	9·58	9·64	8·33	10·00	9·41	पूर्ण लोकतंत्र
न्यूजीलैण्ड	2	9·61	10·00	9·29	10·00	8·75	10·00	पूर्ण लोकतंत्र
कनाडा	13	8·69	10·00	8·21	8·89	7·50	10·00	पूर्ण लोकतंत्र
यूके	18	8·28	9·58	7·50	8·33	6·88	9·12	पूर्ण लोकतंत्र
सं. रा. अमरीका	29	7·93	9·17	6·43	8·89	6·25	8·53	दोषपूर्ण लोकतंत्र
जापान	16	8·40	9·17	8·93	6·67	8·13	9·12	दोषपूर्ण लोकतंत्र
फ्रान्स	23	8·07	9·58	7·50	7·22	7·50	8·53	दोषपूर्ण लोकतंत्र
दक्षिण अफ्रीका	47	7·05	7·42	7·14	8·33	5·00	7·35	दोषपूर्ण लोकतंत्र
भारत	**41**	**7·18**	**8·67**	**7·86**	**7·21**	**6·25**	**5·88**	**दोषपूर्ण लोकतंत्र**
बांग्लादेश	75	5·87	7·42	6·07	5·56	5·63	4·71	संकर शासन प्रणाली
नेपाल	98	4·60	4·83	5·36	5·00	2·50	5·29	संकर शासन प्रणाली
पाकिस्तान	118	3·25	2·58	4·29	2·78	2·50	4·12	संकर शासन प्रणाली
रूस	144	2·22	0·92	2·14	2·22	3·75	2·06	अधिकारवादी शासन प्रणाली
चीन	148	2·12	0·00	3·57	3·33	3·13	0·59	अधिकारवादी शासन प्रणाली
उत्तर कोरिया	165	1·08	0·00	2·50	1·67	1·25	0·00	अधिकारवादी शासन प्रणाली
अफगानिस्तान	167	0·26	0·00	0·03	0·00	1·25	0·00	अधिकारवादी शासन प्रणाली

स्रोत : डेमोक्रेसी इण्डेक्स 2023, एज ऑफ कॉनफिलिक्ट, दी इकनॉमिक इंटेलीजेन्स यूनिट

तालिका–4 : आदर्श लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली की ओर अग्रसर भारत (लोकतंत्र सूचकांक के स्कोर पर आधारित)

वर्ष	रैंक	निर्वाचन प्रक्रिया एवं बहुलवाद	शासन प्रशासन	राजनीतिक सहभागिता	राजनीतिक संस्कृति	नागरिक स्वतन्त्रताएं
2009	35	9·58	8·21	5·56	6·25	9·41
2010	40	9·58	8·57	4·44	4·38	9·41
2011	39	9·58	7·50	5·00	5·00	9·41
2012	38	9·58	7·50	6·11	5·00	9·41
2013	33	9·58	7·14	6·67	5·63	9·41
2014	27	9·58	7·14	7·22	6·25	9·41
2015	35	9·58	7·14	7·22	5·63	9·12
2016	32	9·58	7·50	7·22	5·63	9·12
2017	42	9·17	6·79	7·22	5·63	7·35
2018	41	9·17	6·79	7·22	5·63	7·35
2023	41	8·67	7·86	7·22	6·25	5·88

के द्वारा बिना किसी रक्तपात के सत्ता का हस्तान्तरण होता रहा है, लेकिन भारतीय लोकतन्त्र के दामन पर 1975 में मात्र सत्ता पर बने रहने के लिए लगाए गए आपातकाल का काला धब्बा भी है. शासन के तीसरे स्तर के निकायों–पंचायती राज संस्थाओं तथा स्थानीय नगर निकायों को जहाँ संवैधानिक दर्जा और प्रत्येक स्तर पर कम-से-कम एक-तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित होने जैसी अनूठी व्यवस्था है. संविधान के 106वें संशोधन (2023) द्वारा लोक सभा एवं राज्य विधान सभाओं के एक-तिहाई स्थान महिलाओं के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं. आरक्षण की यही व्यवस्था केन्द्रशासित क्षेत्रों–दिल्ली, पुदुचेरी तथा जम्मू एवं कश्मीर की विधान सभाओं के लिए भी लागू कर दी गई हैं. हालाँकि इसे 2021 की लम्बित जन-गणना पूरी कर लिए जाने के बाद लोक सभा की सीटों के परिसीमन के बाद सम्भवतया 2029 के लोक सभा निर्वाचन लागू किए जाने की बात कही गई है. लेकिन यह भारतीय लोकतंत्र की सुदृढ़ता की दिशा में एक बड़ा कदम है, तो केन्द्र, राज्यों एवं निचले स्तर की संस्थाओं में बढ़ता और निरन्तर मजबूत होता परिवारवाद भी बहुदलीय प्रणाली में भी राजनीतिक दलों के भीतर लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन करता है.

लोकतन्त्र सूचकांक की स्थिति में 2009 से 2023 के बीच भारत के मामले में उतार-चढ़ाव होता रहा है. 2014 में जहाँ भारत की रैंक 27वीं थी, वहीं 2019 में भारत की रैंक 51वीं हो गई है. 2023 में भी भारत की रैंक 41 ही थी. इस गिरावट का प्रमुख कारण निर्वाचन प्रक्रिया एवं बहुलता का स्कोर 9·58 से गिरकर 8·67, शासन प्रशासन का स्कोर 7·14 से बढ़कर 7·86, नागरिक स्वतन्त्रताओं का स्कोर 9·41 से गिरकर 5·88 रह जाना है.

2023 के लोकतन्त्र सूचकांक रिपोर्ट में स्वीकार किया गया है कि केन्द्र में सत्तासीन राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन ने राज्यों के निर्वाचनों में भी अपना प्रभुत्व जमाए रखने के लिए संघर्ष किया (हालाँकि, हिमाचल प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक जैसे तीन प्रमुख राज्यों में राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबन्धन की सरकारों के चुनावों में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के हाथों पराजय का दंश भी झेलना पड़ा है). यह भारत के लोकतांत्रिक संस्थानों की सुदढ़ता को भी दर्शाता है.

निजी तौर पर विश्व के प्रत्येक देश का आमजन लोकतन्त्र का समर्थक है, लेकिन 'जनता के द्वारा, जनता के लिए, जनता का शासन' धनबल, बाहुबल, सोशल मीडिया के दुरुपयोग से जब सत्ता प्राप्ति का साधन बन जाता है, तो लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली चरमराने लगती है. विश्व की लगभग एक-तिहाई जनसंख्या लोकतान्त्रिक शासन प्रणाली के लाभों से अभी भी वंचित है. इंटरनेट, सोशल मीडिया के माध्यम से विचार एवं अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता में विस्तार तो हुआ है, लेकिन सोशल मीडिया से व्यक्तिगत जानकारी को चुराकर उसका प्रयोग चुनाव जीतने के लिए करना लोकतान्त्रिक सिद्धान्त की शुचिता पर भी आघात करता है. ●●●

फोकस 2

लोक सभा निर्वाचन : प्रक्रिया एवं तथ्य

✍ डॉ. ए. के. राघव

जनसंख्या के आधार पर विश्व के सबसे विशाल लोकतांत्रिक राष्ट्र भारत ने सफल लोकतन्त्र के सात दशक पूरे कर लिए हैं. 1951-52 से लेकर अब तक सत्रह लोक सभा (संसदीय) के निर्वाचन सफलता-पूर्वक हो चुके हैं एवं अठारहवीं लोक सभा के चुनाव की प्रक्रिया प्रारम्भ हो चुकी है. विगत सत्रह संसदीय निर्वाचनों ने भारतीय राजनीति के साथ-साथ निर्वाचन प्रणाली को भी सशक्त बनाया है. निर्वाचन में उत्तरोत्तर अनेक गम्भीर समस्याएं आती रहीं जिनका समय-समय पर निर्वाचन आयोग एवं संसद ने अधिनियम बनाकर समाधान किया जिससे निर्वाचन प्रक्रिया को सुचारू रूप से पूरा करने में सफलता मिलती रही.

निर्वाचन प्रणाली : फर्स्ट पास्ट द पोस्ट सिस्टम

भारत के संविधान निर्माताओं ने स्वतन्त्र भारत के लिए ब्रिटेन में सोलहवीं शताब्दी में प्रचलित निर्वाचन प्रणाली 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट सिस्टम' (First Past the Post System) जिसे एकल बहुल मत प्रणाली (Single Plurality System) भी कहते हैं को लोक सभा, राज्य विधान सभाओं, पंचायती राज संस्थाओं एवं स्थानीय नगर निकायों के निर्वाचन के लिए अपनाया. इसमें एक सदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र जिसमें अनेक सदस्य प्रत्याशी के रूप में खड़े हों और मतदाता केवल एक उम्मीदवार को ही मत देता है, तब जिस उम्मीदवार को अन्य उम्मीदवारों की तुलना में सबसे अधिक मत प्राप्त होते हैं वही विजयी घोषित कर दिया जाता है. इस प्रणाली का मुख्य नियम है– जो सबसे आगे जीत उसी की (First-past-the post) इस प्रणाली में विजयी उम्मीदवार को आधे से अधिक मत लाना अनिवार्य नहीं है अतः बहुमत से कम मत प्राप्त करने वाला उम्मीदवार भी विजयी हो जाता है, क्योंकि इसमें सामान्य संख्या महत्वपूर्ण है, अतः क्षेत्र में निवास कर रहे अल्पसंख्यक मतदाता का प्रतिनिधित्व न होना सम्भावित है.

निर्वाचन के लिए उत्तरदायी निर्वाचन आयोग

भारत में राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोक सभा, राज्य विधान सभाओं, पुदुचेरी, दिल्ली तथा जम्मू एवं कश्मीर केन्द्रशासित क्षेत्रों की विधान सभाओं के निर्वाचन सम्पन्न कराने का उत्तरदायित्व निर्वाचन आयोग का है. इसके लिए संविधान के अनुच्छेद 324 में व्यवस्था की गई है. अनुच्छेद 324 के अनुसार लोक सभा निर्वाचनों के अधीक्षण, निदेशन और नियंत्रण का अधिकार निर्वाचन आयोग में निहित है. निर्वाचन आयोग मतदाता सूचियाँ तैयार करना, राजनीतिक दलों का पंजीकरण करना, मान्यता प्रदान करना एवं चुनाव चिह्न आवंटित करना, उम्मीदवारों की योग्यता की जाँच करना, निर्वाचन की व्यवस्था करना, राजनीतिक प्रशिक्षण देना, निर्वाचन प्रक्रिया का संचालन करना एवं परिणाम घोषित करना आदि निर्वाचन से सम्बन्धित समस्त कार्य करता है.

निर्वाचन आयोग में 1994 से एक मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं दो अन्य निर्वाचन आयुक्त होते हैं जिनकी नियुक्ति मुख्य निर्वाचन आयुक्त एवं अन्य निर्वाचन आयुक्तों (नियुक्ति, सेवा शर्तें एवं कार्यकाल) अधिनियम, 2023 के प्रावधानों के तहत् प्रधानमंत्री की अध्यक्षता वाली चयन समिति, जिसमें प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक कैबिनेट मंत्री तथा नेता प्रतिपक्ष/लोक सभा में सबसे बड़े विपक्षी दल का नेता दो अन्य सदस्य भी होते हैं, की सिफारिश पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा की जाती है. चयन समिति के लिए सम्भावितों का प्रस्ताव सर्च कमेटी द्वारा किया जाता है जिसकी अध्यक्षता केन्द्रीय विधि एवं न्याय मंत्री करते हैं तथा जिसमें भारत सरकार में सचिव स्तर के दो अधिकारी सदस्य होते हैं. सर्च कमेटी पाँच व्यक्तियों का पैनल चयन समिति को भेजती है. निर्वाचन आयुक्तों का कार्यकाल 6 वर्ष तक अथवा 65 वर्ष की आयु तक (दोनों में से जो भी पहले हो) होता है.

निर्वाचन आयोग निष्पक्ष रूप से कार्य करने के लिए स्वतन्त्र है तथा निर्वाचन प्रक्रिया के सम्बन्ध में निर्णय लेने का सर्वाधिकार रखता है. मुख्य निर्वाचन आयुक्त को संसद द्वारा कदाचार स्थापित होने पर ही समय से पूर्व पद से हटाया जा सकता है. निर्वाचन आयोग अपनी भूमिका सफलता-पूर्वक निभा रहा है.

निर्वाचन आयोग राज्य के निर्वाचन आयोग एवं राज्यों के सरकारी अधिकारियों एवं कर्मचारियों, अर्द्ध सैन्य बलों, पुलिस एवं अन्य बलों का प्रयोग निर्वाचन में करता है.

निर्वाचन आयोग निर्वाचन प्रक्रिया का सम्पूर्ण कार्यक्रम जिसमें निर्वाचन की तिथि, नामांकन की तिथि, नाम वापस लेने की तिथि एवं मतगणना की तिथि आदि सम्मिलित होती है, की घोषणा करता है.

लोक सभा निर्वाचन में उम्मीदवार के लिए योग्यताएं

लोक सभा सदस्य बनने के लिए व्यक्ति अनुच्छेद 84 के अनुसार–

1. भारत का नागरिक होना चाहिए.
2. 25 वर्ष की आयु पूरी कर चुका हो.

लोक सभा का निर्वाचन

लोक सभा	निर्वाचन का समय	कुल सीट जिनके लिए निर्वाचन हुआ	लोक सभा में सबसे बड़ा दल
पहली लोक सभा	1951-52 के शीतकाल	489	कांग्रेस 364
दूसरी लोक सभा	1956-57 के शीतकाल	494	कांग्रेस 371
तीसरी लोक सभा	फरवरी 1962	494	कांग्रेस 361
चौथी लोक सभा	फरवरी 1967	520	कांग्रेस 283
पाँचवीं लोक सभा	जनवरी 1971	518	कांग्रेस (आई) 350
छठवीं लोक सभा	मार्च 1977	542	जनता पार्टी 296
सातवीं लोक सभा	जनवरी 1980	542	कांग्रेस (आई) 353
आठवीं लोक सभा	दिसम्बर, 1984	508	कांग्रेस (आई) 401
नवीं लोक सभा	नवम्बर, 1989	525	कांग्रेस (आई) 193
दसवीं लोक सभा	मई-जून 1991	511	कांग्रेस (आई) 266
ग्यारहवीं लोक सभा	मई 1996	537	भाजपा 163
बारहवीं लोक सभा	फरवरी-मार्च 1998	541 (+ 2 बाद में)	भाजपा 180
तेरहवीं लोक सभा	सितम्बर-अक्टूबर 1999	543	भाजपा 182
चौदहवीं लोक सभा	अप्रैल-मई 2004	543	कांग्रेस 145
पन्द्रहवीं लोक सभा	अप्रैल-मई 2009	543	कांग्रेस 206
सोलहवीं लोक सभा	अप्रैल-मई 2014	543	भाजपा 282
सत्रहवीं लोक सभा	अप्रैल-जून 2019	543	भाजपा 303

इसके अतिरिक्त व्यक्ति का नाम भारत की किसी भी चुनाव क्षेत्र की मतदाता सूची में सम्मिलित होना चाहिए. व्यक्ति–

1. लाभ के पद पर कार्यरत नहीं होना चाहिए.
2. दिवालिया नहीं होना चाहिए.
3. संसद की किसी विधि के अन्तर्गत अयोग्य नहीं ठहराया गया हो.

व्यक्ति को किसी न्यायालय द्वारा किसी अपराध के लिए 2 वर्ष या इससे अधिक के कारावास की सजा सुनाई है तो व्यक्ति लोक सभा सदस्य होने के लिए अयोग्य होगा तथा सजा पूरी कर लेने के बाद भी 6 वर्ष तक चुनाव नहीं लड़ सकता. [जनप्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 धारा 8(3)]. 10 जुलाई, 2013 को उच्चतम न्यायालय के एक निर्णय के अनुसार 'यदि जेल में बंद कोई व्यक्ति मतदान के लिए अयोग्य है, तो उसे चुनाव लड़ने का भी अधिकार नहीं है. जनप्रतिनिधित्व (संशोधन एवं पुष्टिकरण) अधिनियम 2013, जिसे राज्य सभा द्वारा 27 अगस्त, 2013 तथा लोक सभा द्वारा 6 सितम्बर, 2013 को पारित किया गया था, के अनुसार निम्न प्रकार संशोधन किया गया– "भले ही किसी व्यक्ति को पुलिस हिरासत या जेल में होने के कारण मतदान करने से प्रतिबंधित कर दिया गया हो, जब तक उसका नाम मतदाता सूची में दर्ज है, तब तक वह मतदान कर सकता है अर्थात् चुनाव के लिए नामांकन दाखिल कर सकता है.

एक व्यक्ति एक ही समय पर अधिकतम दो निर्वाचन क्षेत्रों से उम्मीदवार हो सकता है (जन प्रतिनिधित्व अधिनियम धारा 33, 7(a).

जमानत राशि

जन प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में 2009 में किए गए संशोधन के अनुसार लोक सभा के सामान्य उम्मीदवार को ₹ 25 हजार तथा अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार को नामांकन करते समय ₹ 12,500 जमानत राशि जमा करनी होती है. विधान सभा या विधान परिषद के लिए यह जमानत धनराशि क्रमशः ₹ 10 हजार एवं ₹ 5 हजार है. (ज. प्र. अ. धारा 34–1(a)(b).

यदि कोई उम्मीदवार निर्वाचन में पड़े कुल वैध मतों के 1/6 से कम प्राप्त करता है, तब उसकी जमानत राशि जब्त कर ली जाती है. (ज. प्र. अ. धारा 158(4))

निर्वाचन क्षेत्र

संविधान के अनुच्छेद 81 के अनुसार लोक सभा में अधिकतम सदस्य 552 का प्रावधान है, जिसमें 530 राज्यों एवं 20 संघ राज्य क्षेत्रों से निर्वाचित, लेकिन वर्तमान में यथार्थ में लोक सभा में 545 सदस्य हैं जिसमें 543 निर्वाचित होते हैं अर्थात् लोक सभा की 543 सदस्यों का निर्वाचन 543 निर्वाचन क्षेत्रों से होता है. निर्वाचन क्षेत्रों की भौगोलिक सीमा निर्धारित होती है तथा इसका आधार जनसंख्या होती है. वर्तमान निर्वाचन क्षेत्रों का आधार 2001 की जनगणना है. वर्तमान निर्वाचन क्षेत्रों में 2026 तक कोई परिवर्तन नहीं किया जा सकता. 2026 के बाद पहली जनगणना के अनुरूप निर्वाचन क्षेत्रों में परिवर्तन किया जाएगा.

मताधिकार

संविधान के अनुच्छेद 326 में लोक सभा और राज्य सभाओं के लिए निर्वाचन वयस्क मताधिकार के आधार पर होता है अर्थात् भारत का ऐसा नागरिक जिसने किसी नियम/अधिनियम द्वारा निश्चित की गई तिथि को 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है, मतदाता सूची में नाम पंजीकृत कराने के लिए योग्य होगा. संविधान के 61वें संविधान संशोधन (1989) द्वारा मताधिकार की आयु पूर्व में निर्धारित 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष की गई थी.

इसके साथ-साथ व्यक्ति को मतदाता बनने के लिए आवश्यक है कि किसी विधि/अधिनियम के अधीन अनिवास, चित्त विकृति, अपराध या भ्रष्ट या अवैध आचरण के आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया गया हो.

मतदान

मतदाता को मतदान केन्द्र पर उपस्थित होकर अपनी पहचान सुनिश्चित कराकर मतदान करना होता है, लेकिन नौकरी करने वालों के लिए जो मतदान केन्द्र से दूर रह रहे हैं उन्हें मत देने की कुछ सुविधाएं दी गई हैं.

1. डाक मत पत्र–नौकरी करने वाले व्यक्ति डाक सेवा से अपना मत भेज सकते हैं.

2. प्रॉक्सी मतदान–संसद के 22 सितम्बर, 2003 से लागू निर्वाचन संचालन एवं निर्वाचन कानून संशोधन अधिनियम, 2003 द्वारा सेना में नौकरी करने वाले मतदाताओं को चुनाव में प्रॉक्सी मतदान की सुविधा प्रदान की गई है. इसके लिए सैन्यकर्मी मतदाता को अपना प्रतिनिधि मतदाता चुनकर इसके विषय में निर्धारित प्रपत्र भरकर अधिकृत चुनाव अधिकारी को सूचित करना होता है.

3. प्रवासी भारतीयों को मताधिकार–लोक प्रतिनिधित्व (संशोधन) अधिनियम 2010 द्वारा ऐसे भारतीय नागरिक, जो शिक्षा एवं रोजगार के कारण विदेशों में रह रहे हैं तथा जिनका नाम मतदाता सूची में सम्मिलित नहीं है, और यदि उन्होंने विदेशी नागरिकता, ग्रहण नहीं की है, को भारत में मतदाता सूची में नाम सम्मिलित करने का अधिकार दिया गया है. जनवरी 2015 में सरकार ने यह स्वीकार कर लिया कि ऐसे मतदाता डाक मत पत्र से अपना मतदान कर सकते हैं.

4. इलेक्ट्रॉनिक पोस्टल बैलेट–इलेक्ट्रॉनिक पोस्टल बैलेट की व्यवस्था (Electronically Transmitted Postal Ballot System—ETPBS) नौकरी करने

लोक सभा एवं राज्य सभा में राज्यों/संघ क्षेत्रों के लिए स्थानों का आवंटन

राज्य/संघ क्षेत्र	राज्य सभा	लोक सभा
1. आन्ध्र प्रदेश	11	25
2. अरुणाचल प्रदेश	1	2
3. असम	7	14
4. बिहार	16	40
5. छत्तीसगढ़	5	11
6. गोवा	1	2
7. गुजरात	11	26
8. हरियाणा	5	10
9. हिमाचल प्रदेश	3	4
10. झारखण्ड	6	14
11. जम्मू-कश्मीर (संघ शासित)	4	5
12. कर्नाटक	12	28
13. केरल	9	20
14. मध्य प्रदेश	11	29
15. महाराष्ट्र	19	48
16. मणिपुर	1	2
17. मेघालय	1	2
18. मिजोरम	1	1
19. नगालैण्ड	1	1
20. ओडिशा	10	21
21. पंजाब	7	13
22. राजस्थान	10	25
23. सिक्किम	1	1
24. तमिलनाडु	18	39
25. त्रिपुरा	1	2
26. उत्तर प्रदेश	31	80
27. उत्तराखण्ड	3	5
28. पश्चिम बंगाल	16	42
29. तेलंगाना	7	17
संघ क्षेत्र		
1. अंडमान और निकोबार द्वीप समूह	—	1
2. चंडीगढ़	—	1
3. दादर और नगर हवेली	—	1
4. दमन और दीव	—	1
5. दिल्ली	3	7
6. लक्षद्वीप	—	1
7. पुदुचेरी (पाण्डिचेरी)	1	1
8. लद्दाख	—	1
मनोनीत	12	—
कुल संख्या	245	543

वाले व्यक्तियों जिनमें सैन्यकर्मी भी सम्मिलित हैं के लिए 2016 में पहली बार पुदुचेरी की नेल्लीथोपे विधान सभा क्षेत्र के उपचुनाव में किया गया. इसके बाद 2017 में वहाँ की सभी विधान सभा क्षेत्रों में किया गया.

5. आंग्ल भारतीय समुदाय को प्रतिनिधित्व–भारतीय संविधान के 104वें संशोधन अधिनियम, 2020 द्वारा अनुच्छेद 334(b) के अन्तर्गत आंग्ल भारतीय समुदाय को लोक सभा में प्रतिनिधित्व देने के लिए दो स्थानों पर मनोनयन की व्यवस्था समाप्त कर दी गई.

मतदान पहचान-पत्र

फर्जी मतदान रोकने के लिए मतदाता की पहचान करने के लिए मतदान पहचान-पत्र (Voter Identity Document) जारी करने के लिए सर्वप्रथम अप्रैल 1992 में तत्कालीन मुख्य निर्वाचन आयुक्त टी. एन. शेषन ने सुझाव दिया था जिसे मान लिया गया. निर्वाचन आयोग द्वारा 1993 से मतदाता पहचान-पत्र बनाए जाने लगे तथा निर्वाचन आयोग ने इसे प्रत्येक मतदाता के लिए अनिवार्य कर दिया.

उम्मीदवारों के निर्वाचन के समय खर्च की सीमा

6 जनवरी, 2022 को सरकार ने लोक सभा के चुनाव में प्रत्याशी द्वारा खर्च करने की अधिकतम सीमा ₹ 95 लाख तथा विधान सभा के लिए ₹ 40 लाख कर दी है.

लेकिन अरुणाचल प्रदेश, गोवा सिक्किम, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, चंडीगढ़, दादरा और नागर हवेली, दमन और दीव, लक्षद्वीप और पुदुचेरी के लिए लोक सभा निर्वाचन हेतु खर्च सीमा ₹ 75 लाख है.

इसी प्रकार विधान सभा चुनाव में अरुणाचल प्रदेश, गोवा, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैण्ड, सिक्किम, त्रिपुरा एवं पुदुचेरी में खर्च सीमा ₹ 28 लाख है.

निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार प्रत्याशी को चुनाव में खर्च का हिसाब चुनाव समाप्त होने के 45 दिनों के अन्दर निर्वाचन आयोग को प्रस्तुत करना होता है. इसका उत्तरदायित्व सभी राजनीतिक दलों को भी दिया गया है.

इलेक्ट्रॉनिक मतदाता मशीनों (EVM) का प्रयोग

मतदान में इलेक्ट्रॉनिक मतदाता मशीन (EVM) का प्रयोग करने के लिए जन-प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 में संशोधन 1989 में किया गया तथा इसमें धारा 61 ए जोड़ी गई. यह संशोधन 15 मार्च, 1989 से लागू हो गया. गोवा प्रथम राज्य है जहाँ पूरे राज्य में विधान सभा के चुनाव जून 1999 में इलेक्ट्रॉनिक मतदाता मशीन से कराए गए. चौदहवीं लोक सभा के 2004 में हुए चुनावों में इलेक्ट्रॉनिक मतदाता मशीनों (EVM) का प्रयोग किया गया. सर्वप्रथम ईवीएम का प्रयोग केरल की नॉर्थ पारावुर (North Paravur) विधान सभा क्षेत्र के उपचुनाव में 1982 में प्रयोग के तौर पर कुछ मतदान केन्द्रों पर किया था.

ब्रेल ईवीएम (EVM) का प्रयोग

गोवा विधान सभा के 4 फरवरी, 2017 को सम्पन्न चुनावों में 87 देखने में दृष्टि-बाधित (Blind) मतदाताओं के लिए ब्रेल ईवीएम (Braille Electronic Voting Machine) का प्रयोग किया गया.

वीवीपीएटी (VVPAT) मशीन का प्रयोग

वीवीपीएटी (Voter Verifiable or Varified Paper Audit Trail) एक प्रकार की ऐसी मशीन है, जो ईवीएम (EVM) के साथ जोड़ दी जाती है जिससे ईवीएम में जब मतदाता मत करता है, तो इस मशीन में एक पेपर दिखायी देता है जिस पर मतदाता द्वारा किसे मत दिया है अंकित होता है इससे यह सुनिश्चित हो जाता है कि ईवीएम सही कार्य कर रही है.

वीवीपीएटी मशीन का भारत में सर्वप्रथम प्रयोग नगालैण्ड राज्य के नॉकसेन (Noksen) विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र में 2013 में किया गया था. 2014 के लोक सभा निर्वाचन में 8 निर्वाचन क्षेत्रों में इसका प्रयोग किया गया. इसके बाद अनेक विधान सभा निर्वाचनों में इसका प्रयोग किया जाता रहा है.

गोवा राज्य विधान सभा के 2017 के निर्वाचन में सभी निर्वाचन क्षेत्रों में इसका प्रयोग किया गया. लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2019 में देश के सभी लोक सभा क्षेत्रों के सभी मतदान केन्द्रों पर वीवीपीएटी का प्रयोग किया गया.

नोटा (NOTA)

उल्लेखनीय है कि नोटा का निर्वाचन के परिणाम पर प्रभाव नहीं पड़ता शेष पड़े मतों में सर्वाधिक मत प्राप्त करने वाला ही विजयी घोषित किया जाता है. नोटा (NOTA) अर्थात् उपर्युक्त में से कोई नहीं (None Of The Above) का अधिकार मतदाता को दिया गया है. इसका तात्पर्य यह है कि यदि मतदाता को चुनाव में खड़े सभी उम्मीदवार पसंद नहीं हैं, तो वह ईवीएम में दिए गए 'नोटा' वाले बटन को दबा सकता है. 27 सितम्बर, 2013 को उच्चतम न्यायालय ने एक निर्णय देते हुए निर्वाचन आयोग को ईवीएम में 'नोटा' का बटन देने के लिए निर्देश दिए थे.

'नोटा' का प्रयोग सर्वप्रथम छत्तीसगढ़ राज्य में नवम्बर 2013 में विधान सभा के लिए सम्पन्न चुनावों में किया गया. 2014 में सम्पन्न लोक सभा चुनावों में भी इसका प्रयोग किया गया.

लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024

- कुल पंजीकृत मतदाता–96·8 करोड़
  पुरुष मतदाता : 49·7 करोड़
  महिला मतदाता : 47·1 करोड़
- पहली बार मतदाता बनने वाले–1·8 करोड़
- 85+ आयु वर्ग के मतदाता–82 लाख
- ट्रांसजेंडर मतदाता–48,000
- युवा (20–29 वर्ष आयु) मतदाता–19·74 करोड़
- दिव्यांगजन मतदाता–88·4 लाख
- सेन्टेनेरियन मतदाता–2·18 लाख
- कुल मतदाताओं में लिंगानुपात–948
- 1000 से अधिक लिंगानुपात वाले राज्यों की संख्या–12
- मतदान के चरण–7 (19 अप्रैल, 26 अप्रैल, 7 मई, 13 मई, 20 मई, 25 मई, 1 जून)
- कुल निर्वाचन क्षेत्र–543; सामान्य : 412, एससी : 84, एसटी : 47
- कुल मतदान केन्द्र–10·5 लाख
- कुल ईवीएम का प्रयोग–55 लाख
- चुनाव ड्यूटी में लगाए जाने वाले मतदान कर्मी–1·5 करोड़

निर्वाचन के लिए सामान्य आचार संहिता

निर्वाचन से सम्बन्धित निर्वाचन आयोग द्वारा आचार संहिता (Code of Conduct) बनाई जाती है, जिसमें समय-समय पर संशोधन किए जा सकते हैं. कुछ महत्वपूर्ण तथ्य इस प्रकार हैं–

1. निर्वाचन की तिथियाँ एवं कार्यक्रम की निर्वाचन आयोग द्वारा घोषणा करने के बाद आचार संहिता लागू हो जाती है, जिसका तात्पर्य यह है कि सरकार/राज्य सरकारें ऐसी कोई घोषणा या नीति की घोषणा अथवा कार्य नहीं कर सकतीं जिससे चुनाव की निष्पक्षता पर प्रभाव पड़ सकता है.
2. सभी राजनीतिक दलों को जाति, धर्म आदि को लेकर ऐसा कोई कार्य या प्रचार नहीं करना है जिससे उन्माद उत्पन्न हो और शांति व्यवस्था भंग हो.
3. निर्वाचन आयोग द्वारा चिन्हित भ्रष्ट तरीके जैसे–मतदाता को रिश्वत देना, मतदाता को धमकाना, मतदाता को जबरन किसी का वोट देने के लिए ले जाना आदि को नहीं अपनाना है.

शेष पृष्ठ 89 पर

फोकस 3

जल संकट का सरल समाधान : समन्वय, सहयोग और जागरूकता

✍ डॉ. दीपांकर सिंह

किसी भी देश या देश के किसी भाग में जब जल संकट उत्पन्न होता है, तो मानसिकता अदूरदर्शी हो जाती है, बलि का बकरा ढूँढ़ने की प्रवृत्ति देखने को मिलती है. प्रायः कम बारिश या भूमिगत जल स्तर के लगातार नीचे गिरते जाने को दोष दिया जाता है. किसी भी स्तर पर भूमिगत जल के अति दोहन और सतही जल (वर्षा जल) के अल्प संग्रहण, अल्प उपचारण अल्प भण्डारण जैसे कारकों पर विचार नहीं किया जाता इतना ही नहीं अपशिष्ट जल के उपचारण और पुनर्चक्रण जैसे कारकों को भी नजरन्दाज कर दिया जाता है, यहीं से समस्या शुरू होती है. भारत दुनिया के 17 जल संकटग्रस्त देशों में से एक है, जिससे यह गलत धारणा बन गई है कि पानी की कमी का सामना करना सामान्य बात है.

बर्फबारी सहित वार्षिक वर्षा, जो भारत में पानी का मुख्य स्रोत है, लगभग 4000 बिलियन क्यूबिक मीटर (बीसीएम) है. हालाँकि, औसत वार्षिक वर्षा देश के एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में काफी भिन्न होती है. उत्तर पूर्व क्षेत्र में लगभग 1000 सेमी और पश्चिमी राजस्थान में 10 सेमी से भी कम वार्षिक वर्षा होती है. इसके अलावा, अधिकांश वर्षा दक्षिण-पश्चिम मानसून के 4 महीनों यानी जून से सितम्बर के दौरान होती है.

कुल वर्षा का लगभग 53·3 प्रतिशत वाष्प-उत्सर्जन के कारण नष्ट हो जाता है जिससे देश में 1869 बीसीएम पानी शेष रह जाता है. इसके अलावा, स्थलाकृतिक बाधाओं और स्थान और समय के साथ जल संसाधनों के असमान वितरण के कारण उपलब्ध क्षमता का लगभग 40 प्रतिशत जल लाभकारी उपयोग में नहीं लाया जा सकता है. इस प्रकार देश की उपयोग योग्य जल क्षमता 1123 बीसीएम होने का अनुमान है जिसमें 690 बीसीएम सतही जल और 433 बीसीएम भूजल शामिल है.

भारत में औसत वार्षिक वर्षा 1100 मिमी से अधिक है, जो अधिकांश यूरोपीय देशों, अमरीका (715 मिमी) और चीन (645 मिमी) से कहीं अधिक है. प्रचुर मात्रा में नदियों से सम्पन्न भारत, लगभग 8 प्रतिशत वर्षा जल का उपयोग करता है, जो इसे और अधिक बेहतर ढंग से उपयोग करने की अंतर्निहित क्षमता को इंगित करता है.

भारत में औसत वार्षिक जल उपलब्धता की स्थिति

बर्फबारी सहित वर्षा जल	400 BCM
जल संसाधन सम्भाव्यता	1869 BCM
उपयोग योग्य जल संसाधन	1923 BCM
भूमिगत जल	433 BCM
सतही जल	690 BCM

सतही और भूजल दोनों की उपलब्धता एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र में भिन्न होती है. जल संसाधनों की उपलब्धता की सीमाओं और पानी की बढ़ती माँग को देखते हुए, जल संसाधनों के स्थायी प्रबंधन ने महत्वपूर्ण स्थान प्राप्त कर लिया है. नीति आयोग ने जल संसाधनों के कुशल प्रबंधन में प्रदर्शन का आकलन करने और उसे और बेहतर बनाने के लिए एक उपयोगी उपकरण के रूप में समग्र जल प्रबंधन सूचकांक विकसित किया है. सूचकांक राज्यों और सम्बन्धित केन्द्रीय मंत्रालयों/विभागों के लिए उपयोगी जानकारी प्रदान करेगा, जो उन्हें जल संसाधनों के बेहतर प्रबंधन के लिए उपयुक्त रणनीति बनाने और लागू करने में सक्षम बनाएगा. राज्यों से फीडबैक लेने और प्रतिष्ठित विशेषज्ञों के परामर्श सहित एक विस्तृत अभ्यास के बाद इसे अंतिम रूप दिया गया है.

समग्र जल प्रबंधन सूचकांक में 28 प्रमुख प्रदर्शन संकेतक (KPI) का एक सेट है, जो सिंचाई की स्थिति, पेयजल और अन्य जल-सम्बन्धित क्षेत्रों को कवर करता है. स्रोत वृद्धि जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र; प्रमुख और मध्यम सिंचाई; जलसंभर विकास; सहभागी सिंचाई प्रथाएं; खेत में जल के टिकाऊ उपयोग के तरीके; ग्रामीण पेयजल; शहरी जल आपूर्ति और स्वच्छता और नीति एवं शासन को उच्च प्राथमिकता दी गई है. सूचकांक जल क्षेत्र में प्रदर्शन को ट्रैक करने और बेहतर परिणाम प्राप्त करने के लिए समय पर सुधारात्मक उपाय करने के लिए एक उपयोगी उपकरण के रूप में काम करेगा, जिससे नागरिकों की अपेक्षाओं को संतोषजनक ढंग से पूरा किया जा सकेगा.

जल संचयन, जल उपचारण, जल भण्डारण और जलापूर्ति

शहरी क्षेत्रों में ही नहीं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में भी जल की कमी की समस्या का समाधान भूमिगत जल स्रोतों के अत्यधिक दोहन में निहित नहीं है, बल्कि वर्षा जल की एक-एक बूँद को, जहाँ वह गिरती है, संचय करके उसे उपयोग में लाने में निहित है. ग्रामीण क्षेत्रों में जहाँ 'खेत का पानी खेत में, हार का पानी हार में, गाँव का पानी गाँव में' सिद्धांत को अपना कर संचय किए गए पानी से सिंचाई की जा सकती है, भूमिगत जल स्रोतों की रि-चार्जिंग की जा सकती है, तो वहीं शहरी क्षेत्रों में जल संचयन, जल उपचारण, जल पुनर्चक्रण से जलापूर्ति को सुधारा जा सकता है.

ठेकेदार और सलाहकार शहरी क्षेत्रों में वर्षा जल संचयन के लिए महँगी कंक्रीट संरचनाओं का प्रस्ताव करते हैं, लेकिन ऐसे सरल समाधान भी विकसित किए गए हैं जिनके लिए न्यूनतम निवेश की आवश्यकता होती है.

भवन निर्माण की प्रत्येक साइट पर, प्रत्येक आवासीय सोसाइटी/परिसर, औद्योगिक आस्थानों में वर्षा जल को आसानी से संग्रहित किया जा सकता है और **ग्रेडेड ग्रेवल पिट्स (जीजीपी)** के माध्यम से जमीन तक पहुँचा कर भूमिगत जल स्रोतों की रि-चार्जिंग की जा सकती है, जो लागत प्रभावी हैं और उथले जलभृत पुनर्भरण में योगदान करते हैं. इसके अलावा, उथले कुएं स्रोत सह पुनर्भरण तंत्र के रूप में कार्य कर सकते हैं.

ट्यूबवेलों के अंधाधुंध उपयोग के कारण भूमिगत जल स्तर में लगातार गिरावट आ रही है. वर्तमान में एक क्षेत्र से दूसरे क्षेत्र तक पानी पहुँचाने के लिए तूफानी जल नालों का उपयोग किया जा रहा है. आवासीय क्षेत्रों में, नालियाँ इमारतों और कठोर सतहों से बहने वाले अतिरिक्त पानी को शहर की तूफानी जल प्रणाली में मोड़ने में मदद करती हैं.

इसके बजाय, अगर बारिश के पानी को माइक्रो जीजीपी लगाकर तूफानी जल नालियों में वितरित तरीके से संग्रहित किया जाता है, तो इससे जमीन की मिट्टी को रिचार्ज करने में मदद मिलेगी और केवल ओवरफ्लो को बाहर निकालना होगा. जीजीपी तूफानी पानी को फिल्टर करते हैं और सभी दिशाओं में रि-चार्ज करते हैं. इसे **'रेन हार्वेस्टिंग स्टॉर्म वॉटर ड्रेन्स (आरएच-एसडब्ल्यूडी)'** कहा जा सकता है, जो मिट्टी के पुनर्भरण और बाढ़ को कम करने में मदद कर सकता है.

मृदा : एक जीवित प्राणी

पानी की समस्या को मिट्टी के साथ-साथ समग्र रूप से देखा जाना चाहिए, जो एक जीवित प्राणी है, लेकिन जिसे मानव जाति 'धूल' मानती है.

मुट्ठी भर मिट्टी में लाखों व्यक्तिगत जीवित जीव होते हैं. जीवित मिट्टी आमतौर पर कार्बनिक पदार्थों और पोषक तत्वों से समृद्ध होती है, जो पानी को रोक सकती है और पौधों की वृद्धि और विकास में सहायता कर सकती है.

मिट्टी में पानी धारण करने की जबरदस्त क्षमता होती है और यह पृथ्वी पर ताजे पानी

का सबसे बड़ा भंडार है, जो सभी नदी घाटियों की कुल क्षमता से 6 से 8 गुना अधिक है और 95 प्रतिशत भोजन प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से मिट्टी के माध्यम से उत्पन्न होता है.

औसतन, मिट्टी की एक इकाई में 50 प्रतिशत मिट्टी के कण, 25 प्रतिशत पानी और 25 प्रतिशत रिक्त स्थान होते हैं. मिट्टी में इष्टतम नमी की मात्रा के साथ सबसे अच्छी ताकत होती है और इसमें उत्कृष्ट जल धारण क्षमता होती है, बशर्ते इसमें सही गुण हों. उच्च कार्बनिक पदार्थ (ओएम) सामग्री वाली मिट्टी में जल धारण क्षमता अधिक होती है, क्योंकि ओएम स्पंज की तरह काम करता है, पानी को न केवल सोखता है ,वरन इसे बचाए भी रखता है और पौधों के विकास के लिए अधिक स्थिर वातावरण प्रदान करता है.

कार्बनिक पदार्थ अपने वजन से 10 गुना अधिक पानी को अवशोषित करके बरकरार रख सकता है, क्योंकि कार्बनिक पदार्थ कणों में एक आवेशित सतह होती है, जो पानी को आकर्षित करती है, जिससे यह पानी के भंडारण में एक महत्वपूर्ण कारक बन जाता है.

कार्बनिक पदार्थ वृद्धि के लिए मिट्टी में कम्पोस्ट खाद, खाद, या अन्य स्थिर कार्बनिक पदार्थों को शामिल करना आवश्यक है. कार्बनिक पदार्थ जैसे नारियल का जटा, पीट काई या यहाँ तक कि कम्पोस्ट, पानी को अवशोषित करेगा, नमी बनाए रखेगा जिसका उपयोग पौधे शुष्क अवधि के दौरान कर सकते हैं.

बेहतर उपागम

जल धारण क्षमता बढ़ाना—मृदा स्वास्थ्य के लिए, केन्द्र सरकार द्वारा, 2015 में शुरू की गई मृदा स्वास्थ्य कार्ड योजना (एसएचसी) के माध्यम से, प्रत्येक किसान को मृदा स्वास्थ्य कार्ड वितरित किए जाते हैं. **कृषि सखी** नामक एक प्रमाणित इकाई (जो एक अभ्यासशील किसान है) को मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन और प्राकृतिक खेती में किसानों का मार्गदर्शन करने के लिए प्रशिक्षित किया जाता है.

बनाई गई 70,000 कृषि सखियों के एक कार्यबल पर, 2019 में किए गए एक अध्ययन से पता चलता है कि योजना के बारे में जागरूकता जहाँ 82 प्रतिशत थी, वहीं केवल 66 प्रतिशत ने सिफारिशों को समझा और केवल 48 प्रतिशत ने उनको अपनाया.

मिट्टी की गुणवत्ता और जल धारण क्षमता को एक केंद्रीय भाग के रूप में देखा जाना चाहिए और कृषि सखियों को नाबार्ड द्वारा प्रशिक्षित किया जाना चाहिए.

इस सम्बन्ध में, हाल ही में शुरू की गई अभिनव योजना 'ड्रोन दीदी' से सबक लिया जा सकता है, जिसने ग्रामीण महिला उद्यमियों को तैयार किया है और कीटनाशकों के छिड़काव के समय को कम करने, उन्हें अधिक समान रूप से फैलाने, इसे श्रमिकों के लिए सुरक्षित बनाने और साथ ही ड्रोन का उपयोग करके पानी की खपत को प्रति एकड़ 150-200 लीटर से 10 लीटर तक कम करने में मदद मिली है. **यदि कृषि सखियाँ ड्रोन दीदियों के साथ साझेदारी कर सकें तो इससे जल संरक्षण में काफी मदद मिल सकती है.**

महानगरों में बढ़ता जल संकट

भारत की सिलिकोन घाटी के रूप में विख्यात बेंगलूरू शहर आज गंभीर जल संकट का सामना कर रहा है. नगरवासियों को पानी की एक एक बाल्टी के लिए कतार में खड़े होकर पानी के टैंकर के आने की प्रतीक्षा करनी पड़ रही. 'अवसर' का लाभ उठाकर निजी टैंकर वाले लोगों की प्यास बुझाने की ऊँची कीमत वसूल रहे हैं. आखिर इस समस्या के लिए उत्तरदायी कौन ? प्रकृति-समय पर मानसून की पर्याप्त वर्षा न होना या नगरवासी-पानी का अनियंत्रित उपभोग, वर्षा के पानी का संचय न करना या फिर नगर निकाय के कर्ता धर्ता —जिन्होंने शहर को अनियंत्रित तरीके से, जल प्रबन्धन की यथोचित व्यवस्था किए बिना, फैलने दिया या राज्य सरकार-जिसने टाउन प्लानिंग की दोषपूर्ण व्यवस्था को अपनाया और जल प्रबन्धन-वर्षा जल का संचयन (Rainwater Harvesting), जल पुनर्चक्रण (Water Recycling), जल भण्डारण (Water Storage) को कोई प्राथमिकता प्रदान नहीं की. समग्र रूप से उपर्युक्त सभी वर्ग इस त्रासदी के लिए उत्तरदायी हैं.

संकट की व्यापक रूपरेखा इस प्रकार है. बेंगलूरू स्थित वेल लैब्स (WELL Labs) के शोध के अनुसार, शहर में प्रतिदिन 2,600 मिलियन लीटर से अधिक जल की खपत होती है, जिसमें से कावेरी जल-लगभग 90 किमी तक ऊपर पम्प किया जाता है—1,470 एमएलडी की आपूर्ति करता है. इसमें से कम-से-कम 25 प्रतिशत सिस्टम से गायब हो जाता है. जल की शेष माँग, जो 1,500 एमएलडी से अधिक हो सकती है, भूजल स्रोतों से आपूर्ति की जाती है, चाहे वह बैंगलूरू जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) के तहत् बोरवेल हों या निजी टैंकर—जो इन दिनों 650 एमएलडी की आपूर्ति कर रहे हैं. निजी टैंकरों की बढ़ती लागत से माँग में एक पायदान की कमी आ सकती है. दरअसल, नीति निर्माताओं और जलापूर्ति प्रबंधकों से यह प्रश्न पूछने लायक है कि क्या शहर को 13 मिलियन की आबादी मानते हुए प्रति व्यक्ति प्रति दिन 200 लीटर (एलपीसीडी) की जरूरत है, जो 150 एलपीसीडी के अन्तर्राष्ट्रीय मानक से ऊपर है. शहर की भौगोलिक सीमाओं को देखते हुए—ऊँचाई पर स्थित होने के कारण पास में कोई नदी नहीं है—इसे कावेरी पर अधिकाधिक निर्भर रहने के बजाय जल खपत का बेहतर प्रबंधन करना चाहिए और शहर के भीतर जल स्रोतों को पुनर्जीवित करना चाहिए. कावेरी से बेंगलूरू की जलापूर्ति करना न केवल एक महँगा, ऊर्जा गहन प्रस्ताव है, बल्कि अन्य क्षेत्रों से ताजे पानी के विपथन से भी जुड़ा है. अपने सम्पूर्ण अपवाह क्षेत्र में वर्षा जल के संचयन और सिंचाई सहित पेय जलापूर्ति के मामले में कावेरी नदी अत्यधिक पारिस्थितिकीय तनाव में है.

जलापूर्ति के लिए जल संचयन और अपशिष्ट जल पुनर्चक्रण को बढ़ाना होगा. आधिकारिक अनुमान के अनुसार, बेंगलूरू शहर में प्रतिदिन लगभग 1900 एमएलडी अपशिष्ट जल उत्पन्न होता है, जिसमें से लगभग 1240 एमएलडी जल 'उपचारित' किया जाता है. इस उपचारित जल का लगभग एक-तिहाई जल की कमी वाले कोलार और चिक्कबल्लापुर जिलों में आपूर्ति की जाती है, और शेष दो तिहाई हिस्सा शहर की झीलों में वापस डाल दिया जाता है, जिसमें अनुमानित 72 एमएलडी का उपयोग शौचालयों, भवन निर्माण और औद्योगिक उद्देश्यों के लिए किया जाता है. सबके बाबजूद, बेंगलूरू की झीलें न केवल अनुपचारित सीवेज के कारण, बल्कि 'उपचारित' पानी की खराब गुणवत्ता के कारण भी मर रही हैं. यदि बीडब्ल्यूएसएसबी को अपने अपशिष्ट जल का अधिक कुशलता से उपचार करना है, तो उसे अधिक वित्त और प्रौद्योगिकियों तक पहुँच की आवश्यकता है. सिंगापुर और सैंटियागो जैसे शहर पीने के लिए बड़े पैमाने पर उपचारित अपशिष्ट जल का उपयोग करते हैं; निश्चित रूप से भारतीय नगर निकायों को अपशिष्ट जल को कम-से-कम द्वितीयक उपयोग के लिए उपयुक्त स्तर तक उपचारित करने की क्षमता का निर्माण करना चाहिए. पाइप्ड पानी के लिए टैरिफ को आय के स्तर से जोड़कर बढ़ाने का मामला है, जिसका एक प्रॉक्सी बिजली बिल या खपत की गई यूनिट हो सकता है. टैंकरों के लिए खर्च किए जा रहे पैसे का उपयोग महत्वपूर्ण जल बुनियादी ढाँचे के निर्माण के लिए किया जा सकता है.

सुधारात्मक कदम अपनाते हुए केन्द्र सरकार ने टैंक भंडारण क्षमता बढ़ाने, भूजल पुनर्भरण, पीने के पानी की उपलब्धता में वृद्धि, टैंक कमांड के जलग्रहण क्षेत्रों में सुधार और अन्य उद्देश्यों के साथ जल निकायों की मरम्मत, नवीनीकरण और बहाली योजना शुरू की थी. यदि केन्द्रीय मंत्रालय, राज्य सरकारें, नगर निकाय समन्वय और सुनिश्चित कर सकें कि प्रत्येक कॉर्पोरेट घराने जल निकायों की बहाली और आरडब्ल्यूएच के कार्यान्वयन के लिए धन का एक निश्चित प्रतिशत निर्धारित करें, तो इससे मदद मिलेगी. ●●●

ऐतिहासिक व्यक्तित्व एवं ऐतिहासिक स्थल

ऐतिहासिक व्यक्तित्व

पृथ्वीराज चौहान (1177-1192 ई. तक)

प्रमुख तथ्य

- चौहान वंश के शासकों में विग्रहराज चतुर्थ के बाद चौहान शासक सोमेश्वर का नाम आता है, लेकिन इस शासक का कोई ऐतिहासिक व राजनीतिक प्रभाव न होने के कारण इसके पुत्र पृथ्वीराज का वर्णन आता है. चौहानों के इतिहास में पहला अल्पवयस्क शासक, जो 11 वर्ष की आयु में अजमेर का शासक बना, लेकिन वयस्क होने तक पृथ्वीराज के जीवन में तीन महत्वपूर्ण व प्रभावशाली व्यक्तियों का हाथ रहा.
- पृथ्वीराज के प्रारम्भिक जीवन में इसकी माँ **कर्पूरीदेवी** ने शासन का संचालन किया. इस समय शासन संचालन के लिए सेनापति भुवनमल तथा प्रधानमंत्री कदमबास (कैमास) का महत्वपूर्ण योगदान रहा. पृथ्वीराज ने बहुत जल्द अपने राज्य को संगठित कर अपने शत्रुओं पर विजय प्राप्त की. सबसे पहले पृथ्वीराज ने अपने चचेरे भाई नागार्जुन के विद्रोह का दमन किया. ठीक इसी प्रकार सतलज प्रदेश की जाति भण्डानको के आतंक का समापन किया. भण्डानक सिंध के मार्ग से आकर दिल्ली व अलवर भरतपुर के क्षेत्र पर आतंक मचाते थे. इस प्रकार अपने राज्यों को सुरक्षित करने के लिए पृथ्वीराज ने इस जाति से संघर्ष किया.
- पृथ्वीराज ने महोबा के चन्देल राजाओं पर भी विजय प्राप्त की. महोबा के शासक परमार्दीदेव तथा इसके योग्य सेनापति आल्हा-ऊदल ने पृथ्वीराज चौहान के विरुद्ध इस युद्ध में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इस युद्ध में परमार्दीदेव मारे गए. बाद में आल्हा-ऊदल पृथ्वीराज चौहान की सेना में चले गए. इतिहासकार डॉ. दशरथ शर्मा, एम. एस. त्रिपाठी, बी. एल. ग्रोवर तथा अग्निहोत्री द्वारा रचित ग्रन्थों में यह बताया गया कि जब पृथ्वीराज चौहान ने जयचन्द की पुत्री संयोगिता का अपहरण किया उस समय पृथ्वीराज चौहान के लिए आल्हा-ऊदल की महत्वपूर्ण भूमिका रही.
- पृथ्वीराज चौहान तथा मुहम्मद गौरी के बीच 1191 ई. में तराइन का प्रथम युद्ध हुआ. इस युद्ध में पृथ्वीराज ने गौरी की सेना को पराजित किया तथा गौरी को हिन्दुस्तान से खदेड़ दिया, लेकिन पृथ्वीराज ने गौरी को जिन्दा छोड़कर बहुत बड़ी गलती की जिसका लाभ गौरी ने 1192 ई. के तराइन के द्वितीय युद्ध में उठाया. इस युद्ध में गौरी ने पृथ्वीराज को पराजित किया. माना जाता है कि पृथ्वीराज तथा इसके दरबारी कवि चंदबरदायी को बन्दी बनाकर अपने देश ले गया. जहाँ दोनों की हत्या कर दी, लेकिन इन तथ्यों पर विश्वास नहीं किया जा सकता.
- तराइन के दोनों युद्धों का मूल कारण कन्नौज का शासक जयचन्द था, जो अपने अपमान का बदला लेना चाहता था, क्योंकि जयचन्द की पुत्री संयोगिता तथा चौहान के बीच प्रेम सम्बन्ध था. ये दोनों विवाह करना चाहते थे, लेकिन जयचन्द राजी नहीं था. जयचन्द ने अपने इस अपमान का बदला लेने के लिए मुहम्मद गौरी को हिन्दुस्तान पर आक्रमण करने के लिए निमंत्रण भेजा जिसे हम हिन्दुस्तान के आपसी भाइयों की गद्दारी के कारण विदेशियों का इतिहास पढ़ना पड़ा.

  नोट—वर्तमान में तराइन का ऐतिहासिक मैदान करनाल (हरियाणा) में स्थित है.

इल्तुतमिश (1210-1236 ई.)

प्रमुख तथ्य

- इल्तुतमिश, कुतुबुद्दीन ऐबक की तरह ही एक गुलाम था. वह तुर्किस्तान के इल्बरी तुर्क कबीले का था. देखने में वह सुन्दर एवं आकर्षक व्यक्तित्व वाला था. उसके पिता का नाम इलाम खाँ था.
- इल्तुतमिश के अनेक गुणों से प्रभावित होकर कुतुबुद्दीन ऐबक ने उसे अपने शासनकाल में उसे खरीद कर उच्च पदों पर आसीन किया तथा अपनी पुत्री से विवाह कर अपना दामाद बना लिया.
- अपनी प्रतिभा के बल पर ही वह 'अमीर-ए-शिकार' (शाही शिकार का प्रमुख) के पद पर पहुँच सका. ग्वालियर को विजित करने के पश्चात् उसे वहाँ का किलेदार बनाया गया. तत्पश्चात् उसे बुलंदशहर का इक्ता तथा अन्त में दिल्ली राज्य का सर्वाधिक महत्वपूर्ण बदायूँ का इक्ता सौंपा गया.
- मुहम्मद गौरी तथा खोखर जाति के मध्य 1205-1206 ई. में हुए संघर्ष में इल्तुतमिश ने साहस और कौशल का परिचय दिया.
- कुतुबुद्दीन ऐबक की मृत्यु के पश्चात् 1211 ई. में आरामशाह की हत्या करके दिल्ली के सिंहासन पर आसीन हुआ. उसने 1236 ई. तक सफलतापूर्वक शासन किया. अपने शासन के दौरान उसने अनेक महत्वपूर्ण कार्य किए.
- इल्तुतमिश ने क्रय किए गए गुलामों का संगठन बनाया. गुलामों की संख्या चालीस थी. इसलिए यह संगठन 'तुर्कान-ए-चिहालगानी' के नाम से प्रख्यात हुआ.
- इल्तुतमिश 'कुतुबी' और 'मुइज्जी' सरदारों की अपेक्षा अपने गुलाम सरदारों पर अधिक विश्वास करता था. उसने गुलाम सरदारों को राज्य में उच्च पदों पर नियुक्त किया.
- इल्तुतमिश पहला ऐसा तुर्क सुल्तान था, जिसने शुद्ध अरबी सिक्के चलाए उसके द्वारा चलाए गए चाँदी के टंका का वजन 175 ग्रेन था.
- यल्दौज इल्तुतमिश का प्रबल प्रतिद्वन्द्वी था. इल्तुतमिश ने 1216 ई. में तराइन के मैदान में यल्दौज को पराजित कर उसका दमन किया.
- इल्तुतमिश के एक और प्रतिद्वन्द्वी नसीरुद्दीन कुबाचा ने लाहौर पर अधिकार कर रखा था, इल्तुतमिश ने कुबाचा पर आक्रमण किया, कुबाचा ने भागकर भक्कर में शरण ली. इल्तुतमिश ने 1227-28 में भक्कर पर आक्रमण कर कुबाचा का अन्त कर दिया.
- ग्यासुद्दीन खिलजी का बंगाल एवं बिहार पर शासन था, उसने इल्तुतमिश की अधीनता स्वीकार नहीं की. अतः 1225 ई. में इल्तुतमिश ने आक्रमण कर ग्यासुद्दीन का दमन कर दिया.
- इल्तुतमिश ने रणथम्भौर, ग्वालियर, बयाना, थानागिरि, अजमेर, सम्भल तथा नागौर पर अधिकार किया.
- इल्तुतमिश ने मंगोलों के आक्रमण से भारत को सुरक्षित रखा.
- इल्तुतमिश ने दोआब में कन्नौज, वाराणसी, बहराइच एवं अवध को जीतकर अपने साम्राज्य में मिला लिया.
- इल्तुतमिश ने फरवरी 1229 ई. में बगदाद के खलीफा से सुल्तान पद की वैधानिक स्वीकृति प्राप्त की. अब उसे उसका पद कानूनी बन गया.
- उसने दिल्ली स्थित कुतुबमीनार का निर्माण कार्य पूरा कराया, जिसका प्रारम्भ कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा कराया गया था. अजमेर में अढाई दिन का झोपड़ा मस्जिद बनवाई.
- अप्रैल 1236 ई. में उसकी मृत्यु हो गई.

मीरकासिम (1760-1765 ई.)

प्रमुख तथ्य

- बंगाल के नवाबों में मीरकासिम, अलीवर्दी के उत्तराधिकारियों में सर्वाधिक योग्य था. बंगाल की नवाबी प्राप्त होने के तत्काल बाद उसे मुगल सम्राट शाह आलम द्वितीय द्वारा बिहार पर (1760-61) आक्रमण का सामना करना पड़ा, किन्तु कम्पनी की सेना ने सम्राट् को पराजित कर उसकी स्थिति को दयनीय बना दिया.
- नवाबी पाने के बाद कासिम ने उपहारस्वरूप बेंसिटार्ट को 5 लाख, हॉलवेल को 2 लाख, 70 हजार और कर्नल केलॉड को ₹ 4 लाख दिया.
- कम्पनी तथा उसके अधिकारियों को भरपूर मात्रा में धन तथा उपहार देकर मीरकासिम अंग्रेजों के अनावश्यक हस्तक्षेप से बचने के लिए अपनी राजधानी को मुर्शिदाबाद से मुंगेर हस्तांतरित कर लिया.
- मीरकासिम ने राजस्व प्रशासन में व्याप्त भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं को खत्म करने एवं आमदनी बढ़ाने हेतु कई उपाय अपनाए जिनमें प्रमुख हैं—अधिक धन वालों का धन जब्त करना, सरकारी खर्च में कटौती, कर्मचारियों की छँटनी, नए जमींदारों से बकाया धन की सख्ती से वसूली आदि.
- मीरकासिम ने बिहार के नायब सूबेदार रामनारायण को उसके पद से बर्खास्त कर उसकी हत्या करवा दी, क्योंकि वह बिहार के आय और व्यय का ब्यौरा देने के लिए तैयार नहीं था.
- सैन्य व्यवस्था में सुधार करने के उद्देश्य से उसने अपने सैनिकों की संख्या में वृद्धि की, साथ ही उसने अपने सैनिकों को यूरोपीय ढंग से प्रशिक्षित किया. इसने अपनी सेना का कमांडर गुर्गिन खां नामक आर्मेनियाई को बनाया.
- मुंगेर में मीरकासिम ने तोपों तथा तोड़ेदार बंदूकों के निर्माण हेतु कारखाना स्थापित किया.
- 1717 में मुगल बादशाह द्वारा अंग्रेजों को प्रदत्त व्यापारिक फरमान का इस समय बंगाल दुरुपयोग देखकर नवाब मीरकासिम ने आंतरिक व्यापार पर सभी प्रकार के शुल्कों की वसूली बंद करवा दी.
- 1762 में मीरकासिम द्वारा समाप्त की गई व्यापारिक चुंगी और कर का लाभ अब भारतीयों को भी मिलने लगा, पूर्व में मुगल बादशाह द्वारा दिए गए 1717 के फरमान द्वारा केवल कम्पनी को मिलता था, कम्पनी ने नवाब के इस निर्णय को अपने विशेषाधिकारों की अवहेलना के रूप में लिया. परिणामस्वरूप संघर्ष की शुरुआत हुई.
- 1763 जुलाई में मीरकासिम को कम्पनी ने बर्खास्त कर मीरजाफर को पुनः बंगाल का नवाब नियुक्त कर दिया.
- 19 जुलाई, 1763 को मीरकासिम और एडम्स के नेतृत्व में करवा नामक स्थान पर **'करवा का युद्ध'** हुआ जिसमें मीरकासिम पराजित हुआ.
- करवा के युद्ध के बाद और बक्सर के युद्ध से पूर्व मीरकासिम को अंग्रेजों ने तीन बार (करवा का युद्ध, गीरिमा का युद्ध और उधौनला का युद्ध) पराजित किया, परिणामस्वरूप कासिम ने मुंगेर छोडकर पटना में शरण ली.
- 1763 में हुए पटना हत्याकाण्ड, जिसमें कई अंग्रेजों की हत्या हुई थी, से मीरकासिम प्रत्यक्ष रूप से जुड़ा था.
- अंग्रेजों द्वारा बार-बार पराजित होने के कारण मीरकासिम ने मुगल सम्राट् शाह आलम द्वितीय, अबध के नवाब शुजाउद्दौला से मिलकर अंग्रेजों के विरुद्ध एक सैन्य गठबंधन का निर्माण किया.
- वर्तमान बिहार में स्थित बक्सर के मैदान में अवध के नवाब, मुगल सम्राट् तथा मीरकासिम की संयुक्त सेना हेक्टर मुनरो के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना के बीच 23 अक्टूबर, 1764 को निर्णायक 'बक्सर का युद्ध' प्रारम्भ हुआ. युद्ध प्रारम्भ होने से पूर्व ही अंग्रेजों ने अवध के नवाब की सेना से असद खाँ, साहूमल (रोहतास का सूबेदार) और जैनुल अबादीन को धन का लालच देकर अपने साथ मिला लिया.
- हैक्टर मुनरो के नेतृत्व में अंग्रेजी सेना ने 'बक्सर के युद्ध' में जीत प्राप्त की. इसके उपरान्त कुछ समय बाद तंगहाली में भटकते हुए मीरकासिम की मृत्यु हो गई.
- ऐतिहासिक दृष्टि से बक्सर के युद्ध का प्लासी के युद्ध से भी अधिक महत्व है, क्योंकि इस युद्ध के परिणाम से तत्कालीन प्रमुख भारतीय शक्तियों की संयुक्त सेना के विरुद्ध अंग्रेजी सेना की श्रेष्ठता प्रमाणित होती है.
- बक्सर के युद्ध में प्राप्त विजय ने बंगाल, बिहार और उड़ीसा पर कम्पनी का पूर्ण अधिकार स्थापित कर दिया, साथ ही अवध अंग्रेजों का कृपापात्र बन गया.

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद (1884-1962 ई.)

प्रमुख तथ्य

- ये भारत के प्रमुख स्वाधीनता सेनानी तथा स्वतंत्र भारत के प्रथम राष्ट्रपति थे.
- इनका जन्म 1884 ई. में बिहार में हुआ. इनमें आरम्भ से ही गहरी राष्ट्रीयता की भावना थी.
- राजेन्द्र बाबू ने 1905 के विभाजन विरोधी आन्दोलन में भाग लिया तथा बिहारी छात्र कॉन्फ्रेंस की स्थापना की.
- उन्होंने अपना जीवन एक वकील के रूप में प्रारम्भ किया तथा 1917 के चम्पारण सत्याग्रह में सक्रिय भागीदारी की.
- 1921 में राजेन्द्र बाबू ने वकालत छोड़ दी तथा असहयोग आन्दोलन में कूद पड़े तथा इसका बिहार में संचालन किया.
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद ने 'देश' नामक साप्ताहिक समाचार-पत्र निकालना प्रारम्भ किया.
- ये स्वदेशी तथा राष्ट्रीय शिक्षा के प्रमुख समर्थक थे. उन्होंने पटना में नेशनल कॉलेज की स्थापना में महत्वपूर्ण योगदान दिया.
- राजेन्द्र बाबू ने 1930 के नमक सत्याग्रह तथा 1932 के सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लिया एवं जेल गए.
- क्रिप्स मिशन की विफलता के बाद इन्होंने जागृति पैदा करने हेतु बिहार का दौरा किया.
- वे 1934 में कांग्रेस के बम्बई अधिवेशन के अध्यक्ष रहे तथा 1938 में हरिपुर अधिवेशन में सुभाष द्वारा त्याग पत्र देने पर इन्हें अध्यक्षता हेतु लाया गया.
- 1942 में भारत छोड़ो आन्दोलन में भागीदारी पर उन्हें गिरफ्तार कर अहमदनगर दुर्ग में रखा गया तथा 1945 में छोड़ा गया.
- डॉ. राजेन्द्र प्रसाद नेहरू के अन्तरिम मंत्रिमण्डल (1946 ई.) में खाद्य एवं कृषि मंत्री रहे.
- वे भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष रहे तथा स्वाधीन भारत के प्रथम राष्ट्रपति बने तथा 1962 ई. में अपनी मृत्यु तक इस पद पर रहे
- उन्हें 1962 में 'भारत रत्न' से भी सम्मानित किया गया.

ऐतिहासिक स्थल

नेवासा

प्रमुख तथ्य

- महाराष्ट्र प्रान्त के अहमदनगर जिले में गोदावरी की सहायक नदी प्रवरा के दक्षिणी किनारे पर यह पुरातात्विक स्थल स्थित है. इसका प्राचीन नाम 'श्रीनिवास' मिलता है.
- 1954-55 ई. में दकन कॉलेज, पूना के तत्वावधान में इस स्थान की खुदाई करवाई गई थी. यहाँ से तीन हजार वर्ष पुरानी सभ्यता के अवशेष प्राप्त हुए हैं.
- महाराष्ट्र की ताम्र-पाषाणिक संस्कृति की यह एक प्रमुख स्थल है. इस संस्कृति के

अवशेष लडमोद नामक टीले की खुदाई से मिले हैं

- नेवासा की खुदाई के फलस्वरूप यहाँ पाषाण युग से लेकर ऐतिहासिक युग तक कि विभिन्न संस्कृतियों के साक्ष्य प्राप्त हुए हैं.
- यहाँ के निवासी निर्माता ताँबे के साथ-साथ पत्थर के औजारों तथा हथियारों का प्रयोग करते थे. नेवासा से पाषाण-निर्मित ब्लेड, फ्लेक, स्क्रेपर आदि उपकरण मिलते हैं जिनका समय पूर्व पाषाण-काल का है.
- यहाँ से प्राप्त मृद्भाण्डों के ऊपर लाल रंग की पालिश मिलती है जिन्हें खूब पकाकर तैयार किया गया है. बर्तनों का निर्माण चाक पर किया गया है. कुछ बर्तनों में टोंटियाँ लगी हुई हैं. कुछ बर्तनों के ऊपर विशेष प्रकार के रेखाचित्र भी मिलते हैं.
- ताम्र-निर्मित उपकरणों में चाकू, कुल्हाड़ी, सुई, चूड़ी, मनकों आदि की गणना की जा सकती है.
- यहाँ से ताम्र-निर्मित मनकों का एक हार प्राप्त हुआ है जिसे एक बाल कंकाल के गले में पहनाया गया है.
- खुदाई में प्राप्त अवशेषों के आधार पर यहाँ के निवासियों की मृतक-संस्कार विधियों का भी पता चलता है. ज्ञात होता है कि यहाँ के लोग मृतकों को मकानों में ही दफनाते थे तथा उसके साथ बर्तन, आभूषण आदि भी रख देते थे. यह लोकोत्तर जीवन में उनके विश्वास का सूचक है.
- ताम्रपाषाणिक संस्कृति का अन्त प्रथम सहस्त्राब्दि ईसा पूर्व में हो गया.
- इसके बाद लगभग आठ शताब्दियों तक नेवासा का नगर वीरान रहा. ऐतिहासिक काल के आरम्भ में यहाँ पुनः बस्ती बसायी गई.
- इस सांस्कृतिक स्तर से लौह उपकरण, विभिन्न प्रकार के मृद्भाण्ड जैसे काले-लाल, काले-चमकीले (N. B. P.) आदि, माता देवी की मृण्मूर्तियाँ, मणियों के मनके आदि मिले हैं. इसी स्तर से सातवाहन शासकों की मुद्राएँ भी मिलती हैं.
- ज्ञात होता है कि इस समय मकान ईंटों के बनते थे, जिनकी नींव पत्थर से भरी जाती थी.
- ऐतिहासिक काल के अन्त में नेवासा से रोमन उत्पत्ति की वस्तुएँ भी मिलने लगती थीं. इन सामग्रियों से भारत तथा रोम के बीच प्राचीन व्यापारिक सम्बन्धों की भी सूचना मिलती है.
- यहाँ से कुछ चक्रांकित बर्तन (Rouletted wares) मिले हैं. इस प्रकार के बर्तनों का निर्माण रोम में होता था तथा बाद में इन्हें भारत में भी तैयार किया जाने लगा. इस प्रकार के पात्रों का उपयोग मुख्यतः मदिरा रखने के लिए किया जाता था जिसे भारत के लोग ईसा की प्रारम्भिक शताब्दियों में रोम से आयात करते थे.
- नेवासा की ऐतिहासिक संस्कृति का अन्त दूसरी शताब्दी ईस्वी में हुआ. इसके शताब्दियों बाद (चौदहवीं शताब्दी में) यहाँ पुनः बस्ती बसाई गई.

तिगवाँ

प्रमुख तथ्य

- मध्य प्रदेश के जबलपुर जिले में स्थित तिगवाँ गुप्तकाल में कला और धर्म का केन्द्र था.
- यहाँ से हिन्दू तथा जैन मन्दिरों के उदाहरण मिलते हैं.
- यहाँ का विष्णु मन्दिर उल्लेखनीय है. मन्दिर पाषाण-निर्मित है तथा इसकी छत चपटी है.
- मन्दिर के द्वार पर लगे चौखटे पर गंगा और यमुना की मूर्तियाँ खोदी गई हैं, जो गुप्त कला की अपनी विशेषता है.
- गर्भगृह में नृसिंह भगवान की प्रतिमा है. मण्डप की दीवार में दशभुजी दुर्गा की मूर्ति खुदी है. उसके नीचे शेषनाग पर विश्राम करते हुए विष्णु की मूर्ति है. उनकी नाभि से कमलासन पर विराजमान ब्रह्मा निकल रहे हैं.
- विष्णु मंदिर के अतिरिक्त तिगवाँ के खण्डहरों से कुछ जैन मूर्तियाँ भी मिली हैं.

पिपरहवा

प्रमुख तथ्य

- उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में नौगढ़ से 13 मील उत्तर की ओर नेपाल की सीमा से लगा हुआ यह प्राचीन बौद्ध-स्थल है.
- यहाँ से एक प्राचीनतम बौद्ध स्तूप तथा उसके भीतर रखी हुई बुद्ध की अस्थियों की मंजूषा (Relic casket) मिली है. यह पाषाण की है. ब्राह्मी लिपि में एक लेख पर जो उत्कीर्ण है उससे पता लगता है कि इसका निर्माण शाक्यों ने करवाया था.
- इसे स्तूप का व्यास 119 फीट तथा उसकी ऊँचाई 21 फीट थी. मंजूषा में रखी हुई कुछ अन्य वस्तुएँ—मूर्तियाँ, रत्नपुष्प, नीलम, शंख, स्वर्ण पत्र आदि—भी मिलते हैं.
- इसकी राजगीरी अत्यन्त कलात्मक है तथा रखी हुई मूर्तियाँ तथा आभूषण स्वर्णकारों एवं जोहरियों की उच्च स्तर की कलात्मक निपुणता को घोषित करते हैं.
- पिपरहवा बौद्ध स्तूप उन आठ मौलिक स्तूपों में से एक है जिनका निर्माण बुद्ध के परिनिर्वाण के बाद करवाया गया था.
- शाक्यों ने उनकी शरीर-धातु का एक भाग प्राप्त कर इसे बनवाया था.
- सम्प्रति स्तूप के अवशेष तथा मंजूषा लखनऊ संग्रहालय में सुरक्षित हैं.
- कुछ विद्वानों के अनुसार मौर्य गणराज्य की राजधानी पिप्पलिवन भी इसी स्थान में स्थित थी. आजकल इस स्थान को पिपरिया कहा जाता है.

कलिंग

प्रमुख तथ्य

- आधुनिक उड़ीसा प्रान्त में प्राचीन काल का कलिंग राज्य बसा हुआ था.
- मोटे तौर से यह दक्षिणी उड़ीसा का नाम था, उत्तर उड़ीसा को उत्कल कहा गया है.
- महाभारत में इसकी स्थिति गोदावरी नदी के उत्तर में बतायी गई है. इसमें कलिंग के राजा का नाम चित्रांगद मिलता है.
- कालिदास ने रघुवंश में कलिंग के वीरों का उल्लेख किया है जिनके पास विशाल गजसेना थी.
- रघुवंश में वहाँ के राजा का नाम हेमांगद मिलता है.
- अर्थशास्त्र में कलिंग के हाथियों को श्रेष्ठ बताया गया है.
- मौर्य सम्राट् अशोक ने 261 ई. पू. में एक भीषण युद्ध के पश्चात् कलिंग पर अपना आधिपत्य जमाने में सफलता पाई थी.
- मौर्य साम्राज्य का यहाँ एक प्रान्त था जिसकी राजधानी तौषलि में थी.
- मौर्यकाल के बाद प्रथम शताब्दी ईस्वी में खारवेल ने कलिंग में एक शक्तिशाली राज्य की स्थापना की थी. उसने कलिंग नगर को भव्य-भवनों एवं मार्गों से अलंकृत करवाया था. ●●●

वर्तमान में चर्चित विभिन्न अवधारणाएं

राजनीति, शासन व्यवस्था एवं सामाजिक न्याय

अनुच्छेद 142 (Article 142)

सुर्खियों में क्यों ?

हाल ही में चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर पद के चुनाव की मतगणना में हुई अनियमितता को संज्ञान में लेकर सर्वोच्च न्यायालय ने न्याय सुनिश्चित करने और निर्वाचन प्रक्रिया की पवित्रता बनाए रखने के लिए संविधान के अनुच्छेद 142 को कार्यान्वित करते हुए चुनाव का परिणाम रद्द कर दिया.

प्रमुख तथ्य

अनुच्छेद 142

- भारतीय संविधान का अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को विवेकाधीन शक्ति प्रदान करता है. इसके अनुसार "सर्वोच्च अदालत अपने अधिकार क्षेत्र का प्रयोग करते हुए ऐसी डिक्री पारित कर सकती है या ऐसा आदेश दे सकती है, जो उसके समक्ष लंबित किसी भी मामले या मामलों में पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक हो और इस प्रकार पारित डिक्री या दिया गया आदेश भारत के राज्य क्षेत्र में सर्वत्र ऐसी रीति से, जो संसद द्वारा बनाई गई किसी विधि द्वारा या उसके अधीन विहित की जाए और जब तक इस निमित्त इस प्रकार उपबन्ध नहीं किया जाता, तब तक ऐसी रीति से जो राष्ट्रपति आदेश द्वारा विहित करे, प्रवर्तनीय होगा."
- 'पूर्ण न्याय (Complete Justice)' का यह अनुच्छेद सर्वोच्च न्यायालय को उन मामलों में न्याय देने का अधिकार प्रदान करता है जहाँ वैधानिक विधान (Statutory Legislations) न्याय प्रदान नहीं पाते हैं. इस तरह उच्चतम न्यायालय उन लोगों को भी न्याय दे पाता है, जिन्हें वर्षों की कार्यवाही के बाद भी अपनी परेशानियों का समाधान नहीं मिल पा रहा है.
- ये डिक्री अथवा आदेश न्यायिक हस्तक्षेप के लिए महत्त्वपूर्ण साधन हैं, क्योंकि इन्हें भारत के सम्पूर्ण राज्य क्षेत्र में कार्यान्वित किया जा सकता है.
- 'पूर्ण न्याय (Complete Justice)' का प्रावधान सर्वोच्च न्यायालय के लिए इसलिए भी एक विशेषाधिकार है, क्योंकि इस अनुच्छेद के तहत् सर्वोच्च न्यायालय जो आदेश पारित करता है, उसको विधायिका (Legislature) रद्द नहीं कर सकती.
- अनुच्छेद 142 सर्वोच्च न्यायालय को किसी भी विवाद में शामिल सभी पक्षों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए वर्तमान विधियों अथवा विधि के दायरे से बाहर जाकर न्यायिक हस्तक्षेप का प्रावधान करता है. यह अनुच्छेद न्यायालय को आवश्यकता पड़ने पर कार्यकारी और विधायी भूमिकाओं से परे कार्य करने में भी सक्षम बनाता है.
- सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस ओका ने एक फैसले में अनुच्छेद 142 के सन्दर्भ में टिप्पणी की कि "न्यायालय के समक्ष पक्षों के बीच न्याय करने के लिए क्षेत्राधिकार का प्रयोग किया जा सकता है और अनुच्छेद 142 के तहत् इस न्यायालय की शक्ति का प्रयोग प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों को पराजित करने के लिए नहीं किया जा सकता है, जो हमारे न्यायशास्त्र का अभिन्न अंग है. अनुच्छेद 142 का इस्तेमाल बड़ी संख्या में उन वादीकारों द्वारा उनके पक्ष में वैध रूप से पारित न्यायिक आदेशों के आधार पर प्राप्त लाभों को रद्द करने के लिए नहीं किया जा सकता है, जो इस न्यायालय के समक्ष कार्यवाही के पक्षकार नहीं हैं. अनुच्छेद 142 इस न्यायालय को वादकारों के मूल अधिकारों की अनदेखी करने का अधिकार नहीं देता है."

विधिक सीमाओं के परे संवैधानिक अधिकारिता

- कई अन्य संवैधानिक अनुच्छेद जैसे अनुच्छेद 32 (जो संवैधानिक उपचारों के अधिकार की गारंटी देता है), अनुच्छेद 141 (जिसके लिए सभी भारतीय न्यायालयों को सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों का पालन करना आवश्यक है) तथा अनुच्छेद 136 (जो विशेष अनुमति याचिका की अनुमति देता है), अनुच्छेद 142 के सहयोगी अनुच्छेद हैं.
- संविधान का अनुच्छेद 136 में भी सर्वोच्च न्यायालय को विवेकाधीन शक्तियाँ (Discretionary Powers) का प्रावधान है जिसमें सर्वोच्च न्यायालय विशेष अनुमति याचिका (Special Leave Petitions) की अनुमति दे सकता है, लेकिन यह अधिकार सिर्फ न्यायिक फैसलों के लिए है वहीं अनुच्छेद 142 के तहत् सुप्रीम कोर्ट किसी भी विषय या मुद्दे पर फैसला ले सकते हैं या आदेश पारित कर सकते हैं.
- जिस तरह अनुच्छेद 136 सुप्रीम कोर्ट को कुछ विवेकाधीन शक्तियाँ प्रदान करता है, उसी तरह भारतीय संविधान का अनुच्छेद 141 भी सुप्रीम कोर्ट को विशेषाधिकार देता है, लेकिन जहाँ अनुच्छेद 141 के तहत् सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी किया गया आदेश या उनका फैसला देश की सभी अदालतों-न्यायालयों पर बाध्यकारी

चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर पद का चुनाव

चंडीगढ़ नगर निगम के मेयर पद का चुनाव कई घटनाक्रमों के बीच सम्पन्न हुआ. शुरूआत में यह चुनाव 18 जनवरी को निर्धारित था, लेकिन इस चुनाव के पीठासीन पदाधिकारी अनिल मसीह की बीमारी के कारण इसे 30 जनवरी तक के लिए टाल दिया गया. 30 जनवरी को सम्पन्न चुनाव में पीठासीन अधिकारी द्वारा चुनाव में कदाचार का प्रदर्शन कर आठ वोट अवैध घोषित कर दिए. हालाँकि, चुनाव प्रक्रिया तब जाँच के दायरे में आ गई जब भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने इसकी आलोचना की और आरंभिक जाँच में पाया कि पीठासीन अधिकारी ने मतपत्रों को विकृत कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप आठ वोट अवैध घोषित कर बीजेपी प्रत्याशी को विजयी घोषित कर दिया गया. बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 142 कि शक्तियों का प्रयोग कर अमान्य किए गए मतपत्रों को वैध घोषित किया गया और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी को विजयी घोषित किया.

अनुच्छेद 142 के अन्तर्गत शक्तियों के दायरे को स्पष्ट करने वाले महत्वपूर्ण निर्णय

- *सर्वोच्च न्यायालय बार एसोसिएशन **बनाम** भारत संघ (1998)*
- *यूनियन कार्बाइड कॉर्पोरेशन **बनाम** भारत संघ (1991)*
- *ए जिदेरनाथ **बनाम** जुबली हिल्स को-ऑप हाउस बिल्डिंग सोसाइटी (2006)*
- *कर्नाटक सरकार **बनाम** उमादेवी (2006)*
- *शिल्पा सैलेश **बनाम** वरुण श्रीनिवासन (2014)*
- *अयोध्या मामला (2019)*
- *चंडीगढ़ मेयर चुनाव (2024)*

न्यायिक सक्रियता V/s न्यायिक अतिरेक	
न्यायिक सक्रियता (Judicial Activism)	**न्यायिक अतिरेक (Judicial Overreach)**
• *न्यायिक सक्रियता को देश की विधिक, संवैधानिक व्यवस्था एवं नागरिकों के अधिकारों को बनाए रखने में न्यायपालिका की सक्रिय भूमिका निभाने के रूप में परिभाषित किया जाता है.*	• *न्यायिक अतिरेक कि स्थिति तब आती है जब न्यायपालिका सरकार के विधायी या कार्यकारी अंगों के उचित कामकाज में हस्तक्षेप करना शुरू कर देती है, यानी न्यायपालिका अपने अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण कर कार्यकारी और विधायी कार्यों में प्रवेश कर जाती है.*
• *इसका प्रयोग संवैधानिक प्रावधानों का अनुपालन करने के लिए होता है.*	• *यह संविधान में वर्णित शक्तियों के पृथक्करण के सिद्धांत के विरुद्ध है. लोकतंत्र में न्यायिक अतिरेक को अवांछनीय माना जाता है. न्यायिक अतिरेक के बचाव में, न्यायपालिका का तर्क है कि वह केवल तभी हस्तक्षेप करती है जब कार्यकारी और विधायी पहुँच के मामले होते हैं.*
• *न्यायिक सक्रियता, सामाजिक परिवर्तन को बढ़ावा देने के साथ-साथ कमजोर समूहों को सुरक्षा प्रदान करती है.*	• *यह लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर सकता है.*
• *विशिष्ट परिस्थितियों में न्यायिक सक्रियता सरकार या किसी भी संवैधानिक निकाय की शक्तियों के मनमाने उपयोग के विरुद्ध नियंत्रण का कार्य करते हैं तथा यह लोकतांत्रिक व्यवस्था के हित में होती है.*	• *सामान्यतः न्यायिक अतिरेक को विधिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं के लिए हानिकारक माना जाता है.*

है, वहीं अगर उच्चतम न्यायालय अनुच्छेद 142 के तहत् कोई आदेश देता है, तो वो सिर्फ न्यायालयों में नहीं बल्कि एक कानून की तरह पूरे देश पर लागू होगा.

- अनुच्छेद 32 में भी मूल अधिकारों के संरक्षण हेतु गारंटी, प्रभावी, सुलभ और संक्षेप उपचारों की व्यवस्था है. यह अनुच्छेद 142 से इस मामले में भिन्न है कि इसके अंतर्गत केवल मूल अधिकारों की गारंटी दी गई है अन्य अधिकारों, जैसे—गैर मूल संवैधानिक अधिकार, असंवैधानिक लौकिक अधिकार की नहीं
- उपर्युक्त प्रावधानों के सामूहिक ढाँचे को 'न्यायिक सक्रियता' शब्द से जाना जाता है. इस विचार के परिणामस्वरूप सर्वोच्च न्यायालय ने 'पूर्ण न्याय' प्रदान करने के लिए कई बार संसदीय कानूनों को खारिज कर दिया है.

पर्यावरण एवं प्रदूषण

बेंगलूरू जल संकट (Bengaluru Water Crisis)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में मीडिया खबरों के अनुसार भारत का तीसरा सबसे अधिक आबादी वाला शहर बेंगलूरू अपने इतिहास के सबसे बड़े पेयजल संकट का सामना कर रहा है, जिससे केप टाउन जैसे संभावित डे जीरो परिस्थिति की आशंका बढ़ती जा रही है. बीबीसी की एक रिपोर्ट में बेंगलूरू को उन शहरों में से एक बताया गया है जहाँ 2031 तक पीने का पानी खत्म होने की आशंका है, इस मामले में बेंगलूरू ब्राजील के साओ पाउलो के बाद दूसरे स्थान पर है.

प्रमुख तथ्य

बेंगलूरू में पेयजल की कमी के कारण

- **भौगोलिक परिस्थितियाँ**—भौगोलिक रूप से बेंगलूरू पश्चिमी घाट की वृष्टि छाया में पड़ता है जहाँ पानी के बारहमासी स्रोत नहीं है, इसके अतिरिक्त यह अर्ध-शुष्क क्षेत्र का हिस्सा भी है. कावेरी की सहायक नदियाँ (जैसे अर्कावती और वृषभावती) जो शहर को जल आपूर्ति करती थी, बरसात की कमी से सूखे का सामना कर रही है. इन बदली हुई जलवायविक परिस्थितियों के कारण बेंगलूरू में पेयजल संकट खड़ा हो गया है.

डे ज़ीरो

डे जीरो उस दिन को सन्दर्भित करता है जब शहर के नल पूरी तरह से सूख जाते हैं, जिससे लोगों को अपने दैनिक उपयोग का पानी लेने के लिए भी कतारों में खड़ा होना पड़ता है.

- **जलवायु परिवर्तन**—जलवायु परिवर्तन के कारण अनियमित वर्षा और लम्बे समय तक सूखे की स्थिति सहित बदलते मौसम पैटर्न ने बेंगलूरू के जलाशयों और प्राकृतिक जल स्रोतों में जल की उपलब्धता कम कर दी है. भारतीय मौसम विभाग ने इस भूभाग में कम वर्षा के लिए अल नीनो की परिघटना को भी जिम्मेदार माना है.

बेंगलूरू क्षेत्र में स्थित महत्वपूर्ण झील शृंखलाएं

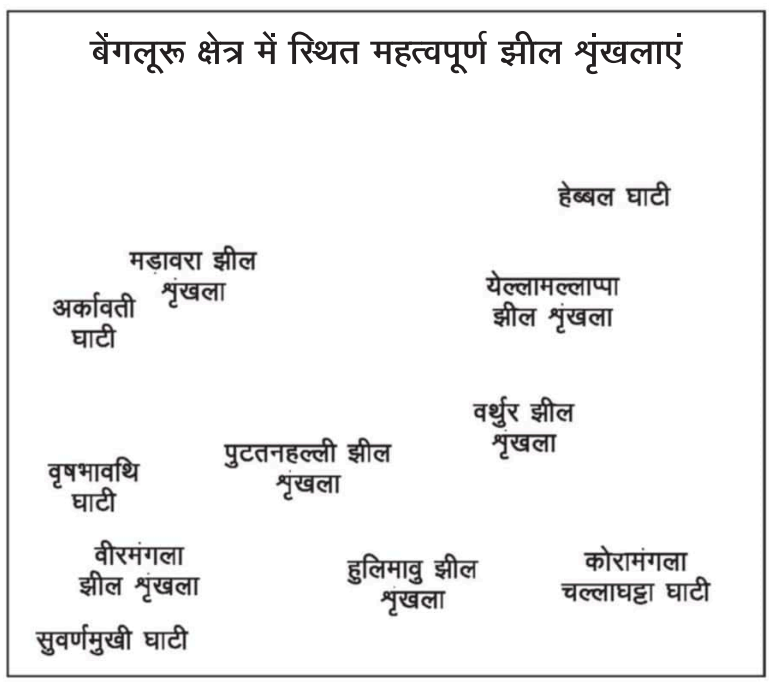

- **वर्षा की कमी—**मौसम विभाग के आँकड़ों के अनुसार कर्नाटक में अक्टूबर-दिसम्बर माह के बीच उत्तर-पूर्वी मानसून वर्षा में 38% की कमी दर्ज की गई. इसी प्रकार, राज्य में जून-सितम्बर माह के बीच दक्षिण-पश्चिम मानसून की वर्षा में 25% की कमी दर्ज की गई थी. इस कारण बेंगलूरू के लिए पेयजल का एक बड़ा स्रोत कावेरी नदी में जल स्तर गिर गया है. कर्नाटक राज्य प्राकृतिक आपदा प्रबंधन केन्द्र के अनुसार वर्तमान में अन्य जल स्रोतो-हरंगी, हेमवती, केआरएस और काबिनी जैसे कावेरी बेसिन जलाशयों में भी जल स्तर उनकी कुल क्षमता का 39% है.
- **शहरीकरण एवं औद्योगीकरण—**जनसंख्या विस्फोट, अतिक्रमण, अनियोजित शहरीकरण, प्रतिकूल औद्योगिक नीतियाँ भी इस संकट का कारण हैं. ध्यातव्य है कि बेंगलूरू में 1961 तक 262 झीलें थीं जो अब घटकर 81 रह गई हैं.
- प्रदूषण-बेंगलूरू, जिसे कभी 1,000 झीलों का शहर कहा जाता था, में कई झीलें गम्भीर रूप से प्रदूषित हैं और उन्हें श्रेणी डी या ई झीलों के रूप में चिह्नित किया गया है. ईएमपीआरआई अध्ययन के अनुसार, बेंगलूरू के लगभग 85% जल निकाय प्रदूषित हैं.

भारत में जल संसाधन

- *भारत के पास विश्व के मीठे जल संसाधनों का कुल 4% जल संसाधन हैं.*
- *भारत में 1,123 अरब घन मीटर सतही और भूजल संसाधन उपलब्ध हैं.*
- *केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार, भारत में औसतन 4,000 अरब घन मीटर वर्षा होती है, जो इसकी आवश्यकता से अधिक है.*
- *विश्व बैंक के अनुसार 163 मिलियन भारतीयों की सुरक्षित पेयजल तक पहुँच नहीं है.*
- *210 मिलियन भारतीयों की बेहतर स्वच्छता तक पहुँच नहीं है.*
- *21% संचारी रोग असुरक्षित जल से सम्बद्ध हैं.*
- *भारत में हर दिन 5 वर्ष से कम आयु के 500 बच्चे डायरिया से मर जाते हैं.*

- **अपर्याप्त बुनियादी ढाँचा—**पेयजल संकट का एक मुख्य कारण शहर के बुनियादी ढाँचे का शहरी विकास से पीछे होना भी है. 12 लाख लोगों को प्रतिदिन 110 लीटर पेयजल उपलब्ध कराने के लिए डिजाइन की गई कावेरी परियोजना के चरण-5 के मई 2024 तक पूरा होने की उम्मीद है.
- **कानूनी और राजनीतिक चुनौतियाँ—**कर्नाटक और पड़ोसी राज्यों के बीच जल बँटवारा विवाद (विशेष रूप से कावेरी जैसी नदियों के सम्बन्ध में) बेंगलूरू में जल संसाधनों के प्रबंधन तथा उन्हें सुरक्षित करने के प्रयासों को और जटिल बना दिया है. इसके अलावा कर्नाटक में सूखे की स्थिति से निपटने के लिए धन के वितरण एवं आवंटन को लेकर केन्द्र और राज्य सरकारों के बीच खींचतान ने भी स्थिति की भयावहता को बढ़ा दिया है.
- **अन्य कारण—**शहर में वर्षा जल संचयन (आरडब्ल्यूएच) की कोई आधिकारिक नीति नहीं है. इस कारण भी समस्या ने भयावह रूप ले लिया है. शहर को पानी की आपूर्ति के लिए जिम्मेदार संस्था बैंगलोर जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड (बीडब्ल्यूएसएसबी) ने कावेरी पर शहर की अत्यधिक निर्भरता और समन्वित जल प्रबंधन की कमी को स्वीकार किया है. ध्यातव्य है कि बेंगलूरू को प्रतिदिन 2,100 मिलियन लीटर (एमएलडी) पीने योग्य पानी की आवश्यकता होती है, जिसमें से 1,450 एमएलडी कावेरी नदी से आता है.

जल संसाधनों से सम्पन्न होने के बावजूद, भारत में जल संकट का कारण

- वर्षा का असमान वितरण
- विभिन्न नदी बेसिनों में पानी का असमान प्रवाह
- अपर्याप्त वर्षा
- भूजल का अत्यधिक उपयोग
- जल प्रदूषण
- जलवायु परिवर्तन

भारत में जल संकट के समाधान हेतु प्रमुख सरकारी योजनाएं

- *जल संरक्षण के लिए मनरेगा*
- *जल क्रांति अभियान*
- *राष्ट्रीय जल मिशन*
- *अटल भूजल योजना (ABHY)*
- *जल जीवन मिशन (JJM)*
- *राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (NMCG)*

भारत में जल संकट से निपटने के लिए सुझाव

- जल संरक्षण को प्रोत्साहन देना
- नदियों को जोड़ना
- 'वन वाटर एप्रोच' नीति को अपनाना
- सामाजिक सहभागिता
- अवसंरचनात्मक विकास में निवेश करना
- सतत कृषि को प्रोत्साहन देना
- प्रदूषण नियंत्रण

'वन वाटर एप्रोच'

वन वाटर एप्रोच (One Water Approach) को एकीकृत जल संसाधन प्रबंधन (IWRM) भी कहा जाता है.इस संकल्पना का आधार यह तथ्य है कि सभी जल का मूल्य है, चाहे उसका स्रोत कुछ भी हो. इसमें पारिस्थितिक एवं आर्थिक लाभ के लिए समाज के सभी वर्गों को शामिल करते हुए जल के स्रोत को एकीकृत, समावेशी एवं संवहनीय तरीके से प्रबंधित किया जाता है.

आर्थिक एवं वित्तीय अवधारणाएं

घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 (Household Consumption Expenditure Survey 2022-23

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा अगस्त 2022 से जुलाई 2023 के बीच किए गए सर्वे के नतीजों के आधार पर सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) ने अखिल भारतीय घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 का डेटा जारी किया है.

प्रमुख तथ्य

घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण

- घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) घरेलू खर्च की आदतों का आकलन करने के लिए प्रत्येक 5 वर्ष में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) द्वारा किया जाता है. यह सर्वेक्षण घरेलू उपभोग पैटर्न, उनके जीवन स्तर और समग्र कल्याण की दिशा जानने में महत्वपूर्ण अंतर्दृष्टि प्रदान करता है.
- पहली बार घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 1972-73 में हुआ था, तब से इसे हर 5 वर्ष में आयोजित किया जाता है. 2017-18 में 'डेटा गुणवत्ता के मुद्दों' के कारण सर्वेक्षण के नतीजे रद्द कर दिए गए थे.
- नीति आयोग के अनुसार हाल ही में किए गए अखिल भारतीय घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2022-23 से संकेत मिलता है कि देश में निर्धनता घटकर 5% पर आ गई है.
- घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) में एकत्र किए गए आँकड़ों का उपयोग सकल घरेलू उत्पाद, निर्धनता दर और उपभोक्ता मूल्य मुद्रास्फीति जैसे विभिन्न अन्य व्यापक आर्थिक संकेतक निर्धारित करने के लिए भी किया जाता है.

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय

वर्ष 2019 में केन्द्रीय सांख्यिकी कार्यालय (CSO) एवं राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) को विलय करके राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) गठित किया गया. यह वर्तमान में सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI) के अंतर्गत कार्य करता है. राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) का कार्य विश्वसनीय, वस्तुनिष्ठ एवं प्रासंगिक सांख्यिकीय डेटा एकत्र, संकलित और प्रसारित करता है. ध्यातव्य है कि सी. रंगराजन समिति ने सबसे पहले सभी प्रमुख सांख्यिकीय गतिविधियों के लिए नोडल निकाय के रूप में NSO की स्थापना का सुझाव दिया था.

उपभोक्ता व्यय सर्वेक्षण (सीईएस) का महत्व

- घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण माँग की गतिशीलता का आकलन करने में महत्वपूर्ण है. ध्यातव्य है कि अर्थव्यवस्था की माँग की गतिशीलता को मापने के लिए मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय का अनुमान महत्वपूर्ण है. साथ ही यह वस्तुओं और सेवाओं की टोकरी के सन्दर्भ में बदलती प्राथमिकताओं को समझने के लिए भी उपयोगी है.
- यह सर्वेक्षण कई स्तरों पर जीवन और विकास के स्तर के रुझान का आकलन करने में सहायक है.
- सीईएस एक अमूल्य विश्लेषणात्मक और पूर्वानुमान उपकरण है. यह नीति निर्माताओं को सम्भावित संरचनात्मक विसंगतियों को पहचानने और उनका समाधान करने में सहायक होता है, जो एक विशेष तरीके से माँग में बदलाव का कारण बन सकती हैं. इसके अलावा यह वस्तुओं के उत्पादकों और सेवाओं के प्रदाताओं को संकेत प्रदान करता है. इसका उपयोग सरकार द्वारा सकल घरेलू उत्पाद और अन्य व्यापक-आर्थिक संकेतकों को पुनः आधार बनाने में किया जाता है.

सर्वेक्षण 2022-23 की पद्धति में नए परिवर्तन

- घरेलू उपभोग व्यय 2022-23 की प्रश्नावली में 2011-12 में 347 वस्तुओं की तुलना में 405 वस्तुएं शामिल हैं.
- एचसीईएस 2022-23 में, तीन अलग-अलग प्रश्नावली में (i) खाद्य पदार्थ, (iii) उपभोग्य वस्तुएं और सेवा आइटम, और (iii) टिकाऊ सामान का उपयोग किया गया है. हालाँकि पहले, घरेलू उपभोग व्यय पर सभी एनएसएस सर्वेक्षणों में एक ही प्रश्नावली का उपयोग किया जाता था.
- इस बार के सर्वेक्षण में घरेलू विशेषताओं और परिवारों के सदस्यों की जनसांख्यिकीय विशिष्टताओं के बारे में जानकारी एकत्र करने के लिए एक और प्रश्नावली तैयार की गई है.
- एचसीईएस 2022-23 में विभिन्न सामाजिक कल्याण कार्यक्रमों के माध्यम से परिवारों द्वारा निःशुल्क प्राप्त और उपभोग की जाने वाली कई वस्तुओं की खपत की मात्रा पर जानकारी एकत्र करने का एक अलग प्रावधान भी शामिल है. हालाँकि, परिवारों को मुफ्त में मिलने वाली शिक्षा के साथ-साथ स्वास्थ्य सेवाओं का मूल्य नहीं आँका गया है.

अखिल भारतीय घरेलू उपभोग सर्वेक्षण 2022-2023 के निष्कर्ष

1. औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) में वृद्धि—एमपीसीई परिवारों के प्रति व्यक्ति व्यय में वृद्धि परिवारों की बढ़ती डिस्पोजेबल आय, ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच असमानता को कम करने और गरीबी के स्तर में गिरावट का संकेत देती है. 2011-12 से 2022-23 की अवधि में शहरी व्यय की तुलना में ग्रामीण प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय में अधिक तेजी से वृद्धि हुई है. ग्रामीण प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय में 164% की वृद्धि हुई है. यह 2011-12 में ₹ 1,430 से बढ़कर 2022-23 में ₹ 3,773 हो गया है. सी शहरी प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय में 146% की वृद्धि हुई है. यह 2011-12 में ₹ 2,630 से बढ़कर 2022-23 में ₹ 6,459 हो गया है.

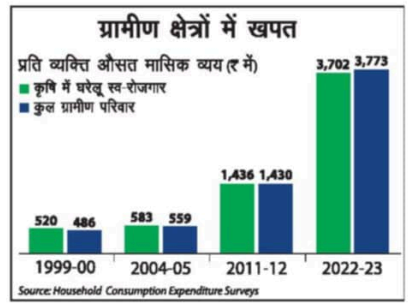

2. शहरी-ग्रामीण अंतर कम होना—सर्वेक्षण के अनुसार शहरी क्षेत्रों की तुलना में ग्रामीण क्षेत्रों में खपत तेजी से बढ़ रही है, जिससे अंतर कम हो रहा है. ग्रामीण और शहरी इलाकों में खपत में करीब 2·5 गुना की बढ़ोतरी हुई है. आँकड़ों के अनुसार, 2011-12 में अंतर 84% था और 2022-23 में 71% तक पहुँच गया. 2004-05 में यह अंतर 91% के अपने चरम पर था.

3. अनाज और भोजन की खपत में उल्लेखनीय गिरावट

ग्रामीण क्षेत्रों में—औसत एमपीसीई में हिस्सेदारी के रूप में अनाज की खपत 1999-2000 में 22% और 2011-12 में 10.7% से घटकर अब 5% से भी कम हो गई है. इसके अलावा औसत एमपीसीई के हिस्से के रूप में भोजन की कुल खपत 1999-2000 में लगभग 60% और 2011-12 में 53% से घटकर अब 46% हो गई है.

शहरी क्षेत्रों में—शहरी क्षेत्रों में अनाज और भोजन की खपत 1999-2000 में 12% और 2011-12 में 6% से घटकर अब 4% से भी कम हो गई है. जबकि औसत एमपीसीई में भोजन की कुल खपत पहली बार 1999-2000 में लगभग 50% और 2011-12 में 43% से घटकर 39% हो गई है.

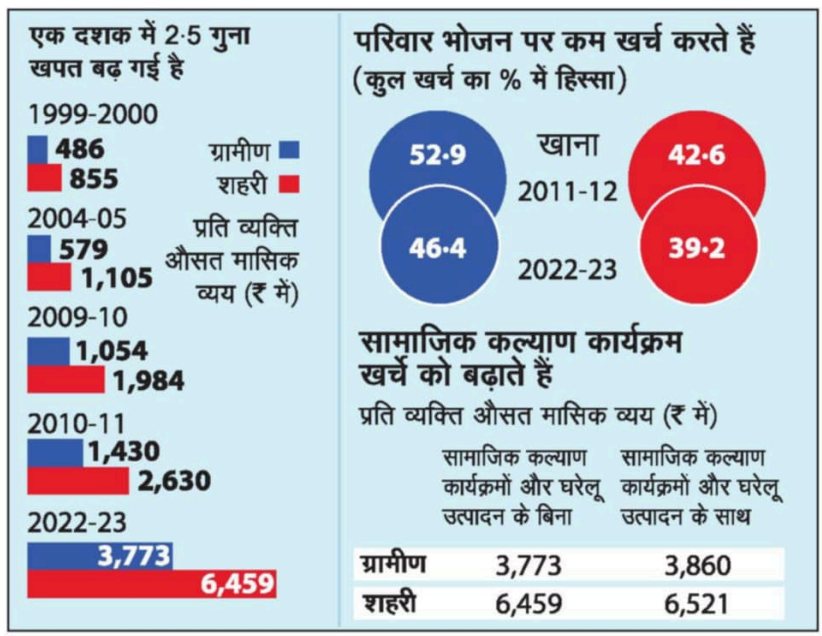

4. उच्च मूल्य वाली वस्तुओं पर व्यय में वृद्धि—सर्वेक्षण के अनुसार लोगों का अंडे, मछली, मांस, फल और सब्जियों जैसी उच्च मूल्य वाली वस्तुओं पर खर्च बढ़ गया है. ग्रामीण भारत में यह व्यय 2011-12 में 6·18% से बढ़कर 2022-23 में 9·01% हो गया है, जबकि शहरी भारत में यह 2011-12 में 8·91% से बढ़कर 2022-23 में 10·54% हो गया है.

5. गैर-खाद्य वस्तुओं पर व्यय में वृद्धि—सर्वे से पता चलता है कि गैर-खाद्य वस्तुओं पर व्यय सभी श्रेणियों में बढ़ गया है, जिसमें परिवहन और संचार पर सबसे अधिक व्यय है. ग्रामीण भारत में यह व्यय 2011-12 में 6·4% से बढ़कर 2022-23 में 14·65% हो गया है, जबकि शहरी भारत में 2011-12 में 15·25% से बढ़कर 2022-23 में 23·69% हो गया है.

6. शिक्षा और स्वास्थ्य पर व्यय में वृद्धि—शिक्षा पर ग्रामीण भारत में व्यय 2011-12 में 3·71% से बढ़कर 2022-23 में 6·08% हो गया है, जबकि शहरी भारत में यह 2011-12 में 7·07% से बढ़कर 2022-23 में 8·07% हो गया है. वहीं स्वास्थ्य पर ग्रामीण भारत में यह व्यय 2011-12 में 6·67% से बढ़कर 2022-23 में 8·25% हो गया है, जबकि शहरी भारत में यह 2011-12 में 5·88% से बढ़कर 2022-23 में 7·13% हो गया है.

प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई)

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय (NSSO) द्वारा मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई), घरेलू स्तर पर 30 दिनों की अवधि में विभाजित घरेलू उपभोक्ता व्यय है. एमपीसीई के आधार पर गरीबी रेखा को परिभाषित किया जाता है.

8. औसत खर्च—अध्ययन के अनुसार 2011-12 में, कृषि परिवारों का एमपीसीई ₹ 1,436 था, जो औसत ग्रामीण खर्च ₹ 1,430 से थोड़ा अधिक है. इसके अतिरिक्त 'कृषि में नियमित वेतन/वेतन वाली कमाई' वाले परिवारों का औसत एमपीसीई ₹ 3,597 था, जबकि 'गैर-कृषि में नियमित वेतन/वेतन वाली कमाई' वाले परिवारों का औसत एमपीसीई ₹ 4,533 था.

9. 'कृषि में आकस्मिक श्रम' में लगे श्रमिकों के लिए—'कृषि में आकस्मिक श्रम' में लगे परिवारों का औसत मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) ₹ 3,273 था, जबकि 'गैर-कृषि में आकस्मिक श्रम' के लिए यह ₹ 3,315 था. राज्यों की श्रेणी के लिए एमपीसीई सिक्किम में ग्रामीण (7,731) और शहरी क्षेत्रों (12,105) दोनों के लिए सबसे अधिक एवं छत्तीसगढ़ में सबसे कम है. जहाँ ग्रामीण परिवारों के लिए यह 2,466 और शहरी परिवारों के लिए 4,483 था. औसत एमपीसीई में ग्रामीण-शहरी अन्तर मेघालय में सबसे अधिक (83%), उसके बाद छत्तीसगढ़ (82%) है.

केन्द्र शासित प्रदेशों में मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) चंडीगढ़ में सबसे अधिक है (ग्रामीण ₹ 7,467 और शहरी ₹ 12,575), और ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के लिए लद्दाख (₹ 4,035) और लक्षद्वीप (₹ 5,475) में सबसे कम है.

व्यय पैटर्न

अनाज, दालों, परिवहन, स्वास्थ और शिक्षा पर व्यय (% में)

मद	1999-2000	2004-05	2009-10	2011-12	2022-23
अनाज	22·16	17·38	13·71	10·69	4·89
दालें	3·81	2·97	3·19	2·76	1·77
शिक्षा	1·93	3·12	3·59	3·49	3·30
स्वास्थ्य	6·09	6·27	5·4	6·65	7·13
परिवहन	2·94	3·63	3·45	4·20	7·55
उपयोगगत वस्तुएं	2·62	3·95	3·69	4·85	6·89
कुल खाद्य पदार्थ	59·40	53·11	56·98	52·90	46·38
गैर खाद्य पदार्थ	40·60	46·89	43·02	47·10	53·62

Source : Household Consumption Expenditure Survey reports

7. कृषि क्षेत्र में अंतर—सर्वे के अनुसार कृषि परिवारों के मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) और ग्रामीण परिवारों के समग्र औसत के बीच का अंतर पिछले कुछ वर्षों में कम हो रहा है. 2022-23 में 'कृषि में स्व-रोजगार' परिवारों का औसत एमपीसीई ₹ 3,702 था, जबकि ग्रामीण परिवारों का कुल औसत ₹ 3,773 था.

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

सर्वाइकल कैंसर (Cervical Cancer)

सुर्खियों में क्यों?

हाल ही में सर्वाइकल कैंसर का काफी जिक्र है, क्योंकि इसके केस भारत में काफी ज्यादा बढ़ गए हैं. वैश्विक स्तर पर यह महिलाओं में होने वाला चौथा तथा भारत में महिलाओं में दूसरा सबसे ज्यादा होने वाले कैंसर का प्रकार है. दिनों जब वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने इस बार का बजट पेश किया तो उसमें खास तौर से 9 से 14 वर्ष की बच्चियों को सर्वाइकल कैंसर के लिए फ्री टीका लगाने की घोषणा भी शामिल थी.

प्रमुख तथ्य

सर्वाइकल कैंसर

- सर्वाइकल कैंसर महिलाओं के गर्भाशय ग्रीवा में विकसित होने वाला कैंसर है. यह आमतौर पर समय के साथ धीरे-धीरे विकसित होता है.
- मेडिकल जर्नल 'द लांसेट' अध्ययन के अनुसार दुनिया में कैंसर से होने वाली कुल मौतों में से 15 प्रतिशत से अधिक मौतें भारत में होती हैं. इसके अलावा सर्वाइकल कैंसर के सबसे अधिक मामले भारत में हैं, इसके बाद चीन का स्थान है. भारत में इसकी दर प्रति 1,00,000 महिलाओं पर 18 है.
- सर्वाइकल कैंसर को मुख्य रूप से दो प्रकारों में वर्गीकृत किया गया है—

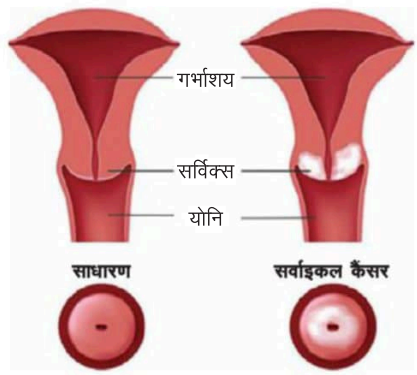

1. स्क्वैमस सेल कार्सिनोमा—यह सर्वाइकल कैंसर का सबसे आम प्रकार है, जो सर्वाइकल कैंसर के लगभग 70% से 90% मामलों के लिए जिम्मेदार है. इसकी शुरूआत गर्भाशय ग्रीवा की सतह की परत वाली पतली, सपाट कोशिकाओं होती है.

2. **एडेनोकार्सिनोमा**—सर्वाइकल कैंसर के इस प्रकार में गर्भाशय ग्रीवा के कैंसर के मामलों का एक छोटा प्रतिशत शामिल होता है और यह गर्भाशय ग्रीवा की ग्रंथियों की कोशिकाओं में उत्पन्न होता है.

सर्वाइकल कैंसर के कारण

सर्वाइकल कैंसर का प्राथमिक कारण ह्यूमन पेपिलोमा वायरस (एचपीवी) है, जो यौन संचारित वायरस का एक समूह है. एचपीवी गर्भाशय ग्रीवा की कोशिकाओं में परिवर्तन का कारण बन सकते हैं, जिसके परिणामस्वरूप अंततः कैंसर हो सकता है. इसके अलावा अन्य कारक जो सर्वाइकल कैंसर के विकास के खतरे को बढ़ा सकते हैं निम्नलिखित हैं—

- **धूम्रपान**—जो महिलाएं धूम्रपान करती हैं उनमें सर्वाइकल कैंसर का खतरा होने की सम्भावना सर्वाधिक होती. धूम्रपान एचपीवी संक्रमण से लड़ने की प्रतिरक्षा प्रणाली की क्षमता को कमजोर करती है.
- **कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली**—ऐसी स्थितियाँ या दवाएं जो प्रतिरक्षा प्रणाली पर नकारात्मक प्रभाव डालती हैं, एचपीवी संक्रमण और सर्वाइकल कैंसर के विकास की संवेदनशीलता को बढ़ा सकती हैं.
- **पारिवारिक इतिहास**—सर्वाइकल कैंसर के कारणों में पारिवारिक इतिहास भी एक महत्वपूर्ण कारक है, यदि किसी के परिवार में पूर्व में किसी को सर्वाइकल कैंसर हुआ है यो ऐसे में उस रोगी के रक्त सम्बन्धी महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर होने की सम्भावना अधिक रहती है.

सर्वाइकल कैंसर के लक्षण

प्रारम्भिक अवस्था में सर्वाइकल कैंसर बिना सामान्य लक्षणों के विकसित होता है, जिसका पता नियमित जाँच के दौरान ही चलता है. हालाँकि, जैसे-जैसे बीमारी बढ़ती है, इसके निम्नलिखित लक्षण प्रकट होने लगते हैं—

योनि से असामान्य रक्तस्राव—इसमें मासिक धर्म के बीच, रजोनिवृत्ति के बाद, या संभोग के बाद रक्तस्राव शामिल हो सकता है.

पेल्विक दर्द या असुविधा—सर्वाइकल कैंसर से पीड़ित महिलाओं को पेल्विक क्षेत्र में लगातार दर्द का अनुभव हो सकता है.

यौन सम्बन्ध के दौरान दर्द—यौन क्रिया के दौरान दर्द या परेशानी सर्वाइकल कैंसर का लक्षण हो सकता है.

वजन घटना—थकान के साथ-साथ अचानक और बिना किसी कारण के वजन घटना, कभी-कभी सर्वाइकल कैंसर का कारण हो सकता है.

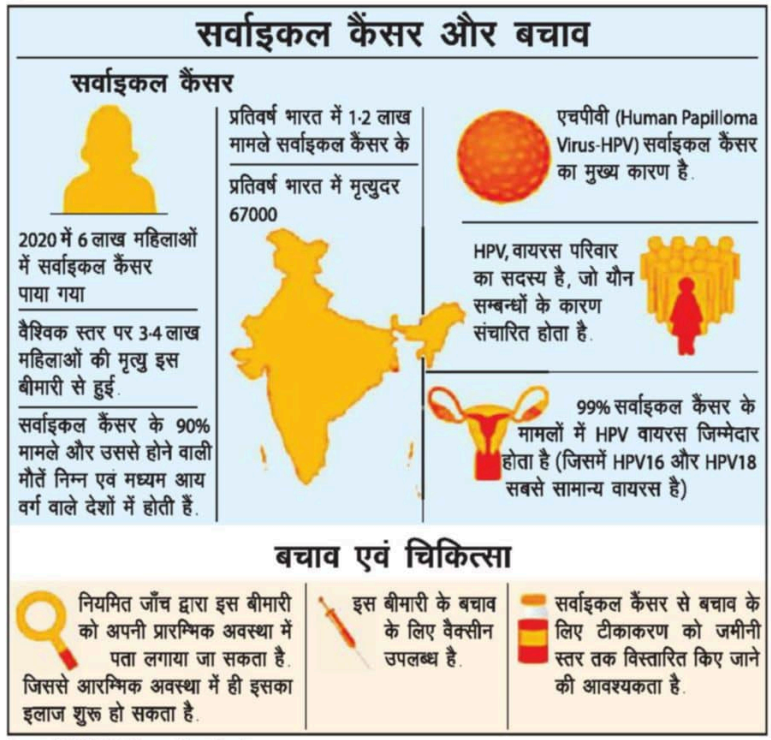

Source: WHO/IARC; Express News Service

सर्वाइकल कैंसर से बचाव के लिए एचपीवी वैक्सीन की भूमिका

सर्वाइकल कैंसर के खिलाफ लड़ाई में एचपीवी वैक्सीन एक महत्वपूर्ण उपकरण है. इसे सर्वाइकल कैंसर का प्राथमिक कारण माने जाने वाले ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (एचपीवी) के संक्रमण को रोकने के लिए डिजाइन किया गया है. यह टीका सर्वाइकल कैंसर के खतरे को कम करने में अत्यधिक प्रभावी है और महिलाओं, विशेषकर किशोरियों के लिए निवारक स्वास्थ्य देखभाल का एक अनिवार्य हिस्सा है. वर्तमान में तीन मुख्य प्रकार के निवारक एचपीवी टीके उपलब्ध हैं—

क्वाड्रिवेलेंट वैक्सीन (गार्डासिल)—यह टीका 4 प्रकार के एचपीवी से बचाता है, जिसमें एचपीवी 16 और एचपीवी 18 शामिल हैं, जो

सर्वावैक (CERVAVAC)

'सर्वावैक' (CERVAVAC) भारत का पहला स्वदेशी रूप से विकसित क्वाड्रिवेलेंट ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (Quadrivalent Human Papilloma Virus–QHPV) वैक्सीन है. इसे सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (Serum Institute of India) और जैव प्रौद्योगिकी उद्योग अनुसंधान सहायता परिषद् (BIRAC) और बिल एण्ड मेलिंडा गेट्स फाउण्डेशन की साझेदारी द्वारा विकसित किया गया. जुलाई 2022 में ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया द्वारा अनुमोदित किया गया था. वैक्सीन को भारत के औषधि महानियंत्रक (Drugs Controller General of India–DGCI) की मंजूरी मिल गई है और सार्वजनिक स्वास्थ्य कार्यक्रम में उपयोग के लिए सरकारी सलाहकार पैनल NTAGI द्वारा भी मंजूरी दे दी गई है.

यह एक चतुष्कोणीय टीका है, जो ग्रीवा कैंसर पैदा करने वाले ह्यूमन पैपिलोमा वायरस (HPV) के कम-से-कम चार प्रकारों—टाइप 6, टाइप 11, टाइप 16 और टाइप 18 के खिलाफ प्रभावी है. यह टीका 4 अलग-अलग एंटीजन जैसे चार भिन्न-भिन्न वायरस या अन्य सूक्ष्मजीवों के खिलाफ प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को उत्तेजित करके काम करती है. यह टीका किशोर लड़कियों को यौन रूप से सक्रिय होने से पहले दिया जाना चाहिए. ऐसा इसलिए है, क्योंकि वैक्सीन केवल वायरस के प्रवेश को रोक सकती है. CERVAVAC हेपेटाइटिस बी टीकाकरण के समान VLP (वायरस-लाइक पार्टिकल्स) पर आधारित है.

ध्यातव्य है कि अभी तक कम-से-कम 14 एचपीवी स्ट्रैनो की पहचान की गई है जिनसे सर्वाइकल कैंसर होने की संभावना है. इनमें से, एचपीवी प्रकार 16 और 18 को सबसे अधिक ऑन्कोजेनिक माना जाता है, जो वैश्विक स्तर पर सर्वाइकल कैंसर के लगभग 70 प्रतिशत मामलों का कारण बनता है.

शेष पृष्ठ 142 पर

आर्थिक लेख

श्वेत क्रांति 2·0 के भावी निहितार्थ

भारत में दुग्ध उत्पादन और खपत दुनिया में सर्वाधिक है. दूध कई भारतीयों का मुख्य आहार है, खासकर ग्रामीण इलाकों में. यह पोषण के एक विश्वसनीय और किफायती स्रोत के रूप में कार्य करता है और खाद्य सुरक्षा में योगदान देता है. भारत में इसे 'श्रेष्ठ' आहार के रूप में देखा जाता है. साथ ही में देश का डेयरी उद्योग लाखों ग्रामीण परिवारों को रोजगार और आजीविका के अवसर प्रदान करता है, डेयरी फार्मिंग, दूध प्रसंस्करण-वितरण, रोजगार और आय सृजन करते हैं, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समर्थन मिलता है.

हालाँकि, पिछले 5 वर्षों में दूध की अखिल भारतीय औसत कीमत ₹ 42 से बढ़कर ₹ 60 प्रति लीटर हो गई है. ऊँची कीमतों के परिणामस्वरूप उपभोक्ता अपने दूध की खपत में कटौती कर सकते हैं, जिससे डेयरी उत्पादों की कुल माँग प्रभावित होगी. साथ ही पशु चारे और कच्चे माल से जुड़ी लागत में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है, जिसने डेयरी किसानों को भुगतान की जाने वाली खरीद कीमतें बढ़ाने के लिए प्रेरित किया गया है.

परिणामस्वरूप बढ़ती मुद्रास्फीति और बढ़ी हुई उत्पादन लागत का प्रभाव उपभोक्ताओं पर पड़ता है, क्योंकि माँग में कमी आने से पहले उपभोक्ता दूध के लिए कितना अधिक भुगतान कर सकते हैं, इसकी एक सीमा है.

गौरतलब है कि हालिया घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण (एचसीईएस) 2022-23 भी इस मत का समर्थन करता है और श्वेत क्रांति 2·0 के बढ़ते महत्व पर प्रकाश डालता है, क्योंकि शहरी और ग्रामीण दोनों क्षेत्रों में भारतीय सबसे ज्यादा दूध पर ही खर्च कर रहे हैं, सर्वेक्षण के अनुसार ग्रामीण भारत में एक औसत व्यक्ति द्वारा उपभोग किए जाने वाले दूध और डेयरी उत्पादों का मासिक मूल्य ₹ 314 है, वहीं शहरी भारत के लिए यह मूल्य ₹ 466 है.

यह ध्यातव्य है कि श्वेत क्रांति का उद्देश्य दूध उत्पादन में वृद्धि, डेयरी किसानों की आजीविका में सुधार और देश भर के उपभोक्ताओं के लिए दूध और दुग्ध उत्पादों की उपलब्धता सुनिश्चित करके भारत में डेयरी क्षेत्र में बदलाव लाना था.

अपितु 1970 के दशक में शुरू की गई श्वेत क्रांति, जिसे ऑपरेशन फ्लड के नाम से भी जाना जाता है, ने भारत को दूध की कमी वाले देश से दुनिया के सबसे बड़े दूध उत्पादक देश में बदल दिया, जिससे लाखों ग्रामीण परिवारों की आजीविका में वृद्धि हुई इसकी सफलता के बावजूद, बदलते आर्थिक परिदृश्य, जलवायु परिवर्तन की उभरती चुनौतियों, बढ़ती माँग और टिकाऊ प्रथाओं की आवश्यकता के कारण श्वेत क्रांति 2·0 की आवश्यकता मालूम पड़ती है. जिसका उद्देश्य तकनीकी प्रगति के माध्यम से दूध उत्पादन को और बढ़ाना, टिकाऊ डेयरी खेती सुनिश्चित करना, दूध की गुणवत्ता में सुधार करना और खेत से खेत तक मूल्य शृंखला को बढ़ाना है.

यह लेख भारत में श्वेत क्रांति 2·0 की वर्तमान आवश्यकता, इसके महत्व और परिणति सहित भावी निहितार्थ को उजागर करता है.

श्वेत क्रांति 2·0 की आवश्यकता क्यों?

- श्वेत क्रांति 2·0 का एक प्राथमिक उद्देश्य भारत में दूध उत्पादन को बढ़ावा देना है. यद्यपि नीति आयोग का अनुमान है कि देश का दुग्ध उत्पादन 2033-34 तक 330 मिलियन मीट्रिक टन तक पहुँचने की उम्मीद है, जो मौजूदा 176 मिलियन मीट्रिक टन से अधिक है. भारत में दूध सहित इसके उत्पादों की बढ़ती माँग को पूरा करने के लिए उत्पादन में यह वृद्धि महत्वपूर्ण है.
- अपितु पशु चारा उद्योगों, डेयरी मशीनरी फर्मों, उत्पादक सहकारी संघों, राज्य विपणन संघों, विज्ञापन और विपणन फर्मों, रसद और वितरण एजेंसियों के बीच ऊर्ध्वाधर एकीकरण के दायरे को मजबूत करने में श्वेत क्रांति 2·0 सहायक साबित हो सकती है. इस एकीकरण से डेयरी क्षेत्र में उत्पादकता, लाभप्रदता और दक्षता में वृद्धि हो सकती है.
- साथ ही श्वेत क्रांति ने पहले से ही कई भारतीय गाँवों की समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है तथा डेयरी फार्मिंग को बढ़ावा देने और डेयरी सहकारी समितियों की स्थापना करके, क्रांति ने रोजगार के अवसर प्रदान किए हैं और ग्रामीण समुदायों की सामाजिक-आर्थिक स्थितियों में सुधार किया है.
- भारत में डेयरी क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने की क्षमता है. श्वेत क्रांति 2·0 विपणन, नवाचार और डेयरी आपूर्ति शृंखलाओं के

श्वेत क्रांति 1·0 (ऑपरेशन फ्लड)

- हरित क्रांति की सफलता ने भारत को ऑपरेशन फ्लड शुरू करने में सक्षम बनाया.
- इसकी शुरूआत 1970 के दशक में हुई थी.
- राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड, इसने एक राष्ट्रीय ग्रिड बनाने के लिए ऑपरेशन फ्लड की शुरूआत की जो देश भर में दूध के उत्पादन और वितरण को सुव्यवस्थित कर सके.
- इसका उद्देश्य दुग्ध उत्पादकता में वृद्धि करना और दूध के लिए प्रतिस्पर्धी बाजार मूल्य सुनिश्चित करना, दूध उत्पादन बढ़ाकर ग्रामीण आय में सुधार करना तथा उपभोक्ताओं को किफायती दूध उपलब्ध कराना था.
- **डॉ. वर्गीस कुरियन** को श्वेत क्रांति का जनक कहा जाता है, क्योंकि उन्होंने इसकी सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी.
- इसके अंतर्गत कार्य विधि तीन चरणों में पूर्ति हुई—
  1. **चरण-I (1970–80)**—इसे दुग्ध सहकारी समितियों की स्थापना के लिए विश्व खाद्य कार्यक्रम (डब्ल्यूएफसी) के माध्यम से यूरोपीय आर्थिक समुदाय द्वारा वित्त पोषित किया गया था.
  2. **चरण-II (1981–85)**—इससे कर्नाटक, राजस्थान और मध्य प्रदेश राज्यों में डेयरी विकास हुआ.
  3. **चरण-III (1985–96)**—इसका ध्यानाकर्षण पशु चिकित्सा देखभाल और बेहतर प्रजनन प्रथाओं पर था.
- **इसके परिणाम—**
  - इसने डेयरी की कमी वाले देश को दुग्ध उत्पादन में वैश्विक नेता में बदल दिया.
  - महिला डेयरी किसानों ने भारत के डेयरी परिवर्तन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई.
  - विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, "ऑपरेशन फ्लड को ग्रामीण विकास के दृष्टिकोण की पुष्टि करने वाले 20 वर्ष के प्रयोग के रूप में देखा जा सकता है."

विस्तार पर ध्यान केंद्रित करके इस क्षमता का लाभ उठाना चाहती है. इसका उद्देश्य भारतीय डेयरी उत्पादों को वैश्विक बाजार में स्थापित करना और निर्यात बढ़ाना है, जिससे देश की आर्थिक वृद्धि में योगदान दिया जा सके.

भारत श्वेत क्रांति 2·0 कैसे लागू कर सकता है?

बेहतर प्रजनन प्रथाओं को लागू करके

- लिंग क्रमबद्ध सीमेन, भ्रूण स्थानांतरण और इन विट्रो फर्टिलाइजेशन जैसे आनुवंशिक सुधार मौजूदा आनुवंशिक संसाधनों से अधिक मादा बछड़े और अधिक दूध देने वाली गायें पैदा कर सकते हैं. लिंग आधारित सीमेन द्वारा केवल मादा बछड़े के पैदा होने की 90% से अधिक सम्भावना है, जबकि पारम्परिक रूप में यह 50 : 50 है.
- भ्रूण स्थानांतरण (Embryo transfer) तकनीक को अपनाना मौजूदा गायों की उच्च आनुवंशिक योग्यता (High Genetic Merit—HGM) को उद्वेलित करता है, जिसके परिणामस्वरूप एक ही एचजीएम गाय से कई बछड़े पैदा होते हैं. वहीं इन विट्रो फर्टिलाइजेशन या आईवीएफ गाय के शरीर के बाहर मादा अंडाणु को परिपक्व करने की विधि है, जिससे अधिक भ्रूण उत्पादन और अधिक बछड़े पैदा होते हैं.
- साथ ही बोवाइन प्रजनन केन्द्र कृत्रिम गर्भाधान के लिए बेहतर सीमेन और इन विट्रो फर्टिलाइजेशन भ्रूण के उत्पादन या किसानों के जानवरों को स्थानांतरित करने के माध्यम से उच्च-आनुवंशिक-योग्यता वाले बैल और गायों के झुंड का प्रजनन करवाते हैं.

अनुकूलित फीड फॉर्मूलेशन

- बिग डेटा एनालिटिक्स पोषक तत्व सामग्री, उपलब्धता और लागत जैसे कारकों का विश्लेषण करके फीड फॉर्मूलेशन को अनुकूलित करने में मदद कर सकता है. यह सुनिश्चित करके कि डेयरी पशुओं को पोषक तत्वों का सही संतुलन मिले, किसान दूध उत्पादन को अधिकतम कर सकते हैं और फीड की बर्बादी को कम कर सकते हैं. इसके अलावा किसानों को अधिक उपज देने वाली प्रोटीन युक्त हरी चारा घास की खेती के लिए प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है.

रोग की भविष्यवाणी और रोकथाम

- एआई एल्गोरिदम डेयरी पशुओं में बीमारियों की भविष्यवाणी करने और उन्हें रोकने के लिए बीमारी के प्रकोप, मौसम के पैटर्न और पशु स्वास्थ्य रिकॉर्ड पर ऐतिहासिक डेटा का विश्लेषण कर सकता है. शीघ्र पता लगाने और समय पर हस्तक्षेप से दुग्ध उत्पादन और पशु कल्याण पर बीमारियों के प्रभाव को काफी कम किया जा सकता है.

बाजार अंतर्दृष्टि और आपूर्ति शृंखला अनुकूलन

- बिग डेटा एनालिटिक्स बाजार के रुझान, उपभोक्ता प्राथमिकताओं और आपूर्ति शृंखला अनुकूलन में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान कर सकता है. दूध संग्रह केन्द्रों, मौसम के पैटर्न और उपभोक्ता व्यवहार सहित विभिन्न स्रोतों से डेटा का विश्लेषण करके, डेयरी उद्योग में हितधारक उत्पादन, वितरण और विपणन रणनीतियों के बारे में सूचित निर्णय ले सकते हैं. इससे किसानों को बेहतर मूल्य प्राप्त हो सकता है और उपभोक्ताओं के लिए गुणवत्तापूर्ण डेयरी उत्पादों तक बेहतर पहुँच हो सकती है.

सरकारी पहल

- भारत सरकार पहले ही विभिन्न क्षेत्रों में एआई और बिग डेटा एनालिटिक्स की क्षमता को पहचान चुकी है. एडवांस्ड एनालिटिक्स इन इनडायरेक्ट टैक्सेज परियोजना जैसी पहल कर राजस्व बढ़ाने और डेटा-संचालित नीति निर्णयों का समर्थन करने के लिए इन प्रौद्योगिकियों के उपयोग को प्रदर्शित करती है. इन प्रयासों को डेयरी उद्योग तक विस्तारित करने से विकास, स्थिरता और आर्थिक सशक्तिकरण के नए अवसर खुल सकते हैं.

किसान प्रशिक्षण और शिक्षा में निवेश

- किसानों को आवश्यक शिक्षण-प्रशिक्षण प्रदान करने से पशुपालन प्रथाओं में उनके ज्ञान और कौशल में वृद्धि हो सकती है. इसमें उचित भोजन तकनीक, बीमारी की रोकथाम और स्वास्थ्य समस्याओं का शीघ्र पता लगाने पर कार्यशालाएं शामिल हो सकती हैं. किसानों को ज्ञान के साथ सशक्त बनाने से उन्हें सूचित निर्णय लेने में मदद मिल सकती है और उनके पशुओं के समग्र कल्याण में सुधार हो सकता है.

उपभोक्ता जागरूकता बढ़ाना

- पशु कल्याण को प्राथमिकता देने वाले फार्मों से आने वाले डेयरी उत्पादों के समर्थन के महत्व के बारे में उपभोक्ताओं को शिक्षित करना नैतिक रूप से उत्पादित दूध की माँग पैदा कर सकता है. पारदर्शी लेबलिंग और प्रमाणन प्रणाली उपभोक्ताओं को सूचित विकल्प चुनने और पशु कल्याण को प्राथमिकता देने वाले किसानों का समर्थन करने में मदद कर सकती है.

सहयोग और समर्थन

- सकारात्मक बदलाव लाने के लिए सरकारी एजेंसियों, पशु कल्याण संगठनों, किसानों और उद्योग हितधारकों के बीच सहयोग आवश्यक है. किसानों को वित्तीय सहायता, तकनीकी सहायता और संसाधन प्रदान करने से उन्हें पशु कल्याण प्रथाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में मदद मिल सकती है. इसके अतिरिक्त, शोधकर्ताओं, पशु चिकित्सकों और किसानों के बीच साझेदारी ज्ञान और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान को सुविधाजनक बना सकती है.

श्वेत क्रांति 2·0 समक्ष प्रमुख चुनौतियाँ व सम्भावनाएं

सीमांत किसान

- श्वेत क्रांति 2·0 में सीमांत किसानों का समावेश और भागीदारी सुनिश्चित करना एक महत्वपूर्ण चुनौती है. इन किसानों के पास अकसर संसाधनों, प्रौद्योगिकी और बाजारों तक पहुँच की कमी होती है. उन्हें प्रशिक्षण, वित्तीय सहायता और सहकारी नेटवर्क तक पहुँच प्रदान करने के प्रयास किए जाने चाहिए, जिससे वे आधुनिक डेयरी खेती प्रथाओं को अपनाने और अपनी उत्पादकता में सुधार करने में सक्षम हो सकें.

सतत कृषि पद्धतियाँ

- श्वेत क्रांति 2·0 को पर्यावरणीय चिंताओं को दूर करने के लिए स्थायी कृषि पद्धतियों को प्राथमिकता देनी चाहिए. जैविक खेती, कुशल अपशिष्ट प्रबंधन और नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने जैसी पर्यावरण-अनुकूल तकनीकों को लागू करने से डेयरी उत्पादन के पारिस्थितिक प्रभाव को कम करने में मदद मिल सकती है. टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देने से न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि डेयरी क्षेत्र की दीर्घकालिक व्यवहार्यता भी बढ़ेगी.

मूल्यवर्धन और बाजार विविधीकरण

- डेयरी उद्योग को किसानों की आय बढ़ाने और उपभोक्ता माँगों को पूरा करने के लिए मूल्यवर्धन और बाजार विविधीकरण पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए. इसमें आधुनिक प्रसंस्करण सुविधाओं में निवेश करना, मूल्यवर्धित डेयरी उत्पादों के उत्पादन को बढ़ावा देना और नए घरेलू

और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की खोज करना शामिल है. उद्यमशीलता को प्रोत्साहित करने और बाजार सम्पर्क प्रदान करने से किसानों को मूल्य शृंखला का बड़ा हिस्सा हासिल करने में मदद मिल सकती है.

गुणवत्ता नियंत्रण और खाद्य सुरक्षा

- उच्च गुणवत्ता मानकों को बनाए रखना और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना उपभोक्ता विश्वास और बाजार प्रतिस्पर्धा के लिए महत्वपूर्ण है. श्वेत क्रांति 2·0 में सख्त गुणवत्ता नियंत्रण उपायों, नियमित परीक्षण और खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन पर जोर दिया जाना चाहिए. मजबूत निगरानी प्रणाली, प्रमाणन प्रक्रियाएं और ट्रेसेबिलिटी तंत्र स्थापित करने से डेयरी उत्पादों की अखंडता और सुरक्षा बनाए रखने में मदद मिल सकती है.

प्रौद्योगिकी अपनाना और डिजिटल बुनियादी ढाँचा

- प्रौद्योगिकी और डिजिटल बुनियादी ढाँचे का लाभ उठाना श्वेत क्रांति 2·0 की सफलता में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है. इसमें बेहतर कृषि प्रबंधन, दूध उत्पादन अनुकूलन और आपूर्ति शृंखला दक्षता के लिए एआई, आईओटी और बड़े डेटा एनालिटिक्स को अपनाना शामिल है. हालाँकि, डेयरी उद्योग के सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी को व्यापक रूप से अपनाने को सुनिश्चित करने के लिए सामर्थ्य, पहुँच और डिजिटल साक्षरता से सम्बन्धित चुनौतियों का समाधान करने की आवश्यकता है.

नीति समर्थन और संस्थागत ढाँचा

- सरकार को श्वेत क्रांति 2·0 को लागू करने के लिए एक सहायक नीति ढाँचा और संस्थागत समर्थन प्रदान करना चाहिए. इसमें ऐसी नीतियाँ शामिल हैं जो निवेश, अनुसंधान और विकास और किसान-अनुकूल योजनाओं को प्रोत्साहित करती हैं. डेयरी विकास में शामिल संस्थानों, जैसे सहकारी समितियों और अनुसंधान संगठनों को मजबूत करने से किसानों को तकनीकी सहायता, प्रशिक्षण और बाजार सम्पर्क प्रदान करने में मदद मिल सकती है.

हालाँकि, उपर्युक्त के अतिरिक्त कई अन्य चुनौतियाँ हैं जिनसे उबरना होगा, लेकिन उन्हें सम्बोधित करने और डेयरी उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए आवश्यक कदम उठाने की एक मजबूत प्रतिबद्धता की आवश्यता होगी.

समावेशिता पर ध्यान केन्द्रित करके, छोटे स्तर के किसानों को जागरूक करके, वित्तीय सहायता और सहकारी नेटवर्क तक पहुँच के माध्यम से डेयरी उद्योग को सशक्त बनाया जा सकता है, जिससे इस क्रांति में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित हो सके. साथ ही टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाने और पशु स्वास्थ्य और कल्याण को प्राथमिकता देने से न केवल पर्यावरण की रक्षा होगी, बल्कि दूध की गुणवत्ता और दुग्ध उत्पादक पशुओं की भलाई में भी वृद्धि होगी.

इसके अलावा, मूल्य संवर्धन और बाजार विविधीकरण किसानों की आय बढ़ाने और उपभोक्ता माँगों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. आधुनिक प्रसंस्करण सुविधाओं में निवेश करके, मूल्य वर्धित डेयरी उत्पादों को बढ़ावा देकर और नए घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय बाजारों की खोज करके, भारत मूल्य शृंखला के एक बड़े हिस्से पर कब्जा कर सकता है और उद्यमिता के अवसर पैदा कर सकता है.

सख्त मानकों को लागू करने, नियमित परीक्षण और खाद्य सुरक्षा नियमों के पालन पर जोर देने के साथ गुणवत्ता नियंत्रण और खाद्य सुरक्षा सर्वोपरि रहेगी. एआई, आईओटी और बड़े डेटा एनालिटिक्स जैसी प्रौद्योगिकी तथा डिजिटल बुनियादी ढाँचे को शामिल करने से फार्म प्रबंधन, दुग्ध उत्पादन और आपूर्ति शृंखला दक्षता को और अधिक अनुकूलित जा सकता है.

चूँकि श्वेत क्रांति 2·0 का समर्थन करने और उसे बनाए रखने के लिए, एक सहायक नीति ढाँचा और संस्थागत ढाँचा महत्वपूर्ण है. सरकारी नीतियाँ जो निवेश, अनुसंधान और विकास को प्रोत्साहित करती हैं. हालाँकि, किसान-अनुकूल योजनाएं, डेयरी विकास में शामिल संस्थानों को मजबूत करने के साथ-साथ किसानों को आवश्यक समर्थन, तकनीकी सहायता और बाजार सम्पर्क प्रदान करेंगी. ●●●

शेष पृष्ठ 39 का

इस भर्ती के लिए आयोजित की जाने वाली मुख्य परीक्षा के लिए शॉर्टलिस्ट करने के लिए पहले चरण की परीक्षा का आयोजन मई/जून 2024 में सम्भावित है. पहले चरण की परीक्षा में अंग्रेजी भाषा, क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड व रीजिनिंग एबिलिटी की परीक्षा होगी. दूसरे चरण की परीक्षा में वस्तुनिष्ठ एवं वर्णनात्मक किस्म की परीक्षा शामिल है. दूसरे चरण के ऑनलाइन वस्तुनिष्ठ प्रश्न-पत्र में (i) तर्कशक्ति, (ii) अंग्रेजी भाषा, (iii) क्वांटिटेटिव एप्टीट्यूड व (iv) सामान्य जागरूकता की परीक्षा होगी. विशेषज्ञों की नियुक्तियों के मामले में विशेषज्ञता क्षेत्र सम्बन्धी प्रश्न भी वस्तुनिष्ठ ऑनलाइन परीक्षा में शामिल होंगे. दूसरे वर्णनात्मक किस्म के प्रश्न-पत्र में अंग्रेजी में निबन्ध तथा पत्र लेखन की परीक्षा होगी.

इस भर्ती के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी के लिए द ओरिएंटल इश्योरेंस की वेबसाइट www.orientalinsurance.org.in देखें. इसी वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन किया जा सकता है.

उपर्युक्त परीक्षा के लिए **उपकार प्रकाशन** द्वारा प्रकाशित पुस्तकों का अध्ययन करें.

नवोदय विद्यालयों में नॉन टीचिंग स्टाफ (स्टाफ नर्स, स्टेनोग्राफर, कम्प्यूटर ऑपरेटर, लैब असिस्टेंट आदि) की रिक्तियाँ

जवाहर नवोदय विद्यालयों में महिला स्टाफ नर्स, असिस्टेंट सेक्शन ऑफिसर, स्टेनोग्राफर, लैब असिस्टेंट, कम्प्यूटर ऑपरेटर, मैस हैल्पर व मल्टी टॉस्किंग स्टाफ आदि नॉन टीचिंग पदों पर नियुक्ति हेतु इच्छुक उम्मीदवारों से ऑनलाइन आवेदन नवोदय विद्यालय समिति द्वारा 30 अप्रैल, 2024 तक आमंत्रित किए गए हैं. इस भर्ती के तहत् उपलब्ध रिक्तियों की संख्या विभिन्न पदों के मामले में भिन्न-भिन्न हैं. विभिन्न वर्गों के उम्मीदवारों के लिए नियमानुसार आरक्षण का प्रावधान इस भर्ती के तहत् उपलब्ध है. रिक्तियों की संख्या घट बढ़ सकती है. इन रिक्तियों, इनके लिए आवश्यक योग्यताओं व आयु सीमाओं आदि की जानकारियों के लिए नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट देखें. इन भर्तियों के सम्बन्ध में ऑनलाइन आवेदन व अन्य विस्तृत जानकारी हेतु नवोदय विद्यालय समिति की वेबसाइट www.navodaya.gov.in देखें. ●●●

पर्यटन लेख

भारत में पर्यटन और भावी हरित पहलें

जल शक्ति मंत्रालय और पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा संयुक्त रूप से 22 फरवरी, 2024 को काजीरंगा में 'स्वच्छता ग्रीन लीफ रेटिंग सिस्टम' लॉन्च किया गया. इसका उद्देश्य पर्यटन क्षेत्र में स्वच्छता मानकों को बढ़ाना और हरित पर्यटन को बढ़ावा देना है.

भारत में इससे पहले अक्टूबर 2023 में 'ग्रीन टूरिज्म इंडिया कॉन्क्लेव' का आयोजन स्टेट कन्वेंशन सेंटर, शिलांग में किया गया था. इसके अतिरिक्त विश्व पर्यटन दिवस (27 सितम्बर) के अवसर पर सितम्बर 2023 में पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन और संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के साथ साझेदारी में, मिशन लाइफ के तहत् पर्यटन क्षेत्र से सम्बन्धित एक क्षेत्रीय कार्यक्रम 'ट्रैवल फॉर लाइफ' का शुभारम्भ किया था.

'ट्रैवल फॉर लाइफ' कार्यक्रम की गतिविधियाँ पर्यटन क्षेत्र में टिकाऊ आर्थिक विकास को बढ़ावा देती हैं, टिकाऊ उपभोग और उत्पादन को प्रोत्साहित करती हैं. यह कार्यक्रम पर्यटकों और पर्यटन व्यवसायों के बीच बड़े पैमाने पर व्यवहार परिवर्तन लाने के लिए विकसित किया गया है, जिसका पर्यावरण संरक्षण और जलवायु कार्यवाही पर महत्वपूर्ण प्रभाव पड़ेगा.

भारत में पर्यटन

भारत में पर्यटन अर्थव्यवस्था में राजस्व को बढ़ाता है, रोजगार के अवसर उत्पन्न करता है, देश की आधारभूत अवसंरचना को विकसित करता है. भारतीयों एवं विदेशियों के मध्य सांस्कृतिक आदान-प्रदान की भावना बढ़ाता है.

केन्द्रीय पर्यटन मंत्रालय द्वारा दिए गए आँकड़े के अनुसार 2023 में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों की संख्या 31 अक्टूबर, 2023 तक 7·24 मिलियन थी, जबकि 2022 की इसी अवधि में यह आँकड़ा 6·44 मिलियन था.

हालाँकि 2018 और 2019 में, भारत में क्रमशः 10·56 मिलियन और 10·93 मिलियन विदेशी पर्यटकों का आगमन हुआ, जो 2020 में घटकर 2·74 मिलियन और 2021 में 1·52 मिलियन हो गया, जिसका मुख्य कारण कोरोना महामारी था.

हरित पर्यटन की अवधारणा

हरित पर्यटन की अवधारणा समय के साथ विकसित हुई है, परन्तु आज के समय में हरित पर्यटन एक उभरता हुआ स्थायी दृष्टिकोण है. इसे कई अन्य नाम से भी जाना जाता है जैसे–सतत् पर्यटन, जिम्मेदार पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन और टिकाऊ पर्यटन.

द इंटरनेशनल इकोटूरिज्म सोसाइटी के अनुसार, "इकोटूरिज्म प्राकृतिक क्षेत्रों की जिम्मेदार यात्रा है, जो पर्यावरण का संरक्षण करती है. यह स्थानीय लोगों की भलाई को भी बनाए रखता है और इसमें व्याख्या और शिक्षा शामिल है."

विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार हरित पर्यटन में "ऐसी पर्यटन गतिविधियाँ शामिल हैं जिन्हें उनके सामाजिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और पर्यावरणीय संदर्भों में अनिश्चित काल तक बनाए रखा जा सकता है."

संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन के अनुसार, "सतत् पर्यटन वह पर्यटन है जो अपने वर्तमान और भविष्य के पर्यावरणीय, सामाजिक और आर्थिक प्रभावों का पूरा ध्यान रखता है. यह आगंतुकों, पर्यावरण, मेजबान समुदायों और उद्योग की जरूरतों को सम्बोधित करता है."

हरित पर्यटन पर्यावरण के अनुकूल और जिम्मेदार यात्रा प्रथाओं पर केन्द्रित है जिसके परिणामस्वरूप अंततः पर्यावरण पर पर्यटन के नकारात्मक प्रभाव को कम करके प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण को बढ़ावा मिलता है.

हरित पर्यटन की आवश्यकता

- हरित पर्यटन जिम्मेदार यात्रा प्रथाओं को प्रोत्साहित करता है, जो प्रदूषण, अपशिष्ट और ऊर्जा खपत को कम करके पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देता है.
- हरित पर्यटन रोजगार पैदा करके, स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करके और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों को आर्थिक लाभ प्रदान कर सकता है.
- हरित पर्यटन आगंतुकों को स्थानीय संस्कृति और परम्पराओं का सम्मान करने और उनके बारे में सीखने के लिए प्रोत्साहित करके सांस्कृतिक संरक्षण को बढ़ावा देता है.
- इसके द्वारा यात्री पर्यावरण और सामाजिक मुद्दों के बारे में जान सकते हैं और दुनिया पर उनके प्रभाव के बारे में अधिक जागरूक हो सकते हैं.
- हरित पर्यटन उद्योग के कार्बन पदचिह्न को कम करने में मदद कर सकता है, जो महत्वपूर्ण मात्रा में वैश्विक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार है.
- हरित पर्यटन अद्वितीय और प्रामाणिक यात्रा अनुभव प्रदान करता है, जो आगंतुकों को प्रकृति और स्थानीय समुदायों से जुड़ने की अनुमति देता है.

पर्यटन के प्रकार

व्यक्तियों के आवागमन के आधार पर पर्यटन के निम्नलिखित प्रकार हैं–

- ***घरेलू पर्यटन**–इसमें एक देश का निवासी अपने देश के भीतर ही यात्रा करता है. जैसे–भारत का निवासी का भारत के ही किस हिस्से में पर्यटन करना.*
- ***आवक पर्यटन**–इसमें किसी दूसरे देश के निवासी का किसी अन्य देश की यात्रा करना शामिल होता है. जैसे–स्पेन देश के एक निवासी द्वारा ब्रिटेन का दौरा करना.*
- ***बहिर्गामी पर्यटन**–इसमें एक देश के निवासी का उसके देश के बाहर यात्रा करना शामिल है. जैसे–एक विदेशी देश का दौरा करने वाला भारतीय.*

***इकोटूरिज्म** के अंतर्गत प्रकृति-आधारित, वन्य जीवन, साहसिक, कृषि और सांस्कृतिक पर्यटन आते हैं :*

- ***प्रकृति आधारित पर्यटन**–जहाँ पर्यावरण की प्राकृतिक विशेषताएँ आकर्षण का केन्द्र होती हैं. कैम्पिंग, स्टारगेजिंग और बर्डवॉचिंग प्रकृति-आधारित पर्यटन के उदाहरण हैं.*
- ***वन्यजीव पर्यटन**–यह प्रकृति आधारित पर्यटन का ही एक बड़ा हिस्सा है. वन्यजीव पर्यटन उत्पाद स्थलीय से लेकर समुद्री पर्यटन तक बहुत भिन्न होते हैं. सबसे आम गतिविधियाँ सफारी, निर्देशित सवारी, खेल शिकार, मनोरंजक मछली पकड़ना और पशु आहार हैं.*
- ***साहसिक पर्यटन**–इसका तात्पर्य उस पर्यटन से है जहाँ मुख्य आकर्षण प्राकृतिक विशेषताओं पर आधारित बाहरी गतिविधि होती है. आमतौर पर इसके लिए विशेष खेल उपकरण की आवश्यकता होती है. इसमें स्कीइंग, स्नोबोर्डिंग और सर्फिंग शामिल हैं.*
- ***फार्म पर्यटन**–फार्म पर्यटन वास्तव में बिस्तर और नाश्ता प्रतिष्ठानों और फार्मों से उत्पन्न होता है. जैसे–फ्रांसीसी अंगूर के बाग, दक्षिण-पूर्व एशिया में चावल के खेत और स्विस आल्प्स में डेयरी फार्म में पर्यटन.*
- ***सांस्कृतिक पर्यटन**–सांस्कृतिक पर्यटन में पर्यटक विभिन्न संस्कृतियों और परम्पराओं का अनुभव करने के लिए यात्रा करते हैं. इसका उद्देश्य पारम्परिक संस्कृतियों को सीखना और समझना और ऐतिहासिक स्थलों का दौरा करना है.*

भारत और वैश्विक प्रयास

केंद्रीय पर्यटन मंत्री जी. किशन रेड्डी के अनुसार भारत पर्यटन क्षेत्र के लिए अनुकूल वातावरण तैयार कर रहा है, ताकि वह आर्थिक वृद्धि, पर्यावरण के संरक्षण में सतत् रूप से अपना बहुमूल्य योगदान कर सके. भारत के पर्यटन मंत्रालय ने अपनी 2023 की G-20 अध्यक्षता के दौरान नए पर्यटन स्थलों का विकास करने एवं हरित पर्यटन को बढ़ावा देने से सम्बन्धित कदम उठाए हैं.

भारत में हरित पर्यटन के अग्रदूतों में से एक केरल राज्य है. केरल द्वारा टिकाऊ पर्यटन को प्रोत्साहित करने के लिए कई पहल की गई हैं, जैसे–जिम्मेदार अपशिष्ट प्रबंधन का कार्यान्वयन, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण, ग्रीन लीफ-प्रमाणित होटल का निर्माण और पर्यावरण-अनुकूल आवास को बढ़ावा देना.

हरित पर्यटन की दिशा में भारत के प्रयास केवल केरल तक ही सीमित नहीं हैं. प्रकृति की सैर, वन्य जीव सफारी और साहसिक खेलों जैसी बाहरी गतिविधियों को जिम्मेदार तरीके से पेश करके, हिमाचल प्रदेश, सिक्किम और उत्तराखण्ड सहित अन्य राज्य भी पर्यावरण-पर्यटन को बढ़ावा दे रहे हैं.

वैश्विक स्तर पर हरित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए आज अफ्रीकी-इक्वाडोरियों और मेस्टिजो सहित सामुदायिक समूहों की एक विस्तृत श्रृंखला विविध पारिस्थितिक पर्यटन परियोजनाओं पर काम कर रही हैं. इनमें अमेजॅन वन से लेकर ऊँचे सिएरा और इक्वाडोर के तट तक शामिल हैं.

हरित पर्यटन के क्षेत्र में जागरूकता लाने के लिए ब्राजील, डेनमार्क, यूनाइटेड किंगडम, रूस, मलेशिया जैसे विभिन्न देश तथा पर्यटन से सम्बन्धित संगठन अपने स्तर पर प्रयास कर रहे हैं. पर्यटन को बढ़ावा देने और इसके बारे में जागरुकता बढ़ाने के लिए प्रत्येक वर्ष 27 सितम्बर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है. 2023 में विश्व पर्यटन दिवस की थीम "पर्यटन और हरित निवेश" थी, जो पर्यावरण के संरक्षण में पर्यावरण-अनुकूल प्रथाओं और जिम्मेदार पर्यटन की भूमिका बढ़ाने पर जोर देती है.

आर्थिक रूप से कैसे लाभकारी

हरित निवेश से पर्यटन के पर्यावरणीय प्रभावों को कम करने में मदद मिल सकती है. पर्यटन और हरित निवेश दोनों ही आर्थिक विकास को बढ़ावा दे सकते हैं. एक ओर जहाँ पर्यटन रोजगार पैदा करता है और आर्थिक विकास को बढ़ावा देता है वहीं दूसरी ओर हरित निवेश नई प्रौद्योगिकियों और विकास के अवसरों को जन्म दे सकता है.

विश्व में लगभग 44 देश ऐसे हैं, जहाँ पर्यटन उद्योग ही आर्थिक गतिविधियों का केन्द्र और अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है. हरित पर्यटन इन देशों में स्थायी रोजगार पैदा करके, स्थानीय व्यवसायों का समर्थन करके और स्थायी आजीविका को बढ़ावा देकर स्थानीय समुदायों को आर्थिक लाभ प्रदान कर सकता है जिससे यह इन समुदायों में जीवन स्तर में सुधार लाने और गरीबी को कम करने में मदद करता है.

भारत में पर्यटन की सम्भावना

भारत में पर्यटन की अपार सम्भावनाएं हैं. विश्व के किसी भी देश से ज्यादा विविधताएं भारत में देखने को मिलती हैं, फिर वो विविधता चाहे सांस्कृतिक हो, ऐतिहासिक हो या पर्यटन क्षेत्र से सम्बन्धित हो. यदि भारत में पर्यटन क्षेत्र को सही ढंग से पूँजीकरण करके हरित निवेश किया जाए एवं उचित प्रबंधन के माध्यम से इसे विकसित किया जाए, तो यह अनवरत रूप से सकल घरेलू उत्पाद में योगदान देने वाले अग्रणी क्षेत्र के रूप में उभर सकता है.

भारत में कश्मीर से कन्याकुमारी तक, अरुणाचल प्रदेश से गुजरात तक, प्रत्येक क्षेत्र की अपनी विशिष्टता और संस्कृति है. भारत लगातार अपने हरित पर्यटन क्षेत्र को विकसित करने के लिए लगातार प्रयासरत है. केरल ने पर्यावरण-अनुकूल पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने और पर्यटन सम्पत्तियों को स्वच्छ, हरित और स्मार्ट रखने के लिए आदर्श बदलाव किया है.

केरल के अलावा भारत के अन्य राज्य जैसे–मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, हिमाचल प्रदेश, ओडिशा, सिक्किम और उत्तराखण्ड राज्यों ने तथा लक्षद्वीप जैसे केन्द्रशासित प्रदेशों ने इस क्षेत्र के बहुमुखी विकास के लिए ईको-पर्यटन को सबसे प्रमुख माना है और इन राज्यों ने आजीविका सृजन के साथ-साथ अपने क्षेत्र के नाजुक पारिस्थितिकी तंत्र के संरक्षण और सुरक्षा के लिए विभिन्न ईकोटूरिज्म गतिविधियों की शुरूआत की है.

भारत में पर्यटन की चुनौतियाँ

- बुनियादी ढाँचा का अभाव भारतीय पर्यटन क्षेत्र के लिए एक बड़ी चुनौती है. किसी भी पर्यटन स्थल को विकसित करने के लिए अच्छे सार्वजनिक बुनियादी ढाँचे और एक उचित रणनीति की आवश्यकता होती है.
- हरित पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए तकनीकों को अपनाना आसान काम नहीं है. इन परिवर्तनों को लागू करना महँगा है, क्योंकि इसके संचालन के तरीके में एक आदर्श बदलाव शामिल है.
- इसके साथ ही पर्यटन व्यवसायों का एक बड़ा हिस्सा बिना लाइसेंस, प्राधिकरण और कौशल के संचालित होता है जिससे स्थिरता मानदण्डों की निगरानी करना मुश्किल हो जाता है.
- होमस्टे योजनाओं और सूक्ष्म एवं लघु उद्यमों के लिए क्रेडिट गारंटी ट्रस्ट फण्ड का खराब कार्यान्वयन, जिस कारण से ये उद्यम सीमित दायरे में सिमटकर रह जाते हैं.
- अग्रिम पंक्ति के उद्यमों और कर्मियों का हरित पर्यटन की बारीकियों से अनभिज्ञ होना.
- पर्यटकों की सुरक्षा विशेष रूप से विदेशी पर्यटकों की तथा वन्य जीवों की सुरक्षा में कमी पर्यटन विकास के मार्ग में एक प्रमुख बाधा है.
- देश के अधिकांश पर्यटन स्थलों में पहुँचने के लिए यात्रा की उच्च लागत, खराब कनेक्टिविटी और विभिन्न कारणों के लिए आवश्यक अनुमतियाँ पर्यटन उद्योग के विकसित होने में एक बड़ी समस्या है.

निष्कर्ष

हरित पर्यटन को सतत् विकास के लिए एक प्रभावी उपकरण माना जाता है. यह प्राकृतिक संसाधनों को संरक्षित करता है और स्थानीय लोगों की आजीविका का समर्थन करता है. इसका अर्थव्यवस्था के राजस्व को बढ़ाने के साथ-साथ, स्थानीय अर्थव्यवस्था और सामाजिक समुदाय में सकारात्मक योगदान होता है.

पर्यटन के क्षेत्र में हरित निवेश बढ़ाने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के साथ-साथ निजी क्षेत्र को भी अपनी भागीदारी दिखानी होगी. इस उद्योग के समक्ष आने वाली कठिनाइयों को दूर करने के लिए सरकार, पर्यटन उद्योग के हितधारकों और लोगों को मिलकर कार्य करने की जरूरत है. साथ ही भारत को एक व्यापक राष्ट्रीय पर्यटन नीति बनाकर अपनी पर्यटन क्षमता का मुद्रीकरण करना चाहिए. इससे भारत के पर्यटन उद्योग की दीर्घकालिक स्थिरता सुनिश्चित हो सकेगी. ●●●

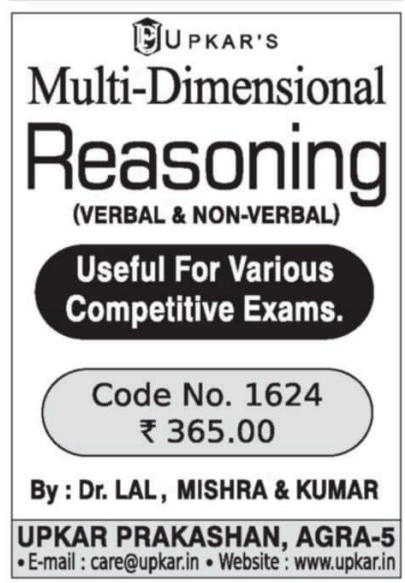

मताधिकार का राजनीतिक और नीतिगत परिणामों पर प्रभाव

आधुनिक राजनीति या लोकतांत्रिक व्यवस्थाओं में अपने राज्य के नागरिकों को देश के संविधान द्वारा प्रदत्त सरकार चलाने हेतु, अपने प्रतिनिधि निर्वाचन करने के अधिकार को मताधिकार कहते हैं.

मताधिकार लैटिन शब्द 'सफ्रागियम' से सम्बन्धित है जिसका मध्यकालीन समय में "वोट, चयन, सहायता, समर्थन, मध्यस्थता प्रार्थना आदि के लिए प्रयोग होता था. वर्तमान में मताधिकार या वयस्क मताधिकार के लिए प्रयोग किया जाने वाला 'फ्रेंचाइज' (फ्रेंच भाषा से लिया गया) शब्द इसी लैटिन शब्द से प्रेरित है. आधुनिक संदर्भ में 'फ्रेंचाइज' शब्द का अर्थ 'स्वतंत्र' होता है. अर्थात् 'मताधिकार' का अर्थ 'स्वतंत्रतापूर्वक अपने प्रतिनिधि का चुनाव करना है".

भारत या अन्य देश जहाँ मताधिकार के लिए कोई आयु सम्बन्धी सीमा का निर्धारण किया गया है, वहाँ इसे 'वयस्क मताधिकार' या अंग्रेजी में 'एडल्ट फ्रेंचाइज' कहा जाता है और जब यही नागरिक अपने 'मताधिकार' का प्रयोग करने और अपनी पसंद के प्रतिनिधि या सरकार चुनने के लिए मतदान प्रक्रिया में भाग लेते हैं, तो इसे चुनाव कहते हैं.

भारत में मतदान के अधिकार का क्रमिक विकास

भारत में 20वीं शताब्दी के दूसरे-तीसरे दशक तक वोट डालने का अधिकार सिर्फ उन्हीं लोगों के पास था जिनके पास या तो अचल सम्पत्ति हुआ करती थी अथवा जो सरकार को कर देते थे. लम्बे समय तक तो सिर्फ वोट देने का अधिकार मात्र पुरुषों के पास ही था. 1935 के 'भारत सरकार अधिनियम' के माध्यम से वोट के लिए सम्पत्ति के स्वामित्व की आवश्यकताओं को काफी कम किया गया. उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व मात्र 2·5 प्रतिशत आबादी को ही वोट का अधिकार था. 1935 में सम्पत्ति के स्वामित्व की आवश्यक शर्त कम होने से यही वोट देने का अधिकार 11·9 प्रतिशत (राष्ट्रीय औसत) आबादी तक बढ़ गया. उल्लेखनीय है कि 1918 के मोंटेग्यू चेम्सफोर्ड रिपोर्ट के बाद 1919 के भारत सरकार अधिनियम के अनुरूप केन्द्रीय और प्रांतीय विधान सभाओं के सदस्यों के लिए प्रत्यक्ष चुनाव का आयोजन किया गया था, अधिनियम ने यह सुनिश्चित किया कि प्रांतीय परिषदों में 70% निर्वाचित हो, हालाँकि मताधिकार निश्चित आय वाले अथवा सम्पत्ति वाले लोगों तक ही सीमित था. 1935 अधिनियम ने इसी सम्पत्ति सीमा को कम किया. इस अधिनियम के अन्य सुधारों में जैसे–कुछ प्रांतों में मताधिकार को शिक्षित व्यक्तियों जिसमें साक्षर महिलाएं तक सम्मिलित, योग्य पुरुष मतदाताओं की पत्नियाँ और उनकी विधवाओं तक विस्तारित किया गया था.

मताधिकार सुधारों में दूसरा महत्वपूर्ण चरण स्वतंत्रता के बाद आया जब 1950 में संविधान द्वारा 21 वर्ष या उससे अधिक के नागरिकों को सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार दिया गया. इस सुधार के बाद पूरे भारत में लगभग 49 प्रतिशत लोगों के पास मतदान का अधिकार हो गया.

उल्लेखनीय है कि वर्तमान में मतदान की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है. जिसे 61वें संविधान संशोधन अधिनियम 1989 द्वारा संशोधित किया गया था.

सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार

परिभाषा–*प्रत्येक वयस्क (संविधान द्वारा निर्धारित आयु) महिला तथा पुरुष को बिना किसी भेदभाव के मत देने का अधिकार है. यह व्यक्तियों को सम्पत्ति अथवा शिक्षा के आधार पर किसी भेदभाव के बिना वोट डालने का अधिकार देता है.*

सर्वप्रथम लागू

- *सर्वप्रथम जर्मनी में 1919 में सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार के सिद्धान्त को लागू किया गया था.*
- *ब्रिटेन में 1918 में कुछ सीमित महिलाओं को मताधिकार प्रदान किया. आगे 21 वर्ष से ऊपर के पुरुष तथा 30 वर्ष से ऊपर की स्त्रियों को वोट डालने का अधिकार प्रदान किया गया. हालाँकि, 1928 में इस आयु सम्बन्धी भिन्नता को समाप्त कर दिया.*
- *वर्ष 1936 में सोवियत संघ द्वारा सार्वभौमिक वयस्क मताधिकार को अपनाया गया.*
- *फ्रांस ने वर्ष 1945 में तथा स्विट्जरलैण्ड में महिलाओं के मताधिकार पर लम्बे समय तक गतिरोध की स्थिति के बाद इसे 1979 में लागू किया गया.*
- *भारत में 1950 में जब संविधान लागू किया गया तभी से वयस्क मताधिकार को अपनाया गया है.*

प्रतिनिधित्व की प्रणालियाँ–*प्रतिनिधियों के चुनाव के दो मुख्य प्रकार हैं–क्षेत्रीय और कार्यकारी प्रतिनिधित्व.*

- ***क्षेत्रीय***–*सबसे प्रचलित तरीका, इसके अन्तर्गत किसी क्षेत्र विशेष (जैसे–भारत में विधान सभा क्षेत्र या लोक सभा क्षेत्र) के मतदाता अपने प्रतिनिधि को चुनते हैं. निर्वाचन के लिए सम्पूर्ण देश को क्षेत्रीय इकाइयों में बाँटा जाता है तथा प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र से एक प्रतिनिधि चुना जाता है.*
- ***कार्यकारी प्रतिनिधित्व***–*इसका अर्थ है कि विभिन्न व्यावसायिक समूहों के प्रतिनिधियों का चुनाव जैसे–औद्योगिक कर्मचारी, व्यापार जगत्, वकील, अध्यापक आदि क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व की तरह यह निर्वाचन क्षेत्रीय आधार पर नहीं बल्कि उनके व्यवसाय पर निर्भर करता है.*
- ***एक सदस्यीय व बहुसदस्यीय निर्वाचन क्षेत्र***–*जब किसी निर्वाचन क्षेत्र से केवल एक सदस्य का चुनाव किया जाए, तो उसे एक सदस्यीय कहते हैं. उदाहरण–भारत, ब्रिटेन, अमरीका, कनाडा, रूस, आस्ट्रेलिया, नेपाल और पाकिस्तान. भारत में आम चुनावों जैसे–लोक सभा, विधान सभा आदि में 'फर्स्ट पास्ट द पोस्ट सिस्टम' को ही अपनाया जाता है.*
  वही बहुसदस्यीय जिसे 'सामान्य टिकट प्रणाली' भी कहते हैं. इसमें किसी निर्वाचन क्षेत्र में एक से अधिक सदस्य चुने जाते हैं. उदाहरण–स्विट्जरलैण्ड, डेनमार्क, स्वीडन और इटली. इस प्रणाली में 'आनुपातिक प्रतिनिधित्व' अपनाया जाता है.
- ***एकल संक्रमणीय मत प्रणाली***–*इसे 'हेयर सिस्टम' या 'आंद्रे योजना' के नाम से भी जाना जाता है. इस प्रणाली के अन्तर्गत एक मतदाता केवल एक ही मत देने का अधिकारी होता है, किन्तु यदि वह चाहे तो अपने इस वोट को किसी दूसरे प्रत्याशी को भी बदल कर दे सकता है. इसके लिए उसे मतपत्र पर अपनी वरीयता दर्ज करनी पड़ती है. भारत के राष्ट्रपति चुनाव में यही प्रणाली अपनाई जाती है.*
- ***आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली***–*जे. एस. मिल इसके महान् समर्थक थे. इस चुनाव प्रणाली के तहत् लगभग सभी वर्गों के प्रतिनिधियों को चुने जाने का प्रयास किया जाता है. इस निर्वाचन व्यवस्था में प्रत्येक राजनैतिक दल को उतनी ही सीटें मिलती हैं जिस अनुपात में उसे वोट प्राप्त हुआ है. आनुपातिक प्रतिनिधित्व दो प्रकार का होता है–(i) एकल संक्रमणीय मत प्रणाली (ii) सीमित मत व्यवस्था.*

मताधिकार का राजनीतिक और नीतिगत परिणामों पर प्रभाव

मताधिकार, सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने और लोकतंत्र के पूर्ण लाभों को प्राप्त करने के लिए सबसे महत्वपूर्ण कारकों में से एक माना जाता है. ऐसा इसलिए क्योंकि जिन राज्यों या क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत अधिक होता है. वहाँ राजनीतिक प्रतिनिधित्व पार्टियों या सदस्यों द्वारा अधिक जनोपयोगी कार्यक्रमों, सुधारों और लोकतांत्रिक शुचिता पर ध्यान दिया जाता है. साथ ही ऐसे राज्यों या क्षेत्रों में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा भी अधिक देखने को मिलती है. अतः निर्वाचित पार्टियाँ जनता के बीच अधिक सहभागिता और कार्यों के माध्यम से अपनी सक्रियता को बनाए रखने का प्रयास करती है. ऐसे मताधिकार प्रयोग वाले क्षेत्रों में मतदाता जागरुकता, प्रतिनिधियों के सम्बन्ध में जानकारी और चुनाव पश्चात् कार्यान्वयन नीतियों के परिणामों आदि के बारे में अधिक जानकारी प्राप्त होती है. हालाँकि, वर्तमान समय में भारत में मताधिकार, से अब भी कुल मतदाताओं का एक-तिहाई अपने मताधिकार (पिछले लोक सभा के चुनाव में) का प्रयोग करने से दूर रहते हैं.

उदाहरण के लिए, भारत में वर्ष 1951 के बाद से मतदाताओं की कुल संख्या में लगभग छह गुना से अधिक की वृद्धि देखी गई है. वर्तमान में चुनाव आयोग के अनुसार लगभग 96·88 करोड़ लोगों ने मतदान के लिए पंजीकरण कराया है. एसएसआर डाटा 2024 के अनुसार मतदाता सूची में 2·63 करोड़ से अधिक नए मतदाताओं को शामिल किया गया है, जिनमें से लगभग 1·41 करोड़ महिला मतदाता हैं, जो नए नामांकित पुरुष मतदाताओं (~1·22 करोड़) से 15 प्रतिशत से अधिक है.

मतदाता डाटा-2024	
मतदाता वर्गीकरण	**कुल मतदाता**
पुरुष मतदाता	49·7 करोड़
महिला मतदाता	47·1 करोड़
थर्ड जेंडर मतदाता	48,044
पीडब्ल्यूडी मतदाता	88·35 लाख
18-19 आयु वर्ग के मतदाता	1·85 करोड़
कुल मतदाता	**96·88 करोड़**

- मतदाता, निर्वाचित प्रतिनिधि या बहुमत पार्टी की नीतिगत योजनाओं को प्रभावित कर सकता है, क्योंकि अधिक जागरूक मतदाता यदि चुनाव के समय जातिगत और दलगत राजनीति से ऊपर उठकर सरकार की नीति, अपने प्रतिनिधि की शुचिता छवि और कार्य प्राथमिकता को ध्यान में रखकर मताधिकार का प्रयोग करती है, तो ऐसे क्षेत्रों में मतदाताओं की प्राथमिकताओं को ही ध्यान में रखकर पक्ष और विपक्ष अपने उम्मीदवारों का चयन नीतियों का क्रियान्वयन और विश्वास जीतने का प्रयास करते हैं.
- चुनावी राजनीति में जन-भागीदारी की सहभागिता का दो मानकों के आधार पर वर्गीकरण किया जा सकता है, एक कुल पंजीकृत मतदाता का वह भाग जो वास्तविकता चुनाव के समय अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं और दूसरा प्रति 1000 पंजीकृत मतदाताओं पर प्रतिनिधि या उम्मीदवारों की संख्या कितनी है. यदि इन्हीं दो मानकों के आधार पर अध्ययन विश्लेषणों को देखा जाए, तो पाया गया है कि जिन क्षेत्रों में मताधिकार बहुत अधिक बढ़ा है, उनमें कम वृद्धि वाले क्षेत्रों की तुलना में मतदाता प्रतिशत में उतनी अधिक वृद्धि नहीं देखी गई है. ये परिणाम बताते हैं कि नए मताधिकार प्राप्त मतदाता जो अपेक्षाकृत अधिक जागरूक और शिक्षित होने के बाद भी उतने अधिक सक्रिय नहीं है. यह बिन्दु चिंताजनक इसलिए है, क्योंकि मतदाता की बढ़ी संख्या और उनकी सक्रिय भागीदारी, राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण वृद्धि होती है. उदाहरण के लिए 1935 के अधिनियम सुधारों द्वारा जब मतदाताओं की संख्या में वृद्धि और मतदाता सक्रियता में वृद्धि हुई, तो परिणामस्वरूप प्रांतीय विधान सभाओं के सदस्यों के पुनर्निर्वाचन दर में कमी आई अर्थात् इसने प्रतिनिधियों के बीच प्रतिस्पर्धा को अधिक बढ़ाया.
- एक अन्य नीतिगत परिणाम के विश्लेषण आधार पर देखा गया है कि जिन क्षेत्रों में मतदाताओं द्वारा अपने वोट देने के प्रयोग में 10 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, वहाँ प्रति व्यक्ति 5 प्रतिशत उच्च शिक्षा व्यय हुआ है. अर्थात् ऐसे क्षेत्रों में आर्थिक विकास और शिक्षा पर विशेष जोर दिया गया है.
- स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत में मतदाताओं की संख्या में तो वृद्धि हुई है, लेकिन उस अनुपात में मतदाताओं की राजनीतिक सक्रियता में वृद्धि नहीं देखी गई है. अतः अब भी सरकार की जवाबदेही और लोकतंत्र के पूर्ण लाभों को प्राप्त करने के लिए अन्य पूरक सुधारों के साथ मतदाता जागरूकता में वृद्धि की आवश्यकता है.

भारत में मतदान कौन कर सकता है ?

भारतीय नागरिक जिसने 18 वर्ष की आयु प्राप्त कर ली है. सम्बन्धित निर्वाचन क्षेत्र की मतदाता सूची में नाम शामिल हो. मानसिक रूप से स्वस्थ्य, कुछ परिस्थितियाँ जैसे—मानसिक अस्वस्थता, अपराध के कारण कानून द्वारा अयोग्य या दिवालिया घोषित न हो.

भारत में मतदाता अधिकार

- मतदाता अधिकार आईपीसी की धारा 17(A)B के तहत् एक कानूनी अधिकार, अर्थात् किसी व्यक्ति के उम्मीदवार के रूप में चुनाव में भाग लेने, न लेने, किसी चुनाव में मतदान करने या न करने का निर्णय आदि.
- संविधान का अनुच्छेद 325 वयस्क मताधिकार सुनिश्चित करता है. अतः किसी व्यक्ति को धर्म, नस्ल, जाति या लिंग के आधार पर अयोग्य नहीं ठहराया जा सकता है.

भारत में मतदाता को प्रभावित करने वाले कारक

- भारत में मतदाता या मतदान व्यवहार को प्रभावित करने वाले प्रमुख कारकों में जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्रवाद, आर्थिक स्थिति, राजनीतिक नेतृत्व शिक्षा और जागरूकता आदि.
- जाति के संदर्भ में रजनी कोठारी का मत है कि "भारत की राजनीति जातिवादी है और भारत में जातियाँ राजनीतिकृत हैं" उत्तर भारत और दक्षिण भारत की राजनीति में भाषा एक महत्वपूर्ण प्रभावी कारक है.

मतदाता जागरूकता के लिए प्रयास

- भारत में मतदाताओं की सक्रियता और चुनावों में मतदान बढ़ाने लिए प्रत्येक वर्ष की 25 जनवरी को 'मतदाता दिवस' मनाया जाता है. इसके अतिरिक्त सरकार चुनावों के समय विभिन्न मतदाता जागरूकता अभियान आदि का संचालन करता है. उदाहरण के लिए, आगामी 17वीं लोक सभा चुनावों में पंजीकृत मतदाताओं की अधिक-से-अधिक भागीदारी के लिए शिक्षा मंत्रालय और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने संयुक्त रूप से एक राष्ट्रव्यापी जागरूकता अभियान "मेरा पहला वोट देश के लिए" शुरू किया.
- **तकनीकी सुधार—**इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम), निर्वाचक फोटो पहचान-पत्र (ईपीआईसी) जारी, मतदाता हेल्प लाइन ऐप आदि.
- **प्रशासनिक सुधार—**दिनेश गोस्वामी समिति (1990) की कुछ प्रमुख सिफारिशें वर्ष 1996 में लागू की गई. सशस्त्र बलों से सम्बन्धित सेवा मतदाताओं और बल से सम्बन्धित सदस्यों को प्रॉक्सी के माध्यम से वोट देने का विकल्प चुनने की सुविधा प्रदान की गईं. ईवीएम में ब्रेल साइनेज सुविधाओं की शुरूआत, 2013 में सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के अनुसार ईवीएम/मतपत्रों आदि में 'नोटा' विकल्प का प्रावधान सुनिश्चित किया गया है.

●●●

जलवायु परिवर्तन और जनसंख्या प्रबंधन लेख

परिवार नियोजन : जलवायु परिवर्तन से बचने की रणनीति

जलवायु परिवर्तन हमारे समय की सबसे गंभीर चुनौतियों में से एक है, जिसका ग्रह और भावी पीढ़ियों पर दूरगामी प्रभाव पड़ता है, जबकि जलवायु परिवर्तन के बारे में चर्चा अक्सर नीतिगत बदलावों और तकनीकी प्रगति पर केन्द्रित होती है, यद्यपि परिवार नियोजन और जलवायु परिवर्तन के बीच एक महत्वपूर्ण सम्बन्ध है, जो ध्यान देने योग्य है.

इस सम्बन्ध को समझकर और सम्बोधित करके, हम जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठा सकते हैं.

परिवार नियोजन और जलवायु परिवर्तन के बीच एक प्रमुख सम्बन्ध जनसंख्या वृद्धि में निहित है. 2050 तक विश्व की जनसंख्या 9·7 अरब तक पहुँचने का अनुमान है, जो अनिवार्य रूप से प्राकृतिक संसाधनों पर अतिरिक्त दबाव डालेगा और कार्बन उत्सर्जन में वृद्धि में योगदान देगा.

परिवार नियोजन कार्यक्रम जो गर्भनिरोधक और प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच प्रदान करते हैं, जनसंख्या वृद्धि को धीमा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जिससे पर्यावरण पर दबाव कम होता है और जलवायु परिवर्तन के प्रभाव कम होते हैं.

परिवार नियोजन कार्यक्रमों में अक्सर शैक्षिक घटक शामिल होते हैं, जो पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर जनसंख्या वृद्धि के प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाते हैं. व्यक्तियों और समुदायों को छोटे परिवार के आकार और टिकाऊ प्रथाओं के लाभों के बारे में शिक्षित करके, परिवार नियोजन पहल पर्यावरणीय जिम्मेदारी की संस्कृति को बढ़ावा दे सकती है और व्यवहार परिवर्तन को प्रोत्साहित कर सकती है.

जलवायु परिवर्तन पर इसके प्रभाव के अलावा, परिवार नियोजन के कई स्वास्थ्य लाभ हैं. गर्भधारण में अन्तर रखकर और अनपेक्षित गर्भधारण को कम करके, परिवार नियोजन मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य परिणामों में सुधार करता है. स्वस्थ आबादी जलवायु परिवर्तन के प्रभावों, जैसे बढ़ी हुई गर्मी, वायु प्रदूषण और संक्रामक रोगों के प्रति अधिक लचीली होती है.

जलवायु परिवर्तन भावी पीढ़ियों के लिए एक बड़ा खतरा है. परिवार नियोजन के माध्यम से जनसंख्या वृद्धि को सम्बोधित करके, हम भावी पीढ़ियों पर बोझ को कम कर सकते हैं और उनके लिए अधिक टिकाऊ दुनिया बना सकते हैं. परिवार नियोजन परिवारों को ऐसे विकल्प चुनने की अनुमति देता है, जो ग्रह की दीर्घकालिक हितों पर विचार करते हुए उनके मूल्यों और आकांक्षाओं के अनुरूप हों.

परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुँच को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर एक मानव अधिकार के रूप में मान्यता प्राप्त है, क्योंकि यह चुनने की क्षमता से अधिक एक मौलिक अधिकार है कि क्या, कब और किसके साथ बच्चे पैदा करने हैं. व्यापक प्रजनन स्वास्थ्य देखभाल तक पहुँच सुनिश्चित करना भी दुनिया भर में सतत् विकास पहल का एक अनिवार्य घटक है, क्योंकि इससे समाज को असंख्य सामाजिक, आर्थिक और पर्यावरणीय लाभ मिलते हैं– इतना कि संयुक्त राष्ट्र के सतत् विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए परिवार नियोजन तक पहुँच बढ़ाना महत्वपूर्ण है.

यह समझना महत्वपूर्ण है कि परिवार नियोजन जलवायु परिवर्तन से निपटने का सिर्फ एक पहलू है. इसे अन्य रणनीतियों जैसे कि नवीकरणीय ऊर्जा में परिवर्तन, टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए नीतियों को लागू करना चाहिए. परिवार नियोजन को व्यापक जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों में एकीकृत करके, हम सभी के लिए अधिक टिकाऊ और लचीले भविष्य की दिशा में काम कर सकते हैं.

जलवायु परिवर्तन में जनसंख्या की भूमिका

जनसंख्या वृद्धि और जलवायु परिवर्तन सीधे तौर पर जुड़े हुए हैं और दुनिया भर में उनके व्यापक सामाजिक-आर्थिक, पर्यावरणीय और स्वास्थ्य संदर्भों में इस पर विचार किया जाना चाहिए. ऐतिहासिक रूप से, कुल उत्सर्जन और जनसंख्या में लगातार वृद्धि हुई है उदाहरण के लिए 1970–2019 की अवधि में, जनसंख्या में 108 प्रतिशत की वृद्धि हुई वहीं कुल कार्बन उत्सर्जन में 141 प्रतिशत की वृद्धि हुई. प्रजनन स्वास्थ्य और शिक्षा तक पहुँच बढ़ाने से व्यक्तिगत, समुदाय और राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु लचीलापन और अनुकूली क्षमता बढ़ती है. लम्बी अवधि में, स्वैच्छिक परिवार नियोजन में अधिकार-आधारित निवेश के माध्यम से धीमी जनसंख्या वृद्धि वैश्विक स्तर पर मैक्रो-स्तरीय उत्सर्जन ऑफसेट के माध्यम से जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है.

गौरतलब है कि जनसंख्या वृद्धि कई तरीकों से जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न खतरों को बढ़ाती है, तीव्र जनसंख्या वृद्धि से संसाधनों की कमी, आर्थिक असुरक्षा और समग्र स्वास्थ्य में कमी आ सकती है. तेजी से जनसंख्या वृद्धि का अनुभव करने वाले कई देशों में परिवार नियोजन की बहुत अधिक आवश्यकता है और वे जलवायु परिवर्तन से तेजी से और सबसे अधिक प्रभावित हो रहे हैं. हालाँकि भविष्य में यह स्थिति और विकराल होने की आशंका है.

परिवार नियोजन और निम्न कार्बन उत्सर्जन के बीच सम्बन्ध

कार्बन फुटप्रिंट पर परिवार नियोजन का प्रभाव

- ओरेगॉन स्टेट यूनिवर्सिटी के सांख्यिकीविदों ने एक अध्ययन में निष्कर्ष निकाला है कि संयुक्त राज्य अमरीका में, एक अतिरिक्त बच्चे की कार्बन विरासत और ग्रीन हाउस गैस का प्रभाव कुछ अन्य पर्यावरणीय रूप से संवेदनशील प्रथाओं की तुलना में लगभग 20 गुना अधिक महत्वपूर्ण है, जिन्हें लोग अपने पूरे जीवन में नियोजित कर सकते हैं.
- गर्भनिरोधक और कानूनी गर्भपात को निःशुल्क उपलब्ध कराकर अवांछित जन्मों को रोकने से वैश्विक कार्बन उत्सर्जन में लगभग 10 प्रतिशत या प्रति वर्ष 3·6 गीगाटन की कमी आएगी, जो जर्मनी, जापान, ब्राजील, तुर्की, मैक्सिको और आस्ट्रेलिया के कुल संयुक्त उत्सर्जन से अधिक है.
- एनवायर्नमेंटल रिसर्च लेटर्स में एक अध्ययन के अनुसार, एक कम बच्चा पैदा करने को ऐसी जीवन शैली पसंद के रूप में पहचाना गया है, जिसमें वार्षिक व्यक्तिगत उत्सर्जन को कम करने की सबसे बड़ी क्षमता है, जो औसतन 58 टन प्रति कार्बन डाइऑक्साइड के बराबर है.

जनसंख्या नियंत्रण और जलवायु परिवर्तन शमन

- विभिन्न हालिया अध्ययनों से ज्ञात होता है कि यदि परिवार नियोजन और महिला सशक्तिकरण रणनीतियों को विश्व स्तर पर लागू किया जाता है, तो वार्षिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन में कमी आएगी.
- महिलाओं और लड़कियों के लिए बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, शिक्षा और आर्थिक अवसर जैसी रणनीतियों के माध्यम से स्वेच्छा से प्रजनन दर कम करने से 2100 तक उत्सर्जन में 35% की कमी की जा सकती है.
- शहरी स्वरूप में सुधार, विशेष रूप से मेसोमाइक्रो पैमाने पर, अन्य कार्बन-

सम्बन्धित कारकों, जैसे बृहद-उद्योग या ऊर्जा संरचना की तुलना में अपेक्षाकृत तेज और किफायती है. इसलिए, शहरी स्वरूप और कार्बन उत्सर्जन के बीच सह-सम्बन्ध पर एक अध्ययन करना महत्वपूर्ण है, जो कम कार्बन वाले शहर की योजना के लिए प्रत्यक्ष वैज्ञानिक सहायता प्रदान करता है.

वैश्विक प्रभाव और नीति निहितार्थ

- CO_2 उत्सर्जन को कम करने के लिए गर्भनिरोधक और कानूनी गर्भपात की क्षमता पर गौर किया जाना चाहिए, इस सुझाव के साथ कि परिवार नियोजन के स्वैच्छिक उपयोग में बाधाओं को हटाने से उत्सर्जन को नियंत्रित करने और कार्बन को कम करने में मदद मिल सकती है.
- प्रोजेक्ट ड्रॉडाउन के अनुसार विश्व स्तर पर महिलाओं और लड़कियों के स्वास्थ्य और शिक्षा में सुधार से वे तुलनात्मक रूप से धीमी जनसंख्या वृद्धि के कारण 85 गीगाटन कार्बन डाइ-ऑक्साइड के बराबर बचत के दुष्प्रभाव के साथ जलवायु संकट के लिए बेहतर ढंग से तैयार हो सकेंगी.

जलवायु परिवर्तन से अतिरिक्त परिवार नियोजन के फायदे

परिवार नियोजन जलवायु परिवर्तन पर इसके प्रभाव के अलावा भी कई लाभ प्रदान करता है :

- **स्वास्थ्य पर प्रभाव**—भारत में परिवार नियोजन कार्यक्रम यौन एवं प्रजनन स्वास्थ्य सेवाओं तथा परामर्श जानकारी तक सार्वभौमिक पहुँच प्रदान करके महिलाओं के स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालते हैं. इन कार्यक्रमों के स्वास्थ्य से परे भी दूरगामी लाभ हैं, जो विभिन्न सतत् विकास लक्ष्यों (एसडीजी) जैसे—लक्ष्य 1 (गरीबी की पूर्णतः समाप्ति), लक्ष्य 3 (बेहतर स्वास्थ्य और जीवन स्तर), लक्ष्य 5 (लैंगिक समानता), लक्ष्य 8 (बेहतर काम और आर्थिक विकास) और लक्ष्य 10 (असमानता में कमी) को सकारात्मक रूप से प्रभावित करते हैं.
- **सशक्तिकरण और समानता**—परिवार नियोजन अपना कर महिलाओं के शारीरिक देखभाल और विभिन्न निकायों के साथ मिलकर उनको सशक्त बनाकर समाज में लैंगिक समानता प्राप्त करने हेतु परिवार नियोजन सर्वाधिक लागत प्रभावी समाधानों में से एक साबित हो सकता है.
- **लागत-प्रभावी जलवायु कार्यवाही**—हालिया शोध से ज्ञात होता है कि लड़कियों की शिक्षा के साथ परिवार नियोजन, 2050 तक 85 गीगाटन CO_2 के बराबर उत्सर्जन को रोक सकता है, जो सम्भवतः पवन ऊर्जा के बड़े पैमाने पर विकास के बराबर है. सौर ऊर्जा ($ 28 प्रति टन) या नए कोयला संयंत्रों से कार्बन कैप्चर और भंडारण ($ 95 प्रति टन) जैसे अन्य विकल्पों की तुलना में परिवार नियोजन में निवेश के माध्यम से होने वाला उत्सर्जन (लगभग $ 4·50 प्रति टन CO_2) भी बहुत सस्ता है.
- **जनसंख्या स्थिरीकरण**—भारत ने प्रतिस्थापन स्तर की प्रजनन क्षमता हासिल कर ली है, लगभग 31 राज्य और केन्द्रशासित प्रदेश 2·1 या उससे कम की कुल प्रजनन दर (टीएफआर) तक पहुँच गए हैं. यह इंगित करता है कि प्रजनन क्षमता का वह स्तर जिस पर एक जनसंख्या स्वयं को एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में प्रतिस्थापित करती है, हासिल कर लिया गया है, जो जनसंख्या स्थिरीकरण में परिवार नियोजन प्रयासों की सफलता को दर्शाता है.
- **प्रजनन स्वास्थ्य और कल्याण**—गर्भ-निरोधक तक पहुँच अनपेक्षित गर्भधारण को कम या सीमित कर सकती है, फलस्वरूप यह खाद्य-असुरक्षित समुदायों को जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों से निपटने में मदद करती है और संकट के समय में परिवारों को स्वस्थ और अधिक लचीला बनाती है. परिवार नियोजन मातृ, शिशु और बाल मृत्यु दर और रुग्णता को कम करने, प्रजनन स्वास्थ्य और समग्र कल्याण को बढ़ावा देने में योगदान देता है.

भारत में परिवार नियोजन के लिए चुनौतियाँ और बाधाएँ

भारत में परिवार नियोजन पहल को सांस्कृतिक, धार्मिक, नीतिगत और पहुँच सम्बन्धी आयामों सहित कई चुनौतियों और बाधाओं का सामना करना पड़ता है. ये चुनौतियाँ परिवार नियोजन कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन और गर्भनिरोधक सेवाओं तक पहुँच पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकती हैं.

सांस्कृतिक और धार्मिक बाधाएँ

- सांस्कृतिक और धार्मिक मान्यताएँ परिवार नियोजन और गर्भनिरोधक के उपयोग के प्रति दृष्टिकोण को नकारात्मक रूप से प्रभावित करती हैं, जिससे गर्भपात और नियोजन सेवाओं के प्रति लोगों में पूर्वधारणा और असंगतता उत्पन्न होती है.
- सामाजिक मानदण्ड और परम्पराएँ प्रजनन स्वास्थ्य और परिवार नियोजन के बारे में खुली चर्चा को हतोत्साहित करती हैं, जिसका मूल कारण जागरूकता और समझ की कमी है.

गर्भ निरोधकों की कमी

- विभिन्न प्रकार के गर्भनिरोधक तरीकों की सीमित उपलब्धता और पहुँच परिवार नियोजन प्रयासों में एक महत्वपूर्ण बाधा उत्पन्न करती है.
- ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों में गर्भ निरोधकों का असमान वितरण और अपर्याप्त आपूर्ति व्यक्तियों की उनके प्रजनन स्वास्थ्य के बारे में सूचित विकल्प चुनने की क्षमता में बाधा डालती है.

राजनीतिक और नीति परिवर्तन

- अपर्याप्त नीति समर्थन और असंगत राजनीतिक प्रतिबद्धता परिवार नियोजन कार्यक्रमों के प्रभावी कार्यान्वयन में बाधा डाल सकती है.
- इन चुनौतियों पर काबू पाने के लिए व्यापक नीतियों की आवश्यकता है, जो गर्भनिरोधक सेवाओं तक पहुँच, देखभाल की गुणवत्ता और समानता की बाधाओं को दूर करें.

सामाजिक और आर्थिक बाधाएँ

- आर्थिक असमानताएँ और स्वास्थ्य सुविधाओं तक सीमित पहुँच, विशेष रूप से ग्रामीण और दूरदराज के इलाकों में, व्यक्तियों को परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुँचने में बाधा बन सकती है.
- सामाजिक कलंक और भेदभाव, विशेष रूप से हाशिए पर रहने वाले समूहों के खिलाफ, प्रजनन स्वास्थ्य सेवाएँ प्राप्त करने में बाधाएँ पैदा कर सकते हैं.

शैक्षिक और जागरूकता सम्बन्धी बाधाएँ

- गर्भनिरोधक तरीकों और परिवार नियोजन के बारे में सीमित शिक्षा और जागरूकता अधूरी जरूरतों और सेवाओं के कम उपयोग में योगदान करती है.
- प्रजनन स्वास्थ्य और परिवार नियोजन विकल्पों के बारे में अपर्याप्त ज्ञान गलत धारणाओं और जोखिम की अवास्तविक धारणाओं को जन्म दे सकता है, जिससे सूचित निर्णय लेने में बाधा उत्पन्न हो सकती है.

ये चुनौतियाँ और बाधाएँ भारत में परिवार नियोजन पहल की जटिल और बहुआयामी प्रकृति को उजागर करती हैं. इन मुद्दों को सम्बोधित करने के लिए एक व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है जिसमें सांस्कृतिक संवेदनशीलता, नीति सुधार, बेहतर पहुँच और बढ़ी हुई जागरूकता और शिक्षा शामिल हो.

जलवायु परिवर्तन शमन हेतु परिवार नियोजन को बढ़ावा देने की रणनीतियाँ

भारत सहित दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन शमन हेतु परिवार नियोजन को बढ़ावा देने के लिए रणनीतियाँ निम्नलिखित हैं :

एकीकृत विकास दृष्टिकोण

- जनसंख्या वृद्धि और पर्यावरणीय स्थिरता की परस्पर जुड़ी चुनौतियों का समाधान करने के लिए परिवार नियोजन पहल को जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और लचीलापन रणनीतियों के साथ एकीकृत किया जाना चाहिए.
- साथ ही व्यापक कार्यक्रम लागू किए जाएं जो परिवार नियोजन सेवाओं को सतत् विकास लक्ष्यों से जोड़ते हैं, जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन में प्रजनन स्वास्थ्य की भूमिका पर जोर देते हैं.

नीति और वकालत

- राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर जलवायु परिवर्तन शमन रणनीतियों में परिवार नियोजन के एकीकरण को प्राथमिकता देने वाले नीतिगत ढाँचे की आवश्यकता है.
- जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और लचीलेपन प्रयासों के हिस्से के रूप में परिवार नियोजन सेवाओं तक पहुँच का समर्थन करने वाली नीतियों को विकसित करने और लागू करने के लिए सरकारी और गैर-सरकारी संगठनों के साथ सहयोग अपरिहार्य होगा.

क्षमता निर्माण और जागरूकता

- जलवायु परिवर्तन शमन के संदर्भ में परिवार नियोजन सेवाएं प्रदान करने में स्वास्थ्य सेवा प्रदाताओं और सामुदायिक कार्यकर्ताओं के ज्ञान और कौशल को बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण कार्यक्रम संचालित किए जा सकते हैं.
- शैक्षिक अभियानों, सामुदायिक आउटरीच और मीडिया सहभागिता के माध्यम से परिवार नियोजन और जलवायु परिवर्तन शमन के बीच सम्बन्ध के बारे में जागरूकता बढ़ाया जाना चाहिए.

डेटा-संचालित दृष्टिकोण

- जनसंख्या की गतिशीलता और कार्बन उत्सर्जन पर परिवार नियोजन के प्रभाव को समझने के लिए साक्ष्य-आधारित निर्णय लेने के महत्व पर जोर देते हुए मजबूत वैज्ञानिक डेटा और विश्लेषण का उपयोग किया जा सकता है.
- एकीकृत रणनीतियों के मामले का समर्थन करते हुए, कार्बन उत्सर्जन को कम करने और जलवायु लचीलापन बनाने में परिवार नियोजन के सह-लाभों को प्रदर्शित करने के लिए डेटा का लाभ उठाया जा सकता है.

साझेदारी और फंडिंग

- जनसंख्या की गतिशीलता और पर्यावरणीय स्थिरता को सम्बोधित करने वाली संयुक्त पहल के लिए संसाधनों और विशेषज्ञता का लाभ उठाने के लिए जलवायु परिवर्तन और परिवार नियोजन संगठनों के बीच साझेदारी को बढ़ावा देना.
- जलवायु परिवर्तन शमन रणनीति के रूप में परिवार नियोजन को बढ़ावा देने वाले एकीकृत कार्यक्रमों का समर्थन करने के लिए अन्तर्राष्ट्रीय जलवायु वित्त तंत्र से धन जुटाना.

सामुदायिक सहभागिता एवं सशक्तिकरण

- स्थानीय समुदायों को उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और सांस्कृतिक संदर्भों के अनुरूप कार्यक्रमों के डिजाइन और कार्यान्वयन में शामिल करके परिवार नियोजन पहल का स्वामित्व लेने के लिए सशक्त बनाया जाना चाहिए.
- प्रमुख हितधारकों के रूप में उनकी भूमिका को पहचानते हुए, परिवार नियोजन और जलवायु परिवर्तन अनुकूलन से सम्बन्धित निर्णय लेने की प्रक्रियाओं में महिलाओं, युवाओं और हाशिए पर रहने वाले समुदायों को शामिल किया जाना चाहिए.

यदि इन रणनीतियों को एकजुटता से लागू किया जाता है, तो वे भारत और वैश्विक स्तर पर जलवायु परिवर्तन शमन प्रयासों के एक महत्वपूर्ण घटक के रूप में परिवार नियोजन को बढ़ावा देने में योगदान दे सकती हैं. जनसंख्या की गतिशीलता और पर्यावरणीय स्थिरता को एक साथ सम्बोधित करके, ये एकीकृत दृष्टिकोण मानव कल्याण और ग्रह के स्वास्थ्य दोनों पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव उत्पन्न करने की क्षमता रखते हैं.

यद्यपि परिवार नियोजन और जलवायु परिवर्तन शमन के बीच सम्बन्ध निर्विवाद है, जिसमें कार्बन उत्सर्जन को कम करने और पर्यावरणीय लचीलापन बढ़ाने में प्रभावी जनसंख्या प्रबंधन की महत्वपूर्ण भूमिका का समर्थन करने वाले साक्ष्य हैं. जलवायु परिवर्तन रणनीति के रूप में परिवार नियोजन को प्राथमिकता देकर, सरकारें, संगठन और व्यक्ति सतत् विकास और एक स्वस्थ ग्रह में योगदान दे सकते हैं.

अपितु रणनीति स्पष्ट है : जलवायु परिवर्तन अनुकूलन और शमन प्रयासों में परिवार नियोजन को एकीकृत करें, सहायक नीतियों को प्रोत्साहित करें, क्षमता निर्माण और जागरूकता अभियानों में निवेश करें और प्रभावशाली परिवर्तन लाने के लिए साझेदारी को बढ़ावा दें. यह जरूरी है कि हम जनसांख्यिकीय रुझानों से परे परिवार नियोजन के सह-लाभों को पहचानें और जलवायु परिवर्तन के प्रति हमारी सामूहिक प्रतिक्रिया के प्रमुख घटक के रूप में इसे प्राथमिकता दें. ऐसा करके, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए अधिक टिकाऊ और लचीले भविष्य का मार्ग प्रशस्त कर सकते हैं. ●●●

शेष पृष्ठ 67 का

4. मतदाता केन्द्र से मतदान के दिन 100 मीटर के क्षेत्र में किसी भी प्रकार का चुनाव प्रचार नहीं कर सकते.
5. प्रशासन की अनुमति से ही रोड शो, लाउडस्पीकर का प्रयोग, चुनाव सभाएं, रैली, पोस्टर आदि का प्रयोग प्रचार में किया जा सकता है.
6. सभी राजनीतिक दलों चुनाव प्रचार चुनाव समाप्ति (मतदान समाप्ति) के समय से 48 घण्टे पहले समाप्त करना अनिवार्य है.

अन्य महत्वपूर्ण तथ्य

- मुख्य निर्वाचन आयुक्त–राजीव कुमार
  निर्वाचन आयुक्त–ज्ञानेश कुमार
  निर्वाचन आयुक्त–डॉ. सुखबीर सिंह संधू
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस–25 जनवरी (2011 से निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है)
- यदि दो से अधिक उम्मीदवार एक निर्वाचन क्षेत्र से प्रत्याशी हैं और विजयी उम्मीदवार को किसी कारण से विधिवत् अयोग्य ठहरा दिया जाता है, तो दूसरे स्थान पर रहे प्रत्याशी को विजयी घोषित नहीं किया जाता है पुनः चुनाव कराया जाता है.
- यदि किसी प्रत्याशी की मृत्यु नामांकन करने के बाद निर्वाचन पूरा होने से पहले हो जाती है, तो मान्यता प्राप्त राजनीतिक दल जिसका कि वह सदस्य था, निर्वाचन आयोग की सूचना के सात दिन के अंदर दूसरा प्रत्याशी विधिवत् नामांकित करता है. मृत्यु पर चुनाव स्थगित कर दिया जाता है तथा बाद में दूसरे व्यक्ति का नामांकन होने के बाद कराया जाता है.
- 11 सितम्बर, 2013 से यह प्रावधान है कि सरकारी कम्पनियों को छोड़कर कोई भी व्यक्ति या कम्पनी राजनीतिक दलों को ₹ 20,000 से अधिक अंशदान देने वाले को आयकर अधिनियम 1961 के तहत् छूट पाने के लिए निर्वाचन आयोग को सूचित करना अनिवार्य है.
- लोक सभा के अब तक के सभी 17 चुनावों में सर्वाधिक मतों (6,89,668) के अन्तर से विजय प्राप्त करने का रिकॉर्ड गुजरात के नवसारी चुनाव क्षेत्र से 2019 में विजयी रहे भाजपा प्रत्याशी सी. आर. पाटिल के नाम है, उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वन्द्वी धर्मेश भाई भीमभाई पटेल को 6,89,668 मतों से हराया था. ●●●

अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध लेख

बहुपक्षीय आयामों के साथ बढ़ता भारत-यूएई द्विपक्षीय सम्बन्ध

—विजन कुमार पाण्डेय

पिछले कुछ वर्षों में भारत और यूएई के रिश्तों में खासी निकटता आई है. फरवरी 2024 में जब मोदी यूएई पहुँचे थे, तो राष्ट्रपति मोहम्मद बिन जायद अल-नाहयान प्रोटोकॉल तोड़ कर खुद अबू धाबी एयरपोर्ट पर मोदी के स्वागत में खड़े थे. यूएई ने नरेन्द्र मोदी को अपने सर्वोच्च नागरिक सम्मान ऑर्डर ऑफ जायद से नवाजा था. श्री नरेन्द्र मोदी पिछले 9 वर्ष से प्रधानमंत्री हैं. अब तक के अपने शासन के दौरान उन्होंने खाड़ी देशों से भारत के सम्बन्धों को बढ़ाने पर खासा ध्यान दिया है. 2014 में जब वे प्रधानमंत्री बने, तो 2002 के गुजरात दंगों को लेकर खाड़ी देशों में बनी उनकी छवि से लग रहा था कि इसका असर भारत के साथ उनके सम्बन्धों पर पड़ सकता है, लेकिन इसके उलट उन्होंने खाड़ी देशों के साथ भारत के सम्बन्धों को मजबूत बनाने वाले कदम उठा कर सबको चौंकाया है. अपने 9 वर्ष के शासन में उन्होंने खाड़ी के इस्लामिक देशों से सम्बन्धों को मजबूत करने को काफी गम्भीरता से लिया है. जहाँ तक यूएई का सवाल है, तो मोदी ने यहाँ का पहला दौरा अगस्त 2015 में, दूसरा फरवरी 2018 में और तीसरा अगस्त 2019 में किया और चौथा दौरा जून 2022 में किया था. जब प्रधानमंत्री मोदी ने अगस्त 2015 में यूएई का पहला दौरा किया, तो यह पिछले 34 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री का पहला दौरा था. मोदी से पहले 1981 में इंदिरा गांधी ने यूएई का दौरा किया था. मोदी की विदेश नीति में यूएई को दिए जा रहे महत्व की झलक 2017 में गणतंत्र दिवस के मौके पर मिली. उस समय मोदी सरकार ने मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान को ही चीफ गेस्ट के रूप में न्योता दिया था. तब मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान यूएई के राष्ट्रपति नहीं थे, बल्कि अबू धाबी के क्राउन प्रिंस थे. परम्परा के हिसाब से भारत गणतंत्र दिवस पर किसी देश के प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति को ही मुख्य अतिथि बनाता है, लेकिन अल नाहयान 2017 में गणतंत्र दिवस पर मुख्य अतिथि बनकर आए थे.

भारत-यूएई रिश्ते की बुनियाद

भारत और संयुक्त अरब अमीरात के रिश्ते 3 ई पर आधारित हैं—एनर्जी, इकोनॉमी और एक्सपैट्रिएट यानी आप्रवासी (भारतीय). पिछले वित्त वर्ष (2022-23) के दौरान यूएई भारत को कच्चा तेल सप्लाई कराने वाला तीसरा बड़ा देश था. भारत के तेल आयात में इसकी 10 प्रतिशत हिस्सेदारी थी, लेकिन भारत ने यूएई से अब गैर-तेल कारोबार को 2030 तक बढ़ा कर 100 अरब डॉलर तक ले जाने का फैसला किया है. भारत और यूएई के बीच बढ़ते रिश्तों में दोनों के बीच पिछले वर्ष हुआ सीईपी (कॉम्प्रिहेन्सिव इकोनॉमिक पार्टनरशिप) समझौता अहम् भूमिका निभा रहा है. पिछले एक दशक के दौरान भारत की ओर से किया गया पहला मुक्त व्यापार समझौता है. भारत ने पिछला मुक्त व्यापार समझौता 2011 में जापान से किया था. भारत 2027 तक अपनी अर्थव्यवस्था का आकार बढ़ा कर 5 ट्रिलियन डॉलर करना चाहता है. इसी लक्ष्य को हासिल करने के लिए वह 2030 तक अपने निर्यात को बढ़ा कर 1 ट्रिलियन डॉलर तक ले जाना चाहता है. सीईपीए इसमें अहम् भूमिका निभा सकता है. 1970 के दशक में भारत का यूएई से द्विपक्षीय व्यापार महज 18 करोड़ डॉलर का था, जो अब बढ़ कर 85 अरब डॉलर का हो गया है. अमरीका और चीन के बाद यूएई 2021-22 में भारत का तीसरा सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है. अमरीका के बाद भारत सबसे ज्यादा निर्यात यूएई में करता है.

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी इस बार यूएई के सातवें दौरे पर पहुँचे हैं. प्रधानमंत्री मोदी जब अबू धाबी पहुँचे, तो उनके स्वागत में यूएई के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान खड़े थे. यूएई के राष्ट्रपति को पीएम मोदी ने 'भाई' कह कर सम्बोधित किया. यूएई के जाएद स्पोर्ट्स स्टेडियम में 'अहलन मोदी' नाम का एक कार्यक्रम हुआ, जिसमें पीएम मोदी ने वहाँ रह रहे भारतीयों को सम्बोधित किया. मोदी को सुनने हजारों की भीड़ आई थी. इस सभा में शामिल होने के लिए 60 हजार लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया था. यूएई में 35 लाख भारतीय रहते हैं. यह यूएई में रहने वाली कुल आबादी का एक-तिहाई है. यहाँ अरबी भाषा में अतिथियों का स्वागत करने के लिए 'अहलन' शब्द का इस्तेमाल किया जाता है. इस मौके पर यूएई के मिनिस्टर ऑफ टॉलरेन्स शेख नाहयान बिन मुबारक अल नाहयान भी शामिल हुए. 2015 में दुबई में बसे भारतीयों के साथ मोदी की पहली सभा के बाद ये दूसरा ऐसा मौका है, जब इतनी बड़ी संख्या में भारतीय मोदी की सभा में शामिल हुए हैं. प्रधानमंत्री मोदी ने 40 मिनट के अपने सम्बोधन में भारत और यूएई के मजबूत रिश्तों की बात की और कहा कि दोनों देश साथ मिलकर इतिहास का नया अध्याय लिख रहे हैं. पिछले 10 वर्षों में हुईं प्रधानमंत्री मोदी की करीब सभी यूएई यात्राएं बड़े इवेंट रही हैं. दुबई क्रिकेट स्टेडियम में 2015 में हुई जनसभा, 2018 में आयोजित वर्ल्ड गवर्नमेंट समिट में उनका मुख्य वक्ता के रूप में भाषण और पिछले वर्ष आयोजित COP-28 जलवायु शिखर सम्मेलन में उनके भाषण ने लोगों में रुचि पैदा की है.

यूएई में यूपीआई पेमेंट लॉन्च

दोनों मुल्कों के बीच इस दौरान 10 अहम् समझौतों पर हस्ताक्षर हुए हैं. यूएई के साथ भारत ने 2022 मई में यूएई-भारत व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता (कॉम्प्रीहेन्सिव इकॉनोमिक पार्टनरशिप अग्रीमेन्ट) किया था. इसके अलावा अब भारत ने यूएई के साथ द्विपक्षीय निवेश समझौता किया है, जो आने वाले वक्त में दोनों में निवेश बढ़ाने में मदद करेगा.

- अब भारत और यूएई के बीच हुए समझौते के बाद बिना किसी रुकावट के दोनों देशों के बीच पैसे का ट्रांजैक्शन हो सकेगा. इसके लिए भारत की यूपीआई को यूएई की एएनआई से इंटरलिंक कर दिया गया है.
- दोनों के बीच उर्जा सुरक्षा और व्यापार के क्षेत्र में सम्बन्धों को मजबूत करने को लेकर सहमति हुई है. इसमें ग्रीन हाइड्रोजन जैसे सतत् ऊर्जा और ऊर्जा स्टोरेज को प्राथमिकता दी जाएगी.
- जी-20 के वक्त इंडिया मिडल ईस्ट इकोनॉमिक कॉरिडोर को लेकर बनी सहमति के बाद इस पर बात आगे बढ़ाई गई. इससे कच्चे के तेल के साथ अन्य वस्तुओं के सप्लाई चेन को मजबूती मिलेगी.
- दोनों देशों के नेशनल आर्काइव के बीच समझौता हुआ है, जिसके तहत् पुराने महत्वपूर्ण दस्तावेजों के पुनरुद्धार और उनके रखरखाव का काम किया जाएगा.
- गुजरात के लोथल में मैरिटाइम हेरिटेज म्यूजियम पर मिलकर काम करने पर सहमति बनी है.
- यूएई में बसे भारतीय छात्रों की शिक्षा के लिए हाल में अबू धाबी में नया आईआईटी

खोला गया है. इस वर्ष जनवरी में पहला अकादमिक प्रोग्राम चालू किया गया है. दुबई में सीबीएसई का नया दफ्तर भी बनाया जा रहा है.

मंदिर के लिए उपहार की जमीन

27 एकड़ पर बने मंदिर के लिए खुद राष्ट्रपति अल नाहयान ने जमीन उपहार के तौर पर दी थी. इस मंदिर में 7 टॉवर हैं, जो यूएई में मौजूद 7 अमीरात को दर्शाती हैं. इसमें 30 हजार नक्काशी वाले पत्थर लगाए गए हैं, जो राजस्थान के करीब 25 हजार कलाकारों ने तैयार किए हैं. इनमें हाथी, मोर, गाय जैसी तस्वीरें उकेरी कई हैं, जो भारतीय धर्मग्रंथों से जुड़ी कहानियाँ कहती हैं. वहीं इनमें अरब संस्कृति से जुड़े संकेत भी उकेरे गए हैं, जैसे ओरिक्स और गजेल (एक तरह के हिरण), ऊँट और बाज. मंदिर में तीन जलकुंड हैं, जो भारत की तीन नदियों गंगा, यमुना और सरस्वती को दर्शाती हैं. इस मंदिर में एक 'वॉल ऑफ हार्मोनी' (सद्भावना की दीवार) भी बनाई गई है, जो वहाँ के वोहरा समुदाय ने दान में दिया है.

जीवन स्तर में आया सुधार

अरब जगत् खासकर खाड़ी सहयोग परिषद् (जीसीसी) के देश बदल रहे हैं. इसके साथ ही भारतीय समुदाय भी बदल रहा है. भारतीयों और दूसरे देश के लोगों ने यहाँ काम कर अच्छा पैसा कमाया है. उन्होंने अपना जीवन स्तर तो सुधारा ही है. साथ ही कई मामलों में अपने बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए वे पश्चिम के अधिक समृद्ध देशों में भी चले गए हैं. कभी-कभी वे पश्चिमी देशों की नागरिकता लेने के बाद अधिक पैसा कमाने के लिए अरब जगत् में लौट आते हैं. प्रवासी भारतीयों द्वारा भेजे गए धन से लाखों लोगों का जीवन बदला है. इससे केरल, आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश और बिहार के ग्रामीण इलाकों में छप्पर वाली छतें पक्के घरों में बदल गईं.

व्यापार बना दोस्ती का सबसे प्रमुख स्तम्भ

वर्तमान समय में यूएई खाड़ी देशों में भारत का सबसे भरोसेमंद और मजबूत दोस्त बन चुका है. आर्थिक नजरिए से अरब देशों में सऊदी अरब, यूएई, ईरान, इराक जैसे देश काफी प्रभावशाली माने जाते हैं, जिनका वैश्विक मंच पर आर्थिक गतिविधियों को आकार देने में बड़ी भूमिका है. इनमें से यूएई ही ऐसा देश है, जिसकी भारत के साथ साझेदारी पिछले कुछ वर्षों में बेहद मजबूत हुई है. भारत-यूएई के बीच व्यापार को 2022-23 में ऐतिहासिक ऊँचाई मिली. इस अवधि में द्विपक्षीय व्यापार करीब अरब डॉलर पहुँच गया, जबकि 2012-22 में द्विपक्षीय व्यापार 72·9 अरब डॉलर रहा था. द्विपक्षीय व्यापार को पंख देने में व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) की सबसे बड़ी भूमिका रही. दोनों देशों ने 18 फरवरी, 2022 को इस समझौते पर हस्ताक्षर किए थे और ये समझौता 1 मई, 2022 से लागू हो गया था.

भारत के साथ यूएई आपसी सम्बन्धों और व्यापार को कितना ज्यादा महत्व दे रहा है, ये इसी बात से पता चलता है कि फरवरी 2022 में भारत पहला ऐसा देश था जिसके साथ यूएई ने व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौता किया था. इतना ही नहीं, पिछले एक दशक में यूएई ही वह देश है जिसके साथ भारत मुक्त व्यापार से जुड़ा कोई समझौता किया है. यूएई से पहले 2011 में जापान के साथ भारत ने ऐसा समझौता किया था. पिछले एक दशक के दौरान भारत की ओर से किया गया पहला मुक्त व्यापार समझौता है. भारत ने पिछला मुक्त व्यापार समझौता 2011 में जापान से किया था. यूएई से करार के लागू होने के बाद द्विपक्षीय व्यापार में 15% से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की गई. दोनों ही देश द्विपक्षीय व्यापार के 85 अरब डॉलर तक पहुँचने से बेहद उत्साहित हैं. दोनों देश चाहते हैं कि व्यापार का आँकड़ा जल्द ही 100 अरब डॉलर तक पहुँच जाए. मजबूत होती दोस्ती के बीच 15 जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तो इतना तक भरोसा जताया है कि इस वर्ष सितम्बर में होने वाली जी-20 की सालाना बैठक से पहले द्विपक्षीय व्यापार के 100 अरब डॉलर के लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है. ये भरोसा बताता है कि यूएई अरब देशों में भारत का एक टिकाऊ और मजबूत दोस्त बन चुका है.

मौजूदा समय में भारत-यूएई के बीच पेट्रोलियम उत्पादों से अलग द्विपक्षीय व्यापार 48 अरब डॉलर है. दोनों देशों का इरादा है कि अगले 7 वर्ष में गैर-पेट्रोलियम कारोबार दोगुने से भी ज्यादा हो जाए. यूएई, भारत के लिए कच्चे तेल का परम्परागत आपूर्तिकर्ता रहा है. द्विपक्षीय व्यापार में यूएई से भारत को मिलने वाले कच्चे तेल की हिस्सेदारी बहुत ज्यादा है. मई में संयुक्त अरब अमीरात ने 2,03,000 बैरल प्रतिदिन की आपूर्ति की थी. अभी भी भारत के कच्चे तेल के आयात में यूएई की हिस्सेदारी 10 प्रतिशत के आसपास है. वित्त वर्ष 2022-23 में भारत को कच्चे तेल की आपूर्ति करने वाला तीसरा सबसे बड़ा देश यूएई था.

भरोसे की इस दोस्ती को और मजबूत बनाने में निवेश का भी दमदार योगदान है. पिछले कुछ वर्षों से यूएई का निवेश भारत में तेजी से बढ़ा है. भारत में यूएई का निवेश फिलहाल 21 अरब डॉलर होने का अनुमान है. इसमें 15·18 अरब डॉलर एफडीआई के रूप में है, जबकि बाकी पोर्टफोलियो निवेश है. एफडीआई के मामले में यूएई भारत का 7वाँ सबसे बड़ा निवेशक है. अबू धाबी निवेश प्राधिकरण (ADIA) की ओर से भारत के बुनियादी ढाँचा क्षेत्र में 75 अरब डॉलर का निवेश करने की प्रतिबद्धता कुछ वर्ष पहले ही जताई गई थी. यूएई की ओर से अगले 3 वर्षों में भारत के खाद्य क्षेत्र में भारत-यूएई फूड कॉरिडोर के विकास, कोल्ड स्टोरेज, वेयरहाउसिंग, खाद्य-प्रसंस्करण, मत्स्य पालन और मुर्गी पालन में 7 अरब डॉलर तक निवेश करने की उम्मीद है. इसका मकसद अगले 5 वर्ष में भारत से संयुक्त अरब अमीरात के लिए खाद्य आयात को मूल्य के सन्दर्भ में बढ़ाकर 3 गुना करना है.

इंडो पैसिफिक क्षेत्र में त्रिपक्षीय ढाँचे के तहत् सहयोग

आर्थिक तौर से व्यापार और निवेश के साथ ही भारत के लिए यूएई त्रिपक्षीय ढाँचे के तहत् सहयोग के नजरिए से भी कूटनीतिक महत्व रखता है. इंडो पैसिफिक रीजन में चीन के आक्रामक रुख और विस्तारवादी रवैया को देखते हुए त्रिपक्षीय ढाँचे के तहत् भारत के लिए यूएई एक भरोसेमंद दोस्त बन सकता है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का फ्रांस दौरा और वहाँ से लौटते वक्त यूएई की यात्रा को इस त्रिपक्षीय सहयोग के नजरिए से भी समझना होगा. फ्रांस से लौटते वक्त पीएम मोदी ने यूएई दौरे को क्यों चुना उसके पीछे यही वजह है. चीन से बिगड़ते रिश्तों के बीच एक कड़वा सच ये भी है कि अभी भी चीन भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है. उसमें भी आयात को लेकर भारत काफी हद तक चीन पर निर्भर है. आयात के मोर्चे पर चीन हमारा सबसे बड़ा व्यापारिक पार्टनर है. चीन के साथ भारत का, जो व्यापार है, उसमें भारत से चीन को निर्यात का हिस्सा बेहद कम है, इस कारण से ट्रेड बैलेंस चीन के पक्ष में बहुत ज्यादा है. आने वाले वक्त में भारत को आयात के मामले में चीन पर निर्भरता कम करने के लिए नए-नए विकल्पों को खोजना होगा. इस लिहाज से अमरीका, फ्रांस जैसे देशों के साथ ही यूएई की अहमियत बढ़ जाती है. जब पेरिस में 14 जुलाई को भारत-फ्रांस इंडो पैसिफिक रोडमैप को दुनिया के सामने रखा गया, तो उसमें हिन्द-प्रशांत क्षेत्र को स्वतंत्र, मुक्त, समावेशी और सुरक्षित बनाने में त्रिपक्षीय सहयोग के ढाँचे को भी स्वीकार किया गया

है. भारत-फ्रांस इंडो पैसिफिक रोडमैप में कहा गया है कि समान विचारधारा वाले साझेदारों के साथ त्रिपक्षीय सहयोग इंडो पैसिफिक रीजन में सहयोग का एक प्रमुख स्तम्भ है. हम जानते हैं कि भारत, फ्रांस और यूएई तीनों देश त्रिपक्षीय ढाँचे के तहत् रक्षा, परमाणु ऊर्जा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर काम कर रहे हैं. इन तीनों देशों के बीच इस वर्ष 4 फरवरी को सहयोग से जुड़े क्षेत्रों को लेकर सहमति बनी थी. अब भारत और फ्रांस चाहते हैं कि यूएई के साथ त्रिपक्षीय ढाँचे के तहत् सहयोग को इंडो पैसिफिक रीजन में शक्ति सन्तुलन को बनाए रखने के नजरिए से भी आगे बढ़ाया जाए.

निष्कर्ष

ऐसा नहीं है कि सिर्फ भारत ही अरब देश यूएई के साथ सम्बन्धों को बढ़ाने के लिए प्रयास कर रहा है. यूएई की ओर से भी पिछले कुछ वर्षों में लगातार उच्चस्तरीय यात्राओं के जरिए भारत के साथ दोस्ती को मजबूत करने की कोशिश देखी गई है. 2016 में शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने भारत की यात्रा की थी. उसके बाद फिर से 2017 में शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान भारत के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बने थे. इन दोनों यात्राओं के वक्त वे अबू धाबी के क्राउन प्रिंस थे. शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान मई 2022 में यूएई के राष्ट्रपति बने. उसके बाद जब 28 जून, 2022 को जर्मनी से लौटते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अबू धाबी पहुँचे, तो राष्ट्रपति नाहयान प्रोटोकॉल तोड़कर खुद एयरपोर्ट पर मोदी का स्वागत करने पहुँचे थे. अगस्त 2019 में जब नरेन्द्र मोदी बतौर पीएम तीसरी बार यूएई की यात्रा की थी, उस वक्त यूएई ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'ऑर्डर ऑफ जायद' से सम्मानित किया था. संयुक्त अरब अमीरात एक तेल आधारित अर्थव्यवस्था है. पिछले कुछ वर्षों से यूएई की कोशिश है कि तेल आधारित अर्थव्यवस्था पर उसकी निर्भरता कम हो. वह अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाने पर काम कर रहा है. 'सर्कुलर इकोनॉमिक पॉलिसी' पर काम करते हुए यूएई दुनिया के अलग-अलग देशों में निवेश की सम्भावनाओं पर काम कर रहा है. इस मकसद से भारत उसके लिए सबसे पसंदीदा और मुफीद देश साबित हो रहा है. सबसे तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था होने की वजह से भविष्य में भी निवेश के लिए यूएई का भरोसेमंद साथी भारत साबित होगा.

यूएई का फोकस मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर है. साथ ही वह ग्रीन इन्फ्रास्ट्रक्चर, रियल एस्टेट कारोबार और ग्रीन इंफ्रास्ट्रक्चर समेत फूड बिजनेस पर काफी ध्यान दे रहा है और इन क्षेत्रों के लिए भारत जैसा साझेदार मिलना यूएई की कूटनीतिक जरूरत है. निवेश की व्यापक सम्भावनाओं के साथ ही भारत में इन क्षेत्रों में कुशल पेशेवरों की भरमार के साथ तकनीकी दक्षता भी है, जो यूएई के हितों के लिहाज से एक अच्छा अवसर है.ग्रीन हाइड्रोजन, सौर ऊर्जा और ग्रिड कनेक्टिविटी में सहयोग कुछ ऐसे आयाम हैं जिनमें भी भारत और यूएई की साझेदारी भविष्य के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण है. यूएई भारत के रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व कार्यक्रम समेत ऊर्जा स्पेक्ट्रम में निवेश बढ़ाने को भी तैयार है, जो भारत की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और भविष्य में आत्मनिर्भरता के लक्ष्य को हासिल करने में निर्णायक साबित हो सकता है. इसके अलावा रूस-यूक्रेन युद्ध से फूड सप्लाई चेन के बाधित होने से यूएई के लिए खाद्य आपूर्ति के लिहाज से भी भारत महत्वपूर्ण हो जाता है. ●●●

सार संग्रह

भारतीय इतिहास एवं संस्कृति

1. किस साहित्यिक कृति में अलवार संत विष्णुचित्त का जीवन-वृत्त, उनके द्वारा प्रतिपादित वैष्णव दर्शन तथा उनकी दत्तक पुत्री गोदा व भगवान रंगनाथ के बीच प्रणय का वृत्तान्त मिलता है ?
–स्वारोचिश-सम्भव
2. प्राचीन भारत के सन्दर्भ में कार्षापण क्या है ?
–साधारणतया प्रचलित सिक्के
3. बुद्ध के समकालीन धार्मिक सम्प्रदायों का उल्लेख किस बौद्ध साहित्य में प्राप्त होता है ? ***–ब्रह्मजाल सुत्त***
4. "कोई व्यक्ति किसी व्यक्ति से उसका धर्म-सम्प्रदाय या जाति न पूछे." यह कथन है— ***–कबीर का***
5. वह प्रसिद्ध जैन आचार्य कौन थे जिनको अकबर ने 'जगतगुरु' की उपाधि से सम्मानित किया था ? ***–हरिविजय सूरि***
6. वैदिक काल में किस व्यवसाय में लगी स्त्री की संज्ञा पेशस्करी थी ? ***–सिलाई***
7. किस विद्वान् ने तिब्बत में बौद्ध धर्म के वज्रयान सम्प्रदाय की स्थापना की थी ? ***–पद्मसम्भव***
8. किस ग्रंथ में वर्णित है कि चन्द्रगुप्त मौर्य ने अपने जीवन के अन्तिम दिनों में जैन धर्म स्वीकार कर लिया था ?
–परिशिष्टपर्वन्
9. दिल्ली में 'खैरुल मनाजिल' की स्थापना की थी—
–माहम अनगा ने
10. शिवाजी के 'अष्ट प्रधान' में से लगभग सभी मंत्री युद्ध में भाग लेते थे, सिवाय दो के ये दो थे—
–पंडितराव और न्यायाधीश

राष्ट्रीय स्वतन्त्रता आन्दोलन

11. 'हिन्ट्स फॉर सेल्फ कल्चर' पुस्तक किस भारतीय क्रान्तिकारी द्वारा लिखी गई ? ***–लाला हरदयाल***
12. काकोरी केस के अभियुक्तों के बचाव हेतु किसकी अध्यक्षता में एक समिति का गठन हुआ था ? ***–मोतीलाल नेहरू***
13. 'दी मैन हू डिवाइडेड इंडिया' पुस्तक के लेखक थे—
–रफीक जकारिया
14. अपनी फाँसी से पूर्व क्रान्तिकारियों में से किस एक ने पीने हेतु दिए गए दूध को अस्वीकार कर दिया और कहा—"अब मैं केवल अपनी माँ का दूध लूँगा ?" ***–रामप्रसाद बिस्मिल***
15. किसने गांधी-इर्विन समझौते में महात्मा गांधी के लाभ को 'सांत्वना पुरस्कार' कहा था ? ***–एलन कैम्पबेल जॉनसन ने***
16. बी.जी. तिलक के सजा के पश्चात् निम्नलिखित में से किसने दया की वकालत की थी और कहा था—"संस्कृत के एक विद्वान् के रूप में तिलक में मेरी दिलचस्पी है." ***–मैक्स मुलर***
17. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस का अन्तिम अधिवेशन जिसमें बाल गंगाधर तिलक ने भाग लिया, था—
–अमृतसर अधिवेशन, 1919
18. 1942 में कांग्रेस के बम्बई अधिवेशन में किसके द्वारा 'भारत छोड़ो' प्रस्ताव प्रस्तावित किया गया था ?
–जवाहरलाल नेहरू
19. किसने कहा था "तिलक भारतीय अशान्ति के जनक हैं ?"
–वी. चिरोल
20. बम्बई, मद्रास और कलकत्ता में उच्च न्यायालयों की स्थापना कब हुई ? ***–1861 में***

भारतीय राजव्यवस्था एवं संविधान

21. भारत के संविधान के किस अनुच्छेद के अन्तर्गत भारत के राष्ट्रपति पर महाभियोग चलाया जा सकता है ?
–अनुच्छेद 61
22. किस अनुच्छेद में यह प्रावधान किया गया है कि संघ की राजभाषा हिन्दी तथा लिपि देवनागरी होगी ? ***–अनुच्छेद 343***
23. भारतीय संसद की सम्प्रभुता प्रतिबंधित है—
–न्यायिक समीक्षा से
24. भारत में द्विसदनात्मक व्यवस्थापिका को किस अधिनियम द्वारा प्रारम्भ किया गया ? ***–1919***
25. राजभाषा अधिनियम (1963) के अनुसार संघ और गैर-हिन्दी राज्यों के बीच संचार के लिए किस भाषा का प्रयोग किया जाना चाहिए ? ***–अंग्रेजी***
26. संविधान (103वाँ) अधिनियम, 2019 ने भारत के संविधान के किस भाग में संशोधन किया है ? ***–मौलिक अधिकार***
27. केन्द्र शासित प्रदेश लक्षद्वीप के न्यायिक क्षेत्र का कार्य कौनसा न्यायालय करता है ? ***–केरल हाईकोर्ट***
28. किस वित्त आयोग के आधार पर भारत संघ के किसी राज्य को विशेष राज्य का दर्जा नहीं दिया जा सकता है ?
–14वें वित्त आयोग
29. यदि किसी व्यक्ति को पुलिस द्वारा गिरफ्तार किया जाता है, तो उसे कितने समय में सबसे नजदीकी मजिस्ट्रेट के सामने पेश करना होगा ? ***–24 घण्टे***
30. संविधान के किस संशोधन में प्रशासनिक न्यायाधिकरण जोड़े गए ? ***–42वाँ संशोधन अधिनियम***

भारत एवं विश्व का भूगोल

31. पेनाइन (यूरोप), अप्लेशिन (अमरीका) और अरावली (भारत) उदाहरण हैं— ***–पुरानी पर्वत शृंखला के***
32. ड्राकेंसबर्ग पर्वत स्थित है— ***–दक्षिण अफ्रीका में***
33. भारत और म्यांमार के बीच सीमा निर्धारित करने वाली तीन पर्वत श्रेणियाँ हैं— ***–लुशाई, पाटकोई, अराकान योमा***
34. कोंकण रेलवे जोड़ता है—
–रोहा (महाराष्ट्र) से मंगलुरू (कर्नाटक) को
35. भारत का कौनसा संघ शासित प्रदेश ऐसा है, जिसमें चार जिले हैं, किन्तु उसके किसी भी जिले की सीमा उसके किसी अन्य जिले की सीमा से नहीं है मिलती है ? ***–पुदुचेरी***

36. किस हिमालयी चोटी को सागरमाथा भी कहते हैं ?
–माउंट एवरेस्ट को
37. कयाल क्या है ? *–केरल स्थित लैगून झीलें*
38. भारत में ग्रीष्मकालीन मानसून के प्रवाह की सामान्य दिशा है–
–दक्षिण-पश्चिम से उत्तर-पूर्व
39. राजस्थान में मई-जून महीनों में उत्पन्न होने वाली धूलभरी आँधियों के लिए उत्तरदायी है–
–कुछ स्थानों पर संवहनीय धाराओं की उत्पत्ति
40. किस पहाड़ी पर पूर्वी घाट, पश्चिमी घाट से मिलता है ?
–नीलगिरि पहाड़ी

पर्यावरण एवं जैव विविधता

41. 'फ्लाई ऐश' एक प्रदूषक दहन उत्पाद है, जो प्राप्त होता है जलाने से– *–कोल (पत्थर के कोयले) के*
42. प्रतिष्ठित 'टायलर पुरस्कार' किस क्षेत्र में प्रदान किया जाता है ? *–पर्यावरण सुरक्षा*
43. भारत में उपयुक्त पारिस्थितिक सन्तुलन बनाए रखने के लिए वनाच्छादन हेतु न्यूनतम संस्तुत भूमि-क्षेत्र है– *–33%*
44. अपने प्रदूषकों के कारण कौनसी नदी 'जैविक मरुस्थल' कहलाती है ? *–दामोदर नदी*
45. वायुमण्डल के प्राकृतिक सन्तुलन के लिए कार्बन डाइऑक्साइड की उपयुक्त सांद्रता कितनी मानी जाती है ?
–278 PPM (0·03%)
46. यूएनईपी का मुख्यालय अवस्थित है– *–नैरोबी में*
47. राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी शोध संस्थान (NEERI) अवस्थित है– *–नागपुर में*
48. 'जीवमण्डल आरक्षित क्षेत्रों' की पहली परियोजना स्कीम कौनसी थी ? *–नीलगिरि जीवमण्डल आरक्षित क्षेत्र*
49. आहार शृंखला में, पादपों द्वारा प्रयुक्त सौर ऊर्जा होती है केवल– *–1 प्रतिशत*
50. भोजन, प्रकाश और स्थान की प्रतिस्पर्धा कहाँ पर सबसे अधिक गम्भीर है ? *–एक ही क्षेत्र में या नीके में पैदा होने वाली निकट सम्बन्धित प्रजातियाँ*

भारतीय अर्थव्यवस्था

51. स्वावलंबन कार्यक्रम जिसे पहले नौरड/महिला आर्थिक कार्यक्रम के नाम से जाना जाता था, इसे समूचे देश में कब शुरू किया गया ? *–1982-83 में*
52. किसी अर्थव्यवस्था में मुद्रा गुणक (मनी मल्टिप्लायर) किसके साथ-साथ बढ़ता है ?
–जनता की बैंकिंग आदतों में वृद्धि के साथ
53. रुपए की परिवर्तनीयता से क्या तात्पर्य है ?
–रुपए को अन्य मुद्राओं में और अन्य मुद्राओं को रुपए में परिवर्तित करने की स्वतंत्र रूप से अनुज्ञा प्रदान करना
54. आयात की प्रक्रिया आरम्भ होती है– *–मेट की रसीद से*
55. अटल नवोन्मेष मिशन (AIM) किस विभाग की प्रमुख पहल है ? *–नीति आयोग*
56. निजी क्षेत्र के साझा कोषों (Mutual Funds) को भारत में अनुमति मिली– *–1993 में*
57. साख-पत्र (L/C) दिया जाता है– *–निर्यातकर्ता द्वारा*
58. धारणीय विकास किसके उपयोग के सन्दर्भ में अन्तर-पीढ़ीगत संवेदनशीलता (Intergenerational Sensibility) का विषय है ? *–प्राकृतिक (Natural) संसाधन*
59. ब्रिक्स (BRICS) देशों द्वारा कौनसा बैंक चीन में स्थापित किया गया है ? *–न्यू डेवलपमेण्ट बैंक*
60. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा बिमल जालान पैनल गठित किया गया था– *–नए बैंकों को लाइसेन्स देने हेतु आवेदन-पत्रों के सूक्ष्म परीक्षण के लिए*

सामान्य विज्ञान एवं तकनीकी

61. आवर्त सारणी में प्रत्येक आवर्त में बाएं से दाएं चलने पर तत्व की धात्विक प्रवृत्ति– *–घटती है*
62. दूध को दही (Curd) के रूप में खट्टा करना इसका एक उदाहरण है– *–किण्वन का*
63. सौर ऊर्जा ग्रहण करने हेतु सोलर कुकर में आमतौर पर किसका प्रयोग किया जाता है ? *–दर्पण का*
64. सितारों के चमकने की प्रकाशीय प्रक्रिया किस कारण से होती है ? *–वातावरणीय आवर्तन*
65. नाभिकीय विखंडन किसके संघात के कारण होता है ?
–न्यूट्रॉन
66. प्रतिध्वनि का क्या कारण है ? *–ध्वनि का परावर्तन*
67. प्रतिजैविक (एन्टीबायोटिक) होता है–
–जीवों द्वारा संश्लेषित यौगिक जो सूक्ष्मजीवों की वृद्धि का संदमन करता है
68. पेट्रीफेक्शन, इम्प्रेशन और कम्प्रेशन प्रकार हैं– *–जीवाश्म के*
69. 'सीट वर्म' किस कृमि का दूसरा नाम है ? *–पिन वर्म*
70. पादपों में द्वितीयक वृद्धि (Secondary Growth) का अर्थ है– *–पार्श्व-विभज्योतक (लेटरल मैरिस्टम) की क्रिया से द्वितीयक (सेकण्ड्री) ऊतकों का बनना*

शिक्षा एवं बाल मनोविज्ञान

71. 'एफ.आई.ए.सी.एस.' के साथ मूल रूप से कौन सम्बन्धित है ? *–फ्लैण्डर*
72. प्रासंगिक अन्तर्बोध परीक्षण है
–व्यक्तित्व मापन की प्रक्षेपी तकनीकी
73. सृजनात्मकता के तत्वों के सम्बन्ध में सही है
–प्रवाह, विविधता, मौलिकता, विस्तारण
74. कल्पना कीजिए कि आप एक महत्वाकांक्षी अध्यापक हैं. आप कक्षाध्यापन के विषय में अत्यंत ऊँचा आदर्श रखते हैं, किन्तु आपका कठिन परिश्रम कारगर नहीं होता. इस समस्या के पीछे कारण हो सकता है कि ?
–आपके शिक्षण का स्तर विद्यार्थियों की क्षमता से अधिक ऊँचा है
75. अपपठन या डिस्लेक्सिया है ?
–डिस्लेक्सिया (Dyslexia) एक अधिगम विकलांगता है जिसका प्रकटीकरण मुख्य रूप से वाणी या लिखित भाषा के दृश्य अंकन की कठिनाइयों के रूप में होता है. यह समस्या विशेष तौर पर मनुष्य–निर्मित लेखन प्रणालियों को पढ़ने में होती है
76. किसने कहा, "नवाचार एक ऐसा विचार है जिसमें व्यक्ति नवीनता का अनुभव करता है ?" *–एच. जी. बर्नेट*

77. किस मनोवैज्ञानिक ने प्रस्तावित किया है कि बच्चों का चिंतन गुणात्मक रूप से वयस्कों की अपेक्षा अलग होता है ?
—जीन पियाजे ने

78. लॉरेंस कोलबर्ग की नैतिक विकास के सिद्धांत के अनुसार व्यक्ति किस अवस्था में है जब वह विश्वास करता है कि वर्तमान सामाजिक प्रणाली को सक्रियतापूर्वक बनाए रखने से धनात्मक मानवीय सम्बन्ध और सामाजिक वर्ग सुरक्षित रहता है ?
—सामाजिक-क्रम व्यवस्था

79. कोहलवर्ग के अनुसार एक शिक्षक बच्चों में नैतिक मूल्य पैदा कर सकता है ?
—नैतिक मुद्दों पर विचार-विमर्श में उनको शामिल कर

80. पियाजे ने बालक एवं उसके वातावरण के मध्य चलने वाली परस्पर क्रिया द्वारा निर्मित समतुल्यन को कहा है ?
—अनुकूलन

सम्प्रेषण/संचार

81. कौन आगे झुकने के धनात्मक वैयक्तिक संकेत द्वारा अभिव्यक्त किया जाता है ?
—एकाग्रता

82. द्वन्द्व समाधान की शैलियों में से कौन बचकर निकलने की शैली की रूप में जाना जाता है ?
—दूसरों की रुचियों को सन्तुष्ट रखना, जबकि खुद की रुचि की उपेक्षा करना

83. किसी संगठन में सम्प्रेषण, जो प्रकार्यों एवं स्तरों से परे जाता है, वह है ?
—विकर्ण सम्प्रेषण

84. अंतर्वैयक्तिक सम्प्रेषण के प्रतिमानों में से किसमें समानता-सम्बन्ध सम्पोषित होता है, परन्तु प्रत्येक व्यक्ति के पास भिन्न क्षेत्रों पर प्राधिकार भी होता है ?
—सन्तुलित-विभाजन प्रतिमान

85. वैध मानक आकार के निरपेक्ष न्यायवाक्य में यदि मुख्य पद निष्कर्ष में व्याप्त है, तो उसे व्याप्त होना होगा
—मुख्य आधार वाक्य में

86. कालिक सम्प्रेषण का अध्ययन जाना जाता है ?
—क्रोनेमिक्स के रूप में

87. उर्ध्वगामी सम्प्रेषण में निस्पंदन है ?
—संघटनात्मक मौन का उदाहरण

88. अंतरवैयक्तिक संचार में पक्षकार महत्व देते हैं ?
—एक-दूसरे को

89. वैयक्तिक संचार बाधाओं को दूर करने के लिए उपयोग करना चाहिए ?
—यथा समय सम्प्रेषण का

90. भारत मे काला रंग मृत्यु का प्रतीक है, जबकि सुदूर पूर्व में श्वेत रंग मृत्यु का प्रतीक है. संचार की किस बाधा को प्रदर्शित करता है ?
—सांस्कृतिक बाधा को

खेलकूद

91. वाटर पोलो में एक पक्ष में खिलाड़ियों की संख्या कितनी होती है ?
—7

92. पोलो में प्रत्येक पक्ष में खिलाड़ियों की संख्या कितनी होती है ?
—4

93. बेसबॉल में प्रत्येक पक्ष में खिलाड़ियों की संख्या कितनी होती है ?
—9

94. भारत ने सर्वप्रथम किस वर्ष में ओलम्पिक में हिस्सा लिया था ?
—1900

95. 2021 में आयोजित किये गए ग्रीष्मकालीन टोक्यो ओलम्पिक का कौनसा संस्करण है ?
—32वाँ

96. ओलम्पिक में सर्वप्रथम शुभंकर का प्रयोग किस वर्ष किया गया था ?
—1968 मैक्सिको सिटी

97. टोक्यो ओलम्पिक 2020 शुभंकर क्या है ?
—मिराईटोवा

98. "The World Beneath his Feet" किसकी जीवनी है ?
—पुलेला गोपीचंद की

99. राष्ट्रीय खेल दिवस किस दिन मनाया जाता है ?
—29 अगस्त

100. सवाई मानसिंह स्टेडियम कहाँ स्थित है ?
—जयपुर

कृषि

101. जिस क्षेत्र में किसान केवल सब्जियों के विशेषज्ञ होते हैं, इस प्रकार की खेती को कहा जाता है ?
—ट्रक खेती

102. मिश्रित खेती एक प्रकार की खेती है जिसमें
—फसल उगाना और पशुधन बढ़ाना दोनों शामिल हैं

103. सामूहिक खेती एक प्रकार की खेती है जिसमें
—एक खेत या खेतों का एक समूह है जिसे खासकर एक साम्यवादी देश में एक इकाई के रूप में संगठित किया जाता है और राज्य पर्यवेक्षण के तहत मजदूरों के एक समूह द्वारा प्रबंधित और सहकारी रूप से काम किया जाता है.

104. पेड़ों की कतारों के बीच में फसलें उगाने को कहते हैं ?
—तोंग्या प्रणाली

105. मृदारहित कृषि को कहते हैं ?
—जल संवर्धन

106. साइकोसील है एक
—वृद्धि अवरोधक

107. गेहूँ की फसल को कितनी बार सिंचित करने की आवश्यकता होती है ?
—छः (06) बार

108. 'रजत क्रांति' किससे सम्बन्धित है ?
—अंडा उत्पादन से

109. 'भूरी क्रांति' किससे सम्बन्धित है ?
—उर्वरक उत्पादन से

110. पोमोलोजी में अध्ययन करते हैं ?
—फलों का

कम्प्यूटर ज्ञान

111. एक्सेल स्प्रेडशीट की मूल इकाई, जहाँ पर डाटा एन्ट्री की जाती है, कहलाती है
—सेल (Cell)

112. http का पूरा नाम क्या है ?
—हाइपरटेक्स्ट ट्रांसफर प्रोटोकॉल

113. एक ही समय पर दोंनों दिशाओं में कम्प्यूटर से डाटा भेजने के लिए कौनसी डाटा संचार विधि प्रयुक्त की जाती है ?
—फुलडुप्लेक्स

114. उच्च गति का एक एसा नेटवर्क जो किसी शहर या नगर में स्थानीय नेटवर्क को जोड़ता है कहलाता है
—LAN

115. CPU का वह भाग जिसमें सर्किटरी लगा होता है और जो संगृहीत प्रोग्रामों को पूरा करने या निष्पादित करने के लिए पूरे

कम्प्यूटर सिस्टम को निर्देशित करने के लिए विद्युत संकेत का प्रयोग करता है, उसे किस नाम से जाना जाता है ?

—कंट्रोल यूनिट

116. MS-Power Point में आप यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि आपकी कंपनी का प्रतीक चिह्न (लोगो), किसी प्रदत्त प्रस्तुतिकरण में सभी स्लाइड्स के ऊपरी दाएँ कोने पर दिखाई दे. ऐसा करने के लिए आपको किस व्यू का प्रयोग करना होगा?

—स्लाइड सॉर्टर का

117. ..... को काम करते रहने के लिए लगातार विद्युत् आपूर्ति की आवश्यकता पड़ती है. लगातार विद्युत् आपूर्ति बनी रहने के कारण इसके अंदर भंडारित किए जाने वाले डेटा को याद रखने के लिए रीफ्रेश' नहीं करना पड़ता है. हालाँकि, यह एक अस्थिर मेमरी होती है, जिसका अर्थ है कि एक बार विद्युत् आपूर्ति बाधित होने पर इसमें भंडारित सारा डेटा लुप्त हो जाता है ?

—SRAM

118. मदरबोर्ड के जिस भाग में इनपुट और आउटपुट कार्ड लगाते हैं, उसे क्या कहते हैं ?

—एक्सपेंसन स्लॉट

119. Microsoft Word फाइल में क्लिपबोर्ड की सामग्री को पेस्ट करने के लिए किस कीबोर्ड शॉर्टकट का प्रयोग किया जाता है ?

—Ctrl + V का

120. वर्ड में किसी डॉक्यूमेंट में किसी विशिष्ट शब्द या मुहावरे को ढूँढ़ने के लिए सबसे सरल और त्वरित तरीका है ?

—फाइंड कमांड का उपयोग करना

विविध

121. किस राज्य में प्रसिद्ध नवकलेवर त्योहार मनाया जाता है ?

—ओडिशा

122. दे घूमर, चकरी, गणगोर, चंग , कालबेलिया आदि किस राज्य के लोकप्रिय लोक नृत्य हैं ?

—राजस्थान

123. बाखो-बखैन, सामा चकवा, बिदेसिया, जटा-जटीन, पनवारिया आदि किस राज्य के लोकप्रिय लोक नृत्य हैं ?

—बिहार

124. दलखाई नृत्य किस प्रान्त का एक लोक नृत्य है ?

—ओडिशा का

125. हेमिस महोत्सव किस राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश में मनाया जाता है ?

—लद्दाख

126. राखदुमनी, गोची महोत्सव आदि उत्सव किस राज्य/केन्द्र शासित प्रदेश में मनाये जाते हैं ?

—हिमाचल प्रदेश

127. 'चित्राचार्य उपेन्द्र महारथी की पुस्तक 'वेणुशिल्प का सम्बन्ध किस कला से है ?

—बाँस कला से

128. बाउल परम्परा से जुड़े लोग किस प्रदेश में पाए जाते हैं ?

—पश्चिम बंगाल (बाउल पश्चिम बंगाल के मिथक गायकों का एक समूह है)

129. 1957 में ऑल इंडिया रेडियो (AIR) का नाम आकाशवाणी रखा गया. इससे पूर्व सर्वप्रथम किस रेडियो स्टेशन का नाम आकाशवाणी रखा गया ?

—मैसूर

130. किस वर्ष भारतीय प्रसारण सेवा का नाम परिवर्तित कर आल इंडिया रेडियो (AIR) कर दिया गया ?

—1936 ई में

●●●

UPKAR'S

Sixth Revised Edition

SSB INTERVIEWS

Key Highlights of The Book

New Fresh Arrival

The A To Z Guide

To Final Selection

By : Colonel (Dr) Bhasker Gupta

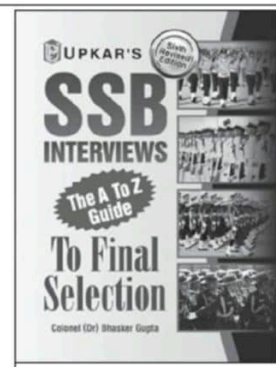

Code 1915 ₹ 365.00

- Well-researched and meticulously designed, it provides holistic insights about the complete SSB interview process.
- All chapters are divided into different sections for all stages involved in the SSB.
- Precise and Holistic coverage of Current Affairs till December 2023, specifically divided into National/International/Defence/Economy/Science & Technology related news.
- Special emphasis on backward and forward linkages.
- Extensive Use of Tables/Diagrams/Pictures/Sketches to make you prepare for Picture Perception & Description Test and Verbal and Non-verbal assessments etc.
- Equipped with latest case studies and in depth analysis of the 19 tests, comprising the latest techniques and examples for problem solving.

UPKAR PRAKASHAN | 1, State Bank Colony, Khandari, Agra-Mathura Bye pass, Agra-282 005
Ph. : (0562) 2530966, 2531101 • E-mail : sales@upkar.in • Website : www.upkar.in
• New Delhi 23251844, 43259035 • Patna 2303340 • Haldwani M. 07060421008

उ. प्र. लोक सेवा आयोग समीक्षा अधिकारी/सहायक समीक्षा अधिकारी
परीक्षा, 2024 (11-2-2024) का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

1. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—
अभिकथन (A) : जैसे-जैसे ऊँचाई बढ़ती है, पानी का क्वथनांक घटता है.
कारण (R) : ऊँचाई के साथ वायुमण्डल दाब बढ़ता है.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(B) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(C) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(D) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नही करता है

2. निम्नलिखित में से कौनसा/से शहर वर्तमान अफगानिस्तान में स्थित नहीं है/हैं ?
1. गजनी 2. फरगना
3. कांधार 4. समरकंद
नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) 2 और 4 (B) केवल 1
(C) 2 और 3 (D) केवल 4

3. सैय्यद वंश के सुल्तानों का सही कालानुक्रम क्या है ?
1. खिज्र खान
2. मुहम्मद शाह
3. मुबारक शाह
4. अलाउद्दीन आलम शाह
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) 1, 3, 4, 2 (B) 1, 4, 2, 3
(C) 1, 3, 2, 4 (D) 1, 2, 3, 4

4. भूरे, हरे और काले रंग के पहले, दूसरे और तीसरे छल्ले के साथ रंग कोडित कार्बन प्रतिरोधी पर 15 वोल्ट का वोल्टेज लगाया जाता है. प्रतिरोधक के माध्यम से प्रवाहित होने वाली धारा क्या है ?
(A) 3 ऐम्पियर
(B) 2 ऐम्पियर
(C) 1 ऐम्पियर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. निम्नलिखित प्रकार के क्षरण पर विचार करें तथा इस प्रकार के क्षरण के कारण खेत से मिट्टी के नुकसान के बढ़ते क्रम के सन्दर्भ में सही क्रम में व्यवस्थित करें—
1. अवनालिका क्षरण (अपरदन)
2. बौछारी क्षरण
3. नलिका क्षरण
4. परत क्षरण
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) 4, 1, 3, 2 (B) 2, 4, 3, 1
(C) 3, 2, 1, 4 (D) 2, 3, 4, 1

6. भारत के महान्यायवादी के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. वे प्रधानमंत्री की मर्जी तक पद पर बने रहते हैं.
2. वे संसद सदस्य के विशेषाधिकार के हकदार नहीं हैं.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) न तो 1 न ही 2
(D) 1 और 2 दोनों

7. स्विमिंग पूल के वास्तविक गहराई से कम गहरा प्रतीत होने का कारण है—
(A) परावर्तन
(B) प्रकाश प्रकीर्णन
(C) अपवर्तन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

8. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—
अभिकथन (A) : 'फाइव आइज' संयुक्त राज्य अमरीका, ब्रिटेन, कनाडा, आस्ट्रेलिया और न्यूजीलैण्ड सहित 5 देशों का एक खुफिया गठबंधन है.
कारण (R) : वे 'स्टोन घोस्ट' नामक एक सामूहिक गुप्त डेटाबेस के माध्यम से अपने देशों के हितों के लिए खतरों के बारे में खुफिया जानकारी साझा करते हैं.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) (A) सत्य है किन्तु (R) असत्य है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(C) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(D) (A) असत्य है किन्तु (R) सत्य है

9. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—
अभिकथन (A) : अनाज वाली फसलों के साथ अंतरासस्यन के रूप में शामिल होने पर दलहनें पूरक फसलों के रूप में कार्य करती हैं.
कारण (R) : मूसला जड़ प्रणाली वाली दलहनें रेशेदार जड़ प्रणाली वाले अनाजों की फसलों के साथ पोषक तत्वों और नमी के लिए प्रतिस्पर्धा नहीं करती हैं.
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(C) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(D) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

10. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए तथा इन्हें सही कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए, सबसे पहले से प्रारम्भ करते हुए आखिरी गतिविधि तक—
1. पाई मेसन की खोज
2. न्यूट्रॉन की खोज
3. इलेक्ट्रॉन की खोज
4. प्रोटॉन की खोज
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) 1, 3, 4, 2 (B) 3, 2, 1, 4
(C) 3, 4, 2, 1 (D) 3, 4, 1, 2

11. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है—
अभिकथन (A) : दक्षिण अफ्रीका के संघर्षों ने गांधीजी को राष्ट्रीय आन्दोलन के नेतृत्व के लिए तैयार किया.
कारण (R) : दक्षिण अफ्रीका में भारतीयों के जुझारूपन को देखकर गांधीजी को यह विश्वास हो गया था कि भारतीय जनता

किसी उद्देश्य के लिए जुझारू संघर्ष और बलिदान के लिए तैयार हो जाएगी.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(B) (A) सही है, किन्तु (R) गलत है
(C) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(D) (A) गलत है, किन्तु (R) सही है

12. एक धनराशि 7% सालाना ब्याज की दर पर 5 वर्ष में ₹ 540 हो जाती है. यही धनराशि 9% सालाना साधारण ब्याज की दर से 3 वर्ष में हो जाएगी—
(A) ₹ 450 (B) ₹ 520
(C) ₹ 420 (D) ₹ 508

13. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—
सूची-I
(a) जया वर्मा सिन्हा
(b) मनोज नाथ
(c) श्रेथा थाविसिन
(d) डॉ. मोहम्मद मुइज्जू
सूची-II
1. 'टेल्स फ्रॉम बनाना रिपब्लिक' के लेखक
2. थाइलैण्ड के प्रधानमंत्री
3. रेलवे बोर्ड की पहली महिला अध्यक्ष
4. मालदीव के राष्ट्रपति
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	2	1	3	4
(C)	3	1	2	4
(D)	3	2	1	4

14. नीचे दिए गए चार युग्मों में से, कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
सूची-I (अनुसंधान संस्थान)
(a) शुष्क वन अनुसंधान संस्थान
(b) हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान
(c) वर्षा वन अनुसंधान संस्थान
(d) उष्णकटिबंधीय वन अनुसंधान संस्थान
सूची-II (शहर)
1. जोधपुर
2. देहरादून
3. जोरहाट
4. जबलपुर
(A) चार (B) दो
(C) एक (D) तीन

15. परासरण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यदि एक अर्धपारगम्य झिल्ली विलायक और विलयन के मध्य रख दी जाए, तो विलायक के अणु इस झिल्ली में से निकल कर शुद्ध विलायक से विलयन की ओर प्रवाहित हो जाएंगे.
2. विलायक के प्रवाह की यह प्रक्रिया प्रतिलोम परासरण कहलाती है.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—
(A) 1 और 2 दोनों
(B) केवल 1
(C) न तो 1 न ही 2
(D) केवल 2

16. उत्तर प्रदेश बजट, 2023-24 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. बजट का आकार ₹ 7,60,000 करोड़ है.
2. राजकोषीय घाटा ₹ 84,883·16 करोड़ रहने का अनुमान है.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) 1 और 2 दोनों
(B) केवल 2
(C) न तो 1 न ही 2
(D) केवल 1

17. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए तथा उनको कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए—
1. प्रख्यात सांख्यिकीविद्, सी.आर. राव का निधन.
2. रुद्र वीणा वादक, उस्ताद अली जकी हैदर का निधन.
3. भारत में सार्वजनिक शौचालयों के जनक, बिंदेश्वर पाठक का निधन.
4. भारत की हरित क्रांति के जनक, एम. एस. स्वामीनाथन का निधन.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) 3, 1, 2, 4 (B) 4, 2, 3, 1
(C) 4, 1, 2, 3 (D) 2, 3, 1, 4

18. बीज गुणन चरणों की निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए और उन्हें प्रारम्भिक चरण से अन्तिम चरण तक सही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें—
1. प्रजनक बीज
2. आधारीय बीज
3. प्रमाणित बीज
4. केन्द्रक बीज
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चुनाव कीजिए—
कूट :
(A) 4, 1, 2, 3 (B) 2, 3, 1, 4
(C) 3, 1, 4, 2 (D) 2, 4, 3, 1

19. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—
अभिकथन (A) : भारत विश्व में जूट का सबसे बड़ा उत्पादक है.
कारण (R) : भारत का जूट उत्पादन पीली क्रांति के कारण बढ़ा है.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(B) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(C) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(D) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है

20. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—
अभिकथन (A) : रोस्कोमोस के चन्द्रमा पर लूना-25 मिशन का उद्देश्य चन्द्रमा तक पहुँच की गारण्टी सुनिश्चित करना था.
कारण (R) : रूस और चीन मिलकर अमरीका के नेतृत्व वाले आर्टेमिस समझौते के खिलाफ अन्तर्राष्ट्रीय चन्द्र अनुसंधान स्टेशन (ILRS) का नेतृत्व कर रहे हैं.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(C) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(D) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है

21. y का $x\%$ किसके $y\%$ के बराबर है ?
(A) x के
(B) $100x$ के
(C) $\frac{x}{100}$ के
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—
अभिकथन (A) : सर्दी के मौसम में, भारत का अधिकांश भाग शुष्क रहता है.

कारण (R) : शीत ऋतु के दौरान देश के अधिकांश भाग उत्तर-पूर्वी व्यापारिक हवाओं के प्रभाव में रहते हैं.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(C) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(D) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है

23. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (नृत्य)	**सूची-II (राज्य)**
(a) भरतनाट्यम	1. तमिलनाडु
(b) कुचिपुड़ी	2. उत्तर प्रदेश
(c) सत्रीया	3. आन्ध्र प्रदेश
(d) कथक	4. असम

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	3	4	1	2
(C)	1	4	3	2
(D)	1	2	4	3

24. उत्तर प्रदेश के चारकुला नृत्य के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह उत्तर प्रदेश के अवध क्षेत्र में किया जाने वाला नृत्य है.
2. इस नृत्य में, पर्दा ढके महिलाएं अपने सिर पर बड़े बहुस्तरीय गोलाकार लकड़ी के पिरामिडों को सन्तुलित करती हैं और कृष्णा के गीतों पर नृत्य करती हैं.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) न तो 1 न ही 2
(B) 1 एवं 2 दोनों
(C) केवल 1
(D) केवल 2

25. यदि किसी वर्ष में 25 अक्टूबर को गुरुवार है, तो उस महीने में सोमवारों की संख्या कितनी होगी ?

(A) 3
(B) 4
(C) 5
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

26. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : हिमालय के उत्तरी ढलानों पर दक्षिणी ढलानों की तुलना में अधिक घना वनस्पति आवरण है.

कारण (R) : हिमालय के दक्षिणी ढलानों पर उत्तरी ढलानों की तुलना में अधिक वर्षा होती है.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(B) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(C) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(D) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है

27. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : 'संवाद कौमुदी' एक बंगाली साप्ताहिक के सम्पादक राजा राम मोहन राय थे.

कारण (R) : विधवा जलाने की प्रथा की निंदा करते हुए उनके लेख इसमें प्रकाशित हुए थे.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चुनाव कीजिए—

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(C) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(D) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है

28. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I

(a) फुतूह-उस-सलातिन
(b) फुतुहात-ए-फिरोजशाही
(c) तारिख-ए-फिरोजशाही
(d) खजैन-उल-फुतूह

सूची-II

1. फिरोज शाह तुगलक
2. अब्दुल मलिक इसामी
3. अमीर खुसरो
4. जियाउद्दीन बरनी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	1	4
(B)	1	3	4	2
(C)	2	1	4	3
(D)	2	4	3	1

29. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : बन्द शीशे की खिड़कियों एवं दरवाजों वाली कार में यात्रा करते समय व्यक्ति आकाशीय बिजली के आघात से सुरक्षित रहते हैं.

कारण (R) : एक बन्द कार अन्दर से खाली चालक की तरह व्यवहार करती है, अतः आवेश कार के अन्दर प्रवेश नहीं कर पाते हैं.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(C) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(D) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है

30. यूरोप में 'राइन नदी' के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. राइन नदी उत्तरी जर्मनी की औद्योगिक गतिविधियों के लिए एक महत्वपूर्ण मार्ग है.
2. रॉटरडैम का बंदरगाह राइन नदी के मुहाने पर स्थित है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) न तो 1 न ही 2
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) केवल 1

31. रुद्रमा के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए एवं उसके बारे में सही कथन चुनिए—
1. रुद्रमा वारंगल के काकतीय वंश की चौथी स्वतंत्र शासक थीं.
2. उसने दक्षिण तमिलनाडु के पाण्ड्य, उड़ीसा के पूर्वी गंग शासकों, देवगिरी के सेउना शासकों को पराजित किया.

(A) केवल 1
(B) न तो 1 न ही 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) केवल 2

32. निम्नलिखित कथन/कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. पहला कृषि विश्वविद्यालय, पंतनगर, उत्तराखण्ड (पूर्व में उत्तर प्रदेश का हिस्सा) में, 1960 में, स्थापित किया गया था.

2. 1901-05 के दौरान, कानपुर, पुणे, सबौर, नागपुर, लायलपुर और कोयंबटूर में 6 कृषि महाविद्यालय स्थापित किए गए.

कूट :

(A) न तो 1 न ही 2
(B) केवल 2
(C) केवल 1
(D) 1 और 2 दोनों

33. भारतीय संविधान की छठी अनुसूची किन राज्यों के जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन से सम्बन्धित है ?

(A) असम, अरुणाचल प्रदेश, त्रिपुरा व मिजोरम
(B) असम, त्रिपुरा, नगालैण्ड व मिजोरम
(C) असम, नगालैण्ड, मेघालय व मिजोरम
(D) असम, मेघालय, त्रिपुरा व मिजोरम

34. सूची-I तथा सूची-II मिलाइए तथा नीचे दिए गए कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I (देश)	**सूची-II (हंगहाऊ एशियाई खेल-2023 में प्राप्त पदकों की संख्या)**
(a) चीन	1. 190
(b) जापान	2. 107
(c) कोरिया गणराज्य	3. 383
(d) भारत	4. 188

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	4	1
(B)	2	1	3	4
(C)	1	2	4	3
(D)	3	4	1	2

35. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I	**सूची-I**
(a) विटामिन-C	1. रतौंधी
(b) फॉलिक अम्ल	2. बेरी-बेरी
(c) विटामिन-A	3. रक्ताल्पता
(d) विटामिन-B_1	4. स्कर्वी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	4	3
(B)	4	3	1	2
(C)	4	3	2	1
(D)	2	3	1	4

36. उत्तर प्रदेश के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथन/कथनों में कौनसा/से सही है/हैं ?

(a) पूर्व प्राथमिक शिक्षा की आयु 3 से 5 वर्ष निर्धारित है.
(b) प्राथमिक शिक्षा की आयु 6 से 11 वर्ष निर्धारित है.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(A) केवल (b)
(B) केवल (a)
(C) न तो (a) न ही (b)
(D) (a) और (b) दोनों

37. भारत में कोयला खनन की महत्वपूर्ण घटनाओं पर विचार कीजिए तथा इन्हें सही कालानुक्रम में व्यवस्थित कीजिए, सबसे पहले से लेकर आखिरी गतिविधि तक—

1. रानीगंज में कोयले का प्रथम उत्पादन
2. कोल इण्डिया लिमिटेड (CIL) की स्थापना
3. कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण
4. राष्ट्रीय कोयला विकास निगम (NCDC) की स्थापना

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करते हुए सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) 3, 1, 2, 4 (B) 1, 3, 2, 4
(C) 1, 2, 3, 4 (D) 1, 4, 3, 2

38. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : विषुवतीय बायोम सबसे घना एवं सर्वाधिक जैवभार वाला वन बायोम है.

कारण (R) : विषुवतीय वन क्षेत्र में वर्ष भर उच्च वर्षा एवं उच्च तापमान होता है.

नीचे दिए गए कूट की सहायता से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(B) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं तथा (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(C) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(D) (A) तथा (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है

39. बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. वह कलकत्ता विश्वविद्यालय के प्रथम स्नातक थे.
2. 'सीताराम' उनका अन्तिम उपन्यास था.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) 1 और 2 दोनों
(B) न तो 1 न ही 2
(C) केवल 1
(D) केवल 2

40. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार कीजिए तथा उनको दिए गए कूट का उपयोग करते हुए कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए—

1. बैंकों के राष्ट्रीयकरण का प्रथम चरण
2. बैंकों के राष्ट्रीयकरण का दूसरा चरण
3. क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना
4. नाबार्ड की स्थापना

कूट :

(A) 4, 2, 3, 1 (B) 3, 2, 1, 4
(C) 1, 3, 2, 4 (D) 1, 2, 4, 3

41. बैंक के लेन-देन में पिन (PIN) का अभिप्राय है—

(A) पोस्टल इंडेक्स नम्बर
(B) परमानेन्ट आइडेंटिफिकेशन नम्बर
(C) पर्सनल आइडेंटिफिकेशन नम्बर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

42. निम्नलिखित में से किस संगठन ने वर्ष 2023 में, वाराणसी को अपनी पहली पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी घोषित किया ?

(A) शंघाई सहयोग संगठन (एस.सी.ओ.)
(B) जी-20
(C) आसियान
(D) यूनेस्को

43. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : भारत में लवणीय मिट्टी फसलों की खेती के लिए उपयुक्त नहीं है.

कारण (R) : लवणीय मिट्टी में नमक की मात्रा अधिक होती है, जिसका मुख्य कारण शुष्क जलवायु और खराब जल निकासी है.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(B) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(C) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(D) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

44. बुरहान-उल-मुल्क सआदत खान के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथन/कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

1. अवध के स्वतंत्र राज्य का संस्थापक सआदत खान था.
2. उसने सैय्यद बन्धुओं के विरुद्ध षड्यंत्र में भाग लिया था.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) केवल 2
(B) 1 और 2 दोनों
(C) केवल 1
(D) न तो 1 न ही 2

45. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है —

अभिकथन (A) : भारत में रबी फसलों की खेती मुख्य रूप से पंजाब और हरियाणा जैसे उत्तर-पश्चिमी राज्यों में की जाती है.

कारण (R) : इन राज्यों में रबी फसलों की सफलता सर्दियों के दौरान पश्चिमी उष्णकटिबंधीय चक्रवातों के कारण होने वाली बारिश पर निर्भर करती है.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(B) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(C) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(D) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है

46. 'रूस में कुजबास क्षेत्र' के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

1. यह क्षेत्र कोयला और लौह अयस्क में समृद्ध है.
2. नोवोसिबिर्स्क इस क्षेत्र का एक महत्वपूर्ण औद्योगिक केन्द्र है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) 1 और 2 दोनों
(B) केवल 2
(C) केवल 1
(D) न तो 1 न ही 2

47. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : अक्टूबर 1940 में, गांधीजी ने कुछ चुने हुए लोगों द्वारा सीमित सत्याग्रह का आह्वान किया.

कारण (R) : यह सत्याग्रह इसलिए सीमित रखा गया ताकि ब्रिटेन के युद्ध प्रयासों को ठेस पहुँचे.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(B) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(C) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(D) (A) असत्य है किन्तु (R) सत्य है

48. बिपिन चन्द्र पाल के संदर्भ में कौनसा कथन सत्य है ?

1. वह ब्रह्मसमाजी नेता तथा समाज सुधारक थे.
2. न्यू इण्डिया नाम की साप्ताहिक पत्रिका प्रकाशित किया.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(A) न तो 1 न ही 2
(B) 1 और 2 दोनों
(C) केवल 2
(D) केवल 1

49. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (तेल शोधन शाला)	**सूची-II (राज्य)**
(a) बरौनी	1. असम
(b) बोंगाईगाँव	2. बिहार
(c) बीना	3. गुजरात
(d) कोयली	4. मध्य प्रदेश

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	3	1
(B)	3	1	4	2
(C)	1	2	3	4
(D)	2	1	4	3

50. यदि $\frac{a}{h}+\frac{y}{b}=1$ और $\frac{b}{y}+\frac{z}{c}=1$ है, तो $\frac{h}{a}+\frac{c}{z}$ बराबर होगा—

(A) 0
(B) 1
(C) $\frac{b}{y}$
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

51. 'नन्दिनी कृषक समृद्धि योजना' के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. इस योजना में केवल साहीवाल, गिर, थारपारकर एवं गंगातीरी प्रजाति की दुधारू गायें ही सम्मिलित की गई हैं.
2. लाभार्थी के पास गोपालन का कम-से-कम 1 वर्ष का अनुभव होना चाहिए.

नीचे दिए कूट से सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(A) न तो 1 न ही 2
(B) केवल 2
(C) केवल 1
(D) 1 और 2 दोनों

52. एक सिल्कयारा सुरंग में 200 वाट क्षमता के 15 बल्ब लगातार 24 घण्टे तक रोशन किए जाते हैं. बिजली की खपत कितनी होगी ?

(A) 71 यूनिट
(B) 72 यूनिट
(C) 73 यूनिट
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

53. निम्नलिखित मुगल शासकों पर विचार कीजिए तथा उनको कालक्रमानुसार व्यवस्थित कीजिए—

1. फर्रुखसियर 2. जहाँदार शाह
3. बहादुर शाह 4. मुहम्मद शाह

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(A) 3, 2, 1, 4 (B) 1, 4, 2, 3
(C) 4, 2, 1, 3 (D) 1, 3, 4, 2

54. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I

(a) स्कन्ध आवर्त
(b) चालू अनुपात
(c) अम्ल परख अनुपात
(d) सकल विनियोजित पूँजी

सूची-II

1. $\frac{\text{चालू सम्पत्ति}}{\text{चालू दायित्व}}$
2. $\frac{\text{तरल सम्पत्ति}}{\text{चालू दायित्व}}$
3. $\frac{\text{ब्याज एवं कर से पूर्व लाभ}}{\text{कुल सम्पत्ति}}$
4. $\frac{\text{बेची गई वस्तु की लागत}}{\text{औसत स्कन्ध}}$

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	2	1	3	4
(C)	3	2	1	4
(D)	4	3	1	2

55. भारतीय संविधान की प्रस्तावना में उल्लिखित सही क्रम कौनसा है ?

(A) समाजवादी पंथ-निरपेक्ष, सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, लोकतंत्रात्मक
(B) सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, समाजवादी, पंथ-निरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक

(C) पंथ-निरपेक्ष, समाजवादी, सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, लोकतंत्रात्मक
(D) सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न, पंथ-निरपेक्ष, समाजवादी, लोकतंत्रात्मक

56. पंचायती राज के संदर्भ में कौनसा कथन सही है ?
(A) पंचायती समिति और जिला परिषद् प्रत्यक्ष निर्वाचित सदस्यों से गठित होते हैं
(B) पंचायत स्तर चुनाव लड़ने की न्यूनतम आयु 18 वर्ष है
(C) पंचायती राज संस्थाओं का चुनाव राज्य चुनाव आयोग के पर्यवेक्षण में होता है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

57. 'एगमार्क' के सम्बन्ध में, निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. 'एगमार्क' कृषि उत्पादों की गुणवत्ता का सूचक है.
2. 'एगमार्क' का प्रमाण-पत्र भारतीय खाद्य निगम द्वारा जारी किया जाता है.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) 1 और 2 दोनों
(B) केवल 1
(C) केवल 2
(D) न तो 1 न ही 2

58. उत्तर प्रदेश के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. उत्तर प्रदेश 9 आर्थिक क्षेत्रों में बँटा है.
2. उत्तर प्रदेश में 11 कृषि-जलवायु क्षेत्र हैं.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) 1 और 2 दोनों
(B) न तो 1 न ही 2
(C) केवल 2
(D) केवल 1

59. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. मुरादाबाद ताँबे के काम के लिए प्रसिद्ध है और उसने दुनिया भर में हस्तशिल्प उद्योग में अपनी एक अलग पहचान बनाई है.
2. मुरादाबाद विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) उत्तर भारत में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विकसित पहला SEZ है.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चुनाव कीजिए—
कूट :
(A) केवल 1
(B) 1 और 2 दोनों
(C) न तो 1 न ही 2
(D) केवल 2

60. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—
अभिकथन (A) : जौनपुर को सिराज-ए-हिन्द के नाम से जानते हैं.
कारण (R) : जौनपुर शकी काल में शिक्षा के महान् केन्द्र के रूप में था.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(C) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(D) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है

61. निम्नलिखित में से रॉकेट किस सिद्धान्त पर कार्य करता है ?
(A) ऊर्जा संरक्षण
(B) बर्नौली प्रमेय
(C) गति का संरक्षण
(D) आवोगाद्रो की अवधारणा

62. पंजाब के विलय के सम्बन्ध में, निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(A) 29 मार्च, 1849 को गवर्नर जनरल की ओर से घोषणा हुई कि पंजाब राज्य समाप्त हो गया है
(B) महाराजा दलीप सिंह के सभी प्रदेश भारतीय ब्रिटिश साम्राज्य का हिस्सा बन गए हैं
(C) दलीप सिंह को ₹ 2,50,000 वार्षिक पेंशन दे दी गई
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

63. एक बोर्ड पर 5 समांतरली ऊर्ध्वाधर रेखाएं खींची गई हैं. बोर्ड पर 5 ऊर्ध्वाधर रेखाओं को काटती हुई 5 समांतरली क्षैतिज रेखाएं भी खींची गई हैं. किन्हीं दो निरन्तर ऊर्ध्वाधर रेखाओं के बीच की दूरी किन्हीं दो निरन्तर क्षैतिज रेखाओं के बीच की दूरी के समान है. इस तरह से बनने वाले वर्गों की अधिकतम संख्या कितनी है ?
(A) 16
(B) 26
(C) 30
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

64. 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार 2021 के संदर्भ में, निम्नलिखित कथन/कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. 'आर.आर.आर.' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' को क्रमशः 5 और 6 राष्ट्रीय पुरस्कार मिले.
2. 'रॉकेट्री : द नंबी इफेक्ट' ने सर्वश्रेष्ठ फीचर फिल्म का पुरस्कार जीता.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) न तो 1 न ही 2
(B) 1 और 2 दोनों
(C) केवल 2
(D) केवल 1

65. इसरो द्वारा लॉन्च किए गए मंगलयान के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इसे मार्स ऑर्बिटर मिशन भी कहा जाता है.
2. इसे नवम्बर 2013 में लॉन्च किया गया था.
नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) न तो 1 न ही 2
(B) 1 और 2 दोनों
(C) केवल 1
(D) केवल 2

66. निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. आई.टी.सी. का मतलब किसी पंजीकृत व्यक्ति द्वारा प्राप्त वस्तुओं और सेवाओं या दोनों की आपूर्ति पर इनपुट टैक्स क्रेडिट है.
2. आई.टी.सी. की पात्रता जो इस प्रकार हो सकती है—कर योग्य आपूर्ति, गैर-कर योग्य आपूर्ति, शून्य रेटेड आपूर्ति.
कूट :
(A) 1 और 2 दोनों
(B) केवल 2
(C) न तो 1 न ही 2
(D) केवल 1

67. निम्नलिखित कथन/कथनों में से कौनसा/से कथन गलत है/हैं ?
(a) मौलिक अधिकार पर संविधान का भाग-III यू.एस.ए. के बिल ऑफ राइट्स पर आधारित है.
(b) संविधान के अनुच्छेद 21 के अन्तर्गत 'मृत्यु का अधिकार' मूलभूत अधिकार है.
(c) भारतीय संविधान एक पूर्ण संघीय संविधान है.
(d) भारतीय संविधान के अनुसार मूलभूत अधिकारों को हटाया जा सकता है.
कूट :
(A) केवल (b) और (c)
(B) केवल (c) और (d)
(C) केवल (b)
(D) केवल (b), (c) और (d)

68. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (अकादमी का नाम)

(a) राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ
(b) उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ
(c) भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ
(d) अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या

सूची-II (स्थापना वर्ष)

1. 1986
2. 1975
3. 1963
4. 1962

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	3	2	1
(B)	3	4	1	2
(C)	4	3	1	2
(D)	3	2	4	1

69. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : संविधान, संघ की कार्यपालिका शक्ति भारत के राष्ट्रपति में निहित करता है.

कारण (R) : भारत का राष्ट्रपति राज्य का संवैधानिक प्रमुख होता है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) (A) एवं (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(C) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(D) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है

70. 'अफ्रीका में विक्टोरिया जल-प्रपात' के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

1. यह जाम्बिया और मोजाम्बिक की सीमा पर अवस्थित है.
2. यह जाम्बेजी नदी पर स्थित है.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) केवल 1
(B) 1 और 2 दोनों
(C) केवल 2
(D) न तो 1 न ही 2

71. लोकेश अपने घर से, 15 किमी उत्तर की ओर चला गया. फिर वह पश्चिम की ओर मुड़ा और 10 किमी चला. फिर वह दक्षिण की ओर मुड़ा और 5 किमी चला. अन्त में पूर्व की ओर मुड़कर, उसने 10 किमी की दूरी तय की. वह अपने घर से किस दिशा में है ?

(A) पूर्व
(B) पश्चिम
(C) उत्तर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

72. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : बढ़ती आबादी का पेट भरने के लिए भारतीय कृषि में महत्वपूर्ण तकनीकी और संस्थागत सुधारों की आवश्यकता है.

कारण (R) : भारत के कई हिस्सों में बड़ी संख्या में किसान अभी भी कृषि के लिए मानसूनी वर्षा और मिट्टी की प्राकृतिक उर्वरता पर निर्भर हैं.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(B) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(C) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(D) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है

73. भारत का कौनसा राज्य चूना पत्थर, जिप्सम, नमक और जस्ता के भण्डारण के लिए प्रसिद्ध है ?

(A) हरियाणा (B) राजस्थान
(C) गुजरात (D) पंजाब

74. 14 से बड़े तथा 50 से छोटे विषम संख्याओं के योग का एक-चौथाई वर्ग है—

(A) 2 का
(B) 24 का
(C) 4 का
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

75. गाजा पट्टी के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथन/कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

1. इसकी सीमा मिस्र से लगती है.
2. इसकी सीमा इजरायल से लगती है.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) केवल 1
(B) न तो 1 न ही 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) केवल 2

76. उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन-2023 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. शिखर सम्मेलन लखनऊ में आयोजित किया गया था.
2. शिखर सम्मेलन का उद्घाटन भारत के राष्ट्रपति द्वारा किया गया था.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(A) केवल 1
(B) न तो 1 न ही 2
(C) केवल 2
(D) 1 एवं 2 दोनों

77. निम्नलिखित युग्मों (दर्शनीय स्थल–उ.प्र. के जिले) में से कौनसा एक सही सुमेलित है ?

(A) देवी पाटन मंदिर–श्रावस्ती
(B) चीनी मंदिर–महोबा
(C) बावनी इमली, शहीद स्मारक–फतेहपुर
(D) समसपुर पक्षी विहार–अमेठी

78. निम्नलिखित में से कौनसा एक (भारत में बोर्ड–मुख्यालय) सुमेलित नहीं है ?

(A) कॉफी बोर्ड–हैदराबाद
(B) चाय बोर्ड–कोलकाता
(C) मसाला बोर्ड–कोच्चि
(D) रबर बोर्ड–कोट्टयम

79. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (राजधानी शहर)

(a) कंपाला (b) किगाली
(c) किंशासा (d) खार्तूम

सूची-II (देश)

1. रवांडा
2. यूगांडा
3. सूडान
4. कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	2	1	3	4

80. पश्चिमी घाट में विभिन्न दर्रे, जिन्हें घाट कहा जाता है, का उत्तर से दक्षिण का सही क्रम है—

(A) थाल घाट → पाल घाट → भोर घाट
(B) थाल घाट → भोर घाट → पाल घाट
(C) भोर घाट → थाल घाट → पाल घाट
(D) भोर घाट → पाल घाट → थाल घाट

81. सूची-I और सूची-II को सुमेलित कीजिए एवं दिए गए कूट से उत्तर चुनिए—

सूची-I (स्वर्ण पदक विजेता)

(a) अन्नू रानी
(b) पारुल चौधरी
(c) तजिन्दरपाल सिंह तूर
(d) पलक गुलिया

सूची-II (खेल)

1. 5000 मीटर
2. भाला फेंक
3. 10 मी. एयर पिस्टल
4. गोला फेंक

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	4	3
(C)	2	4	3	1
(D)	1	2	3	4

82. 25 लोगों के एक समूह में, 12 लोग फ्रेंच पढते हैं, 15 लोग अंग्रेजी पढ़ते हैं, जबकि उनमें से 6 लोग इन दोनों को नहीं पढ़ते हैं. उनमें से कितने लोग फ्रेंच तथा अंग्रेजी दोनों पढ़ते हैं ?

(A) 0
(B) 8
(C) 4
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

83. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (उत्पाद)

(a) काला नमक चावल
(b) देशी घी
(c) आंवला
(d) केला फाइबर

सूची-II (जिला)

1. प्रतापगढ़
2. कुशीनगर
3. सिद्धार्थ नगर
4. औरैया

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	3	2	1	4
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

84. तुलसीदास के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?

1. तुलसीदास का जन्म बाँदा जनपद के राजापुर नामक ग्राम में हुआ था.
2. उनकी पत्नी का नाम गीतावली था.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(A) केवल 2
(B) 1 और 2 दोनों
(C) केवल 1
(D) न तो 1 न ही 2

85. एक घड़ी प्रत्येक घण्टे में 4 मिनट आगे बढ़ जाती है, तो 1 मिनट में सेकण्ड की सुई द्वारा तय किया गया कोण होगा—

(A) 360°
(B) 360·5°
(C) 384°
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

86. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I

(a) अनुच्छेद-26 (b) अनुच्छेद-40
(c) अनुच्छेद-98 (d) अनुच्छेद-239

सूची-II

1. संघ शासित क्षेत्रों का प्रशासन
2. संसद का सचिवालय
3. धार्मिक कार्यों के प्रबन्ध की स्वतन्त्रता
4. ग्राम पंचायतों का गठन

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	2	1
(B)	3	4	1	2
(C)	3	1	2	4
(D)	4	3	2	1

87. भारत की 2011 की जनगणना के अनुसार, भारत की नगरीय जनसंख्या का प्रतिशत था—

(A) 30·7%
(B) 31·2%
(C) 31·8%
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

88. सूची-I तथा सूची-II को सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (पर्वत)	**सूची-II (महाद्वीप)**
(a) एन्डीज	1. यूरोप
(b) अल्ताई	2. उत्तरी अमरीका
(c) आल्प्स	3. एशिया
(d) अपलेशियन	4. दक्षिणी अमरीका

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	4	3	2	1
(C)	4	3	1	2
(D)	3	4	1	2

89. एक निश्चित कोड में CORPORATIONS को PROCTAROSNOI के रूप में लिखा गया है, तो उसी कोड में JUDICIAL कैसे लिखा जाएगा ?

(A) IDUJLAIC
(B) UJIDLAIC
(C) UJIDICLA
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

90. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक को अभिकथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : बंगाल ब्रिटिश इण्डियन सोसाइटी की स्थापना 1843 ई. में जॉर्ज थॉम्पसन के प्रयासों का परिणाम था.

कारण (R) : जॉर्ज थॉम्पसन को द्वारकानाथ टैगोर इंगलैण्ड से भारत राजनीतिक आन्दोलन संगठित करने के लिए लाए थे.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चुनाव कीजिए—

कूट :

(A) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(B) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(C) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(D) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है

91. निम्नांकित चित्र में अज्ञात संख्या ज्ञात कीजिए—

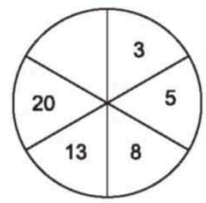

(A) 1
(B) 26
(C) 31
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

92. राष्ट्रीय पुस्तक मेला के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. यह 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2023 तक लखनऊ में आयोजित किया गया था.
2. इसका आयोजन भारत सरकार द्वारा किया गया था.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 न ही 2

93. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक अभिकथन (A) और दूसरा कारण (R) है—
अभिकथन (A) : नरगेस मोहम्मदी को 2023 के लिए नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया.
कारण (R) : वह प्रेस की स्वतंत्रता के पक्ष में लड़ती हैं.
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है
(C) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(D) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है

94. उत्तर प्रदेश के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. आयुर्वेद महोत्सव 2023 झाँसी में आयोजित किया गया था.
2. ताज महोत्सव 2023 प्रदेश की राजधानी लखनऊ, में आयोजित किया गया था.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) केवल 1
(B) न तो 1 न ही 2
(C) केवल 2
(D) 1 और 2 दोनों

95. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

सूची-I (चित्रकारी)	**सूची-II (राज्य)**
(a) मधुबनी	1. ओडिशा
(b) लेपाक्षी	2. महाराष्ट्र
(c) पट्टचित्र	3. आन्ध्र प्रदेश
(d) वारली	4. बिहार

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	4	3	2	1
(C)	4	2	3	1
(D)	4	3	1	2

96. निम्नलिखित पर विचार कीजिए तथा इन्हें आवृत्ति के बढ़ते क्रम में व्यवस्थित कीजिए—
1. एक्स-रे
2. दृश्य किरणें
3. अवरक्त किरणें
4. रेडियो तरंगें

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) 2, 3, 4, 1
(B) 4, 3, 2, 1
(C) 1, 2, 3, 4
(D) 3, 2, 1, 4

97. उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इसकी स्थापना वर्ष 1965 में हुई थी.
2. यह वाराणसी में स्थित है.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर को चुनिए—
कूट :
(A) केवल 1
(B) न तो 1 न ही 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) केवल 2

98. निम्नलिखित कथन/कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. चीनी उद्योग प्रारम्भ में उत्तर प्रदेश में स्थित था.
2. गन्ने की कम उपज, कम पेराई सत्र, उद्योगों की असंतोषजनक अवस्थापना ने चीनी उत्पादन में समस्याएं जनित की.

कूट :
(A) न तो 1 न ही 2
(B) केवल 1
(C) 1 और 2 दोनों
(D) केवल 2

99. 'मेगापोलिस' शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया ?
(A) जीन गॉटमैन
(B) टेलर
(C) डेविस
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

100. निम्नलिखित में से कौन गुप्त कालीन प्रशासनिक विभाजन का सही अनुक्रम है ?
(A) भुक्ति → विषय → वीथि → ग्राम
(B) विषय → भुक्ति → वीथि → ग्राम
(C) वीथि → भुक्ति → विषय → ग्राम
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

101. अनुसूचित क्षेत्रों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत का राष्ट्रपति अनुसूचित क्षेत्रों को अधिसूचित करता है.
2. अनुसूचित क्षेत्रों वाले राज्यों को जनजातीय सलाहकार परिषद् का गठन करना होता है.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) न तो 1 न ही 2
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) केवल 1

102. राज्य के नीति निदेशक तत्व के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. वे न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय नहीं है.
2. कानून निर्माण में इन सिद्धान्तों को लागू करना राज्य का कर्तव्य होगा.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) केवल 1
(B) 1 और 2 दोनों
(C) केवल 2
(D) न तो 1 न ही 2

103. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (कोयला आधारित बिजली संयंत्र)	**सूची-II (राज्य में अवस्थित)**
(a) कहलगाँव	1. मध्य प्रदेश
(b) खरगोन	2. बिहार
(c) कोरबा	3. कर्नाटक
(d) कुडगी	4. छत्तीसगढ़

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	3	4
(B)	1	2	4	3
(C)	1	2	3	4
(D)	2	1	4	3

104. कोयला के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत, दुनिया में कोयले के अग्रणी उत्पादकों में से एक है.
2. भारत के झारखण्ड और छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में कोयले के विशाल भण्डार हैं.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—
कूट :
(A) 1 एवं 2 दोनों
(B) केवल 1
(C) न तो 1 न ही 2
(D) केवल 2

105. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (महत्वपूर्ण दिवस)

(a) विश्व जनसंख्या दिवस
(b) विश्व वन्यजीव दिवस
(c) विश्व ओजोन दिवस
(d) विश्व स्वास्थ्य दिवस

सूची-II (दिनांक)

1. 3 मार्च
2. 11 जुलाई
3. 7 अप्रैल
4. 16 सितम्बर

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	3	4
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	1	3	4	2

106. 'ग्रेट बैरियर रीफ' के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. यह आस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्वी तट पर स्थित है.
2. इसकी लम्बाई 2500 किमी से अधिक है.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :
(A) न तो 1 न ही 2
(B) 1 और 2 दोनों
(C) केवल 2
(D) केवल 1

107. यदि गत दिवस के एक दिन पूर्व रविवार था, तो कल के एक दिन पश्चात् के तीन दिन पश्चात् कौनसा दिन होगा ?
(A) रविवार
(B) सोमवार
(C) बुधवार
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

108. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिसमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : एक शर्त अनुबंध के मुख्य उद्देश्य के लिए आवश्यक एक शर्त है.

कारण (R) : शर्त एक उल्लंघन क्षतिपूर्ति का दावा करने का अधिकार देता है, न कि अनुबंध को अस्वीकार करने का अधिकार.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :
(A) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(C) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(D) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है

109. 'मिनामाटा' रोग का कारण है—
(A) कैडमियम प्रदूषित जल
(B) लैड प्रदूषित जल
(C) मरकरी प्रदूषित जल
(D) क्रोमियम प्रदूषित जल

110. ठोसों के यांत्रिक गुणों के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. रबर का यंग गुणांक स्टील की तुलना में अधिक होता है.
2. किसी कुंडली का खिंचाव उसके अपरूपण गुणांक द्वारा निर्धारित होता है.

(A) केवल 2
(B) केवल 1
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 न ही 2

111. भारत में ब्रिटिश काल में निम्नलिखित में से किसके कार्यकाल में पहली बार जनगणना हुई थी ?
(A) लॉर्ड डफरिन
(B) लॉर्ड लिटन
(C) लॉर्ड मेयो
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

112. जी-20 शिखर सम्मेलन-2023 के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा (प्रतिभागी देश–प्रतिभागी मुखिया) सही सुमेलित नहीं है ?
(A) अर्जेंटीना–अल्बर्टो फर्नान्डीज
(B) कनाडा–जस्टिन ट्रूडो
(C) आस्ट्रेलिया–एन्थोनी अल्बानीज
(D) ब्राजील–जोको विडोडो

113. भारत में वन्यजीवों के संरक्षण के सन्दर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 केवल जंगली जानवरों की सुरक्षा के लिए कानूनी ढाँचा प्रदान करता है.
2. प्रोजेक्ट एलिफेंट का लक्ष्य केवल जंगली एशियाई हाथियों का संरक्षण करना है.

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 न ही 2

114. रमेश की ऊँचाई 5 फीट है. रमेश की ऊँचाई नैनोमीटर में कितनी होगी ?
(A) $152{\cdot}5 \times 10^7$ नैनोमीटर
(B) $152{\cdot}5 \times 10^8$ नैनोमीटर
(C) $152{\cdot}5 \times 10^9$ नैनोमीटर
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

115. 2011 की भारत की जनगणना के अनुसार घटते जनसंख्या घनत्व वाले राज्यों का निम्नलिखित में से कौनसा एक सही क्रम है ?
(A) पश्चिम बंगाल, बिहार, उत्तर प्रदेश, केरल
(B) बिहार, पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, केरल
(C) पश्चिम बंगाल, बिहार, केरल, उत्तर प्रदेश
(D) बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, उत्तर प्रदेश

116. इण्डिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव, 2023 के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इसकी मेजबानी इंदौर शहर ने की थी.
2. इसका आयोजन सितम्बर माह में हुआ था.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :
(A) 1 और 2 दोनों
(B) केवल 1
(C) केवल 2
(D) न तो 1 न ही 2

117. निम्नलिखित अधिनियमों को उनके कालक्रमानुसार व्यवस्थित करें एवं नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
1. लेक्स-लोकी अधिनियम
2. बंगाल टेनेन्सी अधिनियम
3. आयु की सहमति अधिनियम
4. भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम

कूट :
(A) 1, 4, 2 और 3
(B) 4, 1, 2 और 3
(C) 1, 3, 2 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

118. निम्नलिखित जोड़ों में से कौनसा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है ?
(A) एडम स्मिथ–वेल्थ ऑफ नेशन्स
(B) जे.एम. कीन्स–जनरल थ्योरी ऑफ इम्पलॉयमेन्ट, इंटरेस्ट एण्ड मनी
(C) गुन्नार म्यर्दल–एशियन ड्रामा
(D) कार्ल मार्क्स–प्रिंसिपल्स ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी एण्ड टैक्सेशन

119. 'मिरात-ए-सिकन्दरी' पुस्तक के संदर्भ में कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?

1. इसमें गुजरात के सुल्तान महमूद वेगड़ा के राज्य की सुख-समृद्धि का वर्णन है.
2. इसमें व्यापारिक मार्गों की सुरक्षा का उचित प्रबंधन का वर्णन है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) केवल 1
(B) न तो 1 न ही 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) केवल 2

120. निम्नलिखित में से कौनसा मैंगनीज उत्पादक क्षेत्र कर्नाटक में स्थित नहीं है ?
(A) बेल्लारी (B) चिकमगलूर
(C) शिमोगा (D) श्रीकाकुलम

121. निम्नलिखित में से कौनसा/से देश अरब प्रायद्वीप का हिस्सा नहीं है/हैं ?
1. ओमान 2. इराक
3. कुवैत 4. सीरिया

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) 2 और 4 दोनों
(B) 2 और 3 दोनों
(C) केवल 4
(D) केवल 1

122. चन्द्रयान-3 मिशन में चन्द्र लैंडिंग स्थल के आस-पास चन्द्र भूमि और चट्टानों के तात्विक संयोजन (Mg, Al, Si, K, Ca, Ti, Fe) को ज्ञात करने के लिए निम्नलिखित में से कौनसा पेलोड प्रयोग किया गया था ?
(A) ILSA
(B) LRA
(C) APXS
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

123. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (बैंक)

(a) इलाहाबाद बैंक
(b) पंजाब नेशनल बैंक
(c) अवध कमर्शियल बैंक
(d) द अलायन्स बैंक ऑफ शिमला

सूची-II (स्थापना वर्ष)

1. 1874 2. 1881
3. 1865 4. 1894

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	4	2	1
(C)	2	1	3	4
(D)	4	3	2	1

124. समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (MPEDA) के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
1. MPEDA की स्थापना 1972 में हुई थी.
2. इसका मुख्यालय कोलकाता में है.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(A) न तो 1 ना ही 2
(B) केवल 2
(C) केवल 1
(D) 1 और 2 दोनों

125. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (योजनाएं)

(a) प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज
(b) मुस्कान स्कीम
(c) मिशन इन्द्रधनुष
(d) प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना

सूची-II (प्रारम्भ वर्ष)

1. 2014
2. 2020
3. 2018
4. 2021

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	4	1	3
(B)	3	1	4	2
(C)	4	3	2	1
(D)	1	2	3	4

126. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : लेखांकन व्यवसाय की भाषा है.

कारण (R) : लेखांकन व्यवसायी द्वारा आवश्यक सभी सूचना प्रदान करता है.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है
(B) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है
(C) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(D) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है

127. गुर्दे की पथरी किसके कारण बनती है ?
(A) वसा का जमाव
(B) ऑक्सालेट का क्रिस्टलीकरण
(C) प्रोटीन का अवक्षेपण
(D) रेत के कणों का जमाव

128. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) कहा गया है—

अभिकथन (A) : लाल मिट्टी का रंग लोहे के उच्च अनुपात के बजाय उसके व्यापक प्रसार के कारण होता है.

कारण (R) : उनमें आमतौर पर नत्रजन, फॉस्फोरस और ह्यूमस की कमी होती है.

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

कूट :

(A) (A) और (R) दोनों सत्य हैं और (R), (A) की सही व्याख्या करता है
(B) (A) असत्य है, किन्तु (R) सत्य है
(C) (A) सत्य है, किन्तु (R) असत्य है
(D) (A) और (R) दोनों सत्य हैं, किन्तु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं करता है

129. प्रथम मानव निर्मित रूबी लेजर के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. रूबी लेजर ने नीले प्रकाश पुंज को उत्पन्न किया था.
2. रूबी लेजर ने लाल प्रकाश पुंज को उत्पन्न किया था.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :

(A) न तो 1 न ही 2
(B) 1 और 2 दोनों
(C) केवल 2
(D) केवल 1

130. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए एवं नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

सूची-I (उत्सव)	**सूची-II (राज्य/केन्द्रशासित क्षेत्र)**
(a) हॉर्नबिल पर्व	1. आन्ध्र प्रदेश
(b) संगाई पर्व	2. मणिपुर
(c) राजहंस पर्व	3. लद्दाख
(d) हेमिस पर्व	4. नगालैण्ड

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	1	3	4
(C)	4	2	1	3
(D)	4	3	1	2

131. निम्नलिखित में से कौनसा/से यूरोप के किसी देश की राजधानी नहीं है/हैं ?
1. रीगा 2. रॉटरडैम
3. जाग्रेब 4. ज्यूरिख

नीचे दिए गए कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

कूट :
(A) केवल 1 (B) 2 और 3
(C) केवल 4 (D) 2 और 4

132. आदिम निर्वाहक कृषि पद्धति के सन्दर्भ में से कौनसा/से जोड़ा/जोड़े सही है/हैं ?

कृषि पद्धति		क्षेत्र
1. झूमिंग	:	दक्षिण-पूर्व एशिया
2. मिल्पा	:	मेक्सिको
3. लदांग	:	श्रीलंका

नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए–
कूट :
(A) 1, 2 और 3
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2
(D) केवल 1

133. 'ऑपरेशन अजय' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 'ऑपरेशन अजय' शुरू करने की घोषणा की.
2. यह युद्ध-ग्रस्त इजरायल में फँसे भारतीयों को वापस लाने के लिए प्रारम्भ किया गया था.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) 1 और 2 दोनों
(B) केवल 2
(C) न तो 1 न ही 2
(D) केवल 1

134. निम्नलिखित युग्मों में से कौनसा युग्म (अनुच्छेद–प्रावधान) सही सुमेलित नहीं है ?
(A) अनुच्छेद 124–उच्चतम न्यायालय का अभिलेख न्यायालय होना
(B) अनुच्छेद 132–उच्चतम न्यायालय की अपीलीय अधिकारिता
(C) अनुच्छेद 143–उच्चतम न्यायालय की परामर्श शक्ति
(D) अनुच्छेद 136–उच्चतम न्यायालय के द्वारा अपील के लिए विशेष इजाजत

135. पिछवाई चित्रकला किस देवता से सम्बन्धित है ?
(A) देवी काली
(B) भगवान शिव
(C) श्रीनाथ जी/कृष्ण
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

136. साइमन कमीशन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
1. इसने दो बार भारत का दौरा किया.
2. इसका दूसरा दौरा 11 अक्टूबर, 1929 से 13 अप्रैल, 1930 तक का था.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) न तो 1 न ही 2
(B) केवल 1
(C) केवल 2
(D) 1 और 2 दोनों

137. 3, 8, 13, 24, 41, 70, ... में लुप्त संख्या है–
(A) 80
(B) 75
(C) 117
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

138. अनुक्रम में अगला भिन्न कौनसा आता है ?
$\frac{1}{2}, \frac{3}{4}, \frac{5}{8}, \frac{7}{16}, ...$
(A) $\frac{9}{32}$ (B) $\frac{12}{35}$
(C) $\frac{11}{34}$ (D) $\frac{10}{17}$

139. निम्नलिखित युग्मों (संस्थान–स्थान) में से कौनसा एक सही सुमेलित नहीं है ?
(A) भारतीय चारागाह एवं चारा अनुसंधान संस्थान–झाँसी
(B) भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान–वाराणसी
(C) राष्ट्रीय कृषि उपयोगी सूक्ष्मजीव ब्यूरो–मऊ
(D) केन्द्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान–मखदूम

140. लॉर्ड कर्जन के संदर्भ में कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?
1. अंग्रेजी साम्राज्य को ग्रेनाइट की चट्टान पर स्थापित करना.
2. कलकत्ता निगम अधिनियम की घोषणा.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर चुनिए–
कूट :
(A) 1 और 2 दोनों
(B) न तो 1 न ही 2
(C) केवल 2
(D) केवल 1

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) ऊँचाई बढ़ने के साथ वायुमण्डलीय दाब कम हो जाता है अतः अधिक ऊँचाई पर पानी का क्वथनांक निम्न वायुमण्डलीय दाब के कारण घटता है.
2. (A) दिए गए विकल्पों में से वर्तमान में फरगना और समरकंद अफगानिस्तान में नहीं स्थित हैं, ये दोनों शहर उज्बेकिस्तान में स्थित हैं.
3. (C) दिए गए सैय्यद वंश के सुल्तानों का सही कालानुक्रम निम्नलिखित है–
   - खिज्र खान–1414–21 ई.
   - मुबारक शाह–1421–34 ई.
   - मुहम्मद शाह–1434–45 ई.
   - अलाउद्दीन आलम शाह–1445–51 ई.
4. (C)
5. (B) खेत से मिट्टी के नुकसान के बढ़ते क्रम के संदर्भ में क्षरण का सही क्रम है– बौछारी क्षरण < परत क्षरण < नलिका क्षरण < अवनालिका क्षरण.
   - बौछारी क्षरण वर्षा की बूँदों द्वारा मिट्टी की सतह पर बमबारी के परिणामस्वरूप होता है.
   - परत क्षरण पतली परतों में मिट्टी का एक समान निष्कासन है.
   - नलिका क्षरण तब होता है जब अपवाह जल ढलान से नीचे केन्द्रित होकर छोटे चैनल बनाता है.
   - अवनालिका क्षरण बहते सतही जल के कारण होने वाले मृदा अपरदन का एक व्यापक रूप है.
6. (C) अनुच्छेद 76 भारत के महान्यायवादी से सम्बन्धित है. यह भारत सरकार का प्रथम विधि अधिकारी होता है, तथा यह कानूनी मामलों पर भारत सरकार को सलाह देता है. महान्यायवादी को भारत के क्षेत्र में सभी अदालतों में सुनवाई का अधिकार प्राप्त है.
   महान्यायवादी की नियुक्ति राष्ट्रपति करता है एवं महान्यायवादी राष्ट्रपति के प्रसादपर्यन्त पद धारण करता है. हालाँकि, भारत का महान्यायवादी मंत्रीमण्डल का सदस्य नहीं है फिर भी उसे संसद के सदनों या उसकी किसी समिति में बोलने का अधिकार प्राप्त है, लेकिन मत देने का अधिकार नहीं. अपने पद के आधार पर, महान्यायवादी संसद सदस्य के विशेषाधिकारों का हकदार है.
7. (C) स्विमिंग पूल का वास्तविक गहराई से कम गहरा प्रतीत होना 'अपवर्तन' के कारण होता है. प्रकाश का अपवर्तन एक माध्यम से दूसरे में जाने पर होता है, क्योंकि प्रकाश की गति दो माध्यमों में अलग-अलग होती है. जब प्रकाश किरणें एक माध्यम से दूसरे माध्यम में जाती हैं, तो वह अपने मार्ग से विचलित (दूर झुक) हो जाती हैं.
8. (C) **'फाइव आइज'** एक खुफिया गठबंधन है जिसमें आस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड किंगडम और संयुक्त राज्य

अमरीका जैसे देश शामिल हैं. ये देश बहुपक्षीय UK-USA समझौते के पक्षकार हैं, जो सिग्नल इंटेलिजेंस में संयुक्त सहयोग के लिए एक संधि है. वर्ष 1943 में इस समझौते की नींव रखी गई. वर्ष 1949 में कनाडा तथा 1956 में न्यूजीलैंड तथा आस्ट्रेलिया भी इसमें शामिल हो गए. फाइव आइज **'स्टोन घोस्ट'** नामक एक गुप्त सामूहिक डेटाबेस के माध्यम से खुफिया जानकारी के निरन्तर साझाकरण में शामिल हैं.

9. (D) उत्पादकता बढ़ाने और चावल और गेहूँ आधारित फसल प्रणालियों की स्थिरता में सुधार के दोहरे उद्देश्यों को प्राप्त करने में दालें महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं. अनाज की फसल के साथ या उससे पहले उगाई जाने वाली दालें नाइट्रोजन के प्रयोग की आवश्यकता को कम कर सकती हैं और कभी-कभी इसकी भरपाई भी कर सकती हैं. अनाज की तुलना में दालों में सूखा सहने की क्षमता बेहतर होती है. अतः अर्धशुष्क क्षेत्रों में दालें आसानी से उगाई जा सकती हैं.
अनाज की फसलें एकबीजपत्री हैं और दालें द्विबीजपत्री हैं. एकबीजपत्री में रेशेदार जड़ें होती हैं और द्विबीजपत्री में मूसला जड़ें होती हैं. मूसला जड़ प्रणाली में एक प्रमुख प्राथमिक जड़ होती है, जहाँ से पार्श्व जड़ें निकलती हैं. रेशेदार जड़ प्रणाली में, प्राथमिक जड़ अल्पकालिक होती है और उसकी जगह तने के आधार से निकलने वाली बड़ी संख्या में जड़ें आ जाती हैं. दोनों प्रकार की जड़ें मिट्टी से पानी और खनिजों को अवशोषित करने और इसे पौधे के बाकी हिस्सों तक पहुँचाने में कुशल हैं.
अनाज और तिलहन की तुलना में दालों में कम उर्वरक की आवश्यकता होती है. अतः प्रचलित फसल प्रणालियों में दालों को मिश्रित या अंतरफसलों के रूप में आसानी से शामिल किया जा सकता है.

10. (C)
- जे. थॉमसन एक अंग्रेजी भौतिक विज्ञानी थे जिन्होंने 1897 में इलेक्ट्रॉन की खोज की थी.
- प्रोटॉन की खोज का श्रेय अर्नेस्ट रदरफोर्ड को दिया जाता है, जिन्होंने वर्ष 1917 में साबित किया कि हाइड्रोजन परमाणु का नाभिक (यानी एक प्रोटॉन) अन्य सभी परमाणुओं के नाभिक में मौजूद होता है.
- न्यूट्रॉन की खोज ब्रिटिश भौतिक वैज्ञानिक जेम्स चैडविक ने 1931 में की थी.
- 1935 में युकावा द्वारा पाई-मेसन के अस्तित्व की भविष्यवाणी की गई थी, लेकिन वे वास्तव में 1947 में कॉस्मिक किरणों में खोजे गए थे.

11. (C) दक्षिण अफ्रीका में ही महात्मा गांधी ने पहली बार सत्याग्रह के रूप में जानी गई अहिंसात्मक विरोध की अपनी विशिष्ट तकनीक का इस्तेमाल किया. वहाँ किए गए अपने विरोध आयोजन के अपने अनुभव से गांधी ने नेतृत्व और राजनीति की अपनी शैली, और सीमित पैमाने पर संघर्ष की नई तकनीकों को विकसित करना सीखा और उसे भारत के राष्ट्रीय आंदोलन में इस्तेमाल किया.

12. (D) माना कि धनराशि = ₹ P

$$A = P\left(1+\frac{RT}{100}\right)$$

$$540 = P\left(1+\frac{7\times 5}{100}\right)$$

$$540 = P\times\frac{135}{100}$$

$$P = \frac{54000}{135}$$

$$P = ₹\ 400$$

∴ अभीष्ट धनराशि

$$= 400 + \frac{400\times 9\times 3}{100}$$

$$= 400 + 108$$

$$= ₹\ 508$$

13. (C) सही सुमेलन इस प्रकार है–
- जया वर्मा सिन्हा–रेलवे बोर्ड की प्रथम महिला अध्यक्ष
- मनोज नाथ–'टेल्स फ्रॉम बनाना रिपब्लिक' के लेखक
- श्रेथा थाविसिन–थाइलैंड के प्रधानमंत्री
- डॉ. मोहम्मद मुइज्जू–मालदीव के राष्ट्रपति

14. (D) हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान, हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में स्थित है. शेष दिए गए तीनों विकल्प सही सुमेलित हैं.

15. (C)

16. (C)
- वित्त वर्ष 2023-24 के लिए उत्तर प्रदेश राज्य के बजट का आकार ₹ 6·90 लाख करोड़ था.
- 2023-24 के लिए राजकोषीय घाटा जीएसडीपी के लगभग 3·5% (₹ 84,883 करोड़) पर लक्षित है.

17. (A) **15 अगस्त, 2023**–भारत में सार्वजनिक शौचालयों के जनक बिंदेश्वर पाठक का निधन.
22 अगस्त, 2023–प्रख्यात सांख्यिकीविद् सी. आर. राव का निधन.
8 सितम्बर, 2023–रुद्र वीणा वादक उस्ताद अली जकी हैदर का निधन.
28 सितम्बर, 2023–भारत की हरित क्रांति के जनक एम.एस. स्वामीनाथन का निधन.

18. (A) बीज गुणन के चरणों का प्रारम्भिक चरण से अन्तिम चरण तक सही कालानुक्रमिक क्रम इस प्रकार है–
केन्द्रक बीज > प्रजनक बीज > आधारीय बीज > प्रमाणित बीज.
केन्द्रक बीज (Nucleus seed)—यह बीज वैज्ञानिकों द्वारा स्वयं तैयार किया जाता है, जो अनुवांशिक रूप से 100% शुद्ध होता है.
प्रजनक बीज (Breeder seed)—यह केन्द्रीय बीज की संतति होती है. यह बीज भौतिक एवं अनुवांशिक रूप से 100 शुद्ध होता है.
आधारीय बीज (Foundation seed)—इसका उत्पादन बीज प्रमाणीकरण संस्था की निगरानी में होता है. यह प्रजनक बीज की संतति होती है.
प्रमाणित बीज (Certified seed)—यह बीज आधार बीज से तैयार किया जाता है. यह भी भौतिक एवं अनुवांशिक रूप से शुद्ध होता है.

19. (B) विश्व के कुल जूट उत्पादन का 85% गंगा डेल्टा क्षेत्र में उत्पादित किया जाता है. भारत विश्व का सबसे बड़ा जूट उत्पादक देश है, भारत में विश्व के कुल 60% जूट का उत्पादन किया जाता है. भारत में प्रमुख जूट उत्पादक राज्यों में पश्चिम बंगाल, बिहार, ओडिशा, असम, आंध्र प्रदेश, मेघालय और त्रिपुरा शामिल हैं. जूट उत्पादन में भारत के बाद बांग्लादेश और चीन का स्थान है.
पीली क्रांति जूट से नहीं बल्कि तिलहन उत्पादन से सम्बन्धित है. **गोल्डन फाइबर क्रांति,** भारत में जूट उत्पादन से सम्बन्धित है.

20. (B) रूस के लूना–25 यान को चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सॉफ्ट लैंडिंग करनी थी. रूस इस मिशन से साबित करना चाहता था कि वो चंद्रमा पर पेलोड पहुँचाने में सक्षम देश है, इसके साथ ही वह चन्द्रमा की सतह तक पहुँच की गारंटी सुनिश्चित करना चाहता था.
नासा का आर्टेमिस कार्यक्रम : वर्ष 2020 में नासा ने 'आर्टेमिस प्रोग्राम' शुरू किया था, जिसके तहत् नासा वर्ष 2024 तक मनुष्य (एक महिला और एक पुरुष) को चंद्रमा पर भेजना चाहता है. इसका लक्ष्य चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव सहित चंद्रमा की

सतह पर अन्य जगहों पर अंतरिक्ष यात्रियों को उतारना है.

नासा के आर्टेमिस कार्यक्रम के खिलाफ, 2021 में चीन और रूस ने अंतरिक्ष सहयोग में कदम बढ़ाते हुए चंद्रमा की सतह पर एक अन्तर्राष्ट्रीय चंद्र अनुसंधान स्टेशन (ILRS) बनाने हेतु सहमति व्यक्त की है. यह स्टेशन वैज्ञानिक अनुसंधान के आदान-प्रदान और मानवीय अन्वेषण को मजबूती प्रदान करेगा तथा शांतिपूर्ण उद्देश्यों हेतु बाह्य अंतरिक्ष के उपयोग को बढ़ावा देगा.

21. (A) y का $x\%$ = x का $y\%$

$$\therefore \quad \frac{xy}{100} = \frac{xy}{100}$$

22. (A) शीत ऋतु के दौरान, भारत में उत्तर-पूर्वी व्यापारिक पवनें चलती हैं. ये पवनें बंगाल की खाड़ी के ऊपर से गुजरती हैं और जमीन से समुद्र की ओर चलती हैं इसलिए इस समय देश के अधिकांश भाग में शुष्क मौसम होता है.

23. (A)

नृत्य		राज्य
भरतनाट्यम	–	तमिलनाडु
कुचिपुड़ी	–	आन्ध्र प्रदेश
सत्रीया	–	असम
कथक	–	उत्तर प्रदेश

24. (D) **'चारकुला नृत्य'** उत्तर प्रदेश के ब्रज क्षेत्र में किया जाने वाला नृत्य है. इस नृत्य में महिलाएं अपने सिर पर बड़े बहु-स्तरीय वृत्ताकार लकड़ी के पिरामिडों को रखकर कृष्ण भक्ति गीतों पर नृत्य करती हैं.

25. (C) 1, 8, 15, 22 और 29 अक्टूबर को सोमवार है.

∴ अतः कुल सोमवार = 5

26. (B) हिमालय क्षेत्र के दक्षिणी ढलानों में दक्षिण-पश्चिम मानसून से वर्षा होती है. हिमालयी क्षेत्र के उत्तरी ढलान में दक्षिण-पश्चिम मानसून से वर्षा नहीं होती है, यहाँ हिमपात के रूप में बहुत कम वर्षण प्राप्त होता है.

चूँकि हिमालय क्षेत्र के दक्षिणी ढलानों के अक्षांशीय मान हिमालय के उत्तरी ढलान की तुलना में कम हैं, इसलिए दक्षिणी ढलान को हिमालय के उत्तरी ढलानों की तुलना में अधिक धूप मिलती है.

वर्षा और धूप दोनों ही हिमालय क्षेत्र के दक्षिणी ढलानों पर उत्तरी ढलानों की तुलना में अधिक होती है इसी कारण हिमालयी क्षेत्र के दक्षिणी ढलानों पर सघन वनस्पति पाए जाते हैं.

27. (A) 4 दिसम्बर, 1821 को राजा राममोहन राय ने 'संवाद कौमुदी' नामक एक बंगाली साप्ताहिक समाचार-पत्र कोलकाता से प्रकाशित किया था. इसमें राजा राममोहन राय नियमित रूप से सती प्रथा के खिलाफ संपादकीय लिखते थे और इसे बर्बर और गैर-हिन्दू बताते थे. यह सती प्रथा के खिलाफ राममोहन राय के अभियान का मुख्य माध्यम था.

28. (C) सही सुमेलन इस प्रकार है–

पुस्तक		लेखक
फुतूह-उस-सलातिन	–	अब्दुल मलिक इसामी
फुतुहात-ए-फिरोजशाही	–	फिरोज शाह तुगलक
तारिख-ए-फिरोजशाही	–	जियाउद्दीन बरनी
खजैन-उल-फुतूह	–	अमीर खुसरो

29. (C) बंद शीशे की खिड़कियों एवं दरवाजों वाली कार में यात्रा करते समय व्यक्ति आकाशीय बिजली के आघात से सुरक्षित रहता है, क्योंकि कार अन्दर से खाली चालक की तरह व्यवहार करती है, अतः आवेश कार के अन्दर प्रवेश नहीं कर पाता है, तो यदि बिजली गिरती है, तो सम्पूर्ण आवेश कार के बाहरी पृष्ठ पर होगा, जिससे अन्दर बैठे यात्री सुरक्षित रहेंगे.

30. (C) राइन नदी को यूरोप में 'कोयला ढोने वाली नदी' के नाम से जाना जाता है. राइन नदी स्विट्जरलैंड एवं जर्मनी के सीमा पर स्थित कौनस्टैंस झील से निकल कर उत्तरी सागर में गिरती है. यह नदी यूरोप के मुख्य औद्योगिक क्षेत्रों से होकर गुजरती है.

खनिज सम्पदा से भरपूर औद्योगिक क्षेत्र में बहने के कारण इस नदी का महत्व व्यापारिक मार्ग के रूप में अधिक है. रॉटरडैम, नीदरलैण्ड का एक नगर, व्यापारिक केन्द्र तथा बन्दरगाह है. यह नगर दक्षिणी हालैण्ड में राइन-म्यूज-शेल्ट नदियों के डेल्टा में स्थित है.

31. (A) रानी रुद्रमा देवी (1259–1289 ई.) काकतीय वंश चौथी स्वतंत्र एवं प्रथम महिला शासक थीं.

32. (D)

33. (D) संविधान की छठी अनुसूची में असम, मेघालय, त्रिपुरा और मिजोरम की जनजाति आबादी के अधिकारों की रक्षा के लिए इन जनजातीय क्षेत्रों के स्वायत्त स्थानीय प्रशासन से सम्बन्धित उपबंध है.

34. (D) दिए गए देशों द्वारा वर्ष 2023 में हांगझोऊ में आयोजित एशियाई खेलों में प्राप्त पदकों की संख्या निम्नलिखित है–

- चीन–383 पदक (201 स्वर्ण, 111 रजत और 71 कांस्य)
- जापान–188 पदक (52 स्वर्ण, 67 रजत और 69 कांस्य)
- कोरिया गणराज्य–190 पदक (42 स्वर्ण, 59 रजत और 89 कांस्य)
- भारत–107 पदक (28 स्वर्ण, 38 रजत और 41 कांस्य)

35. (B) दिए गए विकल्पों में विटामिन और उनकी कमी से होने वाले रोगों का सही सुमेलन इस प्रकार है–

विटामिन C–स्कर्वी

फॉलिक अम्ल–रक्ताल्पता

विटामिन A–रतौंधी

विटामिन B_1–बेरी-बेरी

36. (C)

37. (D)

- रानीगंज में कोयले का प्रथम उत्पादन –1774
- राष्ट्रीय कोयला विकास निगम की स्थापना –1956
- कोयला खदानों का राष्ट्रीयकरण –1972
- कोल इंडिया लिमिटेड की स्थापना –1975

38. (A)

39. (A) बंकिम चंद्र चटर्जी और जोद्दू नाथ बोस 1858 में विश्वविद्यालय के पहले स्नातक बने और कादंबिनी गांगुली और चंद्रमुखी बसु 1882 में पहली भारतीय महिला स्नातक थीं.

बंकिम चंद्र चटर्जी की प्रथम प्रकाशित रचना 'राजमोहन्स वाइफ' थी, जो अंग्रेजी में थी. इनकी पहली प्रकाशित बांग्ला कृति 'दुर्गेशनंदिनी' मार्च 1865 में छपी थी. इनका अन्तिम उपन्यास 'सीताराम' था.

40. (C)

- बैंकों के राष्ट्रीयकरण का प्रथम चरण–19 जुलाई, 1969
- क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों की स्थापना–26 सितम्बर, 1975
- बैंकों के राष्ट्रीयकरण का द्वितीय चरण–1980
- नाबार्ड की स्थापना–12 जुलाई, 1982

41. (C)

42. (A) वर्ष 2023 में 'शंघाई सहयोग संगठन' ने 'वाराणसी' को अपनी पहली पर्यटन और सांस्कृतिक राजधानी घोषित किया था.

43. (D) भारत की लवणीय मिट्टी में सोडियम, पोटेशियम और मैग्नीशियम का एक बड़ा हिस्सा होता है इस वजह से यह अनुपजाऊ है एवं वनस्पति वृद्धि में सहायक नहीं होती है. मुख्यतः शुष्क

जलवायु तथा खराब जल निकासी के कारण इस मिट्टी में लवण की मात्रा अधिक होती है.

44. (B) अवध के स्वतंत्र राज्य की स्थापना 1722 ईस्वी में सआदत खान बुरहान-उल-मुल्क ने की थी और इसने दिल्ली में एत्मादुद्दौला और हैदर खाँ के साथ मिलकर सैयद बन्धुओं (विशेषकर हुसैन अली) के विरुद्ध षड्यंत्र रचा था.

45. (C) रबी की फसलों को लौटते मानसून और पूर्वोत्तर मानसून के मौसम के दौरान (अक्टूबर में) बोया जाता है. और इनकी कटाई सामान्यतः गर्मी के मौसम में अप्रैल और मई के दौरान होती है. इन पर वर्षा का अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है. रबी की प्रमुख फसलों में गेहूँ, जौ, आलू, चना, मसूर, अलसी, मटर, सरसों आदि हैं.
भारत के उत्तर-पश्चिमी राज्य जैसे– पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, उत्तराखण्ड और उत्तर प्रदेश के राज्य गेहूँ और अन्य रबी फसलों के उत्पादन के लिए महत्वपूर्ण हैं.

46. (C) नोवोसिबिर्स्क एशियाई क्षेत्र में स्थित है, जबकि कुजबास दक्षिण-पश्चिमी साइबेरिया क्षेत्र में स्थित है.
- 'कुजबास क्षेत्र' रूस के प्रमुख कोयला और लौह अयस्क से समृद्ध क्षेत्रों मे से एक है.
- 'नोवोसिबिर्स्क' को रूस का एक महत्वपूर्ण वाणिज्यिक और औद्योगिक केंद्र के रूप में जाना जाता है. यहाँ कृषि प्रसंस्करण उद्योग, पनबिजली स्टेशन, लौह फाउंड्री, कमोडिटी बाजार, वाणिज्यिक और शिपिंग कम्पनियाँ, खनन उपकरण संयंत्र और धातु प्रसंस्करण संयंत्र जैसे उद्योग उपस्थित हैं.

47. (B) महात्मा गांधी ने ब्रिटिश सरकार की युद्धनीति का विरोध करने के लिए सन् 1940 में अहिंसात्मक 'व्यक्तिगत सत्याग्रह' आरम्भ किया. आचार्य विनोबा भावे को पहले व्यक्तिगत सत्याग्रही के रूप में अक्टूबर 1940 में इस आंदोलन शुरू करने के लिए महात्मा गांधी द्वारा चुना गया था. इसका उद्देश्य युद्ध के खिलाफ शांतिपूर्वक विरोध करने, लोगों की भावनाओं को व्यक्त करने और सरकार को शांतिपूर्वक कांग्रेस की माँगों को स्वीकार करने का एक ओर अवसर देने के लिए की गई थी.

48. (B) विपिन चन्द्र पाल एक भारतीय राष्ट्रवादी, लेखक, वक्ता, समाज सुधारक और भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के गरम दल के एक प्रमुख नेता थे. ये 'लाल बाल पाल' तिकड़ी में शामिल थे. ये प्रारम्भ में 'ब्रह्म समाज' से जुड़े थे.
बिपिन चन्द्र पाल ने न्यू इंडिया (साप्ताहिक) और एनी बेसेंट ने न्यू इंडिया (दैनिक) प्रारम्भ किया था.

49. (D) सही सुमेलन इस प्रकार है–

तेलशोधन शाला	**राज्य**
बरौनी	बिहार
बोगाईगाँव	असम
बीना	मध्य प्रदेश
कोयली	गुजरात

50. (B) $\frac{a}{h}+\frac{y}{b}=1$

$$\frac{y}{b}=1-\frac{a}{h}$$

$$\frac{b}{y}=\frac{h}{h-a} \quad ...(1)$$

$$\frac{b}{y}+\frac{z}{c}=1$$

$$1-\frac{h}{h-a}=\frac{z}{c}$$

$$\frac{a}{a-h}=\frac{c}{z}$$

$$\frac{c}{z}=\frac{a-h}{a}$$

$$\frac{c}{z}=1-\frac{h}{a}$$

$$\frac{h}{a}=\frac{c}{z}=1$$

51. (A) उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 'नन्दिनी कृषक समृधि योजना' अगस्त 2023 में शुरू की गई थी. इस योजना के तहत् सरकार के द्वारा प्रदेश के किसानों/पशुपालकों को डेयरी खोलने के लिए तथा दुग्ध उत्पादन में तेजी लाने के लिए पंजाब से साहीवाल, राजस्थान से थारपारकर, गुजरात से गिर एवं गंगातीरी प्रजाति जैसी देशी नस्ल की 25 गायों को उपलब्ध कराया जाएगा जिससे किसानों की आय में वृद्धि हो, किन्तु इस योजना लाभार्थी के पास कम-से-कम 3 वर्ष का गोपालन अनुभव होना चाहिए.

52. (B)

53. (A) दिए गए मुगल शासकों का क्रम इस प्रकार है–
1. बहादुर शाह प्रथम (1707–12 ई.)
2. जहाँदार शाह (1712–13 ई.)
3. फर्रुखसियर (1713–19 ई.)
4. मुहम्मद शाह 'रंगीला' (1719–48 ई.)

54. (A) सही सुमेलन इस प्रकार है–
स्कंध आवर्त–बेची गई वस्तु की लागत/औसत स्कंध
चालू अनुपात–चालू सम्पत्ति/चालू दायित्व
अम्ल परख अनुपात–तरल सम्पत्ति/चालू दायित्व
सकल विनियोजित पूँजी–ब्याज एवं कर से पूर्व लाभ/कुल सम्पत्ति

55. (B) 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के माध्यम से प्रस्तावना में 'समाजवादी', 'पंथनिरपेक्ष' और 'अखंडता' शब्द जोड़े गए.

56. (C) पंचायत स्तर पर चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम आयु 21 वर्ष है.

57. (B) 'एगमार्क', जो कृषि उत्पादों के गुणवत्ता प्रमाणीकरण के लिए एक प्रमाण चिह्न है, केन्द्रीय कृषि व किसान कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी किया जाता है.

58. (B) उत्तर प्रदेश 4 आर्थिक क्षेत्रों में बँटा है–
1. पश्चिमी क्षेत्र
2. केन्द्रीय क्षेत्र
3. पूर्वी क्षेत्र
4. बुंदेलखण्ड क्षेत्र

उत्तर प्रदेश को वर्षा एवं मृदा के आधार पर 9 कृषि जलवायु क्षेत्रों में बाँटा गया है, जिसमे केंद्रीय मैदानी, दक्षिण-पश्चिमी अर्ध शुष्क, बुंदेलखंड, पूर्वी मैदान, उत्तर पूर्वी मैदान, विंध्य, भाभर और तराई, पश्चिमी मैदान और मध्य पश्चिमी मैदानी क्षेत्र हैं.

59. (D) मुरादाबाद पीतल के काम के लिए प्रसिद्ध है और इसने दुनिया भर में हस्तशिल्प उद्योग में खुद की अलग पहचान बनाई है.
मुरादाबाद, विशेष आर्थिक क्षेत्र (SEZ) उत्तर भारत में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा विकसित पहला SEZ है.

60. (B) 'सिराज-ए-हिंद' जौनपुर का ऐतिहासिक नाम है इस शहर की स्थापना फिरोज शाह तुगलक ने अपने भाई जौना खाँ की याद में की थी. जौनपुर में शर्की काल के दौरान हुई सांस्कृतिक उन्नति शिक्षा और वास्तुकला में प्रगति के कारण इसे 'सिराज-ए-हिंद' कहा जाता है.

61. (C) रॉकेट गति/संवेग संरक्षण के सिद्धांत पर काम करता है, यह न्यूटन के गति के तीसरे नियम क्रिया तथा बराबर एवं विपरीत प्रतिक्रिया पर आधारित है.

62. (D) पंजाब का विलय दूसरे आंग्ल-सिख युद्ध के बाद किया गया था, जिसमें सिख अंग्रेजों से हार गए थे. 29 मार्च, 1849 को लार्ड डलहौजी के आदेश पर ऐसा किया गया था.

महाराजा दलीप सिंह को अपदस्थ करके ₹ 2,50,000 वार्षिक पेंशन देकर इंगलैण्ड भेज दिया गया.

63. (D) वर्गों की अधिकतम संख्या
$= 16 + 6 + 4 + 1 = 27$

64. (C) 69वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में 'आर.आर.आर.' और 'गंगूबाई काठियावाड़ी' को क्रमशः 6 और 5 राष्ट्रीय पुरस्कार मिले.

65. (B) 'मंगलयान' 5 नवम्बर, 2013 को श्रीहरिकोटा (आंध्र प्रदेश) के सतीश धवन अन्तरिक्ष केन्द्र से पीएसएलवी सी-25 द्वारा प्रक्षेपित किया गया था. इस मंगल मिशन (मार्स ऑर्बिटर मिशन) की लागत ₹ 450 करोड़ थी तथा मार्स ऑर्बिटर मिशन (MOM) को सितम्बर 2014 में अपने पहले प्रयास में सफलतापूर्वक मंगल की कक्षा में स्थापित किया गया था.

66. (A)

67. (D)
- अनुच्छेद 21–प्राण और दैहिक स्वतंत्रता का संरक्षण (यह अनुच्छेद भारत के प्रत्येक नागरिक के जीवन जीने और उसकी निजी स्वतंत्रता को सुनिश्चित करता है.)
- भारतीय संविधान एक संघीय प्रणाली है, लेकिन इसमें एकात्मक प्रणाली की ओर अधिक झुकाव है. इसे कभी-कभी अर्धसंघीय प्रणाली माना जाता है, क्योंकि इसमें संघीय और एकात्मक प्रणाली दोनों की विशेषताएं शामिल हैं.
- भारतीय संविधान के अनुसार मूलभूत अधिकारों में संशोधन किया जा सकता है, लेकिन उन्हें हटाया नहीं जा सकता है.

68. (A) सही सुमेलन इस प्रकार है–
- राज्य ललित कला अकादमी, लखनऊ– 8 फरवरी, 1962
- उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ–13 नवम्बर, 1963
- भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ– 2 जुलाई, 1975
- अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या– 18 अगस्त, 1986

69. (A) राष्ट्रपति भारत सरकार का संवैधानिक प्रमुख है. संविधान के अनुच्छेद 53(1) के अनुसार संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी और वह इसका प्रयोग इस संविधान के अनुसार स्वयं या अपने अधीनस्थ अधिकारियों के द्वारा करेगा.

70. (C) विक्टोरिया जलप्रपात दक्षिण अफ्रीका में 'जाम्बिया और जिम्बाब्वे' के बीच की सीमा पर जाम्बेजी नदी पर एक झरना है.

71. (C)

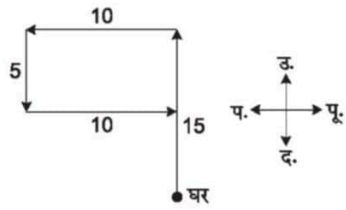

72. (A) 73. (B)

74. (D) विषम संख्याओं का योग
$= 15 + 17 + 19 + 21 + 23 + 25 + 27 + 29 + 31 + 33 + 35 + 37 + 39 + 41 + 43 + 45 + 47 + 49$
$= 576$
योग का $\frac{1}{4} = \frac{1}{4} \times 576 = 144$
$= 12$ का वर्ग

75. (C) मिस्र और इजरायल के मध्य भूमध्य-सागरीय तट पर स्थित गाजा पट्टी 225 वर्ग किमी में फैला हुआ फिलिस्तीनी क्षेत्र है. इस पर लगभग 2 मिलियन लोग निवास करते हैं.

76. (A) 10 फरवरी, 2023 को प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लखनऊ में उत्तर प्रदेश वैश्विक निवेशक शिखर सम्मेलन 2023 का उद्घाटन किया. इसके साथ ही इन्होंने ग्लोबल ट्रेड शो और इन्वेस्ट यूपी 2·0 भी लॉन्च किया. यह उत्तर प्रदेश सरकार का प्रमुख निवेश शिखर सम्मेलन है, जो व्यापार के अवसरों का सामूहिक रूप से पता लगाने और साझेदारी बनाने/बढ़ाने के लिए दुनिया भर के नीति-निर्माताओं, उद्योग जगत् के प्रतिनिधियों, शिक्षाविदों, थिंक टैंक और राजनेताओं को एक मंच पर एकत्र करता है.

77. (C) सही सुमेलन इस प्रकार है–

दर्शनीय स्थल	**जिला**
देवी पाटन मंदिर	– बलरामपुर
चीनी मंदिर	– कुशीनगर
बावनी इमली शहीद स्मारक	– फतेहपुर
समसपुर पक्षी विहार	– रायबरेली

78. (A) भारत में कॉफी बोर्ड का मुख्य कार्यालय 'बेंगलूरू' में स्थित है. इसकी स्थापना 1942 में की गई थी. भारतीय कॉफी बोर्ड भारत में कॉफी उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रबंधित एक स्वायत्त संगठन है.

79. (C) सही सुमेलन इस प्रकार है–

राजधानी शहर	**देश**
कंपाला	युगांडा
किगाली	रवांडा
किंशासा	कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य
खार्तूम	सूडान

80. (B) विकल्पों में दिए गए दर्रों का उत्तर से दक्षिण का सही क्रम इस प्रकार है–
थाल घाट→भोर घाट→पाल घाट
- **थाल घाट**–यह नासिक और मुंबई के बीच कनेक्टिविटी प्रदान करता है.
- **भोर घाट**–यह पुणे और मुंबई के बीच कनेक्टिविटी प्रदान करता है.
- **पाल घाट**–यह केरल और तमिलनाडु (कोच्चि से चेन्नई) के बीच कनेक्टिविटी प्रदान करता है.

81. (A) सही सुमेलन इस प्रकार है–

स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी	**खेल**
अन्नू रानी	भाला फेंक
पारुल चौधरी	5000 मीटर स्टीपलचेज
तजिन्दरपाल सिंह तूर	गोला फेंक
पलक गुलिया	10 मी. एयर पिस्टल

82. (B) $n(A \cup B) = 25 - 6$
$= 19$
$\therefore \quad n(A \cup B) = n(A) + n(B) - n(A \cap B)$
$19 = 12 + 15 - n(A \cap B)$
$n(A \cap B) = 27 - 19$
$= 8$ = लोगों की संख्या जो फ्रेंच और अंग्रेजी पढ़ सकते हैं.

83. (C) सही सुमेलन इस प्रकार है–

उत्पाद	**जिला**
काला नमक चावल	सिद्धार्थ नगर
देशी घी	औरैया
आंवला	प्रतापगढ़
केला फाइबर	कुशीनगर

84. (C) 'तुलसीदास' का जन्म चित्रकूट जनपद के राजापुर नामक गाँव में सन् 1511 में हुआ था. इनकी पत्नी का नाम 'रत्नावली' था. इन्होंने रामललानहछू, वैराग्यसंदीपनी, रामाज्ञाप्रश्न, जानकी-मंगल, रामचरितमानस, सतसई, पार्वती-मंगल, गीतावली, विनय-पत्रिका, कृष्ण-गीतावली, बरवै रामायण, दोहावली और कवितावली नामक पुस्तकों की रचना की.

85. (C) अभीष्ट कोण
$= 360 + \frac{4}{60} \times 360$
$= 360 + 4 \times 6$
$= 384°$

86. (A)
- अनुच्छेद-26–धार्मिक कार्यों के प्रबंध की स्वतंत्रता
- अनुच्छेद-40–ग्राम पंचायतों का गठन

- अनुच्छेद-98—संसद का सचिवालय
- अनुच्छेद-239—संघ शासित क्षेत्रों का प्रशासन

87. (B) 2011 की जनगणना के अनुसार देश में कुल शहरी जनसंख्या 377 मिलियन से अधिक है, जो कुल जनसंख्या का 31·16% है.

88. (C)

पर्वत	महाद्वीप
एंडीज	दक्षिणी अमरीका
अल्ताई	एशिया
आल्प्स	यूरोप
अपलेशियन	उत्तरी अमरीका

89. (A) जिस प्रकार,
CORP/ORAT/IONS
→ PROC/TARO/SNOI
उसी प्रकार,
JUDI/CIAL
→ IDUJ/LAIC

90. (C) 'बंगाल ब्रिटिश इंडियन सोसाइटी' की स्थापना, जॉर्ज थॉम्पसन की सलाह पर 1843 में जॉर्ज थॉम्पसन, द्वारकानाथ टैगोर, चंद्र मोहन चटर्जी और परमानंद मैत्रा के संयुक्त प्रयासों से हुई थी. जॉर्ज थॉम्पसन को द्वारकानाथ टैगोर द्वारा इंगलैंड से भारत लाया गया था. इस संगठन का लक्ष्य ब्रिटिश प्रभुत्व के शासक के प्रति वफादार रहते हुए सभी वर्गों का कल्याण और उन्नति सुनिश्चित करना था.

91. (C)

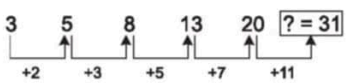

? = 20 + 11 = 31

92. (A) 20वाँ राष्ट्रीय पुस्तक मेला 22 सितम्बर से 2 अक्टूबर, 2023 तक लखनऊ के बलरामपुर गार्डन में आयोजित किया गया था. इसकी थीम 'ज्ञान कुंभ' थी.

93. (D) नॉर्वेजियन नोबेल समिति ने ईरान में महिलाओं के उत्पीड़न के खिलाफ लड़ाई और सभी के लिए मानवाधिकारों और स्वतंत्रता को बढ़ावा देने की लड़ाई के लिए नरगेस मोहम्मदी को 2023 का नोबेल शांति पुरस्कार प्रदान किया है.

94. (A) आयुर्वेद महोत्सव 2023 का आयोजन झाँसी में 1 से 7 जुलाई, 2023 तक किया गया.
ताज महोत्सव 2023 का आयोजन आगरा में 20 फरवरी से 1 मार्च, 2023 तक किया गया.

95. (D)

चित्रकारी	राज्य
मधुबनी	बिहार
लेपाक्षी	आंध्र प्रदेश
पट्टचित्र	ओडिशा
वारली	महाराष्ट्र

96. (B) **आवृत्ति के बढ़ते हुए क्रम में–**
रेडियो तरंगे→अवरक्त किरणें→दृश्य किरणें→एक्स रे.

97. (B) उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी की स्थापना 13 नवम्बर, 1963 को लखनऊ में हुई थी.

98. (C) भारत में प्रथम चीनी मिल वर्ष 1903 में उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले के प्रतापपुर क्षेत्र में स्थापित की गई थी. चीनी उद्योग मौसमी है तथा गन्ने की कम उपज, कम पेराई सत्र, उद्योगों की संतोषजनक अवस्थापना ने चीनी उत्पादन में समस्याएं पैदा की हैं.

99. (A) 'मेगालोपोलिस/मेगापोलिस' शब्द का उपयोग सर्वप्रथम फ्रांसीसी भूगोलवेत्ता 'जीन गौटमैन' ने 1967 में विशाल महानगरों के लिए किया था.

100. (A) गुप्तकालीन प्रशासनिक विभाजन का सही अनुक्रम है–
भुक्ति → विषय → वीथि → ग्राम.

101. (C) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 244 अनुसूचित और जनजातीय क्षेत्रों के प्रशासन सम्बन्धी एक महत्वपूर्ण प्रावधान है.
भारत के राष्ट्रपति अनुसूचित क्षेत्रों को अधिसूचित करते हैं. अनुसूचित क्षेत्रों वाले राज्य अनुसूचित जनजाति के कल्याण सम्बन्धी मामलों पर राज्यपाल को सलाह देने के लिए एक जनजातीय सलाहकार परिषद् की स्थापना करते हैं.

102. (B) भारतीय संविधान के भाग IV (अनुच्छेद 36–51) में राज्य के नीति निदेशक सिद्धांत शामिल हैं. नीति निदेशक सिद्धांत, न्यायालयों द्वारा प्रवर्तनीय नहीं हैं.
नीति निदेशक सिद्धांतों में वे आदर्श शामिल हैं जिनका पालन राज्य को नीतियाँ और कानून बनाते समय ध्यान में रखना चाहिए.

103. (D)

कोयला आधारित बिजली संयंत्र	राज्य
कहलगाँव	बिहार
खरगोन	मध्य प्रदेश
कोरबा	छत्तीसगढ़
कुडगी	कर्नाटक

104. (A) झारखण्ड (झरिया, बोकारो, जामाडोबा और पकरी बरवाडीह) में भारत का कोयले का सबसे बड़ा भण्डार है, इसके बाद ओडिशा (तालचेर कोलफील्ड) और छत्तीसगढ़ (चिरमिरी, झगराखण्ड, चरचा, कटकोना, पंडोपारा और सोनहत) हैं.

105. (C)
विश्व जनसंख्या दिवस – 11 जुलाई
विश्व वन्यजीव दिवस – 3 मार्च
विश्व ओजोन दिवस – 16 सितम्बर
विश्व स्वास्थ्य दिवस – 7 अप्रैल

106. (D) ग्रेट बैरियर रीफ, क्वींसलैंड (आस्ट्रेलिया) के उत्तरी-पूर्वी तट के समांतर बनी हुई, विश्व की यह सबसे बड़ी मूँगे की दीवार है. इसकी लम्बाई लगभग 2,000 किमी है.

107. (A) अभीष्ट दिन = गुरुवार + 3
= रविवार

108. (A)

109. (C) 'मिनामाटा' रोग पारा (Mercury) विषाक्तता के कारण होता है यह एक न्यूरोलॉजिकल सिंड्रोम है. इसके लक्षणों में गतिभंग, हाथों और पैरों में सुन्नता, सामान्य मांसपेशियों की कमजोरी, दृष्टि के क्षेत्र में संकीर्णता और सुनने और बोलने में क्षति शामिल है.

110. (A) स्टील का 'यंग गुणांक' रबर की तुलना में अधिक होता है इसी कारण स्टील रबर की अपेक्षा अधिक प्रत्यास्थ होता है.
किसी कुण्डली का खिंचाव उसके अपरूपण गुणांक से निर्धारित होता है.

111. (C) आधुनिक भारत में पहली जनगणना वर्ष 1872 में लॉर्ड मेयो के काल में हुई, लेकिन नियमित (प्रत्येक 10 वर्ष के बाद) जनगणना की शुरूआत 1881 में हुई. वहीं स्वतंत्र भारत में वर्ष 1951 में पहली जनगणना हुई.

112. (D) ब्राजील के राष्ट्रपति 'लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा' ने भारत में आयोजित 18वें जी-20 शिखर सम्मेलन-2023 में भाग लिया.

113. (B) 'प्रोजेक्ट एलिफेंट' 1992 में भारत सरकार के पर्यावरण और वन मंत्रालय द्वारा जंगली एशियाई हाथियों की मुक्त आबादी के लिए राज्यों द्वारा वन्यजीव प्रबंधन प्रयासों को वित्तीय और तकनीकी सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी. परियोजना का उद्देश्य हाथियों की आबादी, उनके आवासों और प्रवास गलियारों की रक्षा करके उनके प्राकृतिक आवासों में दीर्घकालिक अस्तित्व सुनिश्चित करना है. कथन 1 गलत है, क्योंकि वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972, जंगली जानवरों की

विभिन्न प्रजातियों की सुरक्षा, उनके आवास के प्रबंधन और इन विभिन्न हिस्सों से प्राप्त उत्पादों में व्यापार के विनियमन और नियंत्रण के लिए कानूनी ढांचा प्रदान करता है.

114.(A)

115.(D) दिए गए विकल्प के अनुसार घटते हुए जनसंख्या घनत्व वाले राज्यों का क्रम इस प्रकार है–
बिहार (1106) > पश्चिम बंगाल (1028) > केरल (859) > उत्तर प्रदेश (829)

116.(A) इंडिया स्मार्ट सिटी कॉन्क्लेव-2023 का आयोजन केन्द्रीय आवास और शहरी कार्य मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा 26-27 सितम्बर, 2023 को ब्रिलियंट कन्वेंशन सेंटर, इंदौर (मध्य प्रदेश) में किया गया.
इस कॉन्क्लेव 2023 में 'इंदौर' को भारत में 'सर्वश्रेष्ठ स्मार्ट सिटी' का प्रतिष्ठित सम्मान दिया गया.

117.(D) दिए गए अधिनियमों का काल-क्रमानुसार व्यवस्थापन इस प्रकार है–
- लेक्स-लोकी अधिनियम –1860
- बंगाल टेनेंसी अधिनियम –1885
- आयु की सहमति अधिनियम –1891
- भारतीय विश्वविद्यालय अधिनियम –1904

118.(D) 'द प्रिंसिपल्स ऑफ पॉलिटिकल इकोनॉमी एण्ड टैक्सेशन' पुस्तक 1817 में 'डेविड रिकार्डो' द्वारा लिखी गई थी.

119.(C)

120.(D) 'श्रीकाकुलम' आंध्र प्रदेश के उत्तरी-पूर्वी कोने में स्थित है, यह एक मैगनीज उत्पादक क्षेत्र के रूप में प्रसिद्ध है.

121.(C) अरब प्रायद्वीप में बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, यमन, दक्षिणी इराक और जॉर्डन शामिल हैं.

122.(C) चंद्रयान-3 मिशन में चंद्र लैंडिंग स्थल का पास चंद्र भूमि और चट्टानों के तात्विक संयोजन को ज्ञात करने के लिए 'अल्फा पार्टिकल एक्स-रे' स्पेक्ट्रोमीटर (APXS) पेलोड का प्रयोग किया गया था.

123.(B)

बैंक	स्थापना वर्ष
इलाहाबाद बैंक	1865
पंजाब नेशनल बैंक	1894
अवध कमर्शियल बैंक	1881
द अलायन्स बैंक ऑफ शिमला	1874

124.(C) 'समुद्री उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण' (MPEDA) अप्रैल 1972 में स्थापित किया गया था. यह वाणिज्य विभाग के तहत् एक सांविधिक निकाय है. यह समुद्री उत्पाद उद्योग के विकास के लिए जिम्मेदार है. इसका मुख्यालय कोच्चि (केरल) में है.

125.(A)

योजनाएं	प्रारम्भ वर्ष
प्रधानमंत्री गरीब कल्याण पैकेज	2020
मुस्कान स्कीम	2021
मिशन इंद्रधनुष	दिसम्बर 2014
प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना	23 सितम्बर, 2018

126.(D) लेखांकन को 'व्यवसाय की भाषा' के रूप में जाना जाता है, क्योंकि यह किसी कम्पनी या संगठन के बारे में वित्तीय जानकारी संप्रेषित करने का कार्य करता है. यह निवेशकों, लेनदारों और प्रबंधन जैसे हितधारकों को कम्पनी के वित्तीय प्रदर्शन और स्थिति को समझने में सक्षम बनाता है.

127.(B) गुर्दे की पथरी का कारण 'ऑक्सालेट का क्रिस्टलीकरण' है. विश्व स्तर पर, लगभग 80% गुर्दे की पथरी कैल्शियम ऑक्सालेट (CaOx) के साथ कैल्शियम फॉस्फेट (CaP) से बनी होती है.

128.(D) लाल मिट्टी में लोहे की मात्रा का प्रहार अधिक होता है, जो इसके लाल रंग का कारण है, क्योंकि आयरन ऑक्साइड लाल-भूरे रंग का होता है. लाल मिट्टी में सामान्य पोषक तत्वों जैसे–नाइट्रोजन, ह्यूमस, फॉस्फोरिक अम्ल, चूना, मैग्नीशियम आदि की कमी होती है, लेकिन यह पोटाश से काफी समृद्ध है.

129.(C)

130.(C)

उत्सव	राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश
हॉर्नबिल पर्व	नगालैण्ड
संगाई पर्व	मणिपुर
राजहंस पर्व	आंध्र प्रदेश
हेमिस पर्व	लद्दाख

131.(D)
- **रीगा**–लातविया की राजधानी
- **रॉटरडैम**–नीदरलैंड का एक बंदरगाह शहर
- **जाग्रेब**–क्रोएशिया की राजधानी
- **ज्यूरिख**–स्विट्जरलैंड का सबसे बड़ा शहर

132.(B) दक्षिण-पूर्व एशिया में आदिम जातियों द्वारा की जाने वाली स्थानांतरणशील कृषि को 'झूमिंग' कहते हैं. इस प्रकार की कृषि को श्रीलंका में 'चेना', मलेशिया में 'लदांग' और मेक्सिको और मध्य अमरीका में 'मिल्पा' कहते हैं.

133.(A)

134.(A) अनुच्छेद 124 सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना और गठन से सम्बन्धित है.

135.(C) 'पिछवाई कला' राजस्थान की प्रसिद्ध हस्तकलाओं में से एक है. यह भगवान श्रीनाथ जी/कृष्ण के जीवन चित्रण की कला है. नाथद्वारा (राजसमंद) की यह कला प्रसिद्ध है.

136.(B) साइमन कमीशन ने कुल 2 बार भारत का दौरा किया था. पहली बार वह फरवरी 1928 में भारत आया था, जबकि दूसरी बार वह अक्टूबर 1928 में भारत आया था. साइमन कमीशन ने मई 1930 में अपनी रिपोर्ट सौंपी थी और 27 मई, 1930 को यह रिपोर्ट ब्रिटिश सरकार द्वारा प्रकाशित की गई थी.

137.(C)

138.(A)

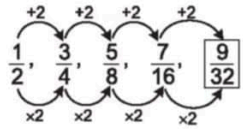

139.(B) भारतीय कृषि प्रणाली अनुसंधान संस्थान (IIFSR)–मोदीपुरम (मेरठ) में है.

140.(A) भारत के वायसराय एवं गर्वनर जनरल के रूप में 'लॉर्ड कर्जन' का कार्यकाल 6 जनवरी, 1899 से 18 नवम्बर, 1905 तक था. इसने 1899 में कलकत्ता निगम अधिनियम की घोषणा की. वर्ष 1905 में लॉर्ड कर्जन ने 'बंगाल का विभाजन' किया. ●●●

हरियाणा सिविल सेवा परीक्षा 11.2.2024 का हल प्रश्न-पत्र

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

1. पीरियॉडिक लेबर फोर्स सर्वे (PLFS) रिपोर्ट के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

कथन :

I. शहरी क्षेत्रों में करंट विकली स्टेटस (CWS) 3 महीने के अंतराल पर मापा जाता है.

II. वर्तमान लेबर फोर्स पार्टिसिपेशन दर (LFPR) और बेरोजगारी दर की जब इसके आधार वर्ष 2017-18 से तुलना की जाती है, तो इसमें गिरावट का रुझान दिखाई देता है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल कथन I सही है
(B) केवल कथन II सही है
(C) कथन I और II दोनों सही हैं
(D) न तो कथन I और न ही कथन II सही है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

2. विलफुल डिफोल्टर्स और लार्ज डिफोल्टर्स डाइरेक्शन्स, 2023 के विवेचन के सम्बन्ध में रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया की तात्कालिक रिलीज से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. निर्देश सभी विनियमित इकाइयों NABARD, SIDBI और EXIM बैंक सहित पर लागू होंगे.
2. विलफुल डिफोल्ट उधारकर्ता की समीक्षा एवं अंतिम रूप खाते के नॉन-पर्फोर्मिंग एसेट के रूप में वर्गीकृत होने के 6 महीने के भीतर की जानी चाहिए (NPA).
3. ऋणदाता मुख्य देनदार के विरुद्ध पर्याप्त उपाय किए बिना गारंटर के विरुद्ध प्रक्रिया नहीं कर सकता है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) सभी 1, 2 और 3
(D) केवल 2 और 3
(E) अनुत्तरित प्रश्न

3. निर्यात उत्पाद पर शुल्क और करों के छूट की योजना के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. वह निर्यात वस्तुओं पर करों, शुल्कों और लेवी की छूट के लिए तंत्र प्रदान करता है.
2. योजना WTO-अनुरूप है और शुरू से अंत तक आईटी परिवेश में लागू की गई है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

4. प्रोम्प्ट करेक्टिव एक्शन (PCA) फ्रेमवर्क से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. वर्तमान में PCA पर्यवेक्षी मानक सरकारी और गैर-सरकारी NBFC दोनों पर लागू होते हैं.
2. PCA के अधीन विवेकाधीन कार्यों में ब्रांच के विस्तार पर प्रतिबंध सम्मिलित है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

5. फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेन्डर्स अधिनियम से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. फ्यूजिटिव इकोनॉमिक ऑफेन्डर (FEO) वह व्यक्ति होता है, जो कम-से-कम ₹ 100 करोड़ के आर्थिक अपराध में शामिल होता है, देश छोड़कर भाग जाता है और जिसके खिलाफ अरेस्ट वारंट जारी होता है.
2. अधिनियम के तहत् प्राधिकारियों को दोषसिद्धि प्राप्त नहीं होने पर भी सम्पत्ति जब्त करने की शक्ति होती है.
3. फाइनेंसियल इंटेलिजेंस यूनिट अधिनियम को लागू करने हेतु नोडल एजेंसी है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3 सभी
(E) अनुत्तरित प्रश्न

6. डिजिटल और सस्टेनेबल ट्रेड फेसिलिटेशन पर ग्लोबल सर्वे से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. इसे विश्व व्यापार संगठन द्वारा जारी किया गया था.
2. भारत का समग्र स्कोर कई विकसित देशों से अधिक है.
3. वह द्विवार्षिक सर्वे है, जो WTO के सदस्य देशों द्वारा सामूहिक रूप से किए गए व्यापार सुविधा उपायों से सम्बन्धित है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1, 2 और 3 सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

7. कॉर्पोरेट डेब्ट मार्केट डेवलपमेंट फंड (CDMDF) से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. इसकी स्थापना वैकल्पिक निवेश निधि के रूप में की जाएगी.
2. निर्दिष्ट डेब्ट-ओरिएंटेड म्यूच्युअल फंड स्कीम्स और एसेट मैनेजमेंट कम्पनियों के लिए इस फंड में योगदान अनिवार्य होगा.
3. प्रारम्भ में, इसकी स्थापना 5 वर्ष के लिए की जाएगी और सेबी (SEBI) के आदेश पर आगे बढ़ाया जा सकता है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1, 2 और 3 सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

8. भारत में फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टमेंट (FPI) से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. इसमें पिछले दशक में जबर्दस्त रूप से उतार-चढ़ाव हुआ है.
2. 2022-23 में, भारत में शुद्ध एफपीआई, जीडीपी के 1% से कम था.
3. फॉरेन एक्सचेंज मैनेजमेंट एक्ट, 1999 भारत में एफपीआई को

नियंत्रित करने वाला प्राथमिक कानून है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) सभी तीनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

9. भारत में उर्वरक क्षेत्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   1. सल्फर कोटेड यूरिया को सामान्यतः नीम कोटेड यूरिया भी कहा जाता है, जो मृदा में सल्फर की कमी को पूरा करने में मदद करता है.
   2. फर्टिलाइजर फ्लाइंग स्क्वाड (FFS) का गठन अलग-अलग खेतों के लिए फसलवार उर्वरक की सिफारिश के लिए किया गया था.

   दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं
   (E) अनुत्तरित प्रश्न

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
    1. अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय निगम विश्व बैंक का एक अंग है, जोकि विकासशील देशों में निजी क्षेत्र को वित्तपोषित करने के लिए है.
    2. आईसीआईएमओडी–इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट स्विट्जरलैण्ड में स्थित एक अंतर-सरकारी ज्ञान और शिक्षण केन्द्र है.
    3. अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण हर 5 वर्ष में रिजर्व बैंक ऑफ इण्डिया (आरबीआई) द्वारा किया जाता है.

    उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
    (A) केवल 1 और 2
    (B) केवल 2 और 3
    (C) केवल 1
    (D) उपर्युक्त सभी
    (E) अनुत्तरित प्रश्न

11. निम्नलिखित सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

    सूची-I
    (a) पूर्ण लाभ
    (b) बिग पुश का सिद्धान्त
    (c) निम्न स्तर के संतुलन जाल का सिद्धान्त
    (d) संतुलित विकास सिद्धान्त

    सूची-II
    1. पॉल रोसेनस्टीन रोडन
    2. एडम स्मिथ
    3. रिचर्ड आर. नेल्सन
    4. रैगनर नर्कसे

    सही विकल्प को चुनिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	2	1	3	4
(D)	4	1	3	2

(E) अनुत्तरित प्रश्न

12. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
    1. गिनी इंडेक्स आय या धन के वितरण का एक ग्राफिकल निरूपण है.
    2. गिनी सूचकांक जितना अधिक होगा, आय समानता की डिग्री उतनी ही अधिक होगी.
    3. इण्डिया वेज रिपोर्ट के अनुसार भारत में नियमित श्रमिकों के बीच गिनी इंडेक्स का मान बढ़ा है, जबकि आकस्मिक श्रमिकों के बीच यह घटा है.

    दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
    (A) 1 और 2
    (B) 2 और 3
    (C) केवल 3
    (D) 1, 2 और 3 सभी
    (E) अनुत्तरित प्रश्न

13. निम्नलिखित में से कौनसी विशेषता भारत में रेगर मृदा से सम्बन्धित है ?
    1. यह तीव्र लीचिंग के परिणामस्वरूप क्रिस्टलीय आग्नेय चट्टानों पर विकसित होती है.
    2. यह आयरन, पोटाश और फॉस्फोरिक सामग्री से भरपूर होती है.
    3. यह मुख्य रूप से दक्कन पठार के उत्तर-पश्चिम क्षेत्र में पाई जाती है और यह लावाप्रवाह से निर्मित होती है.
    4. इसमें कैल्सियम कॉर्बोनेट, मैग्नीशियम, पोटाश और चूना भरपूर मात्रा में पाया जाता है.

    दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
    (A) केवल 1 और 2
    (B) केवल 2 और 3
    (C) केवल 3 और 4
    (D) केवल 1, 2 और 4
    (E) अनुत्तरित प्रश्न

14. निम्नलिखित में से कौनसी विशेषताएँ भारत में लाल और पीली मृदा से सम्बन्धित हैं ?
    1. यह अति वर्षा वाले क्षेत्रों में क्रिस्टलीय आग्नेय चट्टानों पर विकसित होती है.
    2. यह क्रिस्टलीय और कायांतरित चट्टानों में आयरन के डिफ्यूजन के कारण लाल रंग की हो जाती है.
    3. यह हाइड्रेटेड फॉर्म में पीला रंग ले लेती है.
    4. यह शुष्क स्थिति में आयरन और सल्फर के कारण लाल और पीला रंग ले लेती हैं.

    दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
    (A) केवल 1 और 2
    (B) केवल 2 और 3
    (C) केवल 3 और 4
    (D) केवल 1, 2 और 4
    (E) अनुत्तरित प्रश्न

15. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
    मिलेट फसल के उत्पादन पर अधिक जोर दिया गया है.

    निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन रागी फसल से सम्बन्धित है/हैं ?
    1. रागी वर्षा आधारित फसल है और अधिकतर काली मृदा में अच्छे से बढ़ती है.
    2. रागी लाल, काली, रेतीली, दुम्मटी और उथली काली मृदा में अच्छे से बढ़ती है.
    3. यह शुष्क क्षेत्र की फसल है और आयरन, कैल्सियम और रुक्षांश (रफेज) से भरपूर होती है.
    4. कर्नाटक, तमिलनाडु, झारखण्ड, राजस्थान और अरुणाचल प्रदेश रागी उत्पादन के प्रमुख राज्य हैं.

    दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
    (A) केवल 1 और 3
    (B) केवल 2 और 3
    (C) केवल 2, 3 और 4
    (D) केवल 1, 3 और 4
    (E) अनुत्तरित प्रश्न

16. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

    सूची-I
    (a) विलुप्तप्रायः प्रजाति
    (b) असुरक्षित प्रजाति
    (c) दुर्लभ प्रजाति
    (d) विलुप्त प्रजाति

    सूची-II
    1. मरुस्थलीय भेड़ और हार्नबिल
    2. नीली भेड़
    3. लॉइन टेल मैकेक
    4. गुलाबी सिर वाली बतख

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	3	2	1	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	1	2

(E) अनुत्तरित प्रश्न

17. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I

(a) लौह अयस्क की खान
(b) ताँबे की खान
(c) बॉक्साइट की खान
(d) अभ्रक की खान

सूची-II

1. बालाघाट
2. अमरकंटक पठार
3. गुआ और नौमुंडी
4. नेल्लोर

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	1	4
(B)	2	1	3	4
(C)	3	1	2	4
(D)	1	3	4	3

(E) अनुत्तरित प्रश्न

18. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. ताँबा, सीसा, टिन और बॉक्साइट अलौह खनिज हैं.
2. मैंगनीज, लोहा, कोबाल्ट और अभ्रक फैरस खनिज हैं.
3. पोटाश, मार्बल और ग्रेनाइट अधात्विक खनिज हैं.
4. निकिल, कोबाल्ट और प्लेटिनम बहुमूल्य धातुएँ हैं.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 1 और 4
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 2, 3 और 4
(E) अनुत्तरित प्रश्न

19. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. कंडला पोर्ट, सरदार पटेल पोर्ट के नाम से भी जाना जाता है, यह एक ज्वारीय बन्दरगाह है.
2. मार्मागाओ बन्दरगाह प्रमुख आयरन अयस्क निर्यात के लिए है.
3. चेन्नई देश के पुराने कृत्रिम बन्दरगाहों में से एक है.
4. पाराद्वीप बन्दरगाह देश में माइका के निर्यात के लिए जाना जाता है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 2, 3 और 4
(E) अनुत्तरित प्रश्न

20. हमारे सौर मण्डल से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. सप्तऋषि बिग बियर तारामण्डल का हिस्सा बनाता है.
2. सप्तऋषि उरसा मेजर तारामण्डल का हिस्सा बनाता है.
3. क्षुद्रग्रह बेल्ट मंगल और पृथ्वी की कक्षाओं के मध्य स्थित है.
4. सबसे बड़ा क्षुद्रग्रह सिरे (Cere) है

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1, 2 और 4
(E) अनुत्तरित प्रश्न

21. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I	**सूची-II**
(a) शिप्की झील	1. कश्मीर
(b) लिपु झील	2. हिमाचल प्रदेश
(c) जेलेप ला	3. उत्तराखण्ड
(d) बर्झील	4. सिक्किम

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	4	1
(B)	2	3	4	1
(C)	3	2	1	4
(D)	3	1	2	4

(E) अनुत्तरित प्रश्न

22. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I

(a) ताँबा और निकिल
(b) क्रोमाइट और प्लेटिनम
(c) फास्फेट
(d) चूना पत्थर

सूची-II

1. दक्षिण अफ्रीका
2. ऑन्टेरियो
3. काकेशस
4. अल्जीरिया

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	3	4	2	1
(D)	3	1	2	4

(E) अनुत्तरित प्रश्न

23. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I	**सूची-II**
(a) वेल्ड	1. ब्राजील
(b) पैम्पास	2. दक्षिण-अफ्रीका
(c) कम्पोज	3. उत्तर-अमरीका
(d) प्रेयरी	4. दक्षिण-अमरीका

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	3	4	1	2
(C)	4	2	3	1
(D)	2	4	1	3

(E) अनुत्तरित प्रश्न

24. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

कथन :

I. जेट स्ट्रीम्स ऊपरी स्तरीय पछवाँ हवाओं के मजबूत कोर होते हैं, जो विसर्पी पथ का अनुकरण करती हैं.
II. 'जेट स्ट्रीम' शब्द को विश्व युद्ध-II के दौरान उच्च वेग को ऊपरी स्तरीय हवाओं के लिए पहली बार प्रयोग किया गया था.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
(C) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है
(D) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

25. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I

(a) पर्वत समीर
(b) चिनूक (पवन)
(c) सिमूम
(d) सिरौको

सूची-II

1. सहारा मरुस्थल
2. कैटाबेटिक
3. स्नो ईटर
4. एशियाई और अफ्रीकी मरुस्थल

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	4	1
(B)	2	3	4	1
(C)	3	1	2	4
(D)	4	1	3	2

(E) अनुत्तरित प्रश्न

26. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I

(a) एंजेल प्रपात
(b) योसेमिटी प्रपात
(c) नियाग्रा प्रपात
(d) विक्टोरिया प्रपात

सूची-II

1. वेनेजुएला
2. कैलिफोर्निया
3. दक्षिण अफ्रीका
4. यूएसए और कनाडा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	4	3
(B)	2	1	3	4
(C)	3	4	2	1
(D)	4	3	1	2

(E) अनुत्तरित प्रश्न

27. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I

(a) बर्ड फूट डेल्टा,
(b) एश्चुएरीन डेल्टा
(c) ट्रिपल डेल्टा
(d) आर्क्यूएट डेल्टा

सूची-II

1. मेकेन्जी
2. मिसीसिपि
3. महानदी डेल्टा
4. नील डेल्टा

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	4	3
(B)	2	1	3	4
(C)	3	4	1	2
(D)	4	3	2	1

(E) अनुत्तरित प्रश्न

28. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

कथन :

I. प्राचीन बौद्ध स्तूप ब्रह्मसरोवर की पश्चिम दिशा में स्थित है.
II. माउंट लगभग तीन एकड़ में फैला हुआ है. माउंट आस-पास की जमीन स्तर से लगभग 4 मीटर की ऊँचाई पर है.

उपर्युक्त कथनों को ध्यान में रखते हुए, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

(A) दोनों कथन-I और कथन-II सही हैं तथा कथन-II कथन-I का सही स्पष्टीकरण है
(B) दोनों कथन-I और कथन-II सही हैं, लेकिन कथन-II कथन-I का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) कथन-I सही है, लेकिन कथन-II गलत है
(D) कथन-I गलत है लेकिन कथन-II सही है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

29. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

1. आराम-ए-कौसार : नारनौल
2. शेख तैय्यब की समाधि : कैथल
3. भाई की बाउली : मेहम (रोहतक)

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?

(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

30. भूमिया या खेरा के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

I. वह होमस्टेड या गाँव का देवता है.
II. भूमिया की पूजा विवाह के समय की जाती है.
III. गाय या भैंस का पहला दूध हमेशा भूमिया को समर्पित किया जाता है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही है/हैं ?

(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

31. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I

(a) घेटी (Ghethi)
(b) लागर (Laggar)
(c) बासन (Basan)
(d) नोहरा (Nohra)

सूची-II

1. दूध देने वाला पशु
2. बाहरी घर
3. गर्दन
4. मटकी

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	3	1	4	2
(C)	4	1	3	2
(D)	2	3	4	1

(E) अनुत्तरित प्रश्न

32. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. हरियाणा में बेहतरीन और सबसे संरक्षित बाउली मेहम में है.
2. तीसरी-चौथी शताब्दी ई. के बाद के युद्धों के सिक्कों के साँचे रोहतक से अधिक पाए गए हैं.
3. मोर पर ललितासन में बैठे कार्तिकेय की मूर्ति की खोज खोक्राकोट से की गई है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही है/हैं ?

(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

33. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

निम्नलिखित अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों को यूनेस्को (UNESCO) धरोहर सूची में प्रवेश के वर्ष के क्रम में (पुराने से नए) व्यवस्थित कीजिए—

1. कालबेलिया
2. बौद्धिक मंत्रोच्चारण
3. रामलीला
4. कुंभ मेला
5. नौरोज

निम्नलिखित से सही विकल्प को चुनिए—

(A) 3, 1, 2, 5, 4
(B) 1, 3, 2, 5, 4
(C) 3, 4, 5, 2, 1
(D) 2, 1, 3, 4, 5
(E) अनुत्तरित प्रश्न

34. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

कथन :

I. राग विशिष्ट मनोदशा, दिन के समय और मौसम से सम्बन्धित है. प्रत्येक राग के लिए छह महिला कन्सोर्ट होते हैं जिन्हें रागिनी कहा जाता है.
II. रागमाला पेंटिंग राग और रागिनी का चित्रमय विवरण है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं
(B) कथन-I और कथन-II दोनों गलत हैं
(C) कथन-I सही है, लेकिन कथन-II गलत है
(D) कथन-I गलत है, लेकिन कथन-II सही है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

35. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. 9 पोलोड्स के साथ आदित्य-L1, अंतरिक्ष वेधशाला को सूर्य का अध्ययन करने के लिए डिजाइन किया गया है.
2. VELC सूर्य के परिमण्डल, उच्च रेजल्यूशन और टाइम केडेन्स पर कोरोना की छवि लेगा.
3. आदित्य-L1 ने प्लाज्मा पैरामीटर्स को मापने के लिए एक अल्ट्रावायोलेट

इमेजर, 3 एक्स-रे स्पेक्ट्रोमीटर और चार इन-सिटु उपकरणों को वहन किया है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

36. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. क्रेस्ट (CREST) : होसाकोटे (Hosakote)
2. सौर वेधशाला : कोडाइकनाल (Kodaikanal)
3. रेडियो वेधशाला : गौरीबिदानुर (Gauribidanur)

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?

(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

37. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. इंटेलीजेंट वाटरबॉडी मैनेजमेंट प्रोजेक्ट : तमारा (Tamara)
2. अमरूत 2·0 : सतह और भूजल निकायों का संरक्षण
3. PLASHBOT : वाटर बॉडिज के तल के लिए विसारक वातक

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?

(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

38. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. अद्विका (Advika) : चिकपी
2. पंचामृत (Panchamrit) : भारत का क्लाइमेट एक्शन प्लान
3. मिशन (LiFE : पारिस्थितिक कल्याण के साथ हार्मनी में जीवन शैली

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?

(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

39. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. भारत (BHARAT) : एग्री इन्फ्रा फंड
2. लोंगपी कुम्हारी : छत्तीसगढ़
3. सुलुर बाँस (Bamboo) विंड फ्लूट : मणिपुर

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?

(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

40. 'SHREYAS' अम्ब्रेला योजना के तहत् मुफ्त कोचिंग योजना से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह आर्थिक रूप से वंचित एस सी, ओ बी सी और अल्पसंख्यकों को अच्छी गुणवत्ता की कोचिंग प्रदान करने के लिए है.
2. योजना के तहत् परिवार की कुल आय की उच्चतम सीमा प्रतिवर्ष ₹ 8 लाख है.
3. एस सी और ओ बी सी विद्यार्थियों का अनुपात 70 : 30 है और प्रत्येक श्रेणी में 30% सीटें महिलाओं के लिए आरक्षित हैं.
4. एस सी, ओ बी सी और अल्पसंख्यक विद्यार्थियों का अनुपात 50 : 30 : 20 के रूप में निर्धारित किया है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 1, 2 और 4
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 2 और 4
(E) अनुत्तरित प्रश्न

41. प्रधानमंत्री जन धन योजना (PMJDY) से सम्बन्धित निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इसका उद्देश्य वित्तीय और सामाजिक सेवाओं को वहनयोग्य मूल्य पर प्रदान करना है.
2. तकनीकी का निम्न लागत और विस्तृत पहुँच तक उपयोग करना.
3. कैंप मोड में न्यूनतम बैलेंस ₹ 500 और शून्य शुल्क में बेसिक बचत बैंक जमा खाता खोलना.
4. स्वदेशी डेबिट कार्ड जारी करना.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 1 और 4
(C) केवल 2 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4
(E) अनुत्तरित प्रश्न

42. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. समुद्रगुप्त की 'व्याघ्रशैली' मुद्राओं से उसकी पश्चिमी विजय का पता लगता है.
2. अशोक युग के सिक्कों से उसकी 'शासन पद्धति' का हमें ज्ञान होता है.
3. सातवाहन नरेश शातकर्णि की एक मुद्रा पर 'जलपोत' का चित्र उत्कीर्ण है, जो उसके समुद्र विजय का प्रतीक है.
4. कुमारगुप्त की 'अश्वमेध शैली' के सिक्कों से अश्वमेध यज्ञ की सूचना मिलती है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1, 2 और 4
(E) अनुत्तरित प्रश्न

43. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I

(a) अबुल हसन अल हुजविरी
(b) कुली खान
(c) जहाँ आरा
(d) अमीर हसन सिज्जी देहलवी

सूची-II

1. मुनिस अल अखाह
2. फवाइद अल फुआद
3. कश्फ उल महजुब
4. मुरक्का-ए-देहली

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	4	1	3	2
(C)	2	3	1	4
(D)	3	4	1	2

(E) अनुत्तरित प्रश्न

44. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I

(a) दिमुन
(b) मकन या मगन
(c) मेलुहा
(d) उर

सूची-II

1. सिन्ध प्रदेश
2. मेसोपोटामिया स्थित बंदरगाह
3. बहरीन द्वीप
4. मकरान तट (बलूचिस्तान)

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	4	1	3	2
(C)	2	3	1	4
(D)	3	4	1	2

(E) अनुत्तरित प्रश्न

45. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I

(a) निषाद
(b) चर्मकार
(c) मछुआरो
(d) पुक्कुस या पौलकुस

सूची-II

1. करावर
2. मेहतर
3. कैवट
4. आखेटक

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	4	1	3	2
(C)	2	3	1	4
(D)	1	4	3	2

(E) अनुत्तरित प्रश्न

46. सूची-I का मिलान सूची-II से कीजिए—

सूची-I

(a) जोगलथम्बी
(b) देवबर्नाक
(c) देवराष्ट्र
(d) पट्टडकल

सूची-II

1. नासिक (महाराष्ट्र)
2. बीजापुर (कर्नाटक)
3. विशाखापट्टनम (आंध्र प्रदेश)
4. शाहाबाद (बिहार)

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	3	4	1
(B)	4	1	3	2
(C)	2	3	1	4
(D)	1	4	3	2

(E) अनुत्तरित प्रश्न

47. नीचे दो कथन दिए गए हैं—

कथन :

I. विरूपाक्ष मंदिर का निर्माण सोलहवीं शताब्दी में हुआ था.
II. विरूपाक्ष मंदिर के सामने बना मंडप का निर्माण कृष्णदेव राय के समय में हुआ था.

उपर्युक्त कथनों को ध्यान में रखते हुए, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

48. नीचे दो कथन दिए गए हैं—

कथन :

I. भक्ति संत शंकरदेव ने 'वैष्णव धर्म' को 'भगवती धर्म' कहकर सम्बोधित किया.
II. शंकरदेव की प्रमुख रचना कीर्तनघोष है.

उपर्युक्त कथनों को ध्यान में रखते हुए, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

(A) कथन I और कथन II दोनों सही हैं
(B) कथन I और कथन II दोनों गलत हैं
(C) कथन I सही है, लेकिन कथन II गलत है
(D) कथन I गलत है, लेकिन कथन II सही है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

49. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. पुराणों में सातवाहनों को 'आंध्रभृत्य' तथा 'आंध्रजात्य' कहते हैं.
2. सातवाहनों का इतिहास विष्णु एवं भागवत पुराण में विशेष रूप से मिलता है.
3. पुराणों में सातवाहनों के सौ से अधिक राजाओं के नाम मिलते हैं.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. कबीर ग्रंथावली का सम्बन्ध राजस्थान के दादुपंथियों से है.
2. मीरा के गुरु रैदास जुलाहा थे.
3. मलिक मोहम्मद जायसी ने नामघर जैसे प्रार्थनागृह की स्थापना को बढ़ावा दिया.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

51. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—

1. विजयनगर स्थान का चयन विरूपाक्ष मंदिर के अस्तित्व से प्रेरित था.
2. पम्पादेवी मंदिर के पास विजयनगर को बसाया गया था.
3. विजयनगर के सिक्कों पर 'श्री पम्पाय नमः' अभिलेख मिला है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?

(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

52. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

1. प्रतिहार नरेश भोज—ग्वालियर अभिलेख
2. सातवाहन नरेश पुलुमावी—नासिक अभिलेख
3. हूण राजा तोरामन—एरन वराह अभिलेख

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?

(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

53. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

1. मुलफुजात—सूफी संतों की बातचीत
2. मक्तुबात—सूफी संतों की जीवनियों का स्मरण
3. तजकिरा—लिखे हुए पत्रों का संकलन

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?

(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

54. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

1. दार-उल-अदल—न्याय का स्थान
2. बलाहार—निम्न श्रेणी का कृषि मजदूर
3. मलिकुत-तुज्जार—व्यापारियों का प्रधान

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?

(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

55. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. अहिरवाल (हरियाणा) में 1857 में क्रांति के नेता—राव तुलाराम
2. फरीदाबाद (हरियाणा) में 1857 में क्रांति के नेता—धानू सिंह
3. हांसी (हरियाणा) में 1857 में क्रांति के नेता—इमाम अली कलंदर

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

56. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. 1676 में शिवाजी राजगढ़ में औपचारिक रूप से सम्राट् बने.
2. कर्नाटक अभियान शिवाजी द्वारा अंतिम बड़ा अभियान था.
3. 1678 में शिवाजी ने कर्नाटक के विरुद्ध अभियान चलाया और कुतुब शाह को एक लाख हून की सब्सिडी भुगतान करने के लिए मजबूर किया.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

57. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. नू सिपिहर—अमीर खुसरो
2. रियाज-उल-इंशा—महमूद गवान
3. बुरहान-ए-मासिर—रफीउद्दीन शिराजी

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

58. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. बसावन : अकबर
2. मीर सय्यद अली : हुमायूँ
3. दसवंत : जहाँगीर

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

59. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. रानी दुर्गावती—गोंडवाना
2. चांद बीबी—अहमदनगर
3. जोहरा—मुहम्मद शाह

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

60. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. आमिर-ए-दाद—विधिक अधिकारी जो जजों के निर्णय को निष्पादित करता था.
2. तुरकन-ए-चहलगानी—चालीस का समूह
3. बारीद-ए-मामलिक—सूचना और गुप्तचर विभाग प्रमुख

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

61. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. सूरदास—सुरसागर
2. शंकरदेव—कीर्तन घोष
3. संत तुकाराम—अभंग

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

62. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. सिखों के 10वें गुरु, गुरु गोबिन्द सिंह ने अपने छंद मुख्य रूप से हिन्दी (ब्रज भाषा) में रचे हैं.
2. नीलदर्पण नाटक, दीनबंधु मित्र द्वारा लिखा गया था.
3. आनंद मठ में प्रसिद्ध राष्ट्रवादी गीत 'वंदे मातरम्' अंतर्विष्ट है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं हैं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

63. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. जेम्स मिल भारतीय धर्म और संस्कृति के प्रति अति आलोचनात्मक थे.
2. 1835 में विलियम बेन्टिंग ने घोषणा की, कि फारसी को दरबार की भाषा के रूप में हटाया जाए एवं उसका स्थान अंग्रेजी को दिया गया.
3. कलकत्ता, बम्बई और दिल्ली के विश्वविद्यालयों की स्थापना वुड्स डिस्पेच के कारण हुई.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

64. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारतीय राष्ट्रीय सेना में गांधी, आजाद और सुभाष के नाम से फाइटिंग ब्रिगेड थे.
2. भारतीय राष्ट्रीय सेना के स्लोगन 'जय हिंद' और 'दिल्ली चलो' थे.
3. रास बिहारी बोस भारतीय राष्ट्रीय सेना से सम्बन्धित नहीं थे.

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

65. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत के राष्ट्रपति का चुनाव एकल अहस्तान्तरणीय मत से समानुपातिक प्रतिनिधित्व की प्रणाली के अनुसार होता है.
2. उत्तर प्रदेश के प्रत्येक सांसद के मत का मान गोवा के सांसद के मत के मान से अधिक होता है.
3. राष्ट्रपति के चुनाव में मतदाता नोटा (NOTA) के प्रावधान का उपयोग नहीं कर सकता है.
4. दलबदल-विरोध कानून के प्रावधान राष्ट्रपति के चुनाव में लागू नहीं होते हैं.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1, 2 और 4
(E) अनुत्तरित प्रश्न

66. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. याचिका, मैंडमस लोक प्राधिकारियों और किसी निजी व्यक्ति दोनों के विरुद्ध जारी की जा सकती है.
2. मैंडमस संविदात्मक दायित्व को लागू करने के लिए जारी किया जा सकता है.
3. राज्य के गवर्नर के विरुद्ध मैंडमस जारी नहीं किया जा सकता है.
4. मैंडमस, अवैध रूप से एकत्र किए गए कर को वापस करने के लिए राज्य के विरुद्ध जारी किया जा सकता है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन
(B) केवल दो कथन
(C) केवल तीन कथन
(D) सभी चार कथन
(E) अनुत्तरित प्रश्न

67. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारतीय संघ में एक नया राज्य बनाने के लिए संसद, सामान्य बहुमत के साथ संविधान के प्रावधानों में संशोधन कर सकती है.
2. राज्य के नीति निदेशक सिद्धान्तों के प्रावधानों में संशोधन करने के लिए संसद को विशिष्ट बहुमत की आवश्यकता होती है.
3. संविधान के अनुच्छेद 368 में संशोधन करने के लिए संसद को आधे राज्यों की विधायिकाओं की सहमति के विशिष्ट बहुमत की आवश्यकता होती है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

68. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. भार और माप के मानकों की स्थापना—संघसूची
2. गोद लेना और उत्तराधिकार—राज्यसूची
3. बेटिंग और गैमलिंग—समवर्ती सूची

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

69. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. अवशिष्ट विषय वह विषय है, जो संविधान की 7वीं अनुसूची की तीन सूचियों में सम्मिलित नहीं हैं.
2. अनुच्छेद 248 के अनुसार संघीय संसद और राज्य विधायिकाएँ दोनों इन (अवशिष्ट) विषयों पर कानून बना सकते हैं.
3. अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, अवशिष्ट विषय का एक उदाहरण है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

70. भारतीय संविधान के सन्दर्भ में सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I
(a) अनुच्छेद 263
(b) अनुच्छेद 226
(c) अनुच्छेद 239
(d) अनुच्छेद 280

सूची-II
1. वित्त आयोग
2. उच्च न्यायालय
3. अंतर्राज्यक परिषद्
4. केन्द्रशासित प्रदेश

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	2	4	1
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	3	4
(D)	4	2	3	1

(E) अनुत्तरित प्रश्न

71. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I
(a) भारतीय संविधान की दूसरी अनुसूची
(b) भारतीय संविधान की पाँचवीं अनुसूची
(c) भारतीय संविधान की नौवीं अनुसूची
(d) भारतीय संविधान की दसवीं अनुसूची

सूची-II
1. अनुसूचित क्षेत्रों का प्रशासन
2. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक
3. दलबदल विरोधी कानून
4. भूमि सुधार कानून

दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	1	4	2
(B)	1	2	3	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	2	1

(E) अनुत्तरित प्रश्न

72. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I
(a) ऑपरेशन गंगा
(b) ऑपरेशन केक्टस
(c) ऑपरेशन मैत्री
(d) ऑपरेशन कावेरी

सूची-II
1. यूक्रेन निकासी मिशन
2. नेपाल में राहत और बचाव कार्य
3. मालदीव में तख्तापलट के प्रयास को बेअसर करना
4. सूडान निकासी मिशन

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	1	3	2	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	2	1

(E) अनुत्तरित प्रश्न

73. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. जनहित याचिका, जनहित के प्रवर्तन के लिए न्यायालय में विधिक कार्य है.
2. पीआईएल लोकस स्टैंडी के सिद्धान्त को प्रतिबलित करता है.
3. नागरिक और संगठन दोनों पीआईएल दाखिल कर सकते हैं.
4. भारत के संविधान के अनुच्छेद 32 के अधीन उच्चतम न्यायालय और अनुच्छेद 226 के अधीन उच्च न्यायालय पीआईएल सुन सकते हैं.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 और 4
(D) केवल 1, 3 और 4
(E) अनुत्तरित प्रश्न

74. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. प्रिवी पर्स उस विशिष्ट राशि को उल्लिखित करता है, जो उन भूतपर्व रियासतों के शासकों को वार्षिक रूप से देय होता था, जो अधिमिलन प्रपत्र पर हस्ताक्षर करते थे.

2. 42वें संविधान संशोधन से पहले प्रिवी पर्स का भुगतान संवैधानिक बाध्यता थी.
3. प्रिवी पर्स की समाप्ति इस आधार पर उचित थी कि यह संविधान में प्रतिष्ठापित समतावाद के सिद्धान्त के विरुद्ध था.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

75. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. संसद राज्य सूची में शामिल मुद्दों पर कानून बना सकती है, यदि दो या अधिक राज्य विधायिकाएँ इस कानून को अधिनियमित करने हेतु संसद को अनुरोध करके प्रस्ताव पारित करती हैं.
2. अधिनियमित कानून सभी राज्यों पर समान रूप से लागू होगा, चाहे उन्होंने इस प्रस्ताव को पारित किया है या नहीं.
3. इस प्रकार के कानून को केवल संसद द्वारा संशोधित या निरसित किया जा सकता है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

76. सूची-I का सूची-II से मिलान कीजिए—

सूची-I
(a) 26वाँ संविधानिक संशोधन
(b) 52वाँ संविधानिक संशोधन
(c) 86वाँ संविधानिक संशोधन
(d) 103वाँ संविधानिक संशोधन

सूची-II
1. ई डब्ल्यू एस के लिए आरक्षण
2. शिक्षा का मौलिक अधिकार
3. प्रिवी पर्स का समापन
4. दलबदल–विरोधी कानून

नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	2	1
(B)	1	3	2	4
(C)	2	1	4	3
(D)	4	3	2	1

(E) अनुत्तरित प्रश्न

77. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. भारत की संचित निधि—निधि से भुगतान संसदीय विनियोजन के बिना किया जा सकता है.
2. भारत की आकस्मिक निधि—भारत के राष्ट्रपति की तरफ से वित्त विभाग के सचिव द्वारा नियोजित.
3. भारत का लोक खाता—इस खाते से राशि निकालने के लिए एक्जीक्यूटिव को संसदीय स्वीकृति की आवश्यकता होती है.

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

78. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. समान न्याय और निःशुल्क कानूनी सहायता—संविधान का अनुच्छेद 36
2. सहकारी समितियों को बढ़ावा देना—संविधान का अनुच्छेद 43B
3. उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी—संविधान का अनुच्छेद 43 A

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

79. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. आजीविका के पर्याप्त साधनों का अधिकार—संविधान का अनुच्छेद 39(a)
2. पुरुषों और महिलाओं दोनों के लिए समान काम के लिए समान वेतन—संविधान का अनुच्छेद 39(e)
3. काम, शिक्षा और सार्वजनिक सहायता का अधिकार—संविधान का अनुच्छेद 41

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

80. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. कमजोर वर्गों का शैक्षिक एवं आर्थिक हित—संविधान का अनुच्छेद 45
2. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के शैक्षिक और आर्थिक हित—संविधान का अनुच्छेद 46
3. कृषि एवं पशुपालन संगठन—संविधान का अनुच्छेद 47

उपर्युक्त युग्मों में कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

81. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. भारत के उपराष्ट्रपति—संविधान का अनुच्छेद 62
2. उपराष्ट्रपति का चुनाव—संविधान का अनुच्छेद 65
3. राष्ट्रपति का पदभार काल—संविधान का अनुच्छेद 59

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

82. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. सर्वोच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार का विस्तार—भारतीय संविधान का अनुच्छेद 138A.
2. सर्वोच्च न्यायालय को कुछ रिट जारी करने की शक्तियाँ प्रदान करना—भारतीय संविधान का अनुच्छेद 139A.
3. सर्वोच्च न्यायालय की सहायता में कार्य करने के लिए नागरिक और न्यायिक प्राधिकरण—भारतीय संविधान का अनुच्छेद 144A.

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

83. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. डेंगू—मच्छर के कारण होता है और खून के माध्यम से फैलता है.
2. टाइफाइड—जीवाणु के कारण होता है और पानी के माध्यम से फैलता है.
3. दाद—कवक के कारण होता है और कीड़ों से फैलता है.

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म

(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

84. मधुमेह के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह अग्न्याशय द्वारा इंसुलिन के अत्यधिक स्राव के कारण होता है.
2. खून में ग्लूकोज का स्तर बढ़ जाता है.
3. रोगी को बार-बार पेशाब आता है, वजन कम हो जाता है और सुस्ती आती है.

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं हैं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

85. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
कथन :
I. रक्त धमनियों की दीवारें मोटी और कठोर होती हैं.
II. धमनियाँ ऑक्सीजन-युक्त रक्त को उच्च दाब में हृदय से शरीर के विभिन्न अंगों तक ले जाती हैं.

उपर्युक्त कथनों को ध्यान में रखते हुए, नीचे दिए गए विकल्पों में सही उत्तर का चयन कीजिए—
(A) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II कथन-I का सही स्पष्टीकरण है.
(B) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, लेकिन कथन-II, कथन-I का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) कथन-I सही है, लेकिन कथन-II गलत है
(D) कथन-I गलत है, लेकिन कथन-II सही है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

86. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
कथन :
I. हाइड्रोजन को भविष्य के लिए स्वच्छ ऑटोमोबाइल ईंधन के रूप में माना जाता है.
II. हाइड्रोजन यूनिवर्स में प्रचुर मात्रा में पाया जाने वाला तत्व है.

उपर्युक्त कथनों को ध्यान में रखते हुए, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
(A) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I का सही स्पष्टीकरण है
(B) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, लेकिन कथन-II, कथन-I का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) कथन-I सही है, लेकिन कथन-II गलत है
(D) कथन-I गलत है, लेकिन कथन-II सही है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

87. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. ओटाई (गिनिंग)—बीजों से कॉटन फाइबर को अलग करना
2. बुनाई—फाइबर से यार्न बनाना
3. पॉलिस्टर—आग लगने पर पिघल जाता है और शरीर से चिपक जाता है.

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

88. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
कथन :
I. चींटी के डंक के प्रभाव को कैलेमाइन विलयन को रगड़कर निष्प्रभावित किया जा सकता है.
II. कैलेमाइन विलयन में जिंक कार्बोनेट होता है, जो क्षारीय प्रकृति का होता है.

उपर्युक्त कथनों को ध्यान में रखते हुए, नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
(A) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं तथा कथन-II, कथन-I का सही स्पष्टीकरण है
(B) कथन-I और कथन-II दोनों सही हैं, लेकिन कथन-II, कथन-I का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) कथन-I सही है, लेकिन कथन-II गलत है
(D) कथन-I गलत है, लेकिन कथन-II सही है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

89. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. समतल दर्पण—वस्तु (बिंब) की तरह समान आकार का प्रतिबिंब
2. अवतल दर्पण—वाहन में रियर व्यू (पश्च–दृश्य) दर्पण
3. उत्तल दर्पण—दंत विशेषज्ञ

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

90. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. कैल्सियम ऑक्साइड—सीमेंट का निर्माण
2. बुझा हुआ चूना—साबुन बनाना
3. प्लास्टर ऑफ पेरिस—खिलौने बनाना

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीनों युग्म
(D) उपर्युक्त में से कोई भी युग्म नहीं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

91. तीन अलग-अलग परखनलियों में प्याज के रस की कुछ बूँदें, पतला वेनिला एसेंस और लौंग के तेल को लेकर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. NaOH मिलाने पर प्याज की विशिष्ट गंध गायब हो जाती है, हालाँकि यह HCl के साथ बनी रहती है.
2. HCl मिलाने पर वेनिला की विशिष्ट गंध खत्म हो जाती है, जबकि यह NaOH के साथ बनी रहती है.
3. लौंग के तेल में NaOH मिलाने पर इसकी विशिष्ट गंध समाप्त हो जाती है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सहीं हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

92. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. जल वर्षा जल का pH 6 से 7 के बीच होता है, तो इसे अम्लीय वर्षा कहा जाता है.
2. मुँह का pH7 से अधिक होने पर दाँतों के इनैमल (दन्तवल्क) का क्षरण होने लगता है.
3. अम्लीय परिस्थितियों में किसान मिट्टी को कैल्सियम ऑक्साइड से उपचारित करते हैं.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

93. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. जल में घुलनशील क्षारक को क्षार कहते हैं.

2. $Ca(OH)_2$ क्षार का उदाहरण नहीं है.
3. किसी क्षारक का जल में घुलना एक उष्माक्षेपी प्रक्रिया है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल एक कथन सही है
(B) केवल दो कथन सही हैं
(C) सभी तीनों कथन सही हैं
(D) कोई भी कथन सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

94. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
1. मधुमक्खी के डंक से छोड़ा गया अम्ल—HCl
2. शुक्र का वायुमण्डल—H_2SO_4
3. ऐन्टैसिड—मेथैनॉइक अम्ल

उपर्युक्त युग्मों में से कितने युग्म सही हैं ?
(A) केवल एक युग्म सही है
(B) केवल दो युग्म सही हैं
(C) सभी तीनों युग्म सही हैं
(D) कोई भी युग्म सही नहीं है
(E) अनुत्तरित प्रश्न

95. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
किसी अत्यावश्यक और खतरनाक स्थिति में अग्नि को स्पर्श करने पर, हम अनायास अपना हाथ खींच लेते हैं. यह त्वरित प्रतिक्रिया तंत्रिका तंत्र की निम्नलिखित में से किस संरचना के कारण होती है ?
1. मेरुरज्जु
2. प्रेरक तंत्रिका कोशिका
3. मस्तिष्क
4. संवेदी तंत्रिका कोशिका

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) 1, 2, 3 और 4
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1, 2 और 4
(D) केवल 2, 3 और 4
(E) अनुत्तरित प्रश्न

96. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
निम्नलिखित में से कौनसा/से कार्य ऐडिनलिन द्वारा प्रभावित होता/होते हैं ?
1. दिल की धड़कन को तेज करता है.
2. मांसपेशियों में अधिक मात्रा में ऑक्सीजन की आपूर्ति.
3. पाचन तंत्र में रक्त की आपूर्ति में वृद्धि.
4. श्वसन दर में कमी

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) 1, 2, 3 और 4
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) केवल 1
(E) अनुत्तरित प्रश्न

97. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
कोशिकाओं में ग्लूकोज के अवायवीय विघटन (एनारोबिक ब्रेकडाउन) के परिणामस्वरूप निम्न में से कौनसा यौगिक बनता है ?
1. इथेनॉल
2. लैक्टिक अम्ल
3. कार्बन डाइऑक्साइड
4. ए टी पी

उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) 1, 2, 3 और 4
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) केवल 2 और 3
(E) अनुत्तरित प्रश्न

98. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
मूत्र निर्माण के दौरान निम्नलिखित में से कौनसे पदार्थ प्रारम्भिक निस्यंद (फिल्ट्रेट) से चयन करके पुनः अवशोषित किए जाते हैं ?
1. ग्लूकोज 2. एमीनो अम्ल
3. लवण 4. जल

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) 1, 2, 3 और 4
(B) केवल 3 और 4
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) केवल 4
(E) अनुत्तरित प्रश्न

99. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
निम्नलिखित में से कौनसा पादप हॉर्मोन पादप की वृद्धि में मदद करता है ?
1. ऑक्सिन
2. जिबरेलिन
3. साइटोकाइनिन
4. एब्सिसिक अम्ल

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) 1, 2, 3 और 4
(B) केवल 1, 2 और 3
(C) केवल 1 और 2
(D) केवल 1
(E) अनुत्तरित प्रश्न

100. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
कथन :
1. छोटी आँत की लम्बाई विभिन्न जानवरों में उनकी भोजन की क्षमता के आधार पर भिन्न होती है.
2. शाकाहारियों को सेल्यूलोज के पाचन हेतु लम्बी, छोटी आँत की आवश्यकता होती है.

दिए गए उपर्युक्त कथनों में से कितने कथन सही हैं ?
(A) दोनों कथन सही हैं
(B) कथन 1 सही है, लेकिन कथन 2 गलत है
(C) कथन 1 गलत है, लेकिन कथन 2 गलत है
(D) दोनों कथन गलत हैं
(E) अनुत्तरित प्रश्न

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A)
- आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (एमओएसपीआई) द्वारा प्रत्येक 3 माह में जारी की जाती है.
- इस सर्वेक्षण के आधार पर केवल शहरी क्षेत्रों के लिए 'वर्तमान साप्ताहिक स्थिति' (सीडब्ल्यूएस) तीन महीने के अन्तराल पर मापा जाता है.
- आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण में एलएफपीआर स्थिति जहाँ ग्रामीण क्षेत्रों में, 2017-18 में 50·7% से बढ़कर 2022-23 में 60·8% हो गया, वही यह शहरी क्षेत्रों के लिए 47·6% से बढ़कर 50·4% हो गया है.
- अत : कथन I सही, जबकि कथन II गलत है.

2. (B)
- भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) ने 'ड्राफ्ट मास्टर डायरेक्शन–विलफुल डिफॉल्टर्स और बड़े डिफॉल्टर्स का उपचार' को संशोधित कर इसे हित धारकों और जनता के सदस्यों की टिप्पणियों के लिए प्रकाशित किया है.
- संशोधन गैर-बैंकिंग वित्त कम्पनियों और सहकारी बैंकों को जान-बूझकर कर्ज न चुकाने वालों की पहचान करने की अनुमति देता है.
- दिशा-निर्देशों के अनुरूप ₹ 25 लाख से ऊपर की सभी गैर-निष्पादित सम्पत्तियों (एनपीए) की जानबूझकर चूक के लिए जाँच की जानी चाहिए.
- आरबीआई उधारकर्ता को व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर प्रदान करने के महत्व पर भी जोर देता है. इसके अतिरिक्त, कोई भी समझौता जानबूझकर चूक कर्ता के खिलाफ आपराधिक कार्यवाही सहित कानूनी कार्यवाही की निरन्तरता को प्रभावित नहीं करेगा.

3. (*)
- RoDTEP योजना, जिसे शुरूआत में 30 सितम्बर, 2023 तक लागू किया गया था इसकी अवधि आगे 30 जून, 2024 तक और बढ़ा दी गई है.
- यह योजना भारत के निर्यातकों को समर्थन देने के लिए महत्वपूर्ण है और इसे एमईआईएस योजना के खिलाफ डब्ल्यूटीओ के फैसले से प्रेरित किया गया था.
- इसका मुख्य उद्देश्य उत्पादन और वितरण के दौरान लगने वाले शुल्कों और करों को माफ करके व्यापक सहायता प्रदान करना है.
- विशेष रूप से, RoDTEP सभी स्तरों पर करों, शुल्कों और लेवी को कवर करता है, जिन्हें अन्य तंत्रों के माध्यम से वापस नहीं किया जाता है.

4. (A)
- पीसीए ढाँचा वाणिज्यिक बैंकों और सहकारी बैंकों, गैर-बैंकिंग वित्तीय कम्पनियों (एनबीएफसी) और एफएमआई तक विस्तारित है.
- जब RBI किसी बैंक को अपनी PCA निगरानी सूची में डालता है, तो वह उस पर दो प्रकार की सीमाएँ लगाता है–अनिवार्य और विवेकाधीन. अनिवार्य रूप से इनमें शाखा के विस्तार, लाभांश और निदेशक के पारिश्रमिक आदि से सम्बन्धित प्रतिबंध शामिल हैं.

5. (A)
- भारत के भगोड़े आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के अनुसार 'भगोड़े आर्थिक अपराधी' (FEO) को एक ऐसे व्यक्ति के रूप में परिभाषित किया गया है जिसके खिलाफ भारत में किसी भी अदालत द्वारा अनुसूचित अपराध के सम्बन्ध में गिरफ्तारी का वारंट जारी किया गया है और जो देश छोड़ चुका है. आपराधिक मुकदमा चलाने से बचने के लिए; या विदेश में FEO, आपराधिक मुकदमा चलाने के लिए लौटने से इनकार कर देता है.
- अधिनियम का उद्देश्य भारत से फरार उच्च मूल्य वाले आर्थिक अपराधियों की सम्पत्ति को तब तक जब्त करने में मदद करना है जब तक वे उचित कानूनी मंच के अधिकार क्षेत्र में प्रस्तुत नहीं हो जाते. प्रवर्तन निदेशालय अधिनियम को लागू करने वाली नोडल एजेंसी है.

6. (A)

7. (B)
- यह योजना बाजार अव्यवस्था के दौरान सीडीएमडीएफ द्वारा निवेश-ग्रेड कॉर्पोरेट ऋण प्रतिभूतियों की खरीद का समर्थन करने के लिए डिजाइन की गई है.
- सीडीएमडीएफ को 15 वर्ष के शुरूआती कार्यकाल के साथ एक क्लोज-एंडेड योजना के रूप में लॉन्च किया जाएगा.
- जिसका आगे विस्तार सेबी के परामर्श से आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के विवेक पर निर्भर करता है.

8. (C)
- भारत में एफपीआई की कुल हिस्सेदारी ₹ 54·5 ट्रिलियन है, जिसकी नवम्बर 2023 की स्थिति के अनुसार समग्र भारतीय इक्विटी में 16·6% हिस्सेदारी है, हालाँकि यह 2012 के बाद से सबसे कम है. अतः पिछले दशक में इसमें उतार चढ़ाव देखा गया है.
- उल्लेखनीय है कि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम 1999 (फेमा) भारत में एफपीआई को नियंत्रित करने वाला प्राथमिक कानून है और भारत में एफपीआई नियमों को उदार बनाने के लिए इसमें समय समय पर संशोधन भी किए गए हैं.

9. (D)
- सल्फर कोटेड यूरिया (एससीयू) एक गैर-कार्बनिक उर्वरक है, जो यूरिया को सल्फर के साथ कोटिंग करने का परिणाम है. सल्फर के साथ यूरिया के दानों की इस तरह की कोटिंग से एक झिल्ली का निर्माण होता है, जो पौधों की वृद्धि के लिए नाइट्रोजन की उपलब्धता को नियंत्रित करती है.
- फर्टिलाइजर फ्लाइंग स्क्वॉड (एफएफएस) का डायवर्जन, काला-बाजारी, जमाखोरी और नकली उर्वरकों की आपूर्ति जैसी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखने और नकेल कसने के लिए गठन किया गया है.

10. (C)
- आईसीआईएमओडी–इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट नेपाल के काठमांडू में स्थित एक अंतर सरकारी ज्ञान और शिक्षण केन्द्र है.
- अखिल भारतीय ग्रामीण वित्तीय समावेशन सर्वेक्षण प्रत्येक वर्ष राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक द्वारा जारी किया जाता है.

11. (C)

12. (*)
- गिनी सूचकांक किसी अर्थव्यवस्था के भीतर व्यक्तियों या परिवारों के बीच आय या उपभोग के वितरण का ग्राफिकल निरूपण है.
- उल्लेखनीय है कि गिनी सूचकांक जितना अधिक होगा , आय असमानता की डिग्री उतनी ही अधिक होगी.
- अर्थात् 0 का गिनी सूचकांक पूर्ण समानता का प्रतिनिधित्व करता है, जबकि 100 का सूचकांक पूर्ण असमानता का प्रतिनिधित्व करता है.

13. (C)
- रेगुर मिट्टी का विकास अर्द्ध-शुष्क परिस्थितियों में डेक्कन लावा ग्रेनाइट चट्टानों पर हुआ है.
- रेगुर मिट्टी या काली मिट्टी कपास उगाने के लिए आदर्श है और इसे काली कपास मिट्टी के रूप में जाना जाता है. मिट्टी मैग्नीशियम, कैल्सियम कार्बोनेट, पोटाश और चूने जैसे पोषक तत्वों से समृद्ध है.

14. (B)
- लाल मिट्टी दक्कन के पठार के पूर्वी और दक्षिणी भागों में कम वर्षा वाले क्षेत्रों में क्रिस्टलीय आग्नेय चट्टानों पर विकसित होती है.
- क्रिस्टलीय और रूपांतरित चट्टानों में लोहे के प्रसार के कारण इन मिट्टी का रंग लाल हो जाता है. हाइड्रेटेड रूप में होने पर यह पीला दिखता है.

15. (B)
- रागी मुख्य रूप से दक्षिण भारत के सूखे हिस्सों (विशेषता कर्नाटक के सूखे हिस्सों) में खरीफ फसल के रूप में उगाई जाती है. इसके लिए गर्म जलवायु और लगभग 50–100 सेमी वर्षा की आवश्यकता होती है.
- इसे विभिन्न मिट्टी (लाल, हल्की काली, रेतीली, अच्छी जल निकासी वाली जलोढ़ दोमट) पर उगाया जाता है. वर्तमान में कर्नाटक इसका सबसे बड़ा उत्पादक है. उत्तराखण्ड और तमिलनाडु अन्य प्रमुख उत्पादक राज्य हैं.

16. (B) 17. (C)

18. (A)
- लौह खनिज वे खनिज हैं, जिनमें लोहा होता है. लौह खनिजों के कुछ उदाहरणों में लौह अयस्क, मैंगनीज,

निकिल और क्रोमाइट शामिल हैं. वे धात्विक खनिज जिनमें लोहे के अलावा अन्य धातुएँ होती हैं, अलौह खनिज कहलाते हैं. कुछ उदाहरण सोना, ताँबा, चाँदी, सीसा और टिन हैं.

- कीमती धातुएँ सोना, चाँदी और प्लेटिनम तक ही सीमित नहीं हैं. वास्तव में, नौ अलग-अलग कीमती धातुएँ हैं—सोना, चाँदी, प्लेटिनम, पैलेडियम, रोडियम, इरिडियम, ऑस्मियम, रेनियम और रूथेनियम. इन सभी धातुओं में ऐसे गुण हैं, जो उन्हें अद्वितीय और बेशकीमती बनाते हैं.

19. (B)

- कांडला बंदरगाह, जिसे दीनदयाल बंदरगाह के नाम से भी जाना जाता है, पश्चिमी भारत में गुजरात राज्य के कच्छ जिले में गांधी धाम शहर के पास एक बंदरगाह है. कच्छ की खाड़ी पर स्थित, यह पश्चिमी तट पर प्रमुख बंदरगाहों में से एक है.
- पाराद्वीप व्यापारिक गतिविधियों के लिए भारत का एक प्रमुख समुद्री बंदरगाह है. यह ओडिशा तट पर स्थित है.
- इसे विशेष रूप से लौह अयस्क के निर्यात के लिए डिजाइन किया गया है.

20. (D)

- क्षुद्रग्रह अक्सर मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के बीच पाए जाते हैं. हमारे सूर्य के पड़ोस में बड़ी संख्या में क्षुद्रग्रह स्थित हैं. हालाँकि, अधिकांश क्षुद्रग्रह मुख्य क्षुद्रग्रह बेल्ट में स्थित हैं, जो मंगल और बृहस्पति की कक्षाओं के बीच का क्षेत्र है.

21. (*)

- शिपकी ला-दर्रा भारत के हिमाचल प्रदेश में स्थित है.
- लिपुलेख दर्रा उत्तराखण्ड राज्य में है. लिपुलेख भारत के उत्तराखण्ड और चीन के तिब्बत के बीच की सीमा पर एक हिमालयी दर्रा है.
- जेलेप ला दर्रा सिक्किम में स्थित है.
- बुर्जिल दर्रा जम्मू और कश्मीर के क्षेत्र में स्थित है.

22. (A) 23. (D) 24. (A) 25. (B)
26. (A) 27. (B)
28. (B)

- प्राचीन बौद्ध स्तूप कुरूक्षेत्र विश्वविद्यालय के उत्तर-पूर्व क्षेत्र में ललित कला विभाग के निकट स्थित है. यह प्राचीन बौद्ध स्तूप ब्रह्मसरोवर की पश्चिम दिशा की ओर स्थित है. यह टीला लगभग 3 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है और टीले की ऊँचाई आस-पास के जमीनी स्तर से लगभग 4 मीटर है.

29. (B)

- आराम-ए कौसार शाह कुली खान द्वारा निर्मित मकबरा उद्यान परिसर है, जोकि हरियाणा के नारनौल में स्थित है.
- शेख तैय्यब का मकबरा हरियाणा के कैथल शहर में स्थित है.
- 'भाई की बावली' हरियाणा के कैथल शहर में स्थित है. यह तीन मंजिला इमारत एक बावड़ी के आकार की है.

30. (C) 31. (B) 32. (C)
33. (A)

अमूर्त सांस्कृतिक विरासत	घोषित वर्ष
रामलीला, रामायण का पारम्परिक प्रदर्शन	2008
कालबेलिया	2010
लद्दाख का बौद्ध जप	2012
नवरोज	2016
कुंभ मेला	2017

34. (A)
35. (A)

- आदित्य-एल1 सूर्य का अध्ययन करने वाला भारत का पहला अंतरिक्ष–आधारित सौर मिशन है.
- आदित्य–एल1 में कुल सात पेलोड हैं, जिनमें से चार सूर्य की रिमोट सेंसिंग के लिए और तीन इन-सीटू अवलोकन के लिए हैं.
- विजिबल लाइन एमिशन कोरोनाग्राफ (वीईएलसी) एक प्राथमिक पेलोड है, जो सूर्य के परिमंडल, उच्च रेज्युलेशन और टाइम केडेन्स पर कोरोना की छवि लेगा.

36. (C)
37. (B)

- जल निकाय प्रबंधन और पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम में, प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड (टीडीबी) मेसर्स बारीफ्लो लैब्स प्राइवेट लिमिटेड, ओडिशा को "इंटेलिजेंट वॉटर बॉडी मैनेजमेंट सिस्टम (आईडब्ल्यूएमएस) का विकास और व्यावसायीकरण (आईडब्ल्यूएमएस)–तमारा" नामक परियोजना के लिए समर्थन दे रहा है.
- भारत सरकार के आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय (एमओएचयूए) ने जल आपूर्ति सीवरेज और सेप्टेज प्रबंधन के लिए बुनियादी ढाँचे को बढ़ाने और लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से जल निकायों को पुनर्जीवित करने के लिए अमृत मिशन 2·0 लॉन्च किया है.
- स्मार्ट वीड हार्वेस्टर सिस्टम (प्लाशबॉट)—यह प्रणाली जल निकायों से अवांछित पौधों को हटा देती है. इसमें पौधों को ढूँढ़ने, हटाने, कुचलने और स्थानांतरित करने के लिए अलग-अलग भाग होते हैं. यह सुचारू रूप से काम करने के लिए स्मार्ट नेविगेशन का उपयोग करता है.

38. (C)
39. (A)

- कृषि अवसंरचना निधि के तहत् भारत अभियान—यह योजना ब्याज छूट और वित्तीय सहायता के माध्यम से फसल के बाद के बुनियादी ढाँचे और सामुदायिक कृषि परिसंपत्तियों के प्रबंधन के लिए व्यवहार्य परियोजनाओं में निवेश के लिए मध्यम-दीर्घकालिक ऋण वित्तपोषण सुविधा प्रदान करेगी.
- भारत के मणिपुर राज्य में हस्तनिर्मित, यह मिट्टी की बर्तन शैली सदियों पुरानी एक समृद्ध ऐतिहासिक महत्व रखती है. लोंगपी ब्लैक पॉटरी अपने विशिष्ट काले रंग और अद्वितीय शिल्प कौशल तकनीकों के लिए जानी जाती है.
- छत्तीसगढ़ पवन बांसुरी—छत्तीसगढ़ में बस्तर की गोंड जनजाति द्वारा निर्मित, 'सुलूर' बांस पवन बांसुरी एक अद्वितीय संगीत रचना के रूप में सामने आती है. पारम्परिक बांसुरी के विपरीत, यह एक हाथ से घुमाकर धुन पैदा करता है.

40. (C)

- 'श्रेयस' की समग्र योजना में केन्द्रीय क्षेत्र की 4 उप-योजनाएँ यथा– "अनुसूचित जाति के लिए सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा", "अनुसूचित जाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए मुफ्त कोचिंग योजना", "अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय प्रवासी योजना" और "अनुसूचित जाति के लिए राष्ट्रीय फैलोशिप" शामिल हैं.
- इस योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से वंचित अनुसूचित जाति (एससी) और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के उम्मीदवारों के लिए अच्छी गुणवत्ता

की कोचिंग प्रदान करना है, ताकि वे सार्वजनिक/निजी क्षेत्र में उचित नौकरियाँ प्राप्त करने के लिए प्रतिस्पर्धी और प्रवेश परीक्षाओं में शामिल होने साथ ही साथ प्रतिष्ठित तकनीकी और व्यावसायिक उच्च शिक्षा संस्थानों में प्रवेश सुनिश्चित करने में सक्षम हो सकें.

- योजना के तहत् कुल पारिवारिक आय की सीमा ₹ 8 लाख प्रति वर्ष है.
- इसके तहत् एससी–ओबीसी छात्रों का अनुपात 70 : 30 है और प्रत्येक श्रेणी में महिलाओं के लिए 30% सीटें आरक्षित हैं.

41. (C)
- बैंकिंग सुविधाओं से वंचितों को बैंकिंग सुविधाएँ मुहैया कराना–न्यूनतम कागजी कार्रवाई के साथ बुनियादी बचत बैंक जमा (बीएसबीडी) खाता खोलना, केवाईसी, ई-केवाईसी में ढील, शिविर मोड में खाता खोलना, शून्य बैलेंस और शून्य शुल्क.
- असुरक्षित को सुरक्षित करना–नकदी की निकासी और कारोबारी स्थलों पर भुगतान के लिए स्वदेशी डेबिट कार्ड जारी करना जिसमें ₹ 2 लाख की मुफ्त दुर्घटना बीमा कवरेज है.

42. (C)
- अशोक के शिलालेखों में मिली जानकारी में उनकी जीवन-वृत्तांत, आन्तरिक नीति, विदेश नीति, उनकी धार्मिक और नैतिक संभावनाएँ, बौद्ध धर्म और उनके पशु और सामाजिक कल्याण कार्यक्रम शामिल हैं. ये शिलालेख भारत, नेपाल और पाकिस्तान के सभी क्षेत्रों में फैले हुए हैं. अशोक के शिलालेख बौद्ध धर्म के प्रथम मूर्त प्रमाण हैं.
- समुद्रगुप्त के दरबारी कवि और मंत्री हरिसेन ने इलाहाबाद स्तंभ शिलालेख या प्रयाग प्रशस्ति की रचना की. यह स्तंभ अशोक द्वारा छह शताब्दी पहले बनवाया गया एक अशोक स्तंभ था. यह शिलालेख समुद्रगुप्त की स्तुति है और इसमें समुद्रगुप्त की विजयों और गुप्त साम्राज्य की सीमाओं का उल्लेख है.

43. (D) 44. (D) 45. (B) 46. (D)

47. (D)
- विरुपाक्ष मंदिर–भगवान शिव, या पम्पापति (पम्पा के पति, या देवी भुवनेश्वरी) को समर्पित, यह मंदिर 15वीं शताब्दी की शुरुआत में बनाया गया था, और सोलहवीं शताब्दी में कृष्णदेवराय द्वारा इसका जीर्णोद्धार किया गया था.

48. (A)

49. (A)
- पुराणों में सातवाहनों को आंध्रभृत्य और आंध्रजात्य कहा गया है.
- सातवाहनों का इतिहास विशेषकर मत्स्य पुराण तथा वायु पुराण में मिलता है.
- मत्स्य पुराण के अनुसार सातवाहन वंश पर तीस राजाओं का शासन था. मत्स्य पुराण के अनुसार इन तीस राजाओं ने 450 वर्षों तक शासन किया. वायु पुराण के अनुसार, सातवाहन वंश पर 300 वर्षों तक 17 राजाओं ने शासन किया था.

50. (A)
- कबीर ग्रंथावली राजस्थान के दादूपंथ से जुड़ी है और उनकी कई रचनाएँ आदि ग्रंथ साहिब में पाई जाती हैं.
- मीरा के गुरु रैदास जुलाहा थे इस पर कुछ विवाद है ऐसा इसलिए, क्योंकि बहुसंख्यक मानते हैं कि उनका जन्म बनारस के पास एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था, लेकिन उनका पालन-पोषण एक मुस्लिम जोड़े, बुनकर ने किया था.
- नामघरों को असम में वैष्णव संतों दामोदरदेव, माधवदेव और शंकरदेव द्वारा असमिया लोगों के लिए पेश किया गया था जहाँ वे नाम (भक्ति गीत) और भगवान की भक्ति (भक्ति) की संस्कृति और अभ्यास कर सकते हैं. उन्होंने नागांव जिले के बोरदोवा में पहला नामघर स्थापित किया.

51. (B)
- भगवान शिव और उनकी पत्नी पम्पादेवी को समर्पित, यह यहाँ का एकमात्र मंदिर है जिसका उपयोग अभी भी पूजा के लिए किया जाता है. मंदिर के कुछ हिस्से विजयनगर साम्राज्य से पहले के हैं.

52. (C)

53. (A)
- मुलफुजात एक अरबी शब्द है जिसका शाब्दिक अर्थ है, "क्या कहा गया है" और सूफी संत के शिष्यों द्वारा ज्यादातर फारसी में लिखे गए ग्रंथों को संदर्भित करता है जिसमें सूफी संतों की बातचीत, गतिविधियों और शिक्षाओं को यथासंभव रखा जाता है.
- मक्तूबात (मकतुबत अल-रब्बानी), वह पुस्तक जिसमें अहमद सरहिन्दी के अपने शिष्यों, परिवार के सदस्यों और राज्य और प्रभाव वाले लोगों को लिखे पत्र शामिल हैं. मक्तूबात, मुगल शासकों और अन्य समकालीनों को अहमद सरहिन्दी के पत्रों का संग्रह है.
- जीवनी या सूफी तजकिरा सूफी साहित्य की एक शैली है, जो सूफी के जीवन का अध्ययन करती है और अपने विषय के प्रति श्रद्धा और सम्मान व्यक्त करती है. यह अक्सर अपने विषयों को धर्मपरायणता और आध्यात्मिक अधिकार के मानदंड के रूप में उनकी जीवन-कहानियों को अलंकृत करने के लिए बिना आलोचना के सहायक तर्क प्रदान करता है.

54. (C)

55. (B)
- हरियाणा में 1857 की क्रांति से सम्बन्धित प्रमुख नेता हैं –अहीरवाल में राव तुला राम, पलवल में गफ्फूर अली और हरसुख राय, फरीदाबाद में धानू सिंह, बल्लभगढ़ में नाहर सिंह आदि.

56. (A)
- 6 जून, 1674 को रायगढ़ किले में एक शानदार समारोह में शिवाजी को मराठा स्वराज के राजा का ताज पहनाया गया.
- शिवाजी का अंतिम बड़ा अभियान 1676 में हुआ था, और यह कर्नाटक के विरुद्ध था, जो उस समय बीजापुर सल्तनत का एक हिस्सा था.
- 1676 में शिवाजी ने कर्नाटक के विरुद्ध अभियान चलाया और कुतुबशाह को एक लाख हून की सब्सिडी भुगतान करने के लिए मजबूर किया.

57. (B)
- नू सिपिहर–अमीर खुसरो.
- रियाज-उल-इंशा–बहमनी वजीर ख्वाजा इमादुद्दीन महमूद गवान के पत्रों का संग्रह है, जो या तो उनकी ओर से या उनके गुरु मुहम्मद शाह-तृतीय बहमनी सुल्तान की ओर से लिखे गए हैं.
- बुरहान-ए-मासिर–सैयद अली (अंग्रेजी अनुवाद सर वूसली हैग).

58. (B)
- बसावन और दसवंत–अकबर
- मीर सैयद अली–हुमायूँ और अकबर
- बिशनदास, उस्ताद मंसूर–जहाँगीर

59. (C) 60. (C) 61. (C) 62. (C)
63. (B)

- जेम्स मिल ने प्राच्यवादियों पर कड़ा प्रहार किया. उन्होंने घोषणा की कि ब्रिटिशों का प्रयास उन्हें खुश करने और "उनके दिल में जगह बनाने" के लिए यह सिखाना नहीं होना चाहिए कि मूल निवासी क्या चाहते हैं, या वे किस चीज का सम्मान करते हैं. शिक्षा का उद्देश्य वह सिखाना होना चाहिए, जो उपयोगी और व्यावहारिक हो.
- वुड के प्रेषण के बाद, ईस्ट इंडिया कम्पनी द्वारा कई उपाय किए गए– 1857 में कलकत्ता विश्वविद्यालय, बॉम्बे विश्वविद्यालय और मद्रास विश्वविद्यालय, साथ ही 1882 में पंजाब विश्वविद्यालय और विश्वविद्यालय जैसे नए संस्थान स्थापित किए गए. 1887 में इलाहाबाद के.
- 1835 में भारत सरकार की आधिकारिक भाषा के रूप में फारसी भाषा को अंग्रेजी से बदल दिया गया था. मुगल प्रशासन के तहत् फारसी भाषा अदालत की आधिकारिक भाषा थी.

64. (B)
- आजाद हिन्द फौज का नारा था एकता, विश्वास और बलिदान. 'दिल्ली चलो' और 'जय हिंद' का नारा भी सुभाषचन्द्र बोस द्वारा दिया गया था.
- INA ब्रिगेड/रेजिमेंटों का नाम गांधी, नेहरू, मौलाना आजाद और नेताजी सुभाष चंद्र बोस के नाम पर रखा गया था. महिला रेजिमेंट का नाम लक्ष्मीबाई, झाँसी की रानी रखा गया.
- रासबिहारी बोस गदर विद्रोह के प्रमुख आयोजकों में से एक थे उन्होंने इंडियन इंडिपेंडेंस लीग की स्थापना की. बोस ने भारतीय राष्ट्रीय सेना (आईएनए) का भी नेतृत्व किया, जिसका गठन 1942 में मोहन सिंह के नेतृत्व में किया गया था. वह 1912 में भारत के वायसराय लॉर्ड हार्डिंग की हत्या की दिल्ली-लाहौर साजिश के भी प्रमुख सूत्रधार थे.

65. (C)
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 55(3) के अनुसार, राष्ट्रपति का चुनाव एकल संक्रमणीय मत के माध्यम से आनुपातिक प्रतिनिधित्व प्रणाली के अनुसार होगा और ऐसे चुनाव में मतदान गुप्त मतदान द्वारा होगा.
- राष्ट्रपति के चुनाव के लिए किसी सांसद के वोट का मूल्य सभी राज्यों के सभी विधायकों के वोटों के कुल मूल्य को संसद के निर्वाचित सदस्यों की कुल संख्या से विभाजित करके निर्धारित किया जाता है.

66. (B)
- परमादेश रिट तब जारी की जाती है जब अदालत को पता चलता है कि कोई विशेष अधिकारी अपने कानूनी कर्तव्य को निभाने की अनदेखी कर रहा है और इस तरह किसी अन्य व्यक्ति या व्यक्ति के अधिकार का उल्लंघन कर रहा है.

67. (C)

68. (A)
- वजन और माप के मानकों की स्थापना संघ सूची (प्रविष्टि 50) में शामिल है. हालाँकि, वजन और माप के सम्बन्ध में कानूनों का प्रवर्तन समवर्ती सूची (प्रविष्टि 33ए) में उल्लिखित है.
- गोद लेना और उत्तराधिकार समवर्ती सूची के अन्तर्गत आता है.
- सट्टेबाजी और जुआ भारतीय संविधान की 7वीं अनुसूची की सूची–II की प्रविष्टि 34 और 62 के अन्तर्गत आते हैं, जो राज्यों द्वारा उनके विनियमन का प्रावधान करता है. अतः यह राज्य सूची का विषय है.

69. (B)
- जो विषय संविधान की 7वीं सूची में उल्लिखित किसी भी सूची में मौजूद नहीं हैं, उन्हें अवशिष्ट विषय के रूप में जाना जाता है. अवशिष्ट विषयों पर कानून बनाने की शक्तियाँ केन्द्र सरकार के पास हैं. ऐसे विषयों में शामिल हैं–अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, कम्प्यूटर सॉफ्टवेयर, ई-कॉमर्स आदि. ये विषय संविधान बनने के बाद अस्तित्व में आए.
- अनुच्छेद 248 : (1) संसद के पास समवर्ती सूची या राज्य सूची में शामिल नहीं किए गए किसी भी मामले के सम्बन्ध में कोई भी कानून बनाने की विशेष शक्ति है. (2) ऐसी शक्ति में किसी भी सूची में उल्लिखित न किए गए कर को लागू करने वाला कोई भी कानून बनाने की शक्ति शामिल होगी.

70. (A) 71. (C) 72. (B)

73. (D)
- कर्नाटक उच्च न्यायालय के अनुसार जनहित याचिका में लोकस स्टैंडी का सिद्धांत व्यक्तिगत स्थिति के मामलों पर लागू नहीं किया जाना चाहिए. न्यायालय ने स्पष्ट किया कि रिट याचिका दायर करते समय, याचिकाकर्ता को उस विशेष मामले में अपना अधिकार क्षेत्र स्पष्ट रूप से स्थापित करना होगा.

74. (B)
- तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के शासनकाल में 26वें संविधान संशोधन 1971 के द्वारा प्रिवी पर्स को समाप्त कर दिया गया. इससे पूर्व प्रिवी पर्स का भुगतान अनुच्छेद 291 और अनुच्छेद 362 के तहत् किया जाता था.

75. (B)
- कथन 1 और 3 सही, जबकि कथन 2 गलत है. अधिनियमित कानून सभी राज्यों पर समान रूप से लागू नहीं होता है.

76. (A)

77. (A)
- संविधान के अनुच्छेद 267(1) के अन्तर्गत भारत की संचित निधि का प्रावधान है.
- महत्वपूर्ण बात यह है कि संसद की मंजूरी के बिना इस फंड से कोई पैसा नहीं निकाला जा सकता है.
- भारत की आकस्मिकता निधि आपदाओं और सम्बन्धित अप्रत्याशित व्ययों के लिए मौजूद है. इस फंड का प्रबंधन भारत के राष्ट्रपति की ओर से वित्त सचिव (आर्थिक मामलों का विभाग) द्वारा किया जाता है.
- भारत का सार्वजनिक खाता से सामान्यता भुगतानों के लिए संसदीय प्राधिकरण की आवश्यकता नहीं है, सिवाय इसके कि जहाँ राशि संसद की मंजूरी के साथ समेकित निधि से निकाली जाती है और विशिष्ट वस्तुओं पर व्यय के लिए सार्वजनिक खाते में रखी जाती है.

78. (B)
- समान न्याय एवं निः शुल्क कानूनी सहायता–अनुच्छेद 39(a)
- सहकारी समिति को प्रोत्साहन–43B
- उद्योगों के प्रबंधन में श्रमिकों की भागीदारी–43A
- अनुच्छेद 36–यह परिभाषित करता है कि निदेशक सिद्धांतों का पालन करने के लिए 'राज्य' क्या है.

79. (B)
- अनुच्छेद 39(a)–समान न्याय एवं निः शुल्क कानूनी सहायता.
- अनुच्छेद 39 राज्य के नीति निदेशक तत्वों (Directive Principles of State Policy) से सम्बन्धित है. इस

अनुच्छेद के अनुसार राज्य सभी नागरिकों को जीविका के पर्याप्त साधन प्राप्त करने का अधिकार सुरक्षित कराने, सामूहित हित के लिए समुदाय के भौतिक संसाधनों का सम वितरण सुरक्षित कराने, धन और उत्पादन के साधनों का संकेन्द्रण रोकने, पुरुषों और स्त्रियों को समान कार्य के लिए समान वेतन सुरक्षित कराने, कर्मकारों के स्वास्थ्य और शक्ति तथा बालकों को अवस्था के दुरुपयोग से संरक्षण, बालकों को स्वास्थ्य विकास के अवसर, समान न्याय एवं गरीबों को निःशुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराने हेतु प्रयास करेगा.

80. (A)
- अनुच्छेद 45 में कहा गया है कि राज्य प्रत्येक बच्चे को 6 वर्ष की उम्र तक उचित प्रारंभिक बाल देखभाल सहायता और साथ ही शिक्षा प्रदान करना सुनिश्चित करेगा.
- अनुच्छेद 46 में कहा गया है कि राज्य धार्मिक रूप से अपनी शक्ति का उपयोग समाज के कमजोर वर्गों के शैक्षिक और आर्थिक हितों को बढ़ावा देने के लिए करेगा जिसमें अनुसूचित जनजाति के साथ-साथ अनुसूचित जाति के लोग भी शामिल हैं.
- अनुच्छेद 47 में कहा गया है कि राज्य नागरिकों की जीवनशैली, विशेषकर उनके पोषण स्तर और उनके जीवन स्तर पर ध्यान देकर सार्वजनिक स्वास्थ्य के स्तर को ऊपर उठाना सुनिश्चित करेगा, जिसके परिणामस्वरूप बड़े पैमाने पर नागरिकों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी.

81. (D)
- अनुच्छेद 63—भारत का एक उप-राष्ट्रपति होगा.
- अनुच्छेद 65—उप-राष्ट्रपति को राष्ट्रपति के रूप में कार्य करने या कार्यालय में आकस्मिक रिक्तियों के दौरान या राष्ट्रपति की अनुपस्थिति के दौरान अपने कार्यों का निर्वहन करने का अधिकार है.
- अनुच्छेद 56—राष्ट्रपति 5 वर्ष के कार्यकाल तक पद पर बने रह सकते हैं.

82. (D)
- भारत के संविधान के अनुच्छेद 138 के तहत्, संसद कानून द्वारा संघ सूची के किसी भी मामले पर सर्वोच्च न्यायालय के अधिकार क्षेत्र और शक्ति को बढ़ा सकती है.
- अनुच्छेद 139—सर्वोच्च न्यायालय को कुछ रिट जारी करने की शक्तियाँ प्रदान करना.
- अनुच्छेद 144—यह कहता है कि भारत के क्षेत्र में सभी प्राधिकरण, नागरिक और न्यायिक, सर्वोच्च न्यायालय की सहायता में कार्य करेंगे.

83. (A)
- डेंगू वायरस संक्रमित एडीज प्रजाति के मच्छरों के काटने से लोगों में फैलता है.
- टाइफाइड एक जानलेवा संक्रमण है, जो साल्मोनेला टाइफी जीवाणु के कारण होता है. यह आमतौर पर दूषित भोजन या पानी से फैलता है.
- दाद या कवक, जिसे डर्मेटोफाइटोसिस भी कहा जाता है, त्वचा का एक फंगल संक्रमण है. यह इंसानों और जानवरों दोनों को प्रभावित कर सकता है.

84. (B) 85. (D) 86. (B)

87. (B)
- गिनिंग—कपास के बीजों से रेशों को अलग करने की प्रक्रिया.
- कताई—फाइबर से धागा बनाने की प्रक्रिया.
- पॉलिएस्टर कपड़ा सिंथेटिक कपड़े के बीच सबसे अच्छा गर्मी प्रतिरोधी कपड़ा है. इसमें थर्मोप्लास्टिक गुण होते हैं और इसे लम्बे समय तक चलने वाले प्लीट्स के साथ प्लीटेड स्कर्ट में बनाया जा सकता है.

88. (A)

89. (A)
- समतल दर्पण—प्रतिबिम्ब वस्तु के समान आकार का और सीधा होता है.
- उत्तल दर्पणों का उपयोग आमतौर पर वाहनों में रियर-व्यू (विंग) दर्पण के रूप में किया जाता है.
- दंत चिकित्सक अवतल दर्पण का उपयोग करते हैं. ऐसा इसलिए है, क्योंकि जब वस्तु को फोकस के भीतर रखा जाता है, तो अवतल दर्पण एक आभासी, सीधी और बढ़ी हुई छवि बनाता है.

90. (B) 91. (B)

92. (A)
- सामान्य, स्वच्छ बारिश का पीएच मान 5·0 और 5·5 के बीच होता है, जो थोड़ा अम्लीय होता है. हालाँकि, जब बारिश बिजली संयंत्रों और ऑटोमोबाइल से उत्पादित सल्फर डाइऑक्साइड या नाइट्रोजन ऑक्साइड के साथ मिलती है, तो बारिश अधिक अम्लीय हो जाती है. विशिष्ट अम्लीय वर्षा का pH मान 4·0 होता है.
- यदि मुँह का पीएच 5·5 से नीचे चला जाता है, तो इनेमल क्षरण होने लगता है.
- कैल्सियम ऑक्साइड, कैल्सियम हाइड्रॉक्साइड और कैल्सियम कार्बोनेट तीनों क्षारीय या क्षारीय प्रकृति के हैं और इनका उपयोग किसान अपने खेतों में तब करते हैं जब उन्हें मिट्टी अम्लीय प्रकृति की लगती है.

93. (B)
- NaOH, KOH, $Ca(OH)_2$ पानी में घुलनशील हैं, इसलिए इन्हें क्षार श्रेणी में शामिल किया जाता है.

94. (A)
- मधुमक्खी के डंक में जो एसिड मौजूद होता है वह फॉर्मिक एसिड होता है.
- शुक्र का वातावरण मुख्यतः कार्बन डाइऑक्साइड और सल्फ्यूरिक एसिड से बना है. यह अत्यंत सघन है.
- फॉर्मिक एसिड (व्यवस्थित रूप से मेथेनोइक एसिड कहा जाता है) सबसे सरल कार्बोक्जिलिक एसिड है.

95. (C) 96. (B) 97. (A) 98. (A)

99. (B)
- जिबरेलिन पौधे के विकास नियामक हैं, जो कोशिका वृद्धि को सुविधाजनक बनाते हैं, पौधों को लम्बे होने में मदद करते हैं. वे अंकुरण, तने को लम्बा करने, फल पकने और फूल आने में भी प्रमुख भूमिका निभाते हैं.
- साइटोकिनिन पौधों के विकास नियामकों का एक समूह है, जो मुख्य रूप से पौधों की जड़ों, प्ररोह प्रणाली में कोशिका विभाजन करने में शामिल होता है.
- एब्सिसिक एसिड एक पादप हॉर्मोन है. एबीए कई पौधों की विकास प्रक्रियाओं में कार्य करता है, जिसमें बीज और कली की सुप्तता, अंग के आकार का नियंत्रण और रंध्र बंद होना शामिल है.

100. (A)

●●●

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

1. केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (CISF) के महानिदेशक के रूप में नियुक्त होने वाली पहली महिला अधिकारी कौन हैं ?
   (A) नीना सिंह
   (B) फातिमा वसीम
   (C) शिव चौहान
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

2. भारत छोड़ो आन्दोलन वर्ष ..... में शुरू किया गया था.
   (A) 1942
   (B) 1940
   (C) 1944
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

3. व्यक्तिगत प्रयोज्य आय (पीडीआई) एक ..... है.
   (A) पीडीआई = व्यक्तिगत आय – व्यक्तिगत कर भुगतान
   (B) पीडीआई = व्यक्तिगत आय – व्यक्तिगत कर भुगतान – गैर-कर भुगतान
   (C) पीडीआई = व्यक्तिगत आय – गैर-कर भुगतान
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. संघ और उसके अधिकार क्षेत्र के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
   1. भारत 28 राज्यों और 8 संघ शासित प्रदेशों से बना है.
   2. भारत, राज्यों का एक संघ है, जो एक सम्पूर्ण प्रभुता सम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, संसदीय व्यवस्था की सरकार वाला लोक-तांत्रिक गणराज्य है.

   उपर्युक्त में कौनसा/से कथन सत्य है ?
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. इसरो के चन्द्रयान-3 के बारे में निम्न-लिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?
   1. चन्द्रयान-3 एक छोर से दूसरे छोर पर सुरक्षित रूप से उतरने और चन्द्रमा के तल पर घूमने के लिए क्षमता का प्रदर्शन करने के लिए चन्द्रयान-2 का अनुवर्ती था'.
   2. इसे प्रक्षेपास्त्र LVM3 द्वारा प्रक्षेपित किया गया था.

   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) की स्थापना के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
   1. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) का गठन 1885 में हुआ था.
   2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) के पहले अध्यक्ष व्योमेशचन्द्र बनर्जी.

   नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर चुनें–
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) न तो 1 और न ही 2

7. स्कर्वी एक बीमारी है ..... की कमी के कारण होती है.
   (A) विटामिन B2
   (B) विटामिन A
   (C) विटामिन C
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

8. इसरो द्वारा हाल ही में शुरू किए गए XPoSat (एक्सरे-पोलारीमीटर सैटेलाइट) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
   1. यह चरम स्थिति में चमकदार खगोलीय एक्स-रे स्रोतों की विभिन्न गतियों का अध्ययन करने वाला भारत का पहला समर्पित पोलारिमेट्री मिशन है.
   2. अंतरिक्ष यान पृथ्वी की निचली कक्षा में दो वैज्ञानिक पेलोड ले जाएगा.

   उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

9. भारत का संविधान ..... को लागू हुआ.
   (A) 26 नवम्बर, 1949
   (B) 26 जनवरी, 1950
   (C) 15 अगस्त, 1950
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

10. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिए गए सही विकल्प चुनें–
    1. पानी में बड़ी मात्रा में पोषक तत्वों की उपस्थिति प्लवन (मुक्त तैरने वाले) शैवाल की अत्यधिक वृद्धि का कारण बनती है, जिसे शैवाल प्रस्फुटन कहते हैं.
    2. शैवाल प्रस्फुटन पानी की गुणवत्ता और मछली मृत्यु दर में गिरावट का कारण बनता है.

    (A) केवल कथन 1 सही है
    (B) केवल कथन 2 सही है
    (C) कथन 1 और 2 दोनों सही नहीं हैं
    (D) कथन 1 और 2 दोनों सही हैं

11. अर्थशास्त्र में 2023 स्वेरिजेस रिक्सबैंक पुरस्कार (नोबेल पुरस्कार) से किसे सम्मानित किया गया ?
    (A) अभिजीत बॅनर्जी
    (B) क्लाउडिया गोल्डिन
    (C) एस्तेर डुफ्लो
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

12. प्रायद्वीपीय पठार के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
    1. नदी के मैदानों से 150 मीटर की ऊँचाई से 600-900 मीटर की ऊँचाई तक उठने वाला अनियमित त्रिभुज प्रायद्वीपीय पठार के रूप में जाना जाता है.
    2. उत्तर पश्चिम में दिल्ली पर्वतमाला, पूर्व में राजमहल की पहाड़ियाँ, पश्चिम में गिर पर्वतमाला और दक्षिण में कार्डामम पहाड़ियाँ प्रायद्वीपीय पठार की बाहरी सीमा बनाती है.

    उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही हैं ?
    (A) केवल 1
    (B) केवल 2
    (C) 1 और 2 दोनों
    (D) न तो 1 न ही 2

13. निम्नलिखित में से कौनसा मन्दिर वास्तुकला की वेसर शैली का उदाहरण है ?
    (A) होयसलेश्वर मन्दिर
    (B) कंदारिया महादेव मन्दिर
    (C) श्रीराम मन्दिर अयोध्या
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

14. अग्रलिखित में से कौनसा आधुनिक भारतीय इतिहास में घटनाओं के सही कालानुक्रमिक क्रम को इंगित करता है ?

(A) मोर्ले-मिंटो सुधार, गांधी-इरविन समझौता, अगस्त प्रस्ताव, जलियाँवाला बाग त्रासदी

(B) अगस्त प्रस्ताव, मोर्ले-मिंटो सुधार, जलियाँवाला बाग त्रासदी, गांधी-इरविन समझौता

(C) मोर्ले-मिंटो सुधार, जलियाँवाला बाग त्रासदी, गांधी-इरविन समझौता, अगस्त प्रस्ताव

(D) जलियाँवाला बाग त्रासदी, गांधी-इरविन समझौता, अगस्त प्रस्ताव, मोर्ले-मिंटो सुधार

15. मध्य भारत की मीनारों के बारे में निम्नलिखित पर विचार करें—
    1. तेरहवीं शताब्दी में निर्मित कुतुब मीनार, 180 फीट ऊँची पतली मीनार है, जो 5 मंजिलों में विभाजित है.
    2. पन्द्रहवीं शताब्दी में निर्मित चाँद मीनार, 210 फीट ऊँची एक पतली मीनार है, जो 4 मंजिलों में विभाजित है.

    उपर्युक्त में से कौनसा कथन सही है ?
    (A) केवल 1
    (B) केवल 2
    (C) 1 और 2 दोनों
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

16. भारतीय संविधान का निम्नलिखित में से कौनसा अनुच्छेद वार्षिक वित्तीय विवरण से सम्बन्धित है ?
    (A) अनुच्छेद 72
    (B) अनुच्छेद 88
    (C) अनुच्छेद 112
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

17. रॉलेट सत्याग्रह के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें—
    1. रॉलेट सत्याग्रह ब्रिटिश सरकार के खिलाफ पहला अखिल भारतीय संघर्ष साबित हुआ, हालाँकि यह काफी हद तक शहरों तक ही सीमित था.
    2. रॉलेट एक्ट ने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता जैसे मौलिक अधिकारों पर अंकुश लगाया और पुलिस की शक्तियों को मजबूत किया.

    नीचे दिए गए सही विकल्प का चयन करें—
    (A) कथन 1 और 2 दोनों सही हैं
    (B) केवल कथन 1 सही है
    (C) केवल कथन 2 सही है
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

18. भौतिकी में नोबेल पुरस्कार, 2023 प्रदान किया गया ?
    (A) प्रायोगिक विधियाँ जो पदार्थ में इलेक्ट्रॉन गतिशीलता के अध्ययन के लिए प्रकाश की ॲटोसेकण्ड कम्पन्न उत्पन्न करती है

    (B) उलझे हुए फोटोन के साथ प्रयोग, बेल असमानताओं का उल्लंघन स्थापित करना और क्वांटम सूचना विज्ञान का नेतृत्व करना

    (C) पृथ्वी की जलवायु का भौतिक मॉडलिंग, परिवर्तनशीलता की मात्रा निर्धारित करना और भूमण्डल तापन की विश्वसनीय भविष्यवाणी करना

    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

19. संगीत श्रेणी में किस भारतीय शहर को 'यूनेस्को क्रिएटीव सिटीज नेटवर्क' में जोड़ा गया है ?
    (A) कोझीकोडे
    (B) उडुपि
    (C) ग्वालियर
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

20. कैबिनेट सचिवालय के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें—
    1. कैबिनेट सचिवालय प्रत्यक्षताः भारत के उप-राष्ट्रपति के अधीन कार्य करता है.
    2. सचिवालय का प्रशासनिक प्रमुख कैबिनेट सचिव है, जो लोक सेवा मण्डल का पदेन अध्यक्ष भी होता है.

    उपर्युक्त में से कौनसा कथन सत्य हैं ?
    (A) केवल 1
    (B) केवल 2
    (C) 1 और 2 दोनों
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

21. धावन सोडा का रासायनिक नाम क्या है ?
    (A) सोडियम कार्बोनेट
    (B) सोडियम बाइसल्फाइट
    (C) सोडियम बाइकार्बोनेट
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. लक्षद्वीप द्वीपसमूह के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें—
    1. द्वीपों का यह समूह छोटे मूंगा द्वीपों से बना है.
    2. पहले इन्हें लेकाडिव, मिनिकॉय और अमिंदिव के नाम से जाना जाता था.
    3. तमिलनाडु के कोरोमंडल तट के निकट स्थित द्वीप समूह.

    उक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
    (A) केवल 1
    (B) केवल 1 और 2
    (C) केवल 3
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

23. शासक राजवंश संगमा, सालुव, तुलुव किससे सम्बन्धित थे ?
    (A) वारंगल
    (B) कश्मीर
    (C) विजयनगर
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. जैना दर्शन के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें—
    1. जैन दर्शन दो मुख्य सिद्धान्तों के इर्द-गिर्द घूमता है अर्थात् अनेकांतवाद और स्यादवाद.
    2. अनेकांतवाद के अनुसार, प्रत्येक प्राणी में कई गुण होते हैं. वह स्थायी गुण जो किसी वस्तु की प्रकृति का निर्माण करता है, गुण कहलाता है.

    उपर्युक्त में से कौनसा कथन सही है ?
    (A) केवल 1
    (B) केवल 2
    (C) 1 और 2 दोनों
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

25. निम्नलिखित में से कौनसी स्वतंत्र भारत की पहली बहुउद्देशीय नदी घाटी परियोजना है ?
    (A) भाखडा-नंगल परियोजना
    (B) दामोदर घाटी परियोजना
    (C) हीराकुड बहुउद्देशीय परियोजना
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

26. काटकर जलाने वाली कृषि, जिसे आमतौर पर झूम कृषि कहा जाता है ?
    (A) भारत के उत्तर-पूर्वी राज्यों में प्रचलित है

    (B) भारत के उत्तर-पश्चिमी राज्य में प्रचलित है

    (C) भारत का पश्चिमी तट में प्रचलित है

    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

27. निम्नलिखित में से किस हॉर्मोन का प्रयोग गलत तरीके से जानवरों में दुग्ध उत्पादन बढ़ाने और सब्जियों जैसे—कद्दू, तरबूज आदि का आकार बढ़ाने के लिए किया जाता है ?
    (A) ह्यूमूलिन
    (B) ऑक्सिटॉसिन
    (C) थायरोक्सिन
    (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

28. एयर इंडिया के माइक्रोसॉफ्ट की एजुर ओपनएआई सेवा द्वारा शक्ति प्राप्त जनरेटिव एआई आभासी एजेंट का क्या नाम है ?
    (A) महाराजा
    (B) विस्तारा

(C) सिरी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

29. देवप्रयाग अलकनंदा और ..... नदियाँ के संगम पर स्थित है.
(A) भागीरथी
(B) मंदाकिनी
(C) नंदाकिनी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

30. नाममात्र (जीडीपी) है—
(A) जीडीपी का मूल्यांकन विनिमय दर पर किया जाता है
(B) जीडीपी का मूल्यांकन मौजूदा बाजार कीमतों पर किया जाता है
(C) जीडीपी का मूल्यांकन स्थिर बाजार मूल्यों पर किया जाता है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

31. मध्ययुगीन भारत के सन्दर्भ में 'SARAIS' शब्द का अर्थ है—
(A) धार्मिक स्थानों को दी गई भूमि जो कर मुक्त थी
(B) किसानों पर लगाए गए कर का प्रकार
(C) एक स्थान जिसका उद्देश्य भारतीय और विदेशी यात्रियों, तीर्थयात्रियों, व्यापारियों आदि को अस्थायी आवास प्रदान करना है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

32. भारत के उप-राष्ट्रपति के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें.
1. वह राज्यसभा का पदेन अध्यक्ष है.
2. वह संसद के दोनों सदनों के सदस्यों से बने एक निर्वाचक मण्डल के सदस्यों द्वारा चुना जाता है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सत्य है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

33. पानीपत का तीसरा युद्ध कब हुआ ?
(A) 1765
(B) 1789
(C) 1761
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

34. निम्नलिखित में से कौनसी नास्तिक विचारधारा है ?
(A) सांख्य (B) योग
(C) न्याय (D) बौद्ध

35. भारत की 12वीं पंचवर्षीय योजना की अवधि क्या थी ?
(A) 2001-06
(B) 2007-12
(C) 2012-17
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

36. गरबा नृत्य जिसे यूनेस्को की 'मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत' की सूची में शामिल किया गया है, यह किस राज्य से सम्बन्धित है ?
(A) कर्नाटक
(B) पंजाब
(C) गुजरात
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

37. हिमालय की सबसे बाहरी श्रृंखला को क्या कहा जाता है ?
(A) शिवालिक
(B) कुमाऊँ हिमालय
(C) कश्मीर हिमालय
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

38. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिए गए सही विकल्पों पर विचार करें—
1. पृथ्वी की सतह पराबैंगनी विकिरणों के रूप में ऊष्मा को पुनः उत्सर्जित करती है.
2. बादल और गैसें आने वाले सौर विकिरण का लगभग एक-चौथाई को प्रतिबिंबित करते हैं.

(A) केवल कथन 1 सही है
(B) केवल कथन 2 सही है
(C) कथन 1 और 2 दोनों सही नहीं हैं
(D) कथन 1 और 2 दोनों सही हैं

39. बौद्ध दर्शन के विशेषता के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें—
1. बौद्ध दर्शन का बीज गौतम बुद्ध की शिक्षाओं में ही मिलता है.
2. बुद्ध ने हमेशा दार्शनिक समस्याओं में उलझने के बजाए मानवीय कष्टों से मुक्ति के लिए नैतिक जीवन जीने पर जोर दिया.

उपर्युक्त में से कौनसा कथन सही है ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

40. भारतीय रेगिस्तान के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) भारतीय रेगिस्तान अरावली पहाड़ियों के पश्चिमी किनारे पर स्थित हैं
(B) इस क्षेत्र में प्रति वर्ष 150 मिमी से बहुत कम वर्षा होती है
(C) लूनी इस क्षेत्र की एकमात्र बड़ी नदी है
(D) उक्त सभी

41. ग्रेफाइट और हीरा मूलतः ..... के परमाणुओं से बने हैं.
(A) सिलिका
(B) कार्बन
(C) नाइट्रोजन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

42. फातिमा बीवी जिनका हाल ही में निधन हो गया, वह भारत की पहली महिला हैं—
(A) माउंट एवरेस्ट पर चढ़ने वाली
(B) सर्वोच्च न्यायालय की प्रथम महिला न्यायाधीश
(C) प्रथम महिला मुख्यमंत्री
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

43. जहरीली गैसों को खत्म करने के लिए उत्प्रेरक रूपांतरणों में निम्नलिखित में से किस धातु का उपयोग उत्प्रेरक के रूप में किया जाता है ?
(A) सोडियम
(B) थोरियम
(C) रोडियम
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

44. माजुली, विश्व का सबसे बड़ा आबाद नदी द्वीप है, जिसका निर्माण किसके द्वारा हुआ है ?
(A) गंगा नदी
(B) नर्मदा नदी
(C) ब्रह्मपुत्र नदी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

45. जमीन से वायुमण्डल के शीर्ष तक हवा के एक स्तम्भ में ओजोन की मोटाई को ..... के रूप में मापा जाता है.
(A) ओजोन इकाई
(B) थॉमसन यूनिट
(C) डॉब्सन इकाइयाँ
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

46. जापान ओपन 2023 पुरुष एकल का खिताब किस बैडमिंटन खिलाड़ी ने जीता है ?
(A) केन्टा निशिमोतो
(B) जोनाथन क्रिस्टी
(C) विक्टर एक्जेलसन
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

47. भारत के सर्वोच्च न्यायालय में सरकार का मुख्य विधिक सलाहकार और इसका प्राथमिक अधिवक्ता कौन है ?
(A) भारत के महान्यायाभिकर्ता
(B) भारत के मुख्य न्यायाधीश
(C) भारत के नियंत्रक एवं महालेखा-परीक्षक
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

48. निम्नलिखित में से किसने कहा, 'भारत भारतीयों के लिए' ?
(A) सरदार वल्लभभाई पटेल
(B) स्वामी विवेकानंद
(C) दयानंद सरस्वती
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

49. राष्ट्रीय आय (एनआई) ..... है.
(A) एनआई = मूल मूल्य पर एनएनपी – (अप्रत्यक्ष कर – सब्सिडी)
(B) एनआई = बाजार मूल्य पर एनएनपी – (अप्रत्यक्ष कर – सब्सिडी)
(C) एनआई = बाजार मूल्य पर एनएनपी – (प्रत्यक्ष कर – सब्सिडी)
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार करें और नीचे दिए गए सही विकल्प चुनें—
1. प्लास्टिक कचरे से प्राप्त ईंधन की ऑक्टेन रेटिंग कम होती है.
2. ऑक्टेन संख्या जितनी कम होगी, विस्फोट के बिना संपीडन झेलने की ईंधन की क्षमता उतनी ही अधिक होगी.
(A) केवल कथन 1 सही है
(B) केवल कथन 2 सही है
(C) कथन 1 और 2 दोनों सही नहीं हैं
(D) कथन 1 और 2 दोनों सही हैं

51. सन् 1937 के चुनाव के पश्चात् मध्य प्रान्त एवं बरार के विधान सभा के प्रथम मंत्रिमण्डल में पं. रविशंकर शुक्ल किस पद पर थे ?
(A) प्रधानमंत्री (B) मुख्यमंत्री
(C) जनकार्यमंत्री (D) शिक्षामंत्री

52. निम्नलिखित कथनों को पढ़िए तथा सही विकल्प को चुनिए—
कथन-I : वर्तमान में प्रदेश के सभी सिंचाई स्रोतों से लगभग 49 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध है.
कथन-II : शाकम्भरी योजना लघु सीमान्त कृषकों को सिंचाई कूप एवं पंप स्थापना हेतु सहयोग करती है.
कथन-III : प्रमाणित बीज का उपयोग कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि का प्रमुख आधार है.
(A) कथन I, II एवं III सभी सही हैं
(B) कथन I, II एवं III सभी गलत हैं
(C) केवल कथन I एवं III सही हैं
(D) केवल कथन I गलत है

53. बस्तर की लोक संस्कृति में 'विवाह-माँडो' (मण्डप) पर 'मोंगरहन खाम' गाड़ने के लिए निम्नलिखित में से किस लकड़ी का प्रयोग किया जाता है ?
(A) महुआ (B) बेल
(C) आम (D) सरई

54. छत्तीसगढ़ में उद्योगों के स्थानीकरण को सुमेलित कीजिए—

(a)	भारत ऐलुमिनियम कम्पनी लिमिटेड	1. सोनाडीह
(b)	जूट उद्योग	2. जाँजगीर-चाँपा
(c)	लाफार्ज सीमेंट लिमिटेड	3. कोरबा
(d)	कोसा कपड़ा उद्योग	4. रायगढ़

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	1	2
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	4	1

55. निम्नलिखित में से कहाँ-कहाँ फैमिली कोर्ट (परिवार न्यायालय) स्थित हैं ?
1. कांकेर 2. बालोद
3. जाँजगीर चाँपा 4. कबीरधाम
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 3, 4
(C) 1, 3, 4 (D) 1 एवं 3

56. कल्चुरीकालीन रतनपुर से शासित होने वाले गढ़ों के निम्नलिखित समूहों में से सही गढ़ों का समूह चुनिए—
(A) खरीद, लाफा, छुरी, पंडर भट्ठा
(B) उपरोडा, खल्लारी, नवागढ़, मोहंदी
(C) लाफा, नवागढ़, सिमगा, मातिन
(D) अकलवाड़ा, तेंगनगढ़, लवन, मारो

57. क्षेत्रफल की दृष्टि से छत्तीसगढ़ का सबसे छोटा जिला कौनसा है ?
(A) कोरिया
(B) दुर्ग
(C) गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही
(D) बेमेतरा

58. सूची-I में दिए गए मदों को सूची-II की मदों से सुमेलित कीजिए. नीचे दिए गए कूटों का उपयोग करें—

सूची-I		सूची-II
(a)	अड़र बड़र बंधना छोड़। तीन मूड़ छै गौड़॥	1. ढेंकी
(b)	अड़गड़ ऊपर बड़गड़, बड़गड़ ऊपर डोर। गाय भइंस ला छोड़ के, कोठा ला लेगे चोर॥	2. गाय और बछड़ा
(c)	अड़की तीके टिकाई पीला। पर्वत जाके लड़ाई हेला॥	3. मधुमक्खी का छत्ता
(d)	अटपटी छेरी के फटफटी कान। औ छेरी खाय कई गोना धान॥	4. टंगिया, कुल्हाड़ी

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	3	4	2
(B)	2	3	4	1
(C)	2	1	3	4
(D)	1	2	4	3

59. रोहिणी नैय्यर पुरस्कार, 2023 से किसे सम्मानित किया गया है ?
(A) अमोलकर संगम
(B) दीनानाथ राजपूत
(C) नील शंकर
(D) सूर्य चरण

60. 2011 की जनसंख्या के अनुसार छत्तीसगढ़ राज्य के कितने जिलों में अनुसूचित जनजातियों की संख्या 25% से अधिक है ?
(A) 14 (B) 16
(C) 17 (D) 15

61. छत्तीसगढ़ राज्य के प्रथम राज्यपाल कौन थे ?
(A) डी. एन. सहाय
(B) ई. एल. एस. नरसिम्हन
(C) के. एम. सेठ
(D) शेखर दत्त

62. छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश नियंत्रक काल में ब्रिटिश प्रशासकों को सेवाकाल के क्रम से सही विकल्प में चुनिए—
1. कैप्टन फ्रॉफर्ड
2. मेजर एगेन्यू
3. मि. सेण्डीस
4. कैप्टन एडमण्ड
(A) 3, 1, 4, 2 (B) 1, 2, 3, 4,
(C) 4, 2, 3, 1 (D) 2, 4, 1, 3

63. आईएसीपी (IACP) अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली छत्तीसगढ़ की प्रथम महिला आईपीएस कौन हैं ?
(A) रिचा शर्मा
(B) ललिता मेहर
(C) अंकिता शर्मा
(D) भावना गुप्ता

64. छत्तीसगढ़ में बहुमूल्य खनिजों के प्राप्ति स्थलों को सुमेलित कीजिए—
(a) एलेक्जेंड्राइट 1. बीजापुर
(b) कोरंडम 2. देवभोग

(c) स्वर्ण धातु 3. मैनपुर
(d) हीरा 4. बलौदाबाजार

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	2	1	4	3
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	3	2	1	4

65. मुड़िया जनजाति में मृत्यु के अवसर पर बुजुर्गों द्वारा गाए जाने वाला गीत कहलाता है—
(A) लिंगो पाटा (B) घोटुल पाटा
(C) मरम पाटा (D) हुलकी पाटा

66. बिलासपुर हाइकोर्ट के प्रथम मुख्य न्यायाधीश कौन थे ?
(A) डब्ल्यू. ए. शीशक
(B) रमेश सिन्हा
(C) ए. के. पटनायक
(D) ए.एस.वी. मूर्ति

67. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) और दूसरे को कारण (R) का नाम दिया गया है—
अभिकथन (A) : घोटुल की उत्पत्ति के जनक 'लिंगो पेन' है.
कारण (R) : 'लिंगो पेन' बस्तर भूमि का खेतीहार देव भी है.
कूट :
(A) (A) और (R) दोनों सही हैं
(B) (A) गलत है और (R) सही है
(C) (A) सही है और (R) गलत है
(D) (A) और (R) दोनों गलत हैं

68. छत्तीसगढ़ के निम्नलिखित जिलों को उनकी घोषणा-वर्ष के आरोही-क्रम में सही अनुक्रम बताइए—
(A) बिलासपुर → सरगुजा → बस्तर → दुर्ग
(B) सरगुजा → बस्तर → दुर्ग → बिलासपुर
(C) बिलासपुर → बस्तर → सरगुजा → दुर्ग
(D) सरगुजा → दुर्ग → बस्तर → बिलासपुर

69. सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इण्डिया का सेंटर निम्नलिखित में से कहाँ है ?
(A) नवा रायपुर (B) भिलाई
(C) राजनंदगांव (D) बिलासपुर

70. सिरपुर के पांडु वंशी शासक महाशिवगुप्त बालार्जुन के अभिलेखों में निम्नलिखित कवि अथवा प्रशस्तिकार का नाम नहीं है—
(A) ईशान (B) देव दण्डी
(C) सुमंगल (D) भास्कर

71. छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 के बारे में निम्नलिखित में क्या सही है ?
1. इस पर राज्यपाल की सहमति 24 जनवरी, 1994 को प्राप्त हुई.
2. 26 जनवरी, 1994 को मध्य प्रदेश राजपत्र (असाधारण) में पहली बार प्रकाशित हुआ.
3. "भारत गणराज्य के 44वें वर्ष में मध्य प्रदेश विधानमण्डल द्वारा निम्न-लिखित रूप में यह अधिनियमित हो".
4. अध्याय 1, प्रारम्भिक धारा 1(2) इसका विस्तार सम्पूर्ण छत्तीसगढ़ पर हैं, परन्तु इसका विस्तार उन अपवादों एवं उपान्तरणों के अध्यधीन रहते हुए, जोकि अध्याय 14-क में उपबन्धित किए गए हैं, अनुसूचित क्षेत्रों पर होगा.
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 3, 4
(C) 1, 3, 4 (D) केवल 1 एवं 2

72. छत्तीसगढ़ में निम्नलिखित में से किस वृक्ष से 'लाख' प्राप्त नहीं होता ?
(A) पलाश (B) कुसुम
(C) पारिजात (D) बेर

73. छत्तीसगढ़ ग्राम पंचायत (स्थायी समिति के सदस्यों की पदावधि और कामकाज के संचालन की प्रक्रिया) नियम 1994 के अनुसार निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—
(a) स्थायी समिति के सदस्यों की अवधि 1. धारा-11
(b) कतिपय मामलों का विनिश्चय 2. धारा-15
(c) गणपूर्ति 3. धारा-4
(d) निरसन 4. धारा-9

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	3	1	4	2
(D)	4	3	1	2

74. बाबू रेवाराम के अनुसार रायपुर के निम्नलिखित कल्चुरी शासकों का उनके शासन काल के क्रम के सही विकल्प का चयन करें—
1. चामुण्ड सिंह देव
2. सोमदत्त
3. जैत सिंह देव
4. मान सिंह देव
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 4, 1, 3, 2
(C) 4, 3, 2, 1 (D) 1, 3, 4, 2

75. छत्तीसगढ़ राज्य कितने राज्यों को छूता है ?
(A) 5 (B) 6
(C) 7 (D) 8

76. 'कप्पल पंडुम' किस जनजाति की स्त्रियाँ मनाती हैं ?
(A) डोरला/दोरला
(B) भतरा
(C) हल्बा
(D) मुरिया

77. छत्तीसगढ़ के प्रथम उप-मुख्यमंत्री कौन हैं ?
(A) अरुण साव
(B) मोहन मरकाम
(C) टी. एस. सिंहदेव
(D) विजय शर्मा

78. बस्तर के कृषि पर आधारित लोकोत्सव को कृषि कार्य से सुमेलित कीजिए—
(a) कारे पण्डुम 1. कटाई परब
(b) बोटिगटी पण्डुम 2. बियासी परब
(c) पच्चिग पण्डुम 3. वृक्ष काटने, जलाने का परब
(d) तोरम पण्डुम 4. बीज बोने का परब

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	3	4	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	4	3	2	1
(D)	2	4	3	1

79. छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 के अनुसार "प्रत्येक पंचायत एक निधि स्थापित करेगी, जो पंचायत निधि कहलाएगी और पंचायत द्वारा प्राप्त समस्त राशियाँ उक्त निधि का भाग होंगी." कथित है—
(A) धारा 62 में (B) धारा 63 में
(C) धारा 65 में (D) धारा 66 में

80. कुछ अनुसूचित जनजातियों को 'पीवीटीजी' के रूप में वर्गीकृत करने का आधार क्या है ?
1. जाति
2. घटती जनसंख्या या स्टेटिक जनसंख्या
3. साक्षरता का निम्न स्तर
4. लिंग अनुपात

कूट :
(A) 1 एवं 2 सही हैं
(B) 3 एवं 4 सही हैं

(C) 1 एवं 4 सही हैं
(D) 2 एवं 3 सही हैं

81. 'गड़वा बाजा' के प्रमुख वाद्य यंत्रों के नाम हैं—
(a) झांझ (b) नगाड़ा
(c) मोहरी (d) बांसुरी
कूट :
(A) (a), (b) एवं (d)
(B) (b), (c) एवं (d)
(C) (a), (c) एवं (d)
(D) (a), (b) एवं (c)

82. रतनपुर के मराठा शासक अपने प्रशासनिक दस्तावेजों में निम्नलिखित भाषा का प्रयोग करते थे—
(A) मराठी (B) मोड़ी
(C) उर्दू (D) ये सभी

83. आर्थिक सर्वेक्षण 2022-23 के अनुसार प्रदेश का वन क्षेत्रफल है—
(A) 60,038 वर्ग किमी
(B) 59,772 वर्ग किमी
(C) 59,702 वर्ग किमी
(D) 57,972 वर्ग किमी

84. बस्तर के 'काकतीय वंश' के संस्थापक कौन थे ?
(A) भैरव देव
(B) जयसिंह देव
(C) अन्नमदेव
(D) प्रवीरचंद्र भंजदेव

85. छत्तीसगढ़ नगरपालिका अधिनियम, 1961 की धारा 3 में क्या परिभाषित है ?
1. निर्धारण सूची
2. तुलन पत्र
3. कलक्टर
4. कालोनाइजेशन
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 2, 4
(C) 1, 3, 4 (D) 2, 3, 4

86. जनांकिकीय लाभांश की स्थिति में छत्तीसगढ़ में किस आयु वर्ग की बहुलता है ?
(A) 0-14 वर्ष
(B) 15-64 वर्ष
(C) 64 वर्ष से अधिक
(D) 100 वर्ष से अधिक

87. छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 के बारे में निम्नलिखित को सुमेलित कीजिए—

(a) ग्राम के सम्बन्ध में अधिसूचना	1. धारा-2
(b) परिभाषाएं	2. धारा-3
(c) जनपद पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन	3. धारा-21
(d) सरपंच और उप सरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव	4. धारा-25

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	4	3
(C)	2	3	1	4
(D)	4	3	2	1

88. छत्तीसगढ़ में भू-तापीय ऊर्जा संयंत्र किस जिले में प्रस्तावित है ?
(A) कोरबा (B) बलरामपुर
(C) दुर्ग (D) काँकेर

89. निम्नलिखित में से किसे 'हल्बी' का प्रथम साहित्यकार माना जाता है ?
(A) लाला जगदलपुरी
(B) ठाकुर पूरन सिंह
(C) बाबू रेवाराम
(D) हरिसिंह ठाकुर

90. निम्नलिखित में से कौनसी अक्षांश रेखा छत्तीसगढ़ से गुजरती है ?
(A) 0° अक्षांश
(B) 23½° उत्तरी अक्षांश
(C) 23½° दक्षिणी अक्षांश
(D) 66½° उत्तरी अक्षांश

91. छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम, 1993 के अनुसार ग्राम पंचायत के कृत्य के बारे में क्या सही है ?
1. यह धारा 49 में वर्णित हैं.
2. धारा 49 में 30 उपधाराएं हैं.
3. माँस के विक्रय तथा परीक्षण का विनियमन.
4. सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत उचित मूल्य की दुकानों की स्थापना संचालन देख-रेख एवं निगरानी करना.
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 1, 2, 4
(C) 2, 3, 4 (D) 1 एवं 4

92. 'आदिवासी संगीत' नामक पुस्मक के लेखक कौन हैं ?
(A) डॉ. हीरालाल शुक्ल
(B) शिवकुमार पाण्डेय
(C) श्रीमती तारा शुक्ल
(D) वेरियर एल्विन

93. निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही नहीं है/हैं ?
1. छत्तीसगढ़ में जवांफूल एवं मोतीचूर धान की सुगंधित किस्में है.
2. रेनफेड एरिया डेवलपमेंट (RAD) का उद्देश्य वर्षा आधारित क्षेत्रों में एकीकृत फसल पद्धति के माध्यम से कृषि को उत्पादक या वर्धक एवं टिकाऊ बनाना है
3. काली कमोद एवं लोक्टीमांछी दलहन-तिलहन फसलें है.
(A) केवल 3 (B) 2 एवं 3
(C) 1 एवं 3 (D) केवल 1

94. छत्तीसगढ़ में रघु जी तृतीय के शासन काल के समय निम्नलिखित घटना नहीं हुई थी—
(A) सती प्रथा उन्मूलन
(B) धमधा के गोंड राजा का विद्रोह
(C) नरबलि पर रोक
(D) ब्रिटिश यात्री जार्ज फारेस्टर का छत्तीसगढ़ आगमन

95. छत्तीसगढ़ में रोका-छेका अभियान, 2023 शुरू किया गया—
(A) 5 जून (B) 5 जुलाई
(C) 6 जून (D) 6 जुलाई

96. सूची-I में मदों को सूची-II की मदों के साथ सुमेलित करें नीचे दिए कूटों का उपयोग करें.

सूची-I	सूची-II
(a) 'तत्' वाद्य यंत्र	1. 'चिटकुल'
(b) 'वितत्' वाद्य यंत्र	2. 'करनाल'
(c) 'घन' वाद्य यंत्र	3. 'तासा'
(d) 'सुषिर' वाद्य यंत्र	4. 'धनकुल'

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	1	2	3
(B)	4	3	1	2
(C)	4	2	1	3
(D)	2	4	3	1

97. सूची-I में दिए आभूषणों को सूची-II के मदों से सुमेलित कीजिए कूट का प्रयोग करें.

सूची-I	सूची-II
(a) सूतिया	1. कलाई
(b) खोंचनी	2. बाल
(c) ऐंठी	3. कान
(d) लुरकी	4. गला

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	1	3
(B)	4	1	2	3
(C)	4	3	2	1
(D)	4	1	3	2

98. गोदावरी-सबरी नदियों का जलग्रहण क्षेत्र छत्तीसगढ़ के किस भौतिक विभाग में स्थित है ?
(A) महानदी का मैदान
(B) जशपुर-सामरी पाट

(C) बघेलखण्ड पठार का पूर्वी भाग
(D) दण्डकारण्य

99. निम्नलिखित में से किस जिले में लिंगानुपात में महिलाओं की संख्या सर्वाधिक है ?
(A) कांकेर (B) कोण्डागाँव
(C) कोरिया (D) कोरबा

100. प्रति वर्ष किस तिथि को 'छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस' मनाते हैं ?
(A) 1 नवम्बर (B) 14 नवम्बर
(C) 27 नवम्बर (D) 28 नवम्बर

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) राजस्थान कैडर की 1989 बैच की आईपीएस अधिकारी नीना सिंह को केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के महानिदेशक के रूप में नियुक्त किया गया है. इस पद पर नियुक्त होने वाली वह पहली महिला अधिकारी हैं.

2. (A) ब्रिटिश शासन की समाप्ति एवं स्वराज की प्राप्ति के उद्देश्य से 8 अगस्त, 1942 को अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के बम्बई सत्र में भारत छोड़ो आन्दोलन प्रारम्भ हुआ. गाँधी जी ने इसी आन्दोलन के दौरान 'करो या मरो' का नारा दिया. भारत छोड़ो आन्दोलन को 'अगस्त क्रान्ति' के नाम से भी जाना जाता है.

3. (A) व्यक्तिगत प्रयोज्य आय से आशय उस धन से है, जो करों एवं अन्य दायित्वों के भुगतान के बाद रहता है. इसे निम्नवत् अभिव्यक्त किया जा सकता है—
व्यक्तिगत प्रयोज्य आय = व्यक्तिगत आय – व्यक्तिगत कर भुगतान

4. (C) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1(1) में कहा गया है कि इंडिया जोकि भारत है, राज्यों का संघ होगा. संविधान सभा में डॉ. भीमराव अंबेडकर ने कहा था कि अनुच्छेद 1(1) में संघ शब्द का प्रयोग जानबूझकर किया गया है जिसके दो निहितार्थ हैं—(1) भारतीय संघ, इकाइयों के मध्य समझौते का परिणाम नहीं है. (2) घटक इकाइयों को संघ से अलग होने की स्वतंत्रता प्राप्त नहीं है.
- भारत 28 राज्य एवं 8 संघशासित प्रदेशों से मिलकर बना है. संविधान की उद्देशिका (प्रस्तावना) भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुतासम्पन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित करती है.

5. (C) चंद्रयान-3, चंद्रयान-2 का अनुवर्ती मिशन तथा भारत का तीसरा चंद्र मिशन और चंद्रमा की सतह पर सॉफ्ट लैंडिंग का दूसरा प्रयास है. इस महत्वाकांक्षी मिशन को 14 जुलाई, 2023 को LVM-3 रॉकेट द्वारा प्रक्षेपित किया गया था. इस मिशन ने चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर सफल लैंडिंग करके जहाँ इस उपलब्धि को हासिल करने वाला पहला राष्ट्र बना वहीं दूसरी ओर इसने 140 करोड़ भारतीयों को भी गौरवान्वित किया.
उद्देश्य—
- चंद्रमा की सतह पर सुरक्षित और सॉफ्ट लैंडिंग का प्रदर्शन करना;
- रोवर को चंद्रमा पर घूमते हुए प्रदर्शित करना और
- स्व-स्थाने वैज्ञानिक प्रयोगों का संचालन करना.

6. (C) 28 दिसम्बर, 1885 को बंबई के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में आयोजित कांग्रेस की पूर्ववर्ती संस्था 'इंडियन नेशनल यूनियन' के सम्मेलन में 'अखिल भारतीय कांग्रेस' नामक संस्था का गठन किया गया. इसके प्रथम अध्यक्ष व्योमेशचन्द्र बनर्जी थे. कांग्रेस के पहले सत्र में सभी भारतीय प्रांतों से कुल 72 प्रतिनिधि शामिल हुए.

7. (C) स्कर्वी विटामिन C या एस्कार्बिक एसिड की कमी से होने वाला विकार है. यह एंटीआक्सीडेंट के रूप में कार्य करता है.

8. (C) एक्सपोसैट (XpoSat), या एक्स-किरण ध्रुवणमापी उपग्रह (X-ray Polarimeter Satellite), ISRO और रमन रिसर्च इंस्टीट्यूट (RRI), बेंगलूरू, कर्नाटक के सहयोग से विकसित एक अंतरिक्ष वेधशाला है जिसे ब्रह्मांडीय एक्स-रे बैंड में एक्स रे ध्रुवीकरण का अध्ययन करने के लिए डिजाइन किया गया है. वर्ष 2021 में प्रमोचित नासा के इमेजिंग एक्स-रे पोलारिमेट्री एक्सप्लोरर (IXPE) के बाद एक्स-रे का उपयोग करने वाला यह विश्व का दूसरा तथा भारत का पहला समर्पित पोलरिमेट्री मिशन है.
- उपग्रह में दो मुख्य पेलोड POLIX (एक्स-किरण में ध्रुवणमापी उपकरण) तथा XSPECT (एक्स-रे स्पेक्ट्रोस्कोपी और समय) मौजूद हैं. एक्स-रे में पोलारिमीटर उपकरण (POLIX) लगभग 50 प्रदीप्त खगोलीय स्रोतों/पिंडों का निरीक्षण करेगा, जबकि XSPECT विभिन्न पदार्थों द्वारा उत्पन्न विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम का अध्ययन करेगा और यह 1-20 केवी बैंड में वर्णक्रमीय रिजॉल्यूशन प्रदान करता है.

9. (B)

10. (D) शैवाल प्रस्फुटन को जल निकायों में शैवाल की तीव्र वृद्धि या संचय के रूप में परिभाषित किया जा सकता है जिसे पानी में मलीनीकरण से पहचाना जा सकता है. यह परिघटना मुख्य रूप से पानी में फॉस्फोरस और नाइट्रोजन जैसे पोषक तत्वों की अधिकता और बढ़ते तापमान के कारण होता है. शैवाल प्रस्फुटन से पानी में ऑक्सीजन का स्तर कम हो जाता है, जिससे जलीय जन्तुओं का जीवित रहना दुष्कर हो जाता है.

11. (B) "रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज" द्वारा वर्ष 2023 का नोबेल पुरस्कार (स्वेरिजेस रिक्सबैंक पुरस्कार) हार्वर्ड विश्वविद्यालय की श्रम अर्थशास्त्री क्लाउडिया गोल्डिन को प्रदान किया गया है. उनके यह पुरस्कार 'महिला श्रम बाजार परिणामों' पर कार्य करने के लिए प्रदान किया गया है.

12. (C) भारत का प्रायद्वीपीय पठार नदी के मैदानों से 150 मीटर की ऊँचाई से 600 से 900 मीटर की औसत ऊँचाई वाला एक अनियमित त्रिभुजाकार आकृति वाला भूखंड है. इसका विस्तार उत्तर पश्चिम में अरावली पर्वतमाला व दिल्ली, पूर्व में राजमहल पहाड़ियाँ, पश्चिम में गिर पहाड़ियाँ दक्षिण में इलायची (कार्डामम) पहाड़ियाँ तथा उत्तर पूर्व में शिलांग एवं कार्बी एंगलोंग पठार तक है.

13. (A) बेलूर, हलेविडु तथा सोमनाथपुरा के होयसल मन्दिर, मन्दिर निर्माण की मिश्रित शैली वेसर के उदाहरण हैं. होयसल मंदिर 12वीं और 13वीं शताब्दी ईस्वी के दौरान बनाए गए थे, जो होयसल साम्राज्य की अद्वितीय वास्तुकला और कलात्मक प्रतिभा को प्रदर्शित करते हैं. होयसल मन्दिरों के पवित्र समूह को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में अंकित किया गया है.

14. (C)

अधिनियम	**वर्ष**
मार्ले मिंटो सुधार	1909
जलियाँवाला बाग त्रासदी	13 अप्रैल, 1919
गांधी इरविन समझौता	5 मार्च, 1931

- अगस्त प्रस्ताव—अगस्त 1940

15. (B) कुतुबमीनार का निर्माण कुतुबुद्दीन ऐबक द्वारा प्रसिद्ध सूफी संत ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी की स्मृति में प्रारम्भ किया गया था. ऐबक के उत्तराधिकारी इल्तुतमिश ने कुतुबमीनार का निर्माण पूर्ण कराया. 1368 में इसका जीर्णोद्धार मुहम्मद-बिन-तुगलक (1325-51) और फिरोज शाह तुगलक (1351-88) द्वारा कराया गया. यह 5 मंजिला इमारत है जिसकी ऊँचाई 73 मीटर (239·5 फीट) है.
    - चाँद मीनार या चंद्रमा की मीनार महाराष्ट्र राज्य में दौलताबाद-देवगिरी किला परिसर के पास स्थित एक मध्ययुगीन मीनार है. इसका निर्माण 15वीं शताब्दी में अलाउद्दीन बहमनी ने करवाया था. यह मीनार 210 फीट ऊँची तथा 4 मंजिलों में विभाजित है.
16. (C) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 112 में भारत के केन्द्रीय बजट को वार्षिक वित्तीय विवरण के रूप में निर्दिष्ट किया गया है. यह भारतीय गणराज्य का वार्षिक बजट होता है, जिसमें एक वित्तीय वर्ष के लिए सरकार का राजस्व और व्यय शामिल होता है. इसे प्रत्येक वर्ष फरवरी के पहले कार्य-दिवस को भारत के वित्त मंत्री द्वारा संसद में पेश किया जाता है.
17. (A) 1919 का रौलेट एक्ट (अराजक और क्रांतिकारी अपराध अधिनियम) सर सिडनी रॉलेट की अध्यक्षता में सेडिशन कमेटी की सिफारिशों के आधार पर पारित किया गया था. इस अधिनियम में सरकार को राजनीतिक गतिविधियों को दबाने के लिए अधिकार प्रदान करने के साथ-साथ 2 वर्ष तक बिना किसी मुकदमे के राजनीतिक कैदियों को हिरासत में रखने की अनुमति प्रदान की.
    - महात्मा गांधी द्वारा इस प्रकार के दमनकारी तथा अन्यायपूर्ण कानूनों के विरुद्ध सविनय अवज्ञा आन्दोलन 6 अप्रैल, 1919 को प्रारम्भ किया गया जिसे रौलेट सत्याग्रह कहा जाता है. इस सत्याग्रह नें लाखों भारतीयों को क्षेत्र, धर्म, जाति और वर्ग के विभाजन से परे एकजुट कर दिया तथा भारत के स्वतंत्रता संग्राम में एक प्रमुख मील का पत्थर साबित हुआ.
18. (A) भौतिकी के लिए वर्ष 2023 का नोबेल पुरस्कार तीन प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों यथा पियरे एगोस्टिनी, फेरेन्क क्रॉस्ज तथा ऐनी एल. हुइलियर को प्रदान किया गया था. इन तीनों वैज्ञानिकों को यह पुरस्कार उनके अनूठे प्रयागों के लिए दिया गया है, जो मानवता को परमाणुओं और अणुओं के भीतर इलेक्ट्रॉनों की जाँच करने के लिए शक्तिशाली उपकरण प्रदान करते हैं. प्रायोगिक भौतिकी के क्षेत्र में उनके अभूतपूर्व कार्य ने एटोसेकंड पल्स के विकास को जन्म दिया है, जिससे वैज्ञानिकों को पदार्थ के भीतर इलेक्ट्रॉनों की तीव्र गतिशीलता का सीधे निरीक्षण और अध्ययन करने में मदद मिली है.
19. (C) संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक तथा सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) द्वारा 31 अक्टूबर को विश्व शहर दिवस के अवसर पर की गई घोषणा के अनुसार क्रिएटिव सिटीज नेटवर्क (UCCN) में विश्व के 55 नए शहर शामिल किए गए हैं. इसमें भारत के मध्य प्रदेश के ग्वालियर तथा केरल के कोझिकोड को क्रमशः 'संगीत' तथा 'साहित्य' श्रेणी में शामिल किया गया है.
20. (B) कैबिनेट सचिवालय सीधे प्रधानमंत्री के अधीन कार्य करता है. सचिवालय का प्रशासनिक प्रमुख कैबिनेट सचिव होता है, जो सिविल सेवा बोर्ड का पदेन अध्यक्ष भी होता है.
21. (A)
22. (B) भारत का सबसे छोटा केन्द्रशासित प्रदेश लक्षद्वीप एक द्वीपसमूह है, जिसमें 32 वर्ग किमी क्षेत्रफल के साथ 36 द्वीप हैं. यह द्वीप 8 डिग्री उत्तर और 12 डिग्री उत्तर अक्षांश के बीच फैले लक्षद्वीप सागर में स्थित है तथा मूँगा चट्टानों से निर्मित है. इस द्वीप समूह का सबसे उत्तरी द्वीप अमिनदीवी, जबकि मिनिकॉय द्वीप (सबसे बड़ा द्वीप) सबसे दक्षिणी है. 8 डिग्री चैनल (8 डिग्री उत्तरी अक्षांश) मिनिकॉय और मालदीव द्वीपों को अलग करता है, जबकि 9 डिग्री चैनल (9 डिग्री उत्तरी अक्षांश) मिनिकॉय द्वीप को मुख्य लक्षद्वीप द्वीपसमूह से अलग करता है.
23. (C) प्रसिद्ध राजवंश यथा संगम, सालुव, तुलुव तथा अराविदु राजवंश विजयनगर साम्राज्य से सम्बन्धित है. इन सभी राजवंशों ने विजयनगर पर 1336 ईस्वी से 1650 ईस्वी तक शासन किया. विजयनगर की स्थापना 1336 ईस्वी में संगम राजवंश के हरिहर व बुक्का नें की थी.
24. (C) जैन दर्शन के 2 प्रमुख सिद्धान्त अनेकांतवाद तथा स्याद्वाद हैं. अनेकांतवाद के अनुसार वस्तु के अनेक गुण-धर्म होते हैं. वस्तु की पर्याएं बदलती रहती हैं. इसका तात्पर्य है कि पदार्थ उत्पन्न और विनष्ट होता रहता है, परिवर्तनशील, आकस्मिक और अनित्य है. अतः पदार्थ या द्रव्य का लक्षण है—बनना, बिगड़ना और फिर बन जाना. यही अनेकांतवाद का सार है.
    - महावीर का स्यादवाद का सिद्धांत ज्ञान को सापेक्ष मानता है, अर्थात् हमारे पास जो ज्ञान है वह निरपेक्ष न होकर सापेक्ष है. अतः हमें ईमानदारी से इसे स्वीकार करते हुए अपने ज्ञान के असीमित और अप्रश्नेय होने के निरर्थक दावों से बचना चाहिए.
25. (B)
26. (A) स्थानांतरित कृषि या झूम कृषि (Shifting Cultivation) आदिम कृषि का प्रकार है जिसके अन्तर्गत वनस्पतियों को काटकर तथा जलाकर भूमि को साफ किया जाता है, तत्पश्चात् साफ की गई भूमि पर पुराने उपकरणों के माध्यम से कृषि की जाती है. जब तक मिट्टी में उर्वरता रहती है, तब तक इस भूमि पर खेती की जाती है. यह मुख्यतः भारत में उसके उत्तर-पूर्वी राज्यों में प्रचलित है तथा इसे भारत के विभिन्न राज्यों (क्षेत्रों) तथा अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर भिन्न-भिन्न नामों से जाना जाता है.
27. (B) ऑक्सीटोसिन एक महत्वपूर्ण हॉर्मोन है जिसका उपयोग प्रसव को प्रेरित करने और प्रसवोत्तर रक्तस्राव को रोकने के लिए किया जाता है. यह प्रसव के दौरान गर्भाशय के संकुचन का कारण बनता है और नई माताओं को स्तनपान कराने में भी मदद करता है. डेयरी और पोल्ट्री क्षेत्र में इसका व्यापक दुरुपयोग दुग्ध उत्पादन बढ़ाने तथा सब्जियों जैसे—कद्दू, लौकी, तरबूज आदि का आकार बढ़ाने के लिए किया जाता है.
28. (A) एयर इंडिया जेनरेटिव एआई वर्चुअल एजेंट को सफलतापूर्वक तैनात करने वाली दुनिया की पहली एयरलाइन बन गई है. 'महाराजा' नाम का यह एजेंट माइक्रोसॉफ्ट की Azure OpenAI सेवा द्वारा संचालित है. एयर इंडिया के अनुसार महाराजा ने 5 लाख से अधिक ग्राहकों के प्रश्नों का उत्तर दिया है और वर्तमान में 4 भाषाओं: हिन्दी, अंग्रेजी,

फ्रेंच और जर्मन में प्रतिदिन 6,000 से अधिक प्रश्नों पर प्रतिक्रिया देता है.

29. (A) देवप्रयाग-गंगा नदी उत्तराखंड राज्य के गोमुख के निकट गंगोत्री हिमनद से निकलती है. यहाँ यह भागीरथी के नाम से जानी जाती है. अलकनंदा नदी सतोपथ हिमनद से निकलती है. देवप्रयाग नामक स्थान पर भागीरथी, अलकनंदा से मिलती है तथा गंगा कहलाती है.
    - विष्णुप्रयाग-जोशीमठ या विष्णुप्रयाग धौलीगंगा तथा अलकनंदा नदी का संगम बिन्दु/स्थल है.
    - कर्णप्रयाग-अलकनंदा की सहायक नदी पिंडार जो पिंडर हिमनद से निकलती है, कर्णप्रयाग नामक स्थान पर अलकनंदा से मिलती है.
    - रुद्रप्रयाग-रुद्रप्रयाग अलकनंदा तथा मंदाकिनी नदी का संगम स्थल है.
30. (B) सकल घरेलू उत्पाद से आशय किसी निश्चित समय पर किसी राष्ट्र की भौगोलिक सीमाओं के भीतर कुल उत्पादित वस्तुओं व सेवाओं के मौद्रिक मूल्य से है. यह 2 प्रकार का होता है—
    - नाममात्र सकल घरेलू उत्पाद-नाममात्र जीडीपी चालू वर्ष की कीमतों पर मूल्यांकित अंतिम वस्तुओं और सेवाओं के चालू वर्ष के उत्पादन को सन्दर्भित करता है अर्थात् इसका मूल्यांकन वर्तमान बाजार कीमतों पर किया जाता है.
    - वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद-वास्तविक जीडीपी का तात्पर्य चालू वर्ष में आधार वर्ष की कीमतों पर मूल्यांकित वस्तुओं और सेवाओं के उत्पादन से है.
31. (C)
32. (C) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 63 के अन्तर्गत भारत के उपराष्ट्रपति पद का प्रावधान किया गया है. भारत का उपराष्ट्रपति राज्य सभा का पदेन सभापति होता है.
    - भारत के संविधान के अनुच्छेद 66 के अनुसार, उपराष्ट्रपति का चुनाव निर्वाचन मंडल के सदस्यों द्वारा किया जाता है. जिसमें दोनों सदनों यथा राज्य सभा तथा लोक-सभा के निर्वाचित तथा मनोनीत सदस्य सम्मिलित होते हैं.
33. (C) पानीपत का तीसरा युद्ध 1761 में अफगान आक्रमणकारी अहमद शाह अब्दाली और पुणे के सदाशिवराव भाऊ पेशवा के तहत् मराठों के मध्य हुआ था. इस युद्ध में अहमद शाह अब्दाली ने सदाशिवराव भाऊ को पराजित किया था. यह पराजय इतिहास में मराठों की सबसे बुरी पराजय थी.
34. (D) नास्तिक दर्शन भारतीय दर्शन परम्परा में उन दर्शनों को कहा जाता है, जो वेदों को नहीं मानते थे. नास्तिक मत में बौद्ध, जैन तथा चार्वाक प्रमुख हैं, इसे भौतिकतावादी दर्शन भी कहते हैं. प्रतीत्यसमुत्पाद (कार्य-कारण सिद्धान्त) बौद्ध दर्शन का आत्मतत्व होने के कारण यह ईश्वर की सत्ता पर विश्वास नहीं करता है.
35. (C) 12वीं पंचवर्षीय योजना की अवधि 2012-17 थी. इस पंचवर्षीय योजना का उद्देश्य 'तेज, स्थायी और अधिक समावेशी विकास' प्राप्त करना था. 12वीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य 8·0 प्रतिशत की औसत आर्थिक विकास दर प्राप्त करना था.
36. (C)
37. (A) हिमालय की सबसे बाहरी (दक्षिणतम) शृंखला, जो सबसे नवीनतम भी है, को शिवालिक के नाम से जाना जाता है. इसका विस्तार पाकिस्तान के पोटवार बेसिन से असम के दिहांग तक है. शिवालिक की ऊँचाई हिमालय की अन्य श्रेणियों की तुलना में कम है. शिवालिक तथा लघु हिमालय के मध्य कई समतल संरचनात्मक घाटियाँ पाई जाती हैं पश्चिम तथा पूर्व में क्रमशः 'दून' तथा 'द्वार' कहते हैं, जैसे—देहरादून.
38. (C) पृथ्वी को लघु तरंगों के रूप में सूर्य का प्रकाश प्राप्त होता है, जो इसकी सतह को गर्म रखता है. परिणामस्वरूप, पृथ्वी एक विकिरण पिंड बन जाती है और लम्बी तरंगों के रूप में वायुमण्डल में ऊर्जा उत्सर्जित करती है. यह ऊर्जा नीचे से वायुमण्डल को गर्म करती है, इस प्रक्रिया को स्थलीय विकिरण कहा जाता है. सूर्यातप की लगभग 35 इकाइयाँ पृथ्वी की सतह तक पहुँचने से पहले ही वापस अंतरिक्ष में परावर्तित हो जाती हैं. इनमें से 27 इकाइयाँ बादलों के ऊपर से परावर्तित होती हैं.
39. (C) बौद्ध दर्शन का बीज बुद्ध की शिक्षाओं में मिलता है. बौद्ध दर्शन में दार्शनिक समस्याओं में उलझने के बजाय 4 आर्य सत्य के माध्यम से दुख को समझने एवं उसके कारणों को जानने तथा अष्टांगिक मार्ग के माध्यम से दुःख के समाधान तथा नैतिक जीवन जीने पर बल दिया गया है.
40. (D) थार रेगिस्तान एक शुष्क क्षेत्र है, जो 2,00,000 वर्ग किमी में फैला हुआ है. यह भारत और पाकिस्तान की सीमा के साथ एक प्राकृतिक सीमा बनाता है. राजस्थान में अरावली पर्वतमाला के पश्चिम में अवस्थित गर्म/उष्ण मरुस्थल थार का अधिकांश भाग राजस्थान में अवस्थित है, जबकि कुछ भाग पंजाब, हरियाणा तथा गुजरात प्रांत में विस्तृत हैं. इस क्षेत्र में वार्षिक औसत वर्षा बहुत कम है, जो पश्चिम में 100 मिमी से लेकर पूर्व में 500 मिमी तक है. लूनी इस क्षेत्र की एक प्रमुख नदी है.
41. (B)
42. (B) फातिमा बीबी 1989 में माननीय सर्वोच्च न्यायालय में न्यायाधीश नियुक्त होने वाली पहली महिला थीं. 1992 में सर्वोच्च न्यायालय से सेवानिवृत्त होने के पश्चात् उन्हें 1997 में तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया था.
43. (C)
44. (C) माजुली भारत के पूर्वोत्तर राज्य असम में ब्रह्मपुत्र नदी में स्थित एक नदी द्वीप है. इसे दुनिया के सबसे बड़े नदी द्वीप के रूप में मान्यता प्राप्त है.
45. (C)
46. (C) डेनमार्क (डेनिश) के वर्ल्ड नम्बर 1 विक्टर एक्सेलसेन ने फाइनल में इंडोनेशिया के जोनाटन क्रिस्टी को हराकर जापान ओपन 2023 बैडमिंटन प्रतियोगिता के पुरुष एकल में विजय प्राप्त की. वहीं इस प्रतियोगिता के महिला एकल का खिताब दुनिया की दूसरे नम्बर की खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से-यंग ने चीन की हे बिंग जियाओ को हराकर जीता.
47. (D) भारतीय संविधान के अनुच्छेद 76 के अन्तर्गत भारत के महान्यायवादी (Attornd General of India) के पद का सृजन किया गया है. भारत का महान्यायवादी संघ की कार्यपालिका का प्रमुख अंग एवं देश का सर्वोच्च विधि अधिकारी होता है. इनकी नियुक्ति राष्ट्रपति द्वारा होती है तथा यह राष्ट्रपति के प्रसादपर्यंत पद धारण करते है. महान्यायवादी को वो सभी अधिकार व भत्ते प्राप्त होते हैं, जो संसद सदस्य को प्रदान किए जाते हैं.

48. (C) स्वामी दयानन्द सरस्वती एक भारतीय दार्शनिक, समाज सुधारक तथा राष्ट्रवादी महात्मा थे. इन्होंने 1875 में आर्य समाज की स्थापना बॉम्बे में की थी, जो एक वैदिक धर्म सुधार आंदोलन था. स्वामी दयानन्द सरस्वती ऐसे पहले राष्ट्रवादी नेता थे जिन्होंने वर्ष 1876 में 'भारत भारतीयों के लिए' के रूप में स्वराज का आह्वान किया था.

49. (B) किसी देश की राष्ट्रीय आय का अर्थ उस देश के नागरिकों द्वारा एक वर्ष में एक निश्चित अवधि के दौरान अर्जित कुल आय का योग है अर्थात्
एनआई = बाजार मूल्य पर एनएनपी – (अप्रत्यक्ष कर – सब्सिडी)

50. (C) आक्टेन संख्या इंजन में ईंधन के विस्फोट/नोर्किंग या पूर्व प्रज्वलन के विरुद्ध गैसोलीन/पेट्रोल के प्रतिरोध की माप है. इसे आइसो-ऑक्टेन और एन-हेप्टेन के मिश्रण के सापेक्ष मापा जाता है. इस मिश्रण में, आइसो-ऑक्टेन में ऑक्टेन की संख्या 100 होती है और एन-हेप्टेन में ऑक्टेन की संख्या शून्य होती है. प्लास्टिक कचरे से उच्च ऑक्टेन ईंधन का उत्पादन किया जाता है. इसे हरित ईंधन कहा जाता है, क्योंकि यह सीसा रहित होता है.
- ऑक्टेन इस बात का माप है कि ईंधन प्रज्वलित होने से पहले कितना सम्पीड़न झेल सकता है अर्थात् ऑक्टेन रेटिंग जितनी अधिक होगी, उतनी ही कम सम्भावना होगी कि ईंधन उच्च दबाव पर पूर्व-प्रज्वलित होगा और आपके इंजन को नुकसान पहुँचाएगा. इसीलिए उच्च संपीड़न इंजन वाली प्रदर्शन कारों को उच्च ऑक्टेन (प्रीमियम) ईंधन की आवश्यकता होती है.

51. (D)

52. (D) छत्तीसगढ़ एक कृषि प्रधान राज्य है तथा वर्तमान में प्रदेश के सभी सिचाईं स्रोतों से लगभग 36 प्रतिशत क्षेत्र में सिचाईं सुविधा उपलब्ध है. राज्य में सिचाईं के स्रोतों में नहर सबसे मुख्य स्रोत है. राज्य के कृषि क्षेत्र का 52% जलाशयों/नहरों द्वारा सिंचित है तथा 29% क्षेत्र नलकूप द्वारा सिचाईं के अन्तर्गत आता है.
- राज्य शासन द्वारा प्रदेश के लघु सीमांत कृषकों को सिचाईं कूप एवं पंप स्थापना हेतु शाकंभरी योजना प्रारम्भ की गई है. इसके अतिरिक्त पूर्व से संचालित लघु सिचाईं नलकूप योजना में देय अनुदान राशि में वृद्धि की गई है. प्रदेश में किसानों को उच्चगुणवत्तायुक्त, अधिक उत्पादन देने वाले प्रमाणित बीज पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध कराने हेतु राज्य शासन द्वारा विशेष प्रयास किए जा रहे हैं. प्रमाणित बीज का उपयोग कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता वृद्धि का प्रमुख आधार है.

53. (*)

54. (A)

संयंत्र	स्थान
भारत ऐलुमिनियम कम्पनी लिमिटेड	कोरबा
जूट उद्योग	रायगढ़
लाफार्ज सीमेंट लिमिटेड	सोनाडीह
कोसा कपड़ा उद्योग	जांजगीर-चांपा

55. (A) 56. (A)

57. (*) राज्य का क्षेत्रफल एवं जनसंख्या की दृष्टि से सबसे छोटा जिला गौरेला-पेंड्रा-मारवाही है, जबकि क्षेत्रफल की दृष्टि से सबसे बड़ा जिला सरगुजा है.

58. (*)

59. (B) ग्रामीण विकास में उत्कृष्ट योगदान के लिए दूसरा रोहिणी नैय्यर पुरस्कार इंजीनियर से सामाजिक कार्यकर्ता बने दीनानाथ राजपूत को छत्तीसगढ़ के बस्तर में आदिवासी महिलाओं को सशक्त बनाने के उनके काम के लिए प्रदान किया गया. यह पुरस्कार दिवंगत अर्थशास्त्री-प्रशासक डॉ. रोहिणी नैय्यर की स्मृति में प्रदान किया जाता है. इस पुरस्कार के साथ एक ट्रॉफी, एक प्रशस्ति-पत्र और ₹ 10 लाख का नकद पुरस्कार प्रदान किया जाता है.

60. (*)

61. (A) छत्तीसगढ़ के प्रथम राज्यपाल दिनेश नंदन सहाय (2000-03) थे. राज्य के वर्तमान राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन हैं.

62. (C) छत्तीसगढ़ में ब्रिटिश प्रशासक-1818 से 1830 ई. तक छत्तीसगढ़ में कुल 6 ब्रिटिश अधीक्षक हुए–
- कैप्टन एंडमन (1818 ई.)
- पी. एगन्यु (1818-25 ई.)
- कै. हंटर (1825 ई.)
- मि. सेडिस (1825-28)
- मि. विलकिंसन
- मि. क्राफर्ड

63. (D) छत्तीसगढ़ में पदस्थ महिला आईपीएस अधिकारी भावना गुप्ता को इंटरनेशनल आईएसीपी अवार्ड से सम्मानित किया गया है. वे अन्तर्राष्ट्रीय पुरस्कार पाने वाली प्रदेश की पहली महिला आईपीएस अफसर हैं. उन्हें प्रतिष्ठित 40 अंडर 40 IACP पुरस्कार से सम्मानित किया गया है, जो प्रत्येक वर्ष विश्व भर में पुलिस सेवा में 40 लीडर को दिया जाता है.
- आईपीएस भावना गुप्ता को यह सम्मान मुख्यमंत्री की बहु प्रतीक्षित 'हमार लाडली हमर मान अभियान' के अन्तर्गत 'हिम्मत' कार्यक्रम चलाने के लिए मिला है. सूरजपुर व अंबिकापुर में पद स्थापना के दौरान उन्होंने यह इनीशिएटिव प्रोग्राम चलाया था.

64. (A)

बहुमूल्य खनिज	प्राप्ति स्थल
एलेक्जेंड्राइट	– देवभोग
कोरंडम	– बीजापुर
स्वर्ण धातु	– बलौदाबाजार
हीरा	– मैनपुर

65. (B) घोटुल पाटा गीत-शोक गीत या मरनी गीत को कहा जाता है. बस्तर जिले के गोंड़, मुड़िया जनजातियों में घोटुल पाटा गीत गाने की परम्परा प्रचलन में है. यह गीत बुजुर्ग व्यक्तियों द्वारा गाया जाता है. बस्तर में मुख्यतः घोटुल पाटा गीत गाकर आदिवासी क्षेत्रों में परिवार को ढाढस बँधाते हैं.

66. (A) बिलासपुर में छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय की स्थापना 1 नवम्बर, 2000 को हुई थी. माननीय न्यायमूर्ति श्री डब्ल्यू. ए. शीशक पहले मुख्य न्यायाधीश थे.

67. (C) घोटुल एक बड़े 'कुटीर' को कहते हैं जिसमें पूरे गाँव के बच्चे या किशोर सामूहिक रूप से रहते हैं. यह छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले और महाराष्ट्र व आंध्र प्रदेश के पड़ोसी क्षेत्रों के गोंड के माड़िया उपजाति के ग्रामों में विशेष रूप से मिलते हैं. दूसरे शब्दों में, घोटुल जनजातीय गाँवों का सामाजिक एवं सांस्कृतिक केन्द्र होता है.
- यह प्रथा लिंगो पेन अर्थात् लिंगो देव ने शुरू की थी. लिंगो देव को गोंड जनजाति का देवता माना जाता है. लिंगो पेन एक अनोखी प्रथा शुरू की. उन्होंने बस्ती के बाहर बांस की कुछ झोंपड़ियाँ बनवाईं और बच्चों को वहाँ पढ़ाना शुरू कर दिया. यही झोंपड़ियाँ बाद में 'घोंटुल' के नाम से प्रसिद्ध हुईं.

68. (*) 69.(B) 70. (B)

71. (C) छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 को 24 जनवरी, 1994 को राज्यपाल की अनुमति प्राप्त हुई तथा यह 25 जनवरी, 1994 को मध्य प्रदेश राजपत्र में पहली बार प्रकाशित हुआ.

72. (C)

73. (C) स्थायी समिति के सदस्यों की अवधि—धारा-4
कतिपय मामलों का विनिश्चय—धारा-11
गणपूर्ति—धारा-9
निरसन—धारा-15

74. (B)

शासक	**शासनकाल**
● मानसिंह देव	— 1463 ई. से 1478 तक
● चामुण्डासिंह देव	— 1528 ई. से 1563 तक
● जैतसिंह देव	— 1604 ई. से 1615 तक
● सोमदत्त देव	— 1650 ई. से 1663 तक

75. (C) छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा 7 राज्यों (छत्तीसगढ़ राज्य की सीमाएं 7 राज्यों अर्थात् मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, झारखंड और उत्तर प्रदेश) को स्पर्श करती है.
नोट—यद्यपि इस प्रश्न का उत्तर आयोग द्वारा विकल्प (B) 6 दिया गया है, जो त्रुटिपूर्ण है.

76. (A) छत्तीसगढ़ में डोरला/दोरला जनजातियों के द्वारा पर्याप्त वर्षा प्राप्ति के लिए मेंढकों के विवाह का जश्न मनाने की परम्परा है. मेंढक विवाह की इस परम्परा को 'कप्पल पंडुम' के रूप में जाना जाता है.

77. (C)

78. (A)

कृषि पर आधारित लोकोत्सव	**सम्बन्धित कार्य**
● कारे पंडुम	— वृक्ष काटने, जलाने का परब
● बोटिगटी पंडुम	— बीज बोने का परब
● पच्चिग पंडुम	— बियासी परब
● तोरम पंडुम	— कटाई परब

79. (D) छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 के धारा 66 में पंचायत निधि का प्रावधान किया गया है. इसमें अधिकथित है कि प्रत्येक पंचायत एक निधि स्थापित करेगी, जो पंचायत निधि कहलाएगी और पंचायत द्वारा प्राप्त समस्त राशियाँ उक्त निधि का भाग होंगी.

80. (D) आदिवासी समूहों में पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) सबसे अधिक कमजोर/संवेदनशील हैं. वर्ष 1975 में भारत सरकार ने सबसे कमजोर जनजातीय समूहों को PVTGs नामक एक अलग श्रेणी के रूप में पहचानने की पहल की थी. गृह मंत्रालय ने देश के 18 राज्यों तथा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह संघ राज्य-क्षेत्र के 75 जनजातीय समूहों को विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूहों (पीवीटीजी) के रूप में वर्गीकृत किया है. यह उन आदिवासी समूहों को सन्दर्भित करता है, जो निम्नलिखित कारकों के कारण विलुप्ति के कगार पर है—
- भौगोलिक अलगाव,
- साक्षरता का निम्न स्तर,
- प्रौद्योगिकी का पूर्व-कृषि स्तर,
- घटती जनसंख्या

81. (D) 82. (A)

83. (B) छत्तीसगढ़ राज्य का भौगोलिक क्षेत्रफल 1,35,191 वर्ग किमी है, जो कि देश के क्षेत्रफल का 4·1 प्रतिशत है. प्रदेश का वन क्षेत्रफल लगभग 59,772 वर्ग किमी है, जोकि प्रदेश के भौगोलिक क्षेत्रफल का 44·2 प्रतिशत है.

84. (C) बस्तर में काकतीय वंश के संस्थापक एवं प्रथम शासक अन्नमदेव थे. इनके शासनकाल के दौरान दंतेवाड़ा में तराला ग्राम में डंकनी-शंखिनी नदी के तट पर दंतेश्वरी मन्दिर का निर्माण हुआ.

85. (A) 86. (B)

87. (B) ग्राम के सम्बन्ध में अधिसूचना—धारा-3
परिभाषाएं—धारा-2
जनपद पंचायत के अध्यक्ष और उपाध्यक्ष का निर्वाचन—धारा-25
सरपंच और उपसरपंच के विरुद्ध अविश्वास प्रस्ताव—धारा-21

88. (B) छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के नवगठित बलरामपुर जिले में देश का पहला भू-तापीय विद्युत् संयंत्र स्थापित करने का निर्णय लिया है. यह संयंत्र गर्म पानी से तैयार भू-तापीय ऊर्जा से संचालित होगा. यह छत्तीसगढ़ के सरगुजा क्षेत्र में बलरामपुर जिले के तातापानी में स्थापित किया जाएगा. इस सम्बन्ध में नेशनल थर्मल पावर कॉर्पोरेशन (एनटीपीसी) और छत्तीसगढ़ अक्षय ऊर्जा विकास एजेंसी (क्रेडा) के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए.

89. (B) ठाकुर पूरन सिंह को बस्तर की हल्बी लोक भाषा में लिखित साहित्य की रचना करने वाले प्रथम साहित्यकार होने का श्रेय जाता है. ठाकुर पूरन सिंह ने 'भारत माता चो कहनी', 'छेरता', 'तारा गीत' शीर्षक पुस्तकों की रचना की. 1937 में उन्होंने राजकीय/प्रशासनिक अमले को हल्बी सिखाने हेतु हल्बी भाषा बोध का भी लेखन किया. उन्हीं की सहायता से मेजर वेट्टी ने 'ए हल्बी ग्रामर' की रचना की थी.

90. (B)

91. (A) छत्तीसगढ़ पंचायत राज अधिनियम 1993 के अध्याय 6 की धारा 49 में ग्राम पंचायत के कृत्यों का उल्लेख किया गया है. इस धारा में 30 उपधाराएं वर्णित हैं. धारा 49 की उपधारा (14) में मांस के विक्रय तथा परीक्षण का विनियमन, तथा इसकी उपधारा (30) में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अन्तर्गत उचित मूल्य की दुकान की स्थापना, संचालन, देख-रेख एवं निगरानी करने से सम्बन्धित कृत्य उल्लेखित है.

92. (A)

93. (A) छत्तीसगढ़ में जवांफूल एवं मोतीचूर धान की सुगंधित किस्में हैं.
- रेनफेड एरिया डेवलपमेंट का उद्देश्य टिकाऊ खेती प्रणाली (Sustainable Agriculture Farming) आधारित दृष्टिकोण अपनाकर एक स्थायी तरीके से वर्षा आधारित क्षेत्रों की कृषि उत्पादकता और उत्पादन में वृद्धि करना, विविध और समग्र खेती प्रणाली (Diversified and Integrated farming system) के माध्यम से सूखा, बाढ़ या असमान वर्षा वितरण परिस्थिति के कारण से फसल की विफलता के प्रभाव को कम करना, कृषि की उन्नत तकनीकों और खेती के तरीकों के माध्यम से निरन्तर रोजगार के अवसरों का निर्माण करना है.
- काली कमोद तथा लोकती माछी सुगंधित धान की किस्में हैं.

विशेष—छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग ने विकल्प (D) को सही उत्तर माना है, जबकि इसका सही उत्तर विकल्प (A) होगा.

94. (D) यूरोपीय यात्री फोरेस्टर ने 1790 में छत्तीसगढ़ का दौरा किया, जबकि छत्तीसगढ़ में रघुजी तृतीय का शासनकाल 1830 से 1853 तक था. 1853 ईस्वी में रघुजी तृतीय की मृत्यु के पश्चात् उसकी

कोई संतान (उत्तराधिकारी) न होने के कारण 1854 ईस्वी में डलहौजी नें हड़प नीति के द्वारा मराठा शासन का विलय ब्रिटिश साम्राज्य में कर लिया.

- रघुजी तृतीय के शासनकाल की प्रमुख घटनाएं—धमधा क्षेत्र के विद्रोह को शांत करना, मराठी तथा हिन्दुस्तानी को राजभाषा का दर्जा, मुल्तानी ठगों का दमन, नरबलि प्रथा का अंत, सती प्रथा का अंत.

95. (D) छत्तीसगढ़ राज्य में खरीफ फसल बुआई कार्य के पूर्व खुले में चराई कर रहे पशुओं के नियंत्रण के लिए 'रोका छेका' प्रथा प्रचलित है, जिसमें फसल बुआई को बढ़ावा देने तथा पशुओं के चरने से फसल को होने वाली हानि से बचाने के लिए पशुपालक तथा ग्रामवासियों द्वारा पशुओं को बाँधकर रखने पहटिया (चरवाहा) की व्यवस्था इत्यादि कार्य किया जाता है. राज्य में खुले में चराई कर रहे पशुओं के नियंत्रण और उनसे खरीफ फसलों की सुरक्षा के लिए 6 जुलाई, 2023 से रोका-छेका अभियान की शुरूआत की गई थी.
96. (B)
97. (A) **सुता, सुर्रा, सुतिया**—चाँदी के पतले पाइप के समान संरचना का बना होता है, इस गले में पहना जाता है.
    - **लुरकी**—कान के झूल से थोड़ा ऊपर पहने जाने वाले आभूषण को लुरकी कहा जाता है. यह सोने का बना होता है.
    - **ऐठी**—यह महिलाओं की कलाई में पहने जाने वाला चाँदी का आभूषण होता है, यह चूड़ी के शुरू में पहना जाता है.
    - **खोंचनी**—बालों में धारण किया जाने वाला आभूषण है.
98. (D)
99. (B)

जिला	लिंगानुपात
कांकेर	1006
कोंडागांव	1033
कोरिया	968
कोरबा	969

विशेष—आयोग ने विकल्प (A) को सही उत्तर के रूप में माना है, जो त्रुटिपूर्ण है.

100. (D) छत्तीसगढ़ी राजभाषा दिवस 28 नवम्बर को मनाया जाता है. उल्लेखनीय है कि 28 नवम्बर, 2007 को विधान सभा में छत्तीसगढ़ी को राजभाषा का दर्जा देने सम्बन्धी विधेयक पारित किया गया था. 28 नवम्बर की स्मृति को अक्षुण्ण बनाए रखने के लिए यह दिवस मनाया जाता है. ●●●

शेष पृष्ठ 79 का

सर्वाइकल कैंसर के अधिकांश मामलों के लिए जिम्मेदार हैं.

बाइवेलेंट वैक्सीन (सर्वारिक्स)—सर्वारिक्स उच्च जोखिम वाले एचपीवी स्ट्रेन 16 और 18 से सुरक्षा प्रदान करता है, जो सर्वाइकल कैंसर के लिए सर्वाधिक दोषी स्ट्रेन हैं.

नॉनवेलेंट वैक्सीन (गार्डासिल 9)—गार्डासिल 9 तीनों में से सबसे व्यापक है, जो नौ अलग-अलग एचपीवी स्ट्रेनो से सुरक्षा प्रदान करता है.

सर्वाइकल कैंसर का इलाज

सर्वाइकल कैंसर का उपचार कैंसर की अवस्था, रोगी के समग्र स्वास्थ्य और अन्य व्यक्तिगत कारकों पर निर्भर है. सर्वाइकल कैंसर के लिए मुख्य उपचारात्मक उपाय निम्नलिखित हैं—

- **शल्य चिकत्सा**—कैंसर के चरण के आधार पर, सर्जिकल विकल्पों द्वारा संक्रमित ग्रीवा ऊतक को हटाना तथा हिस्टेरेक्टॉमी (गर्भाशय को हटाना) आदि प्रक्रियाएं शामिल हो सकती हैं.
- **विकिरण चिकित्सा**—उच्च-ऊर्जा एक्स-रे का उपयोग कैंसर कोशिकाओं को लक्षित करने और हटाने के लिए किया जाता है. विकिरण चिकित्सा बाहरी (शरीर के बाहर एक मशीन से) या आंतरिक (ब्रैकीथेरेपी, जहां रेडियोधर्मी सामग्री ट्यूमर के अंदर या पास रखी जाती है) दोनों तरह की हो सकती है.
- **कीमोथेरेपी**—कैंसर कोशिकाओं को मारने या उनके विकास को धीमा करने के लिए कीमोथेरेपी का उपयोग विकिरण चिकित्सा या सर्जरी के साथ संयोजन में किया जा सकता है.
- **लक्षित थेरेपी**—कुछ उन्नत सर्वाइकल कैंसर का इलाज दवाओं से भी किया जा सकता है जो विशेष रूप से कैंसर कोशिकाओं या उन्हें आपूर्ति करने वाली रक्त वाहिकाओं को लक्षित करती हैं.
- **इम्यूनोथेरेपी**—इस विधि द्वारा प्रतिरक्षा प्रणाली को कैंसर कोशिकाओं को पहचानने और उन पर हमला करने में मदद करता है. सर्वाइकल कैंसर के लिए अभी भी इसका अध्ययन किया जा रहा है. ●●●

नवीन संशोधित संस्करण

उपकार

छत्तीसगढ़ वृहद् संदर्भ

(नवीन आँकड़ों एवं तथ्यों सहित)

लेखकद्वय : संजय त्रिपाठी एवं श्रीमती चंदन त्रिपाठी

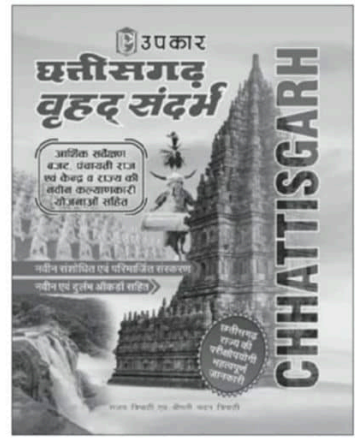

कोड नं. : 1437 मूल्य : ₹ 395/-

पुस्तक की विशेषताएँ

पुस्तक का प्रथम खण्ड 'छत्तीसगढ़ : विविध अध्ययन' सामान्य विषयों का है जिसमें छत्तीसगढ़ के भूगोल, जलवायु, कृषि, खनिज, वन, उद्योग, जल संसाधन, अर्थव्यवस्था एवं अन्य विविध विषयों पर प्रामाणिक जानकारी उपलब्ध कराई गई है.

पुस्तक का द्वितीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ का इतिहास, कला एवं स्थापत्य' का है जिसमें छत्तीसगढ़ के इतिहास के प्रत्येक काल का विस्तृत विवरण प्रस्तुत किया गया है.

पुस्तक का तृतीय खण्ड 'छत्तीसगढ़ की संस्कृति' का है जिसमें छत्तीसगढ़ी संस्कृति से सम्बन्धित प्रदेश की संस्कृतिगत विशिष्टताओं से सम्बन्धित विभिन्न पक्षों का उल्लेख किया गया है.

छत्तीसगढ़ राज्य से सम्बन्धित प्रामाणिक जानकारी अब एक ही पुस्तक में उपलब्ध

उपकार प्रकाशन, आगरा-5
● E-mail : sales@upkar.in
● Website : www.upkar.in

आगामी संघ लोक सेवा आयोग (प्रा.) परीक्षा हेतु विशेष हल प्रश्न

सामान्य अध्ययन

(प्रथम प्रश्न-पत्र)

1. सूखी बर्फ के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. सूखी बर्फ, कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2) का ठोस रूप है, जो गैसीय कार्बन डाइऑक्साइड को संपीड़ित और ठंडा करके बनाया जाता है.
   2. सूखी बर्फ का प्रयोग त्वचा और आन्तरिक अंगों को गम्भीर नुकसान पहुँचा सकता है.
   3. भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) तथा संयुक्त राज्य खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) जैसे नियामक निकाय खाद्य सेवा प्रतिष्ठानों में सूखी बर्फ के सुरक्षित संचालन के सम्बन्ध में चेतावनी और दिशा-निर्देश जारी करते हैं.

   उपर्युक्त कथनों में से कौनसे सही हैं ?
   (A) केवल 1 और 3
   (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 1और 2
   (D) 1, 2 और 3

2. विक्रमादित्य वैदिक घड़ी के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. विक्रमादित्य वैदिक घड़ी दुनिया की पहली 'वैदिक घड़ी' है जिसे प्राचीन भारतीय पारम्परिक पंचांग समय गणना प्रणाली के अनुसार समय प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है.
   2. यह मध्य प्रदेश के ग्वालियर में जंतर मंतर के भीतर 85 फुट ऊँचे टॉवर पर स्थित, घड़ी समय निर्धारण में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में कार्य कर रही है.

   उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) न तो 1 और न ही 2

3. 'मेलानोक्लामिस द्रौपदी' के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
   1. इसकी खोज केरल और तमिलनाडु के तटों पर हुई थी.
   2. यह एक छोटा कशेरुकी प्राणी है, जिसकी अधिकतम लम्बाई 70 मि. मी. तक होती है.
   3. मेलानोक्लामिस द्रौपदी का प्रजनन चक्र सितम्बर माह में होता देखा गया है.

   उपर्युक्त कथनों में से कौनसे सही हैं ?
   (A) केवल 1, 2 और 3
   (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 1और 2
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

4. 'उल्लास (ULLAS)' के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. इस पहल का उद्देश्य साक्षरता अंतराल को समाप्त करना तथा 12 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों के बीच आजीवन सीखने को बढ़ावा देना है.
   2. 'सभी के लिए शिक्षा' के सभी पहलुओं को कवर करने के लिए ULLAS पहल को भारत सरकार द्वारा वित्त वर्ष 2022–2029 की अवधि के लिए मंजूरी दे दी गई है.

   उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) न तो 1 और न ही 2

5. संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एक्सरसाइज मित्र शक्ति-2023' का आयोजन भारत और किस देश के साथ किया गया है ?
   (A) ऑस्ट्रेलिया
   (B) इंग्लैंड
   (C) न्यूजीलैंड
   (D) श्रीलंका

6. डेरियन गैप के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए–
   1. यह रूस और साइबेरिया की सीमा पर घने जंगल और पहाड़ों का क्षेत्र है.
   2. यह पैन–यूरोपियन हाईवे के पूरा होने में एक बड़ी बाधा है.
   3. यह रूस में शरण चाहने वाले प्रवासियों के लिए एक पसंदीदा मार्ग है.

   उपर्युक्त कथनों में से कौनसे सही हैं ?
   (A) केवल 1, 2 और 3
   (B) केवल 2 और 3
   (C) केवल 1 और 2
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

7. अरविंद पनगढ़िया की अध्यक्षता में गठित 16वाँ वित्त आयोग निम्नलिखित में से किसके सम्बन्ध में अपनी संस्तुतियाँ प्रस्तुत करेगा–
   1. उन करों, जो संविधान के अध्याय 1 (भाग XII) के तहत् जिन करों से प्राप्त निवल राजस्व का बँटवारा राज्यों के साथ किया जाना है.
   2. राज्यों को संविधान के अनुच्छेद 275 के तहत् देय सहायता अनुदान के लिए सिद्धान्त.

   कूट :
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) 1 और 2 दोनों
   (D) न तो 1, न ही 2

8. हाल ही में किस राज्य को 100% हर घर जल राज्य घोषित किया गया है ?
   (A) कर्नाटक
   (B) तमिलनाडु
   (C) उत्तर प्रदेश
   (D) गुजरात

9. आर्थिक नीतियों के सम्बन्ध में प्रयुक्त वाक्यांश बिडेनोमिक्स का अर्थ है–
   (A) यह ऐसी नीतियों का एक संग्रह है, जो कर कटौती, विनियमन, घरेलू खर्च में कटौती और मुद्रास्फीति नियंत्रण पर केन्द्रित होती है
   (B) यह ऐसी नीतियों का एक संग्रह है, जो राहत उपायों, बुनियादी ढाँचे में सुधार और सुरक्षा जाल के विस्तार को प्राथमिकता देता है, उच्च आय वाले व्यक्तियों और निगमों को करों में अधिक भुगतान करना पड़ता है
   (C) यह नीतियों का एक ऐसा संयोजन है, जो व्यापार संरक्षणवाद, आव्रजन प्रतिबंध और वैश्विक अलगाववाद पर जोर देता है
   (D) यह वैश्विक सम्पत्ति कर पर आधारित नीतियों का एक ऐसा संग्रह है, जो पर्यावरणीय स्थिरता, सामाजिक निष्पक्षता और मानवाधिकारों को प्राथमिकता देता है

10. हाल ही में 'होयसल के पवित्र मंदिर समूह' को यूनेस्को की वर्ल्ड हेरिटेज साइट की लिस्ट में शामिल किया गया है, यह किस राज्य में है ?
    (A) आंध्र प्रदेश (B) तेलंगाना
    (C) कर्नाटक (D) गोवा

11. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारतीय दण्ड संहिता (IPC) निष्पक्ष सुनवाई, सजा और अपील के लिए नियम और दिशा-निर्देश स्थापित करता है.
2. भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता (CrPC) आपराधिक कार्यों और उनके अनुरूप दण्ड को परिभाषित करता है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

12. दुनिया भर में निम्नलिखित प्रायद्वीपों पर विचार कीजिए—
1. कमचटका प्रायद्वीप
2. आइबेरियन प्रायद्वीप
3. डेक्कन प्रायद्वीप
4. लैब्राडोर प्रायद्वीप

ऊपर दिए गए प्रायद्वीपों को पश्चिम से पूर्व तक क्रम में व्यवस्थित कीजिए—
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 2, 1, 3, 4
(C) 1, 4, 3, 2 (D) 1, 4, 2, 3

13. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

(कैंसर)	**(अंग/प्रभावित प्रणालियाँ)**
1. रेटिनोब्लास्टोमा	आंखें
2. मेसोथेलियोमा	फेफड़े
3. सारकोमा	हड्डियाँ और मांसपेशियाँ
4. लिंफोमा	प्रतिरक्षा प्रणाली

उपर्युक्त में से कितने युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल एक युग्म
(B) केवल दो युग्म
(C) सभी तीन युग्म
(D) सभी चार युग्म

14. भारत 5G पोर्टल निम्नलिखित में से किसके द्वारा लॉन्च किया गया है ?
(A) संचार मंत्रालय
(B) विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय
(C) इलेक्ट्रॉनिक्स और संचार प्रौद्योगिकी मंत्रालय
(D) आयुष मंत्रालय

15. जेंटू पेंगुइन के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह विशेष रूप से दक्षिणी गोलार्द्ध में 45 और 65 डिग्री उत्तरी अक्षांश के बीच पाया जाता है.
2. इसे आईयूसीएन की रेड लिस्ट में सबसे कम चिंताजनक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

16. निम्नलिखित समुद्रों पर विचार कीजिए—
1. श्वेत सागर 2. काला सागर
3. पीला सागर 4. लाल सागर

ऊपर दिए गए समुद्रों को दक्षिण से उत्तर की ओर क्रम में व्यवस्थित कीजिए—
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 4, 3, 2, 1
(C) 1, 3, 2, 4 (D) 1, 4, 2, 3

17. आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर वैश्विक साझेदारी के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत ग्लोबल पार्टनरशिप ऑन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (GPAI) का संस्थापक सदस्य है.
2. GPAI शिखर सम्मेलन 2023 का विषय "सार्वजनिक क्षेत्र के अनुप्रयोगों में जिम्मेदार एआई को आगे बढ़ाना" है.
3. विभिन्न हितधारकों को शामिल करने वाली यह सहयोगी एआई पहल एआई सिद्धांत और व्यवहार के बीच अन्तर को दूर करने का प्रयास करती है.

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1, 2
(C) 1, 2, 3
(D) कोई भी नहीं

18. निम्नलिखित अनुच्छेद पर विचार कीजिए—
यह एक मुगलकालीन किला है, जो महाराष्ट्र में अरब सागर के तट पर पर स्थित है. मराठा साम्राज्य के छत्रपति शिवाजी महाराज ने इस किले का निर्माण कराया था. यह 48 एकड़ में फैला हुआ है और इसकी दीवारें 29 फीट ऊँची और 12 फीट मोटी हैं, जो दो मील तक फैली हुई हैं. किले के भीतर मराठा राजा के हाथ और पदचिह्न अंकित हैं.
उपर्युक्त अनुच्छेद निम्नलिखित में से किस किले को संदर्भित करता है ?
(A) पुरंदर किला
(B) सिंधुदुर्ग किला
(C) चापन किला
(D) राजगढ़ किला

19. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

जनजातीय समुदाय	**मूल राज्य**
1. सोलिगा	कर्नाटक
2. बेट्टा कुरुम्बा	आंध्र प्रदेश
3. पनियाँ	मध्य प्रदेश

उपर्युक्त दिए गए युग्मों में से कितने सही हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1, 2
(C) 1, 2, 3
(D) कोई भी नहीं

20. चक्रवात मिचौंग के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. यह एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात था जिसकी दिशा पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में उत्तर-पश्चिम की ओर थी.
2. 'मिचौंग' म्यांमार द्वारा दिए गए सुझाव के बाद रखा गया नाम है जिसका अर्थ है 'ताकत' और 'लचीलापन'.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

21. डॉलर/रुपया स्वैप के संदर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. डॉलर-रुपये की बिक्री/खरीद स्वैप में, रिजर्व बैंक रुपये के बदले अमेरिकी डॉलर बेचता है और कुछ वर्षों के बाद बैंकों से डॉलर खरीदने का वादा नहीं करता.
2. केवल अधिकृत डीलर (एडी) श्रेणी 2 बैंक ही इस नीलामी में भाग लेने के लिए पात्र संस्थाएँ हैं.
3. यह एक स्वदेशी मुद्रा उपकरण है, जो तरलता प्रबंधन में मदद करता है.

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कितने सही हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) सभी 3 (D) कोई भी नहीं

22. हाल ही में कच्चातिवू नाम का द्वीप चर्चा में था. यह द्वीप निम्नलिखित में से किस जलडमरूमध्य में स्थित है ?
(A) पाक जलडमरूमध्य
(B) श्रीलंका जलडमरूमध्य
(C) सुंडा जलडमरूमध्य
(D) म्यांमार जलडमरूमध्य

23. किस राज्य की हॉकी टीम ने हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2023 जीती ?
(A) हरियाणा
(B) मध्य प्रदेश
(C) हिमाचल प्रदेश
(D) उत्तर प्रदेश

24. नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एण्ड लाइब्रेरी सोसाइटी का नाम बदलकर क्या कर दिया गया है ?

(A) वीर सावरकर मेमोरियल म्यूजियम एण्ड लाइब्रेरी सोसाइटी
(B) पीएम मेमोरियल म्यूजियम एण्ड लाइब्रेरी सोसाइटी
(C) नेताजी मेमोरियल म्यूजियम एण्ड लाइब्रेरी सोसाइटी
(D) राष्ट्रीय मेमोरियल म्यूजियम एण्ड लाइब्रेरी सोसाइटी

25. चन्द्रगुप्त-II के सन्दर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. शक विजय के सन्दर्भ में सबसे प्रबल प्रमाण इस नरेश की रजत मुद्राएँ हैं.
2. इन मुद्राओं की तौल लगभग 33 ग्रेन हुआ करती थी.
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए—
कूट :
(A) केवल 1
(B) 1 तथा 2 दोनों
(C) केवल 2
(D) न तो 1 न ही 2

26. भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन के काल के सन्दर्भ में नेहरू रिपोर्ट में निम्नलिखित में से किसकी/किस-किस की अनुशंसा की गई थी ?
1. भारत के लिए पूर्ण स्वतन्त्रता.
2. अल्पसंख्यकों हेतु आरक्षित स्थानों के लिए संयुक्त निर्वाचन-क्षेत्र.
3. संविधान में भारतीयों के लिए मौलिक अधिकारों का प्रावधान.
निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

27. इनमें से किसने अप्रैल 1930 में नमक कानून तोड़ने के लिए तंजौर तट पर एक अभियान संगठित किया था ?
(A) वी. ओ. चिदम्बरम पिल्लै
(B) सी. राजगोपालाचारी
(C) के. कामराज
(D) एनी बेसेंट

28. निम्नलिखित में से कौनसा सही सुमेलित नहीं है ?
(A) लारी कॉलिन्स एण्ड डोमिनिक लापियेरे—फ्रीडम एट मिडनाइट
(B) दुर्गा दास—इण्डिया फ्रॉम कर्जन टू नेहरू एण्ड आफ्टर
(C) के. के. अजीज—दी मैन हू डिवाइडेड इण्डिया
(D) मौलाना अबुल कलाम आजाद इण्डिया विन्स फ्रीडम

29. मुगल काल में जजिया कर से सम्बन्धित निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार कीजिए—
1. अकबर ने 1564 में जजिया कर समाप्त किया.
2. अकबर ने 1575 में जजिया कर को पुनः लागू किया.
3. अकबर ने 1579-80 में जजिया कर को पुनः समाप्त किया.
4. औरंगजेब ने 1679 में जजिया कर को पुनः लागू किया.
ऊपर दिए गए वक्तव्यों में से कौनसे सही हैं ?
(A) 1, 2 (B) 1, 2, 3
(C) 1, 2, 3, 4 (D) 1, 4

30. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए और निम्न कूट में से सही उत्तर का चयन कीजिए—
सूची-I
(विदेशी यात्री)
(a) अब्दुर्रज्जाक
(b) इब्नबतूता
(c) सिंदी अली रईस
(d) विलियम फिंच
सूची-II
(शासक)
1. अकबर
2. मुहम्मद, बिन तुगलक
3. जहाँगीर
4. देव राय II
कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	4	2	3	1
(B)	3	2	4	1
(C)	3	2	1	4
(D)	4	2	1	3

31. नाथमुनि ने आलवार कविताओं का संग्रह किस ग्रंथ में किया है ?
(A) पेरियपुराणम्
(B) तिरुमुरै
(C) नलविर दिव्य प्रबंधन
(D) तिरुतोण्डल तिरुवन्तति

32. मैडम भीकाजी कामा द्वारा 'वन्दे मातरम्' नामक समाचार-पत्र किस स्थान से प्रकाशित किया गया था ?
(A) पेरिस (B) बर्लिन
(C) बैकूंवर (D) नटाल

33. निम्नलिखित में से किसने 'मनोवैज्ञानिक इतिहास' का उपयोग करते हुए यह सिद्ध किया था कि मुहम्मद बिन-तुगलक 'पागल' नहीं था, जैसाकि पहली बार एल्फिंस्टन ने कहा था ?
(A) आगा मेंहदी हुसैन
(B) आर. सी. जौहरी
(C) ईश्वरीप्रसाद
(D) शफात अहमद खान

34. राधाकृष्ण आयोग द्वारा शिक्षा के विकास के लिए कौनसी सिफारिश की गई थी ? निम्नलिखित में से सही कथन का चुनाव कीजिए—
(A) विश्वविद्यालय से पहले 12 वर्ष का अध्ययन अनिवार्य हो
(B) विश्वविद्यालय में कम-से-कम 180 दिन की पढ़ाई होनी चाहिए
(C) शिक्षा को समवर्ती सूची में शामिल किया जाए
(D) उपर्युक्त सभी

35. ऑल इण्डिया वुमैन कॉन्फ्रेन्स की स्थापना के पीछे कौनसी उत्साहवर्धक नेता थी ?
(A) दुर्गा बाई देशमुख
(B) मार्गरेट कुसिन्स
(C) मेडम कामा
(D) मुत्थुलक्ष्मी रेड्डी

36. 'धर्म' तथा 'ऋत्' भारत की प्राचीन वैदिक सभ्यता के एक केन्द्रीय विचार को चित्रित करते हैं. इस संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. धर्म व्यक्तियों के दायित्वों एवं स्वयं तथा दूसरों के प्रति व्यक्तिगत कर्तव्यों की संकल्पना था.
2. ऋत् (Rita) मूलभूत नैतिक विधान था, जो सृष्टि और उसमें अंतर्निहित सारे तत्वों के क्रियाकलापों को संचालित करता था.
उपर्युक्त में से कौनसा/कौनसे कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

37. निम्नलिखित में से कौनसी घटना सबसे पहले हुई ?
(A) स्वामी दयानंद ने आर्य समाज की स्थापना की
(B) दीनबंधु मित्र ने नीलदर्पण का लेखन किया
(C) बंकिम चन्द्र चट्टोपाध्याय ने आनंदमठ का लेखन किया
(D) सत्येन्द्रनाथ टैगोर इण्डियन सिविल सर्विस परीक्षा में सफलता पाने वाले प्रथम भारतीय बने

38. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. महात्मा गाँधी 'गिरमिटिया (Indentured labour) प्रणाली के उन्मूलन में सहायक थे.

2. लॉर्ड चैम्सफोर्ड की 'वॉर कॉन्फरेन्स' में महात्मा गाँधी ने विश्व युद्ध के लिए भारतीयों की भर्ती से सम्बन्धित प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया था.
3. भारत के लोगों द्वारा नमक कानून तोड़े जाने के परिणामस्वरूप, औपनिवेशिक शासकों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस को अवैध घोषित कर दिया गया था.

उपर्युक्त में से कौनसे कथन सही हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3

39. भारतीय शिलावस्तु के इतिहास के सन्दर्भ में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. बादामी की गुफाएँ भारत की प्राचीनतम अवशिष्ट शैलकृत गुफाएँ हैं.
2. बाराबर की शैलकृत गुफाएँ सम्राट चन्द्रगुप्त मौर्य द्वारा मूलतः आजीविकों के लिए बनवाई थीं.
3. एलोरा में गुफाएँ विभिन्न धर्मों के लिए बनाई गई थीं.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2 और 3
(C) केवल 3 (D) 1, 2 और 3

40. 'अनं बहु कुर्वीत तद् व्रतम्'
अर्थात् "अधिक अन्न उत्पन्न करें—यही हमारा व्रत होना चाहिए." यह उल्लेख किस ग्रन्थ में है ?
(A) शतपथ ब्राह्मण
(B) तैत्तिरीय उपनिषद्
(C) ऐतरेय ब्राह्मण
(D) छान्दोग्य उपनिषद्

41. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. मुगलकाल में पहाड़ी-मिर्च (Capsicums) अथवा मिर्च (Chillies) के प्रयोग का ज्ञान नहीं था.
2. सत्रहवीं शताब्दी के अन्त तक भारत में तम्बाकू के धूम्रपान की आम जनता की आदत बन चुकी थी.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

42. निम्नलिखित में से किसने, 1945 ई. के प्रान्तीय विधानसभा चुनावों के बाद पंजाब में मंत्रिपरिषद् का गठन किया ?
(A) फजलुल हक
(B) सिकन्दर हयात खाँ
(C) खिज्र हायात खाँ
(D) लियाकत अली खाँ

43. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. सर तेज बहादुर सप्रू ने तथा सर मुहम्मद शफी ने प्रथम गोलमेज कॉन्फ्रेन्स में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में भागीदारी की.
2. महात्मा गाँधी ने द्वितीय गोलमेज कॉन्फ्रेंस में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में भागीदारी की.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

44. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. इल्तुतमिश ने 'सिजदा' (दण्डवत्) तथा 'पैबोस' (सम्राट के पैर चूमना) की प्रथा राजा के प्रति सामान्य अभिवादन दर्शाने के रूप में आरम्भ की.
2. बलबन ने चाँदी का 'टंका' तथा ताँबे का 'जीतल' मुद्रा के रूप में प्रचलित किया.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

45. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

शिखर	**पर्वत**
1. नामचा बरवा	– गढ़वाल हिमालय
2. नंदा देवी	– कुमाऊँ हिमालय
3. नोकरेक	– सिक्किम हिमालय

उपर्युक्त युग्मों में कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं ?
(A) 1 और 2 (B) केवल 2
(C) 1 और 3 (D) केवल 3

46. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह में लवण जल मगर पाया जाता है.
2. मालाबार क्षेत्र के पश्चिमी घाटों में श्रू और टैपीर पाए जाते हैं.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

47. पारिस्थितिक तंत्र में एक पोषी स्तर से दूसरे पोषी स्तर में स्थानान्तरण से ऊर्जा की मात्रा—
(A) बढ़ती है
(B) घटती है
(C) स्थिर रहती है
(D) बढ़ सकती है या घट सकती है

48. निम्नलिखित वक्तव्यों पर विचार कर सही उत्तर का चयन कीजिए—
कथन (A) : हिमालय से निकलने वाली नदियाँ सतत् वाहिनी हैं.
कारण (R) : हिमालय नदियों का उद्गम स्रोत हिमानियों में स्थित है.
(A) (A) गलत है और (R) सही है
(B) (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की पुष्टि करता है
(C) (A) तथा (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की पुष्टि नहीं करता है
(D) (A) सही और (R) गलत है

49. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

संरक्षित क्षेत्र	**जिसके लिए जाने जाते हैं**
1. भीतरकनिका, ओडिशा	–लवण जल मगर
2. मरुस्थल राष्ट्रीय उद्यान, राजस्थान	–महान भारतीय सारंग
3. एराविकुलम, केरल	–हुलुक गिबन

उपर्युक्त युग्मों में से कौनसा/से सही सुमेलित है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2
(D) 1, 2 और 3

50. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. दक्षिणी भारत से उत्तरी भारत की ओर मानसून की अवधि घटती है.
2. उत्तरी भारत के मैदानों में वार्षिक वृष्टि की मात्रा पूर्व से पश्चिम की ओर घटती है.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

51. पृथ्वी ग्रह की संरचना में, प्रावार (मैंटल) के नीचे, क्रोड (Core) निम्नलिखित में से किस एक से बना है ?
(A) ऐलुमिनियम
(B) क्रोमियम
(C) लौह
(D) सिलिकॉन

52. ज्वालामुखी उद्‌गार (Volcanic Eruptions) नहीं होते हैं—
(A) बाल्टिक सागर में
(B) काला सागर में
(C) कैरीबियन सागर में
(D) कैस्पियन सागर में

53. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

	प्रसिद्ध स्थान	नदी
1.	पंढरपुर	चंद्रभागा
2.	तिरुचिरापल्ली	कावेरी
3.	हम्पी	मालप्रभा

उपर्युक्त में से कौनसे युग्म सही सुमेलित हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

54. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिए तथा सूचियों के नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर चुनिए—

	सूची-I झील	सूची-II अवस्थिति
(a)	साला झील	1. अरुणाचल प्रदेश
(b)	बड़खल झील	2. हरियाणा
(c)	लोकटक झील	3. मणिपुर
(d)	कालीवेली झील	4. तमिलनाडु

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(d)
(A)	1	2	3	4
(B)	2	1	3	4
(C)	1	3	2	4
(D)	1	4	2	3

55. निम्नलिखित उच्चावच आकृतियों पर ध्यान दीजिए—
1. महादेव पर्वत शृंखला
2. मैकाल पर्वत शृंखला
3. छोटा नागपुर पठार
4. खासी की पहाड़ियाँ

उपर्युक्त उच्चावच आकृतियों का पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ते हुए सही क्रम बताइये—
(A) 1, 2, 3, 4 (B) 4, 3, 2, 1
(C) 2, 3, 4, 1 (D) 1, 3, 2, 4

56. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—

	पहाड़ियाँ	क्षेत्र
1.	काडमिम पहाड़ियाँ	–कोरोमण्डल तट
2.	कैमूर पहाड़ियाँ	–कोंकण तट
3.	महादेव पहाड़ियाँ	–मध्य भारत
4.	मिकिर पहाड़ियाँ	–पूर्वोत्तर भारत

उपर्युक्त युग्मों में से कौनसे सही सुमेलित हैं ?
(A) 1 और 2 (B) 2 और 3
(C) 3 और 4 (D) 2 और 4

57. पारिस्थितिक तंत्र के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. स्वपोषी (स्वपोषणज) स्तर पर उत्पादन को प्राथमिक उत्पादकता कहा जाता है.
2. द्वितीयक उत्पादकता का सन्दर्भ परपोषी (विषमपोषणज) स्तर के उत्पादन से है.

इनमें से सही कथन है/हैं—
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 तथा 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

58. पारितन्त्रों में खाद्य शृंखलाओं के सन्दर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. खाद्य शृंखला उस क्रम का निदर्शन करती है, जिसमें जीवों की एक शृंखला एक-दूसरे के आहार द्वारा पोषित होती है.
2. खाद्य शृंखला एक जाति की समष्टि के अन्तर्गत पाई जाती है.
3. खाद्य शृंखला उस प्रत्येक जीव की संख्याओं का, जो दूसरों के द्वारा खाई जाती है, निदर्शन करती है.

इन कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) 1, 2 और 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

59. किन्हीं कारणों वश यदि तितलियों की जाति (स्पीशीज) की संख्या में बड़ी गिरावट होती है, तो इसका/इसके सम्भावित परिणाम क्या हो सकता/सकते है/हैं ?
1. कुछ पौधों के परागण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है.
2. कुछ कृष्य पौधों में कवकीय संक्रमण प्रचंड रूप से बढ़ सकता है.
3. इसके कारण बर्रों, मकड़ियों और पक्षियों की कुछ प्रजातियों की समष्टि में गिरावट हो सकती है.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

60. निम्नलिखित में से कौनसा 'संरक्षित क्षेत्र' कावेरी बेसिन में स्थित है ?
1. नागरहोल राष्ट्रीय उद्यान
2. पापिकोंडा राष्ट्रीय उद्यान
3. सत्यमंगलम बाघ आरक्षित क्षेत्र
4. वायनाड वन्य जीव अभयारण्य

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1 और 2
(B) केवल 3 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

61. निम्नलिखित में से कौनसी विषुवतीय वनों की अद्वितीय विशेषता है/विशेषताएँ हैं ?
1. ऊँचे व घने वृक्षों की विद्यमानता जिनके किरीट निरन्तर वितान बनाते हों.
2. बहुत-सी जातियों का सह-अस्तित्व हो.
3. अधिपादपों की असंख्य किस्मों की विद्यमानता हो.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1 और 3
(D) 1, 2 और 3

62. निम्नलिखित में कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?

	संस्थान	अवस्थिति
(A)	अन्तर्राष्ट्रीय शस्य-वानिकी अनुसंधान केन्द्र	– नैरोबी
(B)	भारतीय वन प्रबन्ध संस्थान	– भोपाल
(C)	केन्द्रीय शस्य-वानिकी अनुसंधान संस्थान	– बाँदा
(D)	टाटा ऊर्जा अनुसंधान संस्थान	–नई दिल्ली

63. भारत में निम्नलिखित में से किस एक वन प्रारूप में सागौन (टीक) एक प्रभावी वृक्ष स्पीशीज है ?
(A) उष्णकटिबंधीय आर्द्र पर्णपाती वन
(B) उष्णकटिबंधीय वर्षा वन
(C) उष्णकटिबंधीय कँटीली झाड़ी वन
(D) घास स्थलयुक्त शीतोष्ण वन

64. केरल का कुट्‌टानाड (या कुट्‌टानाडु) प्रसिद्ध है—
(A) मीठे पानी की झील के लिए
(B) भारत का न्यूनतम ऊँचाई वाला क्षेत्र
(C) एक प्रवालद्वीप के लिए
(D) भारत के सबसे पश्चिम में स्थित बिन्दु के लिए

65. 25वें संशोधन अधिनियम, 1971 ने प्रावधान किया कि अनुच्छेद 39 (बी) या (सी) में निहित निदेशक सिद्धान्तों को प्रभावी करने के लिए बनाए गए किसी भी कानून को निम्नलिखित में से किस अनुच्छेद के तहत् गारंटीकृत अधिकारों

के उल्लंघन के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती है ?
(A) अनुच्छेद 15, 20 और 32
(B) अनुच्छेद 16, 18 और 29
(C) अनुच्छेद 14, 19 और 31
(D) अनुच्छेद 19, 24 और 26

66. राज्यसभा के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) राज्यसभा एक स्थायी निकाय है
(B) इसे 3 अप्रैल, 1952 को पहली बार विधिवत् गठित किया गया था
(C) राज्यसभा के बारह सदस्यों को राष्ट्रपति द्वारा नामित किया जाता है
(D) इसके एक-तिहाई सदस्य हर वर्ष सेवानिवृत्त होते हैं

67. भारत के राष्ट्रीय कैलेण्डर के बारे में निम्नलिखित कथनों पर ध्यान दीजिए—
1. भारत का राष्ट्रीय कैलेण्डर शक युग पर आधारित है, जिनकी तिथियों में ग्रेगोरियन कैलेण्डर की तिथियों के साथ स्थायी पत्राचार है.
2. चैत्र शुक्ल जिस पर नया वर्ष शुरू होता है, हर वर्ष 21 या 22 मार्च को हमेशा होता है.
3. एक लीप वर्ष में, भारत के राष्ट्रीय कैलेण्डर के शुरुआती 6 महीने 31 दिनों के हैं.

इनमें कौनसा/से सही हैं ?
(A) केवल 1 और 2
(B) 1, 2 और 3
(C) केवल 2 और 3
(D) केवल 1 और 3

68. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत का संविधान मंत्रियों को चार रैंकों में वर्गीकृत करता है, अर्थात् कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री, राज्य मंत्री और उप मंत्री.
2. प्रधानमंत्री सहित केन्द्र सरकार में मंत्रियों की कुल संख्या लोकसभा में सदस्यों की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए.

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) दोनों 1 और 2
(D) न तो 1 और न ही 2

69. "सरकार की सभी शक्तियाँ और सभी प्राधिकरण-विधायी, कार्यकारी और न्यायिक लोग लोगों से व्युत्पन्न होते हैं और इसका उपयोग इस संविधान के अनुसार या उसके तहत् स्थापित संगठनों के माध्यम से भारत के राष्ट्रमण्डल में किया जाएगा."
उपर्युक्त लेख निम्नलिखित में से लिया गया है (जिसे कुछ विद्वानों द्वारा "भारत के राष्ट्रमण्डल का संविधान" कहा गया है)—
(A) नेहरू रिपोर्ट
(B) भारत सरकार अधिनियम 1935
(C) वैकल्पिक प्रस्ताव
(D) 1924 में स्वराज पार्टी के प्रस्ताव

70. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. भारत का संविधान मंत्रियों को चार रैंकों में वर्गीकृत करता है, अर्थात् कैबिनेट मंत्री, स्वतंत्र प्रभार वाले राज्य मंत्री, राज्य मंत्री और उप मंत्री.
2. प्रधानमंत्री सहित केन्द्र सरकार में मंत्रियों की कुल संख्या लोकसभा में सदस्यों की कुल संख्या के 15 प्रतिशत से अधिक नहीं होनी चाहिए.

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) दोनों 1 और 2
(D) न तो 1 और न ही 2

71. भारत के संविधान के अनुच्छेद 355 के तहत् संघ का यह कर्त्तव्य है कि वह—
(A) बाहरी आक्रमण और आंतरिक अशांति से राज्यों की रक्षा करना
(B) संघ की कार्यकारी शक्तियों को किसी भी राज्य में विस्तारित करने की अनुमति दें
(C) घोषित करें कि किसी राज्य की विधायिका की शक्तियाँ संसद के अधिकार के तहत् या उसके अधीन प्रयोग की जा सकती हैं
(D) संसद को अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों की सूची में किसी जाति, मूलवंश या जनजाति को शामिल करने या बाहर करने की अनुमति दें

72. AFSPA पहली बार कहाँ लगाया गया ?
(A) मणिपुर में
(B) जम्मू-कश्मीर में
(C) पंजाब में
(D) 7 पूर्वोत्तर राज्यों में

73. बी. जी. वर्गीज समिति 1977 में किससे सम्बन्धित है ?
(A) दलबदल विरोध
(B) पंचायती राज अधिनियम
(C) प्रसार भारती अधिनियम
(D) केन्द्र-राज्य सम्बन्ध

74. संविधान के निम्नलिखित अनुच्छेदों पर ध्यान दीजिए—
1. अनुच्छेद 72–राष्ट्रपति की क्षमा शक्ति
2. अनुच्छेद 143–सुप्रीम कोर्ट के सलाहकार क्षेत्राधिकार
3. अनुच्छेद 360–वित्तीय आपातकाल से सम्बन्धित प्रावधान
4. अनुच्छेद (148–151)–भारत के अटॉर्नी जनरल की शक्तियाँ और कार्य

इनमें कौनसा मिलान सही है ?
(A) 1 और 3 (B) 1, 2 और 4
(C) 1, 2 और 3 (D) ये सभी

75. 'भारत ध्वज संहिता' के प्रावधानों के अनुसार भारतीय निकाय के मानकों को लागू करने के लिए निम्नलिखित निकायों में से कौनसा प्रभारी है ?
(A) गृह मंत्रालय
(B) विदेश मंत्रालय
(C) भारतीय मानक ब्यूरो
(D) सुप्रीम कोर्ट

76. मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी कब घोषित किया गया ?
(A) 1959 (B) 1961
(C) 1965 (D) 1963

77. अब तक कितने पूर्व राष्ट्रपतियों को 'भारत रत्न' से सम्मानित किया जा चुका है ?
(A) 2 (B) 3
(C) 6 (D) 5

78. निम्नलिखित पर ध्यान दीजिए—
1. करों की शुद्ध आय के शेयर आवंटित करना.
2. सहायता में अनुदान को नियंत्रित करने वाले सिद्धान्तों को नीचे रखना.
3. केन्द्र सरकार और राज्य सरकारों के बीच वित्तीय सम्बन्धों को देखना.

उपर्युक्त सभी कार्य किसके द्वारा किए जाते हैं ?
(A) आर्थिक कार्य सम्बन्धी मंत्रिमण्डल समिति
(B) राष्ट्रीय विकास आयोग
(C) वित्त आयोग
(D) योजना आयोग

79. राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अन्तर्राज्यीय परिषद् का प्रमुख कार्य क्या है ?
(A) राज्यों के मध्य उत्पन्न विवादों की जाँच करना और उन पर परामर्श देना
(B) कुछ या सभी राज्यों के अथवा एक से अधिक राज्यों के समान हित से सम्बन्धित विषयों की जाँच कर विचार-विमर्श करना

(C) उपर्युक्त विषयों विशेषकर इनमें सम्बन्धित नीति और कार्य के बेहतर समन्वय की सिफारिश करना
(D) उपर्युक्त सभी

80. संघीय प्रणाली का निम्नलिखित में से कौनसा लक्षण भारतीय राजनीतिक प्रणाली में नहीं पाया जाता है ?
(A) दोहरी नागरिकता
(B) संविधान की सर्वोच्चता
(C) परिसंघ और राज्य सरकारों के बीच शक्तियों का वितरण
(D) संविधान के निर्वाचन में न्यायालयों का प्राधिकार

81. 44वें संशोधन के पश्चात् राष्ट्रपति को निम्नलिखित परिस्थितियों में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने का अधिकार प्राप्त है—
(A) युद्ध, आन्तरिक गड़बड़ी या सैनिक उपद्रव के समय
(B) युद्ध, बाह्य आक्रमण या आन्तरिक अशांति से उत्पन्न परिस्थिति
(C) युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह से उत्पन्न परिस्थिति
(D) केवल युद्ध या बाह्य आक्रमण की स्थिति में

82. कोई व्यक्ति भारत के अटॉर्नी जनरल बनने की योग्यता प्राप्त कर लेता है, यदि वह निम्नलिखित में से किसकी योगयता प्राप्त कर ले ?
(A) सुप्रीम कोर्ट का मुख्य न्यायाधीश
(B) सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश
(C) हाईकोर्ट का मुख्य न्यायाधीश
(D) हाईकोर्ट का न्यायाधीश

83. भारतीय संविधान में प्रदत्त 'स्वतंत्रता का अधिकार' के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा सत्य नहीं है ?
(A) भारत में भ्रमण की स्वतंत्रता
(B) भाषण व अभिव्यक्ति की अबाधित स्वतंत्रता
(C) संघ बनाने की स्वतंत्रता
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

84. संविधान सभा में प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव में अभिव्यक्ति विचार को भारतीय संविधान के किस भाग में पूर्णतः शामिल किया—
(A) मौलिक अधिकार
(B) राज्य के नीति निदेशक तत्व
(C) मूल कर्त्तव्य
(D) प्रस्तावना

85. करों और सरकारी कामकाज के निर्वाह में हुई अन्य प्राप्तियों से संघीय सरकार को प्राप्त हुआ समूचा राजस्व जमा होता है—
(A) भारत की आकस्मिकता निधि (Contingency Fund of India) में
(B) लोक लेखे (Public Account) में
(C) भारत की संचित निधि (Consolidated Fund of India) में
(D) निक्षेप तथा अग्रिम निधि (Deposits and Advances Fund) में

86. लेखानुमोदन (Vote on Account) और अंतरिम बजट (Interim Budget) के बीच क्या अन्तर है ?
1. स्थायी सरकार लेखानुमोदन के प्रावधान का प्रयोग करती है, जबकि कार्यवाहक सरकार अंतरिम बजट के प्रावधान का प्रयोग करती है.
2. लेखानुमोदन सरकार के बजट के व्यय पक्ष मात्र से सम्बद्ध होता है, जबकि अंतरिम बजट में व्यय तथा आवती दोनों सम्मिलित होते हैं.

उपर्युक्त में से कौनसा/कौनसे कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

87. सरकार के समावेशित वृद्धि लक्ष्य को आगे से जाने में निम्नलिखित में से कौनसा/कौनसे कार्य सहायक साबित हो सकते हैं ?
1. स्व-सहायता समूहों (सेल्फ-हैल्प ग्रुप्स) को प्रोत्साहन देना.
2. सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों को प्रोत्साहन देना.
3. शिक्षा का अधिकार अधिनियम लागू करना.

निम्नलिखित कूटों के आधार पर सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल 1
(B) केवल 1 और 2
(C) केवल 2 और 3
(D) 1, 2 और 3

88. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. मुद्रास्फीति ऋणियों को लाभ पहुँचाती है.
2. मुद्रास्फीति बॉण्डधारकों को लाभ पहुँचाती है.

उपर्युक्त कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

89. बढ़ती शहरी रोजगार के परिप्रेक्ष्य में ग्रामीण-शहरी पलायन से सम्बन्धित विरोधाभास की निम्नलिखित में से कौनसा मॉडल व्याख्या करता है ?
(A) सोलो मॉडल
(B) लेविस मॉडल
(C) वकील और ब्रह्मानंद मॉडल
(D) टोडरो मॉडल

90. फिलिप्स वक्र निम्नांकित में से किसके मध्य सम्बन्ध (Relation) स्थापित करता है ?
(A) कर और मुद्रास्फीति
(B) मुद्रास्फीति और बेरोजगारी
(C) मुद्रा आपूर्ति और कुल माँग
(D) उत्पादन का मूल्य और लागत

91. नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी लिमिटेड (NARCL) के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
1. NARCL को कम्पनी अधिनियम के तहत् स्थापित किया गया है.
2. इसे रिजर्व बैंक द्वारा एसेट रिकंस्ट्रक्शन कम्पनी के रूप में लाइसेंस दिया गया है.
3. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक और सरकारी स्वामित्व वाले वित्तीय संस्थान NARCL की न्यूनतम 51 प्रतिशत ईक्विटी शेयर रखते हैं.
4. ₹ 500 करोड़ और उससे अधिक के कुल सुरक्षित बकाया जोखिम के साथ एनएआरसीएल शुरू में लगभग ₹ 2 लाख करोड़ के एनपीए का अधिग्रहण करेगा.

उपर्युक्त में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
(A) केवल 1 और 4
(B) केवल 2 और 3
(C) केवल 1, 2 और 3
(D) 1, 2, 3 और 4 सभी

92. दीर्घ अवधि में, अस्थायी उपभोग—
(A) अनंत (Infinity) होगा
(B) अपरिवर्तित होगा
(C) उसमें गिरावट होगी, मगर वह धनात्मक बना रहेगा
(D) शून्य (Zero) होगा

93. आयुष्मान भारत योजना से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए—
1. यह कार्यक्रम, देश के निर्धनतम लोगों की सहायता करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है.
2. इससे देश के 90 प्रतिशत जनसंख्या को लाभ मिलेगा.
3. यह योजना अस्पताल में भर्ती होने के द्वितीयक और तृतीयक स्तर को कवर करेगी.

4. इस योजना का लाभ पूरे देश में मिलेगा और योजना के अन्तर्गत कवर किए गए लाभार्थी को पैनल में शामिल देश के किसी भी सरकारी/निजी अस्पताल से कैशलेस लाभ लेने की अनुमति होगी.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

(A) केवल 1 और 3
(B) केवल 2 और 4
(C) केवल 3
(D) उपर्युक्त सभी

94. नीति आयोग के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?

(A) नीति आयोग की स्थापना 1 जनवरी, 2015 को योजना आयोग के स्थान पर की गई है

(B) नीति आयोग केन्द्र सरकार द्वारा राज्यों की विवेकाधीन अनुदान स्वीकृत करने की रूपरेखा तैयार करता है

(C) नीति आयोग केन्द्र सरकार का थिक टैंक है

(D) नीति आयोग एक परामर्शदात्री निकाय है

95. 'वेंचर कैपिटल' से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए—

1. यह छोटे और मझोले कारोबारियों के लिए फंड जुटाने का अहम् जरिया है.
2. वेंचर कैपिटलिस्ट्स कम्पनी के प्रबंधन में एक्टिव रहते हैं और बतौर अच्छे बैंकर्स, टेक्नोलॉजिस्ट्स, प्लानर और मैनेजर्स अपनी विशेषज्ञता समेत क्वालिटी से जुड़ी सलाह देते रहते हैं.

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिए—

(A) केवल 2 (B) 1 और 2
(C) 1 और 3 (D) ये सभी

96. शुद्ध निर्यात बराबर होता है—

(A) निर्यात × आयात
(B) निर्यात + आयात
(C) निर्यात – आयात
(D) केवल सेवाओं का निर्यात

97. 'लिबोर' से सम्बन्धित निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए—

1. लिबोर का मतलब है लन्दन इंटर बैंक ऑफर्ड रेट.
2. लिबोर अन्तर्राष्ट्रीय बाजार में एक प्रचलित ब्याज दर है.
3. बैंक जिस ब्याज दर पर एक-दूसरे से उधार लेते हैं, उसे लिबोर कहते हैं.

ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सत्य हैं ?

(A) केवल 1 (B) केवल 1 और 3
(C) केवल 2 (D) 1, 2 और 3

98. राजस्व व्यय में शामिल व्यय हैं—

1. माल और सेवाओं की खपत पर सरकार द्वारा व्यय.
2. कृषि और औद्योगिक विकास, वैज्ञानिक अनुसंधान, शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक सेवाओं पर व्यय.
3. रक्षा और नागरिक प्रशासन पर व्यय.
4. निर्यात और विदेश मामलों पर व्यय.

उपर्युक्त दिए गए कथनों में से कौनसा/से कथन सही है/हैं ?

(A) केवल 1
(B) 1 और 3
(C) 1, 2 और 4
(D) 1, 2, 3 और 4

99. उत्पादक कीमत सूचकांक मापता है—

(A) उत्पादित वस्तुओं और सेवाओं की कीमत के औसत परिवर्तन को

(B) उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमत के मामूली परिवर्तन को

(C) उत्पादित वस्तुओं एवं सेवाओं की कीमत में कुल परिवर्तन को

(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

100. चुनावी बॉण्ड (Electrol Bond) चर्चा का मुख्य विषय रहे, के सन्दर्भ में सत्य कथन का चुनाव कीजिए—

1. ये बॉण्ड ब्याज मुक्त बैंकिंग प्रपत्र होंगे.
2. ये बॉण्ड जनवरी, अप्रैल, जुलाई, अक्टूबर महीने में 10 दिनों के लिए खरीद हेतु उपलब्ध होंगे.
3. इन बॉण्डों की समय सीमा 15 दिन की होगी.
4. इन बॉण्डों की रूपरेखा की अधिसूचना 2 जनवरी, 2018 वित्त मंत्रालय द्वारा जारी की गई.

कूट :

(A) 1, 2 (B) 1, 2, 3
(C) 1, 2, 4 (D) 1, 2, 3,

उत्तर व्याख्या सहित

1. (D) सूखी बर्फ कार्बन डाइऑक्साइड का ठोस रूप है, इसका उपयोग आमतौर पर आइसक्रीम, जमे हुए डेसर्ट आदि जैसे खाद्य उत्पादों के लिए शीतलन एजेंट के रूप में किया जाता है, लेकिन अगर इसका ठीक से उपयोग न किया जाए, तो यह गम्भीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा कर सकती है.

2. (A) हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मध्य प्रदेश में 'विक्रमोत्सव' उत्सव के हिस्से के रूप में उज्जैन में वैदिक घड़ी का उद्घाटन किया. विक्रमादित्य वैदिक घड़ी दुनिया की पहली 'वैदिक घड़ी' है, जिसे प्राचीन भारतीय पारम्परिक पंचांग समय गणना प्रणाली के अनुसार समय प्रदर्शित करने के लिए डिजाइन किया गया है. यह भारतीय मानक समय (आईएसटी) और ग्रीनविच मीन टाइम (जीएमटी) दोनों को इंगित करता है. घड़ी एक सूर्योदय से दूसरे सूर्योदय तक के समय की गणना करती है और दो सूर्योदयों के बीच की अवधि को 30 भागों में विभाजित करती है.

मध्य प्रदेश के उज्जैन में जंतर मंतर के भीतर 85 फुट ऊंचे टॉवर पर स्थित, घड़ी समय निर्धारण में भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक के रूप में कार्य करती है. घड़ी न केवल समय दिखाती है, बल्कि ग्रहों की स्थिति, मुहूर्त, ज्योतिषीय गणना और भविष्यवाणियों के बारे में भी जानकारी प्रदान करती है.

3. (D) हाल ही में, भारतीय प्राणी सर्वेक्षण (ZSI) ने पश्चिम बंगाल और ओडिशा के तटों पर रूबी लाल धब्बे वाले हेड-शील्ड समुद्री स्लग की एक नई प्रजाति की खोज की है, जिसे राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के सम्मान में मेलानोक्लामिस द्रौपदी नाम दिया गया है. इसके रूपात्मक लक्षणों में छोटा, कुंद, चिकनी पृष्ठीय सतह वाला बेलनाकार शरीर और दो पृष्ठीय ढाल—पूर्वकाल मस्तक और पश्च ढाल शामिल हैं. यह एक छोटा अकशेरुकी प्राणी है जिसकी अधिकतम लम्बाई 7 मिमी तक होती है और यह भूरे काले रंग का होता है और इसके पिछले सिरे पर एक प्रमुख रूबी लाल धब्बा होता है.

मेलानोक्लामिस द्रौपदी का प्रजनन चक्र नवम्बर और जनवरी के महीनों के बीच होता देखा गया है. इस समूह की प्रजातियाँ आम तौर पर इंडो-पैसिफिक महासागरीय क्षेत्र के समशीतोष्ण क्षेत्रों में वितरित की जाती हैं, लेकिन तीन प्रजातियाँ वास्तव में उष्णकटिबंधीय वितरित हैं, थाईलैंड की खाड़ी से मेलानोक्लामिस पैपिलाटा, पश्चिम बंगाल और ओडिशा तट से मेलानोक्लामिस बेंगालेंसिस और वर्तमान प्रजातियाँ.

4. (D) ULLAS (समाज में सभी के लिए आजीवन सीखने को समझना) पहल का उद्देश्य साक्षरता अंतराल को समाप्त करना तथा 15 वर्ष और उससे अधिक आयु के नागरिकों के बीच आजीवन

सीखने को बढ़ावा देना है. कार्यक्रम डिजिटल साक्षरता, वित्तीय जागरूकता और आवश्यक जीवन कौशल पर भी जोर देता है. भारत सरकार ने सभी के लिए शिक्षा (जिसे पहले वयस्क शिक्षा कहा जाता था) के सभी पहलुओं को कवर करने के लिए वित्तीय वर्ष 2022–2027 की अवधि के लिए ULLAS पहल को मंजूरी दे दी है. यह कार्यक्रम अखिल भारतीय शिक्षा समागम (एबीएसएस) के तहत है.

5. (D) संयुक्त सैन्य अभ्यास 'एक्सरसाइज मित्र शक्ति-2023' (Exercise MITRA SHAKTI-2023) के 9वें संस्करण का आयोजन पुणे, भारत में किया गया. इसका आयोजन 16 से 29 नवम्बर, 2023 तक किया गया. इसमें भारत का प्रतिनिधित्व मुख्य रूप से मराठा लाइट इन्फैंट्री रेजिमेंट के सैनिकों द्वारा किया गया.
6. (D) डेरियन गैप उत्तरी कोलंबिया और दक्षिणी पनामा के बीच स्थित है. डेरियन गैप पैन-अमेरिकन हाईवे की निरंतरता को बाधित करता है, जो उत्तर और दक्षिण अमरीका को जोड़ने वाली सड़क प्रणाली है. अपनी चुनौतियों के बावजूद, डेरियन गैप वैश्विक मानव प्रवास का एक प्रमुख मार्ग बन गया है, खासकर संयुक्त राज्य अमरीका में शरण चाहने वाले व्यक्तियों के लिए.
7. (C)
8. (D) गुजरात राज्य को 100 प्रतिशत 'हर घर जल' घोषित किया गया है. भारत में स्कूलों और आँगनबाड़ी केन्द्रों में नल का स्वच्छ जल उपलब्ध कराकर बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण को सुनिश्चित करने के लिए, प्रधानमंत्री ने 100 दिनों के अभियान की घोषणा की थी. जल जीवन मिशन का आदर्श वाक्य 'कोई भी छूटा नहीं है' है, इसका लक्ष्य हर घर को उसकी सामाजिक-आर्थिक स्थिति को मजबूत करना है.
9. (B) बिडेनोमिक्स रीगनॉमिक्स पर एक वर्डप्ले है, जो रीगन प्रशासन की आर्थिक नीतियों का उपनाम है, जिसमें चार स्तंभों पर जोर दिया गया है : कर में कटौती, विनियमन, घरेलू खर्च में कटौती और मुद्रास्फीति में कमी.
10. (C) कर्नाटक स्थित 'होयसल के पवित्र मंदिर समूह' बेलूर, हलेबिड और सोमनाथपुरा के होयसल मंदिरों को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल किया गया है. इससे पहले पश्चिम बंगाल के शांतिनिकेतन को इस लिस्ट में शामिल किया गया था. इसके साथ ही भारत में यूनेस्को विश्व धरोहरों की संख्या बढ़कर 42 हो गयी है. होयसल मंदिर 12वीं-13वीं शताब्दी में बनाए गए थे, जो कला एवं साहित्य के संरक्षक माने जाने वाले होयसल राजवंश की राजधानी थी.
11. (D) भारतीय दंड संहिता (IPC) व्यापक रूप से आपराधिक कार्यों और उनके सम्बन्धित दण्डों की रूपरेखा तैयार करती है, जिससे वास्तविक आपराधिक कानून बनता है, जो विभिन्न प्रकार के अपराधों को समाहित करता है. आपराधिक प्रक्रिया संहिता (CrPC) आपराधिक अपराधों की जाँच, परीक्षण और सजा में शामिल प्रक्रियाओं को चित्रित करती है.
12. (A)
    - कमचटका प्रायद्वीप रूसी सुदूर पूर्व में स्थित है, जो प्रशांत महासागर तक फैला हुआ है. यह पश्चिम में ओखोटस्क सागर, पूर्व में बेरिंग सागर और दक्षिण-पूर्व में प्रशांत महासागर से घिरा हुआ है. कमचटका प्रायद्वीप अपनी ज्वालामुखी गतिविधि और विविध पारिस्थितिक तंत्र के लिए जाना जाता है.
    - आइबेरियन प्रायद्वीप दक्षिण-पश्चिमी यूरोप में स्थित है और दो देशों, स्पेन और पुर्तगाल द्वारा साझा किया जाता है. यह अटलांटिक महासागर और भूमध्य सागर से घिरा हुआ है. पाइरेनीज पर्वत उत्तर में आइबेरियन प्रायद्वीप और शेष यूरोप के बीच प्राकृतिक सीमा बनाते हैं. जिब्राल्टर जलसंधि इसे उत्तरी अफ्रीका से दक्षिण तक अलग करती है.
    - डेक्कन प्रायद्वीप दक्षिणी भारत में एक बड़ा भू-भाग है, जो सतपुड़ा और विंध्य पर्वत श्रृंखलाओं द्वारा शेष भारतीय उपमहाद्वीप से अलग किया गया है. यह पश्चिम में अरब सागर, पूर्व में बंगाल की खाड़ी और दक्षिण में हिंद महासागर से घिरा हुआ है. दक्कन का पठार, प्रायद्वीप का एक महत्वपूर्ण हिस्सा, अपने विविध परिदृश्यों के लिए जाना जाता है.
    - लैब्राडोर प्रायद्वीप पूर्वी कनाडा में स्थित है और बड़े लैब्राडोर क्षेत्र का हिस्सा है, जो मुख्य रूप से न्यूफाउंडलैंड और लैब्राडोर प्रांत में है. यह पूर्व में लैब्राडोर सागर, पश्चिम में हडसन की खाड़ी और दक्षिण पश्चिम में क्यूबेक मुख्य भूमि से घिरा है.
13. (D)
14. (A) हाल ही में भारत टेलीकॉम 2024 के दौरान 'भारत 5जी पोर्टल' का अनावरण किया. यह व्यापक मंच 5जी और 6जी से सम्बन्धित सभी चीजों के लिए वन-स्टॉप समाधान है, जो 5जी, 6जी, आईपीआर और क्वांटम प्रौद्योगिकी जैसे डोमेन में स्टार्टअप, उद्योग और शिक्षाविदों को सेवाएँ प्रदान करता है.
15. (C) हाल ही में, एक फोटोग्राफर ने चिली अंटार्कटिका क्षेत्र में एक अत्यंत दुर्लभ सफेद जेंटू पेंगुइन देखा है. यह विशेष रूप से दक्षिणी गोलार्द्ध में 45 और 65 डिग्री दक्षिणी अक्षांश के बीच पाया जाता है. जेंटू पेंगुइन और अन्य पेंगुइन प्रजातियों के बीच मुख्य अंतर उनके सिर के निशान हैं. जेंटूज की आँखों के चारों ओर दो सफेद वेजेज होते हैं, जो उनके सिर के शीर्ष पर एक मध्यम आकार की रेखा से जुड़े होते हैं. इसे IUCN रेड लिस्ट में सबसे कम चिंताजनक के रूप में सूचीबद्ध किया गया है.
16. (B)
17. (C) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एक वैश्विक भागीदारी (GPAI) है, इसे पन्द्रह सदस्य देशों ने एक साथ जून 2020 में लॉन्च किया गया था. संस्थापक सदस्यों में ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इटली, जापान, मेक्सिको, न्यूजीलैण्ड, कोरिया गणराज्य, सिंगापुर, स्लोवेनिया, यूके, अमरीका और यूरोपीय संघ शामिल हैं. अतः कथन 1 सही नहीं है एवं कथन 3 सही है.
    अनुसंधान संगोष्ठी, जिसका विषय "सार्वजनिक क्षेत्र के अनुप्रयोगों में जिम्मेदार एआई को आगे बढ़ाना" है, का उद्देश्य वैश्विक एआई विशेषज्ञों, शिक्षाविदों और चिकित्सकों को एकजुट करना है. यह जीपीएआई के व्यापक लक्ष्यों के साथ संरेखित, जिम्मेदार एआई को बढ़ावा देने वाले कार्यवाही योग्य अनुसंधान प्रस्तुत करने का एक अवसर है.
18. (B) भारतीय नौसेना ने अपनी परिचालन क्षमताओं को प्रदर्शित करने के लिए नौसेना दिवस पर महाराष्ट्र के सिंधु दुर्ग किले में एक विशाल 'ऑपरेशनल प्रदर्शन' किया. यह एक मध्ययुगीन किला है, जो पश्चिमी भारत में महाराष्ट्र के तट पर अरब सागर पर स्थित है. यह गढ़ मुम्बई से 450 मील दक्षिण में, महाराष्ट्र के कोंकण क्षेत्र में सिंधु दुर्ग जिले के मालवन शहर के किनारे, कुर्ते द्वीप पर स्थित है. मराठा साम्राज्य के छत्रपति शिवाजी महाराज ने किले का निर्माण कराया था. किले का निर्माण 1664 में शुरू हुआ

और इसे पूरा होने में 3 वर्ष लगे. यह 48 एकड़ में फैला हुआ है, जिसकी किलेदार दीवारें 29 फीट ऊँची और 12 फीट मोटी हैं और दो मील तक फैली हुई हैं.

19. (A)
- सोलिगा, कर्नाटक के चामराजनगर जिले में स्थित बीआर हिल्स की प्रमुख स्वदेशी जनजाति हैं. सोलिगास ने अर्द्ध-खानाबदोश जीवन व्यतीत किया है और स्थानांतरित खेती में लगे हुए थे.
- बेट्टा कुरुम्बा जनजाति, कई जातीय समूहों में से एक है, जो दक्षिणी भारत के नीलगिरि-वायनाड क्षेत्र में रहते हैं. उनकी घरेलू सीमा कर्नाटक, केरल और तमिलनाडु राज्यों तक फैली हुई है.
- केरल के वायनाड में सबसे बड़ी आबादी पनियार जनजाति की है, जिसे पनियार/पनियान के नाम से भी जाना जाता है. वे केरल के वायनाड, कन्नूर, कोझिकोड और मलप्पुरम जिलों और कर्नाटक के कूर्ग और तमिलनाडु के नीलगिरि के निकटवर्ती जिलों में पाए जाते हैं. पनिया शब्द का मूलतः अर्थ है 'कोई व्यक्ति, जो काम करता है' या 'श्रमिक'. अतः केवल युग्म 1 सही सुमेलित है.

20. (C) चक्रवात मिचौंग एक उष्णकटिबंधीय चक्रवात था, जिसकी दिशा पश्चिम बंगाल की खाड़ी में उत्तर-पश्चिम की ओर थी. 'माइचौंग' का नाम म्यांमार द्वारा दिए गए सुझाव के आधार पर रखा गया है. इसका अर्थ है ताकत और लचीलापन.

21. (D) यह एक विदेशी मुद्रा उपकरण है, जिसका उपयोग RBI द्वारा INR के बदले USD बेचने के लिए किया जाता है और कुछ वर्षों के बाद बैंकों से डॉलर खरीदने का वादा किया जाता है. केवल अधिकृत डीलर (एडी) श्रेणी 1 बैंक ही USD/INR सेल बाय स्वैप की नीलामी में भाग लेने के लिए पात्र संस्थाएँ होंगी.

22. (A) कच्चातिवू पाक जलडमरूमध्य में एक निर्जन अपतटीय द्वीप है. यह द्वीप नेदुनथीवु, श्रीलंका और रामेश्वरम, भारत के बीच स्थित है. 1974 में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री, इंदिरा गाँधी ने पाक जलडमरूमध्य में समुद्री सीमाओं को हल करने के उद्देश्य से "भारत-श्रीलंकाई समुद्री समझौते" के तहत् कच्चातिवु को श्रीलंकाई क्षेत्र के रूप में स्वीकार किया.

23. (B) हॉकी मध्य प्रदेश ने बिरसा मुंडा हॉकी स्टेडियम में फाइनल में हॉकी चंडीगढ़ को हराकर 13वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष राष्ट्रीय चैम्पियनशिप 2023 जीत ली. वहीं हरियाणा की टीम ने प्रतियोगिता में तीसरा स्थान हासिल किया. मध्य प्रदेश की ओर से श्रेयस धूपे (17', 46'), मोहम्मद कोनैन दाड (25') और अली अहमद (52') ने गोल किए.

24. (B) नेहरू मेमोरियल म्यूजियम एण्ड लाइब्रेरी सोसाइटी (NMML), नई दिल्ली का नाम बदलकर पीएम मेमोरियल म्यूजियम एण्ड लाइब्रेरी सोसाइटी कर दिया गया है. रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अध्यक्षता में NMML सोसायटी की एक विशेष बैठक के दौरान यह निर्णय लिया गया. पीएम मोदी ने 2016 में तीन मूर्ति परिसर, नई दिल्ली में भारत के सभी प्रधानमंत्रियों को समर्पित एक संग्रहालय स्थापित करने का विचार रखा था.

25. (B) शक गुजरात, काठियावाड़ तथा पश्चिमी मालवा पर शासन करते थे. इन शकों का उच्छेद कर उनके राज्य को गुप्त साम्राज्य में सम्मिलित करना चंद्रगुप्त द्वितीय की सर्वाधिक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी. चंद्रगुप्त की शक-विजय का प्रबल प्रमाण उसकी रजत-मुद्राएँ हैं. उसने शक-महाक्षत्रपों को जीतने के बाद विजित क्षेत्रों में पुरानी शक-मुद्राओं के अनुकरण पर रजत मुद्राओं का प्रचलन करवाया. इन रजत मुद्राओं के मुख भाग पर राजा की और पृष्ठ भाग पर गरुड़ की आकृति उत्कीर्ण है तथा 'परमभागवत महाराजाधिराज श्रीचंद्रगुप्त विक्रमादित्य' तथा 'श्रीगुप्तकुलस्यमहाराजाधिराज श्रीगुप्त विक्रमांकाय' लेख मिलते हैं.
जहाँ तक चाँदी के सिक्कों का प्रश्न है समुद्रगुप्त के काल में हम नहीं पाते हैं. चाँदी के सिक्कों का प्रचलन चन्द्रगुप्त द्वितीय ने किया जिसका वनज लगभग 33-2631 ग्रेन तक का है. कुमारगुप्त प्रथम के काल के रजत सिक्के कठियावाड़, गुजरात, वल्लभी जूनागढ़, अहमदाबाद एवं आधुनिक उत्तर प्रदेश एवं मध्य प्रदेश के क्षेत्रों में मिले हैं. गिरनार प्रशस्ति के अनुसार स्कन्दगुप्त ने भी रजत सिक्के चलाए थे. बुद्धगुप्तकालीन चाँदी के सिक्के 33 से 36·5 तक के काशी आदि क्षेत्रों से पाए गए हैं.

26. (B) भारत सचिव लॉर्ड बर्केन हैड की चुनौती को स्वीकार करते हुए पं. **मोतीलाल नेहरू** की अध्यक्षता में हिन्दू महासभा, मुस्लिम लीग सहित लगभग 29 दलों के समर्थन से समिति ने **28 अगस्त, 1928 को नेहरू रिपोर्ट** प्रस्तुत की. इसमें भारत के लिए 'पूर्ण स्वतन्त्रता' (Complete Independence) का प्रस्ताव नहीं था अपितु **भारत को अधिराज्य** (Dominion State) का दर्जा दिया जाने का प्रस्ताव रखा गया था.

27. (B) तमिलनाडु में गाँधीवादी नेता सी. राजगोपालाचारी ने तिरुचेनगोद आश्रम से त्रिचुरापल्ली के वेदारण्यम तक नमक यात्रा की. उन्होंने अप्रैल 1930 में तंजौर तट पर नमक सत्याग्रह का भी नेतृत्व किया.

28. (C) **'दी मैन हू डिवाइडेड इण्डिया'** पुस्तक के लेखक **डॉक्टर रफीक जकारिया** हैं.

29. (C) मार्च 1564 ई. में अकबर ने सभी गैर मुसलमानों को जजिया कर से मुक्त कर दिया था, जो उनकी आय के अनुसार लिया जाता था. इसके बदले में राज्य की ओर से उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाती थी. 1575 ई. में अकबर ने पुनः जजिया कर हिन्दुओं पर लगा दिया, लेकिन कुछ समय बाद 1579-80 में पुनः जजिया को समाप्त कर दिया. औरंगजेब ने भी गैर मुसलमानों पर 1679 ई. में जजिया कर लगा दिया था.

30. (D) सही सुमेल है.

31. (C) नंलविर दिव्य प्रबंधन नामक ग्रंथ में नाथमुनि ने अलवार कविताओं का संग्रह किया. ध्यातव्य है कि मदुरा में तमिल कवियों के संगम का सर्वप्रथम उल्लेख इरैयनार अनुप्पोरूल भाष्प की भूमिका में मिलाता है.

32. (A)

33. (C) इतिहासकार ईश्वरीप्रसाद ने 'मनोवैज्ञानिक इतिहास का उपयोग करते हुए यह सिद्ध किया था कि मुहम्मद बिन तुगलक पागल नहीं था, जैसाकि पहली बार एल्फिस्टन ने कहा था, बल्कि वह दिल्ली सल्तनत का सबसे योग्य एवं शिक्षित शासक था.

34. (D)

35. (B) ऑल इण्डिया वुमैन कॉन्फ्रेन्स की स्थापना 1926 ई. में हुई थी. इसके पीछे मार्गरेट कुसिन्स उत्साहवर्धक नेता थीं. इस संगठन ने लम्बे समय तक प्रयास करके महिलाओं को उत्पीड़न से मुक्ति दिलाई.

36. (C) ऋग्वेद में **'धर्म'** शब्द विधि (Laws) के अर्थ में प्रयुक्त हुआ है. इसका सम्बन्ध नैतिकता से है. धर्म के अतिरिक्त दूसरा शब्द **'ऋत्'** मिलता है, 'ऋत्' का अर्थ विश्व की नैतिक एवं भौतिक व्यवस्था से माना जाता है. 'ऋत्' का अर्थ है **'सत्य तथा अविनाशी सत्ता'**.

37. (B) स्वामी दयानंद द्वारा आर्य समाज की स्थापना
– 10 अप्रैल, 1875 को उन्होंने मुम्बई में
दीनबंधु मित्र द्वारा नीलदर्पण का लेखन – 1858-59
बंकिमचन्द्र चट्टोपाध्याय द्वारा आनंदमठ का लेखन – 1882
सत्येन्द्रनाथ टैगोर द्वारा इण्डियन सिविल सर्विस परीक्षा में सफलता –1863

38. (B) लॉर्ड चैम्सफोर्ड की 'वार कॉन्फ्रेंस' में महात्मा गाँधी ने विश्व युद्ध के लिए भारतीयों की भर्ती के लिए भारतीयों की भर्ती से सम्बन्धित प्रस्ताव का न केवल समर्थन किया, बल्कि भारतीयों को सेना में भर्ती के लिए प्रोत्साहन किया. इसी कारण उन्हें 'भर्ती वाला सार्जेन्ट' भी अभिहित किया जाता है.

39. (B) **बाराबर की शैल गुफाएँ—**बाराबर पहाड़ियों पर चार गुफाएँ हैं—कारण चौपड़, लोमस ऋषि, सुदामा एवं विश्व झोपड़ी सुदामा एवं लोमस ऋषि गुफाएँ भारतीय वास्तुशास्त्र के प्राचीनतम उदाहरण हैं, जो मौर्यकाल की ओर संकेत करते हैं.
एलोरा गुफाएँ—अजन्ता एलोरा गुफाओं का एक भाग एलोरा जिसे स्थानीय भाषा में वेरुल लेनी भी कहते हैं. यह औरंगाबाद चालीस गाँव मार्ग पर उत्तर-पश्चिमी औरंगाबाद से 30 किमी की दूरी पर है. यहाँ हिन्दुओं एवं जैनों के कई मन्दिर तथा बौद्ध गुफाएँ हैं.

40. (A) 41. (B) 42. (C)

43. (B) द्वितीय गोलमेज सम्मेलन लन्दन में **7 सितम्बर, 1931** से **1 दिसम्बर, 1931** तक चला. इसमें कांग्रेस के एकमात्र प्रतिनिधि के रूप में गाँधीजी ने भाग लिया था. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन साम्प्रदायिक समस्या पर विवाद के कारण पूरी तरह असफल रहा. दलित नेता भारतीय अम्बेडकर ने दलितों के पृथक् निर्वाचन मण्डल की सुविधा की माँग की, जिसे गाँधीजी ने अस्वीकार कर दिया. अन्ततः साम्प्रदायिक गतिरोध के कारण सम्मेलन को 1 दिसम्बर को समाप्त घोषित कर दिया.
सर तेज बहादुर सप्रू तथा सर मुहम्मद शफी ने प्रथम गोलमेज सम्मेलन में भाग लिया था, किन्तु भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रतिनिधि के रूप में नहीं. सर तेज बहादुर सप्रू तथा मुहम्मद शफी क्रमशः इण्डियन लिबरल फेडरेशन एवं मुस्लिम लीग के प्रतिनिधि थे. प्रथम गोलमेज सम्मेलन में कांग्रेस ने भाग नहीं लिया था. द्वितीय गोलमेज सम्मेलन में मदनमोहन मालवीय और एनी बेसेन्ट ने खुद के खर्चे पर हिस्सा लिया था.

44. (D) 'सिजदा' (दण्डवत्) तथा 'पैबोस' (सम्राट के पैर चूमना) जो एक ईरानी परम्परा थी, की शुरुआत् बलबन ने की थी. बलबन पहला सुल्तान था जिसने राजत्व के सिद्धान्त का प्रतिपादन किया. उसने राजस्व को 'नियात्रत-खुदाई' (ईश्वर द्वारा प्रदत्त) तथा राजा को 'जिल्ले-इलाही' (ईश्वर की छाया) कहा. उसने स्वयं को अफरासियाव का वंशज घोषित किया एवं 'नौरोज' त्योहार का प्रारम्भ किया. बलबन ने 'दीवान-ए-अर्ज' नामक पृथक् सैन्य विभाग का गठन किया. उसकी नीति 'लौह एवं रक्त' पर आधारित थी.
चाँदी का 'टंका' तथा ताँबे का 'जीतल' मुद्रा का प्रचलन इल्तुतमिश ने किया था. इल्तुतमिश ने पहली बार सिक्के का मानकीकरण किया.

45. (B) नंदादेवी चोटियाँ कुमायूँ हिमालय का भाग है. सतलुज और काली नदियों के बीच स्थित हिमालय के हिस्से को कुमाऊँ हिमालय के नाम से जाना जाता है.
वृहद् हिमालय का विस्तार पश्चिम में नंगा पर्वत से लेकर पूर्व में नामचा बारवा चोटी तक विस्तृत है, जबकि नामचा बारवा पर्वत श्रेणी तिब्बत के अन्तर्गत आती है.

46. (A) अण्डमान-निकोबार के समुद्री जीव-जन्तुओं में डूगॉन्स, डॉल्फिन, ह्वेल, साल्ट वाटर क्रोकोडाइल (लवण जल मगरमच्छ), समुद्री कछुआ, समुद्री साँप आदि सामान्य रूप में पाए जाते हैं. श्रू एवं टैपीर विशाल हिमालय शृंखला में पाए जाते हैं न कि मालाबार क्षेत्र में.

47. (B) पारिस्थितिक तन्त्र में ऊर्जा का प्रवाह अजैविक प्रणाली से जैविक प्रणाली की दिशा में होता है. ऊष्मागतिकी के दूसरे नियम के अनुसार, जब ऊर्जा एक पोषण स्तर से अन्य स्तर में स्थान परिवर्तन करती है, तब उसका कुछ ह्रास होता है, अर्थात् हर पोषण स्तर पर उपलब्ध ऊर्जा की मात्रा घटती जाती है.

48. (B) हिमालय से निकलने वाली सभी नदियाँ सतत् वाहिनी हैं, इसका प्रमुख कारण इन नदियों के उद्गम स्रोत का हिमानियों में स्थित होना है. हिमालय अपनी वर्षा का अधिकांश भाग दक्षिण-पश्चिम मानसून से ही प्राप्त करता है. अतः कथन एवं कारण दोनों सही हैं तथा कारण, कथन की पुष्टि भी करता है.

49. (B) भीतरकनिका (ओडिशा) में लवण जल मगर तथा मरुस्थल राष्ट्रीय उद्यान (राजस्थान) में महान भारतीय सारंग आकर्षण का केन्द्र है. पूर्वोत्तर भारत के राज्यों में विशेषतः असम में हुलुक गिबन पाए जाते हैं.

50. (C) दक्षिण भारत की अपेक्षा उत्तर भारत में मानसून की अवधि कम होती है, दक्षिण भारत में मानसून जून के प्रथम सप्ताह में प्रवेश करता है, जबकि उत्तर भारत में प्रवेश करने में दक्षिण की अपेक्षा अधिक समय लगता है. इसी प्रकार वापसी में भी मानसूनी हवाएँ दक्षिण भारत की अपेक्षा उत्तर भारत से जल्दी पलायन करती हैं. उत्तर भारत के मैदानों में वार्षिक वृष्टि की मात्रा पूर्व से पश्चिम की ओर घटती जाती है.

51. (C) पृथ्वी की संरचना में कठोर आंतरिक क्रोड (Inner Core) एवं प्रावार (Mantle) के मध्य लौह (Iron) और (Nickel) की संयुक्त रूप से लगभग 2260 किमी मोटी द्रवित परत (Liquid Layer) है, जिसे बाहरी क्रोड (Outer Core) कहते हैं.

52. (A) ज्वालामुखी उद्गार का सम्बन्ध अभिसरण और अपसरण क्षेत्र में प्लेट के किनारों से होता है. उपर्युक्त विकल्पों में बाल्टिक सागर को छोड़कर सभी सागर प्लेटों के किनारों से सम्बन्धित हैं. अतः स्पष्ट है कि बाल्टिक सागर में ज्वालामुखीय उद्गार नहीं होते हैं.

53. (A) पंढरपुर महाराष्ट्र के शोलपुर जनपद में चंद्रभागा (भीमा) नदी के किनारे स्थित है. यहाँ भगवान विट्ठल और रुकमणी का मंदिर है.
- तिरुचिरापल्ली तमिलनाडु में कावेरी नदी के तट पर स्थित शहर है. यहाँ कावेरी की दो धाराओं के बीच निर्मित द्वीप श्रीरंगम है.
- हम्पी कर्नाटक के वेल्लारी जिले में तुंगभद्रा नदी के किनारे स्थित है.

54. (A) सही सुमेलन निम्नवत् है—

झील	अवस्थिति
साला झील	– अरुणाचल प्रदेश
बड़खल झील	– फरीदाबाद (हरियाणा)
लोकटक झील	– मणिपुर

55. (D) दिए गए उच्चावच आकृतियों का पश्चिम से पूर्व की ओर बढ़ते हुए सही क्रम है—महादेव पर्वत शृंखला, मैकाल पर्वत शृंखला, छोटा नागपुर पर्वत शृंखला तथा खासी की पहाड़ियाँ. महादेव एवं मैकाले पर्व श्रेणियाँ सतपुड़ा श्रेणी के पूर्वी विस्तार के रूप में स्थित हैं.

56. (C) काडमिम पहाड़ियों केरल के दक्षिण-पूर्व तथा तमिलनाडु के दक्षिण-पश्चिम भागों के बीच में स्थित हैं, जबकि 'कोरोमण्डल तट' भारत की दक्षिण-पूर्वी तट रेखा को दिया गया नाम है. कैमूर

पहाड़ियाँ मध्य प्रदेश से बिहार तक विस्तृत हैं; जबकि 'कोंकण तट' भारत के दक्षिण-पश्चिम तट (महाराष्ट्र व गोवा) रेखा को दिया गया नाम हे. महादेव पहाड़ियाँ मध्य भारत के मध्य प्रदेश प्रांत में हैं और मिकिर पहाड़ियाँ पूर्वोत्तर के असम प्रांत में हैं.

57. (C) पारिस्थितिकी तन्त्र में जैविक संघटकों का दो प्रमुख भागों में विभाजित किया जाता है—(i) स्वपोषी संघटक, (ii) परपोषित संघटक. स्वपोषी संघटक (Autotrophic Component) वे होते हैं, जो प्रकाश संश्लेषण तथा रसायन संश्लेषण द्वारा अपना भोजन स्वयं निर्मित करते हैं. यह प्राथमिक पोषक या उत्पादक कहलाते हैं.
58. (A) पारिस्थितिकी तन्त्र में ऊर्जा का अन्तरण क्रमबद्ध स्तरों की एक शृंखला में होता है जिसे 'खाद्य शृंखला' कहते हैं. पारिस्थितिकी तन्त्र के विभिन्न जीव (पेड़-पौधे एवं जन्तु) अपनी पोषण सम्बन्धी आवश्यकताओं के अनुसार एक-दूसरे पर निर्भर होते हैं.
59. (C)
60. (C) कर्नाटक का नागरहोल वन्यजीव अभयारण्य विश्व भर में प्रसिद्ध है. यहाँ झुण्डों में एशियाई हाथी देखे जा सकते हैं. सत्यमंगलम टाइगर रिजर्व भारत के तमिलनाडु राज्य के इरोड जिले के पूर्वी घाट में एक संरक्षित क्षेत्र और बाघ अभयारण्य है. वायनाड वन्यजीव अभयारण्य वायनाड पठार के एक भाग पर स्थित है और यह केरल का प्रमुख पर्यटक स्थल है. यह स्थान दक्षिण भारत के सबसे लोकप्रिय पशु-पक्षी अभयारण्यों में से एक है.
61. (D) उष्णकटिबंध क्षेत्रों में विषुवतीय वन मिलते हैं, जहाँ 200 सेमी से अधिक वर्षा होती है. लम्बे व चौड़े पत्ते वाले सदाबहार पेड़ यहाँ की प्रमुख वनस्पतियाँ हैं. ऊँचे एवं चौड़े पत्ते वाले पेड़ वन की सतह पर पत्तेदार वितान का गठन करते हैं. वितान का ऊपरी हिस्सा अक्सर समृद्ध अधिपादप वनस्पति का समर्थन करता है. विश्व भर की लगभग 80% जैव विविधता विषुवतीय वनों में पाई जाती है.
62. (C) केन्द्रीय शस्य-वानिकी अनुसंधान संस्थान झाँसी में स्थित है. इसकी स्थापना 8 मई, 1988 को की गई थी.
63. (A) उष्णकटिबंधीय आर्द्र वन ऐसे क्षेत्रों में पाए जाते हैं, जहाँ वर्षा 100 सेमी से 200 सेमी के मध्य होती है. इन वनों में सागौन प्रधान वृक्ष प्रजाति है. यहाँ बाँस, शीशम, चन्दन इत्यादि अन्य व्यावसायिक रूप से महत्वपूर्ण वृक्ष प्रजातियाँ पाई जाती हैं.
64. (B) केरल का कुट्टानाड भारत का न्यूनतम ऊँचाई वाला क्षेत्र समुद्र तल से नीचे अपने खेती के तरीकों के लिए प्रसिद्ध है. इसे केरल का 'धान का कटोरा' कहा जाता है. कुट्टानाड सतत् कृषि और मत्स्य पालन के लिए भी जाना जाता है. खाद्य एवं कृषि संगठन (FAO) द्वारा कुट्टानाड की खेती के तरीकों को 'वैश्विक महत्वपूर्ण कृषि विरासत प्रणाली' (GIAHS) घोषित किया गया है.
65. (C) 1971 के 25वें संवैधानिक संशोधन में प्रावधान है कि अनुच्छेद 39 (बी) या (सी) में निहित निदेशक सिद्धान्तों को प्रभावी करने के लिए बनाए गए किसी भी कानून को अनुच्छेद 14, 19 और 31 के द्वारा गारंटीकृत मौलिक अधिकारों के उल्लंघन के आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती है.
66. (D) चौथा कथन गलत है, क्योंकि इसके एक-तिहाई सदस्य हर 2 वर्ष में सेवानिवृत्त होते हैं. राज्यसभा एक स्थायी निकाय है. इसका पहली बार विधिवत् गठन 3 अप्रैल, 1952 को किया गया था. राज्य सभा के बारह सदस्यों को राष्ट्रपति द्वारा नामित किया जाता है.
67. (B) भारत के राष्ट्रीय कैलेंडर के बारे में– भारत का राष्ट्रीय कैलेंडर शक युग पर आधारित है, जिनकी तिथियों में ग्रेगोरियन कैलेंडर की तिथियों के साथ स्थायी पत्राचार है. चैत्र शुक्ल जिस पर नया वर्ष शुरू होता है, हर वर्ष 21 या 22 मार्च को हमेशा होता है. एक लीप वर्ष में, भारत के राष्ट्रीय कैलेंडर के शुरुआती 6 महीने 31 दिनों के हैं.
68. (B)
69. (A) नेहरू रिपोर्ट भारत के लिए प्रस्तावित नए अधिराज्य के संविधान की रूपरेखा थी. 10 अगस्त, 1928 को प्रस्तुत यह रिपोर्ट ब्रितानी सरकार के भारतीयों के एक संविधान बनाने के अयोग्य बताने की चुनौती का भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के नेतृत्व में दिया गया सशक्त प्रत्युत्तर था.
70. (B)
71. (A) भारत के संविधान के अनुच्छेद 355 के तहत्, संघ का यह कर्त्तव्य है कि वह बाहरी आक्रमण और आन्तरिक अशांति से राज्यों की रक्षा करेगा.
72. (D) AFSPA 11 दिसम्बर, 1958 को प्रभावी हुआ जो अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नगालैण्ड और त्रिपुरा में लगा.
73. (C) बी. जी. वर्गीज समिति 1977 में प्रसार भारती अधिनियम से सम्बन्धित है.
74. (C) अनुच्छेद (148-151) भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की शक्तियों और कार्यों से सम्बन्धित हैं.
75. (C) 'भारत ध्वज संहिता' के प्रावधानों के अनुसार भारतीय निकाय के मानकों को लागू करने के लिए भारतीय मानक ब्यूरो प्रभारी है. यह भारत में राष्ट्रीय मानक निर्धारित करने वाली संस्था है. यह उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन कार्य करती है.
76. (D) मोर भारत का राष्ट्रीय पक्षी 1963 में घोषित किया गया.
77. (C) भारत के निम्नलिखित छह राष्ट्रपतियों को अब तक भारत रत्न से सम्मानित किया जा चुका है—सर्वपल्ली राधाकृष्णन, राजेन्द्र प्रसाद, जाकिर हुसैन, ए. पी. जे. अब्दुल कलाम, डॉ. वी. वी. गिरि, प्रणब मुखर्जी.
78. (C) ये सभी वित्त आयोग के कार्य हैं. वित्त आयोग हर 5 वर्ष में नियुक्त किया जाता है, इसकी स्थापना 22 नवम्बर, 1951 को हुई.
79. (D) राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त अन्तर्राज्यीय परिषद् का प्रमुख कार्य राज्यों के मध्य उत्पन्न विवादों की जाँच करना और उन पर परामर्श देना, कुछ या सभी राज्यों के अथवा एक से अधिक राज्यों के समान हित से सम्बन्धित विषयों की जाँच कर विचार-विमर्श करना तथा उपर्युक्त विषयों विशेषकर इनमें सम्बन्धित नीति और कार्य के बेहतर समन्वय की सिफारिश करना, ये सभी हैं.
80. (A)
81. (C) 44वें संशोधन के पश्चात् राष्ट्रपति को युद्ध, बाह्य आक्रमण या सशस्त्र विद्रोह से उत्पन्न परिस्थिति में राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने का अधिकार प्राप्त है.
82. (B) कोई व्यक्ति भारत के अटॉर्नी जनरल बनने की योग्यता प्राप्त कर लेता है यदि वह सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश की योग्यता धारित करता हो.
83. (B) भारतीय संविधान में प्रदत्त 'स्वतंत्रता का अधिकार' के सम्बन्ध में भाषण व अभिव्यक्ति की अबाधित स्वतंत्रता सत्य नहीं है.
84. (D) संविधान सभा में प्रस्तुत उद्देश्य प्रस्ताव में अभिव्यक्ति विचार को भारतीय संविधान के प्रस्तावना भाग में पूर्णतः शामिल किया गया है.
85. (C) संविधान के अनुच्छेद 266 में संचित निधि (Consolidated Fund) का प्रावधान है. संचित निधि से धन संसद

शेष पृष्ठ 167 पर

सामान्य अध्ययन-I

1. वैदिक काल की दो लोकप्रिय सभाएं थीं–
(A) सभा और महासभा
(B) महासभा और गणसभा
(C) सभा और समिति
(D) उर और कुला

2. मध्य प्रदेश में होल्कर राज्य की स्थापना कब की गई थी?
(A) 1730 में (B) 1732 में
(C) 1735 में (D) 1742 में

3. भारत में पहला 'झण्डा' सत्याग्रह कहाँ हुआ था ?
(A) झाँसी (B) सतना
(C) ग्वालियर (D) जबलपुर

4. मध्य प्रदेश के सांची स्तूप में सजावट की कौनसी शैली देखी जाती है ?
(A) अमरावती (B) गांधार
(B) मथुरा (D) भरहुत

5. शंकराचार्य से शास्त्रार्थ करने वाले मंडन मिश्र कहाँ के निवासी थे ?
(A) मालवा के
(B) माहिष्मति के
(C) वेस नगर के
(D) दशपुर के

6. मालवा का दिल्ली सल्तनत में प्रवेश किसके आगमन से माना जाता है ?
(A) अलाउद्दीन खिलजी
(B) जलालुद्दीन खिलजी
(C) कुतुबुद्दीन ऐबक
(D) शाह बुलबुल

7. निम्नलिखित में से कौनसी बघेली की उपबोलियाँ हैं ?
(A) तिरहारी (B) गहोरा
(C) गोंड (D) ये सभी

8. मध्य प्रदेश में आदिवासी 'भीली गुड़िया' का केन्द्र माना जाता है–
(A) मण्डला (B) झाबुआ
(C) धर (D) निमाड

9. प्रसिद्ध वास्तुकार 'चार्ल्स कोरिया' को निम्नलिखित में से किसके डिजाइन के लिए जाना जाता है ?
(A) भारत भवन
(B) वल्लभ भवन
(C) विधान सभा भवन
(D) नए संसद भवन

10. कालिदास की प्रसिद्ध रचना 'ऋतु संहार' है–
(A) संस्मरण (B) महा काव्य
(C) गीति काव्य (D) नाटक

11. जोरवे संस्कृति का केन्द्र कहाँ था ?
(A) गुजरात (B) महाराष्ट्र
(C) राजस्थान (D) मध्य प्रदेश

12. निम्नलिखित में से कौन मद्रास का संस्थापक था ?
(A) फ्रांसिस डे
(B) लॉर्ड डलहौजी
(C) सर जॉन चाइल्ड
(D) रॉबर्ट क्लाइव

13. 'गुलामगिरी' निम्नलिखित में से किस समाज सुधारक द्वारा लिखी गई थी ?
(A) केशब चंद्र सेन
(B) दयानंद सरस्वती
(C) ज्योतिबा फुले
(D) राजा राममोहन राय

14. निम्नलिखित में से किस शासक ने अपनी राजधानी मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित की ?
(A) अलीवर्दी खान
(B) सिराज-उद-दौला
(C) मीर जाफर
(D) मीर कासिम

15. महात्मा गांधी ..... के लेखन से गहराई से प्रभावित थे.
(A) लियो टॉल्स्टॉय
(B) लेनिन
(C) बर्नार्ड शॉ
(D) कार्ल मार्क्स

16. अजंता और एलोरा की गुफाओं की चित्रकारी किसके अधीन कला के विकास का सूचक है ?
(A) पल्लव (B) चालुक्य
(C) पांड्य (D) राष्ट्रकूट

17. बाल विवाह की प्रथा प्रारम्भ हुई–
(A) मौर्य काल में
(B) कुषाण काल में
(C) गुप्त काल में
(D) हर्षवर्धन काल में

18. अंडाल के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) अंडाल अलवर की एक महिला थीं, उनकी रचनाओं की सबसे खास विशेषताएँ व्यापक रूप से गाई गईं
(B) अंडाल एक महिला नयनार थी, उन्होंने समाज में प्रचलित जाति व्यवस्था को शामिल किया
(C) अंडाल खुद को केवल विष्णु की प्रेमिका के रूप में देखती थी; उनके छंद देवता के प्रति उनके प्रेम को व्यक्त करते हैं
(D) अंडाल ने खुद को कृष्ण की प्रेमिका के रूप में देखा; उनके छंद देवता के प्रति उनके प्रेम को व्यक्त करते हैं

19. मनसबदारी और जागीरदारी व्यवस्था के बीच अन्तर के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें–
1. मनसबदार केवल मुगल साम्राज्य की सैन्य जरूरतों को पूरा करने के लिए जिम्मेदार थे, जबकि जागीरदार सौंपे गए क्षेत्र की वित्तीय व्यवस्था के रखरखाव के लिए जिम्मेदार थे.
2. मनसबदारी प्रणाली जागीरदारी प्रणाली का एक अभिन्न अंग थी, जो अकबर के अधीन विकसित हुई थी.
ऊपर दिए गए कथनों में से कौनसा/से सही है/हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

20. रोगन पेंटिंग किस क्षेत्र में प्रचलित एक कला है ?
(A) कच्छ, गुजरात
(B) मराठवाड़ा, महाराष्ट्र
(C) पटना, बिहार
(D) बुन्देलखण्ड, उत्तर प्रदेश

21. भारत के संविधान ने शुरूआत में सभी आधिकारिक उद्देश्यों के लिए अंग्रेजी भाषा के उपयोग की अनुमति दी थी–
(A) 5 वर्ष (B) 10 वर्ष
(C) 15 वर्ष (D) 20 वर्ष

22. पंचायतों के सभी चुनाव किसके द्वारा आयोजित किए जाते हैं ?
(A) राज्य विधानमण्डल
(B) राज्य चुनाव आयोग
(C) चुनाव आयोग
(D) भारत का पंचायती राज आयोग

23. संसद की संयुक्त बैठक के संदर्भ में, कौनसा/से कथन सही है/हैं ?
1. अनुच्छेद 109 कुछ मामलों में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक का प्रावधान करता है.
2. अध्यक्ष संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करता है.

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर चुनें–

कूट :

(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) 1 और 2 दोनों
(D) न तो 1 और न ही 2

24. प्राचीन भारत में आक्रमणकारियों के संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौनसा सही कालानुक्रमिक क्रम है ?
(A) यूनानी – शक – कुषाण
(B) यूनानी – कुषाण – शक
(C) शक – यूनानी – कुषाण
(D) शक – कुषाण – यूनानी

25. निम्नलिखित में से कौनसी (सहायक नदी – नदी) सुमेलित नहीं है ?
(A) मंजरा – गोदावरी
(B) हेमावती – कावेरी
(C) मालप्रभा – कृष्ण
(D) प्राणहिता – महानदी

26. अपने उद्‌गम स्थल की प्रमुख नदियों के जोड़े बनाएं–

नदी	**उद्‌गम स्थान**
(a) यमुना	1. सिहावा
(b) कृष्णा	2. नासिक
(c) गोदावरी	3. महाबलेश्वर
(D) महानदी	4. यमुनोत्री

कूट :

	(a)	(b)	(c)	(D)
(A)	4	3	2	1
(B)	1	2	3	4
(C)	4	2	1	3
(D)	4	2	3	1

27. निम्नलिखित में से कौनसा (बंदरगाह – देश) सही सुमेलित नहीं है ?
(A) रॉटरडैम – नीदरलैंड
(B) इगारका – चीन
(C) मोंटेवीडियो – उरुग्वे
(D) जकार्ता – इंडोनेशिया

28. भारत में नीली क्रांति के जनक के रूप में किसे जाना जाता है ?
(A) वर्गीस कुरियन
(B) सैम पित्रोदा
(C) हीरालाल चौधरी
(D) एम.एस. स्वामीनाथन

29. गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत वे ऊर्जा स्रोत हैं, जो हैं–
(A) गैर-नवीकरणीय
(B) नवीकरणीय
(C) बिजली से उत्पादित
(D) ऊष्मा विद्युत् से उत्पादित

30. भारत सरकार द्वारा पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के लिए पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम कब पारित किया गया था ?
(A) 1971 (B) 1974
(C) 1981 (D) 1986

31. निम्नलिखित में से किस नदी के किनारे एरण नामक स्थान में सती प्रथा के साक्ष्य मिले हैं ?
(A) बेतवा (B) बीना
(C) पार्वती (D) केन

32. कोलार नदी परियोजना से मध्य प्रदेश के किस शहर को जलापूर्ति होती है ?
(A) रीवा (B) इंदौर
(C) भोपाल (D) जबलपुर

33. मध्य प्रदेश में उत्पादित कंचन और कृष्णा निम्नलिखित में से किस फल की किस्में हैं ?
(A) आम (B) अंगूर
(C) आँवला (D) अमरूद

34. मध्य प्रदेश में सर्वाधिक सिंचाई निम्नलिखित में से किस जिले में की जाती है ?
(A) डिंडोरी (B) होशंगाबाद
(C) बड़वानी (D) रतलाम

35. वन रिपोर्ट 2021 के अनुसार मध्य प्रदेश में सबसे बड़ा वन वृत निम्न में से कौनसा है ?
(A) खंडवा (B) शहडोल
(C) बालाघाट (D) होशंगाबाद

36. निम्नलिखित में से कौनसा मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा राजमार्ग है ?
(A) MP SH 36 (B) MP SH 48
(C) MP SH 62 (D) MP SH 76

37. निम्नलिखित में से कौनसा (ताप विद्युत् केन्द्र–स्थान) सही सुमेलित नहीं है ?
(A) चाँदनी – बुरहानपुर
(B) विंध्यांचल – सिंगरौली
(C) संत सिंगाजी – खंडवा
(D) संजय गांधी – अनूपपुर

38. निम्नलिखित में से किस व्यक्ति को भारत का सोलर गांधी कहा जाता है ?
(A) हरवंश सिंह
(B) सवाईमल जैन
(C) कन्हैयालाल यादव
(D) चेतन सिंह सोलंकी

39. मध्य प्रदेश में उद्योगों के सम्बन्ध निम्नलिखित में से कौनसा मिलान सही सुमेलित नहीं हैं ?
(A) प्रथम सीमेंट फैक्ट्री – बानमौर
(B) प्रथम शुगर मिल – जावरा
(C) प्रथम कपड़ा मिल – इंदौर
(D) प्रथम कागज कारखाना – नेपानगर

40. वर्ष 2011 की जनगणना के अनुसार निम्नलिखित में से कौनसे तीन जिले मध्य प्रदेश में सर्वाधिक लिंगानुपात वाले जिलों में शामिल हैं ?
(A) बालाघाट, इंदौर और मण्डला
(B) बालाघाट, झाबुआ और अलीराजपुर
(C) बालाघाट, अलीराजपुर और धार
(D) बालाघाट, अलीराजपुर और मण्डला

41. निम्नलिखित घटनाओं पर विचार करें और इन्हें शुरू करते हुए सबसे पहले से लेकर अंतिम गतिविधि तक सही कालानुक्रमिक क्रम में व्यवस्थित करें–
1. प्रारूप समिति की नियुक्ति
2. भारतीय संविधान को अंगीकृत और अधिनियमित किया
3. भारतीय संविधान के प्रवृत होने की तिथि
4. संविधान सभा की प्रथम बैठक

दिए गए कूट से सही उत्तर चुनें–

कूट :

(A) 3, 2, 1, 4
(B) 4, 1, 3, 2
(C) 1, 2, 4, 3
(D) 4, 1, 2, 3

42. निम्नलिखित में से कौन लोक सभा की पहली महिला अध्यक्ष हैं ?
(A) प्रतिभा पाटिल
(B) उर्मिला सिंह
(C) मीरा कुमार
(D) सुषमा स्वराज

43. निम्नलिखित में से कौनसा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है ?

राज्य		**विधान सभा में सदस्य**
(A) मध्य प्रदेश	–	232
(B) गोवा	–	40
(C) उत्तर प्रदेश	–	403
(D) उत्तराखण्ड	–	70

44. 1918 में संयुक्त प्रांत किसान सभा का गठन निम्नलिखित में से किस नेता द्वारा किया गया था ?
(A) बाबा रामचन्द्र द्विवेदी
(B) इंद्र नारायण द्विवेदी
(C) स्वामी सहजानंद
(D) पं. जवाहरलाल नेहरू

45. निम्नलिखित में से कौनसी घटना अंतिम कालानुक्रमिक क्रम में थी ?
(A) होमरूल आंदोलन
(B) खिलाफत आंदोलन
(C) जलियांवाला बाग नरसंहार
(D) मोपला विद्रोह

46. मध्य प्रदेश की विधान सभा के वर्तमान अध्यक्ष कौन हैं ?
(A) गिरीश गौतम
(B) नरेंद्र सिंह तोमर
(C) कुंजीलाल दुबे
(D) नर्मदा प्रसाद प्रजापति

47. निम्नलिखित में से कौन मध्य प्रदेश में सर्वाधिक बार नियुक्त किए गए राज्यपाल हैं ?
(A) लाल जी टंडन
(B) भगवत दयाल शर्मा
(C) मंगुभाई पटेल
(D) हरी विनायक पाटस्कर

48. मध्य प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2004 के अनुसार प्रदेश में ग्रामसभा में गणपूर्ति कुल सदस्यों के कितने प्रतिशत होना अनिवार्य है ?
(A) 10% (B) 20%
(C) 30% (D) 40%

49. मध्य प्रदेश राज्य नीति आयोग के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) इसकी स्थापना फरवरी 2022 में की गई थी
(B) इसका मुख्यालय भोपाल में स्थित है
(C) इसकी स्थापना मध्य प्रदेश योजना आयोग के स्थान पर की गई है
(D) यह एक गैर-संवैधानिक व गैर-सांविधिक संस्था है

50. राष्ट्रीय हरित अधिकरण के सम्बन्ध में निम्नलिखित में से कौनसा कथन गलत है ?
(A) इसकी स्थापना राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम, 2011 के तहत् की गई है
(B) इसमें एक पूर्णकालिक अध्यक्ष, न्यायिक सदस्य और विशेषज्ञ सदस्य शामिल होते हैं
(C) पर्यावरण से सम्बन्धित महत्वपूर्ण प्रश्नों के मामलों पर ट्रिब्यूनल का मूल क्षेत्राधिकार है
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

51. निम्नलिखित में से कौनसा टिकाऊ विकास लक्ष्य नहीं है जिसे 2030 तक हासिल करने का लक्ष्य रखा गया है ?
(A) लैंगिक समानता
(B) शून्य भूख
(C) अच्छा स्वास्थ्य और खुशहाली
(D) अंतरिक्ष अनुसंधान

52. 2023-24 के लिए अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस का विषय क्या है ?
(A) 'गरीबी समाप्त करने के लिए बच्चों, उनके परिवारों और समुदायों को सशक्त बनाने के लिए मिलकर कार्य करना'
(B) 'सभ्य कार्य और सामाजिक सुरक्षा: सभी के लिए सम्मान को व्यवहार में लाना'
(C) 'गरीबी रहित दुनिया के लिए वैश्विक कार्यों में तेजी लाना'
(D) 'गरीबी और भेदभाव को समाप्त करने के लिए एक साथ आना'

53. निम्नलिखित में से कौनसी एक आर्थिक गतिविधि नहीं है ?
(A) खेती
(B) नौकरी
(C) स्वैच्छिक सामाजिक सेवा
(D) परिवहन

54. विश्व सामाजिक सुरक्षा रिपोर्ट किसके द्वारा प्रकाशित की जाती है ?
(A) विश्व बैंक
(B) विश्व स्वास्थ्य संगठन
(C) अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन
(D) विश्व अर्थशास्त्र मंच

55. अंतरिम बजट 2024-25 के अनुसार किस श्रेणी पर सबसे अधिक खर्च किया जाएगा ?
(A) वेतन
(B) ब्याज भुगतान
(C) रक्षा
(D) कर प्रशासन

56. निम्नलिखित में से कौनसा जोड़ा सही सुमेलित नहीं है ?

भौगोलिक संकेतक		सम्बन्धित जिले
(A) शरबती गेहूँ	–	विदिशा
(B) चिन्नौर चावल	–	बालाघाट
(C) सुंदरजा आम	–	रीवा
(D) महेश्वर साड़ी	–	खंडवा

57. मध्य प्रदेश में एक जिला एक उत्पाद 2023 के अनुसार, पर्यटन को निम्नलिखित में से किस जिले में शामिल किया गया है ?
(A) इंदौर (B) भोपाल
(C) ग्वालियर (D) नर्मदापुरम

58. निम्नलिखित में से कौन G-20 का सदस्य नहीं है ?
(A) इंडोनेशिया (B) सिंगापुर
(C) मेक्सिको (D) तुर्की

59. निम्नलिखित में से कौन आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के चार स्तम्भ में शामिल है ?
1. बेहतर अवसंरचना
2. सुशासन
3. स्वास्थ्य और शिक्षा
4. अर्थव्यवस्था और रोजगार
सही कूट का चयन करें–
(A) केवल 1, 2 और 3
(B) केवल 2, 4 और 4
(C) केवल 1, 3 और 4
(D) उपर्युक्त सभी

60. समाचारों में अकसर देखा जाने वाला शब्द 'स्मर्फिंग' किससे सम्बन्धित है ?
(A) वैश्विक व्यापार संरक्षणवाद
(B) मनी-लॉन्ड्रिंग तकनीक
(C) दिवालियापन
(D) एनपीए की वसूली

61. शनि गृह के वायुमण्डल में निम्नलिखित में से कौनसी गैस बड़ी मात्रा में मौजूद है ?
(A) सल्फर डाइऑक्साइड
(B) कार्बन मोनोऑक्साइड
(C) मीथेन
(D) हाइड्रोजन

62. सम्पीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) मुख्य रूप से बनी होती है–
(A) मीथेन (B) प्रोपेन
(C) ईथेन (D) ब्यूटेन

63. माँ-भ्रूण आरएच रक्त प्रकार की असंगति की समस्या तब हो सकती है जब माँ ..... और उसका भ्रूण ..... हो.
(A) आरएच नेगेटिव; आरएच पॉजिटिव
(B) आरएच नेगेटिव; आरएच नेगेटिव
(C) आरएच पॉजिटिव; आरएच पॉजिटिव
(D) आरएच पॉजिटिव; आरएच नेगेटिव

64. निम्नलिखित में से कौनसा विटामिन वसा में घुलनशील है ?
(A) विटामिन बी12 और डी
(B) विटामिन ए और सी
(C) विटामिन ए और डी
(D) विटामिन सी और ई

65. घातक मलेरिया किसके कारण होता है ?
(A) प्लाज्मोडियम विवैक्स
(B) प्लाज्मोडियम ओवले
(C) प्लाज्मोडियम फ्लेसीपेरम
(D) प्लाज्मोडियम मलेरिया

66. एक क्वांटम बिंदु है–
(A) 1 नैनोमीटर से छोटे नैनोस्ट्रक्चर की इलेक्ट्रॉन माइक्रोस्कोपी छवि
(B) एक काल्पनिक नैनोरोबोट
(C) रेडियो एंटेना का नैनोस्केल एनालॉग
(D) एक अर्धचालक नैनोस्ट्रक्चर

67. निम्नलिखित में से किस आवृत्ति बैंड का उपयोग INSAT@GSAT उपग्रह संचार में नहीं किया जाता है ?
(A) केयू (B) सी
(C) एमएफ (D) केए

68. जापानी एन्सेफलाइटिस उत्पन्न करने वाले विषाणु से मानव शरीर का कौनसा भाग संक्रमित होता है ?
(A) दिमाग
(B) फेफड़े
(C) त्वचा
(D) लाल रक्त कोशिकाएं

69. बायोमास का उल्टा पिरामिड किस पारिस्थितिकी तंत्र में पाया जा सकता है ?
(A) घास का मैदान
(B) समुद्र
(C) वन
(D) टुंड्रा

70. निम्नलिखित में से कौनसा कारक ताज महल को पीला करने के लिए जिम्मेदार है ?
(A) सल्फर
(B) क्लोरीन
(C) सल्फर डाइऑक्साइड
(D) नाइट्रोजन डाइऑक्साइड

71. कुलसेकरपट्टिनम, जो हाल ही में समाचारों में देखा गया, किस राज्य में स्थित है ?
(A) कर्नाटक (B) तमिलनाडु
(C) महाराष्ट्र (D) गुजरात

72. हाल ही में, कौनसा देश यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस (UPI) भुगतान प्रणाली स्वीकार करने वाला पहला यूरोपीय देश बन गया है ?
(A) जर्मनी (B) इटली
(C) फ्रांस (D) स्पेन

73. हाल ही में, किस संस्थान ने भारत का सबसे बड़ा ड्रोन पायलट संगठन लॉन्च किया है ?
(A) आईआईटी बॉम्बे
(B) आईआईटी गुवाहाटी
(C) आईआईटी रुड़की
(D) आईआईटी कानपुर

74. क्षेत्रीय आतंकवाद विरोधी संरचना (RATS) जो हाल ही में खबरों में थी, किस अंतर्राष्ट्रीय संगठन से सम्बन्धित है ?
(A) संयुक्त राष्ट्र
(B) शंघाई सहयोग संगठन
(C) उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन
(D) दक्षिण पूर्व एशियाई देशों का संघ

75. टी-20 क्रिकेट में 300 से अधिक रन बनाने वाली पहली क्रिकेट टीम कौनसी है ?
(A) नेपाल
(B) बांग्लादेश
(C) दक्षिण अफ्रीका
(D) भारत

76. विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) का मुख्यालय कहाँ है ?
(A) पेरिस (B) रोम
(C) कोलंबो (D) टोक्यो

77. 2023 में 37वें राष्ट्रीय खेलों का मेजबान कौनसा राज्य/केन्द्रशासित प्रदेश है ?
(A) गोवा (B) महाराष्ट्र
(C) केरल (D) गुजरात

78. 2024 में एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन के मेजबान कौनसे देश हैं ?
(A) दक्षिण कोरिया और फ्रांस
(B) जापान और दक्षिण कोरिया
(C) भारत और श्रीलंका
(D) फ्रांस और जर्मनी

79. हाल ही में मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन वर्ष 2023 के लिए किस अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है ?
(A) स्टेट लीडर
(B) एडिटर्स चॉइस अवॉर्ड
(C) सैंक्चुअरी एशिया अवॉर्ड
(D) स्कॉच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवॉर्ड

80. हाल ही में मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (MPES) का अध्यक्ष किसे नियुक्त किया गया है ?
(A) वीरा राणा
(B) रामकृष्ण कुसमरिया
(C) संजय बंदोपाध्याय
(D) लक्ष्मण सिंह मरकाम

81. रोबोटिक्स का कौनसा नियम रोबोट की आत्म-संरक्षण प्रवृत्ति को संबोधित करता है ?
(A) पहला नियम
(B) दूसरा नियम
(C) तीसरा नियम
(D) कोई भी नियम नहीं

82. 'इंटरनेट एस्क्रो' शब्द आमतौर पर निम्नलिखित में से किससे सम्बन्धित है ?
(A) ई-कॉमर्स
(B) सॉफ्टवेयर विकास
(C) गोपनीयता सुरक्षा
(D) डेटाबेस प्रबंधन

83. बग क्या है ?
(A) बग एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम में एक त्रुटि है
(B) सॉफ्टवेयर प्रोग्राम में फीचर है
(C) बग एक सॉफ्टवेयर प्रोग्राम में मैलवेयर है
(D) उपर्युक्त सभी

84. दी गई भाषा में से कौनसी भाषा आमतौर पर AI के लिए उपयोग नहीं की जाती है ?
(A) एलआईएसपी
(B) प्रोलॉग
(C) पायथन
(D) पर्ल

85. एक AI एजेंट ..... का उपयोग करके पर्यावरण को समझता है और उस पर कार्य करता है.
(A) सेंसर
(B) बोधक
(C) एक्चुएटर्स
(D) (A) और (C) दोनों

86. ये आपराधिक हैकर हैं और इनका मुख्य मकसद साइबर अपराध कर आर्थिक लाभ कमाना है. यहाँ संदर्भित 'ये' कौन हैं ?
(A) ह्वाइट हैट हैकर्स
(B) ब्लैक हैट हैकर्स
(C) हैक्टिविस्ट
(D) ग्रे हैट हैकर्स

87. कोड रेड एक प्रकार का ..... है.
(A) वीडियो संपादन सॉफ्टवेयर
(B) कम्प्यूटर वायरस
(C) फोटो एडिटिंग सॉफ्टवेयर
(D) एंटीवायरस प्रोग्राम

88. इनमें से कौनसा एक प्रकार का स्वतंत्र प्रकार का दुर्भावनापूर्ण प्रोग्राम है जिसके लिए किसी होस्ट प्रोग्राम की आवश्यकता नहीं होती है ?
(A) एक विषाणु (B) ट्रैप डोर
(C) वर्म (D) ट्रोजन हॉर्स

89. पेशेवर नेटवर्किंग और नौकरी तलाशने के लिए कौनसा सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म सबसे उपयुक्त है ?
(A) स्नैपचैट (B) फेसबुक
(C) इंस्टाग्राम (D) लिंक्डइन

90. सोशल मीडिया के संदर्भ में 'इनफ्लुएंसर' शब्द का क्या अर्थ है ?
(A) सोशल मीडिया डेटा का विश्लेषण करने के लिए एक सॉफ्टवेयर टूल
(B) एक अर्थपूर्ण फॉलोवर्स वाला व्यक्ति जो उपभोक्ता की पसंद को प्रभावित कर सकता है
(C) एक प्रकार का सोशल मीडिया विज्ञापन
(D) अपमानजनक सामग्री की रिपोर्ट करने के लिए एक सुविधा

91. मध्य प्रदेश में बादलभोई आदिवासी संग्रहालय निम्नलिखित में से किस स्थान पर स्थित है ?
(A) भोपाल
(B) छिंदवाड़ा
(C) अलीराजपुर
(D) ग्वालियर

92. जनजातियों के संदर्भ में प्रयुक्त 'दूध लौटावा' का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किससे है ?
(A) यह गोंड आदिवासियों की विवाह पद्धति है
(B) बैगा आदिवासियों के देवता हैं
(C) यह कोल जनजाति का प्रमुख नृत्य है
(D) यह भारिया आदिवासियों का प्रमुख पेय है

93. निम्नलिखित में से किस जनजाति के कारण श्योपुर जिले को भारत का इथोपिया कहा जाता है ?
(A) बैगा (B) भारिया
(C) सहरिया (D) भील

94. रोहिया, रौतेला और रेवरिया निम्नलिखित में से किस जनजाति की उपजातियाँ हैं ?
(A) कोल (B) गोंड
(C) बैगा (D) सहरिया

95. मध्य प्रदेश में सामान्यतः पातालकोट (छिंदवाड़ा) क्षेत्र में कौनसी जनजाति देखने को मिलती है ?
(A) भील (B) भारिया
(C) सहरिया (D) कोरकू

96. मध्य प्रदेश के बंजारा समुदाय के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) यह एक घुमंतू समुदाय है
(B) यह समुदाय विशेषतौर पर प्रदेश के मध्य और पूर्वी क्षेत्रों में पाए जाते हैं
(C) इन समुदायों को कंघी के आविष्कार का श्रेय दिया जाता है
(D) इनका प्रमुख नृत्य कालबेलिया है

97. मध्य प्रदेश का पहला जनजाति रेडियो केन्द्र कहाँ स्थापित किया गया था ?
(A) भावरा (B) खंडवा
(C) शिवपुरी (D) शहडोल

98. दयाशंकर नाग द्वारा रचित पुस्तक 'ट्राइबल इकोनॉमी' निम्नलिखित में से किस जनजाति पर मुख्य रूप से आधारित है ?
(A) बैगा (B) कोल
(C) पनिका (D) अगरिया

99. पेमा फत्या मध्य प्रदेश के एक श्रेष्ठ जनजातीय कलाकार थे; उनका सम्बन्ध किस कला से था ?
(A) संगीत (B) शिल्प
(C) चित्र (D) वादन

100. जोधईया बाई एक प्रसिद्ध आदिवासी चित्रकार हैं, उन्हे पद्मश्री पुरस्कार से भी नवाजा जा चुका है, उनका सम्बन्ध किस जनजाति समुदाय से है ?
(A) बैगा (B) भील
(C) भारिया (D) सहरिया

उत्तर व्याख्या सहित

1. (C) प्रारम्भिक वैदिक काल में 'सभा' और 'समिति' सभा के दो अलग-अलग सदन थे. समाज के पुराने सदस्य 'सभा' में भाग लेते थे, जबकि 'समिति' को आम लोक सभा माना जाता था. स्त्रियाँ 'सभा' में भाग लेती थीं, परन्तु 'समिति' में भाग नहीं लेती थीं.

2. (B) 29 जुलाई, 1732 को, बाजीराव पेशवा-प्रथम ने होल्कर राजवंश के संस्थापक शासक मल्हार राव होल्कर को साढ़े 28 परगना देकर होल्कर राज्य प्रदान किया.

3. (D) 1923 में नागपुर और जबलपुर का झंडा सत्याग्रह कई महीनों तक चला. झंडा फहराने के अधिकार की माँग कर रहे राष्ट्रवादी प्रदर्शनकारियों की गिरफ्तारी से पूरे भारत में आक्रोश फैल गया, खासकर जब गांधी को गिरफ्तार किया गया था.

4. (D) मध्य प्रदेश में साँची के स्तूप में पाई गई सजावट की शैली को भरहुत कहा जाता है. भरहुत मूर्तिकला शुंग काल की एक प्रारम्भिक भारतीय मूर्तिकला है, जो मध्य प्रदेश राज्य में भरहुत के महान् स्तूप या अवशेष टीले को सुशोभित करती है.

5. (B) शंकराचार्य भारत भर में यात्रा कर रहे थे, मठों की स्थापना कर रहे थे और अद्वैत वेदांत की शिक्षा दे रहे थे, जब वे महिष्मती शहर पहुँचे, जहाँ मंडन मिश्र रहते थे. उन्होंने मंडन मिश्र से सम्पर्क किया, जो मीमांसा स्कूल के अपने ज्ञान के लिए प्रसिद्ध थे और एक वाद का अनुरोध किया.

6. (A) 1305 में, अलाउद्दीन खिलजी ने मालवा पर कब्जा करने के लिए ऐन-उल-मुल्क के तहत् एक अभियान भेजा, जिस पर महलक देव का शासन था.

7. (D) बघेली बोली की उपबोलियाँ– तिरहारी, बुन्देली, गोंड, गहोरा, जुड़ार, बनाफरी, मरारी, पोंवारी, कुम्भारी, ओझी, गोंडवानी तथा केवरी आदि हैं.

8. (B) मध्य प्रदेश, झाबुआ के आदिवासी अपने हाथों से गुड़िया तैयार करते हैं. इसी गुड़िया को आदिवासी गुड़िया या भीली गुड़िया के नाम से जाना जाता है.

9. (A) भारत भवन भोपाल, भारत में एक स्वायत्त बहु-कला परिसर और संग्रहालय है, जो मध्य प्रदेश सरकार द्वारा स्थापित और वित्त पोषित है. भारत भवन के वास्तुकार चार्ल्स कोरिया हैं.

10. (C) कवि कुलगुरु कालिदास संस्कृत परम्परा में गीतिकाव्य के प्रवर्तक हैं. संस्कृत गीतिकाव्य विधा में मेघदूत और ऋतुसंहार का अद्वितीय स्थान है.

11. (B) जोरवे संस्कृति एक ताम्रयुगीन पुरातात्विक संस्कृति थी जिसे पहली बार महाराष्ट्र में खोजा गया था. यह संस्कृति मध्य प्रदेश के मालवा क्षेत्र में फैली हुई थी. जोरवे वास्तव में महाराष्ट्र के अहमदनगर जिले में गोदावरी नदी के तट पर स्थित एक गाँव है.

12. (A) एंड्रयू कोगन और फ्रांसिस डे को मद्रास का संस्थापक माना जा सकता है. विभिन्न क्षेत्र जो अब मद्रास शहर का हिस्सा हैं, जैसे–ट्रिप्लिकेन, नुंगमबक्कम, फरसावलकम, मायलाफर, चेन्नापट्टनम, आदि.

13. (C) ज्योतिबा फुले ने 1873 में सत्य शोधक समाज की शुरूआत की. उन्होंने गुलामगिरी नामक पुस्तक लिखी, जिसका अर्थ गुलामी था. यह जाति व्यवस्था की आलोचना है. ज्योति राव फुले ने अपनी पत्नी सावित्रीबाई फुले के साथ मिलकर 1848 में पुणे में पहला बालिका विद्यालय स्थापित किया.

14. (D) नवाब अलीवर्दी खान के सभी उत्तराधिकारियों में मीर कासिम सबसे कुशल शासक था. कलकत्ता के लगातार हस्तक्षेप और मुर्शिदाबाद की साजिशों से खुद को सुरक्षित रखने के लिए उसने अपनी राजधानी मुर्शिदाबाद से मुंगेर स्थानांतरित कर दी.

15. (A) महात्मा गांधी लियो टॉल्स्टॉय के लेखन से गहराई से प्रभावित थे, टॉल्स्टॉय की उल्लेखनीय कृतियाँ वॉर एंड पीस और द किंगडम ऑफ गॉड हैं.

16. (B) अजंता और एलोरा की गुफाएँ महाराष्ट्र के औरंगाबाद जिले में स्थित हैं. इन गुफाओं में प्राचीन भारतीय कला, विशेषकर पेंटिंग और मूर्तियाँ के कुछ बेहतरीन नमूने मौजूद हैं. इन गुफाओं की चित्रकारी चालुक्यों के अधीन कला के विकास का सूचक है.

17. (B) बाल विवाह की प्रथा कुषाण काल (पहली शताब्दी ईस्वी. में शुरू हुई थी. महिलाओं में उपनयन प्रथा की समाप्ति और बाल विवाह के प्रचलन ने उन्हें समाज में बहुत निचले स्थान पर ला खड़ा किया. इस युग में विवाह की आयु कम कर दी गई और आठ से दस वर्ष की आयु की लड़की को विवाह के लिए उपयुक्त माना गया.

18. (A) अंडाल एक अलवर महिला थी, उसकी रचनाओं की सबसे खास विशेषता व्यापक रूप से गाई गई (और आज भी गाई जाती है., अंडाल खुद को विष्णु और कृष्ण की प्रेमिका के रूप में देखती थी; उनके छंद देवता के प्रति उनके प्रेम को व्यक्त करते हैं.

19. (A) मनसबदार सैन्य पृष्ठभूमि के लोग होते थे जिन्हें कई छोटे-छोटे क्षेत्रों का मुखिया बनाया जाता था जिन्हें 'मनसब' कहा जाता था. इन अधिकारियों को आकार और क्षमता के अनुसार अपने क्षेत्रों से सैन्य इकाइयों को बनाए रखने का कर्तव्य दिया गया था. जागीरदारी

प्रणाली मनसबदारी प्रणाली का एक अभिन्न अंग थी जो अकबर के अधीन विकसित हुई थी.

20. (A) रोगन पेंटिंग किसी की रचनात्मक कल्पना से नाजुक और सटीक रूप से चित्रित की जाती है और इसे टेबल फ्रेम या किसी रूपरेखा का उपयोग किए बिना फर्श पर बैठकर पूरी एकाग्रता के साथ किया जाता है. रोगन चित्रित कपड़े से तकिए के कवर, मेजपोश, दीवार पर लटकने वाले कपड़े, फाइल फोल्डर, सजावटी वस्तुएं और यहाँ तक कि साड़ियाँ भी बनाई जाती हैं. रोगन कला एक दुर्लभ शिल्प है जो सम्पूर्ण भारत में प्रसिद्ध नहीं है. इसके दुर्लभ गुणों के कारण, भारत में इसका अभ्यास केवल एक ही परिवार द्वारा किया जाता है और वे गुजरात के कच्छ में रहते हैं.

21. (C) अनुच्छेद 343 (2) के अनुसार, यह निर्धारित किया गया था कि संविधान लागू होने की तारीख से 15 वर्ष की अवधि तक संघ के कामकाज के लिए अंग्रेजी आधिकारिक भाषा के रूप में उपयोग में 25 जनवरी, 1965 तक जारी रहेगी.

22. (B) राज्य चुनाव आयोग स्थानीय निकाय या पंचायत चुनाव कराने के लिए जिम्मेदार है.

23. (B) भारतीय संविधान का अनुच्छेद 108 संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक का प्रावधान करता है. लोक सभा अध्यक्ष संयुक्त बैठक की अध्यक्षता करते हैं. यदि अध्यक्ष अनुपलब्ध है, तो उपाध्यक्ष या राष्ट्रपति द्वारा चुना गया लोक सभा का कोई अन्य सदस्य अध्यक्षता करता है.

24. (A) प्राचीन भारत में आक्रमण सबसे पहले यूनानियों ने किया, फिर शकों ने और फिर कुषाणों ने किया.

25. (D) हेमवती कावेरी नदी के बाएं किनारे की सहायक नदी है.

    मंजरा, प्राणहिता, इंद्रावती और सबरी गोदावरी की प्रमुख बाएं किनारे की सहायक नदियाँ हैं.

    घटप्रभा, मालप्रभा, भीमा, तुंगभद्रा और मुसी कृष्णा नदी में मिलने वाली सहायक नदियाँ हैं.

26. (A)

27. (B) इगारका रूस में स्थित एक बंदरगाह है.

28. (C) हीरालाल चौधरी और अरुण कृष्णन को भारत में नीली क्रांति का जनक माना जाता है.

29. (B) गैर-पारम्परिक ऊर्जा स्रोत, जिन्हें अकसर नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के रूप में जाना जाता है, पवन ऊर्जा, सौर ऊर्जा, भूतापीय ऊर्जा, ज्वारीय ऊर्जा आदि जैसे प्रकृति में असीमित और निरंतर निर्मित होते हैं.

30. (D) पर्यावरण संरक्षण अधिनयम, 1986 भारत की संसद का एक अधिनियम है. यह मई 1986 में अधिनियमित हुआ और 19 नवम्बर, 1986 को लागू हुआ. इसमें 26 खण्ड और 4 अध्याय हैं. इस अधिनियम को व्यापक रूप से भोपाल गैस रिसाव की प्रतिक्रिया माना जाता है.

31. (B) वर्तमान सागर जिले में बीना नदी के किनारे एरण नामक स्थान में सती प्रथा के साक्ष्य मिले हैं.

32. (C) कोलार परियोजना से ही भोपाल शहर को जलापूर्ति की जाती है.

33. (C) कृष्णा, कंचन, नरेंद्र और गंगा बनारसी जैसी आँवले की किस्में बेहतरीन मानी जाती हैं, क्योंकि इनमें कीड़े और बीमारियों की सम्भावना कम होती है.

34. (B) मध्य प्रदेश में सर्वाधिक सिंचाई होशंगाबाद जिले में की जाती है.

35. (A)

36. (C) मध्य प्रदेश का सबसे बड़ा राजमार्ग MP SH 62 है, जो खिमलासा (सागर) से छिंदवाड़ा तक है.

37. (D) संजय गांधी ताप विद्युत् केन्द्र बिरसिंहपुर (उमरिया) में स्थित है.

38. (D) प्रोफेसर चेतन सिंह सोलंकी ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और ऊर्जा संरक्षण पर 750 वार्ताएं देने के लिए 20 राज्यों में 43,000 किमी से ज्यादा की यात्रा की है. यह यात्रा उन्होंने 1000 दिन में पूरी की है. प्रोफेसर सोलंकी को भारत के सौर पुरुष या सौर गांधी के रूप में भी जाना जाता है.

39. (C) यह ध्यातव्य है कि मध्य प्रदेश में प्रथम कपड़ा मिल 1906-07 में बुरहानपुर में स्थापित की गई थी.

40. (D) मध्य प्रदेश में सर्वाधिक लिंगानुपात वाले जिलों में बालाघाट (1021), अलीराजपुर (1011) और मण्डला (1008) शामिल हैं.

41. (D) भारत की संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसम्बर, 1946 को हुई थी. इसने स्वतंत्रता के बाद भारत की पहली संसद के रूप में कार्य किया और इसका मुख्य कार्य देश के लिए एक संविधान स्थापित करना था.

    भारत के लिए एक संविधान का मसौदा तैयार करने के लिए संविधान सभा ने 29 अगस्त, 1947 को डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की अध्यक्षता में एक मसौदा समिति की स्थापना की. डॉ. बी.आर. अम्बेडकर संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष थे.

    संविधान सभा के पहले अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानंद सिन्हा थे. बाद में डॉ. राजेंद्र प्रसाद को संविधान सभा का अध्यक्ष चुना गया.

    26 नवम्बर, 1949 को संविधान सभा ने भारत के संविधान का मसौदा पारित किया. भारतीय संविधान 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया था.

42. (C) मीरा कुमार 2009 से 2014 तक लोक सभा की 15वीं अध्यक्ष थीं.

43. (A) वर्तमान में, मध्य प्रदेश विधान सभा में 230 सदस्य शामिल हैं, जो एकल सीट निर्वाचन क्षेत्रों से सीधे चुने जाते हैं.

44. (B) इंद्र नारायण द्विवेदी, मदन मोहन मालवीय और गौरी शंकर मिश्रा ने 1918 में लखनऊ में उत्तर प्रदेश किसान सभा की स्थापना की.

45. (D) मोपला विद्रोह/मालाबार विद्रोह 1921 में केरल में खिलाफत आंदोलन का एक विस्तारित संस्करण था.

    1919 की शुरूआत में, ब्रिटिश सरकार को तुर्की के प्रति अपना रवैया बदलने के लिए मजबूर करने के लिए अली बंधुओं (शौकत अली और मुहम्मद अली), मौलाना आजाद, अजमल खान और हसरत मोहानी के नेतृत्व में एक खिलाफत समिति का गठन किया गया था.

    जलियांवाला बाग नरसंहार (जिसे अमृतसर नरसंहार के रूप में भी जाना जाता है. ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन से स्वतंत्रता के लिए भारतीय संघर्ष में एक महत्वपूर्ण घटना थी. यह 13 अप्रैल, 1919 को अमृतसर में हुआ था.

    दो होमरूल लीग का गठन किया गया था. बाल गंगाधर तिलक ने अप्रैल 1916 में बेलगाम में इंडियन होमरूल लीग की शुरूआत की तथा एनी बेसेंट ने सितम्बर 1916 में मद्रास में होमरूल लीग की शुरूआत की.

46. (B) पूर्व केन्द्रीय मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर वर्तमान में मध्य प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष हैं. वह केन्द्र सरकार में कृषि मंत्रालय समेत कई अन्य मंत्रालयों की जिम्मेदारी भी सँभाल चुके हैं.

47. (B) मध्य प्रदेश में भगवत दयाल शर्मा को सर्वाधिक तीन बार (1980, 1981 और 1983) राज्यपाल के रूप में नियुक्त किया गया है.

48. (A) मध्य प्रदेश पंचायती राज (संशोधन) अधिनियम, 2004 के अनुसार प्रदेश में ग्रामसभा में गणपूर्ति कुल सदस्यों के 10 प्रतिशत होना अनिवार्य है, जिनमें से एक-तिहाई महिलाएं अनिवार्य की गईं.

49. (A) मध्य प्रदेश नीति एवं योजना आयोग की स्थापना मध्य प्रदेश योजना आयोग के स्थान पर फरवरी 2020 में की गई थी तथा यह यह एक गैर-संवैधानिक व गैर-सांविधिक संस्था है.

50. (A) राष्ट्रीय हरित अधिकरण की स्थापना राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण अधिनियम, 2010 के तहत् की गई है.

51. (D) अंतरिक्ष अनुसंधान 2030 तक हासिल किया जाने वाला 'सतत् विकास लक्ष्य' (एसडीजी) लक्ष्य नहीं है.

52. (B) 17 अक्टूबर, 2023 को इस वर्ष के अंतर्राष्ट्रीय गरीबी उन्मूलन दिवस का विषय सभ्य कार्य और सामाजिक सुरक्षाः सभी के लिए व्यवहार में गरिमा लाना है.

53. (C) सही उत्तर स्वैच्छिक समाज सेवा है. स्वैच्छिक समाज सेवा को आमतौर पर आर्थिक गतिविधि नहीं माना जाता है. आर्थिक गतिविधियों में आमतौर पर मौद्रिक मूल्य के बदले वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन, वितरण या उपभोग शामिल होता है.

54. (C) वर्ल्ड सोशल प्रोटेक्शन रिपोर्ट अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (ILO) द्वारा प्रकाशित की जाती है. यह संयुक्त राष्ट्र की एक विशेष एजेंसी है.

55. (B) ₹ 11,90,440 करोड़ आवंटित होने के साथ, ब्याज भुगतान का प्रबंधन राजकोषीय योजना का एक महत्वपूर्ण घटक बना हुआ है.

56. (D) खरगौन जिले को महेश्वर साड़ी के लिए वर्ष 2012 में भौगोलिक संकेतक दिया गया था.

57. (D) मध्य प्रदेश में एक जिला एक उत्पाद 2023 के अनुसार पर्यटन को नर्मदापुरम जिले में, वहीं आलू को इंदौर में, जरी-जरदोजी व जूट पर्स को भोपाल में शामिल किया गया है.

58. (B) सिंगापुर G-20 का सदस्य नहीं है, जबकि G-20 के सदस्य हैं—अर्जेंटीना, आस्ट्रेलिया, ब्राजील, कनाडा, चीन, फ्रांस, जर्मनी, भारत, इंडोनेशिया, इटली, जापान, मैक्सिको, रूस, सऊदी अरब, दक्षिण अफ्रीका, दक्षिण कोरिया, तुर्की, यू.के. और यू.एस., साथ ही यूरोपीय संघ, जिसका प्रतिनिधित्व घूर्णन परिषद् अध्यक्ष और यूरोपीय सेंट्रल बैंक द्वारा किया जाता है.

59. (D) आत्मनिर्भर मध्य प्रदेश के चार स्तम्भ इस प्रकार हैं—बेहतर अवसंरचना, सुशासन, स्वास्थ्य व शिक्षा, अर्थव्यवस्था और रोजगार.

60. (B) स्मर्फिंग (जिसे स्ट्रक्चरिंग भी कहा जाता है) एक ऐसी विधि है, जिसमें वास्तविक मालिक की वास्तविक पहचान छिपाने के लिए कई बैंक खातों में छोटे आकार के पैसे रखे जाते हैं. यह मनी-लॉन्ड्रिंग का एक बहुत ही सामान्य रूप से इस्तेमाल किया जाने वाला तरीका रहा है. सुधार अवधि के दौरान, जैसे-जैसे बैंकिंग विनियमन के अधिक विवेकपूर्ण मानदंड विकसित हुए, भारत में ऐसे कृत्यों में गिरावट आई.

61. (D) शनि गृह पर लगभग 75% हाइड्रोजन और 25% हीलियम है. मीथेन और पानी की बर्फ जैसे अन्य पदार्थों के अंश भी हैं.

62. (A) सम्पीड़ित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) एक ईंधन गैस है, जो मुख्य रूप से मीथेन (सीएच 4) से बनी होती है, जो मानक वायुमण्डलीय दबाव पर इसकी मात्रा के 1% से कम तक सम्पीड़ित होती है.

63. (A) Rh असंगति तभी विकसित होती है जब माँ Rh-नेगेटिव होती है और शिशु Rh-पॉजिटिव होता है. Rh असंगति एक ऐसी स्थिति है, जो तब विकसित होती है जब एक गर्भवती महिला का रक्त Rh-नकारात्मक होता है और उसके गर्भ में पल रहे बच्चे का रक्त Rh-पॉजिटिव होता है. यदि माँ Rh-नेगेटिव है, तो उसकी प्रतिरक्षा प्रणाली Rh-पॉजिटिव भ्रूण कोशिकाओं के साथ ऐसा व्यवहार करती है जैसे कि वे कोई बाहरी पदार्थ हों. माँ का शरीर भ्रूण की रक्त कोशिकाओं के खिलाफ एंटीबॉडी बनाता है. ये एंटीबॉडीज नाल के माध्यम से वापस विकासशील बच्चे में प्रवेश कर सकती हैं. वे बच्चे की परिसंचारी लाल रक्त कोशिकाओं को नष्ट कर देती हैं.

64. (C) विटामिन ए, डी, ई और के को वसा में घुलनशील विटामिन कहा जाता है, क्योंकि वे कार्बनिक सॉल्वैंट्स में घुलनशील होते हैं और वसा के समान तरीके से अवशोषित और परिवहन किए जाते हैं.

65. (C) घातक मलेरिया मलेरिया का एक घातक रूप है. इस रोग का प्रेरक एजेंट *प्लाज्मोडियम फाल्सीपेरम* है. इसे सेरेब्रल मलेरिया या घातक मलेरिया भी कहा जाता है.

66. (D) क्वांटम डॉट पारम्परिक रूप से कोर-शेल संरचना वाला एक नैनोमीटर आकार का अर्धचालक कण है.

    क्वांटम डॉट्स का व्यापक रूप से उनके अद्वितीय ऑप्टिकल गुणों के लिए उपयोग किया जाता है, क्योंकि वे ऊर्जा की विशिष्ट तरंगदैर्घ्य का प्रकाश उत्सर्जित करते हैं.

67. (C) एमएफ (मध्यम आवृत्ति) बैंड का उपयोग उपग्रह संचार के लिए नहीं किया जाता है.

68. (A) जापानी एन्सेफलाइटिस वायरस (जेईवी) जापानी एन्सेफलाइटिस (जेई) के पीछे का कारक एजेंट है, जो सम्भावित रूप से गम्भीर मस्तिष्क संक्रमण है, जो मच्छर के काटने से फैलता है.

69. (B) समुद्री पारिस्थितिकी तंत्र में बायोमास का पिरामिड उल्टा होता है.

70. (C) ताजमहल को पीला करने के लिए सल्फर डाइऑक्साइड जिम्मेदार है.

71. (B) प्रधानमंत्री ने तमिलनाडु में कुलसेकरपट्टिनम स्पेसपोर्ट का उद्घाटन किया, जो सतीश धवन अंतरिक्ष केन्द्र के बाद दूसरा स्पेसपोर्ट है.

72. (C) भारत के एकीकृत भुगतान इंटरफेस (UPI) का औपचारिक लॉन्च पेरिस में गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान हुआ, जिसमें फ्रांसीसी राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन उपस्थित थे. भारतीय दूतावास ने अपने वैश्विक विस्तार को चिह्नित करते हुए एफिल टॉवर पर यूपीआई की शुरूआत की.

73. (B) भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी ने भारत की सबसे बड़ी ड्रोन पायलट प्रशिक्षण सुविधा शुरू की है. यह कार्यक्रम पीएम की नमो ड्रोन दीदी पहल के अनुरूप है.

74. (B) शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) ने आतंकवादी, अलगाववादी और चरमपंथी उद्देश्यों के लिए इंटरनेट के उपयोग से निपटने के लिए एक संयुक्त आतंकवाद विरोधी अभ्यास आयोजित किया. नई दिल्ली में भारत द्वारा आयोजित इस अभ्यास का उद्देश्य अवैध गतिविधियों के लिए इंटरनेट के दुरुपयोग की पहचान करने और उसे दबाने में एससीओ सदस्य देशों के बीच सहयोग में सुधार करना है.

75. (A) नेपाल टी-20 क्रिकेट में 300 से अधिक रन बनाने वाली पहली टीम बन गई जब उसने एशियाई खेलों, चीन में मंगोलिया के खिलाफ कुल 314 रन बनाए.

76. (A) विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन (WOAH) 1924 में स्थापित एक अंतरसरकारी संगठन है, जो पशु रोग नियंत्रण का समन्वय, समर्थन और प्रचार करता है. इसका मुख्यालय पेरिस में है.

77. (A) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने पणजी, गोवा में राष्ट्रीय खेलों के 37वें संस्करण का उद्घाटन किया.

78. (A) एआई सुरक्षा शिखर सम्मेलन की मेजबानी 2024 के मध्य में दक्षिण कोरिया द्वारा किए जाने की उम्मीद है, इसके बाद 2024 के अंत में फ्रांस द्वारा इसकी मेजबानी की जाएगी.

79. (D) आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का उपयोग करके औद्योगिक प्रदूषण की स्वचालित निगरानी के लिए मध्य प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को उत्कृष्ट पर्यावरण प्रबंधन के लिए प्रतिष्ठित स्कोच ऑर्डर ऑफ मेरिट अवॉर्ड 2023 से सम्मानित किया गया.

80. (C) मध्य प्रदेश की वरिष्ठ आईएएस वीरा राणा को प्रदेश का मुख्य सचिव बनाया गया है. वहीं, आईएएस संजय बंदोपाध्याय को कर्मचारी चयन मंडल का अध्यक्ष बनाया गया है.

81. (C) रोबोटिक्स का तीसरा नियम रोबोट की आत्म-संरक्षण प्रवृत्ति को सम्बोधित करता है. यह रोबोटों को अपने अस्तित्व की रक्षा करने की अनुमति देता है जब तक कि ऐसी सुरक्षा पहले या दूसरे नियमों के साथ टकराव नहीं करती है. हालाँकि, मानव सुरक्षा और मानवीय आदेशों का पालन प्राथमिकता में है.

82. (A) एस्क्रो एक वित्तीय साधन है जिसके तहत् एक सम्पत्ति दो अन्य पार्टियों की ओर से तीसरे पक्ष द्वारा रखी जाती है जो लेनदेन को पूरा करने की प्रक्रिया में हैं. ई-कॉमर्स किसी ग्राहक को बेचने से पहले किसी व्यापारी की सम्पत्ति को अपने पास रखता है.

83. (A) कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी में, बग कम्प्यूटर प्रोग्राम में एक कोडिंग त्रुटि है.

84. (D) दी गई भाषाओं में, पर्ल का उपयोग आमतौर पर एआई के लिए नहीं किया जाता है. LISP और PROLOG दो भाषाएं हैं, जिनका व्यापक रूप से AI नवाचार के लिए उपयोग किया गया है और AI और मशीन लर्निंग के लिए सबसे पसंदीदा भाषा पायथन है.

85. (D) एक एआई एजेंट सेंसर और एक्चुएटर्स का उपयोग करके पर्यावरण को समझता है और उस पर कार्य करता है. सेंसर के साथ, यह आस-पास के वातावरण को महसूस करता है और एक्चुएटर्स के साथ, यह उस पर कार्य करता है.

86. (B) ब्लैक हैट हैकर्स, जिन्हें अकसर 'क्रैकर्स' के रूप में जाना जाता है, एक प्रकार का साइबर अपराध है, जो गोपनीय डेटा चुराने या व्यक्तिगत लाभ के लिए या कम्पनी को नुकसान पहुँचाने के लिए उपयोगकर्ता के खाते या सिस्टम तक अवैध पहुँच प्राप्त करते हैं.

87. (B) कोड रेड एक कम्प्यूटर वर्म था जिसे 15 जुलाई, 2001 को इंटरनेट पर देखा गया था.

88. (C) वर्म एक स्वतंत्र दुर्भावनापूर्ण प्रोग्राम है जिसे काम करने के लिए होस्ट की आवश्यकता नहीं होती है.

    एक वर्म स्व-प्रतिकृति बना सकता है और अन्य कम्प्यूटरों में फैल सकता है, जबकि एक वायरस ऐसा नहीं कर सकता. किसी उपयोगकर्ता द्वारा या सॉफ्टवेयर के माध्यम से वायरस को एक कम्प्यूटर से दूसरे कम्प्यूटर में भेजने की आवश्यकता होती है.

89. (D) लिंक्डइन एक व्यवसाय और रोजगार-केंद्रित सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म है, जो वेबसाइटों और मोबाइल ऐप्स के माध्यम से काम करता है.

90. (B) एक सामाजिक इनफ्लुएंसर या सोशल मीडिया इनफ्लुएंसर, वह व्यक्ति होता है जिसके पास किसी विशेष क्षेत्र में अधिकार या विशेषज्ञता की प्रतिष्ठा होती है और जो उस अधिकार का उपयोग बड़ी संख्या में सोशल मीडिया फॉलोवर्स के साथ जुड़ने के लिए करता है.

91. (B) बादलभोई आदिवासी संग्रहालय बादल भोई आदिवासी संग्रहालय छिंदवाड़ा में स्थित है. इस जनजातीय संग्रहालय की शुरूआत 20 अप्रैल, 1954 को की गई थी.

92. (A) मध्य प्रदेश की गोंड जनजाति में भाई का लड़का और बहन की लड़की अथवा भाई की लड़की और बहन का लड़का में विवाह का प्रचलन है जिसे यह लोग दूध–लौटावा कहते हैं.

93. (C) सहरिया भारत की सबसे कुपोषित जनजातियों में गिनी जाती है तथा मध्य प्रदेश का श्योपुर जिला सहरिया बाहुल्य जिला होने के कारण भारत का इथोपिया कहा जाता है.

94. (A) रोहिया, रौतेला, भवतिया और रेवरिया कोल जनजाति की उपजातियाँ हैं.

95. (B) मध्य प्रदेश में भरिया जनजाति सामान्यतः पातालकोट (छिंदवाड़ा) क्षेत्र में देखने को मिलती है, इसकी उपजातियाँ भूमिया, भुइहरा हैं.

96. (B) बंजारा समुदाय विशेष तौर पर मध्य प्रदेश की सीमा पर पाए जाते हैं, यद्यपि बंजारा समाज के लोग मध्य प्रदेश सहित आस-पास के प्रदेशों में भी घूम कर व्यापार करते हैं.

97. (A) मध्य प्रदेश का पहला जनजाति रेडियो केन्द्र भावरा (अलीराजपुर) में स्थापित किया गया था.

98. (A) दया शंकर नाग द्वारा लिखित 'ट्राइबल इकोनॉमीः एन इकोनॉमिक स्टडी ऑफ द बैगा' यह पुस्तक बैगा जनजाति के आर्थिक अध्ययन पर केंद्रित है, जिसमें उनकी कृषि पद्धतियों, आय स्रोतों, ऋण, सामाजिक संरचना और अन्य जैसे विभिन्न पहलुओं की चर्चा की गई है.

99. (C) पेमा फत्या मध्य प्रदेश के एक श्रेष्ठ जनजातीय चित्रकार थे, वे अलीराजपुर के निवासी थे. उनका निधन वर्ष 2020 में हो गया.

100. (A) मार्च 2023 को राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने कला क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए मध्य प्रदेश की प्रसिद्ध बैगा चित्रकार जोधइया बाई बैगा को वर्ष 2023 के पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित किया. ●●●

आगामी बैंक पी.ओ., एम.बी.ए. आदि परीक्षाओं के लिए विशेष हल प्रश्न

उद्योग, व्यापार एवं बैंकिंग सचेतता

1. वित्तीय वर्ष 2023-24 में देश के सकल घरेलू उत्पाद (GDP) में कितने प्रतिशत की वृद्धि राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (NSO) के फरवरी 2024 में जारी दूसरे अग्रिम आकलन में अनुमानित है ?
(A) 5·6 प्रतिशत (B) 6·6 प्रतिशत
(C) 7·6 प्रतिशत (D) 8·6 प्रतिशत

2. एनएसओ के दूसरे अग्रिम अनुमानों में 2023-24 में भारत में प्रति व्यक्ति आय (प्रचलित मूल्यों पर) लगभग कितनी अनुमानित है ?
(A) ₹ 99 हजार
(B) ₹ 1·06 लाख
(C) ₹ 1·69 लाख
(D) ₹ 1·83 लाख

3. एनएसओ के फरवरी 2024 के दूसरे अग्रिम अनुमानों में 2023-24 में अर्थव्यवस्था के किस उपक्षेत्र में वृद्धि सर्वाधिक रहने का अनुमान है ?
(A) कृषि
(B) निर्माण (Construction)
(C) विनिर्माणी (Manufacturing)
(D) खनन व उत्खनन

4. एनएसओ द्वारा फरवरी 2024 में जारी आँकड़ों के अनुसार 2022-23 में देश के सकल मूल्य सम्वर्धन (GVA) में उद्योगों का योगदान लगभग कितने प्रतिशत था ?
(A) 25 (B) 35
(C) 45 (D) 55

5. कृषि मंत्रालय के ताजा अग्रिम अनुमानों के अनुसार 2023-24 में देश में कुल बागवानी उत्पादन लगभग कितना रहा है ? (मिलियन टन में)
(A) 150 (B) 250
(C) 350 (D) 450

6. भारत ने यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ के साथ एक व्यापार एवं आर्थिक भागीदारी समझौते (TEPA) पर हस्ताक्षर मार्च 2024 में किए हैं. यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) कितने देशों का संघ है ?
(A) 4 (B) 12
(C) 20 (D) 27

7. EFTA के साथ हस्ताक्षरित भारत के Trade and Economic Partnership Agreement–TEPA के तहत् TEPA के सदस्य देश अगले 15 वर्ष में कम-से-कम कितना निवेश भारत में करेंगे ?
(A) 25 अरब डॉलर
(B) 50 अरब डॉलर
(C) 75 अरब डॉलर
(D) 100 अरब डॉलर

8. वित्तीय वर्ष 2024-25 की पहली तिमाही (Q_1) अप्रैल-जून 2024 के लिए किसान विकास-पत्रों पर ब्याज दर कितने प्रतिशत प्रति वर्ष निर्धारित की गई है ?
(A) 6·5 प्रतिशत (B) 7·5 प्रतिशत
(C) 8·5 प्रतिशत (D) 9·0 प्रतिशत

9. हरियाणा में सूरजकुंड अन्तर्राष्ट्रीय हस्तशिल्प मेला राज्य के किस जिले में प्रति वर्ष फरवरी माह में आयोजित होता है ?
(A) करनाल (B) गुरुग्राम
(C) फरीदाबाद (D) रोहतक

10. 2024-25 के लिए कच्चे जूट के न्यूनतम समर्थन मूल्य में कितने रुपए प्रति क्विंटल की वृद्धि सरकार ने मार्च 2024 में की है ?
(A) ₹ 125 (B) ₹ 185
(C) ₹ 225 (D) ₹ 285

11. इकोनॉमिक टाइम्स कॉर्पोरेट एक्सीलेंस पुरस्कारों के तहत् सी. के. वेंकटरमन को वर्ष 2023 के लिए बिजनेस लीडर ऑफ द ईयर घोषित किया गया है. पुरस्कृत वेंकटरमन किस कम्पनी से सम्बद्ध है ?
(A) एचडीएफसी बैंक
(B) मैनकाइंड फार्मा
(C) टाइटन
(D) टाटा मोटर्स

12. मार्च 2024 में दिए गए वर्ष 2023 के इकोनॉमिक टाइम्स कॉर्पोरेट एक्सीलेंस पुरस्कारों के तहत् किस कम्पनी को कम्पनी ऑफ द ईयर के रूप में पुरस्कृत किया गया ?
(A) भारतीय स्टेट बैंक
(B) आईसीआईसीआई बैंक
(C) रिलायंस इंडस्ट्रीज लि.
(D) टीसीएस

13. 'भारत रोजगार रिपोर्ट 2024' शीर्षक से जारी रिपोर्ट के जारीकर्ता संस्था/संस्थाएं है/हैं—
I. अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ)
II. मानव विकास संस्थान (आईएचडी)
कूट :
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) दोनों I व II
(D) न I तथा न ही II

14. भारत में थोक मूल्य सूचकांक का आधार वर्ष क्या है ?
(A) 2011-12 (B) 2012
(C) 2020-21 (D) 2020

15. निम्नलिखित में से किस शहर में मेट्रो ट्रेन नदी के नीचे बनाई गई सुरंग में भी चलती है ?
(A) बेंगलूरू (B) कोच्चि
(C) कोलकाता (D) तिरुवनंतपुरम

16. भारत के वित्तीय सहयोग से पुनातशंगछू (Punatshangchhu) जलविद्युत् परियोजना किस देश में स्थापित की जा रही है ?
(A) बांग्लादेश (B) नेपाल
(C) भूटान (D) मॉरिशस

17. वरिष्ठ बैंकर एम. वी. राव भारतीय बैंकों के संघ (Indian Banks' Association–IBA) के चेयरमैन मार्च 2024 में चुने गए हैं. यह पद सँभालने वाले श्री राव किस बैंक के प्रबन्ध निदेशक हैं ?
(A) सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया
(B) पंजाब नेशनल बैंक
(C) इण्डियन ओवरसीज बैंक
(D) केनरा बैंक

18. सार्वजनिक क्षेत्र के निम्नलिखित में से किस बैंक की ईक्विटी केपिटल में सरकार की हिस्सेदारी सर्वाधिक है ?
(A) सेन्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया
(B) पंजाब एण्ड सिंध बैंक लि.
(C) यूको बैंक
(D) बैंक ऑफ महाराष्ट्र

19. निम्नलिखित में से किस श्रेणी के विदेशी व्यापार में भारत का व्यापार संतुलन भारत के पक्ष में रहता है ?
I. वस्तुगत व्यापार
II. सेवाओं का व्यापार
निम्नलिखित में से सही उत्तर चुनिए—
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I व II दोनों
(D) न I तथा न ही II

शेष पृष्ठ 167 पर

समसामयिक वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. 25 फरवरी, 2024 को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा उद्घाटन किया गया 'सुदर्शन सेतु' निम्नलिखित में से कहाँ स्थित है ?
(A) ओखा (गुजरात)
(B) मथुरा (उत्तर प्रदेश)
(C) भागलपुर (बिहार)
(D) पुरी (ओडिशा)

2. भ्रष्टाचार के आरोपों में घिरी किरू जलविद्युत् परियोजना निम्नलिखित में से किस नदी पर स्थित है ?
(A) सतलज (B) व्यास
(C) चिनाब (D) झेलम

3. भयानक महामारी वाले रोग प्लेग के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(A) 1346 एवं 1353 के बीच ब्यूबोनिक प्लेग से यूरोप में 5 करोड़ से अधिक लोग मारे गए थे
(B) ब्यूबोनिक प्लेग से होने वाली मौतों को 'ब्लैक डेथ' कहा जाता है
(C) फरवरी 2024 में ओरेगॉन (सं.रा. अमरीका) में प्लेग का एक रोगी पाया गया है
(D) प्लेग के विरुद्ध कोई भी एण्टीबायोटिक काम नहीं करता है

4. सैन्य अभ्यास 'धर्मा-गार्जियन' (Dharma Guardian) के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(A) यह भारतीय थल सेना एवं जापान के जमीनी आत्मरक्षा बल के बीच सैन्य अभ्यास है
(B) धर्मा-गार्जियन का दसवाँ संस्करण 25 फरवरी से 9 मार्च, 2024 तक राजस्थान के महाजन फील्ड फाइरिंग रेंज में सम्पन्न हुआ
(C) इस अभ्यास में जापानी सेना के 34वें इन्फैन्टरी रेजीमेण्ट तथा भारतीय सेना की राजपूताना राइफल्स की एक बटालियन के 40-40 जवानों ने हिस्सा लिया
(D) यह अभ्यास एक वर्ष भारत में तथा एक वर्ष जापान में होता है

5. निम्नलिखित में से किसे लोकपाल का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है ?
(A) सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर
(B) सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति रविन्द्र भट
(C) सर्वोच्च न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायाधीश संजय किशन कौल
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. निम्नलिखित में से किस भारतीय को ब्रिटेन के सम्राट् चार्ल्स तृतीय द्वारा 'नाइटहुड' से सम्मानित किए जाने की घोषणा फरवरी 2024 में की गई ?
(A) सुनील भारती मित्तल
(B) आदित्य बिड़ला
(C) एन.आर. नारायणमूर्ति
(D) एस.पी. हिन्दुजा

7. सर्वोच्च न्यायालय की 7 सदस्यीय संविधान पीठ द्वारा संसद/विधानमण्डल में रिश्वत लेकर मत देने पर आपराधिक मुकदमा चलाए जाने से सम्बन्धित एक निर्णय के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(A) सांसदों और विधायकों को सदन में मतदान करने या भाषण देने के लिए रिश्वत लेने के मामले में अभियोग से कोई छूट नहीं है
(B) इस निर्णय ने झारखण्ड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) रिश्वत मामले में 5 सदस्यीय संविधान पीठ के 1998 के एक फैसले को पलट दिया है
(C) इस निर्णय से प्रतिपादित सिद्धान्त राज्य सभा, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों पर लागू नहीं होगा
(D) संविधान के अनुच्छेद 105(2) के तहत् संसद सदस्यों तथा अनुच्छेद 194(2) के तहत् विधान मण्डल में कही गई किसी बात या कृत्य के लिए उन पर अभियोग नहीं चलाया जा सकता

8. समाचारों की सुर्खियों में रहा 'चक्षु' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) 'चक्षु' केन्द्रीय दूरसंचार विभाग द्वारा विकसित एक ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है
(B) इस प्लेटफॉर्म पर नागरिक ऐसे फोन कॉल व संदेशों की जानकारी दे सकते हैं, जिनके जरिए उनके साथ वित्तीय धोखाधड़ी से लेकर सेक्सटार्शन तक किया जा रहा है
(C) 'चक्षु' को सरकारी पोर्टल संचार साथी डॉटजोओवी पर औपचारिक रूप से शुरू किया गया
(D) इस प्रकार से दर्ज शिकायतों पर आपराधिक कार्रवाई नहीं की जा सकती

9. निम्नलिखित प्रकरणों पर विचार कीजिए—
I. सेक्सटार्शन के कॉल या मैसेज, सरकारी अधिकारी या उसका रिश्तेदार बनकर बात करना, फर्जी कस्टमर केयर हेल्पलाइन से कॉल.
II. बैंक, बिजली, गैस, बीमा पॉलिसी के लिए आने वाली कॉल.
III. रोबोटिक या बार-बार की जा रही कॉल.
IV. ऑनलाइन नौकरी, लॉटरी, तोहफे, लोन ऑफर के लिए जा रहीं फर्जी कॉल.
V. संदेहास्पद वेबसाइट्स के लिंक वाले मैसेज.
उपर्युक्त में से कितने प्रकार के मामलों से सम्बन्धित शिकायतें केन्द्र सरकार के 'चक्षु' पोर्टल पर की जा सकती हैं ?
(A) केवल 2 (B) केवल 3
(C) केवल 4 (D) सभी 5

10. पानी के नीचे देश की पहली मेट्रो रेल किस शहर में संचालित है ?
(A) कोलकाता (B) कोच्चि
(C) दिल्ली (D) कहीं भी नहीं

11. फरवरी-मार्च 2024 में निम्नलिखित में से किस शहर में गम्भीर जल संकट उत्पन्न हो गया ?
(A) बीकानेर (राजस्थान)
(B) नागपुर (महाराष्ट्र)
(C) बेंगलूरू (कर्नाटक)
(D) अमरावती (महाराष्ट्र)

12. समाचारों की सुर्खियों में रही सेला सुरंग के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य नहीं है ?
(A) सेला सुरंग विश्व की सबसे लम्बी ट्विन लेन सुरंग है
(B) सेला सुरंग का उद्घाटन नितिन गड़करी द्वारा 9 मार्च, 2024 को किया गया
(C) सेला सुरंग का निर्माण सीमा सड़क संगठन द्वारा किया गया है
(D) सेला सुरंग अरुणाचल प्रदेश में स्थित है

13. जेम्स एण्डर्सन ने धर्मशाला (हिमाचल प्रदेश) में खेले गए पाँचवें इंगलैण्ड-भारत टेस्ट मैच में कुलदीप यादव को आउट करके 700वाँ विकेट लिया. यह उपलब्धि हासिल करने वाला अन्य गेंदबाज कौन है ?
(A) अनिल कुम्बले (भारत)
(B) मुथैया मुरलीधरन (श्रीलंका)
(C) शेनवॉर्न (आस्ट्रेलिया)
(D) (B) व (C) दोनों

14. समाचारों की सुर्खियों में रहे 'आईएनएस जटायु' के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सत्य है ?

I. आईएनएस जटायु लक्षद्वीप के मिनीकॉय द्वीप पर स्थापित भारतीय नौसेना का एक अड्डा है.
II. आईएनएस जटायु पश्चिमी अरब सागर में डकैती रोधी गतिविधियों तथा नशीली दवाओं के अवैध कारोबार को नियंत्रित करने में मदद करेगा.

सही कूट हैं—
(A) केवल I
(B) केवल II
(C) दोनों I एवं II
(D) न I और न II

15. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) द्वारा जारी मानव विकास रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार मानव विकास सूचकांक 2022 में भारत का रैंक कौनसा है ?
(A) 131वाँ (B) 132वाँ
(C) 133वाँ (D) 134वाँ

16. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा 13 मार्च, 2024 को जारी मानव विकास रिपोर्ट 2023-24 के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. मानव विकास सूचकांक 2022 में स्विट्जरलैण्ड का पहला रैंक है.
II. मानव विकास सूचकांक 2022 में भारत का रैंक अपने पड़ोसी देशों से नीचे है.
III. मानव विकास सूचकांक 2022 के शीर्ष 10 देशों में एशिया का एक भी देश शामिल नहीं है.
IV. प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (पीपीपी) मानव विकास सूचकांक का एक घटक है.

उपर्युक्त में से कितने तथ्य सही हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) सभी 4

17. लोक सभा और राज्य विधान सभाओं तथा पंचायती राज संस्थाओं व स्थानीय नगर निकायों के चुनाव एक साथ कराए जाने की सम्भावना तलाशने के लिए भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा 14 मार्च, 2024 को राष्ट्रपति को सौंपी रिपोर्ट में निम्नलिखित में से कौनसी सिफारिश की गई है ?
I. पहले चरण में लोक सभा और राज्य विधान सभाओं के चुनाव एक साथ वर्ष 2029 में कराए जाएं.
II. वर्ष 2029 में लोक सभा एवं राज्य विधान सभाओं के चुनाव एक साथ कराए जाने के 100 दिनों के भीतर स्थानीय निकायों के चुनाव कराए जाएं.
III. सारे देश में एक ही एकल मतदाता सूची हो.
IV. सदनों का कार्यकाल 5 वर्ष का होगा.
V. मध्यावधि चुनावों से चुने गए सदन का कार्यकाल 5 वर्ष की शेष अवधि के लिए होगा.

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल 2 (B) केवल 3
(C) केवल 4 (D) सभी 5

18. निम्नलिखित नामों पर विचार कीजिए—
I. ज्ञानेश कुमार
II. सुखबीर सिंह संधू
III. राजीव कुमार

उपर्युक्त में से कितनों को 15 मार्च, 2024 को भारत का निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) सभी 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

19. भारत के दूसरे महिला प्रीमियर लीग (WPL) 2024 का खिताब किसने जीता ?
(A) रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर
(B) दिल्ली कैपीटल्स
(C) मुम्बई इंडियन्स
(D) गुजरात जियान्टस

20. भारत निर्वाचन आयोग की सूचना के अनुसार लोक सभा सामान्य निर्वाचन 2024 में देश के कितने राज्यों में महिला मतदाताओं की संख्या पुरुष मतदाताओं की संख्या से अधिक है ?
(A) 5 (B) 9
(C) 11 (D) 12

21. नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 को लागू करने के लिए भारत सरकार द्वारा अधिसूचित नियमों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. संसदीय कार्य नियमावली के अनुसार, किसी भी कानून को राष्ट्रपति द्वारा दी गई मंजूरी के 6 माह के भीतर कानून के नियम जारी किए जाने चाहिए.
II. 6 माह के भीतर क्रियान्वयन नियम न बना पाने पर सरकार को लोक सभा और राज्य सभा की अधीनस्थ विधान समितियों से अवधि में विस्तार करने की अनुमति लेनी होती है.
III. वर्ष 2020 से गृह मंत्रालय नियम बनाने के लिए अधीनस्थ विधायन समितियों से नियमित अन्तराल पर अवधि में विस्तार प्राप्त करता रहा है.

उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) सभी 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

22. नागरिकता (संशोधन) अधिनियम, 2019 के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?
I. पाकिस्तान, बांग्लादेश तथा अफगानिस्तान से 31 दिसम्बर, 2014 तक भारत आए गैर-मुस्लिम प्रवासियों को भारतीय नागरिकता प्राप्त हो जाएगी.
II. इन देशों से आए गैर-मुस्लिम प्रवासी (हिन्दू, सिख, जैन, बौद्ध, पारसी तथा ईसाई) ही इस कानून के तहत् भारतीय नागरिकता प्राप्त कर सकते हैं.

सही कूट हैं—
(A) केवल I (B) केवल II
(C) I एवं II दोनों (D) न I और न II

23. समाचारों की सुर्खियों में रही गंबूसिया के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) यह दक्षिण-पूर्वी संयुक्त राज्य अमरीका के ताजे पानी में पाई जाने वाली 'मांस्किटोफिश' है
(B) विश्व में गंबूसिया की 10 प्रजातियाँ पाई जाती हैं
(C) इन्हें आन्ध्र प्रदेश, ओडिशा और पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में मच्छरों के बढ़ते खतरे से निपटने के लिए जल निकायों में छोड़ा गया है
(D) ये मच्छरों के लार्वा को खाती हैं, जिससे मच्छर उत्पन्न नहीं हो पाते

24. 'कैरोली' क्या है ?
(A) सिलिकॉन प्रमाणित कृत्रिम मेधा चिप
(B) धान की एक नवीन प्रजाति जो मुख्य रूप से बोई जाती है
(C) अण्डमान निकोबार द्वीपसमूह में पायी जाने वाली आदिम जनजाति
(D) छत्तीसगढ़ के आदिवासियों में प्रचलित लोक नृत्य

25. वन्य जीवों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभिसमय 1979 के COP-14 (कॉन्फ्रेंस ऑफ पार्टीज) का आयोजन कहाँ किया गया ?
(A) नैरोबी (केन्या)
(B) कोलम्बो (श्रीलंका)
(C) समरकंद (उज्बेकिस्तान)
(D) तेहरान (ईरान)

26. भारत में महिलाओं की श्रमबल में भागीदारी की स्थिति के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. आवधिक श्रमबल सर्वेक्षण (PLFs) के अनुसार श्रमबल में महिला भागीदारी वर्ष 2017-18 के 17·5% से बढ़कर वर्ष 2022-23 में 27·8% हो गई.

II. महिला श्रमबल का बड़ा हिस्सा 'घरेलू उद्यमों में सहायक' के रूप में कार्यरत् महिलाओं का है जिन्हें अपने कार्य के लिए कोई नियमित वेतन नहीं मिलता.

उपर्युक्त में से कौनसा सही है ?

(A) केवल I
(B) केवल II
(C) I एवं II दोनों
(D) न I और न II

27. नीतिश डिवाइस के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?

(A) नीतिश का पूर्णरूप (NITISH—Novel Initiative Technological Intervention for Safety of Human-lives) है
(B) नीतिश डिवाइस को बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा लॉन्च किया गया है
(C) नीतिश डिवाइस आकाशीय बिजली गिरने या बाढ़ आने से आधा घण्टे पहले अपने उपयोगकर्ताओं को चेतावनी देता है
(D) नीतिश डिवाइस को भारतीय मौसम विज्ञान विभाग द्वारा विकसित किया गया है

28. 96वें एकेडमी अवॉर्ड्स (ऑस्कर अवॉर्ड्स 2023) में सर्वश्रेष्ठ फिल्म का पुरस्कार किसे प्रदान किया गया ?

(A) ओपेनहाइमर
(B) पुअर थिंग्स
(C) द होल्ड ओवर्स
(D) जॉन ऑफ इंटरेस्ट

29. 96वें एकेडमी अवॉर्ड्स 2023 में प्रदत्त पुरस्कारों के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?

(A) सर्वश्रेष्ठ अभिनेता–किलियन मर्फी (ओपेनहाइमर)
(B) सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री–एम्मा स्टोन (पुअर थिंग्स)
(C) सर्वश्रेष्ठ निर्देशक–क्रिस्टोफर नोलन (ओपेनहाइमर)
(D) सर्वश्रेष्ठ सपोर्टिंग अभिनेत्री–लिली ग्लैडस्टोन (किलर्स ऑफ दी फ्लावर मून)

30. मार्च 2024 में भारत के राष्ट्रपति द्वारा राज्य सभा के लिए निम्नलिखित में से किसे मनोनीत किया गया है ?

(A) फिल्म अभिनेत्री कंगना रनौत
(B) समाजसेवी एवं लेखिका सुधा मूर्ति
(C) इसरो के पूर्व अध्यक्ष ए.एस. किरन कुमार
(D) विप्रो के संस्थापक एवं दानदाता अजीम प्रेमजी

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 25 फरवरी, 2024 को गुजरात में ओखा से बेयट द्वारिका को जोड़ने वाले 2·32 किमी लम्बे, 27·20 मीटर चौड़े देश के सबसे लम्बे केबिल-स्टेयड सुदर्शन सेतु का उद्घाटन किया. इसका Central Double-Span Cable-Stayed भाग 900 मीटर लम्बा है. चार लेन वाले इस सेतु के दोनों ओर 2·5 मीटर चौड़े फुटपाथ बनाए गए हैं. बेयट द्वारिका ओखा के निकट एक द्वीप है जिस पर द्वारिकाधीश का मंदिर है. कहा जाता है कि द्वापर युग में भगवान श्रीकृष्ण ने इसी स्थान पर द्वारिका नगरी बसाई थी.
2. (C) जम्मू एवं कश्मीर सं.शा. क्षेत्र के किश्तवाड़ जनपद में 624 मेगावाट की किरू जलविद्युत् परियोजना पत्थरनाक्की किरू गाँव के निकट चिनाब नदी पर स्थित है. जम्मू एवं कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने इस परियोजना की स्वीकृति देने के लिए उन्हें ₹ 300 करोड़ की रिश्वत दिए जाने का आरोप लगाया था.
3. (D)
4. (B) धर्मा-गार्जियन का पाँचवाँ संस्करण 25 फरवरी से 9 मार्च, 2024 को राजस्थान के महाजन फील्ड फाइरिंग रेंज में सम्पन्न हुआ.
5. (A) भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू ने सर्वोच्च न्यायालय की पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति रंजना देसाई की अध्यक्षता में गठित 10 सदस्यीय सर्च समिति की सिफारिशों के आधार पर सर्वोच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश न्यायमूर्ति ए.एम. खानविलकर को भारत का नया लोकपाल नियुक्त किया है. सेवानिवृत्त न्यायाधीश न्यायमूर्ति लिंगप्पा नारायन स्वामी, न्यायमूर्ति संजय यादव, न्यायामूर्ति रितुराज अवस्थी लोकपाल के न्यायिक सदस्य तथा सुशील चन्द्रा, पंकज कुमार तथा अजय तिर्के गैर-न्यायिक सदस्य नियुक्त किए गए हैं. लोकपाल में अध्यक्ष के अतिरिक्त चार न्यायिक तथा चार गैर-न्यायिक सदस्य हो सकते हैं.
6. (A) भारती एण्टरप्राइजेज के संस्थापक और अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल को ब्रिटेन के सम्राट् जॉर्ज तृतीय द्वारा 'नाइटहुड' से सम्मानित किए जाने की घोषणा की गई.
7. (C) संसदीय विशेषाधिकार के सम्बन्ध में सर्वोच्च न्यायालय के इस निर्णय से प्रतिपादित सिद्धान्त राज्य सभा, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति के चुनावों पर समान रूप से लागू होगा.
8. (D) चक्षु प्लेटफॉर्म पर आई शिकायत की जाँच कर अपराधियों को पकड़ा जाएगा और कार्रवाई की जाएगी. स्पैम कॉल करने वाले व अन्य संदिग्ध फोन नम्बर बंद कर दिए जाएंगे.
9. (D) केन्द्रीय दूरसंचार विभाग द्वारा स्थापित 'चक्षु' पोर्टल पर ऐसे सभी फोन कॉलों और संदेशों की जानकारी/शिकायत की जा सकती है जिनके जरिए नागरिकों के साथ वित्तीय धोखाधड़ी से लेकर सेक्सटार्शन तक किया जा सकता है.
10. (A) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 6 मार्च, 2024 को भारत की पहले पानी के नीचे मेट्रो रूट (कोलकाता–हावड़ा) का उद्घाटन किया. कोलकाता में हावड़ा मैदान से एस्प्लेनेड तक 4·8 किमी मेट्रो रेल खण्ड का निर्माण ₹ 4965 करोड़ से किया गया है. यह प्रखण्ड पृथ्वी की सतह से 30 मीटर नीचे देश का सबसे अधिक गहराई वाला मेट्रो स्टेशन हावड़ा पर बनाया गया है. इस प्रखण्ड का कुछ भाग हुगली नदी के नीचे से गुजरता है.
11. (C) अनियंत्रित विकास, शहर का व्यापक फैलाव, मानसूनी वर्षा कम होने से बेंगलूरू में जनवरी से मार्च 2024 के दौरान भीषण जल संकट उत्पन्न हो गया.
12. (B) अरुणाचल प्रदेश में ₹ 825 करोड़ की लागत से बनी सेला सुरंग का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 9 मार्च, 2024 को किया गया. यह सुरंग अरुणाचल प्रदेश में तवांग में चीनी सीमा के निकट है.
13. (D) 14. (C)
15. (D) संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा 13 मार्च, 2024 को जारी मानव विकास रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार मानव विकास सूचकांक 2022 में भारत का रैंक 134वाँ था. वर्ष 2021 में भारत का रैंक 135वाँ था. 2022 में भारत के मानव विकास सूचकांक का मान 0·644 है. 2022 में भारत की जन्म के समय जीवन प्रत्याशा 67·7 वर्ष, विद्यालयी शिक्षा के अपेक्षित वर्ष 12·6, विद्यालयी शिक्षा के औसत वर्ष 6·6 तथा प्रति व्यक्ति सकल राष्ट्रीय आय (पीपीपी) 6951 अमरीकी डॉलर है.
16. (B) मानव विकास सूचकांक 2022 में भारत का रैंक 134वाँ, चीन का 75वाँ, श्रीलंका का 78वाँ, भूटान का 125वाँ, बांग्लादेश का 129वाँ, नेपाल का 146वाँ तथा पाकिस्तान का 164वाँ है. कथन II

गलत है. शीर्ष 10 देशों में एशियाई देश सिंगापुर 9वें स्थान पर है. कथन III गलत है. कथन I एवं IV सही हैं.

17. (D)
18. (B) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता तथा लोक सभा में सबसे बड़े विपक्षी दल कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी एवं गृह मंत्री अमित शाह की सदस्यता वाली चयन समिति की सिफारिश पर भारत के राष्ट्रपति द्वारा श्री ज्ञानेश कुमार तथा श्री सुखबीर सिंह संधू को निर्वाचन आयुक्त नियुक्त किया गया है. वे दोनों क्रमशः केरल कैडर तथा उत्तराखण्ड कैडर के 1988 के बैच के आईएएस अधिकारी हैं.
19. (A) 17 मार्च, 2024 को अरुण जेटली स्टेडियम, दिल्ली में खेले गए दूसरे महिला प्रीमियर लीग में दिल्ली कैपीटल्स को 8 विकेट से हराकर रॉयल चैलेंन्जर्स बैंगलोर ने पहला खिताब जीता.
20. (D) 21. (C) 22. (C)
23. (B) गंबूसिया की केवल दो ही प्रजातियाँ हैं—गंबूसिया एफिनिस तथा गंबूसिया होलबूकी.
24. (A) कैरोली डिजिटल विश्वविद्यालय केरल द्वारा विकसित सिलिकॉन प्रमाणित कृत्रिम मेधा चिप है, जो विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए गति, ऊर्जा दक्षता तथा मापनीयता प्रदान करती है.
25. (C) बॉन कन्वेंशन के रूप में जाना जाने वाला वन्य जीवों की प्रवासी प्रजातियों के संरक्षण पर अभिसमय संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम के तहत् 1979 में हस्ताक्षर किया गया. यह 1983 से लागू हैं. 1 मार्च, 2022 तक इसे 133 पार्टियाँ/राष्ट्र स्वीकार कर चुके हैं.
26. (C)
27. (D) नीतिश डिवाइस को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान पटना द्वारा विकसित किया गया है.
28. (A)
29. (D) सर्वश्रेष्ठ सपोर्टिंग अभिनेत्री का पुरस्कार डा'वाइन जॉय रैंडोल्फ को द होल्ड ओवर्स में उनकी भूमिका के लिए प्रदान किया गया.
30. (B) इन्फोसिस फाउण्डेशन की अध्यक्ष तथा इन्फोसिस के सह संस्थापक एन.आर. नारायणमूर्ति की पत्नी, ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक की सासु माँ सुधा मूर्ति को 8 मार्च, 2024 को राज्य सभा के सदस्य के रूप में नामित किया गया है. उनका कार्यकाल 6 वर्ष का होगा.

●●●

शेष पृष्ठ 154 का

में प्रस्तुत अनुदान माँगों के द्वारा ही व्यय किया जाता है. राज्यों को करों एवं शुल्कों में से उनका अंश देने के बाद जो धन बचता है, संचित निधि में डाल दिया जाता है. सरकार को प्राप्त सभी प्रकार की आय यथा-कर, करेत्तर, आय, ऋण प्राप्तियाँ आदि इसमें शामिल की जाती हैं. **राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक** आदि के वेतन तथा भत्ते इसी निधि पर भारित होते हैं.

86. (B) 87. (D)
88. (A) सामान्य कीमत स्तर में वृद्धि होने से मृदा का वास्तविक मूल्य गिरता जाता है, जिसका लाभ ऋणियों को मिलता है.
89. (D)
90. (B) फिलिप्स वक्र मौद्रिक मजदूरी दर की वृद्धि तथा बेरोजगारी दर के बीच विपरीत सम्बन्ध बताता है. फिलिप्स वक्र के अनुसार,
    (a) मजदूरी स्थायित्व के लिए 5·5% बेरोजगारी आवश्यक है.
    (b) कीमत स्थायित्व के लिए 2·5% बेरोजगारी आवश्यक है.
91. (D)
92. (D) अल्पकाल में उपभोग में स्थायी एवं अस्थायी तत्व दोनों उपस्थित रहते हैं और दीर्घकाल में अस्थायी तत्व समाप्त हो जाते हैं.
93. (A) आयुष्मान भारत योजना, देश के निर्धनतम लोगों की सहायता करने की हमारी प्रतिबद्धता को दोहराता है. इससे देश के 40 प्रतिशत जनसंख्या को लाभ मिलेगा. यह योजना अस्पताल में भर्ती होने के द्वितीयक और तृतीयक स्तर को कवर करेगी. इस योजना का लाभ पूरे देश में मिलेगा और योजना के अन्तर्गत कवर किए गए लाभार्थी को पैनल में शामिल देश के किसी भी सरकारी/निजी अस्पताल से कैशलैस लाभ लेने की अनुमति होगी.
94. (B) 95. (D) 96. (C) 97. (D)
98. (C) सरकार के खर्च को दो हिस्सों—पूँजीगत व्यय (Capital Expenditure) और राजस्व व्यय (Revenue Expenditure) में बाँटा जाता है. सरकार की परिसम्पत्तियों में वृद्धि करने वाले खर्चों को पूँजीगत व्यय माना जाता है, जैसे—पुल, सड़क निर्माण. राजस्व व्यय ऐसे खर्चे होते हैं, जिनसे न सरकार की उत्पादन क्षमता बढ़ती है और न ही आय, जैसे—वेतन और पेंशन.
99. (A) 100. (D)

●●●

शेष पृष्ठ 163 का

20. बिजनेस स्टैंडर्ड द्वारा श्री संदीप बक्शी को वर्ष 2023 के लिए 'बैंकर ऑफ द ईयर' चुना गया है. संदीप बक्शी किस बैंक के प्रबन्ध निदेशक सह सीईओ हैं ?
    (A) एचडीएफसी बैंक
    (B) एक्सिस बैंक
    (C) बंधन बैंक
    (D) आईसीआईसीआई बैंक
21. विश्व व्यापार संगठन (WTO) का 13वाँ मंत्रिस्तरीय सम्मेलन किस शहर में फरवरी-मार्च 2024 में सम्पन्न हुआ ?
    (A) रोम
    (B) जेनेवा
    (C) कुआलालम्पुर
    (D) आबू धाबी
22. विश्व व्यापार संगठन का मंत्रिस्तरीय सम्मेलन सामान्यतः कितने समय के अन्तराल पर होता है ?
    (A) प्रति वर्ष
    (B) 2-2 वर्ष के अंतराल पर
    (C) 3-3 वर्ष के अंतराल पर
    (D) 5 वर्ष के अंतराल पर
23. विश्व में हथियारों का सबसे बड़ा निर्यातक देश अमरीका है. इस मामले में दूसरा स्थान किस देश का है ?
    (A) फ्रांस (B) रूस
    (C) इजरायल (D) ब्रिटेन
24. विश्व में हथियारों का सबसे बड़ा आयातक राष्ट्र कौनसा है ?
    (A) भारत (B) चीन
    (C) यूक्रेन (D) तुर्किये
25. बाजार पूँजीकरण की दृष्टि से भारत में सबसे बड़ी कम्पनी रिलायंस इंडस्ट्रीज लि. है. इस मामले में दूसरा स्थान किस कम्पनी का है ?
    (A) टाटा मोटर्स
    (B) एल एण्ड टी
    (C) एचडीएफसी बैंक
    (D) टीसीएस

उत्तरमाला

1. (C)	2. (D)	3. (B)	4. (A)	5. (C)
6. (A)	7. (D)	8. (B)	9. (C)	10. (D)
11. (C)	12. (A)	13. (C)	14. (A)	15. (C)
16. (C)	17. (A)	18. (B)	19. (B)	20. (D)
21. (D)	22. (B)	23. (A)	24. (A)	25. (D)

●●●

आर्थिक घटनाचक्र : वस्तुनिष्ठ प्रश्न

1. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निम्नलिखित में से किस वाणिज्यिक बैंक पर ग्राहकों से जमाएं लेने पर प्रतिबंध लगा दिया गया है ?
   (A) पेटीएम पेमेण्ट्स बैंक
   (B) ए यू स्मॉल फाइनेंस बैंक
   (C) कर्नाटक बैंक
   (D) करूर वैश्य बैंक

2. अभी हाल ही में भारत सरकार ने एक अधिसूचना जारी करके निम्नलिखित से सम्बन्धित लेन-देनों को मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम के दायरे में लाया गया है—
   I. आभासी डिजिटल आस्तियों और प्रचलित करेंसी के बीच विनिमय.
   II. आभासी डिजिटल आस्तियों के एक या अधिक रूपों के बीच आदान-प्रदान
   III. आभासी डिजिटल आस्तियों का हस्तान्तरण
   IV. आभासी डिजिटल आस्तियों या उपकरणों को सुरक्षित रखना या प्रशासन या आभासी डिजिटल आस्तियों के ऊपर नियंत्रण बनाए रखने के लिए उपकरणों को प्रयुक्त करना
   V. आभासी डिजिटल आस्तियों को जारी करने या बिक्री करने से सम्बन्धित वित्तीय सेवाओं के प्रावधानों में सहभागिता
   उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
   (A) केवल I, II, III एवं IV
   (B) केवल II, III, IV एवं V
   (C) केवल III, IV एवं V
   (D) I, II, III, IV एवं V सभी

3. ट्रांसपेरेंसी इंटरनेशनल द्वारा जारी भ्रष्टाचार बोध सूचकांक 2023 में 39 मान के साथ भारत का रैंक 2022 में 85वें स्थान से नीचे खिसककर 2023 में 93 रह गया है. भ्रष्टाचार बोध सूचकांक के आगणन में निम्नलिखित में से किस सूचक को प्रयुक्त किया जाता है ?
   I. सार्वजनिक क्षेत्र के अधिकारियों द्वारा रिश्वत लेना
   II. सरकारी अधिकारियों द्वारा अपने पद का इस्तेमाल निजी लाभ के लिए करना
   III. अत्यधिक लाल फीताशाही
   IV. सरकारी क्षेत्र में भ्रष्टाचार को नियंत्रित करने में सरकार की काबिलियत
   V. धनशोधन से जुड़े मामले
   VI. कर सम्बन्धी धोखाधड़ी
   उपर्युक्त में से कितने सूचकों को भ्रष्टाचार बोध सूचकांक के आगणन में शामिल किया जाता है—
   (A) केवल 2 (B) केवल 3
   (C) केवल 4 (D) उपर्युक्त सभी

4. धन विधेयक के सम्बन्ध में निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए—
   I. कोई विधेयक धन विधेयक है या नहीं इसका अन्तिम निर्णय लोक सभा के अध्यक्ष द्वारा लिया जाता है.
   II. धन विधेयक केवल लोक सभा में ही पेश किया जा सकता है.
   III. धन विधेयक को लोक सभा एवं राज्य सभा दोनों में ही साधारण बहुमत से पारित होना जरूरी है.
   उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) सभी 3
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

5. सिक्किम राज्य में रेल सेवाओं के सम्बन्ध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   I. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 फरवरी, 2024 को रंगपो में सिक्किम के पहले रेलवे स्टेशन की आधारशिला रखी.
   II. रंगपो रेलवे स्टेशन पश्चिमी बंगाल में सिलीगुड़ी के पास सेवाके से रंगपो तक निर्माणाधीन 45 किमी लम्बी रेल लाइन का हिस्सा होगी.
   III. इस रेलखण्ड पर 14 सुरंगें तथा पुल होंगे.
   उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
   (A) केवल 1
   (B) केवल 2
   (C) सभी 3
   (D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   I. चीनी सत्र 2024-25 के लिए गन्ना का उचित एवं लाभकारी मूल्य ₹ 340 प्रति कुन्तल निर्धारित किया गया.
   II. चीनी सत्र 1 अप्रैल से 31 मार्च तक की अवधि के लिए होता है.
   सही कूट हैं—
   (A) केवल I
   (B) केवल II
   (C) I एवं II दोनों
   (D) न I और न II

7. हाल ही में जारी उपभोग व्यय सर्वेक्षण के आँकड़ों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
   I. वर्ष 2022-23 में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में ₹ 3773 तथा शहरी क्षेत्रों में ₹ 6459 था.
   II. वर्ष 2011-12 के सापेक्ष 2022-23 में प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय में चक्रवृद्धि वार्षिक औसत वृद्धि दर ग्रामीण क्षेत्रों में 9·2 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्रों में 8·5 प्रतिशत थी.
   III. वर्ष 2022-23 में औसत मासिक व्यय का खाद्य पदार्थों पर व्यय ग्रामीण क्षेत्रों में 46 प्रतिशत तथा शहरी क्षेत्रों में 39 प्रतिशत था.
   IV. शहरी क्षेत्रों के मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग के प्रतिशत रूप में ग्रामीण क्षेत्रों का मासिक प्रति व्यक्ति व्यय वर्ष 2011-12 में 90·8 प्रतिशत से कम होकर वर्ष 2022-23 में 71·2 प्रतिशत रह गया है.
   उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
   (A) केवल 1 (B) केवल 2
   (C) केवल 3 (D) सभी 4

8. भारतीय स्टेट बैंक द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार भारत में वर्ष 2022-23 में निर्धनता दर 4·5 से 5 प्रतिशत के बीच रही है. इस संदर्भ में निम्न में से कौनसा कथन असत्य है ?
   (A) ये निष्कर्ष एनएसएसओ द्वारा जारी घरेलू उपभोग सर्वेक्षण 2022-23 के आँकड़ों पर आधारित हैं
   (B) ग्रामीण निर्धनता 2011-12 में 25·7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 7·2 प्रतिशत रह गई है
   (C) शहरी निर्धनता 2011-12 में 13·7 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2022-23 में 4·6 प्रतिशत रह गई है

(D) भारतीय स्टेट बैंक के अध्ययन के अनुमान सी. रंगराजन की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा आकलित निर्धनता रेखाओं पर आधारित है

9. रेलवे में निम्नलिखित में से किसे 'स्टैण्डर्ड गेज़' (Standard Gange) माना जाता है ?
(A) 1,676 मिलीमीटर
(B) 1,435 मिलीमीटर
(C) 1,000 मिलीमीटर
(D) 762 मिलीमीटर

10. एनएसओ द्वारा 29 फरवरी, 2024 को जारी वित्त वर्ष 2023-24 के दूसरे अग्रिम अनुमानों में जीडीपी की वृद्धि दर कितनी रहने का अनुमान लगाया गया है ?
(A) 7·3% (B) 7·4%
(C) 7·5% (D) 7·6%

11. एनएसओ द्वारा जारी वित्त वर्ष 2023-24 के तृतीय त्रैमास (अक्टूबर–दिसम्बर) में भारतीय अर्थव्यवस्था में विकास दर कितनी होने का अनुमान लगाया गया है ?
(A) 7·5% (B) 7·9%
(C) 8·4% (D) 8·7%

12. भारतीय स्टेट बैंक की एक रिपोर्ट के अनुसार भारत में प्रति व्यक्ति आय वर्ष 2023-24 में कितनी है ?
(A) ₹ 1·50 लाख (B) ₹ 1·46 लाख
(C) ₹ 1·94 लाख (D) ₹ 2·11 लाख

13. भारतीय स्टेट बैंक द्वारा जारी एक रिपोर्ट (फरवरी 2024) के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. वित्त वर्ष 2022-23 में सकल बचत दर 30·2 प्रतिशत से बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में 32·3% हो जाने का अनुमान है.
II. सभी नागरिकों के लिए जीवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने तथा प्रत्यक्ष लाभ हस्तान्तरण के जरिए सही पात्र लोगों तक लाभ पहुँचाने से प्रति व्यक्ति जीडीपी 2023-24 में ₹ 2 लाख से अधिक रही है.
उपर्युक्त में से सही हैं ?
(A) केवल I (B) केवल II
(C) दोनों I एवं II (D) न I और न II

14. ₹ 2000 के करेंसी नोट के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. भारतीय रिजर्व बैंक के अनुसार 19 मई, 2023 को चलन में ₹ 2000 के करेंसी नोटों में से 97·62 प्रतिशत करेंसी नोट 29 फरवरी, 2024 तक वापस आ चुके हैं.
II. ₹ 2000 करेंसी नोट अभी भी विधि ग्राह्य मुद्रा है.
III. ₹ 2000 करेंसी नोटों को भारतीय रिजर्व बैंक के 19 निर्गम कार्यालयों से बदला जा सकता है.
IV. सामान्य नागरिक डाकघरों स्थित अपने बचत खातों में ₹ 2000 का बैंक नोट जमा करा सकते हैं.
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) केवन 3
(D) सभी 4

15. रूस भारत को निर्यातित वस्तुओं का भुगतान भारतीय रुपए में प्राप्त करता है, जो भारतीय बैंकों में संचालित रुपया वोस्ट्रो खातों में जमा किया जाता है. रूस इस प्रकार से जमा रुपए का उपयोग निम्न में से किस प्रयोजनार्थ करता है—
I. भारत से आयतित वस्तुओं के भुगतान हेतु
II. भारत की अधोरचना परियोजनाओं में निवेश हेतु
III. इक्विटी बाजारों में निवेश हेतु
IV. सरकारी प्रतिभूतियों के क्रय हेतु
उपर्युक्त में से कितने कथन सही है ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) सभी 4

16. निम्नलिखित में से किन देशों के बैंकों को भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा भारत स्थित बैंकों में विशेष रुपया वोस्ट्रो (VOSTRO) खाते खोलने को मंजूरी प्रदान कर दी गई है ?
I. रूस II. यू.के.
III. जर्मनी IV. सिंगापुर
V. मॉरिशस VI. श्रीलंका
सही कूट हैं—
(A) केवल I, II, III
(B) केवल I
(C) केवल I, IV, V, VI
(D) I, II, III, IV, V एवं VI सभी

17. निम्नलिखित में से किस कम्पनी को भारत में भारतीय कम्पनियों के साथ मिलकर माइक्रोचिप सेमीकंडक्टर विनिर्माण इकाई स्थापित करने की अनुमति संघीय मंत्रिमण्डल द्वारा प्रदान की गई है—
I. पावर चिप सेमीकंडक्टर मैन्यु-फैक्चरिंग कार्प
II. रेनेसा इलेक्ट्रॉनिक्स कार्य
III. स्टार्स माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स
उपर्युक्त में से सही है—
(A) केवल I एवं II
(B) केवल II एवं III
(C) केवल I एवं III
(D) सभी I, II, III

18. राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा जारी आवधिक श्रम बल सर्वे (पीएलएफएस) रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की बेरोजगारी दर कैलेंडर वर्ष 2023 में कितनी थी ?
(A) 4·2% (B) 3·6%
(C) 3·1% (D) 2·8%

19. कैलेंडर वर्ष 2023 में भारत में कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश आप्रवाह कितना रहा है ?
(A) US $ 98·05 बिलियन
(B) US $ 75·67 बिलियन
(C) US $ 59·39 बिलियन
(D) US $ 41·31 बिलियन

20. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. भारत और यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ (EFTA) के चारों देशों के बीच 10 मार्च, 2024 को व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए गए.
II. यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ—आइसलैण्ड, स्विट्जरलैण्ड, नॉर्वे तथा लिकटेंस्टाइन देशों को एक समूह है.
III. ईएफटीए—भारत के बीच हस्ताक्षरित व्यापार समझौते की अवधि 15 वर्ष है.
IV. इस करार में 15 वर्षों में 100 अरब डॉलर के निवेश की प्रतिबद्धता जताई गई है.
उपर्युक्त में से कितने कथन सत्य हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) सभी 4

21. वर्ष 2023-24 के पहले अग्रिम अनुमानों के अनुसार देश में बागवानी फसलों का उत्पादन कितना रहने का अनुमान लगाया गया है ?
(A) 355·25 मिलियन टन
(B) 340·15 मिलियन टन
(C) 333·65 मिलियन टन
(D) 330·24 मिलियन टन

22. भारत सरकार द्वारा स्वीकृत नवीन ई-वाहन नीति के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही नहीं है ?
(A) नई ई-वाहन नीति 15 मार्च, 2024 को अनुमोदित की गई
(B) नई नीति के तहत निवेश की न्यूनतम सीमा ₹ 4150 करोड़ है
(C) कम्पनी को 3 वर्ष के भीतर भारत में विनिर्माणी इकाई की स्थापना करने तथा ई-वाहनों का विनिर्माण प्रारम्भ करना होना
(D) नवीन ई-वाहन नीति केवल ई-कारों के लिए है

23. संगम : डिजिटल ट्विन (Sangam : Digital Twin) के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन सही है ?

(A) यह दूरसंचार विभाग की एक पहल है
(B) डिजिटल ट्विन तकनीक भौतिक सम्पत्तियों की आभासी प्रतिकृतियाँ बनाकर एक समाधान प्रदान करती है
(C) डिजिटल ट्विन तकनीक से समाधानों को प्राप्त करने के लिए परिवर्तनों को अनुकूलित करने हेतु प्रयोगात्मक पुनरावृत्तियों और फीडबैक लूप के लिए वास्तविक समय की निगरानी, सिमुलेशन और विश्लेषण सम्भव है
(D) उपर्युक्त सभी

24. नई इलैक्ट्रिक वाहन नीति के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. पूरी तरह से तैयार (सीबीयू) ई-कार भारत में आयात करने पर आयात शुल्क मौजूदा 70% से घटाकर 15% कर दिया गया.
II. 80 करोड़ अमरीकी डॉलर या उससे अधिक निवेश करने वाली कम्पनी को 15% आयात शुल्क पर सालाना 40,000 तक इलैक्ट्रिक वाहन आयात करने की अनुमति.
उपर्युक्त में से सही हैं ?
(A) केवल I (B) केवल II
(C) I एवं II दोनों (D) न I और न II

25. उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण 2021-22 के संदर्भ में निम्नलिखित राज्यों पर विचार कीजिए—
I. उत्तर प्रदेश II. तमिलनाडु
III. महाराष्ट्र IV. गुजरात
इन राज्यों में औद्योगिक इकाइयों की संख्या के घटते क्रम में निम्नलिखित से कौनसा क्रम सही है—
(A) II, IV, III, I (B) I, II, III, IV
(C) IV, II, III, I (D) II, IV, I, III

26. वर्ष 2021-22 के उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार उद्योगों में कार्यरत् कुल श्रमिकों का सर्वाधिक हिस्सा किस राज्य का था ?
(A) तमिलनाडु (B) उत्तर प्रदेश
(C) महाराष्ट्र (D) प. बंगाल

27. वर्ष 2021-22 के उद्योगों के वार्षिक सर्वेक्षण के अनुसार उद्योगों में कुल स्थिर पूँजी में किस राज्य का पहला स्थान था ?
(A) महाराष्ट्र (B) उत्तर प्रदेश
(C) तमिलनाडु (D) गुजरात

28. वर्ष 2024 में भारत विश्व में ..... सबसे बड़े स्टार्टअप तंत्र वाला देश है ?
(A) पहले (B) दूसरे
(C) तीसरे (D) चौथे

29. पी-नोट्स (Participatory Notes) के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए—
I. पी-नोट्स निवेशकों और/अथवा हेज फण्डों द्वारा भारतीय इक्विटी में निवेश करने के लिए प्रयुक्त किए जाने वाले वित्तीय उपकरण हैं.
II. पी-नोट्स प्रयुक्त करने वाले निवेशकों/हेज फण्डों को सेबी के पास पंजीकरण कराने की आवश्यकता नहीं है.
III. पी-नोट्स निवेश के ऐसे समूह हैं जिन्हें समुद्रपारीय डेरीवेटिव्स निवेश माना जाता है.
उपर्युक्त में से कितने कथन सही हैं ?
(A) केवल 1
(B) केवल 2
(C) सभी 3
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

30. निम्नलिखित फसलों पर विचार कीजिए—
I. कोकोनट, पॉम
II. सुपारी
III. चाय, कॉफी, कोको
IV. काजू
V. रबर
उपर्युक्त में से कितनी फसलें बागानी फसलें (Plantation Crops) मानी जाती हैं.
(A) केवल III एवं V
(B) केवल I, III एवं V
(C) केवल I, II, III एवं V
(D) I, II, III, IV, V सभी

31. नीचे दिए गए अभिकथन (A) तथा कारण (R) पर विचार कीजिए—
अभिकथन (A) : उत्तर प्रदेश को एक्सप्रेस प्रदेश के रूप में जाना जाता है.
कारण (R) : एक्सप्रेस-वे की संख्या और कुल लम्बाई की दृष्टि से उत्तर प्रदेश का देश में पहला स्थान है.
नीचे दिए गए उत्तरों में से सही विकल्प चुनिए—
(A) (A) तथा (R) दोनों सही हैं एवं (R), (A) का सही स्पष्टीकरण है
(B) (A) तथा (R) दोनों सही हैं, लेकिन (R), (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है
(C) (A) सही है, लेकिन (R) गलत है
(D) (A) गलत है, लेकिन (R) सही है

32. प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना के बारे में निम्नलिखित तथ्यों पर विचार कीजिए—
I. इस परियोजना का क्रियान्वयन भारतीय गैस प्राधिकरण (GAIL) द्वारा किया जा रहा है.
II. 2655 किमी लम्बी जगदीशपुर–हल्दिया–बोकारो–धमरा पाइपलाइन (JHBDPL) का निर्माणकार्य पूरा हो चुका है.
III. 729 किमी लम्बी बरौनी–गुवाहाटी पाइपलाइन निर्माणाधीन है.
IV. कुल 3384 किमी लम्बी इस पाइपलाइन का 2618 किमी हिस्सा ओडिशा में तथा शेष 2618 किमी उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, प. बंगाल तथा असम में है.
उपर्युक्त में से सही हैं ?
(A) केवल 1 (B) केवल 2
(C) केवल 3 (D) सभी 4

33. भारत में सेमीकंडक्टर परियोजनाओं के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिए—
I. सेमीकंडक्टर फैब्रीकेशन संयंत्र : धोलेरा (गुजरात)
II. आउटसोर्स्ड सेमीकंडक्टर एसेंबली एण्ड टेस्ट संयंत्र : मोरीगाँव (असम)
III. ओएसएटी इकाई : साणंद (गुजरात)
उपर्युक्त में से कौनसा युग्म सही सुमेलित है ?
(A) केवल I एवं III
(B) केवल II
(C) I, II एवं III सभी
(D) उपर्युक्त में से कोई नहीं

34. विदेशी विनिमय प्रबंधन में भारतीय रिजर्व बैंक को लगातार हस्तक्षेप और विदेशी विनिमय प्रारम्भिक भण्डार में हो रही वृद्धि होने के क्या सम्मानित परिणाम हो सकते हैं ?
I. पूँजी आप्रवाह में वृद्धि
II. विदेशी निवेशकों एवं ऋणधारकों, दोनों के लिए मुद्रा का जोखिम काफी कम हो जाना.
III. राजकोषीय नीति एवं मौद्रिक नीति संचालन में सावधानी एवं समझदारी.
सही कूट हैं—
(A) केवल I
(B) केवल I एवं II
(C) केवल II एवं III
(D) I, II एवं III सभी

35. भारतीय रेल के संदर्भ में निम्नलिखित कॉरिडोरों पर विचार कीजिए—
I. ऊर्जा, खनिज और सीमेण्ट कॉरिडोर
II. शीघ्रनाशवान उत्पाद कॉरिडोर
III. बन्दरगाह कनेक्टीविटी कॉरिडोर
IV. उच्च यातायात घनत्व कॉरिडोर
उपर्युक्त में से कौनसा कॉरिडोर केन्द्र सरकार के अन्तरिम बजट 2024-25 में की गई घोषणा का हिस्सा नहीं है—

(A) केवल I एवं II
(B) केवल II
(C) केवल I एवं III
(D) केवल I, III एवं IV

36. नैनो डीएपी के बारे में निम्नलिखित में से कौनसा कथन असत्य है ?
(A) भारत में नैनो डीएपी वर्ष 2023 में इफ्फको (IFFCO) द्वारा लॉन्च किया गया
(B) नैनो डीएपी में मात्रा के हिसाब से 8% नाइट्रोजन तथा 16% फॉस्फोरस होता है
(C) उर्वरक ग्रेड डीएपी में 18% नाइट्रोजन तथा 46% फॉस्फोरस होता है
(D) इफ्फको द्वारा विकसित नैनो डीएपी पाउडर रूप में है

37. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित है ?
I. वित्तीय समावेशन—प्रधानमंत्री जन धन योजना
II. सांस्कृतिक समावेशन—गुरु-शिष्य परम्परा योजना
III. सामाजिक समावेशन—बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान
IV. आर्थिक समावेशन—प्रधानमंत्री विश्व कर्मा योजना
सही कूट हैं—
(A) केवल I, II, III
(B) केवल II, III, IV
(C) केवल I, III, IV
(D) सभी I, II, III, IV

38. निम्नलिखित में से कौनसा युग्म सही सुमेलित नहीं है ?
I. अनुसूचित जनजाति—प्रधानमंत्री जनमन (PMJANMAN)
II. अल्पसंख्यक संवर्ग—प्रधानमंत्री विरासत का संवर्द्धन (PMVIKAS)
III. वंचित आदिवासी समूह—पीवीटीजी (PVTGs)
(A) केवल I
(B) केवल I एवं II
(C) केवल III
(D) सभी I, II, III

39. भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा निम्नलिखित में से किसका आगणन साप्ताहिक आधार पर किया जाता है ?
(A) M_0 (रिजर्व मनी)
(B) M_1 (नैरो मनी)
(C) M_2 (मध्यवर्ती मौद्रिक एग्रीगेट)
(D) M_3 (बृहत मुद्रा)

40. निम्नलिखित में से किस दर का निर्धारण वाणिज्यिक बैंकों द्वारा नहीं किया जाता ?
(A) प्रधान उधारी दर (PLR)
(B) रेपो दर (Repo Rate)
(C) आधार दर (Base Rate)
(D) सीमान्त निधि लागत पर आधारित उधारी दर (MCLR)

उत्तर व्याख्या सहित

1. (A) भारतीय रिजर्व बैंक ने 'अपना ग्राहक जानो' (KYC) मानकों को सही ढंग से पालन न करने के आरोपों के चलते पेटीएम पेमेण्ट्स बैंक पर ग्राहकों के खातों में जमाएं स्वीकार करने, प्री-पेड उपकरणों, वैलेट, फास्टैग, नेशनल कॉम मोबिलिटी कार्ड जैसी सेवाएं प्रदान करने पर प्रतिबन्ध लगा दिया है.
2. (D)
3. (C) भ्रष्टाचार बोध सूचकांक के आगणन में भ्रष्टाचार से जुड़े मामलों में नागरिकों के प्रत्यक्ष अनुभव, धनशोधन कर सम्बन्धी धोखाधड़ी अवैध वित्तीय आवक या असंगठित अर्थव्यवस्था और बाजार जैसे कारकों को शामिल नहीं किया जाता.
4. (B) राज्य सभा धन विधेयक को न तो पारित होने से रोक सकती है और न इसमें कोई संशोधन कर सकती है. राज्य सभा को 14 दिन के भीतर धन विधेयक को लोक सभा को संशोधनों, यदि कोई हैं, के साथ या संशोधनों के बिना लोक सभा को वापस योजना होता है.
5. (C)
6. (A) चीनी सत्र 1 अक्टूबर से 30 सितम्बर तक होता है.
7. (D)
8. (D) भारतीय स्टेट बैंक की रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि सुरेश तेंदुलकर की अध्यक्षता में गठित विशेषज्ञ समिति की रिफारिशों के आधार पर नई निर्धनता रेखा ग्रामीण क्षेत्रों में ₹ 1622 (प्रति व्यक्ति मासिक उपभोग व्यय) तथा शहरी क्षेत्रों में ₹ 1929 है.)
9. (B) गेज से तात्पर्य रेल लाइन की पटरियों के बीच की दूरी से है. भारत में तीन प्रकार के रेलमार्ग हैं—ब्रॉड गेज (1676 मिमी अथवा 5 फुट 6 इंच), मीटर गेज (1000 मिमी अथवा 3 फुट $3\frac{1}{8}$ इंच), नैरो गेज-I (762 मिमी अथवा 2 फुट 6 इंच) तथा नैरो गेज-II (610 मिमी अथवा 2 फुट). अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रचलित स्टैण्डर्ड गेज (1435 मिमी अथवा 4 फुट $8\frac{1}{2}$ इंच) भारत में केवल मेट्रो रेल, रैपिड मेट्रो रेल, दोनो रेल में प्रचलित है.
10. (D) 11. (C) 12. (D) 13. (C)
14. (D) भारतीय रिजर्व बैंक ने 19 मई, 2023 को चलन में ₹ 2000 के करेंसी नोट को वापस मंगाने की योजना प्रारम्भ की थी. उस समय ₹ 3·56 लाख करोड़ मूल्य के ₹ 2000 के नोट चलन में थे. इसमें से ₹ 3·75530 लाख करोड़ के ₹ 2000 के नोट वापस आ चुके हैं. अब 29 फरवरी, 2024 की स्थिति के अनुसार ₹ 8470 करोड़ के ₹ 2000 के नोट जनता के पास है, जो विधि ग्राह्य है. इन्हें भारतीय रिजर्व बैंक के 19 नोट निर्गमन कार्यालयों तथा डाकघरों के बचत बैंक खातों के माध्यम से बदला जा सकता है.
15. (D) एक समझौते के तहत् भारत और रूस के बीच व्यापार भारतीय रुपए में होता है. रूस को भुगतान रुपए में किया जाता है. ये रुपए भारत में स्थित बैंकों में खोले गए वोस्ट्रो खातों में जमा किए जाते हैं और इन्हीं रुपए से रूस भारत के प्रति अपनी देनदारियों को पूरा करता है.
16. (D)
17. (D) केन्द्रीय मंत्रिमण्डल ने 29 फरवरी, 2024 को भारत में सेमीकंडक्टर विनिर्माण संयंत्रों की स्थापना हेतु निम्नलिखित प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की. (i) पावर चिप सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग कार्प (ताइवान, टाटा इलेक्ट्रोनिक्स प्रा. लि. के साथ धोलेरा (गुजरात) में, (ii) टाटा सेमीकंडक्टर असेंबली एण्ड टेस्ट प्रा. लि. मोरीगाँव (असम), (iii) सी.जी. पॉवर, रेनेसा इलेक्ट्रॉनिक्स कार्प (जापान) तथा स्टार्स माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स के साथ साणंद (गुजरात).
18. (C) राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण संगठन द्वारा 5 मार्च, 2024 को जारी आवधिक श्रम बल सर्वे रिपोर्ट के अनुसार देश में 15 वर्ष या उससे अधिक आयु के लोगों की बेरोजगारी दर कैलेंडर वर्ष 2021 में 4·2%, 2022 में 3·6% तथा 2023 में 3·1% रही है. महिलाओं में इसी आयु वर्ग में बेरोजगारी दर वर्ष 2021 में 3·4%, वर्ष 2022 में 3·3% तथा वर्ष 2023 में 3·0% रही. जबकि पुरुषों में क्रमशः 4·5%, 3·7% तथा 3·2% रही. शहरी क्षेत्रों में कुल बेरोजगारी दर कैलेंडर वर्ष 2021 में 6·5%, 2022 में 5·7% तथा 2023 में 5·2% रही, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में बेरोजगारी दर क्रमशः 3·3%, 2·8% तथा 2·4% के स्तर पर थी.
19. (D) कलेंडर वर्ष 2023 में भारत में कुल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश आप्रवाह 41·31

शेष पृष्ठ 173 पर

कि पांडा कूटनीति क्या है ?

☞ अमरीका से लेकर जापान और मलेशिया जैसे देश चीन से पांडा (नन्हें भालू) कर्ज दे कर ले रहे हैं. कोई भी देश नन्हें भालूओं यानी पांडा पर अपना मालिकाना हक नहीं जता सकते इसके पीछे चीन की पांडा डिप्लोमेसी है.

पांडा 1950 के दशक से चीन की विदेश नीति का हिस्सा रहे हैं. चीन 'पांडा कूटनीति' कार्यक्रम के तहत् कई देशों को पांडा देता रहा है. चीन ने 1941 से 1984 तक दूसरे देशों को पांडा गिफ्ट किए. 1984 में नीति में बदलाव किया गया, जिसके तहत् चीन से दूसरे देशों में आने वाला पांडा पर टैक्स लगाना शुरू कर दिया.

1984 में चीन ने दूसरे देशों को गिफ्ट के तौर पर पांडा देना बंद कर दिया. चीन इसके पीछे की वजह अपने देश से पांडा के लुप्त होने की वजह करार देता है. अभी चीन के जंगलों में लगभग 1,860 विशाल पांडा बचे हैं. 600 पांडा चीन के चिड़ियाघरों में कैद हैं.

चीन जिन देशों को पांडा देता है उन्हें हर वर्ष चीन को 1 पांडा के बदले 1 मिलियन की राशि देनी पड़ती है. ये पैसे पांडा संरक्षण परियोजनाओं हेतु लिए जाते हैं.

अगर चीन के बाहर दूसरे देश के चिड़ियाघरों में कोई पांडा पैदा होता है तो नए पांडा के लिए इन देशों को एक बड़ी राशि का भुगतान चीन को करना पड़ता है. पांडा कूटनीति के तहत् कोई भी देश चीन से पांडा की खरीदारी नहीं कर सकता. इस तरह पांडा और उसके बच्चे जो दूसरे देशों में पैदा हो रहे हैं वो अभी भी चीन की सम्पत्ति बने हुए हैं.

अब चीन ने जापान के साथ अपने रिश्ते पर नाखुशी का इजहार करते हुए अपने पांडा को वापस बुला लिया है. पांडा रखने पर बड़ा कर्ज चीन को देना इसके अलावा रख-रखाव में एकस्ट्रा खर्च होना भी देशों के लिए एक आर्थिक बोझ है, यही वजह है कि भारत जैसे विकासशील देशों में पांडा नहीं है.

कुल मिलाकर कहें तो ये कहना सही होगा कि पांडा डिप्लोमेसी के तहत् ही कोई भी देश भारी रकम अदा करने के बाद भी इन भालूओं पर मालिकाना हक नहीं जता सकता, और चीन ही इन नन्हें भालूओं का मालिक बना हुआ है दूसरे देश चीन को सिर्फ कर्ज अदा कर रहे हैं.

अब जापान ने चीन के तोहफे को वापस उसी के मुल्क भेज दिया गया है. ऐसा पहली बार नहीं है जब पांडा को वापस उसके मुल्क भेजा गया है. कुछ पांडा को खासकर चिड़ियाघर में रखने के बाद कई वर्षों बाद चीन वापस भेज दिया जाता है. दरअसल पांडा कूटनीति के तहत जैसे ही बेबी पांडा बड़े होने लगते हैं उन्हें चीन वापस भेजना एग्रिमेंट का हिस्सा है. इसके अलावा कई देशों में चिड़ियाघर फिर से ऋण शुल्क देने में असमर्थ होते हैं, जिसके कारण उन्हें पांडा चीन को वापस करना पड़ता है.

कि ओपन बुक परीक्षा क्या है ?

☞ ओपन बुक परीक्षा में, छात्रों को प्रश्नों के उत्तर देने के लिए अपनी पुस्तकों और नोट्स का सन्दर्भ लेने की अनुमति होती है.

ओपन बुक परीक्षा या तो प्रतिबंधित प्रकार की या मुक्त प्रकार की हो सकती हैं. प्रतिबंधित ओपन बुक परीक्षा में, परीक्षा के दौरान केवल परीक्षा आयोजित करने वाले प्राधिकारी द्वारा अनुमोदित अध्ययन सामग्री की अनुमति होती है. वहीं मुक्त प्रकार में, छात्र कोई भी अध्ययन सामग्री ला सकते हैं, जो उन्हें प्रासंगिक लगे.

एक सामान्य परीक्षा के विपरीत, ओपन बुक परीक्षा में परीक्षण प्रश्नों को इस तरह से बनाया जाता है कि छात्रों को केवल उपलब्ध सामग्री से जानकारी की नकल करने के बजाय अवधारणाओं को भी लागू करने की आवश्यकता हो.

उनका उद्देश्य यह परीक्षण करना है कि क्या कोई छात्र सीखी गई अवधारणाओं पर विश्लेषणात्मक कौशल लागू कर सकता है.

हालाँकि, भारत में ओपन-बुक परीक्षा कोई नया विचार नहीं है, उदाहरण के लिए– 2014 में, सीबीएसई ने एक ओपन टेक्स्ट बेस्ड असेसमेंट (OBT) की शुरूआत की थी. इसके अलावा, 2019 में, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद् ने इंजीनियरिंग कॉलेजों में ओपन बुक परीक्षा की अनुमति दी थी.

गौरतलब है कि आम राय के विपरीत, ओपन बुक परीक्षा का मूल्यांकन, परीक्षा के पारम्परिक रूप से आसान नहीं है. इन्हें तथ्यों और परिभाषाओं से परे सीखने का परीक्षण करने के लिए डिजाइन किया गया है. शिक्षकों के लिए भी, ओपन बुक परीक्षा के लिए प्रश्न तैयार करना एक चुनौती हो सकता है, क्योंकि पारम्परिक परीक्षा के विपरीत, प्रश्न सीधे नहीं हो सकते.

इन परीक्षाओं से होने वाले लाभ को देखें तो यह छात्रों के बीच 'महत्वपूर्ण क्षमताओं' को विकसित करने में मदद कर सकती है, साथ ही छात्रों को कम तनावपूर्ण होने का लाभ मिलता है.

हालाँकि, निरमा विश्वविद्यालय द्वारा किए गए अध्ययन के अनुसार, विश्वविद्यालय ओपन बुक परीक्षा में उत्तीर्ण होने के लिए एक छात्र के लिए आवश्यक कौशल विकसित करने पर ध्यान केंद्रित नहीं करते हैं.

कि एवियन इन्फ्लूएंजा (Avian influenza) के बारे में आप क्या जानते हैं ?

☞ एवियन इन्फ्लूएंजा जिसे प्रायः बर्ड फ्लू कहा जाता है, एक अत्यधिक संक्रामक वायरल संक्रमण है जो मुख्य रूप से पक्षियों, विशेष रूप से जंगली पक्षियों एवं घरेलू मुर्गों को प्रभावित करता है. वर्ष 1996 में अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा H5N1 वायरस की पहली बार दक्षिणी चीन में घरेलू जलपक्षी में पहचान की गई थी. इस वायरस का नाम A/goose/Guangdong/1/1996 है. H5N1 एवियन इन्फ्लूएंजा के मानवीय संक्रमण के मामले कभी-कभी होते हैं, लेकिन संक्रमण को एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में फैलाना कठिन होता है. विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, जब लोग संक्रमित होते हैं, तब H5N1 वायरस से मृत्यु दर लगभग 60% होती है.

कि बाजार मूल्य पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP at Market Price–GNPmp) के बारे में आप क्या जानते हैं ?

☞ बाजार कीमत पर सकल राष्ट्रीय उत्पाद, किसी वर्ष के दौरान निवासी उत्पादक इकाइयों द्वारा आर्थिक या घरेलू सीमा के भीतर तथा बाहर बाजार कीमत पर व्यक्त मूल्य वर्धन का योग है. या सभी अन्य वस्तुओं तथा सेवाओं का बाजार मूल्य ही सकल राष्ट्रीय उत्पाद है. किसी वस्तु के बाजार मूल्य में चूँकि परोक्षकर जुटा रहता है तथा सरकार द्वारा उत्पाद को कम मूल्य पर बेचने के लिए सब्सिडी घटी रहती है इसलिए इस प्रकार आकलित GNP_{MP} में परोक्षकर जुटा है तथा सब्सिडी घटी हुई है. एक बात और है जब भी किसी धारणा के साथ सकल (Gross) जुड़ा हो तो इसका मतलब यह है कि स्थिर पूँजी उपभोग या ह्रास (Depreciation) को घटाया नहीं गया है. स्पष्ट है कि इसमें दूसरे देश के निवासी उत्पादक द्वारा, जो यहाँ की घरेलू सीमा के भीतर स्थित है, किया गया उत्पादन में योगदान या मूल्यवर्धन सकल राष्ट्रीय उत्पाद के अन्तर्गत नहीं आएगा. इस प्रकार

GNP_{MP} = निवासी उत्पादक इकाइयों द्वारा घरेलू सीमा के भीतर तथा बाहर योगदान जिसमें निबल परोक्षकार तथा ह्रास जुड़ा है.

●●●

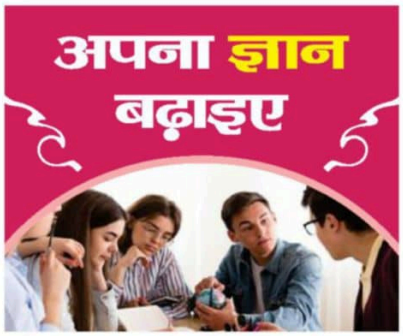

प्रश्न–बाजार कीमत पर सकल घरेलू उत्पाद (GDPmp) क्या है ?

उत्तर–किसी देश की घरेलू सीमा के भीतर स्थित निवासी उत्पादक तथा गैर निवासी उत्पादक इकाइयों द्वारा बाजार मूल्य पर व्यक्त मूलवर्धनों का योग या सम्पूर्ण अन्त्य वस्तुओं तथा सेवाओं का बाजार मूल्य पर व्यक्त मूल्य ही GDP_{MP} कहलाता है. GDP_{MP} में भी बाजार मूल्य में परोक्षकर सम्मिलित है, जबकि सब्सिडीज घटी हुई है.

इस प्रकार घरेलू सीमा के भीतर विदेशी कम्पनियों की शाखाओं द्वारा मूल्य वर्धन घरेलू उत्पाद में सम्मिलित होगा, जो GNP_{MP} में सम्मिलित नहीं होगा यदि इन्हें निवासी का दर्जा नहीं प्राप्त हो.

GNP_{MP} तथा GDP_{MP} के बीच अन्तर स्पष्ट करते हुए हम यह कह सकते हैं कि उत्पादन के उन साधनों द्वारा जैसे श्रम तथा पूँजी जिनका स्वामित्व भारत के निवासी का हो, प्राप्त उत्पादन का मूल्य भारत का GNP_{MP} होगा, जबकि यदि श्रम तथा पूँजी भारत की घरेलू सीमा में स्थित हों, चाहे स्वामित्व किसी का हो, तो इसे हम भारत की GDP_{MP} कहेंगे.

प्रश्न–चैटबॉट (Chatbot) के बारे में बताइए.

उत्तर–चैटबॉटस कम्प्यूटर प्रोग्राम है जिन्हें आमतौर पर टेक्स्ट आधारित इंटरफेस जैसे– मैसेजिंग एप या वेबसाइट्स के माध्यम से मानव उपयोगकर्ताओं के साथ बातचीत का अनुकरण करने के लिए डिजाइन किया गया है. एक तरीके से कहा जा सकता है कि चैटबॉट एक सॉफ्टवेयर एप्लिकेशन है जिसका उपयोग लाइव मानव एजेंट (Live Human Agents) के साथ सीधे सम्पर्क प्रदान करने के बदले टेक्स्ट या टेक्स्ट-टू-स्पीच के माध्यम से ऑनलाइन चैट वार्तालाप करने के लिए किया जाता है. वे प्राकृतिक भाषा प्रसंस्करण (Natural Language Processing–NLP) और मशीन लर्निंग एल्गोरिदम के उपयोग के माध्यम से उपयोगकर्ता इनपुट को समझकर मानव संचार प्रक्रिया की नकल करते हैं.

ग्राहक सेवा में सुधार और दोहराव वाले कार्यों को स्वचालित करने के लिए खुदरा व्यापार, स्वास्थ्य देखभाल, वित्त और मनोरंजन सहित विभिन्न प्रकार के उद्योगों में उनका उपयोग किया जाता है.

प्रश्न–गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग (Gravitational Lensing) के बारे में आप क्या जानते हैं ?

उत्तर–गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग एक ऐसी परिघटना है जब बड़े पिंड, जैसे कि एक विशाल आकाशगंगा या आकाशगंगाओं का समूह, एक गुरुत्वाकर्षण क्षेत्र का निर्माण करता है, जो अपने पीछे के पिंडों के प्रकाश को बढ़ाता और विकृत करता है. विशाल पिंड और प्रेक्षक के संरेखण के आधार पर प्रकाश के इस विपथन से दूर की वस्तुएं विकृत या आवर्धित दिखाई दे सकती हैं. गुरुत्वाकर्षण लेंसिंग के प्रभाव की भविष्यवाणी सबसे पहले अल्बर्ट आइंस्टीन ने अपने सामान्य सापेक्षता के सिद्धांत में की थी और तब से खगोलविदों द्वारा इसका अवलोकन और अध्ययन किया जा रहा है.

प्रश्न–खर्राटे का मानव शरीर पर क्या प्रभाव पड़ता है ?

उत्तर–जर्मनी, आस्ट्रेलिया और ब्रिटेन के संयुक्त शोध दल ने अपने अध्ययन में पाया कि सोते समय खर्राटे लेना, सांस लेने की प्रक्रिया को बाधित करता है. फलतः, व्यक्ति बीच-बीच में बार-बार जागता रहता है. इससे ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया की स्थिति पैदा हो जाती है. इससे दिमाग में खून का संचार और ऑक्सीजन का स्तर घट जाता है, जो मानसिक स्वास्थ्य के लिए खतरनाक है.

यह जानने के लिए कि अध्ययन में शामिल किए गए लोगों के दिमाग की तरंगें किस तरह काम कर रही हैं. शोधकर्ताओं ने उनको दिमाग की तरंगों की जाँच करने वाला इलेक्ट्रॉन एनसिफेलोग्राफी स्केल पहनाया. इसके साथ ही उनके सोचने-समझने की क्षमता को भी जाँचा गया. इसके अलावा उनके शरीर में ऑक्सीजन के स्तर, उनकी सांस लेने गति, हृदय गति, आँखों और पैरों की प्रतिक्रिया को भी नोट किया गया.

किंग्स कॉलेज, लंदन में स्लीप एण्ड ब्रेन प्लास्टिसिटी सेंटर के प्रमुख डॉ. इवाना रोसेनजवेग ने बताया कि इस स्थिति में इंसान की सांस रूक जाती है और नींद में वह जोर से खर्राटे लेने लगता है, जिससे पीड़ित को बार-बार जागने के लिए मजबूर होना पड़ता है.

ज्यादा वजन होने पर लोगों को खर्राटों की समस्या हो जाती है. इसके अलावा धूम्रपान, ज्यादा शराब पीने, सोने के दौरान गले पर दबाव पड़ने से भी लोगों में खर्राटे की समस्या हो जाती है. *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ मेडिकल रिसर्च एण्ड रिव्यू* में प्रकाशित अध्ययन के अनुसार ऊपरी वायु मार्ग की शिथिलता के कारण खर्राटे आते हैं, जिससे श्वसन मार्ग आंशिक रूप से बंद हो जाता है. फेफड़ों में ऑक्सीजन के प्रवेश में कमी के साथ अलग तरह के खर्राटों की आवाज आती है. यह आवाज गले के पीछे और जीभ के आधार में नरम ऊतक में कम्पन के कारण होती है.

यह मस्तिष्क की शक्ति को कम करता है. इससे मस्तिष्क में व्यापक न्यूरो-एनाटोमिकल और संरचनात्मक परिवर्तन होते हैं और कार्यात्मक, संज्ञानात्मक व भावनात्मक क्रियायों पर असर पड़ता है. ●●●

शेष पृष्ठ 171 का

अरब अमरीकी डॉलर रहा है जो वर्ष 2022 की तुलना में 21% कम है.

20. (C) 21. (A) 22. (D) 23. (D)
24. (C)
25. (A) वर्ष 2021-22 देश में कुल औद्योगिक इकाइयाँ में 15·8% इकाइयाँ तमिलनाडु में, 11·9% इकाइयाँ गुजरात में, 10·54% प्रतिशत इकाइयाँ उत्तर प्रदेश में तथा 6·77 प्रतिशत इकाइयाँ आंध्र प्रदेश में थीं.
26. (A) उद्योगों में कार्यरत् कुल कामगारों में सर्वाधिक हिस्सा तमिलनाडु का था.
27. (D) उद्योगों में कुल स्थिर पूँजी में 18·4% हिस्सेदारी गुजरात की थी जो सर्वाधिक थी.
28. (C) 29. (C) 30. (D)
31. (A) उत्तर प्रदेश में कुल 14 एक्सप्रेस-वे (संचालित/निर्माणाधीन) हैं, जिनकी कुल लम्बाई 1225 किमी है इस दृष्टि से उत्तर प्रदेश का देश में पहला स्थान है तथा इसे एक्सप्रेस-वे प्रदेश कहा जाने लगा है.
32. (D)
33. (C) प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 13 मार्च, 2024 को लगभग ₹ 1·25 लाख करोड़ की तीन सेमीकंडक्टर परियोजनाओं की आधारशिला रखी. इनमें धोलेरा में ₹ 91,000 करोड़ की परियोजना में वर्ष 2026 तक चिप उत्पादन शुरू हो जाएगा.
34. (D) 35. (B)
36. (D) इफ्फको द्वारा विकसित नैनो डीएपी तरल रूप में है.
37. (D) 38. (D)
39. (A) भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा M_0 का आगणन साप्ताहिक आधार पर तथा M_1, M_2 एवं M_3 का आगणन पाक्षिक (Fortinight) आधार पर किया जाता है.
40. (B) रेपो दर का निर्धारण उच्चाधिकार प्राप्त मौद्रिक नीति समिति द्वारा किया जाता है. ●●●

प्रथम पुरस्कृत निबन्ध

मनोवृत्ति ही महानता का निर्धारक तत्व

—डॉ. राजीव कुमार सिंह

इस जीव जगत् में मनुष्य एक श्रेष्ठतर प्राणी है. मनुष्य की श्रेष्ठता का आधार उसके मन, बुद्धि और संस्कार में निहित अमूर्त अनंत शक्तियाँ हैं. जिसे हम मनोवृत्ति या मानसिक स्थिति की संज्ञा देते हैं, वे वास्तव में मनुष्य की आत्मा में निवास करने वाली आश्चर्यजनक शक्तियाँ हैं. इन्हीं शक्तियों से सभी प्रकार के विचार उदित होते हैं. विचारों के अतिरिक्त मनोवृत्ति जैसी कोई वस्तु नहीं है, इसलिए विचार ही मनोवृत्ति का रूप है. विचारों के अतिरिक्त इस जगत् का कोई अलग अस्तित्व नहीं है. उदाहरण के लिए, हम देखते हैं कि निद्रा की अवस्था में जब कोई विचार नहीं होता है, तो वहाँ कोई जगत् भी नहीं होता है और ठीक इसके विपरीत जागृत रहने की अवस्था में जब विचार होते हैं, तब वहाँ जगत् भी प्रकट होता है और इसी जगत् में रहकर मनुष्य अपनी महानता का परचम लहराता है.

मनुष्य अपनी जीवन-यात्रा में कई लक्ष्यों को निर्धारित करता है, किन्तु सकारात्मक एवं मजबूत मनोवृत्ति के बगैर उसके लिए लक्ष्य की प्राप्ति मृग-मरीचिका के समान हो जाती है. मनुष्य का जिज्ञासु स्वभाव अपने निर्धारित लक्ष्यों की प्राप्ति कर महानता का वरण करने के लिए अथक् प्रयास भी करता है, किन्तु सच कहा जाए, तो उसे महान् बनाने में उसकी मनोवृत्ति रूपी संजीवनी ही अहम् भूमिका निभाती है. इसलिए, मजबूत सकारात्मक मानसिक स्थिति के बगैर मनुष्य के महान् बनने का सपना अधूरा-सा रह जाता है. आईए अब चंद शब्दों में समझते हैं कि आखिर मनोवृत्ति क्या है ?

मनोवृत्ति क्या है ?

समाज-मनोविज्ञान में मनोवृत्ति के अध्ययन का विशेष महत्व है. वर्तमान समय में समाज मनोवैज्ञानिकों ने मनोवृत्ति को ही मानव व्यवहार का केन्द्र माना है. यही कारण है कि मनोवैज्ञानिक साहित्य में भी मनोवृत्तियों के सम्बन्ध में वृहद् चर्चाएँ होती हैं. सामाजिक मनोविज्ञान का कार्य सामाजिक परिवेश में व्यक्ति के व्यवहार का अध्ययन करना है. जैसाकि हमें विदित है कि व्यक्ति के व्यवहार के दो पक्ष होते हैं—बाहरी पक्ष और आन्तरिक पक्ष. इन दोनों पक्षों में आन्तरिक पक्ष का महत्व अधिक होता है, क्योंकि व्यवहार का यही पक्ष हमारे बाहरी पक्ष का निर्धारण करता है. मानव व्यवहार के बाहरी पक्ष का अध्ययन सरल होता है, जिसका अध्ययन साधारण निरीक्षण द्वारा भी किया जा सकता है, किन्तु आन्तरिक पक्ष का अध्ययन अपेक्षाकृत कठिन होता है, क्योंकि यह अप्रकट होता है. व्यवहार के इसी आन्तरिक पक्ष का सम्बन्ध मनोवृत्ति से है. समाज में कई समस्याएं व्यक्तियों की सम्बन्धित मनोवृत्तियों के कारण ही उत्पन्न होती हैं. मिसाल के तौर पर, क्षेत्रवाद, भाषावाद, साम्प्रदायिकता और जातिवाद जैसी अनेक समस्याएं व्यक्तियों की मनोवृत्तियों के कारण ही उत्पन्न होती हैं. वस्तुतः मनोवृत्ति किसी व्यक्ति की मानसिक तस्वीर या प्रतिछाया है, जिसके आधार पर वह व्यक्ति या व्यक्ति समूह किसी वस्तु, परिस्थिति या फिर किसी घटना के प्रति अनुकूल या प्रतिकूल दृष्टिकोण अथवा विचार प्रकट करता है. मनोवृत्ति का प्रभाव व्यक्ति के व्यवहार पर दिशा सूचक रूप से पड़ता है. मनोवृत्ति ही वह कारक है, जो किसी व्यक्ति की शक्ति को किसी खास दिशा में लगा देती है, जिसके कारण वह अन्य दिशाओं को छोड़कर एक निश्चित दिशा में व्यवहार करने लगता है. स्पष्ट है कि यदि कोई व्यक्ति या संगठन अपनी सम्पूर्ण मनोवृत्ति के साथ किसी भी दिशा में सकारात्मक या नकारात्मक कदम उठाता है, तो उसके अपने इच्छित फल को प्राप्त करने की सम्भावना कई गुणा बढ़ जाती है. ध्यातव्य है कि अगर व्यक्ति अपनी सकारात्मक ऊर्जा के साथ अपने कार्यों को निष्पादित करते हुए किसी भी क्षेत्र विशेष में महानता हासिल करता है, तो निश्चित रूप से उसकी महानता का निर्धारक तत्व उसकी अदृश्य शक्ति **'मनोवृत्ति'** ही होती है. अर्थात् व्यक्ति की मनोवृत्ति तथा उसके कार्य-व्यवहार के बीच सदा सम्बद्धता होती है. महान् अमरीकी मनोवैज्ञानिक गॉर्डन आल्पोर्ट ने भी कहा है कि **"मनोवृत्ति एक विशेष तरह की मानसिक तथा स्नायविक तत्परता के रूप में कार्य करती है. मनोवृत्ति एक ऐसी मानसिक तत्परता है, जो व्यक्ति की सभी सम्बन्धित वस्तुओं तथा परिस्थितियों की प्रतिक्रियाओं पर निर्देशनात्मक तथा गतिशील प्रभाव डालती है."**

मनोवृत्तियाँ अनुभवजन्य विशेषताओं से भी विशेषित होती हैं. ये हमेशा निश्चित सामाजिक व सांस्कृतिक परिस्थितियों में प्राप्त की जाती हैं अथवा सीखी जाती हैं. मनोवृत्तियाँ हमारी रुचि तथा अरुचि का भी द्योतक होती हैं. ये मानव व्यवहार को एक निश्चित दिशा का निर्देशन करती हैं. व्यक्तियों की किसी परिस्थिति के प्रति प्रतिक्रिया की दिशा का परिचय उनकी मनोवृत्तियों के आधार पर ही प्राप्त किया जा सकता है. इतना ही नहीं, मनोवृत्तियाँ प्रेरक की उत्तेजना हेतु तैयारी की दिशा भी हैं और इनका सम्बन्ध मानवीय संवेगों तथा भावनाओं से होता है. यही कारण है कि मनोवृत्तियाँ आन्तरिक अचेतन आदतों की स्वरूप होती हैं और इनका निर्माण भी अचेतन रूप में ही होता है.

उल्लेखनीय है कि प्रत्येक व्यक्ति का अपना एक विशिष्ट व्यक्तित्व होता है. प्रत्येक व्यक्ति की विभिन्न विशेषताएं भी होती हैं. व्यक्तित्व की कुछ विशेषताएं व्यक्ति की मनोवृत्तियों को परिवर्तित करने में सहायक होती हैं. इसके विपरीत व्यक्तित्व की कुछ विशेषताएं मनोवृत्ति के शीघ्र परिवर्तन में बाधक भी होती हैं. फलतः बुद्धिमान व्यक्ति किसी भी वस्तु-स्थिति का मूल्यांकन शीघ्र एवं शुद्ध ढंग से कर लेते हैं, इसके साथ ही ऐसे व्यक्ति विभिन्न सूचनाएं भी शीघ्र ही ग्रहण कर लेते हैं. अतः इस प्रकार के व्यक्ति अपने निजी अनुभवों के आधार पर अपनी मनोवृत्ति का शीघ्र परिवर्तन कर रचनात्मक एवं सर्व-हितकारी कार्यों के प्रति अपने को समर्पित करते हुए महान् उद्देश्यों की प्राप्ति की ओर उन्मुख हो जाते हैं.

मनोवृत्ति का निर्माण एवं महानता के निर्धारक तत्व के रूप में इसकी भूमिका

महानता के निर्धारक तत्व के रूप में व्याख्यायित करने से पूर्व हमें यह समझना होगा कि किसी व्यक्ति की मनोवृत्ति का निर्माण कैसे होता है ? वस्तुतः मनोवृत्ति एक प्रवृत्ति होती है जिसके कारण व्यक्ति काम करने की ओर मुड़ता है. इसकी अभिव्यक्ति व्यावहारिक जीवन में अलग-अलग तरह से होती है. ये व्यक्ति अथवा समूहों की भावनाओं और विश्वासों की पुंज होती है. ये दूसरे व्यक्तियों अथवा विचारों और घटनाओं के सम्बन्ध में भी होती है.

मनोवृत्ति निर्माण की अवधारणा और मानव को महानता की ओर अग्रसर करने सम्बन्धी विशेषता को हम एक प्राचीन घटना के माध्यम से समझने का प्रयास करें. एक दिन सिद्धार्थ अपने सारथी के साथ राज्य भ्रमण के लिए निकले. उन्हें सड़क पर एक वृद्ध आदमी दिखाई दिया. उसके दाँत टूटे हुए थे, बाल पक गए थे, शरीर झुक गया था. सिद्धार्थ ने अपने सारथी से पूछा यह व्यक्ति कौन है और यह ऐसा क्यों है ? सारथी ने कहा, कुमार ! यह भी एक दिन सुन्दर और नौजवान था. इसके

भी बाल काले थे. इसका भी शरीर स्वस्थ था, पर अब यह बूढ़ा हो गया है. सिद्धार्थ का मन खिन्न हो गया. दूसरी बार सिद्धार्थ ने एक रोगी को देखा, तो सारथी से उसके बारे में पूछा. सारथी ने जवाब दिया यह बीमार है कुमार ! इसे ज्वर आता है. शरीर है, तो रोग होगा ही. सिद्धार्थ पुनः दुःखी होकर महल लौट आए. तीसरी बार सिद्धार्थ की आँखों के सामने से एक अर्थी गुजरी. उसके पीछे बहुत से लोग रो रहे थे. सिद्धार्थ ने सारथी से कहा अब यह क्या है ? सारथी ने कहा कुमार ! अर्थी पर लेटा व्यक्ति मर गया है, जिसकी याद में उसके स्वजन रो रहे हैं. सिद्धार्थ बहुत उदास होकर महल लौट आए.

उपर्युक्त घटना में हमने देखा कि सिद्धार्थ को निरंतर नए-नए अनुभव प्राप्त होते गए. बूढ़े व्यक्ति को देखकर उन्होंने पूछा कि क्या किसी दिन मेरा भी यही हाल होगा ? बीमार व्यक्ति को देख उनकी प्रतिक्रिया थी कि यदि स्वास्थ्य सपना है, तो इस शरीर के सुख और आनंद को कौन भोग सकता है ? अन्ततः मृत व्यक्ति को देख उनकी एक मनोवृत्ति विकसित होती गई और प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि "धिक्कार है जवानी को, जो जीवन को सोख लेती है. धिक्कार है स्वास्थ्य को, जो शरीर को नष्ट कर देता है और धिक्कार है इस जीवन को, जो इतनी जल्दी अपना अध्याय पूरा कर देता है. इस प्रकार हमने देखा कि प्रत्येक घटना ने उनके मन में एक भाव पैदा किया और भावों के आधार पर सिद्धार्थ का एक निश्चित दृष्टिकोण बना और अनुभवों से संचित दृष्टिकोण ने जीवन के प्रति उनके नजरिए को विकसित कर दिया तथा इन सारे अनुभवों से उनमें विरक्ति की मनोवृत्ति का विकास हुआ, जिसका प्रभाव उनके व्यवहार पर पड़ा. इस प्रकार राजकुमार सिद्धार्थ एक संन्यासी महात्मा बुद्ध बनने की राह पर चल पड़े. आज महात्मा बुद्ध द्वारा दी गई आदर्श शिक्षाएं एवं उपदेश न सिर्फ भारत के लिए बल्कि दुनिया के कई देशों के लिए अमूल्य निधियाँ हैं. मनोवृत्ति ने सिद्धार्थ के जीवन को इस कदर बदल डाला कि उन्होंने सिद्धार्थ से 'भगवान बुद्ध' बनने की महानता को हासिल कर लिया.

सम्राट् अशोक ने अपनी मनोवृत्ति में बदलाव कर अत्यंत महत्वपूर्ण और महान् कार्य किया. उन्होंने अपने जीवन के एक निर्णय के बाद धर्म और अहिंसा के मार्ग पर चलने की प्रतिज्ञा की. सम्राट् अशोक ने बौद्ध धर्म के साथ अपना गहरा सम्बन्ध बनाया और अहिंसा के प्रचार प्रसार का कार्य किया. उन्होंने धर्म और अहिंसा का संदेश अपने साम्राज्य में स्थापित किया, जिसका प्रमुख उदाहरण अपने **'अशोक स्तंभों'** के माध्यम से उन्होंने धर्म-विश्वास को समझाया. इसके अतिरिक्त, सम्राट् अशोक ने अपनी मनोवृत्ति में बदलाव कर कई महान् कार्य किए, जिसमें धर्म और अहिंसा के संदेश को संप्रेषित करना भी शामिल है.

इतना ही नहीं, हमारे देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति और मिसाइल मैन के नाम से विख्यात महान् वैज्ञानिक डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की मनोवृत्ति में गरीबी और संघर्ष के अनुभवों का महत्वपूर्ण स्थान था. उन्होंने अपनी कठिनाइयों को आत्मनिर्भरता और प्रेरणा का स्रोत बनाया. उनका मन उन्नति, समृद्धि और विकास के प्रति उत्साह से भरा हुआ था. उन्होंने अपने सपनों को पूरा करने के लिए कार्य किया और अपने उत्कृष्ट नेतृत्व के माध्यम से देश को नई ऊँचाइयों पर ले जाने का सपना देखा. उनकी मनोवृत्ति में संघर्ष और समर्थन की भावना थी, जो उन्हें एक उत्कृष्ट वैज्ञानिक, नेता और विचारक बनने की ओर प्रेरित करती थी.

मानव व्यवहार पर मनोवृत्ति का प्रभाव

मानव व्यवहार पर उसकी मनोवृत्ति का अत्यधिक महत्वपूर्ण प्रभाव होता है. उल्लेखनीय है कि मनोवृत्ति व्यक्ति की भावनाओं, विचारों और अनुभूतियों का संग्रह होती है और यह उसके व्यवहार को सीधे या परिभाषित रूप से प्रभावित करती है. मनुष्य की संवेदनशीलता, उत्तेजना, संवेदनात्मक नैतिकता और अनुभव जैसे कुछ महत्वपूर्ण तत्व मानवीय व्यवहार को प्रभावित करते हैं. व्यक्ति की मनोवृत्ति उसकी संवेदनशीलता को प्रभावित करती है. एक व्यक्ति जो संवेदनशील होता है, वह अपने आस-पास के लोगों की भावनाओं को समझता है और उनके साथ सहानुभूति भी रखता है, जोकि एक उत्कृष्ट मानवीय गुण है. उत्तेजनाशील मनोवृत्ति वाले व्यक्ति के व्यवहार में अधिक प्रेरणा और उत्साह देखा जाता है. ऐसे व्यक्ति अधिक उत्सुकता से अद्‌भुत कार्य कर सकते हैं, किन्तु कभी-कभी इससे उनका व्यवहार अत्यधिक अस्थिर भी हो सकता है. ठीक इसी प्रकार, संवेदनात्मक नैतिकता से युक्त व्यक्ति की मनोवृत्ति उसकी नैतिकता और मूल्यों को प्रभावित करती है. ऐसे व्यक्ति जो उदार और भावुक प्रवृत्ति के होते हैं, वे अधिक संवेदनात्मक नैतिकता के साथ व्यवहार करते हैं. साथ-ही-साथ अनुभव व्यक्ति की मनोवृत्ति को आकार देता है. व्यक्ति जो अनुभव प्राप्त करता है, वह उसके नजरिया को प्रभावित करता है. वास्तव में, मनोवृत्ति व्यक्ति के व्यवहार पर सीधे प्रभाव डालती है और विभिन्न पहलुओं के संयोजन से व्यक्ति के व्यहवार की समझ में मदद करती है.

जिस प्रकार सिक्के के दो पहलू होते हैं, ठीक उसी प्रकार मनोवृत्ति का नकारात्मक प्रभाव भी होता है. व्यक्ति की मनोवृत्ति उसके व्यवहार, विचार और जीवन के प्रति दृष्टिकोण को भी प्रभावित करती है तथा कई बार यह प्रभाव नकारात्मक भी होता है. एक नकारात्मक मनोवृत्ति वाले व्यक्ति में आत्मविश्वास की कमी हो सकती है, जिससे वह अपनी क्षमताओं को कम मानने लगता है और उसमें स्वार्थी विचारधारा विकसित होने लगती है. ऐसे व्यक्ति में अवसाद, चिंता और निराशा जैसी नकारात्मक भावनाएं नकारात्मक मनोवृत्ति के परिणामस्वरूप विकसित हो सकती हैं. इन भावनाओं से व्यक्ति का व्यवहार और सोचने का तरीका प्रभावित होता है. इसके अतिरिक्त, नकारात्मक मनोवृत्ति वाले व्यक्ति में समस्या समाधान की क्षमता में कमी हो सकती है. इस प्रकार नकारात्मक मनोवृत्ति व्यक्ति के जीवन को प्रभावित कर सकती है और उसे सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ने से रोक भी सकती है.

निष्कर्ष

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि मनुष्य की मनोवृत्ति में सकारात्मकता, निष्ठा, उत्साह, संघर्षशीलता और सामर्थ्य जैसे महत्वपूर्ण गुणों का होना आवश्यक है, क्योंकि सकारात्मक मनोवृत्ति वाले व्यक्ति में अपार ऊर्जा, आत्मविश्वास और सहानुभूति की भावना होती है तथा ऐसा व्यक्ति हर स्थिति में अच्छाई की खोज करता है तथा अपने संघर्षों को भी अवसर में बदलने की क्षमता रखता है, जो अंततः उसे महानता की दहलीज तक पहुँचा देती है. विश्व में अनेकों उदाहरण हैं, जिसमें महान् व्यक्तियों ने अपने लक्ष्यों तक पहुँचने के लिए प्रतिबद्धता और निष्ठा का पालन किया है, जोकि मनोवृत्ति का एक अहम् हिस्सा है. उत्साही मनोवृत्ति वाले व्यक्ति को उसके अपने कामों में उत्साह होता है, उसे अपने काम में आनंद और संतोष मिलता है. यही गुण उसे महानता की सीढ़ियों पर अग्रसर करते चले जाते हैं. साथ ही संघर्षशीलता की मनोवृत्ति महान् व्यक्तियों का एक अद्‌भुत गुण है. संघर्षशील व्यक्ति अपने जीवन के संघर्षों को पार करने की क्षमता रखता है. यह उसकी मनोवृत्ति ही तो है, जो जीवन की तमाम चुनौतियों का सामना करने के लिए उसे हिम्मत देती है. फलस्वरूप, ऐसा व्यक्ति सामर्थ्यवान होने के साथ-ही-साथ अपने क्षेत्र में ऊर्जा, ज्ञान और कौशल की उच्च स्तर की क्षमता बनाए रखता है तथा इन्हीं सकारात्मक मनोवृत्तिजन्य शक्तियों के कारण महान् लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है. अतः इन्हीं गुणों के साथ, सकारात्मक मानसिकता, सहानुभूति और अन्य लोगों के साथ सामर्थ्य और उदार व्यवहार करने की मनोवृत्ति महान् व्यक्तित्व के अहम् हिस्सा होते हैं और निःसंदेह ये ही मनुष्य की महानता के निर्धारक तत्व भी हैं. ●●●

प्रतियोगिता दर्पण
हिन्दी मासिक

निबन्ध प्रतियोगिता क्रमांक-536 का परिणाम

विषय : **"मनोवृत्ति ही महानता का निर्धारक तत्व."**

प्रथम– राजीव कुमार सिंह
10, ब्लॉक-19 पुष्प विहार,
सेक्टर-1, नई दिल्ली–110 017

द्वितीय– विभव सक्सेना S/o श्री रघुवंश चन्द्र सक्सेना
4-बी, बल्लभ नगर कॉलोनी,
पीलीभीत, उत्तर प्रदेश,
पिन–262 001

तृतीय– प्रभाष पाठक
अवर सांख्यिकी पदाधिकारी
नीलकंठ नगर, तिलकामांझी
भागलपुर, बिहार
पिन–812 001

अन्य प्रशंसनीय प्रयास

1. सुधा मिश्रा शिक्षिका,
मध्य विद्यालय, पीपरा
डुमरिया, जिला–गया
पिन–823 001

2. जितेन्द्र कुमार सिंह रावत
C/o धर्मकाँटा, अनाज मंडी
सुन्हेरा रोड, सबलगढ़, मुरैना,
मध्य प्रदेश, पिन–476 229

3. दिवेश कुमार शर्मा
ग्राम+पोस्ट–बघरा
जिला–समस्तीपुर, बिहार
पिन–848 506

4. संजय प्रसाद S/o
स्व. जगदेव प्रसाद
पोस्ट–चाकंद बाजार
जिला–गया, बिहार
पिन–804 404

5. दिव्य ज्योति D/o
गोपीनाथ कृष्ण
कुंवर टोला
सहरसा, बिहार
पिन–852 201

प्रथम

द्वितीय

तृतीय

➠ उपर्युक्त प्रशंसित निबन्ध प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 300 मूल्य की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें.** यदि ₹ 300 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई है, तो उसके मूल्य में से ₹ 300 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.

उपकार
छत्तीसगढ़
प्री-बी.एड. परीक्षा

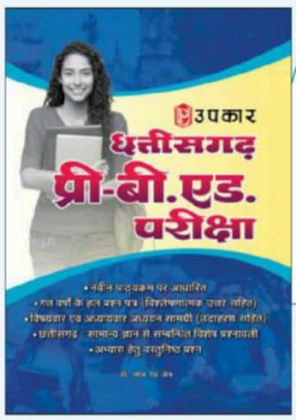

• नवीन पाठ्यक्रम पर आधारित
• गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र (विश्लेषणात्मक उत्तर सहित)
• विषयवार एवं अध्यायवार अध्ययन सामग्री (उदाहरण सहित)
• छत्तीसगढ़ : सामान्य ज्ञान से सम्बन्धित विशेष प्रश्नावली
• अभ्यास हेतु वस्तुनिष्ठ प्रश्न

कोड : 1267 मूल्य : ₹ 390.00
डॉ. लाल एवं जैन

उपकार प्रकाशन, आगरा–5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

ALP
उपकार
नवीनतम समसामयिकी के साथ
रेलवे भर्ती बोर्ड
असिस्टेंट लोको पायलट/ टेक्निशियन
Code : 2554
₹ 399.00

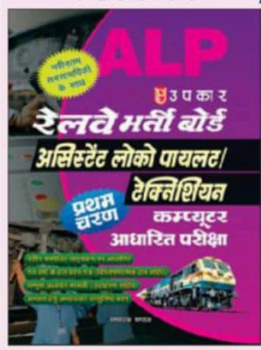

प्रथम चरण
कम्प्यूटर आधारित परीक्षा
नवीन संशोधित पाठ्यक्रम पर आधारित
गत वर्षों के हल प्रश्न-पत्र (विश्लेषणात्मक हल सहित)
सम्पूर्ण अध्ययन सामग्री (उदाहरण सहित)
अभ्यास हेतु अध्यायवार वस्तुनिष्ठ प्रश्न
सम्पादक मण्डल

उपकार प्रकाशन, आगरा–5
• E-mail : care@upkar.in • Website : www.upkar.in

विषय : "हमास युद्ध मध्य पूर्व को युद्ध की विभीषिका में झोंक रहा है".

पक्ष में : **— प्रभाष पाठक**

वर्ष 2007 से ही अलग देश की माँग कर रहे फिलिस्तीनियों का एक अतिवादी समूह हमास और इजरायल के बीच पुनः 7 अक्टूबर, 2023 से संघर्ष चल रहा है. हमास ने अरब देशों विशेष कर कतर और ईरान की मदद से गाजा में अपनी सैनिक नाकेबंदी मजबूत कर रखी है.ताजा संकट की शुरूआत 7 अक्टूबर, 2023 को हुई थी जब गाजा पट्टी स्थित हमास नामक अतिवादी फिलिस्तीन संगठन ने इजराइल पर अचानक आक्रमण कर लगभग 1200 लोगों को मार दिया तथा 200 से ऊपर इजराइल नागरिकों को बंधक बना लिया. इसके विरोध में इजरायल ने 20 लाख की आबादी वाले गाजा क्षेत्र पर भीषण आक्रमण कर दिया जो आज भी चल रहा है. इजराइल के इस आक्रमण से करीब 18,000 फिलिस्तीन मारे गए हैं, लगभग 50,000 घायल हुए हैं तथा आधी से अधिक गाजा की आबादी विस्थापित हो गई है, क्योंकि इजरायल की सेना ने गाजा की तीन ओर से नाकेबंदी कर दी है. अतः उसकी अनुमति के बिना गाजा में मानवीय सहायता नहीं पहुँच पा रही है. गाजा के दक्षिण में स्थित मिस्र ने भी विस्थापितों को अपने यहाँ आने से मना कर दिया है. गाजा संकट एक सैनिक संकट होने के साथ-साथ एक मानवीय संकट भी है.

इजराइल-हमास के बीच संघर्ष अब मध्य-पूर्व से बढ़कर यूरोप के दरवाजे पर दस्तक दे रहा है. भारत की सीमाओं से कुछ ही दूरी पर स्थित लाल सागर में एक लघु युद्ध शुरू हो चुका है. दक्षिण एशिया को अरब सागर-स्वेज नहर-लाल सागर के रास्ते यूरोप को जोड़ने वाले विश्व व्यापार मार्गों पर लाल सागर में उपजे हालिया संघर्ष के कारण जो अराजकता पैदा हो रही है, इसका असर उन सभी देशों पर पड़ेगा जिनके आयात-निर्यात के माल से लदे जहाज इस मार्ग से गुजरते हैं. साथ ही अमरीका, रूस, चीन सहित अन्य देशों के अपने-अपने भू-राजनीतिक लाभों के कारण इजराइल-हमास युद्ध अब मध्य-पूर्व को युद्ध की विभीषिका की ओर झोंक रहा है.

इस युद्ध ने विश्व समुदाय के देशों में ध्रुवीकरण को बढ़ावा दिया है. अमरीका, कनाडा और अन्य यूरोपीय देश इजराइल का साथ दे रहे हैं और उन्होंने हमास के आक्रमण को आतंकवादी कार्यवाही की संज्ञा दी है. अमरीका वास्तव में इजराइल का सबसे बड़ा सैनिक सहयोगी है. अमरीका ने भूमध्य सागर में अपने विमानवाहक पोत तथा अतिरिक्त सैनिक बल भी तैनात किए हैं ताकि कोई मुस्लिम देश इजराइल के विरुद्ध आक्रमण ना कर सके. इन देशों ने इजरायल के विरुद्ध संयुक्त राष्ट्र में पारित होने वाले किसी प्रस्ताव का समर्थन भी नहीं किया है. दूसरी तरफ अरब देशों ने हमास द्वारा इजराइल के बंधकों को छोड़ने की माँग करते हुए गाजा में तत्काल युद्ध स्थगित करने की माँग की है. अरब देशों के संगठन अरब लीग तथा इस्लामी देशों के संगठन ओआईसी के संयुक्त सम्मेलन में इस बात को उठाया जा चुका है. फिलिस्तीन को लेकर अरब-इजरायल विवाद वर्तमान समय सबसे पुरानी समस्याओं में से एक है. वर्तमान गाजा संकट के उत्पन्न होने से अरब देशों और इजरायल के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है.

लाल सागर में अशांति का दौर ईरान समर्थित हूती थी विद्रोहियों, जिनका यमन के अधिकांश क्षेत्र पर नियंत्रण है, द्वारा इजराइल के समर्थन में खड़े देशों के जहाजों पर रॉकेटों और ड्रोन से किए गए हमलों के साथ प्रारम्भ हुआ था. इसका विरोध संयुक्त राज्य अमरीका के नौसेना के जहाजों ने किया.इससे ईरान और अमरीकी नौसेना के बीच टकराव का खतरा काफी बढ़ गया है. हालाँकि ईरान लाल सागर में हूतियों द्वारा किए गए हमले में शामिल होने से इनकार करता है. हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब में कम दूरी के 10,000 मिसाइलें दागी हैं और संयुक्त अरब अमीरात में भी ठिकानों पर हमला किया है. गाजा में युद्ध शुरू देश होने के बाद से उन्होंने इजरायल की ओर बैलिस्टिक मिसाइलें और ड्रोन भी दागे हैं. सऊदी अरब ने ईरान पर हूती विद्रोहियों को क्रूज मिसाइल और ड्रोनों की आपूर्ति के लिए आरोप लगाया है. वास्तव में हूती विद्रोही विश्व नौवहन को रोकने में सक्षम है, क्योंकि लाल सागर और अरब सागर को जोड़ने वाली बाब-अल-मांदेब जलडमरूमध्य अपने सबसे संकीर्ण बिन्दु पर केवल 22 मिल चौड़ा है. हूती समुद्र में बहुत दूर तक जहाज को भी मार रहे हैं. यमन और जिबूती के बीच बाब-अल-मांदेब खाड़ी जैसे छोटे क्षेत्र में यमन की धरती से ड्रोन और मिसाइल से जहाज पर हमला करना विद्रोहियों के लिए आसान है, क्योंकि इसमें जान गंवाने का खतरा नहीं है.

वैसे जब 9 जनवरी, 2024 को संयुक्त राज्य अमरीका तथा यूनाइटेड किंगडम की नौसेनाओं ने हूतियों द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय जहाजरानी गलियारे में दागे गए 21 ड्रोनों और मिसाइलों को मार गिराने का दावा किया, तो इस युद्ध की व्यापकता स्पष्ट हो गई. संयुक्त राज्य अमरीका ने अपने वाणिज्यिक जहाजरानी की सुरक्षा के लिए ऑपरेशन प्रोस्पेरिटी गार्जियन नामक ऑपरेशन शुरू किया है. मूलतः लाल सागर की ये घटनाएं दुनिया में अब संघर्षों के पैमाने और प्रसार को रेखांकित करती है. हूती विद्रोही अब उन जहाजों को भी निशाना बना रहे हैं जिनका इजराइल से कोई सीधा सम्बन्ध नहीं है जैसे कि भारत के जहाज. ऐसा वैश्विक व्यापार पर व्यवधान के पैमाने को बढ़ाने के लिए किया जा रहा है.

स्पष्ट है कि इजराइल-हमास संघर्ष के बहाने लाल सागर में हूती विद्रोहियों की मौजूदगी यूरोप व एशिया व्यापार के लिए खतरा है. चूँकि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य में आर्थिक हित ही सर्वोपरि है. अब कोई भी देश सुदूर की भू-राजनीतिक वास्तविकताओं से अपने आप को अलग नहीं रख सकता और ना ही पूर्णतः तटस्थ रहे सकता है. व्यापार और आपूर्ति शृंखलाओं पर जुड़ाव और निर्भरता संघर्षों को अप्रत्यक्ष रूप से उन देशों तक भी पहुँचा देती है जो सीधे तौर पर इसमें शामिल नहीं है. अतः कहा जा सकता है कि मध्य-पूर्व की ये घटनाएं इस क्षेत्र को युद्ध की विभीषिका में झोंक रही है.

विपक्ष में : **— डॉ. विभव सक्सेना**

सामान्य रूप से युद्ध को किसी भी समस्या का स्थायी समाधान नहीं माना जाता है. वर्तमान में चल रहा इजरायल हमास युद्ध भी केवल दो पक्षों के बीच का मुद्दा नहीं है. मध्य पूर्व की भू-राजनीतिक स्थिति और इजरायल फिलिस्तीन संकट के इतिहास को देखते हुए आज विश्व भर के विशेषज्ञ हमास युद्ध के कारण मध्य पूर्व के अत्यधिक प्रभावित होने की आशंका व्यक्त कर रहे हैं, किन्तु क्या यह युद्ध वास्तव में मध्य पूर्व को युद्ध की विभीषिका में झोंक रहा है, इस पर विचार किया जाना भी अत्यंत आवश्यक है. अतः हम इस युद्ध के सम्भावित परिणामों का वर्तमान परिस्थितियों के सन्दर्भ में परीक्षण करते हुए ही किसी निष्कर्ष पर पहुँच सकते हैं.

गाजा पट्टी पर शासन करने वाले उग्रवादी समूह हमास ने जल, थल और वायु मार्ग से इजरायल पर 7 अक्टूबर, 2023 को विनाशकारी हमला किया, जिसमें कई लोगों की जान चली गई. इससे इजरायल-फिलिस्तीन के

बीच सदियों से चला आ रहा विवाद पुनर्जीवित हो गया है.

इजरायल-फिलिस्तीन के बीच संघर्ष की नींव वर्ष 1917 में रखी गई थी जब तत्कालीन ब्रिटिश विदेश सचिव आर्थर जेम्स बॅल्फोर ने बॅल्फोर घोषणा के तहत् फिलिस्तीन में यहूदियों के लिए 'नेशनल होम' हेतु ब्रिटेन का आधिकारिक समर्थन व्यक्त किया था.

हमास एक फिलिस्तीनी राजनीतिक सशस्त्र समूह है जिसकी स्थापना वर्ष 1987 में मिस्र के मुस्लिम ब्रदरहुड की एक शाखा के रूप में की गई थी जो हिंसक जिहाद के माध्यम से अपने एजेंडे को पूरा करना चाहता था. यह एक उग्रवादी समूह है जो इजरायली कब्जे के खिलाफ एक प्रतिरोध आन्दोलन के रूप में उभरा था.

हमास का मानना है कि फिलिस्तीन की भूमि के किसी भी भाग का समझौता नहीं किया जाएगा और न ही उसे किसी को दिया जाएगा. फिलिस्तीन की पूर्ण मुक्ति के अतिरिक्त, हमास अन्य सभी विकल्पों को अस्वीकार करता है.

हमास को समाप्त करने के लिए गाजा पट्टी में इजरायल के जमीनी हमले के कारण इजरायल-हमास के बीच चल रहा संघर्ष और बढ़ गया है. इस संघर्ष के बाद के चरण और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर इसके संभावित प्रभाव के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं.

ऐसा माना जा रहा था कि इस संघर्ष के परिणामस्वरूप गाजा में मानवीय संकट बढ़ सकता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग आहत हो सकते हैं. इस परिदृश्य में एक व्यापक क्षेत्रीय संघर्ष शामिल है, जिसमें लेबनान और सीरिया में ईरान समर्थित आतंकी समूहों के साथ-साथ यमन में हूती की सम्भावित भागीदारी शामिल है. इससे कई क्षेत्रीय स्थानों पर हिंसा, अस्थिरता और संघर्ष बढ़ने की आशंका व्यक्त की गई थी, किन्तु अभी तक की परिस्थितियों को देखते हुए इनमें से कोई भी सम्भावना सत्य सिद्ध नहीं हुई है.

विभिन्न असफलताओं से उबर रही वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए यह युद्ध चिंताजनक बताया गया था. विशेषज्ञों का मानना था कि विश्व स्तर पर उच्च मुद्रास्फीति दर, सम्भावित रूप से वैश्विक आर्थिक विकास में कमी ला सकती है, परन्तु अभी तक विश्व की अर्थव्यवस्था पर इस युद्ध का कोई खास नकारात्मक प्रभाव देखने को नहीं मिला है.

विश्व की 20% से अधिक कच्चे तेल की आपूर्ति पश्चिम एशिया से होती है, इस क्षेत्र में संघर्ष से कच्चे तेल की कीमतें 150 अमरीकी डॉलर प्रति बैरल तक बढ़ने का अनुमान लगाया जा रहा था, किन्तु अभी तक तेल की कीमतों में कोई खास वृद्धि दर्ज नहीं की गई है.

इसके सबसे चरम परिदृश्य में क्षेत्रीय शक्तियों इजरायल और ईरान के बीच पूर्ण पैमाने पर संघर्ष की परिकल्पना की जा रही थी, जिसमें संयुक्त राज्य अमरीका, चीन और रूस जैसी प्रमुख वैश्विक शक्तियाँ शामिल हो सकती हैं, परन्तु अभी तक ऐसी कोई भी स्थिति सामने नहीं आई है.

यह संघर्ष मध्य पूर्व में व्यापार और वैश्विक कच्चे तेल की आपूर्ति को बाधित कर सकता है, जिससे इस क्षेत्र के कई देश एवं उनके व्यापारिक भागीदार प्रभावित होंगे, यह आशंका भी अब निर्मूल सिद्ध हुई है.

ऐसा अनुमान है कि वर्ष 2024 में वैश्विक मुद्रास्फीति लगभग 6·7% तक बढ़ सकती है, जिससे सम्भावित रूप से वैश्विक आर्थिक विकास में लगभग 2% की कमी की सम्भावना है. इसके अलावा भारत और अमरीका जैसे देशों के लिए गम्भीर प्रभाव के परिणामस्वरूप सम्भावित वैश्विक मंदी की स्थिति उत्पन्न हो सकती है. यदि वर्तमान सन्दर्भ में देखा जाए तो अभी तक के परिणाम निराशाजनक नहीं है और विभिन्न देशों की आर्थिक विकास दर को देखते हुए मंदी की भी कोई सम्भावना दिखाई नहीं देती है.

इस प्रकार स्पष्ट है कि हमास युद्ध मध्य-पूर्व को युद्ध की विभीषिका में झोंक रहा है, वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत यह कहना सर्वथा अनुचित है. ●●●

नवीन संशोधित एवं परिवर्द्धित संस्करण

उपकार हरियाणा

सामान्य ज्ञान

एक दृष्टि में

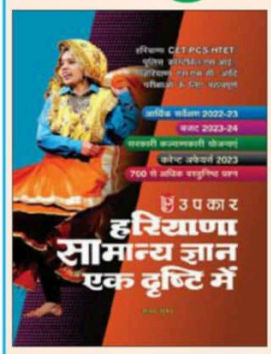

कोड : 1059

मूल्य : ₹ 105/-

लेखक : संजय सुमन

हरियाणा CET/PCS/HTET पुलिस कॉंस्टेबिल/ एस.आई./हरियाणा एस.एस.सी. आदि परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण

- नवीनतम आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार टॉपिकवाइज अपडेट.
- बजट 2023-24 के आँकड़े.
- नवीन परीक्षोपयोगी समाचारों से अपडेट.
- नवीनतम घोषित योजनाओं के साथ.
- खेलकूद की नवीनतम घटनाएं
- प्रत्येक टॉपिक आर्थिक सर्वेक्षण व राजकीय रिपोर्टों से अपडेट.
- टॉपिकवाइज 700 से अधिक परीक्षोपयोगी वस्तुनिष्ठ प्रश्नों का समावेश.

उपकार प्रकाशन, आगरा-5 | E-mail : care@upkar.in | Website : www.upkar.in

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–212 का परिणाम

विषय : "हमास युद्ध मध्य-पूर्व को युद्ध की विभीषिका में झोंक रहा है."

विजेता

पक्ष में :

प्रभाष पाठक
अवर सांख्यिकी पदाधिकारी
नीलकंठ नगर, तिलकामांझी
भागलपुर (बिहार)
पिन–812 001

☞ उपर्युक्त प्रशंसित वाद-विवाद प्रतियोगियों में से प्रत्येक को उपकार प्रकाशन की ₹ 500 मूल्य तक की वांछित पुस्तक/पुस्तकें भेंटस्वरूप प्रदान की जाएंगी. **कृपया अपनी पसन्द की पुस्तक अलग से प्रकाशक के नाम पत्र द्वारा सूचित करें. यदि ₹ 500 से अधिक मूल्य की पुस्तक की माँग की गई, तो उसके मूल्य में से ₹ 500 पुरस्कारस्वरूप कम कर दिए जाएंगे.**

वाद-विवाद प्रतियोगिता

विषय–"कृषकों की वास्तविक आय में वृद्धि किए बिना समावेशी विकास का लक्ष्य पाना सम्भव नहीं है.

अन्तिम तिथि–15 मई, 2024

शब्द संख्या–अधिकतम 750 शब्द (पक्ष/विपक्ष)

पुरस्कार योजना–पक्ष/विपक्ष के प्रथम दो लेख.

विशेष–पक्ष/विपक्ष के प्रथम लेख पत्रिका में प्रकाशित होंगे.

कृपया अपनी प्रविष्टि पर अपना पूरा पता फोन नं. सहित अवश्य लिखें.

प्रथम पुरस्कृत पक्ष/विपक्ष अभ्यर्थी को पुरस्कारस्वरूप ₹ 500/- प्रदान किए जाएंगे.

कॉपीराइट अधिकार प्रकाशक का होगा. अन्य लेख वापस नहीं किए जाएंगे.

(कृपया लिफाफे पर निम्नलिखित कूपन को अवश्य चिपकाए)

वाद-विवाद प्रतियोगिता क्रमांक–213
(पक्ष/विपक्ष/दोनों पक्ष)

सम्पादक, प्रकाशक एवं मुद्रक राहुल जैन द्वारा मैसर्स प्रतियोगिता दर्पण के लिए उन्हीं के द्वारा थॉमसन प्रेस (इंडिया) लि. 18/35 देहली–मथुरा रोड, फरीदाबाद–121 007 (हरियाणा) से मुद्रित एवं 2/11A, स्वदेशी बीमा नगर, आगरा-2 से प्रकाशित